राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

15 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

कुलाध्यक्ष

भारत के राष्ट्रपति

महामहिम श्रीमती द्रोपदी मुर्मु

कुलाधिपति

डॉ. के. कस्तूरीरंगन

कुलपति

प्रो. आनंद भालेराव

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

श्रेणी 1 विश्वविद्यालय

विषय-सूची

क्रम सं.	नाम	पृष्ठ सं.
1.	कुलपति की कलम से	1–2
2.	दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य	3–4
3.	विश्वविद्यालय : एक नज़र में	5–10
4.	अकादमिक सूचना	11–30
5.	मूलभूत सुविधाएँ	31–39
6.	विद्यार्थी सहायता प्रणाली	40–44
7.	आयोजित कार्यक्रम	45–68
8.	सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ - विस्तार गतिविधियाँ	69–85
9.	स्कूल एवं विभाग	86–162
10.	संकाय : शैक्षणिक प्रयास	163–193
11.	संकाय सदस्यों के प्रकाशन	194–240
12.	बाह्य वित्त पोषित परियोजनायें	241–249
13.	शोध-प्रबंध एवं शोध-निबंध	250–310
14.	विद्यार्थियों के नियोजन और उपलब्धियाँ	311–314
15.	लैंगिक लेखा परीक्षा	315–326
16.	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी	327–336
17.	संकाय सदस्यों/अधिकारियों / कर्मचारियों की सूची	337–347

कुलपति की कलम से

मैं बहुत सम्मान, कृतज्ञता और संतुष्टि के साथ 2023-24 शैक्षणिक सत्र का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामूहिक प्रयासों और उपलब्धियों को दर्शाता है।

अपने शुरुआती दिनों से ही, विश्वविद्यालय अकादमिक और शोध में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, जिसने राजस्थान और उसके बाहर शैक्षणिक संस्थानों के बीच अपनी प्रतिष्ठा को बनाए रखा है। पिछले वर्ष शैक्षणिक कार्यक्रमों से लेकर समग्र शिक्षण-अध्ययन वातावरण के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास को चिह्नित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के साथ तालमेल बिठाते हुए विश्वविद्यालय ने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और स्वयम तथा कोर्सेरा जैसे ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सहज सीखने के अनुभव पर बल दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से भारत की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आया है। इसमें समग्र और बहु-विषयक शिक्षा के साथ ही एकीकृत शैक्षणिक और व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है और लचीलापन एवं समावेशिता सुनिश्चित की गई है। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसका लक्ष्य सार्वभौमिक पहुँच है। प्रौद्योगिकी को शामिल करके, शोध को बढ़ावा देकर और शिक्षक प्रशिक्षण को संशोधित करके, एनईपी 2020 एक अभिनव, भविष्य के लिए तैयार शिक्षा परिदृश्य बनाने की आकांक्षा रखता है जो प्रत्येक छात्र की बौद्धिक और रचनात्मक क्षमता का पोषण करता है। हमने विभिन्न स्कूलों और विषयों में कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में भी काफी विविधता लाई है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) भी शुरु की जा रही है, जो विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की पहुँच को सुगम बनायेगी।

कोविड के बाद डिजिटल लर्निंग की ओर बदलाव के बावजूद, भौतिक बुनियादी ढांचे के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। मुझे केंद्रीय उपकरण सुविधा (सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी) के उद्घाटन की सूचना देते हुए खुशी हो रही है, जो कर्मचारी आवास की एक अतिरिक्त इकाई है। इसके अलावा, माननीय प्रधान मंत्री ने तीन नये भवनों - केंद्रीय पुस्तकालय, छात्रों के लिए भोजनालय और एक छात्रावास भवन की आधारशिला रखी है, जिसका निर्माण कार्य शीघ्र ही पूरा होने की संभावना है।

विश्वविद्यालय का अच्छा शोध रिकॉर्ड रहा है, जिसमें अनेक प्रोफेसरों को अब दुनिया भर के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में से एक माना गया है। प्रतिवेदित अवधि में, लगभग रु.17,67,51,829/- मूल्य की 310 शोध परियोजनाओं को यूजीसी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीएसटी, और एफआईएसटी जैसी प्रमुख एजेंसियों द्वारा स्वीकृति दी गई। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने इस वर्ष लगभग 2912 शोध पत्र प्रकाशित किए और 04 पेटेंट प्राप्त किए।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, साथ ही बास्केटबॉल, टेनिस और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल की बुनियादी ढांचे का भी विकास किया है। अनेक छात्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के आयोजनों में भी शामिल हुए। 2023-24 सत्र में शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और प्रशासनिक कार्य को सुव्यवस्थित करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं शिक्षकेत्तर पदों को भरने पर जोर दिया गया। अनेक महत्वूपर्ण प्रतिनिधियों का विश्वविद्यालय परिसर में आगमन हुआ जिनमें प्रो. (डॉ.) सुधी राजीव, कुलपति, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर; प्रो. माधवानंद कर, निदेशक, एम्स, जोधपुर; डॉ. बिजोन के. मित्रा और डॉ. विभास सुखवानी, आईजीईएस, जापान; डॉ. हार्टविग हार्डर, वैज्ञानिक, जर्मनी; डॉ. सुनील के बर्नवाल, अपर सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार; श्री संजय शर्मा, राज्य मंत्री, लोक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार; प्रो. अनिल शहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, एनईएफटी, एनबीए और ईसी एनएएसी; श्री के.एल. बेरवालजी, कुलाधिपति, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.), प्रो. ई. भरूचा, निदेशक, पर्यावरण शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे; प्रो. बिधु भूषण मिश्रा, कुलपति, संबलपुर विश्वविद्यालय, इत्यादि शामिल हैं।

यह एक प्रेरणादायी वर्ष रहा, लेकिन अभी और भी बहुत कुछ हासिल करना शेष है। इसलिए मैं सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों से आग्रह करता हूँ कि वे न केवल हमारे विश्वविद्यालय बल्कि हमारे राष्ट्र की ताकत, संसाधनों, ज्ञान और तकनीकी प्रगति में योगदान देना जारी रखें। मैं शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, कुलाधिपति डॉ. के. कस्तूरीरंगन, कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद, अन्य समितियों और इस रिपोर्ट को अंतिम रूप प्रदान करने हेतु संपादकीय समूह को उनके अटूट समर्थन और बहुमूल्य योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

प्रो. आनंद भालेराव
कुलपति
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य

दृष्टिकोण

शिक्षा, नवाचार और प्रदर्शनकारी सामाजिक परिवर्तन में उत्कृष्टता के माध्यम से सतत विकास।

मिशन

- एक समावेशी वातावरण तैयार करना और उसे बनाए रखना, जो विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण, सामाजिक रूप से आकर्षक और परिवर्तनकारी अध्ययन का अनुभव प्राप्त करने हेतु प्रेरित करता हो।
- अनुसंधान और नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जिसमें वैश्विक चिंताओं के लिए स्थायी समाधान प्रदान करने हेतु व्यक्तिगत क्षमता का उपयोग किया जा सके।
- मूल्य-आधारित समग्र शिक्षा प्रदान करना और लचीला तथा कुशल मानव संसाधन विकसित करना जो राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सके।

लक्ष्य

- सुगम तथा वहनीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ताकि छात्रों में व्यावसायिक कौशलों, नैतिक सिद्धांतों तथा वैश्विक दृष्टिकोणों का विकास हो सके।
- मूलभूत तथा क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर संकाय सदस्यों तथा छात्रों को शोध की सुविधा प्रदान करना।
- शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार तथा परामर्श के हमारे चार मूलभूत मिशनों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को अपनाना।
- प्रमुख अनुसंधान विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के लिए संधारणीय विकास हेतु अनिवार्य अंतर्विषयक शैक्षणिक संसाधनो के निर्माण हेतु ज्ञान तथा विवेक का अन्वेषण करना तथा सामुदायिक क्षमता को सशक्त एवं उन्नत करने के लिए समाज को ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में सम्मिलित करना और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के सक्रिय प्रबंधन की रणनीति तैयार करना तथा निपुणता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित उच्च गुणवत्तायुक्त शासन के संवेदनशील संरचना हेतु प्रणाली का प्रवर्तन करना।
- मूल्य-केन्द्रित शिक्षा के माध्यम से वैश्विक समुदाय के एक जवाबदेह नागरिक के रूप में कार्य करते हुये एक उन्नत अंतरराष्ट्रीय तथा प्रतिस्पर्धात्मक नियोजन बाजार का विकास करने तथा बौद्धिक कौशल एवं सकारात्मक मानसिकता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय को विश्व के सर्वोत्कृष्ट स्थानो में से एक बनाना।

उद्देश्य

- चरित्र मूल्यों का निर्माण और साथ ही विश्लेष्णात्मक सोच, व्यक्तिगत पहल और दायित्व विकास के द्वारा छात्रों के कैरियर निर्माण का प्रयास।
- क्षेत्रीय जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी लचीली, नवीन, शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों और संरचनाओं को समर्थन प्रदान करना।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रमों में संलग्न शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करना।

- स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर विचारशील और जवाबदेह संकायों और छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।
- एक विशेष दायित्व को स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यकों और समाज के निचले सामाजिक – आर्थिक तबके से आने वाले छात्रों को शिक्षित करना।
- अपनी विशेषज्ञता से अनुसंधान एवं परामर्श द्वारा क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का समाधान कर समाज को लाभ पहुंचाना।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर की गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व और सेवा के लिए क्षमता निर्माण हेतु साधन उपलब्ध कराना और सामुदायिक भागीदारी के लिए अवसर उपलब्ध करना।

गुणवत्ता वक्तव्य

ज्ञान के युग की चुनौतियों को पूरा करने तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान की गति को बनाए रखने के लिए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी आयामोंतथा क्षेत्रीय क को वैश्विर एवं शासन की गुणवत्ताविस्ता ,अनुसंधान ,जैसे शिक्षण , कताओंआवश्य की पूर्ति के अनुसार बनाये रखने हेतु प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय एक नजर में

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने NAAC मूल्यांकन के अपने दूसरे चक्र में A++ ग्रेड प्राप्त किया है, जो उत्कृष्टता और सतत विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। संसद के अधिनियम (2009 का अधिनियम संख्या 25) द्वारा 2009 में स्थापित, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को भारत के सबसे गतिशील और समावेशी विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में देखा गया था, जो विविध शिक्षार्थी समुदायों को गुणवत्तापूर्ण, अभिनव शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, विशेष रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच को प्राथमिकता देता है।

वर्ष 2023 में, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा श्रेणी एक विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई, जो इसके शैक्षणिक और संस्थागत महत्व को और अधिक रेखांकित करता है। कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव, जिन्होंने जनवरी 2022 में पदभार ग्रहण किया, के दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक रैंकिंग और छात्रों तथा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध संसाधनों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। यह वृद्धि राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी बनने, अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने और वैश्विक जुड़ाव को बढ़ावा देने के मिशन को दर्शाती है।

अपनी 15 वर्षों की यात्रा में, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय तीव्र गति से राजस्थान के उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में से एक के रूप में उभरा है। विश्वविद्यालय का हरा-भरा, खुला परिसर एक आदर्श, प्रदूषण-मुक्त वातावरण प्रदान करता है जो अकादमिक उत्कृष्टता, शोध और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। छात्र अपन स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। एक सहायक और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय पूरे भारत और विदेशों के छात्रों को एक साथ लाता है, जिससे एक जीवंत, विविध परिसर समुदाय को बढ़ावा मिलता है।

हाल ही में, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश किया है, अत्याधुनिक शैक्षणिक भवन, शोध प्रयोगशालाएँ और आवासीय सुविधाएँ बनाई हैं। परिसर में अब अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, व्यापक डिजिटल संसाधनों वाला एक केंद्रीय पुस्तकालय और अभिनव शिक्षण और सहयोगी अनुसंधान के लिए समर्पित स्थान हैं। इसके अतिरिक्त, बहुउद्देश्यीय खेल मैदान, एथलेटिक ट्रैक और विभिन्न खेलों के लिए मैदान सहित उन्नत खेल बुनियादी ढाँचा विकसित किया गया है। ये सुविधाएँ प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स से लेकर मनोरंजक खेलों तक की कई तरह की गतिविधियों का समर्थन करती हैं, जो सभी छात्रों के लिए एक संतुलित, स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करती हैं। इस तरह के विकास

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय की न केवल अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि अपने परिसर के समुदाय की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो एक समग्र छात्र अनुभव को बढ़ावा देता है।

शैक्षणिक विकास की रूपरेखा:

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जिसने दो पीजी कार्यक्रमों के साथ एक साधारण शुरुआत की थी, अब एक पूर्ण विकसित विश्वविद्यालय बन चुका है, जिसमें 12 विभिन्न स्कूलों के अंतर्गत 32 शैक्षणिक विभागों में स्नातकोत्तर, इंटीग्रेटेड स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं।

क्रसं .	स्कूल का नाम	विभाग
1.	वास्तुकला स्कूल	• वास्तुकला विभाग • डीडीयू कौशल केंद्र
2.	रासायनिक विज्ञान और और फार्मेसी स्कूल	• रसायन विज्ञान विभाग • फार्मेसी विभाग
3.	वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग	• वाणिज्य विभाग • प्रबंधन विभाग
4.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल	• कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग • इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग (ece) • जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग
5.	पृथ्वी विज्ञान स्कूल	• वायुमंडलीय विज्ञान विभाग • पर्यावरण विज्ञान विभाग
6.	जीवन विज्ञान स्कूल	• जैव रसायन विभाग • जैव प्रौद्योगिकी विभाग • सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
7.	मानविकी और भाषा स्कूल	• अंग्रेजी विभाग • हिंदी विभाग • भाषाविज्ञान विभाग
8.	गणित सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल	• कंप्यूटर विज्ञान विभाग • आंकड़ा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग • गणित विभाग • सांख्यिकी विभाग
9.	सामाजिक विज्ञान स्कूल	• अर्थशास्त्र विभाग • संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग • लोक नीति, कानून और शासन विभाग • सामाजिक कार्य विभाग • समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग
10.	खेल विज्ञान स्कूल एमएवाईएस के तहत	• खेल जीवविज्ञान विभाग • खेल जैव यांत्रिकी • खेल मनोविज्ञान विभाग

11.	भौतिकीय विज्ञान स्कूल	• भौतिकी विभाग
12	शिक्षा स्कूल	• शिक्षा विभाग • योग विभाग

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुरूप डिजाइन किए गए हैं, ताकि विचारशील, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार किये जा सकें। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रम उच्च मानकीकृत कार्यक्रम हैं, जिन्हें उच्च रोजगार सृजन की दृष्टि से डिजाइन किया गया है, जिसमें सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले ज्ञान और कौशल का उपयुक्त मिश्रण है। कुछ कार्यक्रम जिनका विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए, वे हैं योग विज्ञान, खेल विज्ञान, डिजिटल सोसाइटी, बिग डेटा एनालिटिक्स, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान, जिन्हें शिक्षा में उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप पेश किया गया था। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे सभी पाठ्यक्रमों को प्रासंगिक विषयों में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने के लिए संशोधित और नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों, छात्रों और अन्य लोगों को शामिल किया जाता है। सिद्धांत अभ्यास के प्रभावी संयोजन, नौकरी बाजार की मांगों को एकीकृत करने और समय के सबसे प्रासंगिक ज्ञान को अद्यतन करने के लिए विभागीय अध्ययन बोर्ड, स्कूल बोर्ड और अकादमिक परिषद के माध्यम से पाठ्यक्रम के अनुमोदन की प्रक्रिया का हमेशा पालन किया जाता है। इस तरह की अकादमिक उत्कृष्टता हमेशा संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान, हस्तक्षेप परियोजनाओं और परामर्श कार्यों पर पर्याप्त ध्यान देने से प्रेरित होती है।

विश्वविद्यालय ने अकादमिक विस्तार और विकास के अनुरुप तीन नए शैक्षणिक विभाग शुरू करने की योजना बनाई है। ये हैं – वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल के तहत होटल एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग, प्रदर्शन कला स्कूल के तहत थिएटर एवं प्रदर्शन कला विभाग और स्वास्थ्य विज्ञान अंतर्विषयक स्कूल के तहत स्वास्थ्य विज्ञान विभाग। इन विभागों को शुरू करने और उनके कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने हेतु तीन वरिष्ठ प्रोफेसरों को प्रभार दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) एनईपी 2020 के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर नीति के तेजी से कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए एनईपी 2020 प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय ने एनईपी के विभिन्न घटकों से संबंधित विस्तृत नियम/दिशानिर्देश तैयार किए हैं जैसे अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा, उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण इत्यादि। विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम के पुनर्गठन, प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम और मुक्त दूरस्थ शिक्षा केंद्र के शुभारंभ के साथ ही सभी विषयों और विभिन्न स्तरों पर एनईपी 2020 का कार्यान्वयन शुरू कर दिया है।

- **अकादमिक क्रेडिट बैंक :** विश्वविद्यालय ने अकादमिक क्रेडिट बैंक प्लेटफॉर्म पर एक खाता खोला है। स्नातकोत्तर में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को अकादमिक क्रेडिट बैंक प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत किया गया है और खाते खोले गए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 और 2021-22 के परिणाम अकादमिक क्रेडिट बैंक पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं और विश्वविद्यालय ट्रांसिक्रप्ट जारी करने और छात्रों के बारे में विस्तृत जानकारी बनाए रखने के लिए इसका उपयोग कर रहा है। कुल 824 अकादमिक क्रेडिट बैंक आईडी बनाई गई हैं (बैच 2021 से 637 और बैच 2022 से 187) और अन्य नामांकन प्रक्रिया में हैं।
- **एकाधिक प्रवेश और निकास :** निम्नलिखित घटकों के साथ छात्र-केंद्रित समग्र शिक्षा की सुविधा के लिए एनईपी 2020 के अनुरुप शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में 32 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को पुनर्गठित और कार्यान्वित किया गया है:

  • मूल पाठ्यक्रम

- वैकल्पिक पाठ्यक्रम
- एनपीटीईएल और एमओओसी
- ट्यूटोरियल्स
- अनुसंधान
- प्रशिक्षण
- उद्यमिता पर पाठ्यक्रम
- योग्यता और कौशल पाठ्यक्रम
- उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी
- व्यावसायिक पाठ्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा : योग विभाग ने व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम अर्थात योग शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (YTTC) लेवल -1 शुरु किया है। 16 दिसंबर 2022 - 15 जनवरी 2023 के दौरान 21 छात्रों को पाठ्यक्रम के लिए नामांकित किया गया है।

उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण: अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश से संबंधित सभी मामलों की देखभाल के लिए विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों का कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश को आसान बनाने के लिए प्रवेश दिशानिर्देश, शुल्क संरचना, आवेदन पत्र आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

पूर्व छात्रों से संपर्क : पूर्व छात्रों को जोड़ने, पारस्परिक संवाद और पंजीकृत करने के लिए अल्मा शाइन्स https://www.almashines.com/curaj का उपयोग किया गया है। 4968 पूर्व छात्र पहले ही अल्माशाइन्स के माध्यम से जुड़ चुके हैं। विश्वविद्यालय नियमित रूप से पूर्व छात्रों की बैठकें भी आयोजित कर रहा है।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एंबेडेड योजना लागू की गई है। इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के लिए प्रस्तावित न्यूनतम अवधि 8 सप्ताह होनी चाहिए। हालाँकि, विभाग कार्यक्रम की आवश्यकताओं के आधार पर इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के लिए अधिक अवधि तय कर सकता है। इंटर्नशिप शैक्षणिक सत्र की ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान होनी चाहिए। छात्रों को अर्जित क्रेडिट के अनुरूप ग्रेड दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को प्राथमिक चिकित्सा और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र है। महामारी के दौरान, विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में दो COVID-19 आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए थे। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र में छात्रों और कर्मचारियों के लिए पूरी तरह कार्यात्मक डेंटल सेटअप, फिजियोथेरेपी यूनिट आदि है। केंद्र में गंभीर मामलों को नजदीकी उच्च चिकित्सा केंद्रों (वाईएन अस्पताल किशनगढ़ और मार्बल सिटी अस्पताल किशनगढ़) में रेफर करने के लिए एम्बुलेंस सेवा है। यह ओ.पी.डी. सेवाएँ सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 से 7 बजे प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त 24 घंटे इनडोर रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन आपूर्ति, नेबुलाइजेशन आदि देने के लिए आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए केंद्र में ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सीमीटर, पुनर्जीवन किट (एंबु बैग आदि), स्फिग्मोमैनोमीटर, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और ऑटोक्लेव आदि उपकरण है। प्रतिवेदित वर्ष 2023-24 में, स्वास्थ्य केंद्र ने 13562 मामलों में ओपीडी परामर्श (विद्यार्थियों और कर्मचारियों सहित), रोगी सेवा, आपातकालीन और रेफरल सेवाएं प्रदान की हैं।

खेल और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बुनियादी ढाँचा

विश्वविद्यालय इनडोर और आउटडोर दोनों खेलों का समर्थन करता है, इसलिए फुटबॉल (फुटबॉल मैदान), क्रिकेट (क्रिकेट मैदान), वॉलीबॉल (वॉलीबॉल मैदान) और टेनिस (टेनिस कोर्ट) के लिए बाहरी स्थान हैं, जबकि बैडमिंटन, टेबल-टेनिस आदि

खेलों के लिए इनडोर स्थान हैं। योग की सुविधाएं भी छात्रों और कर्मचारियों के नियमित अभ्यास के लिए प्रदान की गई हैं। इनडोर और आउटडोर खेल परिसरों के अलावा, छात्रों और छात्राओं के लिए व्यायामशाला की सुविधा भी प्रदान की गई है। छात्रों, छात्राओं और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षक के साथ इनडोर और आउटडोर जिम हैं। विश्वविद्यालय सभागार जो कि छात्रावास भवनों के करीब है वहाँ विभिन्न सांध्यकालीन कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होता है। खेल की इन सभी सुविधाओं को उन्नत कर नया रूप दिया गया है। खेल विज्ञान स्कूल ने छात्रों के लिए विशेष बॉक्सिंग रिंग सुविधाएं बनाई हैं। विभिन्न खेल गतिविधियों में रुचि रखने वाले सभी छात्रों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण और बुनियादी उपकरण प्रदान किए जाते हैं। विश्वविद्यालय सभागार के अलावा, शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए विभिन्न स्कूल भवनों में तीन अन्य सभागार हैं।

इंटरनेट सुविधा

वर्तमान समय में, इंटरनेट शिक्षण-अधिगम गतिविधियों का एक अनिवार्य घटक बन गया है। इसलिए, विश्वविद्यालय के पास एक समर्पित आईसीटी प्रकोष्ठ है जो विश्वविद्यालय परिसर के भीतर सुचारू और प्रवाह रहित इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता के लिए उत्तरदायी है। विश्वविद्यालय ने रेलटेल के माध्यम से OPEX का उपयोग करके NMEICT, ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और वाईफाई के तहत इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा, LAN इंटरनेट प्रदान करने के लिए लगभग 1200 LAN पॉइंट मौजूद हैं।

छात्रों की उपलब्धि

किसी भी शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता उनके छात्रों की उपलब्धि है। उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। 2023-24 में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों और अभी भी विश्वविद्यालय में अपने पाठ्यक्रम कर रहे लोगों के बीच कई उपलब्धियाँ हासिल करने का गौरव प्राप्त हुआ है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र विश्व प्रसिद्ध संस्थानों में अकादमिक, कॉरपोरेट, प्रशासन और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। छात्रों ने नेट, गेट और इसी तरह की कई अन्य प्रतिष्ठित फेलोशिप परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर उपलब्धि प्राप्त की है।

प्रो-लर्नर दृष्टिकोण

संस्थानों को उनके छात्रों द्वारा सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है इसलिए संस्थान का कार्य शिक्षार्थी-केंद्रित ज्ञान-क्षेत्र विकसित करना है। अत: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इसके लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को हमेशा अपनी क्षमताओं का पता लगाने और एक सफल पेशेवर बनने के लिए पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 को अपनाया है जो छात्रों को उनके उत्साह और पसंद के अनुसार पाठ्यक्रम चयन की सुविधा देता है। प्रवेश, परीक्षा, ग्रेडिंग और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रणाली अत्यधिक पारदर्शी है। पूरे भारत और यहां तक कि विदेशों से भी छात्र अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए इसमें शामिल होते हैं जो वास्तव में विविधता में एकता और राष्ट्रीय एकता की भावना को दर्शाता है। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) के माध्यम से छात्र का प्रवेश पूरी तरह से 'सामाजिक समावेशन' के विचार के अनुरूप है। SWAYAM और NPTEL के माध्यम से चयन-आधारित क्रेडिट सिस्टम, ऑडिट पाठ्यक्रम, ओपन ऐच्छिक और MOOC पाठ्यक्रमों की सुविधा के साथ, शैक्षणिक संरचना दृढ़ता से शिक्षार्थी-केंद्रित है।

रोजगार हेतु पहल

अच्छे स्थान पर कार्यरत पूर्व छात्र संस्थान की एक संपत्ति हैं। विद्यार्थियों का उचित नियोजन संस्थान को गर्व और खुशी महसूस कराता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय ने न केवल छात्रों को शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि छात्रों की रोजगार क्षमता सुनिश्चित करने के लिए भी समय-समय पर पहल की है। ऐसा करने के लिए पाठ्यक्रम को डिजाइन करते समय

नौकरी क्षेत्र की जरूरतों और उचित मानव संसाधनों की औद्योगिक मांगों को हमेशा सबसे आगे रखा जाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पास एक समर्पित नियोजन प्रकोष्ठ है जो नियोजन से संबंधित सभी गतिविधियों की देखभाल करता है। विश्वविद्यालय का नियोजन प्रकोष्ठ न केवल छात्रों को नियोजन में सहायता प्रदान करता है बल्कि विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके कैरियर योजना, चयन परीक्षणों की तैयारी, ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट, इंटर्नशिप और अंतिम प्लेसमेंट में भी मदद करता है। विगत वर्ष आयोजित रोजगार मेला में छात्रों को सर्वोत्तम नौकरी का चयन करने के लिए संचार, समस्या-समाधान, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता, समय प्रबंधन और कंप्यूटर साक्षरता जैसे कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस रोजगार मेला में छात्रों को कई प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के ऑफर भी मिले।

परिदृश्य और संभावनाएँ

पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने कद एवं मानक में वृद्धि की है और शैक्षणिक जगत तथा समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों, अकादमिक प्रकाशनों और उच्च-स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ अनुसंधान और नवाचार एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में सफल होकर न केवल देश के विभिन्न कोनों में बल्कि विदेशी भूमि पर भी पहुंचे हैं। अपनी सभी प्रतिबद्धताओं और शक्ति के साथ, विश्वविद्यालय पूरी तरह से शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित होने के दृष्टिकोण के लिए समर्पित है जहां एक बेहतर, न्यायसंगत और दूरदर्शी राष्ट्र के लिए विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिकों का विकास किया जाता है। भविष्य का प्रत्येक प्रयास इस दिशा में एक कदम होगा। इसका उद्देश्य राष्ट्र को विरासत-समृद्ध (प्राकृतिक और सांस्कृतिक) बने रहने और समाज को सद्गुण-मजबूत और ज्ञान-पोषक बनने में मदद करना है। इन प्रयासों के साथ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक ऐसा स्थान बनने का प्रयास कर रहा है, जिसमें स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुसार टिकाऊ प्रणालियों को पूरा करने के लिए शिक्षण, अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार के उत्कृष्ट अवसर के साथ मानव क्षमता को अपने बाहरी स्वरूप में उभरना चाहिए।

अकादमिक सूचना

इस अध्याय में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक स्थिति के संख्यात्मक विवरण का प्रतिबिंब है। सारणी तथा चित्र अकादमिक वर्ष 2023-24 की संपूर्ण स्थिति को दर्शाती है। पहली सारणी (सारणी संख्या -1) आरक्षित और अनारक्षित श्रेणी में 55 इंटीग्रेटेड तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश का विवरण दर्शाती है। दूसरी सारणी (सारणी संख्या -2) में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 30 पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश को दर्शाया गया है। तीसरी सारणी (सारणी संख्या -3) में विभिन्न कार्यक्रमों मे 31 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों तथा विदेशी विद्यार्थियों के लिंगानुपात को दर्शाया गया है। अगली सारणी (सारणी संख्या-4) में संबधित कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दर्शाया गया है। सारणी संख्या 5 में 8वें दीक्षांत समारोहों में उपाधि प्राप्तकर्ताओं का विवरण दिया गया है।

सारणी क्रमांक :1 शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश संबंधी सूचना

प्रवेश 2023-24																	
क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल सीट						प्रवेश प्राप्त						अनारक्षित वर्ग में प्रवेश			
		सीट	अ ना.	अ पि व	अ जा	अ ज जा	ई. ड ब्ल्यू. एस.	अ ना.	अ पि व	अजा	अ ज जा	ई. ड ब्ल्यू. एस.	कुल	अ पि व	अ जा	अ ज जा	ई. ड ब्ल्यू. एस.
1	बी.टेक. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	3	3	0	0	0	6	2	0	0	0
2	बी.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	2	16	5	2	5	30	8	1	0	1
3	बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	9	9	3	1	1	23	3	1	0	0
4	बी.एससी. बी.एड. (एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्याक्रम)	50	21	13	7	4	5	8	23	2	3	5	41	10	0	1	0
5	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव रसायन	33	14	9	5	2	3	10	15	4	2	4	35	5	0	0	4
6	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	33	14	9	5	2	3	7	13	7	2	6	35	4	1	0	2
7	इंटीग्रेटेड एम.एससी. रसायन विज्ञान	30	13	8	4	2	3	8	15	4	2	2	31	7	0	1	0
8	इंटीग्रेटेड एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	33	14	9	5	2	3	9	15	5	1	4	34	4	0	0	1
9	इंटीग्रेटेड एम.एससी. अर्थशास्त्र	35	15	9	5	3	3	4	17	1	0	2	24	10	1	0	0
10	इंटीग्रेटेड एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	33	14	9	5	2	3	6	15	5	0	5	31	7	1	0	1
11	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भाषा	30	13	8	4	2	3	3	8	4	0	1	16	8	1	0	1

	विज्ञान																
12	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	30	13	8	4	2	3	2	16	5	0	5	28	8	1	0	2
13	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	33	14	9	5	2	3	12	13	3	0	2	30	5	0	0	2
14	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	4	17	3	1	4	29	9	0	0	1
15	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सांख्यिकी	35	15	9	5	3	3	9	16	1	0	2	28	6	0	0	0
16	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. रसायन विज्ञान	30	13	8	4	2	3	7	18	4	3	3	35	8	0	0	0
17	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	30	13	8	4	2	3	2	9	1	0	0	12	6	1	0	0
18	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. गणित	30	13	8	4	2	3	4	16	4	2	5	31	7	1	0	2
19	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. भौतिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	2	15	4	3	6	30	8	0	0	4
20	एम कॉम.	30	13	8	4	2	3	3	11	3	2	5	24	4	1	1	4
21	एम.ए. संस्कृति और मीडिया अध्ययन	33	14	9	5	2	3	5	2	0	0	0	7	2	0	0	0
22	एम.ए .अर्थशास्त्र	30	13	8	4	2	3	4	5	2	0	0	11	5	2	0	0
23	एम.ए. अंग्रेजी	35	15	9	5	3	3	6	11	1	2	2	22	6	0	1	0
24	एम.ए. शिक्षा	35	15	9	5	3	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
25	एम.ए. हिन्दी	30	13	8	4	2	3	0	12	3	0	2	17	9	3	0	2
26	सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए.	23	10	6	3	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
27	एम.ए. लोक नीति, विधि एवं शासन	25	10	7	4	2	2	3	9	0	3	2	17	3	0	2	0
28	एम.ए. / एम.एससी. खेल मनोविज्ञान	30	13	8	4	2	3	2	3	0	0	1	6	3	0	0	1
29	एम.फार्म. (फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान)	15	7	4	2	1	1	5	6	3	1	1	16	2	1	0	0
30	एम.फार्म. (फार्मास्यूटिक्स)	15	7	4	2	1	1	6	6	2	1	1	16	1	0	0	0
31	एम.फार्म. (फार्मेकोलोजी)	15	7	4	2	1	1	2	8	2	1	0	13	5	0	0	0
32	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	30	13	8	4	2	3	4	9	0	0	0	13	1	0	0	0
33	एम.एससी. जीव रसायन	25	10	7	4	2	2	6	10	3	1	3	23	4	0	0	1
34	एम.एससी. रसायन विज्ञान	25	10	7	4	2	2	8	9	2	1	1	21	0	0	0	0
35	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	25	10	7	4	2	2	5	3	1	1	0	10	0	0	0	0
36	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान (बिग डाटा एनालिटिक्स)	50	21	13	7	4	5	9	10	4	0	2	25	9	2	0	2

37	एम.एससी. डिजिटल सोसायटी	30	13	8	4	2	3	6	4	1	0	2	13	4	1	0	2
38	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	28	11	8	4	2	3	3	11	4	1	2	21	1	0	0	0
39	एम.एससी. गणित	30	13	8	4	2	3	3	14	4	1	4	26	6	0	1	1
40	एम.एससी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	25	10	7	4	2	2	6	10	2	2	1	21	4	0	0	1
41	एम.एससी. भौतिक विज्ञान	23	10	6	3	2	2	2	10	2	2	2	18	4	0	0	0
42	एम.एससी. खेल जैव रसायन	30	13	8	4	2	3	1	1	0	0	0	2	1	0	0	0
43	एम.एससी. खेल जैव यांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0
44	एम.एससी. खेल पोषण	30	13	8	4	2	3	1	3	2	0	0	6	3	2	0	0
45	एम.एससी. खेल शारीरिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0
46	एम.एससी. सांख्यिकी	25	10	7	4	2	2	6	6	0	0	1	13	4	0	0	1
47	एम.एससी. योग चिकित्सा	40	16	11	6	3	4	9	5	2	0	4	20	3	1	0	2
48	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान (साइबर फिजिकल सिस्टम)	15	7	4	2	1	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0
49	सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर	35	15	9	5	3	3	4	15	2	2	1	24	11	1	0	0
50	एमबीए	35	15	9	5	3	3	13	14	5	1	0	33	5	0	0	0
51	मीडिया लेखन और डिजिटल संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	20	9	5	3	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
52	एम.एससी. जैव **प्रौद्योगिकी**	25	10	7	4	2	2	9	8	3	2	2	24	0	0	0	0
53	एम.आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)	23	10	6	3	2	2	3	0	1	0	0	4	0	1	0	0
54	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	23	10	6	3	2	2	0	2	1	0	1	4	2	1	0	1
55	योग और दर्द प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	-	-	-	-	-	-	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1583**	**676**	**423**	**223**	**114**	**147**	**248**	**486**	**120**	**46**	**102**	**1002**	**227**	**25**	**7**	**39**

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 1 में दर्शाया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कुल 1002 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। इनमें से 248 छात्र (24.75%) अनारक्षित, 486 छात्र (48.37%) ओबीसी वर्ग, 120 छात्र (11.97%) एससी वर्ग, 46 छात्र (4.59%) एसटी वर्ग, 102 छात्र (10.17%) ईडब्ल्यूएस श्रेणी से शामिल हैं। सारणी से यह भी पता चलता है कि आरक्षित श्रेणी से संबंधित 298 छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में मेधा सूची के अनुसार अनारक्षित सीटों पर अपना प्रवेश प्राप्त किया। तत्पश्चात, चित्र-1 में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में विभिन्न श्रेणियों में प्रवेशित छात्रों के वितरण को दर्शाया गया है। चित्र-2 अनारक्षित सीटों पर अपना प्रवेश सुरक्षित करने वाले विभिन्न श्रेणी के छात्रों की संख्या को दर्शाता है।

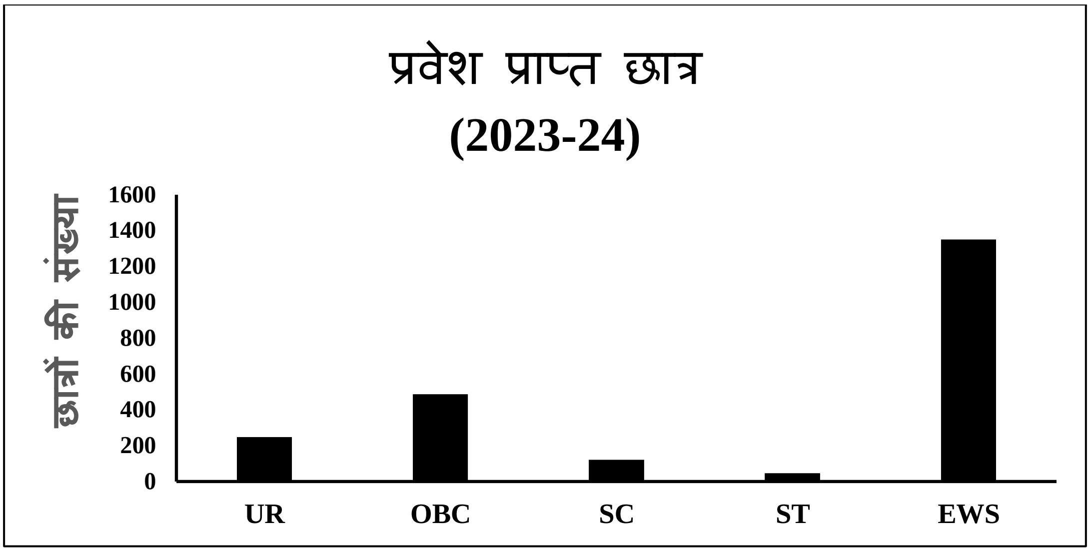

चित्र :1शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या

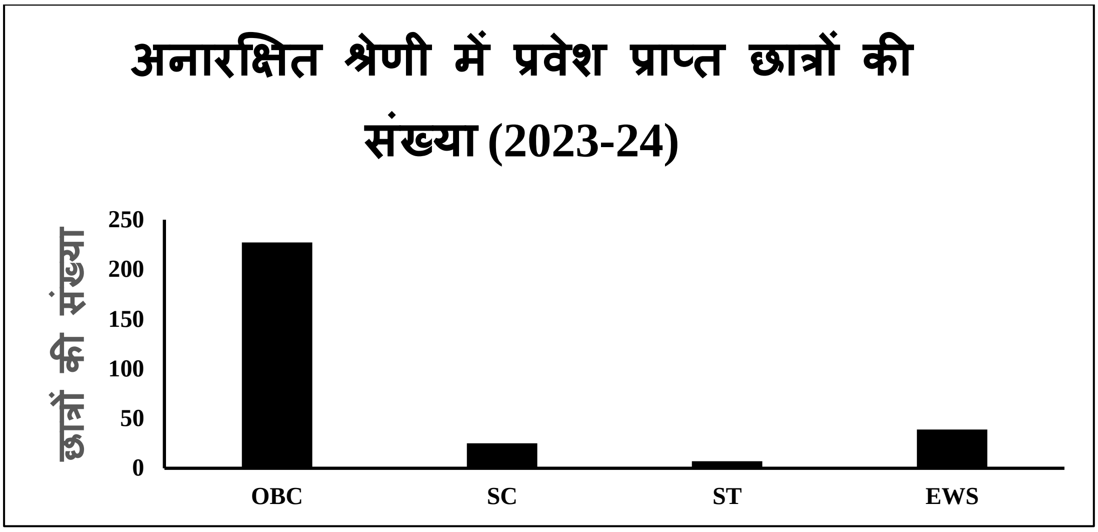

चित्र :2शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में अनारक्षित श्रेणी के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या।

सारणी क्रमांक 2: शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पी.एचडी. कार्यक्रम में प्रवेश के संबंध में सूचना

	पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश								
क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल सीट	श्रेणीवार प्रवेश						
			अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल प्रवेश
1.	पी.एचडी. वास्तुकला	2	0	0	0	0	0	0
2.	पी.एचडी. वायुमंडलीय विज्ञान	11	1	0	3	0	1	5
3.	पी.एचडी. जीव रसायन	10	3	1	1	0	0	5
4.	पी.एचडी. जैव प्रौद्योगिकी	16	7	4	2	0	1	14
5.	पी.एचडी. रसायन विज्ञान	12	2	0	0	0	1	3
6.	पी.एचडी. वाणिज्य	5	3	1	0	0	0	4
7.	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान	10	1	2	0	0	0	3

8.	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	10	0	0	0	0	0	0
9.	पी.एचडी. संस्कृति मीडिया और अध्ययन	7	2	2	1	1	0	6
10.	पी.एचडी. डिजिटल सोसायटी	8	2	0	0	0	0	2
11.	पी.एचडी. डेटा विज्ञान और विश्लेषण	9	2	0	0	0	0	2
12.	पी.एचडी. अंग्रेजी	0	0	0	0	0	0	0
13.	पी.एचडी. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	10	1	0	1	0	0	2
14.	पी.एचडी. अर्थशास्त्र	6	1	1	1	0	1	4
15.	पी.एचडी. शिक्षा	18	5	3	3	0	1	12
16.	पी.एचडी. पर्यावरण विज्ञान	14	6	3	0	0	0	9
17.	पी.एचडी. हिन्दी	0	0	0	0	0	0	0
18.	पी.एचडी. भाषा विज्ञान	3	2	0	0	0	0	2
19.	पी.एचडी. प्रबंधन	7	2	1	0	0	1	4
20.	पी.एचडी. गणित	5	2	1	1	0	0	4
21.	पी.एचडी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	0	0	0	0	0	0	0
22.	पी.एचडी. फार्मेसी	7	2	0	0	0	0	2
23.	पी.एचडी. भौतिक विज्ञान	15	1	0	0	0	1	2
24.	पी.एचडी. लोक, नीति, विधि एवं शासन	5	2	0	1	0	0	3
25.	पी.एचडी. सामाजिक कार्य	8	2	1	0	0	1	4
26.	पी.एचडी. खेल जीव विज्ञान	0	0	0	0	0	0	0
27.	पी.एचडी. खेल जैव विज्ञान	2	1	0	0	0	0	1
28.	पी.एचडी. खेल मनोविज्ञान	3	1	1	0	0	0	2
29.	पी.एचडी. सांख्यिकी	11	0	0	0	0	0	0
30.	पी.एचडी. योग	2	2	1	0	0	0	3
	कुल	**216**	**53**	**22**	**14**	**1**	**8**	**98**

सारणी संख्या 2 के अनुसार, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से वर्ष 2023-24 में 30 विभागों में कुल 98 छात्रों को पी.एचडी. में प्रवेश दिया गया। विश्वविद्यालय के 30 विभागों में कुल 216 सीटों के लिए विज्ञापन जारी किया गया। वर्ष 2019-20 में ईडब्लूएस श्रेणी में पीएचडी में प्रवेश प्रारंभ किया गया था, जो निरंतर जारी है। चित्र-3 की आकृति में विभिन्न कोटि में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है। चित्र-4 में विभिन्न विभागों में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है।

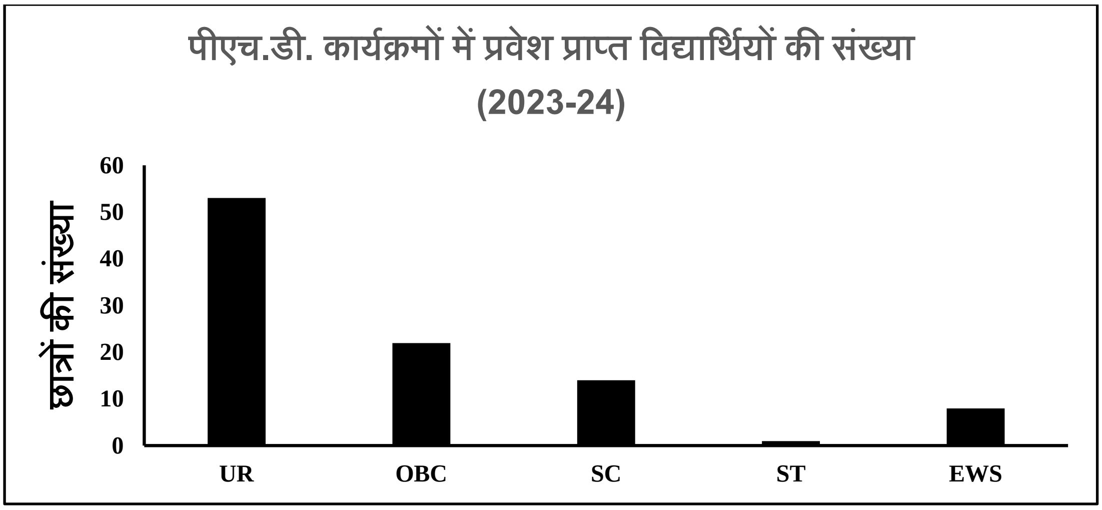

चित्र :3 शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में पी.एचडी. कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या।

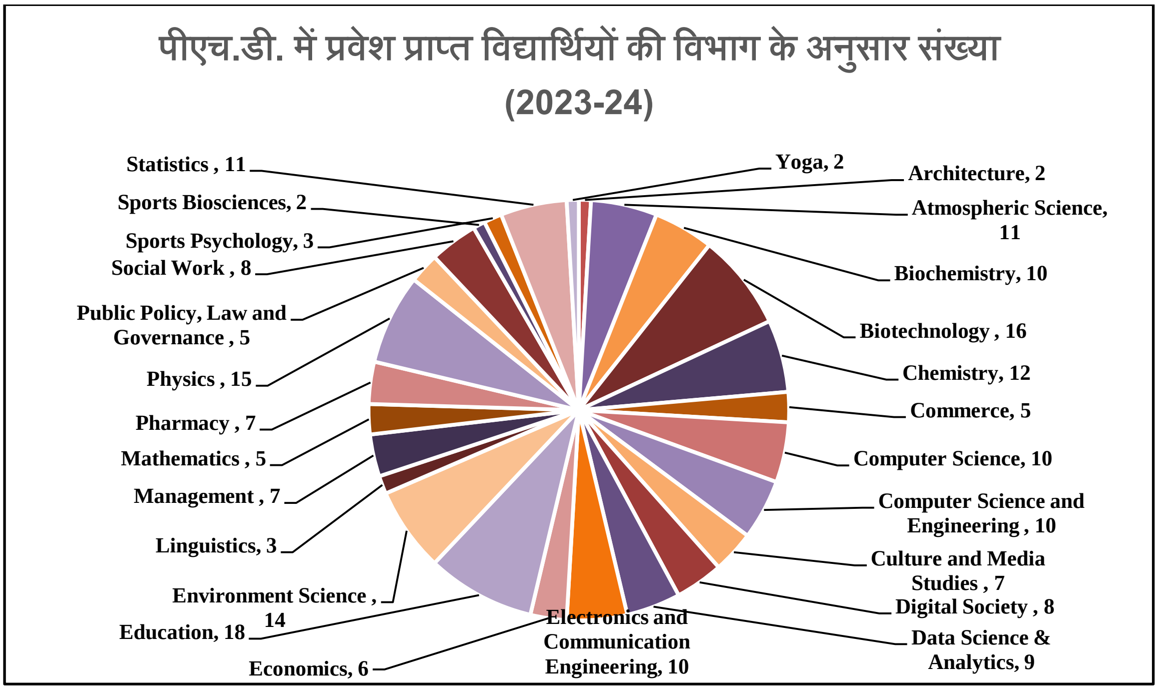

चित्र :4 शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में पी.एचडी. में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विभागवार विवरण।

सारणी क्रमांक 3: वर्ष 2023-24 तक प्रवेशित सभी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के लिंग के अनुसार राज्यवार विवरण

2022-23 (31.03.2022) तक विद्यार्थी

राज्य	बीटेक		इंटीग्रेटेड एम.एससी. 5 साल		इंटीग्रेटेड एम.एससी बी.एड. 3 वर्ष		एम.टेक/ एम.आर्क		एमबीए		एम.एससी.		नया (2023-24)		जारी		कुल		कुल	%
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.		
आंध्र प्रदेश	0	4	2	15	0	1	0	0	0	1	5	4	1	6	7	25	8	31	39	1.35
अरुणाचल प्रदेश	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	2	0	3	0	3	0.10
असम	0	1	7	3	0	1	0	0	0	0	2	6	4	2	9	11	13	13	26	0.90
बिहार	3	15	40	81	6	19	0	0	0	2	13	31	29	53	62	148	91	201	292	10.10
छत्तीसगढ़	1	1	1	2	0	0	0	0	0	0	3	0	3	1	5	3	8	4	12	0.41
दिल्ली	1	3	6	10	3	1	0	0	1	0	9	6	12	6	20	20	32	26	58	2.01
विदेशी छात्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	4	0	4	4	0.14
हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2	1	5	1	2	2	7	3	10	0.35
गोवा	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	1	0.03
गुजरात	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	2	1	2	2	4	6	0.21
हरियाणा	3	3	10	16	6	3	0	0	3	5	10	5	15	12	32	32	47	44	91	3.15
जम्मू कश्मीर	0	1	4	7	0	1	0	0	0	1	3	1	2	1	7	11	9	12	21	0.73
झारखण्ड	0	1	8	19	2	3	0	1	1	1	4	6	12	10	15	31	27	41	68	2.35
कर्नाटक	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	1	2	4	2	5	7	0.24
केरल	1	0	14	27	5	4	0	0	0	0	38	46	26	28	58	77	84	105	189	6.54
लद्दाख	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.03
मध्य प्रदेश	3	2	2	2	2	2	0	0	0	0	15	10	9	11	22	16	31	27	58	2.01
महाराष्ट्र	3	6	1	4	1	1	0	0	0	0	3	11	1	6	8	22	9	28	37	1.28
मणिपुर	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	2	1	2	3	0.10
नागालैंड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	0.03
मेघालय	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	3	0	1	1	4	1	5	0.17
मिजोरम	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	2	1	2	3	0.10
उड़ीसा	0	0	5	10	7	23	0	0	0	0	3	8	13	22	15	41	28	63	91	3.15
पंजाब	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2	2	2	0	2	3	4	3	7	0.24
राजस्थान	11	85	199	311	45	78	3	5	4	10	85	90	206	329	347	579	553	908	1461	50.52
तमिल नाडु	1	0	3	4	0	0	1	0	0	0	0	2	0	1	5	6	5	7	12	0.41
तेलंगाना	0	10	7	10	0	1	0	0	0	0	7	1	5	4	14	22	19	26	45	1.56
त्रिपुरा	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2	1	2	1	3	0.10

उत्तर प्रदेश	3	15	21	49	7	9	2	3	1	5	34	25	30	60	68	106	98	166	264	9.13
उत्तराखंड	0	0	2	0	0	1	0	0	0	0	2	1	4	4	4	2	8	6	14	0.48
दादरा ओर नागर हवेली	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.03
पश्चिम बंगाल	2	2	3	13	2	2	1	0	0	0	13	9	3	9	21	26	24	35	59	2.04
कुल	**33**	**153**	**340**	**586**	**86**	**151**	**8**	**11**	**10**	**29**	**257**	**271**	**387**	**570**	**734**	**1201**	**1121**	**1771**	**2892**	100.00

सारणी संख्या 3 और चित्र 5 में लैंगिक विवरण दर्शाता है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 38.76% विद्यार्थी महिला हैं, जबकि 61.24% विद्यार्थी पुरुष हैं। चित्र-6 दर्शाता है कि 49.48% छात्र राजस्थान से हैं, जबकि 50.52% छात्र अन्य राज्यों से हैं। सारणी-3 में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि भारत के 31 विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों और अन्य देशों से भी छात्र राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं, जो उपयुक्त रूप से विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय विशेषता और महानगरीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है।

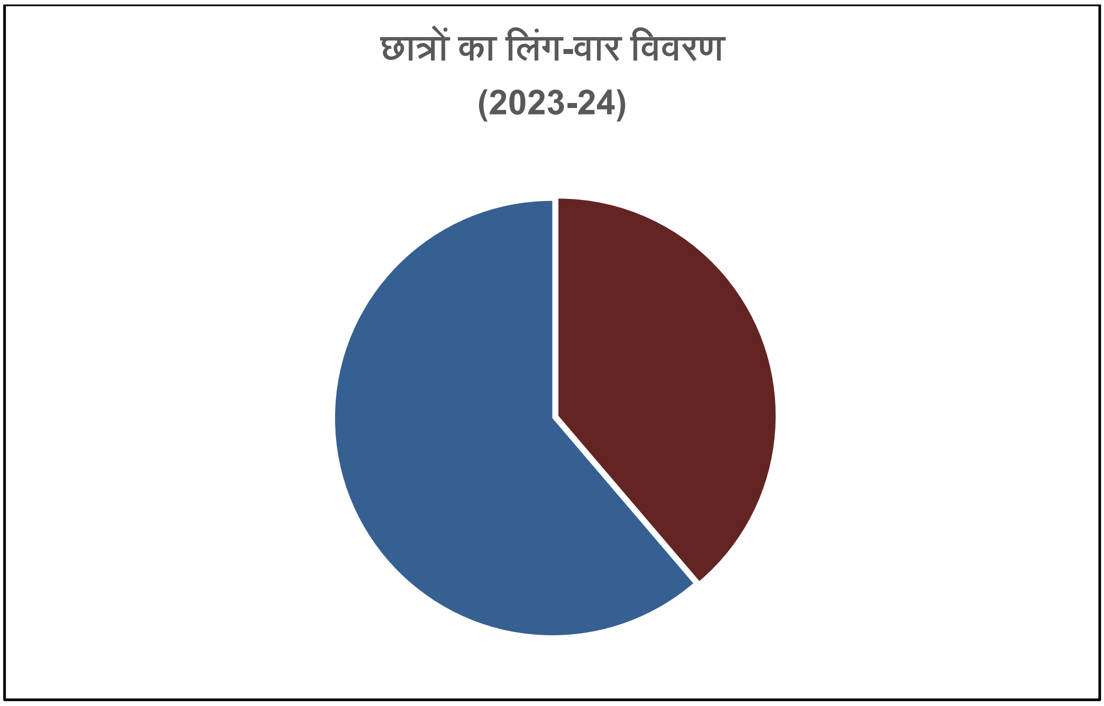

चित्र 5: शैक्षणिक वर्ष 2023-24 तक प्रवेशित छात्रों का लिंग के अनुसार विवरण।

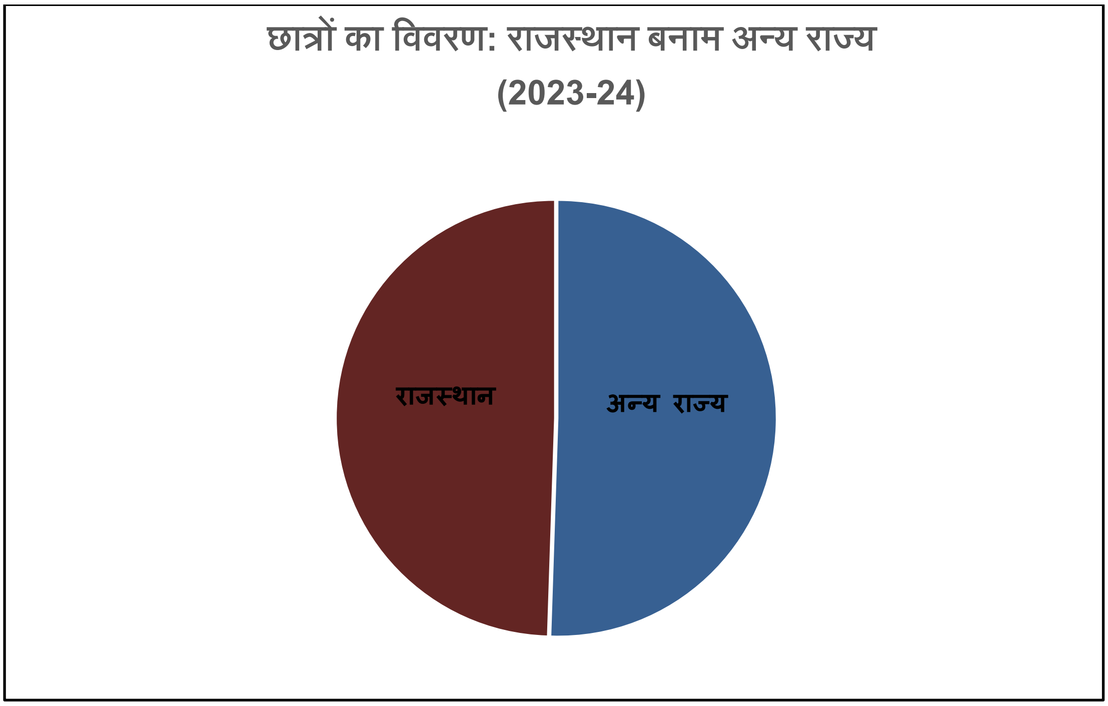

चित्र 6: शैक्षणिक वर्ष 2023-24 तक राजस्थान तथा अन्य राज्यों के छात्रों का प्रतिशत।

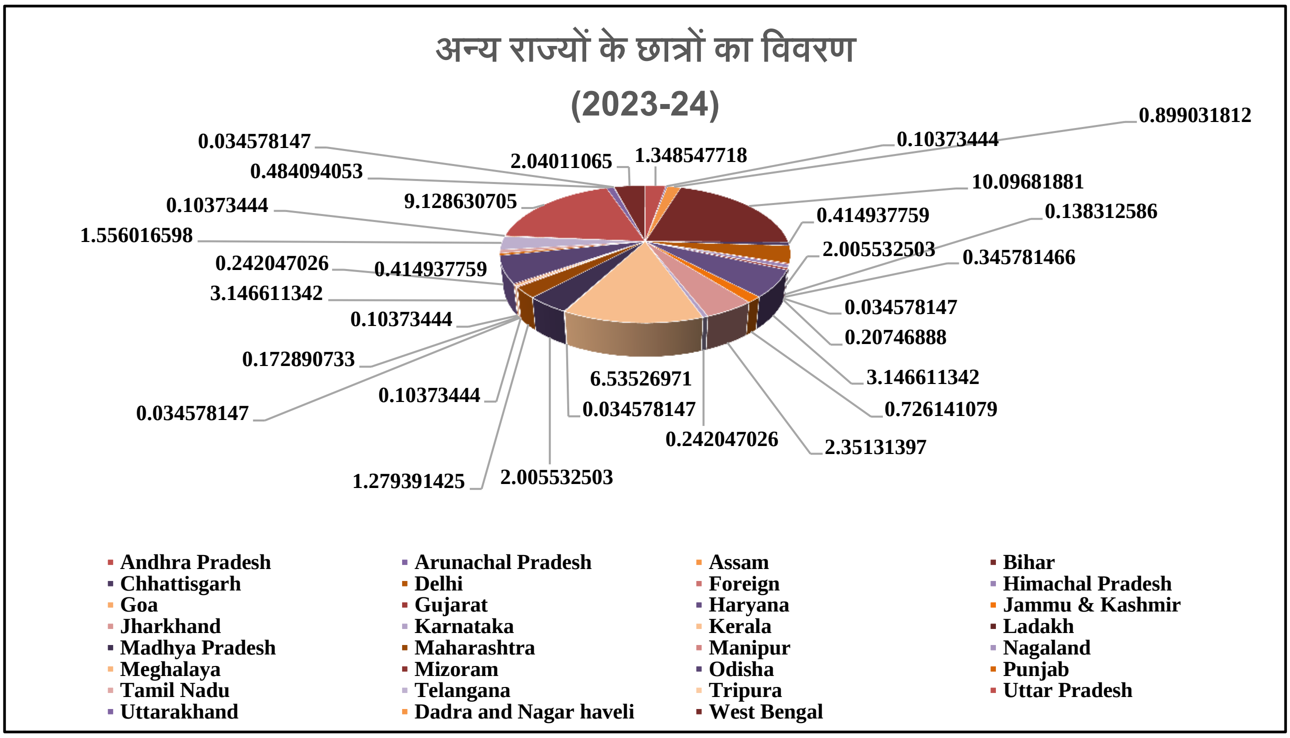

चित्र 7: शैक्षणिक वर्ष 2023-24 तक अन्य राज्यों के छात्रों का प्रतिशत।

निम्न सारणी (संख्या-4) में वर्ष 2023 की अंतिम परीक्षा में विभिन्न कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम दर्शाए गए हैं। बाद का पाई-चार्ट (चित्र-8) विभिन्न विभागों के टॉपर्स के वितरण को दर्शाता है। यह विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या पर आधारित है।

सारणी संख्या 4: वर्ष 2023 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

(विद्यार्थी 8 वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे)

क्र. सं.	नामाकन संख्या	नाम	कार्यक्रम	विभाग
1	2021MARCH004	दामिनी सालूजा	एम .आर्क	वास्तुकला
2	2021MSATS012	श्रेयसी उपाध्याय	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	वायुमंडलीय विज्ञान
3	2021MSBC002	अनिष्का गुप्ता	एम.एससी. जीव रसायन	जीव रसायन
4	2021MSBT016	सीध्धी पालीवाल	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	जैव प्रौद्योगिकी
5	2021MSCH009	जीशू नंदा	एम.एससी. रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
6	2020IMSBCH005	अनमोल बहरा	इंटीग्रेटेड एम .एससी.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
7	2021MCOM003	बालेबोनिया वेंगाबाबू	एम. कॉम वाणिज्य	वाणिज्य
8	2021MSCS016	सिदार्थ सिंह कुशावा	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
9	2021MTCPS002	कुंदन कुमार	एम. टेक. (साइबर भौतिक प्रणाली)	कंप्यूटर विज्ञान
10	2021MTCSE003	शिवम कुमार	एम. टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
11	2021MACMS016	तनिशा माथुर	एमए सीएमएस	संस्कृति और मीडिया अध्ययन
12	2021MSBDA032	प्रवत पात्रा	एम.एससी. सीएस (बिग डाटा एनालिटिक्स)	बिग डाटा एनालिटिक्स
13	2021MAE011	हिमादरी सोनी	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	अर्थशास्त्र
14	2020IMSBEC015	नेहल जैन	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी .एड.अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
15	2021MAEN004	अनन्या सिंह	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	अंग्रेजी
16	2021MAED001	आशुतोष कुदई	शिक्षा में स्नातकोत्तर	शिक्षा
17	2021MSES001	आरती मीना	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
18	2021MAH010	हिंगलाज दान	हिंदी में स्नातकोत्तर	हिंदी
19	2021MBA025	सुनैना शकया	एमबीए	प्रबंधन
20	2021MSMT018	प्रिया डानगरे	एम.एससी. गणित	गणित
21	2020IMSBMT025	राजा केशरी	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	गणित
22	2021MSMB007	काजल त्यागी	एम.एससी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	सूक्ष्म जीव विज्ञान
23	2021MPPC001	अमरदीप सिंह कालसी	एम. फार्म. फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान	फार्मेसी
24	2021MPP009	श्रेया सुभाष	एम. फार्म. (फार्मास्यूटिक्स)	फार्मेसी
25	2021MSPH017	सोहन राम पूनिया	एम.एससी. भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान
26	2020IMSBPH010	कोमल पारीक	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान
27	2021MPPLG020	विक्रम सिंह गुर्जर	पीपीएलजी	सार्वजनिक नीति, विधि और शासन
28	2021MSW017	नीतू लक्ष्मी जी	सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर	सामाजिक कार्य
29	2021MSDS003	कुबेर दास	एम.एससी. डिजीटल सोसायटी	समाज प्रौद्योगिकी-इंटरफ़ेस
30	2021MSSB001	अवस्थी एस नायर	एम. एससी. खेल रसायन	खेल जैव विज्ञान
31	2021MSSN001	अमलेनधू नारायण	एम.एससी. खेल पोषाहार	खेल जैव विज्ञान
32	2021MSSP002	रूपेश शर्मा	एम.एससी.	खेल जैव विज्ञान

			स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	
33	2021MSSPSY008	मोहम्मद वसीम	एम. एससी. मनोविज्ञान	खेल मनोविज्ञान
34	2021MSYT007	दर्शना हजारिका	एम .एससी. योग चिकित्सा	योग
35	2018IMSCH007	आशुतोष शर्मा	इंटीग्रेटेड एम.एससी. रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
36	2018IMSCS017	ऋतिक जॉगिड	इंटीग्रेटेड एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
37	2018IMSES006	अंबिका नंदनी आर मेनन	इंटीग्रेटेड एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
38	2018IMSMT001	अनिशा शेश्मा	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	गणित
39	2018IMSMB010	मयूरी कुशवाहा	इंटीग्रेटेड एम .एससी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	सूक्ष्म जीव विज्ञान
40	2018IMSST019	स्पर्श माहेश्वरी	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
41	2019BTECE002	निशांत चौहान	बी.टेक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
42	2019BTCSE010	जय भट	बी.टेक कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

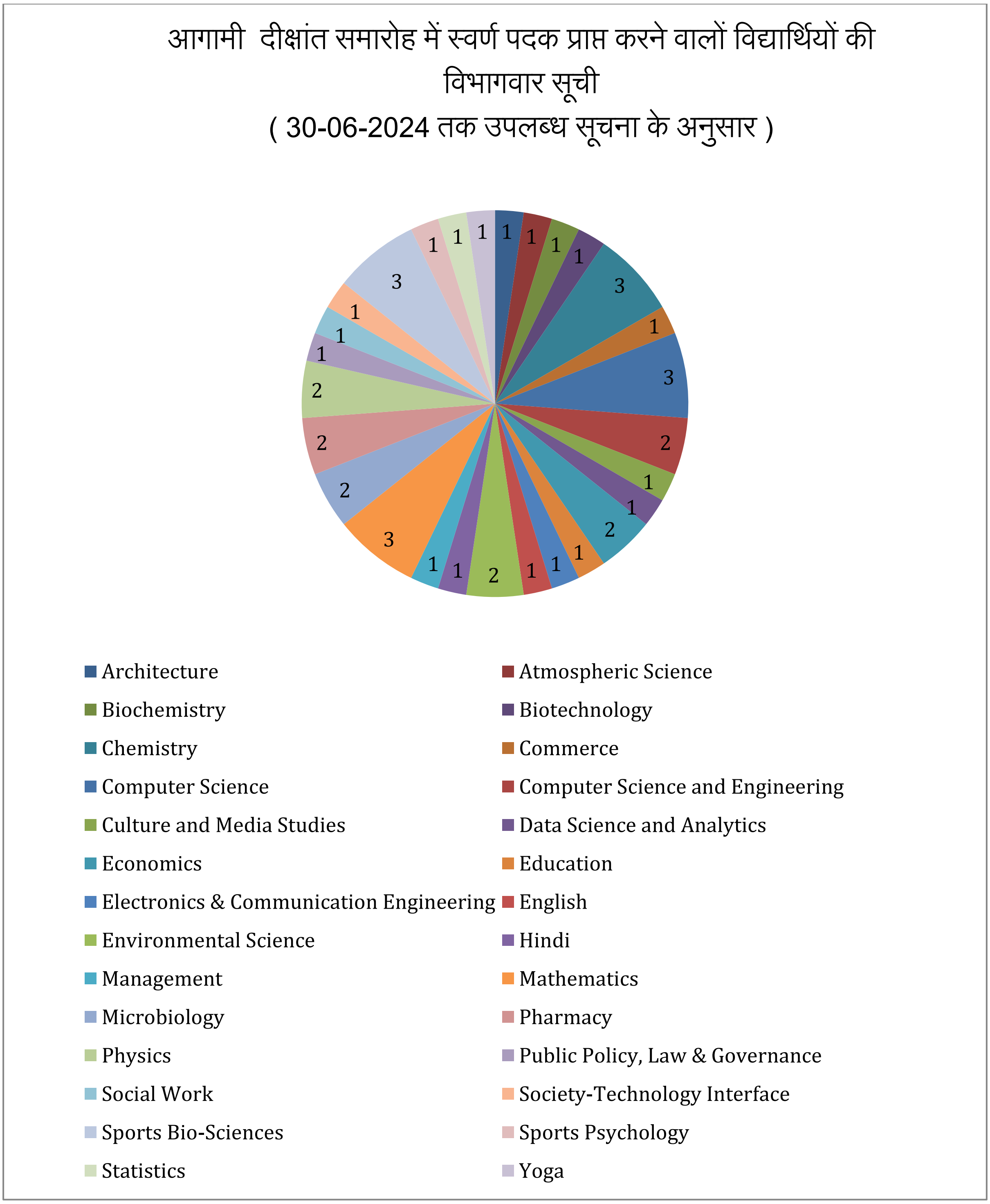

चित्र 8: 8वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने योग्य छात्रों की विभागवार सूची

सारणी सं. 5 : दीक्षांत समारोहों में उपाधि प्राप्तकर्ता

दीक्षांत समारोह	पीएच. डी.	एम टेक.	एम .एससी.	एमए	एम बीए	एम कॉम	एम. आर्क.	बी. डेस /एम. डेस	एम. फार्मा	इंटीग्रेटेड एम.एससी. (5 वर्ष)	बी. टेक	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.	बी. एससी	बी वोक	कुल
प्रथम (01-09-2012)	शून्य	22	74	32	30	-	-	-	-	-	-	-	-	-	158
द्वितीय (09-07-2013)	शून्य	21	123	65	26	-	09	-	-	-	-	-	-	-	244
तृतीय (01-10-2016)	शून्य	50	529	296	103	56	22	-	46	-	-	-	23	-	1125
चतुर्थ (13-11-2017)	13	18	158	103	34	16	10	-	17	-	-	-	85	32	486
पंचम (02-11-2018)	12	08	86	67	29	18	17	-	05	94	-	62	89	27	514
षष्ठ (03-12-2019)	44	10	92	71	23	07	08	-	08	134	-	69	66	51	583
सप्तम (16-08-2022)	116	18	346	138	50	27	28	84	39	206	-	75	106	50	1283
अष्ठम (30-06-2023 तक का संभावित आंकड़ा)	15	16	245	107	31	22	17	08	16	54	-	104	104	1	740
अष्ठम (30-06-2024 तक का संभावित आंकड़ा)	74	6	239	103	23	13	14	-	16	77	18	100	87	-	770
कुल															5903

सारणी में दिए गए विवरण 7वें दीक्षांत समारोह तक का आंकड़ा और आगामी आयोजित होने वाले (8वें) दीक्षांत समारोह के आंकड़ा को दर्शाते हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान उपलब्ध जानकारी के अनुसार 8वें दीक्षांत समारोह में अस्थायी रूप से 89 पीएच.डी. शोधार्थी और 5903 स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यार्थी अपनी डिग्री प्राप्त करेंगे।

सारणी सं. 6 : विभिन्न पाठ्यक्रमों में (वर्ष 2023 में) उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने योग्य छात्रों की सूची (30-06-2024 तक उपलब्ध सूचना के अनुसार)

एमए		एम.एससी.		एम.टेक/स्पोर्ट्स		इंटीग्रेटेड एम.एससी.		इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.		बीएससी	बी वोक.	पी.एचडी.	कुल
सीएमएस	17	वायुमंडलीय विज्ञान	12	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	03	लागू नहीं		लागू नहीं		87	18	74	
अर्थशास्त्र	17	जैव रसायन	14	खेल पोषण	02	जैव रसायन	14			लागू नहीं	लागू नहीं		
अंग्रेजी	16	जैव प्रौद्योगिकी	17	खेल जैव यांत्रिकी	03	जैव प्रौद्योगिकी	05						
हिन्दी	15	रसायन विज्ञान	21			रसायन विज्ञान	07	रसायन विज्ञान	32				
पीपीएलजी	16	कंप्यूटर विज्ञान	16			कंप्यूटर विज्ञान	12	लागू नहीं					
एमएसडब्ल्यू	19	कंप्यूटर विज्ञान बिग)आंकड़ा एनालिटिक्स(	42	खेल शरीर क्रिया विज्ञान	02	अर्थशास्त्र	02	अर्थशास्त्र	18				
बी डैस		पर्यावरण विज्ञान	14	खेल मनोविज्ञान	11	पर्यावरण विज्ञान	05	लागू नहीं					
एम आर्क	14	डिजिटल सोसायटी	07			लागू नहीं							
एमबीए	23	गणित	25	एमटीसीपीएस	03	गणित	06	गणित	28				
वाणिज्य	13	सूक्ष्म जीवविज्ञान	15			सूक्ष्म जीवविज्ञान	07	लागू नहीं					
एजुकेशन	3	फार्मेसी	16			लागू नहीं							
		भौतिक विज्ञान	18			भौतिक विज्ञान	06	भौतिक विज्ञान	26				
		सांख्यिकी	12			सांख्यिकी	13	लागू नहीं					
		योग	08			लागू नहीं							
कुल	**153**		**237**		**24**		**77**		**100**	**87**	**18**	**74**	**770**

सारणी-6 विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि एमए, एम.एससी, एमटेक, इंटीग्रेटेड एम.एससी, इंटीग्रेटेड एम.एससी, बी.एड., बी.एससी, बी. वोक., और पी.एचडी. की उपाधि प्राप्त करने के पात्र छात्रों की संख्या को दर्शाता है। विभिन्न एम.ए. कार्यक्रमों कुल 153 विद्यार्थी डिग्री के लिए पात्र होंगे और विभिन्न 14 कार्यक्रमों में एम.एससी. की उपाधि करने हेतु 237 विद्यार्थी पात्र हैं। इसी तरह, विभिन्न योजनाओं के तहत एम.टेक. की उपाधि हेतु 06 विद्यार्थी और विभिन्न इंटीग्रेटेड एम.एससी. कार्यक्रमों में उपाधि के लिए 77 विद्यार्थी पात्र हैं। कुल 100 विद्यार्थी इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. की उपाधि के पात्र हैं। संचयी रूप से, यह अध्याय विद्यार्थियों, उनके प्रवेश और उपाधि की प्राप्ति से संबंधित विश्वविद्यालय के अकादमिक प्रोफाइल का एक व्यापक चित्र प्रस्तुत करता है।

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) प्रकोष्ठ:

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रकोष्ठ की स्थापना एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग योजनाओं, आईओई, नैक, आईक्यूएसी, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / एजेंसियों के साथ सहयोग इत्यादि की आंतरिक आवश्यकताओं के लिए की गई है।

रैंकिंग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत की विभिन्न रैंकिंग में भाग लिया।

1. राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय का एनआईआरएफ रैंकिंग 150-200 (रैंक बैंड) है और फार्मेसी विभाग को 29वां रैंक है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) को अनुमोदन प्रदान किया गया तथा 05 जून 2022 को माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी द्वारा इसका प्रारंभ किया गया।

सहयोग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग स्थापित किया है।

सारणी संख्या 7: भारतीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची

वर्ष	भारतीय संस्थान / विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर / प्रभावी	वैधता
2023	केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2023	सीएसआईआर - खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी (आईएमएमटी) संस्थान, भुवनेश्वर	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2023	जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2023	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2023	डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई)	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2024	आंध्र प्रदेश का विज्ञान शहर (एससीएपी)	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2024	बांका बायोलू लिमिटेड, हैदराबाद	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2024	राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी), नागपुर	जुलाई, 2023 - जून, 2024	3 वर्ष

सारणी संख्या 8: अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची

वर्ष	अंतरराष्ट्रीय	हस्ताक्षर / प्रभावी तिथि	वैधता (समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तिथि से)
2024	ब्रेस्ट राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय, बेलारूस	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष
2024	ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया, पीए, यूएसए	जुलाई, 2023 - जून, 2024	5 वर्ष

अंतर्राष्ट्रीयकरण

भारत सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण एक अभिन्न अंग है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (CURAJ) ने विदेशी छात्रों के प्रवेश से संबंधित सभी मामलों के समन्वय और प्रवेश के लिए नियामक/वैधानिक निकायों के साथ संपर्क करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों का एक कार्यालय (OIA) स्थापित किया है। OIA विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोगात्मक व्यवस्था के तहत पंजीकृत सभी छात्रों के लिए एक समन्वय एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। OIA विदेशों में प्रचार गतिविधियों और ब्रांड निर्माण, अभिलेखों का रिकार्ड और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित जानकारी का प्रसार करता है और छात्रों की शिकायतों का समाधान करता है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) तथा विदेश मंत्रालय (एम.ई.ए., नई दिल्ली) भारत सरकार द्वारा नामित विदेशी छात्रों को प्रवेश प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए स्व-वित्त योजना के माध्यम से सीधे प्रवेश भी प्रदान करता है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (CUET) में शामिल होने की आवश्यकता नहीं है; हालाँकि, उन्हें किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय/संस्थान से समकक्ष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।

प्रत्येक वर्ष विदेशी नागरिकों को निम्नलिखित श्रेणियों के तहत अध्ययन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है:

(1) **भारत सरकार का सांस्कृतिक आदान-प्रदान फैलोशिप कार्यक्रम:-** इस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत प्रवेश के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को भारतीय उच्चायोग / दूतावास / भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता होती है जिस पर विचार किया जा सके। यदि आवेदक उपयुक्त पाया जाता है, तो उनके प्रवेश की पुष्टि सीधे उनके प्रवेश को प्रायोजित करने वाली संबंधित एजेंसी को भेजी जाती है।

(2) **स्व-वित्त छात्रों के लिए सीधे प्रवेश:-** विदेशी छात्र, जो स्व-वित्त श्रेणी के तहत सम्मिलित होना चाहते हैं, उन्हें अपना आवेदन बायोडाटा और शैक्षणिक योग्यता के साथ निर्धारित प्रारूप पर प्रत्यायन रैंकिंग सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) कार्यालय में जमा करना होगा।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय पी.एचडी. शोधर्थियों का विवरण।

पी.एचडी. छात्र				
क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	देश	विभाग	प्रवेश का माध्यम
1	श्री मोहम्मद अब्देल रहमान जदल्लाह अबुलेब्दा	फिलिस्तीन	पी.एचडी. सांख्यिकी	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना

				(2018-19)
2	श्रीमती मासूमा खावरी	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी जीवविज्ञानसूक्ष्म .	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2019-20)
3	श्री शाह वाली शाहीन	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2022-23)
4	श्री फाजिलहक अखोण्ड	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2022-23)
शैक्षणिक वर्ष 2020-21				
1	श्री मोहम्मद अलीम	अफ़ग़ानिस्तान	एमबीए	आईसीसीआर, अफगान छात्रवृत्ति योजना
2	श्री इमैनुएल चिसांबा	मलावी	एमबीए	आईसीसीआर, अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना
शैक्षणिक वर्ष 2021-22				
1	श्री कुरनियावान सिटोरस वाह्युदी	इंडोनेशिया	एमए पीपीएलजी	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आर.सी.सी.आई
2	श्री साहिरौ तफ़रकी महामने मंसूर	नाइजर	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना विदेश - मंत्रालय
3	सुश्री शर्तिका शिवांजलि प्रसाद	फ़िजी	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आर.सी.सी.आई

छात्रों का विदेश दौरा

छात्र का नाम)फार्मेसी विभाग(	फैलोशिप का नाम	अवधि	देश/संस्थान
सुश्री निष्ठा चौरावाल (2020PHDPHARM005)	कॉमनवेल्थ स्प्लिट साइट-छात्रवृत्ति	1 वर्ष)2024(	ब्रेडफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.
सुश्री चारू मिश्रा (2019PHDPHARM001)	कॉमनवेल्थ स्प्लिटसाइट - छात्रवृत्ति	1 वर्ष)2024(	ब्रेडफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.
अज़ीज़ आबेब एडकुन्ले	अफ्रीकी शोधकर्ताओं के लिए सीवी रमन फेलोशिप डॉक्टरेट) श्रेणी(, 2024-2023	6 माह	फार्मेसी विभाग, रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, अजमेर305817-

अनुसंधान साझेदारी/सहयोग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय विदेशों के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी हेतु प्रयासरत है। ऐसी साझेदारियाँ सहयोगात्मक अनुसंधान, औद्योगिक परामर्श, संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों और छात्रों/संकाय सदस्यों/कर्मचारियों के आदान-प्रदान के माध्यम से साकार की जाएंगी। अनुसंधान हितों के आधार पर संकाय सदस्यों द्वारा शुरू की गई साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।

सरकारी एजेंसियों के माध्यम से स्वीकृत द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजनाएँ

परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक	निधीयन एजेंसी	प्रकार -गैर/सरकारी) (सरकारी	पुरस्कार का वर्ष	उपलब्ध धनराशि रुपये) लाखों में(	परियोजना की अवधि
चिकित्सीय एजेंटों के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर का विकास	डॉ .पंकज गुप्ता	कैनाटू (फिनलैंड)	गैर सरकारी- (उद्योग)	2024	~13.25 लाख	16 माह
कैंसर रोधी दवा टेमोज़ोलोमाइड के मस्तिष्क डिलीवरी के लिए एप्टामर डेंड्रीमेरिक कैरियर आधारित एप्टामर जिनटी की 4 खोज	डॉ .उमेश गुप्ता	डीएसटी नई दिल्ली - बेलारूस-भारत	सरकारी	2023	818080	2 वर्ष
निम्न तापमान पर सौर शुष्क सुधार प्रतिक्रिया के माध्यम से ग्रीन सिंथेटिक गैस)CO/H (2 प्रौद्योगिकी का विकास	डॉ राजेन्द्र . चरणदेव पंवार	स्पार्क-शिक्षा मंत्रालय	सरकारी	2024	48.72	2 वर्ष

अंतर्राष्ट्रीय यात्रा/संकाय आदान-प्रदान

संकाय	फैलोशिप का नाम	अवधि	देश/संस्थान
प्रो संजीब . कुमार पांडा	असाधारण प्रोफेसर	2023	स्टेलेनबोश विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका
प्रोसंजीब . कुमार पांडा	विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर	2023	हंगेरियन, विज्ञान अकादमी, बुडापेस्ट, हंगरी
डॉ .भावना बिस्सा	अतिथि संकाय	2023	हेनरिक हेन विश्वविद्यालय डसेलडोर्फ

छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा			
छात्र का नाम (फार्मेसी विभाग)	**फैलोशिप का नाम**	**अवधि**	**संस्थान/विश्वविद्यालय का नाम**
वर्षिता श्रीवास्तव	Fundação de Amparo à Pesquisa do Estado de साओ पाउलो (एफएपीईएसपी) (साओ पाउलो रिसर्च फाउंडेशन)	2023	साओ पाउलो विश्वविद्यालय, ब्राज़ील
बिस्वजीत नाइक	EMBO यात्रा अनुदान और DST-SERB यात्रा अनुदान	2023	विलार्स-सुर-ओलोन, स्विटजरलैंड
दिव्या गुप्ता	डीएसटी	2023	हेनरिक हेन विश्वविद्यालय, डसेलडोर्फ, जर्मनी
सुश्री निषा चौरावाल	कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति	1 वर्ष (2024)	ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.
सुश्री चारू मिश्रा	कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति	1 वर्ष (2024)	ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.

संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

पुरस्कार का शीर्षक	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम और संपर्क विवरण	पुरस्कार वर्ष
असाधारण प्रोफेसर	प्रो. संजीब कुमार पांडा	स्टेलेनबोश विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका	**2023**
विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर	प्रो. संजीब कुमार पांडा	हंगेरियन, विज्ञान अकादमी, बुडापेस्ट, हंगरी	**2023**
अतिथि प्रोफेसर	प्रो. संजीब कुमार पांडा	हंगेरियन, विज्ञान अकादमी, बुडापेस्ट, हंगरी	**2024**
अतिथि प्रोफेसर	डॉ. भावना बिस्सा	हंगेरियन, विज्ञान अकादमी, बुडापेस्ट, हंगरी	**2023**

छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

नवाचार का शीर्षक	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार देने वाली एजेंसी का नाम और संपर्क विवरण	पुरस्कार वर्ष
कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट स्कॉलरशिप – डॉक्टोरल स्टडीज	सुश्री निष्ठा चौरवाल (2020PHDPHARM005)	यूके कॉमनवेल्थ छात्रवृत्ति आयोग	2024
कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट स्कॉलरशिप – डॉक्टोरल स्टडीज	सुश्री चारू मिश्रा (2019PHDPHARM001)	यूके कॉमनवेल्थ छात्रवृत्ति आयोग	2023
एस्कॉर्बिक एसिड एसिस्टेड मोर्फोलोजिकल इवोल्यूशन ऑफ क्रिस्टलाइन Bi2WO6 फॉर CO2 फोटोरिडक्शन	राजेन्द्र सी. पवार	ऊर्जा, जल प्रौद्योगिकी और संधारणीयता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICEAS 2023)	2023

मूलभूत सुविधाएं

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में की गई। लगभग चौदह वर्षों की इस यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय ने पर्याप्त बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और यह अभी भी विकास की ओर अग्रसर है।

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक परिवेश अनेक व्याख्यान कक्षों, प्रयोगशालाओं, अध्ययन कक्षों, छात्रावासों और पुस्तकालय से सुसज्जित है। सहायक बुनियादी अवसंरचना में खेल के मैदान, व्यायामशाला, सभागार, बैंक, एटीएम, डाकघर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि शामिल हैं। स्वास्थ्य लाभ एवं तनाव मुक्ति हेतु शैर के लिए चौड़ी सड़क के किनारे हरियाली युक्त फुटपाथ बनाये गये हैं तथा स्ट्रीट लाइट लगाये गये हैं।

संपूर्ण अवसंरचना सतत विकास को ध्यान में रखकर किया गया है। विश्वविद्यालय के छात्रों और निवासियों के सुविधायुक्त जीवन को सुनिश्चित करने के लिए इस दिशा में अनेक प्रयास किए गये हैं। परिसर के भीतर और किशनगढ़ शहर से परिसर तक छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु परिवहन की सुविधा उपलब्ध हैं। किशनगढ़ से विश्वविद्यालय अवागमन के लिये प्रात: एवं सायं विश्वविद्यालय की नियमित बस सेवा उपलब्ध है। परिसर के भीतर सुबह, शाम, और दोपहर की भोजनावधि में छात्रावास से छात्रों को उनके शैक्षणिक भवन लाने हेतु भी बस का परिचालन होता है। परिसर के भीतर यातायात हेतु ई-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रों और कर्मचारियों के बांदरसिंदरी राजमार्ग बस-स्टॉप से विश्वविद्यालय परिसर के बीच आवागमन हेतु भी सुबह से लेकर देर शाम तक ऑटो-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध है।

बैंकिंग सुविधा

विश्वविद्यालय परिसर में बैंक ऑफ इंडिया, जो भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के तहत राष्ट्रीयकृत बैंक है, की शाखा उपलब्ध है। इसके साथ ही एटीएम मशीन की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वेतन इस बैंक के माध्यम से वितरित किया जाता है और शाखा कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को ऋण सुविधाएं प्रदान करने में सहयोग प्रदान किया जाता है।

डाक घर

कर्मचारियों, छात्रों और आसपास के गांवों की सेवा के लिए एक पूरी तरह कार्यात्मक डाकघर सुविधा उपलब्ध है।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स

बैंक और डाकघर के निकट एक सुविधाजनक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थित है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स कर्मचारियों और छात्रों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करता है, जिसमें लांड्री (कपड़े धुलवाने), डेयरी की दुकान, बेकरी, स्टेशनरी और फोटोकॉपी की दुकान और एक सहकारी स्टोर सम्मिलित हैं।

कैंटीन

कर्मचारियों और छात्रों के जलपान के लिए कई कैंटीन उपलब्ध हैं। छात्रों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए कैंटीन शैक्षणिक भवनों के पास सुविधाजनक रूप से स्थित हैं। कैंटीन मे सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चाय, कॉफी, सैंडविच, पराठे, इडली, जूस, दूध और अन्य जलपान सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अलावा, मेगा मेस के पास एक कैंटीन भी स्थित है जो छात्रों के लिए 24X7 जलपान सुविधा प्रदान करती है।

प्रशासनिक तथा अकादमिक भवन

विश्वविद्यालय अकादमिक विभागों और प्रशासनिक कार्यों हेतु अनेक भवनों से समृद्ध है। सितंबर 2017 तक, सभी शैक्षणिक विभाग अस्थायी भवनों या ट्रांजिट भवनों में स्थित थे और बाद में, अधिकांश विभाग नव निर्मित चार अकादमिक भवनों में स्थानांतरित हुए।

अकादमिक भवनों में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों और आचार्यों के लिए अलग-अलग कक्ष हैं। भवनों में शिक्षण और पारस्परिक अंत:क्रिया के लिए सही वातावरण प्रदान करने हेतु विशाल कक्षाएं, सेमिनार हॉल, प्रयोगशाला तथा पर्याप्त खुली जगह है। ये पांच भवन एक समूह में स्थित हैं और अन्य चार अकादमिक भवनों और केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भवन का निर्माण उसी डिजाइन में किये जाने की योजना है।

वर्तमान में कुछ विभाग और केंद्रीय पुस्तकालय अस्थायी भवनों में संचालित हैं। विश्वविद्यालय परिसर में एक सभागार है जिसमें विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों, सम्मेलनों इत्यादि का आयोजन किया जाता है। अनुसंधान के लिए केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला भवन का भी निर्माण किया गया है। उनके विभाग को समायोजित करने के लिए खेल विज्ञान एवं योग स्कूल भवन का भी निर्माण किया गया है।

केंद्रीय पुस्तकालय

शिक्षा मंत्रालय ने आगामी वर्षों में निर्मित होने वाले केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण के लिए 95.53 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, पुस्तकालय भवन का प्रस्तावित क्षेत्र 15958.74 वर्ग मीटर होगा।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय ज्ञान की खाई को पाटता है जो उच्च शिक्षा के किसी भी संस्थान की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ई-संसाधनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं की उपलब्धता के माध्यम से पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए वैश्विक ज्ञान के आदान हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में साधन-संपन्न और सुसज्जित पुस्तकालय हैं। यह छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, विशेषज्ञों और आगंतुकों सहित समस्त समुदाय को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की सामग्री की व्यवस्था प्रदान करता है। पुस्तकालय में लगभग 36410 मुद्रित पुस्तकें तथा 3293 ऑनलाइन पुस्तकों का संस्करण, 10,000 से अधिक ई-पत्रिकाएँ, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों के 78 प्रिंट जर्नल और प्रिंट जर्नल के 593 बाउंड वॉल्यूम हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 04 ऑनलाइन डाटाबेस और 770 सीडी रोम का संग्रह है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालय ने साइंस एंड स्कोपस (सार और उद्धरण डेटाबेस) की वेब, टर्निटिन - साहित्यक चोरी ज्ञात करने का एक अग्रणी उपकरण तथा ग्रामरली - छात्रों के शोध प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक स्वचालित व्याकरण शिक्षक और पुनरीक्षण उपकरण का क्रय किया है। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं हैं : ग्रंथात्मक सेवा, साहित्य खोज सेवा, पुस्तक प्राप्ति, संदर्भ, दस्तावेज़ वितरण, वेब ओपेक, फोटोकॉपी, डेलनेट और इनफ्लिबनेट के माध्यम से सामग्री का अंतर-पुस्तकालय आदान-प्रदान इत्यादि। इस प्रकार पुस्तकालय अपनी 150 सदस्यों के बैठने की क्षमता के साथ ज्ञान के भंडार के रूप में विश्वविद्यालय समुदाय को इंट्रा-नेट और इंटरनेट सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रहा है। अपने उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह इन्फ़्लिबिनेट, डेलनेट, करेंट साइंस एसोसिएशन, इंस्टीट्यूट ऑफ साइनटोमैटिक्स तथा अन्य संस्थाओं से संबद्ध है।

आई.सी.टी. सेवाएँ : राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में अब नियमित और विशिष्ट कार्यों को करने के लिए वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर LibSys7 की जगह ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर KOHA लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। OPAC को इंट्रानेट (सीयूराज कैंपस नेटवर्क) के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया है और इंटरनेट उपयोगकर्ता हमारी लाइब्रेरी वेब ओपेक को http://10.0.0.16 पर एक्सेस कर सकते हैं | पुस्तकालय पूरी तरह वाई-फाई सेवा से युक्त है तथा लैन से जुड़े 15 कंप्यूटरों के साथ एक सुव्यवस्थित साइबर पुस्तकालय है जो उपभोक्ताओं को हज़ारों इलेक्ट्रॉनिक साधनों से जोड़ते हैं। पुस्तकालय द्वारा डिजिटल पुस्तकालय हेतु ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर अपनाने की योजना बनाई जा रही है। समय-समय पर लाइब्रेरी वेबपेज अपडेट किया जाता है जो नियमों / विनियमों, समाचार, गतिविधियों के साथ ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के नए आगमन के बारे में जानकारी प्रदान करता है। अब, पुस्तकालय नियमित गतिविधियों के लिए आर.एफ.आई.डी एप्लिकेशन का उपयोग कर रहा है, जो पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय समूह के हस्तक्षेप के बिना पुस्तकों को जारी करने या वापस करने में मदद करेगा।

छात्रावास सुविधाएं :

उच्च शिक्षा के दौरान छात्रावास विद्यार्थियों के लिए दूसरा घर बन जाता है। छात्रावास जीवन साथियों से सीखने, अध्ययन करने, मौज-मस्ती करने और उज्ज्वल भविष्य के सपने देखने का होता है। इस प्रकार, आवासीय छात्रों के लिए अनुकूल, रचनात्मक शिक्षा का माहौल, खेलने की पर्याप्त सुविधाएं, अवकाश गतिविधियों तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कुछ अच्छा करने के लिए पर्याप्त अनुशासन और सुविधाओं के सही संतुलन की आवश्यकता होती है। छात्रावास-जीवन शैक्षणिक विकास और उपलब्धि की यात्रा का एक हिस्सा है। विश्वविद्यालय में बालकों और बालिकाओं के छात्रावासों के लिए अलग-अलग भवन हैं। बालकों के लिए चार और बालिकाओं के लिए चार छात्रावास भवन हैं। शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के दौरान विद्यार्थियों ने एकीकृत, यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

वर्तमान में 04 बालिका छात्रावासों (प्रत्येक छात्रावास में 192 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1500 छात्राएं और 4 बालक छात्रावासों (प्रत्येक छात्रावास में 256 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1350 छात्र रह सकते हैं। पुरुष पीएचडी छात्रों के लिए एक अलग छात्रावास है। छात्रावास के कमरे में चारपाई, गद्दे, मेज, कुर्सी, आलमारी और अन्य बिजली के सामानों जैसे रोशनी, पंखे इत्यादि उपलब्ध हैं। जब विद्यार्थियों के माता-पिता अपने पुत्र या पुत्री से मिलने आते हैं, तो उनके अनुरोध पर एक या दो दिनों के लिए उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

भोजनालय : सुविधा (मेस)

लगभग एक हजार छात्रों के खानपान के लिए मेगा मेस की सुविधा उपलब्ध है। मेगा मेस के भोजन कक्ष में एक साथ 500 छात्रों के भोजन की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक बालिका छात्रावास में छात्राओं के खानपान के लिए भोजनालय (मेस) की सुविधा उपलब्ध हैं। भोजनालय चूल्हा, रसोई घर तथा खाना पकाने के उपकरणों से युक्त है तथा रसोई घर के साथ सफाई का स्थान भी है। भोजन तैयार करने तथा उसके भंडारण के समय गुणवत्ता मानकों तथा स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाती है। बी-7 छात्रावास में रहने वाले पीएचडी छात्रों के लिए अलग से भोजनालय का निर्माण किया जा रहा है और इसे अगले वर्ष से प्रारंभ कर दिया जाएगा।

वाशिंग मशीन की व्यवस्था :

बालक छात्रावास बी-5 भवन में छह वाशिंग मशीनें और ड्रायर लगाए गए हैं। इसी तरह अन्य छः वाशिंग मशीनें और ड्रायर बी-4 बालिका छात्रावास में भी उपलब्ध हैं जिनका उपयोग विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।

कर्मचारियों के बच्चों के लिए डे केयर सेंटर :

डे केयर सेंटर की सुविधा वर्ष 2022 मे प्रारंभ की गयी। डे केयर सेंटर कर्मचारियों के बच्चों के लिए काफी उपयोगी है। जो बच्चे किसी स्कूल में प्रवेश नहीं ले सकते और उन्हें अपने माता-पिता की निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है, वे इस सुविधा के लिए दिन भर रुकते हैं। कर्मचारी अपने बच्चों को पर्यवेक्षण कर्मचारियों की देखभाल में छोड़ देते हैं। वर्तमान में, यह सुविधा एक सामान्य शुरुआत है जहां एक समय में लगभग 30 बच्चों को रखा जा सकता है।

सामान्य लाउंज तथा अध्ययन कक्ष की सुविधाएँ :

प्रत्येक छात्रावास के लाउंज क्षेत्र में बैठने की सुविधा के साथ ही एलसीडी टेलीविजन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। इसमें मनोरंजन, सूचनापरक और समाचार चैनल की सुविधा है। इसके अतिरिक्त छात्रावास के सभी कमरों में इंटरनेट हेतु लैन कनेक्शन उपलब्ध हैं जो अध्ययन के लिए अनिवार्य है। इसके अलावा, कक्ष के बाहर वाईफाई की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पूरे रा.के.वि.वि. परिसर को इंटरनेट के उपयोग के लिए वाई-फाई से जोड़ा गया है तथा छात्र-छात्राओं को इंटरनेट के उपयोग हेतु पासवर्ड दिए गए हैं। छात्रावास में छात्र-छात्राओं के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स, द टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका जैसे समाचार पत्र भी उपलब्ध कराये जाते हैं। छात्रों के लिए प्रत्येक छात्रावास में अध्ययन कक्ष की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह, प्रशासनिक परिसर के बाईं ओर व कुलपति आवास के निकट स्थित है। अतिथि गृह मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के आधिकारिक अतिथियों/ विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा आयोजित सेमिनारों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में शामिल होने वाले अतिथियों के लिए है। विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में विशेषज्ञों, परीक्षकों, आगंतुकों और छात्रों के माता-पिता को भी ठहरने की सुविधा दी जाती है। विश्वविद्यालय का अतिथिगृह एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया विशाल तीन मंजिला शानदार संरचना है, जिसमें एक कमरे के 60 सुइट, दो कमरे के 10 सुइट और तीन कमरे के 2 वीवीआईपी सुइट है। अधिकांश कक्ष वातानुकूलन, टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर, गीजर और अन्य

बुनियादी सुविधाओं से युक्त हैं। कमरों में डेंटल किट, कंघी, साबुन, मॉइस्चराइज़र, शैम्पू, हेयर ऑइल, टॉयलेट रोल और बाथरूम चप्पल जैसी अतिथि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अतिथि गृह में 70 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक वातानुकूलित सेमिनार हॉल है। इस हॉल में विभिन्न आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उसी के समीप, 40 लोगों के बैठने की क्षमता वाले वातानुकूलित डाइनिंग हॉल का उपयोग विभिन्न उच्च-स्तरीय आधिकारिक भोज लिए किया जाता है। भूतल में 60 लागों के बैठने की क्षमता वाला गैर वातानुकुलित डाइनिंग हॉल का उपयोग अतिथि गृह में रहने वाले सदस्यों द्वारा किया जाता है। अन्य दो गैर वातानुकुलित बहुउद्देशीय हॉल भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग अक्सर सामुदायिक भोजन और अन्य कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाता है। अतिथि गृह में 100% पावर बैकअप की सुविधा उपलब्ध है। कार्यग्रहण करने वाले नये संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के निवास की आवश्यकता की पूर्ति के लिये अतिथि गृह का एक हिस्सा सीमित समय के लिए संकाय सदस्यों और अधिकारियों को निर्धारित शुल्क के साथ दिया जाता है। विश्वविद्यालय में विशेषज्ञों, परीक्षकों, आगंतुकों और अभिभावकों के ठहरने के लिए एक अच्छी व्यवस्था है, जिनके अनुसार प्राथमिकता के आधार पर उन्हें अतिथि गृह में ठहरने की सुविधा दी जाती है। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यह अतिथि गृह गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय का अतिथि गृह विश्वविद्यालय जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

जिम और खेल सुविधाएं

वर्ष 2022 में खेल और जिम सुविधाओं में सुधार किया गया। क्रिकेट और फुटबॉल स्टेडियम में काफी सुधार किया गया है। इसके अलावा, ओपन जिम सुविधाओं के साथ-साथ एक हॉकी मैदान का निर्माण भी शुरू किया गया। बालक एवं बालिका दोनों छात्रावासों में पृथक-पृथक आधुनिक उपकरणों से युक्त जिम की सुविधा उपलब्ध है। छात्रावासों में निम्नलिखित इनडोर खेलों की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं:

1. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में टेबल टेनिस की सुविधा।
2. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में शतरंज की सुविधा।
3. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में कैरम की सुविधा।

इनके अलावा, छात्रों को फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट और कई अन्य बाहरी खेलों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रावास के निकट फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट ग्राउंड, बास्केटबॉल कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय की खेल समिति विद्यार्थियों के लिए वर्ष भर विभिन्न इनडोर और आउटडोर टूर्नामेंट आयोजित करती है। विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में छात्राओं की सुरक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। महिला छात्रावास में उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुसार सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर की सुविधा भी उपलब्ध है।

खेल सुविधाएं

शिक्षण तथा छात्रों के अध्ययन संबंधी प्रदर्शन के मूल्यांकन के अतिरिक्त, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल के लिए भी सुविधाएं प्रदान करता है, क्योंकि विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास में विश्वास करता है। छात्र-छात्राओं को कक्षा के बाद खेल सुविधाओं के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यहां फुटबॉल और क्रिकेट के हरी घास के मैदान और वॉलीबॉल के मैदान हैं जबकि बैडमिंटन और टेबल टेनिस के इनडोर कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अनेक खेल कार्यक्रमों जैसे - कैरम, शतरंज, वॉली बॉल, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, लंबी कूद, शॉट पुट, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस इत्यादि का आयोजन करता है। ऐसी स्पर्धाएं छात्र-छात्राओं को एक साथ लाने में मदद करती हैं और उन्हें कठिन परिश्रम के महत्व को दर्शाते हुए अपने

लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ध्यान केंद्रित करती हैं। विश्वविद्यालय का खेल परिषद और खेल विज्ञान स्कूल छात्रों में खेल भावना को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स और कैंटीन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का मानना है कि अच्छा परिसर जीवन छात्रों को उनके आवरण से बाहर आने में मदद करता है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है जो छात्रों को अनेक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा अनेक सांस्कृतिक तथा जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण स्थान भी है। शॉपिंग कॉम्पलेक्स में रेस्तरां, चाय की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान, डेयरी की दुकान, लांड्री (कपड़े धुलवाने) की सुविधा और एक सहकारी स्टोर हैं। वार्षिक निविदा के माध्यम से दुकानों को संबंधित विक्रेताओं को किराए पर दिया जाता है। गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बेचे जाने वाले सभी उत्पादों की नियमित निगरानी की जाती है। दुकानें मानक अभ्यास के रूप में दर सूची प्रदर्शित करती हैं। स्थानों की सफाई एवं स्वच्छता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। कोविड महामारी के दौरान इनमें से अधिकतर सुविधाएं बंद कर दी गई थीं, लेकिन सीमित अवधि के लिए निवासियों को सेवाएं प्रदान की जाती थी।

बैंक, एटीएम तथा डाकघर

परिसर में, एटीएम सुविधा के साथ बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। बैंक आसपास के गांवों के ग्रामीणों सहित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय समुदाय को सभी नियमित बैंकिंग सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयोजनों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सेवा का भी उपयोग करता है। विभिन्न डाक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिसर में एक डाकघर भी है। ये सेवाएं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

कर्मचारी आवास :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह यथासंभव लोगों की गतिशीलता को बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय शैक्षणिक और अशैक्षणिक सदस्यों के लिए कर्मचारी आवास की सुविधा प्रदान कर रहा है। कर्मचारी आवास अकादमिक ब्लॉक के निकट ही स्थित है जो विश्वविद्यालय के सदस्यों के आवागमन को सुगम बनाता है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में टाइप- II (16), टाइप- III (36), टाइप-बी (24), टाइप-सी (12), और टाइप-डी (32) कर्मचारी आवास सहित कुल 120 आवासीय क्वार्टर हैं।

पात्रता मानदंड के अनुसार आवासों के आवंटन के लिए समिति गठित की गई है। आवासीय भवनों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध रहती है। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति निवास भी है। आवासीय भवनों में विस्तृत खुली जगह है जहां संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, रात्रि-भोज और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आवासीय भवनों में बच्चों के लिए एक सुंदर पार्क है जो परिसर में बच्चों के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके अलावा, बी-टाइप आवासीय फ्लैट के पास बच्चों के लिए पार्क बनाया गया है।

ओपन जिम और फिटनेस सेंटर :

ओपन जिम और फिटनेस सेंटर का निर्माण वर्ष 2023 में बालक छात्रावास के निकट किया गया, जिसमें स्वास्थ्य गतिविधियों की विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह सुविधा सभी छात्रों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

केन्द्रीय विद्यालय :

केन्द्रीय विद्यालय संगठन एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है जो स्कूली शिक्षा में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में ही केन्द्रीय विद्यालय, बांदरसिंदरी स्थित है। विद्यालय की शुरुआत 31 मई, 2017 को हुई और जुलाई 2017 में इसका उद्घाटन हुआ। यह विद्यालय समाज के विभिन्न वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, विद्यालय में 16 शिक्षक और 1 अशैक्षणिक कर्मचारी हैं।

वर्तमान में विद्यालय में 422 विद्यार्थी हैं। प्रधानाचार्य कार्यालय, कर्मचारी-कक्ष, पुस्तकालय, खेल कक्ष, गतिविधि कक्ष, सीएमपी कक्ष, संगीत कक्ष, कंप्यूटर लैब, समग्र विज्ञान लैब, परीक्षा कक्ष, और बैडमिंटन कोर्ट के अलावा 10 सुसज्जित कमरे हैं। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, खेल कार्यक्रम आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ जैसे एकल और समूह गीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन सीसीए के कैलेंडर के अनुसार किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। केन्द्रीय विद्यालय संख्या 2 अजमेर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया और क्लस्टर स्तर में स्थान प्राप्त किया। टॉय मेकिंग प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने क्लस्टर और क्षेत्रीय स्तर पर भाग लिया और स्थान हासिल किया। ग्रीन ओलंपियाड प्रतियोगिता में तीन विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट मिला है। एनसीईआरटी, सीएसआईआर-सीरी और विज्ञान भारती के सहयोग से विज्ञान प्रसार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विद्यार्थी विज्ञान मंथन, विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में आठवीं कक्षा के एक छात्र ने तीसरा स्थान

प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी-हिंदी भाषण, और ग्रीन ओलंपियाड जैसे विभिन्न आयोजनों में स्थान प्राप्त किया। स्कूल ने पूरे वर्ष वर्चुअल माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है और इनमें से कई कार्यक्रमों को YouTube लिंक में अपडेट भी किया। विशेष रूप से, स्कूल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए दादा-दादी दिवस, शिक्षक दिवस, योग दिवस, फिट-इंडिया आंदोलन, हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

स्वास्थ्य केंद्र :

विश्वविद्यालय परिसर में चिकित्सा सुविधाओं से युक्त स्वास्थ्य केंद्र हैं। हाल ही में, दो कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं जिसमें ऑक्सीजन, सक्शन मशीन, व्हील चेयर व स्ट्रेचर की सुविधा उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने हाल ही में अत्यधिक उन्नत डेंटल चेयर, डेंटल एक्स रे मशीन, दंत चिकित्सा उपकरणों आदि के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित दंत चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना की है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के फिजियोथेरेपी के लिए आवश्यक सभी उपकरणों के साथ एक उन्नत फिजियोथेरेपी यूनिट की भी स्थापना की गई है। इसके अलावा, नियमित हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परीक्षणों के लिए उपकरणों का क्रय किया गया। यह स्वास्थ्य केंद्र आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सीमीटर, रिससिटेशन किट (एंबुबैग आदि), स्फिग्मोमैनोमीटर, व्हील चेयर, स्ट्रेचर और आटोक्लेव आदि से सुसज्जित है। साथ ही, स्वास्थ्य केंद्र में 4 ऑक्सीजन सिलेंडर और 2 ऑक्सीजनेटर हैं। स्वास्थ्य केंद्र को पूरी तरह कार्यात्मक दंत चिकित्सा सेवा की अवसंरचनात्मक सुविधाएँ भी उपलब्ध करायी गयी है। डॉ. आशीष शर्मा छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार को नि:शुल्क परामर्श प्रदान करते हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र में फिजियोथेरेपी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी तथा विशेषज्ञों के लिए परामर्श कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, औषधि भंडार इत्यादि उपलब्ध हैं, जिसमें आंतरिक रोगियों के लिए 06 बिस्तर वाले दो वार्ड हैं। स्वास्थ्य केंद्र में उच्च चिकित्सा के गंभीर मामलों को रेफर करने के लिए एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध है। स्वास्थ्य केंद्र में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 बजे से 7 बजे तक ओ.पी.डी. सेवाएं और 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ-साथ भर्ती रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन, नेबुलाइजेशन आदि सेवाएं प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्र द्वारा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए प्रत्येक 6 महीने में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है तथा उनके संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का सत्यापन वर्तमान सीजीएचएस दर, विश्वविद्यालय के अध्यादेश एवं भारत सरकार के नियमों के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र द्वारा किया जाता है। स्वास्थ्य केंद्र में नियमित कर्मचारियों और छात्रों के लिए ऑनलाइन समर्थ पोर्टल भी हैं जिसमें विभिन्न प्रकार के आंकड़े, जैसे रोगी का स्वास्थ्य इतिहास, दवा, प्राप्त सुविधाएं और रेफरल विवरण आदि दर्ज किये जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाया। इसके अलावा, चिकित्सा अधिकारी नियमित रूप से समय-समय पर टीकाकरण अभियान, रक्तदान शिविर और आवश्यक स्वास्थ्य सलाह के बारे में अद्यतन जानकारी साझा करते हैं।

राजभाषा प्रकोष्ठ :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ बनाया गया है। राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यालय के कार्य में हिंदी के प्रयोग के मूल्यांकन हेतु कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी कार्यशाला के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्यों के निष्पादन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। केंद्रीय हिंदी

प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भी नामित किया जाता है। सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कंप्यूटर में हिंदी टंकण सॉफ्टवेयर अपलोड किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष में कार्यालय के अनेक दस्तावेजों यथा कार्यालय आदेशों, परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों, विभिन्न पदों के लिए विज्ञापनों इत्यादि का हिंदी अनुवाद किया गया तथा इन्हें द्विभाषी रूप में जारी किया गया।

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार के साथ ही प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन हेतु अनेक कदम उठाये जा रहे हैं तथा हिंदी के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

अन्य सहायक सुविधाएँ:

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अकादमिक गतिविधियों में संलग्न करने के लिए एक सुरक्षित और जीवंत वातावरण प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं में सुधार किया गया है। अन्य सुविधाओं में (1) विश्वविद्यालय निर्माण समिति (2) आईसीटी प्रकोष्ठ समिति (3) कुलानुशासक की अध्यक्षता में परिसर निगरानी प्रणाली (4) परिसर सुविधाएं और सुविधा प्रबंधन समिति और (5) प्रो. राजेश कुमार की अध्यक्षता में परिसर में वृक्षारोपण एवं परिदृश्य प्रबंधन समिति (6) विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट डिजिटल अध्ययन प्रौद्योगिकी केंद्र (7) खेल समिति तथा स्वास्थ्य एवं फिटनेस समिति शामिल हैं।

राजस्थान सौर ऊर्जा से समृद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सौर पैनल को स्थापित करके सौर ऊर्जा का उपयोग करने के प्रयास किए गये। बिजली की खपत को कम करने और सौर-ऊर्जा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ये पैनल विश्वविद्यालय के छात्रावासों की छतों पर तथा अकादमिक भवनों पर लगाये गये हैं और अन्य भवनों में भी इसे लगाये जाने की योजना बनाई गई है। ग्रिड से जुड़ा रूफ टॉप सौर संयंत्र लगाये गये हैं और वर्तमान में इस सौर संयंत्र के माध्यम से 780 किलोवाट बिजली उत्पन्न होती है। यह बिजली पावर ग्रिड के साथ जुड़ा हुआ है, अत: बिजली के बिल को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, संधारणीय अवसंरचना को विकसित करने के लिए जल-संचयन प्रणाली की रूप-रेखा बनाई गई है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और विश्वविद्यालय के सभी निवासियों की सुविधा हेतु पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। विभिन्न स्थानों पर कूड़ादान रखे जाते हैं और उनकी नियमित सफाई की जाती है। लगातार वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है।

विद्यार्थी सहायता प्रणाली

विश्वविद्यालय का एक प्रमुख पहलू छात्रों के लिए उपलब्ध सहायता प्रणाली है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित को सुनिश्चित करते हुए छात्र सहायता के लिए एक सराहनीय तंत्र विकसित किया है। छात्र सहायता अनेक तरीकों से प्रदान की जाती हैं। सबसे पहले, प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्र के लिए एक संरक्षक आवंटित किया जाता है। इसके अलावा, इस उद्देश्य के लिए कई अलग-अलग समितियाँ और प्रकोष्ठ शुरू किए गए हैं और ये प्रकोष्ठ विभिन्न गैर-सरकारी और सरकारी निकायों के समन्वय में स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं।

विद्यार्थी सलाहकार

प्रत्येक विभाग में विभागाध्यक्ष एक छात्र सलाहकार नियुक्त करते हैं। छात्र सलाहकार एक संकाय सदस्य होता है, जिससे छात्र अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सलाह लेते हैं। सलाहकार छात्रों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, ताकि वे तय कर सकें कि वे एक सेमेस्टर में किस कोर्स और कितने क्रेडिट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। छात्र

विद्यार्थी मार्गदर्शक

सभी विभागों में, प्रत्येक छात्र को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं और कैरियर निर्णयों के संबंध में परामर्श प्रदान किया जाता है, जिसके लिए क्षेत्र में विशेषज्ञों के सुझाव की आवश्यकता होती है। कुछ विभागों ने प्रत्येक छात्र के लिए संकाय सलाहकार नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने एक मार्गदर्शक का दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें सभी शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्र शिक्षा के साथ साथ अपने संबंधित-कैरियर में भी उच्च मानक प्राप्त करें।

विद्यार्थी परिषद्

विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद का गठन किया जाता है और विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थी प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद विद्यार्थी को शैक्षणिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में योग्यता के आधार पर विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के रूप में भी नामांकित करती है। प्रत्येक वर्ष, विभिन्न विभागों से कुल 19 छात्र प्रतिनिधि चुने जाते हैं और 20 छात्र अकादमिक परिषद द्वारा नामांकित होते हैं। यह परिषद छात्रों की शैक्षणिक और कल्याण गतिविधियों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेती है और उनका समाधान करती है।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कक्षा के बाहर छात्रों के सामान्य कल्याण की (डीएसडब्ल्यू) देखभाल करते हैं तथा उनके व्यक्तित्व के विकास में योगदान देते हैं। डीएसडब्ल्यू का कार्य विश्वविद्यालय में उपयोगी बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और कॉर्पोरेट जीवन के माध्यम से अपने उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए छात्रों के बीच समझ को बढ़ावा देना है।

विद्यार्थी शिकायत निवारण तंत्र

विश्वविद्यालय ने विद्यार्थी शिकायत निवारण तंत्र का गठन किया है। प्रत्येक शैक्षणिक स्कूल स्तर पर, एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया जाता है, जिसमें शिक्षा से संबंधित छात्रों की शिकायतों का खुले और लोकतांत्रिक वातावरण में समाधान किया जाता है । प्रो. पंकज गोयल संपूर्ण छात्र शिकायत निवारण तंत्र की निगरानी करते हैं । इसके अलावा, विश्वविद्यालय के प्रत्येक शैक्षणिक स्कूल में एक अलग विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है जो संबंधित स्कूल में शैक्षणिक और प्रशासनिक शिकायतों का निवारण करती है ।

नियोजन और कैरियर परामर्श

विश्वविद्यालय ने एक नियोजन और कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ का गठन किया है । प्रकोष्ठ ने कई उद्योगों के साथ गठजोड़ किया है और प्रकोष्ठ वर्ष वर्ष कैंपस नियोजन आयोजित करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है । प्रकोष्ठ छात्रों के लाभ के लिए लघु सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग से निपटने के लिए एक एंटी रैगिंग-प्रकोष्ठ सक्रिय है । इस प्रकोष्ठ के तहत, विश्वविद्यालय ने एक एंटीरैगिंग स्क्वाड का गठन किया है-, जो छात्रों को रैगिंग मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निगरानी के साथहै साथ जागरूक भी करता- । वर्ष 2023-24 के लिए एंटी रैगिंग-समिति में निम्नलिखित सदस्य थे:

अध्यक्ष	कुलपति (पदेन)
संयोजक / नोडल अधिकारी	कुलानुशासक (पदेन)
कुलपति द्वारा नामित सदस्य	कुलसचिव
संकाय प्रतिनिधि	मुख्य छात्रावास अधीक्षक
	डॉ. प्रकाश चौधरी
	डॉ. ज्ञान रंजन पांडा
	डॉ. संगीता यदुवंशी
	डॉ. राम किशोर
छात्र प्रतिनिधि (वरिष्ठ)	श्री शुभम कुमार
छात्र प्रतिनिधि (कनिष्ठ)	श्री सुमेर कुमार सैनी
शिक्षकेत्तर कर्मचारी प्रतिनिधि	श्री प्रदीप कुमार गर्ग
	श्री विनीत प्रकाश विश्नोई
स्थानीय प्रशासन प्रतिनिधि	एस.एच.ओ., बांदरसिंदरी पुलिस स्टेशन
स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि	श्री ऐशरिया प्रधान

अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ /

विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति / के छात्रों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस विशेष प्रकोष्ठ द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान किया जाता है। यह प्रकोष्ठ प्रो. आनंद कुमार और डॉ. प्रमोद कांम्बले की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है।

अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र प्रकोष्ठ

अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आवश्यक सहायता के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र प्रकोष्ठ बनाया गया है। सभी प्रकार की विविधताओं को बनाए रखते हुए, यह अल्पसंख्यकों सहित सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसे मामलों में भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार कार्य करने के लिए भी प्रतिबद्ध है, ताकि कार्य का ऐसा माहौल बनाया जा सके जहां सभी कर्मचारी और छात्र सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। यह प्रकोष्ठ अन्य पिछड़ा वर्ग के संबंध में समयसमय पर जारी आरक्षण- संबंधी आदेशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करता है और छात्रों की शिकायतों का त्वरित निपटारा भी सुनिश्चित करता है। वर्तमान में प्रकोष्ठ का नेतृत्व डॉ .काशीनाथ जी. मेत्री कर रहे हैं।

यौन उत्पीड़न की संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण (स्पर्श) और विश्वविद्यालय शिकायत समिति

यौन उत्पीड़न की संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण (स्पर्श) प्रकोष्ठ, यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता प्रदान करने और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक शीर्ष निकाय है। प्रत्येक वर्ष, स्पर्श प्रकोष्ठ लिंग संवेदीकरण और जागरूकता पर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। इस कार्यक्रम में, छात्रों के नए बैच को आमंत्रित किया जाता है और उन्हें यौन उत्पीड़न से संबंधित विषयों के बारे में जागरूक किया जाता है और विश्वविद्यालय में संचालित स्पर्श प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली के बारे में बताया जाता है।

स्पर्श के निकाय :

स्पर्श समिति में स्पर्श की शीर्ष संस्था शामिल हैं (यूसीसी) और विश्वविद्यालय शिकायत समिति (एबीएस)। एबीएस का उद्देश्य विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए संवेदनशील बनाना है। यूसीसी यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों पर विचार करता है, और उचित कार्रवाई का सुझाव देते हुए जांच करता है।

एबीएस के कार्य, शक्तियां और कर्तव्य:

क. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों से मुक्त परिसर का वातावरण प्रदान करने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को बनाए रखना।

ख. सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वातावरण को बढ़ावा देना जो लिंगआधारित भेदभाव के बारे में जागरूकता - आधारित हिंसा के अन्य कार्यों को रोकेगा।-बढ़ाएगा और यौन उत्पीड़न और लिंग

ग. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों के बारे में जागरूकता पैदा करना।

विश्वविद्यालय शिकायत समिति के कार्य (यूसीसी), शक्तियां और कर्तव्य:

क. सभी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ एक नीति विकसित करने और लागू करने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करना।

ख. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों की रोकथाम और निवारण के लिए एक स्थायी तंत्र विकसित करना।

ग. यह सुनिश्चित करना कि शिकायतों की उचित रिपोर्टिंग और निवारण के माध्यम से अध्यादेश के प्रावधानों को अक्षरशः लागू किया जाए।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में विश्वविद्यालय शिकायत समिति में सदस्य निम्नलिखित थे:

पांच (कम से कम तीन महिला) शिक्षक प्रतिनिधि	वास्तुकार ऋतु. बी राय डॉ. भूमिका शर्मा डॉ. गरिमा कौशिक डॉ आशा कुमारी मीना डॉ.सुधीर भास्कर
विश्वविद्यालय का एक शिक्षकेत्तर कर्मचारी प्रतिनिधि	श्री मनोज कुमार इंदौरिया सुश्री शोभग्यावती गुप्ता
दो छात्र प्रतिनिधि जिनमें से कम से कम एक छात्रा हो	सुश्री सुमन, पीएच.डी. शोधार्थी, गणित विभाग श्री राघवेंद्र हरदेनियान, बी.टेक, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी
महिलाओं के मुद्दों में योगदान देने वाले एक व्यक्ति को विश्वविद्यालय के बाहर से चुना जाएगा, जो एक एनजीओ प्रतिनिधि हो सकता है	सुश्री मनन चतुर्वेदी, सुरमन संस्थान
एक महिला परामर्शदाता	प्रो. कल्पना कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय
सदस्य सचिव	श्री मनोज कुमार इंदोरिया
अध्यक्ष का चुनाव उपर्युक्त सदस्यों में से किया जाएगा जो विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक कर्मचारी हों। एक सदस्य-सचिव का चुनाव उपर्युक्त सदस्यों में से किया जाएगा जो विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक कर्मचारी हों।	

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति

अपनी स्थापना के बाद से, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को छात्रों की शैक्षणिक उन्नति और विकास का एक महत्वपूर्ण घटक माना है। विश्वविद्यालय ने अपने छात्र केंद्रित दृष्टिकोण में समग्र विकास, कल्याण और व्यापक शिक्षा की परिकल्पना की है। एक मनोवैज्ञानिक परामर्श इकाई 2013 से कार्यरत है,और यह COVID-19 महामारी के दौरान और भी अधिक सक्रिय हो गई। समिति ने विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों का स्वास्थ्य सुनिश्चित किया है। समिति ने ऑनलाइन परामर्श सुविधाएं प्रारंभ की हैं और मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित पहलुओं पर जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने महामारी की स्थिति का सर्वोत्तम संभव प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अधिकारियों द्वारा साझा किए गए विभिन्न निर्देशों और प्रोटोकॉल को अपनाया है। लॉकडाउन के दौरान, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक तनाव को कम करने और छात्रों के साथ शिक्षण-अध्ययन संबंधी संचार स्थापित

करने के उद्देश्य से सभी छात्रों को शैक्षणिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए उनके साथ ऑनलाइन संचार स्थापित किया। जब भी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के संबंध में किसी समस्या का सामना करना पड़ा, तो परामर्शदाताओं द्वारा उनसे संपर्क किया गया और उनकी समस्याओं का व्यक्तिगत रूप से समाधान किया गया। जब छात्रों ने कनेक्टिविटी या पर्याप्त सुविधाएं न होने की समस्या बताई, तो उनके शिक्षकों ने टेलीफोन पर उनका मार्गदर्शन किया और उनके लिए साथियों का मार्गदर्शन भी शुरू किया गया। मानसिक स्वास्थ्य समूह के सदस्य ईमेल के माध्यम से छात्रों के साथ नियमित संपर्क में थे और विभिन्न सामग्रियां प्रदान करता थे, जो उन्हें प्रतिबद्ध और केंद्रित होने और ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित किसी भी मुद्दे से निपटने के लिए सकारात्मक रणनीति विकसित करने में में सहायक थीं।

मानसिक स्वास्थ्य और संदर्भों के बारे में बुनियादी जानकारी वाला एक वेबलिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया। यही जानकारी विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की गई। मानसिक स्वास्थ्य समूह ने स्थिति को सामान्य करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए और छात्रों को अपने शैक्षणिक हित को प्राथमिकता देने और अपने व्यक्तिगत जीवन और पारिवारिक व्यस्तताओं में आशावादी और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने पर ध्यान केंद्रित किया। परामर्शदाताओं ने अक्सर छात्रों को मौजूदा स्थिति की समझ विकसित करने और आत्मप्रतिबद्धता के रूप में सक्रिय-, फिट और स्वस्थ रहने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को पढ़ाई, असाइनमेंट और ऑनलाइन पाठ्यक्रम सामग्री के अध्ययन के साथसाथ सकारात्मक जीवन शैली की आदतें विकसित करने की सलाह दी गई- । उन्हें ध्यान, योग, विश्राम अभ्यास, मनोरंजन और शौक के अभ्यास के लिए नियमित रूप से कुछ समय निकालने के लिए प्रोत्साहित किया गया। घर पर रहने और स्वस्थ रहने के लिए हर संभव प्रयास करने के महत्व पर इस संदेश के साथ जोर दिया गया कि मौजूदा संदर्भ हमें चिंता करने की नहीं बल्कि जिम्मेदार बनना चाहिए।

उपर्युक्त छात्र सहायता प्रणाली के अलावा, विश्वविद्यालय आमतौर पर कई कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा वार्तालाप और विभिन्न सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शैक्षणिक वर्ष में 2022 तनाव कम करने, परीक्षा कैसे दें, नशीली दवाओं और नशे की लत से कैसे दूर रहें, इत्यादि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा अनेक व्याख्यान दिये गये।

आयोजित कार्यक्रम

अगस्त 2023

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

भारत सरकार ने पूरे भारत में सहयोगात्मक अभियान और बाह्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'आज़ादी का अमृत महोत्सव (AKAM)' की शुरुआत की है। भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने जन भागीदारी/सार्वजनिक भागीदारी के साथ-साथ "अमृत काल" के लक्ष्यों को पूरा करने की पहल की है। इस अवसर पर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान संकाय को जल और जीवन शैली के विषय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आज़ादी का अमृत महोत्सव (AKAM) और जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित करने पर गर्व है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में, स्थानीय हथकरघा और वस्त्रों द्वारा बनाए गए पर्यावरण के अनुकूल कपड़ों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 7 अगस्त 2023 को पृथ्वी विज्ञान संकाय द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस-2023 का आयोजन किया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं शिक्षकेत्तर सदस्यों ने हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया। 'हर घर तिरंगा' आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, "हर घर तिरंगा" अभियान 2022 में नागरिकों को अपने घरों में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था। देशभक्ति की भावना जगाने के लिए, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी 13 से 15 अगस्त, 2023 तक उत्साह और देशभक्ति के साथ "हर घर तिरंगा" अभियान का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने हर घर तिरंगा गतिविधि के हिस्से के रूप में **14 अगस्त 2023** को तिरंगे के साथ साइकिल रैली का आयोजन किया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार ने अपनी साइकिलों पर तिरंगे से सजे परिसर में देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन किया।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने तिरंगा रैली में भाग लिया

77वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

77वें स्वतंत्रता दिवस पर राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और शोधार्थी शामिल हुए। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय के सभी लोगों को बधाई देते हुए राष्ट्रवाद, अखंडता, शांति और भाईचारे की भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर स्वतंत्र देश में रहने के महत्व पर जोर दिया और बताया कि

कैसे तिरंगा न केवल हिंदुस्तान में बल्कि दुनिया के हर कोने में गर्व से लहरा रहा है, जो दुनिया भर में भारतीयों के गौरव का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण समारोह

"भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" पर प्रदर्शनी

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (ICHR) के सहयोग से "भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें पिछले 200 वर्षों में भारत के स्वतंत्रता संग्राम की उल्लेखनीय यात्रा को दर्शाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ICHR के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित "भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें 200 वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा को दर्शाया गया।

"*भारत का स्वतंत्रता संग्राम*, 1757-1947" *प्रदर्शनी का उद्घाटन*

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईसीएचआर के साथ आयोजित "भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" प्रदर्शनी में आसपास के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भारत के 200 साल के स्वतंत्रता संग्राम के समृद्ध इतिहास को देखा।

.

"भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" विषय पर स्कूली छात्रों का दौरा

श्री आर.के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आई.सी.एच.आर. द्वारा "भारत का स्वतंत्रता संग्राम, 1757-1947" विषय पर लगाई गई अद्भुत प्रदर्शनी देखी। इतिहास के पन्नों में छात्राओं की दिलचस्पी देखना अद्भुत था।

विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे नल्लू गांव के जीवंत युवाओं और पाटन गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने आईसीएचआर द्वारा राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में भारत के 200 साल के स्वतंत्रता संग्राम को देखकर इनकी जानकारी प्राप्त की।

21 अगस्त 2023 को हर्बल गार्डन का उद्घाटन

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित शानदार हर्बल गार्डन का उद्घाटन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने किया। इस कार्यक्रम में आरसीएफसी, एसपीपीयू के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. दिगंबर मोकट और आयुष आयुर्वेद, पुणे के एमडी डॉ. स्वप्निल शिंदे उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध हर्बल विरासत को पोषित और संरक्षित करना है।

सितंबर 2023

शिक्षक दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये। पहली बार, विश्वविद्यालय ने शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान, श्री कलराज मिश्र ने शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार सहित प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए।

12:00 बजे

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
शिक्षक दिवस समारोह

12:00 बजे

12 सितंबर 2023 को अभिविन्यास कार्यक्रम

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए नए छात्रों का एक ज्ञानवर्धक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

15 सितंबर 2023 को अभियंता दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 15 सितंबर 2023 को अभियंता दिवस पर सर एम विश्वेश्वरैया की 161वीं जयंती को गर्व और सम्मान के साथ मनाया, जिसमें छात्रों ने विज्ञान और रचनात्मकता का भरपूर आनंद लिया। देश में प्रत्येक वर्ष 15 सितंबर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। यह दिन सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (सर एमवी) की जयंती पर उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए मनाया जाता है। सर एम. विश्वेश्वरैया सिविल इंजीनियर, राजनेता और प्रशासक थे। उनका जन्म 15 सितंबर 1860 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था और वे एक तेलुगु ब्राह्मण परिवार में पले-बढ़े थे। वे 1912 से 1919 तक मैसूर के दीवान रहे और एक सिविल इंजीनियर के रूप में सेवा की। इंजीनियर के रूप में चार दशकों की सेवा और ऑटोमोबाइल, निर्माण, वास्तुकला आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के बाद, उन्होंने 1917 में प्रतिष्ठित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की, जिसे वर्तमान में यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग के रूप में जाना जाता है। सर विश्वेश्वरैया की सबसे प्रसिद्ध परियोजनाओं में मैसूर में कृष्ण राजा सागर बांध का विकास, दक्कन के पठार में सिंचाई प्रणाली का कार्यान्वयन, हैदराबाद के लिए बाढ़ सुरक्षा ढांचा, आदि शामिल हैं। उन्होंने मैसूर सोप फैक्ट्री, बैंगलोर कृषि विश्वविद्यालय, स्टेट बैंक ऑफ़ मैसूर, मैसूर आयरन एंड स्टील वर्क्स, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज और कई अन्य कई उद्योगों की स्थापना की। उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों के सम्मान में, किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के नाइट कमांडर के रूप में नाइट की उपाधि दी। उन्हें "आधुनिक मैसूर का जनक" कहा जाता है। इस कार्यक्रम में स्टार्टअप और इनोवेशन 2.0 प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ, जिसका उद्घाटन डॉ. संचेती ने किया। देश भर से आए छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये।

अक्टूबर 2023

स्वच्छता ही सेवा अभियान 1 अक्टूबर 2023

श्रमदान अभियान के तहत 'एक तारीख एक घंटा स्वच्छता' पहल के तहत, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बांदरसिंदरी गांव में सक्रिय रूप से स्वच्छता अभियान चलाया, जिससे कचरा मुक्त भारत के मिशन में लोगों की मजबूत भागीदारी प्रदर्शित हुई। अजमेर के सांसद श्री भागीरथ चौधरी ने बांदरसिंदरी के ग्रामीणों के साथ मिलकर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 5 अक्टूबर 2023 को एक ऐतिहासिक कार्य हुआ, जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल समारोह के माध्यम से विश्वविद्यालय के भवनों का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। यह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण दिन था। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। शिक्षा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरक दृष्टिकोण ने सभी को गहराई से प्रभावित किया, जिससे यह अवसर विश्वविद्यालय समुदाय के लिए वास्तव में अविस्मरणीय बन गया।

12 अक्टूबर 2023 को विशिष्ट व्याख्यान

एनईएफटी, एनबीए और ईसी नैक के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "विज़न 2047 - इंडिया @100" विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। भारत की 75 साल की यात्रा और 2047 की आकांक्षाओं पर विचार करते हुए, उनकी अंतर्दृष्टि अत्यंत प्रेरणादायक थी। अमृत काल विमर्श कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "नवाचार और तेजी से सीखना भारत के डीएनए में समाया हुआ है, और अगले 25 वर्षों में, भारत निस्संदेह सबसे अधिक नवोन्मेषी राष्ट्र बन जाएगा।" देश के भविष्य के लिए उनके दृष्टिकोण ने दर्शकों के बीच प्रेरणा और आशावाद जागृत किया।

मेरी माटी मेरा देश अभियान

मातृभूमि के प्रति एकता और प्रेम की भावना को अपनाते हुए, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 'मेरी माटी मेरा देश' पहल के तहत कलश यात्रा और वृक्षारोपण अभियान में गर्व से भाग लिया। पूरे उत्साह के साथ, विश्वविद्यालय समुदाय भूमि के पोषण और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरियाली भरे, उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की शपथ लेने के लिए एक साथ आया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर 31 अक्टूबर, 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि अर्पित की गई। सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें अक्सर "भारत के लौह पुरुष" के रूप में जाना जाता है, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख नेता थे और बाद में उन्होंने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में जन्मे पटेल महात्मा गांधी के करीबी सहयोगी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक प्रमुख व्यक्ति थे। भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के रूप में, पटेल का सबसे महत्वपूर्ण योगदान 1947 में स्वतंत्रता के बाद आया जब उन्होंने 560 से अधिक रियासतों को नवगठित भारतीय संघ में एकीकृत करने के प्रयासों का नेतृत्व किया। उनके कूटनीतिक कौशल और दृढ़ रुख ने यह सुनिश्चित किया कि भारत एकजुट और संगठित राष्ट्र बने। इस महान कार्य के लिए उन्हें "भारत के बिस्मार्क" की उपाधि मिली। राष्ट्र-निर्माता के रूप में पटेल की विरासत को हर साल उनकी जयंती पर याद किया जाता है, जिसे पूरे भारत में "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया जाता है। गुजरात में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा, "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी", राष्ट्र के लिए उनके योगदान के प्रतीक के रूप में खड़ी है। एक मजबूत, एकीकृत और स्वतंत्र भारत का उनका दृष्टिकोण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। राष्ट्र को एकजुट करने वाले नेता के रूप में, उनका अटूट समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। विश्वविद्यालय इस महान क्रांतिकारी को सम्मानित करने की परंपरा को कायम रखता है, जिससे उनकी विरासत आने वाले वर्षों तक जीवित रहेगी।

दिसंबर 2023

फिट इंडिया सप्ताह 2023

फिट इंडिया सप्ताह के दौरान प्रतिभागियों ने एक स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाया, जिसकी शुरुआत 12 दिसंबर 2023 को एक रोमांचक साइकिल रैली के साथ हुई। फिटनेस के प्रति उत्साह स्पष्ट था, क्योंकि छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय और स्वस्थ रहने की भावना को अपनाया, जिससे यह कार्यक्रम सफल रहा।

विकसित भारत@2047 अभियान (12 से 26 दिसंबर 2023)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज़ अभियान में सक्रिय भागीदारी दिखाई। पैनल चर्चा, निबंध लेखन, पीपीटी प्रस्तुतियाँ, नारा प्रतियोगिता, व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, वीडियो प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति, संवाद, पोस्टर के साथ सेल्फी प्रतियोगिता, चित्रकारी, समूह चर्चा आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जोड़ना और 2047 तक विकसित भारत के लिए एक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना बहुत प्रेरणादायक था।

विकसित भारत@2047 – महिला प्रकोष्ठ के लिए गतिविधियाँ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ ने 13 दिसंबर, 2023 को 'नारी शक्ति से विकसित भारत@2047' पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. भूमिका शर्मा, सह-आचार्य और अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष; डॉ. धनपति शौग्रकपम, सहायक आचार्य और भाषा विज्ञान विभाग के समन्वयक; और सुश्री अनुराधा मितल, जनसंपर्क

अधिकारी थीं। महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. नित्या प्रेम एसआर ने महिला प्रकोष्ठ की अन्य सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

महिला प्रकोष्ठ ने 14-12-2023 को 'विजन विकसित भारत@2047 के लिए विचार' के भाग के रूप में भारत की महिला वैज्ञानिकों पर एक वृत्तचित्र स्क्रीनिंग का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी युवा पीढ़ी को बुद्धिमानी से काम करने और विकसित भारत@2047 के हमारे विजन को पूरा करने के लिए अपने विचारों का योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. सीमा गोपीनाथ ने महिला प्रकोष्ठ की अन्य सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का समन्वय किया। महिला प्रकोष्ठ ने विकसित भारत @2047 के विजन के लिए विचारों के एक भाग के रूप में 15 दिसंबर, 2023 को अपराह्न 3:00 बजे "विकास के कदम नारी के संग" विषय पर पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया। महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ रीना गोदारा ने महिला प्रकोष्ठ की अन्य सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का समन्वय किया। वक्ताओं में डॉ फाल्गुनी पाठक, निदेशक आईक्यूएसी, नोडल अधिकारी, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात, डॉ. ज्योत्सना अमीन, सहायक निदेशक, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, विद्यामंदिर ट्रस्ट, पालनपुर, तथा डॉ. तुलना शर्मा, प्राचार्य, डॉ. एच.आर. गजवानी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मांडवी, गुजरात शामिल थीं।

महिला प्रकोष्ठ ने 18 दिसंबर, 2023 को दोपहर 3:00 बजे विकसित भारत @2047 के लिए विचारों के एक भाग के रूप में "नेतृत्व में महिलाएं : अनुभव साझा करना" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में था और महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. रीना गोदारा ने महिला प्रकोष्ठ की अन्य सदस्यों के साथ इसका समन्वय किया।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा विकसित भारत@2047 के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में, 21 दिसंबर 2023 को दोपहर 3:00 बजे "घरेलू भूमिकाओं में महिलाएं : अपने क्षेत्र में नेता" विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता अयोजित की गई। इस दिन के वक्ता के रूप में डॉ. फराह गुल खान, डॉ. अपर्णा सतपथी और श्रीमती टीना सारस्वत शामिल हुईं। डॉ. फराह गुल खान ने एम्स, नई दिल्ली से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की हैं, जिसमें मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और रीकॉम्बिनेंट डीएनए तकनीक में विशेषज्ञता है। कार्यक्रम का समन्वयन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सोसायटी टेक्नोलॉजी इंटरफेस विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी ने किया।

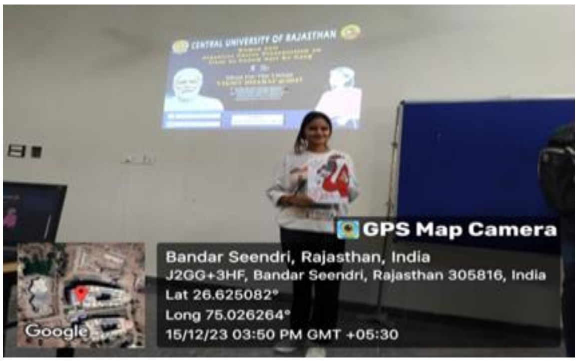

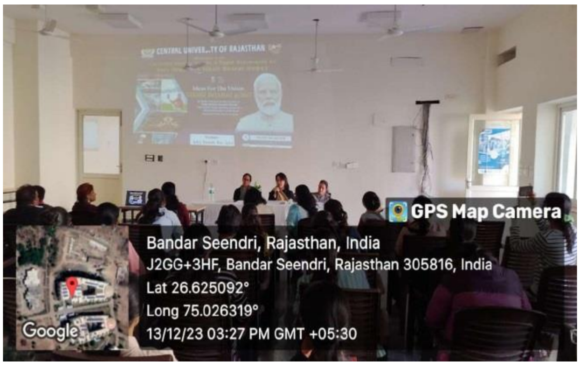

शहीद उधम सिंह जयंती

26 दिसंबर 2023 को अपार वीरता के प्रतीक महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद उधम सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में महान क्रांतिकारियों को पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करने की परंपरा सदैव कायम रहेगी।

जनवरी 2024

राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती 12-14 जनवरी 2024

राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती पर भव्य युवा संकल्प यात्रा एवं पुस्तक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ #Srijan 2024 की शानदार शुरुआत हुई। राजस्थान सरकार की सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग राज्य मंत्री माननीय डॉ. मंजू बाघमार जी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव सृजन 2024 की मुख्य अतिथि डॉ. मंजू बाघमार ने कहा कि "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की जनता युवा है और मन भी युवा है, इसलिए देश के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे देश की प्रगति में किस प्रकार योगदान देंगे।"

सृजन 2024 के तहत युवा संकल्प रैली

वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक समागम- सृजन 2023-24 के उद्घाटन के लिए सांस्कृतिक एवं खेलकूद जुलूस के रूप में युवा संकल्प रैली का आयोजन किया गया। इस जुलूस में छात्र, कर्मचारी, ग्रामीण, केन्द्रीय विद्यालय के छात्र, स्थानीय विक्रेता और स्थानीय श्रमिक आदि शामिल हुए।

स्वामी विवेकानंद की जीवन यात्रा पर पुस्तक प्रदर्शनी और पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन

स्वामी विवेकानंद पर ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी देखकर विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र रोमांचित और प्रेरित हुए। उनकी प्रेरणादायक कहानियाँ हमारे युवा मस्तिष्क को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करती हैं। छात्रों ने स्वामी विवेकानंद जी के गहन जीवन पर प्रदर्शनी और ज्ञानवर्धक पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया जो छात्रों के लिए प्रेरणा की यात्रा थी। वे प्रदर्शनी देखकर काफी प्रोत्साहित थे।

75वां गणतंत्र दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत के 75वें गणतंत्र दिवस को बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षण संकाय, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ मौजूद रही।
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली।

शहीद दिवस

देश के लिए बलिदान देने वालों को याद करना हमारा कर्तव्य है। गांधी जी के विचारों से प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन में बदलाव ला सकते हैं। हमें उनके गुणों को याद करके नई ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। 30 जनवरी 2024 को शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया गया।

फरवरी 2024

शिवाजी महाराज जयंती

20 फरवरी 2024 को शिवाजी महाराज जयंती पर जीवंत युवा शौर्य रैली का आयोजन किया गया। ऊर्जा और उत्साह अपने चरम पर था क्योंकि हमने शिवाजी महाराज की विरासत को श्रद्धांजलि दी और नेतृत्व की भावना को अपनाया। वास्तव में यह अनूठा अनुभव था!

वीर सावरकर जी को श्रद्धांजलि

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में वीर सावरकर जी के उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए, हम 27 फरवरी 2024 को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें सादर याद करते हैं। उनका साहस और ज्ञान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

मार्च 2024

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

28 फरवरी से 1 मार्च 2024 तक "विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक" थीम पर आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में लोगों में उत्साह चरम पर रहा। कार्यक्रम में वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री श्री संजय शर्मा जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये। उद्घाटन समारोह में औषधीय पौधों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन की भी शुरुआत हुई, जिसका शीर्षक था "औषधीय पौधों के अनुसंधान में हालिया प्रगति, अश्वगंधा पर विशेष जोर।" साथ ही, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "विज्ञान प्रदर्शनी" और "मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता और प्रदर्शनी" सहित कई अनूठी गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

16वां स्थापना दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 3 मार्च 2024 को अपना 16वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रममें मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार बरनवाल जी और अन्य सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पद्म पुरस्कार विजेताओं - श्री लक्ष्मण सिंह जी (पद्म श्री 2023) को विश्वविद्यालय द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया, इसके साथ ही पद्म श्री 2024 विजेताओं अली-गनी मोहम्मद ब्रदर्स (गजल और मांड गायन) और सुश्री माया टंडन को भी विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दिनांक 08-03-2024 को 4ए5 भवन सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. आनन्द भालेराव ने की। मुख्य अतिथि डॉ. भारती दीक्षित आईएएस, मजिस्ट्रेट एवं जिला कलेक्टर, अजमेर थीं। डॉ. भारती दीक्षित ने कहा कि महिलाएं हर काम करने में सक्षम हैं और वह भी पुरुषों से बेहतर हैं, इसलिए जो भी करें उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द भालेराव ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिला दिवस केवल आज नहीं है, हर दिन महिला दिवस है, हर दिन शक्ति पर्व है, क्योंकि महिलाएं ही हर चीज का केन्द्र बिन्दु हैं। प्रो. भालेराव ने इस बात पर भी जोर दिया कि शक्ति का एहसास करने के लिए केवल सशक्त होना ही जरूरी नहीं है, मन की शक्ति भी बदलाव ला सकती है और आज मैं उन सभी महिलाओं को बधाई देता हूं जिन्होंने संघर्ष करके एक मुकाम हासिल किया। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पुरस्कारों की श्रृंखला शुरू की गई है जिसमें वैज्ञानिक पुरस्कार, सामाजिक प्रभाव पुरस्कार और उद्यमी पुरस्कार शामिल हैं जो मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किए गए। सभी विजेताओं को शॉल, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, श्रीमद भगवद् गीता और रु.25,000/- का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वैज्ञानिक पुरस्कार नई दिल्ली के इंटरनेशनल सेंटर ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी में प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी ग्रुप की ग्रुप लीडर डॉ. स्नेह लता सिंगला-पारीक को प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी और कृषि जैव प्रौद्योगिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। उद्यमी पुरस्कार नारीक्षा पैड्स प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक और सीईओ सुश्री मेघना राठौड़ को दिया गया। उनकी कंपनी ने चावल की भूसी से प्राप्त पुआल के कचरे का उपयोग बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड बनाने में किया सामाजिक प्रभाव पुरस्कार महिला एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता तथा राजस्थान अनसंग स्टार्स अभियान की संस्थापक सुश्री भाग्यश्री सैनी को दिया गया। उद्यमी सुश्री शिल्पा शर्मा, जो आरोग्य लक्ष्मी क्लिनिक का नेतृत्व करती हैं तथा बच्चों के लिए आयुर्वेदिक टीकाकरण पद्धति पर काम कर रही हैं, को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर समिति, खाटूश्यामजी द्वारा विभिन्न विद्यालयों की आर्थिक रूप से वंचित 11 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई, ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। कम से कम 300 छात्राओं को यह छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य है। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. प्रगति जैन ने स्वागत भाषण दिया, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य सचिव डॉ. सीमा गोपीनाथ ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा डॉ. रीना गोदारा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नित्या प्रेम व डॉ. प्रेमी देवी, डॉ. टी. संगीता ने भी योगदान दिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में "आप स्वयं को तथा अपने आस-पास की महिलाओं को कैसे सशक्त बनाते हैं" विषय पर एक आकर्षक पैनल चर्चा भी हुई, जिसमें वक्ताओं ने विश्वविद्यालय समुदाय को प्रेरित करने तथा सशक्त बनाने के लिए अपने विचार तथा अनुभव साझा किए। इसके अलावा, लोगो निर्माण, कविता और भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर छात्राओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इन गतिविधियों का समन्वय महिला प्रकोष्ठ ने डॉ. रीना गोदारा और डॉ. सीमा गोपीनाथ के मार्गदर्शन में छात्रा प्रभनूर कौर के साथ मिलकर किया। ये गतिविधियां थीं: कविता पाठ, एक्सटेम्पोर, पैनल चर्चा और लोगो निर्माण प्रतियोगिता। इस अवसर पर छात्राओं ने सेल्फी भी ली।

“आप खुद को और अपने आस-पास की महिलाओं को कैसे सशक्त बनाते हैं” विषय पर पैनल चर्चा हुई, जिसमें वक्ताओं ने विश्वविद्यालय समुदाय को प्रेरित और सशक्त बनाने के लिए अपने विचार और अनुभव साझा किए।

पैनलिस्ट: हिया, शिफा और स्थिति प्रज्ञान

राजस्थान दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 30 मार्च 2024 को बहुत ही उत्साह और गर्व के साथ राजस्थान दिवस मनाया गया। जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर ज्ञानवर्धक चर्चाओं तक, यह दिन राजस्थान की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए खुशी से भरा हुआ था। इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. एल एन हर्ष मुख्य अतिथि के रूप में शामिल

हुये। अकादमिक उत्कृष्टता के सम्मान में, NET और GATE जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 130 मेधावी छात्रों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

अप्रैल 2024

अम्बेडकर जयंती

डॉ. अम्बेडकर की विरासत का सम्मान करने और न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज के उनके दृष्टिकोण को बनाए रखने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 14 अप्रैल, 2024 को अम्बेडकर जयंती मनाई। यह अवसर बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय और समानता के चैंपियन डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन और योगदान को याद करते हैं। उनका जीवन दृढ़ संकल्प का सबसे अच्छा उदाहरण है जो दर्शाता है कि किस प्रकार शिक्षा किसी का भी भाग्य बदल सकती है। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की और मुख्य अतिथि श्री हैयालाल बेरवाल, कुलाधिपति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मई 2024

सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

छात्रों के लिए सूर्य नमस्कार: स्वास्थ्य संवर्धन के लिए एक उपाय - उल्टी गिनती: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 50 दिन शेष

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने गुरुवार, 2 मई, 2024 को सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक छात्रों के लिए सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न

विभागों के 400 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने सूर्य की ओर उन्मुख होकर सांस लेने के साथ तालमेल बिठाते हुए 12 योग आसनों की एक श्रृंखला सूर्य नमस्कार करने के लिए एकजुट हुए। इस सामूहिक प्रयास ने न केवल योग के सार का उत्सव मनाया, बल्कि छात्रों में शारीरिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जागरूकता को भी बढ़ावा दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रों के साथ हुई। योग विभाग के प्रमुख प्रो. संजीब पात्रा ने सूर्य नमस्कार क्रम का एक व्यावहारिक अवलोकन और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. काशीनाथ मेत्री ने प्रतिभागियों को बीज मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार के 12 चरणों का अभ्यास करवाया। प्रो. राघवेंद्र भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि डॉ. महेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। योग विभाग ने कार्यक्रम के आयोजन में निरंतर सहयोग के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव जी और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी श्री प्रदीप अग्रवाल ने भाग लिया और अपने प्रेरक अनुभव साझा करते हुए छात्रों को योग का संदेश फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

महाराणा प्रताप जयंती

वीरता, त्याग और पराक्रम के लिए विख्यात महान स्वतंत्रता सेनानी महाराणा प्रताप की जयंती पर 9 मई 2024 को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनकी वीरता को याद किया गया। वीरों को याद करने और उन्हें सम्मानित करने की यह परंपरा विश्वविद्यालय में जारी रहेगी।

जून 2024

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2024 को मनाया गया, जिसका उद्देश्य हमारी भूमि को पुन: ऊपजाऊ बनाने और उसका संरक्षण करने, मरुस्थलीकरण, सूखे और जलवायु परिवर्तन से निपटने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का विषय था "भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता"। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

में पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने और साथ मिलकर हरियाली युक्त परिसर के विकास के उद्देश्य से हर्बल गार्डन में पेड़ लगाकर इस दिवस को मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2024

सामान्य योग प्रोटोकॉल अभ्यास: सुबह 7 बजे – 8:30 बजे

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (CURAJ) में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे से 8:30 बजे प्रशासनिक भवन के सामने सामान्य योगाभ्यास से हुई। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, शैक्षणिक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के परिजनों सहित 350 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे योग विभाग के छात्रों द्वारा शांति मंत्र के पाठ के साथ हुई जिसके बाद योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र भट्ट ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय के सभी छात्रों ने सामान्य योगाभ्यास किया। सामान्य योगाभ्यास का प्रदर्शन श्री रवि और सुश्री मेघा ने किया। सुश्री दर्शना हजारिका ने निर्देश दिए। योग अभ्यास के बाद, माननीय कुलपति ने सभा को संबोधित किया। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने सभी संकाय सदस्यों, छात्रों और सभी परिसरवासियों को संबोधित किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के साथ हीं वैश्विक स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देता है। यह दिन योग के अभ्यास में विविध संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों के लोगों को एकजुट करता है, जिससे वैश्विक कल्याण की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी बताया कि योग केवल व्यायाम का एक रूप नहीं है; यह एक समग्र जीवन शैली है जो मानसिक स्थिरता और आंतरिक शांति को बढ़ावा देती है। यह सद्भाव, एकता और करुणा सिखाता है, आंतरिक शांति और लचीलेपन को प्राप्त करने में सांस और ध्यान के महत्व पर जोर देता है। आत्म-जागरूकता को प्रोत्साहित करके और वर्तमान क्षण में जीने से, योग व्यक्तिगत और वैश्विक शांति दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। योग पर वैश्विक शोध तेजी से बढ़ रहा है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों को दर्शाता है। योग तनाव में कमी, मनोदैहिक रोग के प्रबंधन और समग्र कल्याण में अपनी भूमिका निभाता है।

CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN

CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN
राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN
राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
Theme: Yoga for Self and Society
सामान्य योग अभ्यास
(CGPA 3.54 by NAAC)
शुक्रवार 21 जून 2024, प्रातः 7:00 बजे से
प्रशासनिक भवन के सामने
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. आनंद भालेराव
कुलपति, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
'Category-I University'

BANDHA

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसरण में 4 फरवरी, 2015 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित तीसरे कुलपति सम्मेलन के प्रतिक्रियास्वरूप अगस्त, 2015 में की गई थी। सीडीसी का मूल लक्ष्य विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण "शिक्षा, नवाचार और प्रदर्शनात्मक सामाजिक परिवर्तन में उत्कृष्टता के माध्यम से सतत विकास" को बढ़ावा देना और बदलना है और गांवों में सकारात्मक माहौल बनाना है। विश्वविद्यालय ने छह गांवों को गोद लिया है, जिनके नाम हैं, बांदरसिंदरी, खेड़ा कर्मसौतान, नोहरिया, मुंडोती, चुंदरी और नल्लू। सत्र 2023-24 में सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के परामर्श से अनेक गतिविधियां संचालित की गई हैं। इनका विवरण इस प्रकार है:

गतिविधि: I. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत के स्वतंत्रता संग्राम (1757-1947) पर ऐतिहासिक प्रदर्शनी में गांवों के सरकारी स्कूलों को आमंत्रित किया गया।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में "स्वतंत्रता संग्राम: 1757-1947" शीर्षक से एक सप्ताह तक ऐतिहासिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने गोद लिए गए छह गांवों, अर्थात् बांदरसिंदरी, खेड़ा कर्मसौतान, नोहरिया, मुंडोती, चुंदड़ी और नल्लू के स्कूलों के विद्यार्थियों को इस प्रदर्शनी को देखने के लिए आमंत्रित किया गया ताकि उन्हें स्वतंत्रता संग्राम की जानकारी प्राप्त हो सके।

गतिविधि: II. सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) ने छह गोद लिए गए गांवों के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 8वीं के छात्रों के लिए दिसंबर 2023 से फरवरी 2024 के बीच "विज्ञान प्रश्नोत्तरी" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना और वैज्ञानिक समझ को बढ़ावा देना था। इस गतिविधि के तहत, प्रत्येक स्कूल से तीन विजेताओं का चयन किया गया, और उन्हें प्रमाण पत्र और उपहार दिए गए, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता मिली और विज्ञान में और अधिक उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु उन्हें प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

गतिविधि: III. वैज्ञानिक ज्ञान और मनोवृत्ति पर वार्ता और सामूहिक चर्चा

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) ने गोद लिए गए गांवों के सरकारी स्कूलों में 6ठी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फरवरी से मई 2024 के बीच वैज्ञानिक ज्ञान और मनोवृत्ति पर वार्ता और सामूहिक चर्चा की श्रृंखला आयोजित की। विभिन्न विभागों के प्रतिष्ठित संकाय और विश्वविद्यालय के विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने सत्रों का नेतृत्व किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक ज्ञान, आलोचनात्मक सोच, कैरियर मार्गों की पहचान, फेलोशिप के अवसर, विभिन्न वैज्ञानिक और नए उभरते विषयों में कैरियर सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य में विज्ञान में अपनी रुचि का पता लगाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था।

गतिविधि: IV. "वैज्ञानिक उपकरणों और प्रणालियों के उपयोग" पर प्रदर्शन सत्र

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने मुंडोती गांव के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में "वैज्ञानिक उपकरणों और प्रणालियों के उपयोग" पर एक दिवसीय प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ उक्त गतिविधि में भाग लिया तथा वैज्ञानिक सिद्धांतों के बारे में जानने और उन्हें लागू करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की। इस सत्र में विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों और तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जैसे पवनचक्की का संचालन, आमीटर का उपयोग, तथा अवतल

लेंस का उपयोग करके कागज जलाने की प्रक्रिया, इत्यादि। इस व्यावहारिक दृष्टिकोण के माध्यम से, छात्र वैज्ञानिक विचारों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में सक्षम हुए।

गतिविधि: V. मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए रैली का आयोजन

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने सामाजिक कार्य विभाग के साथ मिलकर अप्रैल, 2024 में गोद लिए गए छह गांवों में मतदान जागरूकता रैली का आयोजन किया, जिसमें युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित समुदाय के विभिन्न समूहों के सदस्यों ने भाग लिया। रैली का मुख्य लक्ष्य मतदाता जागरूकता बढ़ाना, चुनाव प्रक्रियाओं के बारे में साक्षरता सुनिश्चित करना और ग्रामीण समुदाय को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के भविष्य को आकार देने में उनके मतदान के महत्व को रेखांकित करके उन्हें सशक्त बनाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना था।

गतिविधि VI. ग्रामीण महिलाओं के लिए विद्या पहल

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने सामाजिक कार्य विभाग के साथ मिलकर मार्च 2024 में विद्या कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य चूंदरी गांव की ग्रामीण महिलाओं को साक्षर बनाना तथा निरक्षर महिलाओं को पढ़ने और लिखने का कौशल प्रदान करना है ताकि वे दूसरों पर निर्भरता के बिना अपना कार्य स्वयं कर सकें। प्रारंभिक चरण में गांव की चार महिलाओं ने सफलतापूर्वक साक्षरता हासिल कर ली है, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल अभी भी जारी है, तथा अतिरिक्त महिलाओं तक पहुंचने तथा दूसरों से स्वतंत्र होकर अपना दैनिक जीवन जीने की उनकी क्षमता में सुधार लाने के प्रयास अभी भी जारी हैं।

कार्यक्रम की झलकियां...

वैज्ञानिक उपकरणों और विधियों के उपयोग पर प्रदर्शन सत्र

मतदान जागरूकता रैली

वैज्ञानिक ज्ञान और मनोवृत्ति पर वार्ता और सामूहिक चर्चा

गांवों में विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन

प्रदर्शनी का अवलोकन और संकायों के साथ बातचीत

ग्रामीण महिलाओं के लिए विद्या पहल

उन्नत भारत अभियान

उन्नत भारत अभियान का लक्ष्य विश्वविद्यालयों को ग्रामीण भारतीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने में सक्षम बनाना है ताकि वे विकास संबंधी मुद्दों की पहचान कर सकें तथा ऐसे व्यावहारिक समाधान निकाल सकें जिनसे सतत विकास में तेजी आएगी। बहुत अधिक क्षेत्रीय दौरे करने के बजाय, उन्नत भारत अभियान टीम ने आजीविका, शिक्षा, स्वच्छता और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के क्षेत्रों में अधिक व्यावहारिक कार्य करने पर ध्यान केंद्रित किया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन ने मिलकर उन्नत भारत अभियान के तहत निम्नलिखित ग्राम पंचायतों को गोद लिया है। इस योजना के तहत गोद ली गई पाँच ग्राम पंचायतें, पेडीभाटा, मुंडोती, नोहरिया, खेड़ा कर्मसौतान और बांदरसिंदरी हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित कार्य के माध्यम से, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ में समाज के लोगों के जीवन में सुधार लाने की क्षमता है। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2024 को सभी गोद लिए गए गांवों में ग्रामसभा आयोजित करना प्रकोष्ठ के प्राथमिक लक्ष्यों में शामिल था। समुदाय के सदस्यों ने सहयोग करके गांवों के विकास को बढ़ावा देने के लिए वहां की गतिविधियों की एक योजना तैयार की। इससे महिलाओं और वयस्कों को सशक्तीकरण मिला है, जिन्होंने अनेक ग्रामसभाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वामित्व की भावना स्थापित करने तथा समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस क्षेत्र में आयोजित एक अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम 12 जनवरी, 2024 को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर समाज और विश्वविद्यालय के बीच संपर्क की योजना बनाना था। बैठक में प्रत्येक गांव की कल्याण योजना की घोषणा की गई, साथ ही गांव की सामुदायिक विकास पहल के लिए विश्वविद्यालय के समर्थन की भी घोषणा की गई।

गोद लिए गए समुदायों में से एक में, जीविका के साधनों के लिए महिलाओं की आवश्यकताओं को समझने के लिए एक आवश्यकता मूल्यांकन गतिविधि आयोजित की गई। उन्नत भारत अभियान के स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर परिवार के सदस्यों, विशेषकर महिलाओं की विभिन्न जनसांख्यिकी के बारे में आंकड़े एकत्र किए, ताकि उनके रोजगार पैटर्न और भविष्य तथा वर्तमान आवश्यकताओं का पता लगाया जा सके।

इन गतिविधियों के अतिरिक्त इस प्रतिवेदित परियोजना के दौरान अनेक अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। इनमें स्थापित सामुदायिक पुस्तकालय और समुदाय के भीतर इसके उपयोग की समीक्षा करना, किशोरियों और महिलाओं के साथ बैठक कर उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं और चिंताओं को समझना, गांवों के बुजुर्ग निवासियों को विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के प्रति संवेदनशील बनाना और स्थानीय स्वशासन संस्थाओं का उपयोग करने में उनकी सहायता करना शामिल था।

चित्र (01) : समाज – विश्वविद्यालय संपर्क

चित्र (02) : नल्लू ग्राम पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन

चित्र (03) : ग्रामीण महिलाओं में आजीविका की आवश्यकता का आकलन

चित्र (04) : बांदरसिंदरी गांव में महिला समूह के साथ बैठक

चित्र (05) : खेड़ा कर्मसौतान गांव में युवा सदस्यों के साथ बैठक

समाज-विश्वविद्यालय संपर्क

नल्लू ग्राम पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन

बांदरसिंदरी गांव में महिला समूह के साथ बैठक

खेड़ा कर्मशैतान गांव में युवा सदस्यों के साथ बैठक

विशिष्ट व्याख्यान

I. 5 फरवरी, 2024 को पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे के निदेशक प्रो. ई. भरूचा द्वारा "भारत में जैव विविधता" पर विशिष्ट व्याख्यान

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने माननीय कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के दृष्टिकोण और नेतृत्व में 05.02.2024 को "भारत में जैव विविधता" शीर्षक से एक प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। इस विशिष्ट व्याख्यान के वक्ता पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. ई. भरूचा थे, जिनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान ने श्रोताओं पर अमिट छाप छोड़ी। प्रोफेसर भरूचा का व्याख्यान भारत के पारिस्थितिकी तंत्र के विविध परिदृश्यों की यात्रा से कम नहीं था। प्रारंभ में पारिस्थितिकी तंत्र कोरिडोर महत्व पर प्रकाश डाला गया, तथा हाथियों और अन्य वन्यजीवों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया। इन कोरिडोरों को संरक्षित करने का आह्वान पूरे सभागार में गूंजा, तथा प्रोफेसर भरुचा ने मानव-वन्यजीव संघर्षों को रोकने और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में इनके महत्व पर बल दिया। प्रो. भरूचा ने कलात्मक ढंग से एक ऐसी कहानी बुनी, जिसमें स्थानीय संस्कृतियों और प्रभावी जैव विविधता प्रबंधन के बीच नाजुक संबंधों को रेखांकित किया गया। चरागाह के शीर्ष शिकारियों के लुप्त होने, जिसका उदाहरण आवास परिवर्तन के कारण भेड़ियों की दुर्दशा है, ने वन्यजीव प्रजातियों और जैव विविधता संरक्षण में मानव संस्कृतियों के ऐतिहासिक ताने-बाने पर पड़ने वाले प्रभाव की एक खिड़की खोल दी है। जनजातीय परिदृश्यों को परिष्कृत कृषि प्रणालियों के अनुकरणीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां समुदाय जीविका के लिए संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करते थे। चर्चा में मंदिर स्थलों के आसपास के पवित्र उपवनों के महत्व पर सुन्दरता से चर्चा की गई तथा उन्हें स्वदेशी ज्ञान के भण्डार के रूप में चित्रित किया गया। प्रोफेसर भरूचा ने कृषि और भूमि उपयोग से संबंधित निर्णयों को निर्देशित करने में आध्यात्मिक मान्यताओं, जैसे जल भविष्यवाणी विधि, की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसने चर्चा को और अधिक गहन बना दिया, जिसमें ग्रीन वॉल परियोजना से लेकर जेनेटिक इंजीनियरिंग और विशिष्ट पक्षी प्रजातियों के लुप्त होने जैसे विषयों को शामिल किया गया। प्रोफेसर भरुचा के जवाब श्रोताओं को पसंद आए, उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों और पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशील प्रकृति से निपटने में वैज्ञानिक दृढ़ता के सर्वोच्च महत्व पर बल दिया।

II. 10 मई, 2024 को प्रसिद्ध वन्यजीव फिल्म निर्माता श्री किरण घाडगे द्वारा 'वन्यजीव फिल्म निर्माण की कला और रोमांच' शीर्षक पर विशिष्ट व्याख्यान

श्री किरण घाडगे एक प्रसिद्ध वन्यजीव फिल्म निर्माता हैं। भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई वन्यजीव और प्रकृति वृत्तचित्रों के समृद्ध पोर्टफोलियो के साथ, उन्होंने अपनी अद्वितीय कहानी कहने की क्षमता के लिए प्रशंसा अर्जित की है। उनके उत्साहवर्धक व्याख्यान की शुरुआत एक नर और मादा बाघ की तस्वीर के साथ हुई, जिसमें वक्ता ने श्रोताओं को नर बाघ को पहचानने की दुविधा में डाल दिया। इस कहानी के वर्णन से दिलचस्पी और बढ़ गई कि कैसे इस बाघ ने अपने क्षेत्र में एक मानव को गलती से मार डाला और अंततः जंगल की स्वतंत्रता से दूर एक चिड़ियाघर में पहुंच गया। इस दुखद कहानी ने वन्यजीवों के बारे में कहानियां कहने में श्री किरण घाडगे की प्रतिभा को प्रदर्शित करने वाली एक सशक्त छवि को उजागर किया। इस प्रभावशाली कहानी के बाद एक कोयल के बच्चे का चित्र दिखाया गया जिसे एक सनबर्ड अपने घोंसले में भोजन दे रहा था, जो बच्चे और माँ कोयल के आकार के अंतर से स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है। श्री घाडगे ने वन्यजीव फिल्म निर्माण की व्यावसायिक और संरक्षण शैलियों के बीच अंतर पर चर्चा की। वन्यजीव फोटोग्राफी के रोमांच के साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जिनमें अवसर मिलने से पहले लंबा इंतजार, सीमित बजट में दूरदराज के स्थानों पर काम करने की क्षमता, ट्रैकिंग और तैराकी जैसे क्षेत्र कौशल को निखारना, भूस्खलन जैसी अप्रत्याशित स्थितियां, दो शावकों के साथ एक सुस्त भालू के उदाहरण का उपयोग करते हुए जानवरों के हमले का खतरा, सोते हुए बाघ जैसे अनियंत्रित विषय, उपकरण की विफलता और विशेष

रूप से शुरुआती लोगों के लिए निवेश पर बहुत कम रिटर्न शामिल हैं। चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने इस पेशे में अन्य चीजों से अधिक संतुष्टि का चित्रण किया। उन्होंने अपने स्वयं के अवलोकनों से पशु-पक्षियों के विभिन्न लक्षणों पर चर्चा की, जैसे झुंड में इकट्ठा होना, मल-कोष, पेट में करतब दिखाना, टूटे पंखों का प्रदर्शन और नकल करना। उन्होंने कहा कि वन्यजीव अभी भी एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें नए लोगों के लिए बहुत सारे अवसर हैं। वन्यजीवों से भरपूर वातावरण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद है और इसलिए यह मनुष्यों के लिए रुचिकर है। वक्ता ने बताया कि प्रकृति का अवलोकन हमें स्वयं को समझने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि, प्रेरणा और ज्ञान प्रदान कर सकता है। यह वार्ता एक उत्साहवर्धक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ समाप्त हुई, जिसके बाद राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के अध्यक्ष द्वारा औपचारिक "धन्यवाद ज्ञापन" किया गया।

I. नवाचार और स्टार्टअप गतिविधियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम पर विशिष्ट व्याख्यान, *15* फरवरी 2024

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में नवाचार और स्टार्टअप प्रकोष्ठ (आईएससी) ने 15 फरवरी, 2024 को "नवाचार और स्टार्टअप गतिविधियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम" पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित वक्ता श्री निरपेन भट्ट थे, जो एक प्रतिष्ठित उद्यमी और टेक्सास, अमेरिका स्थित साउथ ईस्ट एशिया राफ्ट्स एंड रिवर्स एलएलसी के प्रमुख हैं। श्री भट्ट के पास उल्लेखनीय उद्यमशीलता पृष्ठभूमि है, उन्होंने आठ से अधिक स्टार्टअप कंपनियों की स्थापना की है और 400 से अधिक उद्यमियों को उनके स्टार्टअप प्रयासों में मार्गदर्शन दिया है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईएसएके-आईएसएटी के प्रभारी एवं संयोजक डॉ. अखिल अग्रवाल ने श्री निरपेन भट्ट का हार्दिक स्वागत किया।

डॉ. अग्रवाल ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईएससी-आईआईसी के दृष्टिकोण और गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया, जिससे ज्ञानवर्धक सत्र के लिए मंच तैयार हो गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. अग्रवाल ने श्री भट्ट का परिचय दिया, और उद्यमशीलता और स्टार्टअप परिदृश्य में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और व्यापक अनुभव पर प्रकाश डाला। इस सत्र में नवाचार और स्टार्टअप से संबंधित कई प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, जिससे महत्वाकांक्षी उद्यमियों को बहुमूल्य जानकारी

मिली।

सत्र की शुरुआत नवाचार और स्टार्टअप प्रकोष्ठ के परिचय के साथ हुई, जिसमें इसके उद्देश्यों और पहलों को रेखांकित किया गया, जिनका उद्देश्य राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के भीतर उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। श्री भट्ट ने स्टार्टअप्स से जुड़ी मिथकों और वास्तविकताओं पर विस्तार से चर्चा की, आम गलतफहमियों पर स्पष्टता प्रदान की तथा उपस्थित लोगों को उद्यमशीलता की यात्रा पर यथार्थवादी परिप्रेक्ष्य प्रदान किया। अपने विशाल अनुभव से लाभ उठाते हुए, श्री भट्ट ने स्टार्टअप शुरू करने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया तथा प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप परिदृश्य में सफलता के लिए आवश्यक कदमों, चुनौतियों और रणनीतियों पर जोर दिया।
सत्र का मुख्य आकर्षण 'CRUX ऐप का परिचय था, जो स्टार्टअप विचारों का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक टूल है। श्री भट्ट ने ऐप की विशेषताओं और लाभों पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को उनके स्टार्टअप अवधारणाओं की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक व्यावहारिक उपकरण प्रदान किया। "नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम" पर विशिष्ट व्याख्यान, श्री निरपेन भट्ट की विशेषज्ञता और अनुभव द्वारा संचालित एक समृद्ध और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम साबित हुआ। प्रतिभागियों को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की जटिलताओं को समझने के लिए आवश्यक बहुमूल्य ज्ञान और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय के बीच उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईएससी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।
नवाचार और स्टार्टअप प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अखिल अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम का संचालन नवाचार और स्टार्टअप प्रकोष्ठ के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की शोधार्थी सुश्री सुगंधा महाजन ने किया तथा इस विशिष्ट व्याख्यान में ऑफलाइन भी कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। अनुलग्नक- फोटो (संलग्न)

II. CRUX 2.0 पर कार्यशाला: स्टार्टअप विचारों की सुविधा के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन, 1 मार्च 2024

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में नवाचार और स्टार्टअप प्रकोष्ठ (ISC) ने 1 मार्च, 2024 को CRUX 2.0: स्टार्टअप विचारों की सुविधा के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित वक्ता श्री निरपेन भट्ट थे, जो एक प्रतिष्ठित उद्यमी और टेक्सास, अमेरिका स्थित साउथ ईस्ट एशिया राफ्ट्स एंड रिवर्स एलएलसी के प्रमुख हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईएसएके-आईएसएटी के सदस्य डॉ. शैलेश पाटीदार ने श्री निरपेन भट्ट का हार्दिक स्वागत किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य CRUX 2.0 को प्रस्तुत करना था, जो एक मोबाइल एप्लीकेशन है जिसे उद्यमियों को उनके विचारों को व्यवहार्य व्यावसायिक उद्यमों में बदलने में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

CRUX 2.0 सिर्फ एक मोबाइल एप्लीकेशन नहीं है; यह उन व्यक्तियों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है जो अपनी स्टार्टअप अवधारणाएं विकसित करना चाहते हैं। कार्यशाला में उपस्थित लोगों को अपने व्यावसायिक विचारों को प्रभावी ढंग से उत्पन्न करने और परिष्कृत करने के लिए CRUX का उपयोग करने की जानकारी प्रदान की गई। इसके

अतिरिक्त, इसमें एक मजबूत व्यावसायिक प्रस्ताव तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न मानदंडों और मापदंडों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उपस्थित लोगों को प्ले स्टोर से CRUX एप्लीकेशन डाउनलोड करने या अपने एंड्रॉयड डिवाइस पर दिए गए लिंक के माध्यम से इसे एक्सेस करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इंटरैक्टिव सत्रों और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने उद्यमशीलता की सफलता के लिए CRUX का लाभ उठाने पर बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त किया।

कार्यशाला ने सीखने और नेटवर्किंग के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया, जिससे प्रतिभागियों को विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। कुल मिलाकर, यह एक उपयोगी आयोजन था, जिसने महत्वाकांक्षी उद्यमियों को स्टार्टअप परिदृश्य में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराए।

आईएससी सदस्य डॉ. गुनीत इंद्रजीत कौर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के शोधार्थी अभिषेक त्यागी ने किया और इस विशिष्ट व्याख्यान में कई प्रतिभागियों ने ऑफ़लाइन भाग लिया।

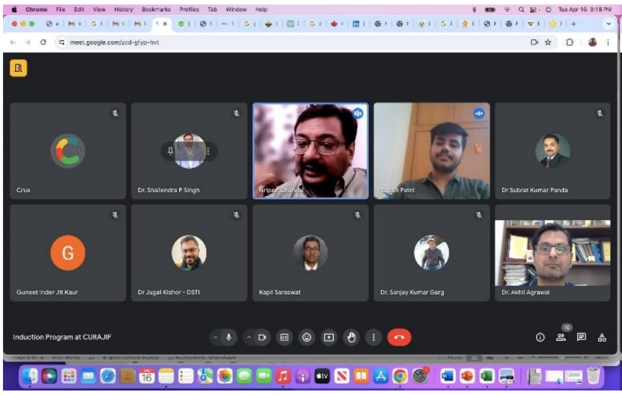

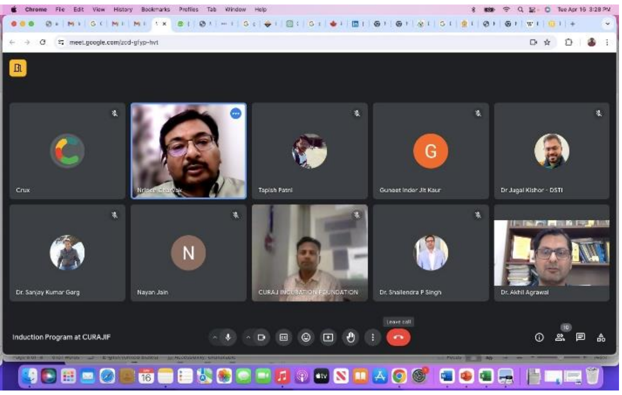

III. पद्मश्री प्रोफेसर अनिल गुप्ता द्वारा विशिष्ट आमंत्रित व्याख्यान

समावेशी समाज के लिए नवाचार अनिवार्य है : हनी बी नेटवर्क से सबक, 1 सितंबर, 2023

भारत में प्रोफेसर अनिल के. गुप्ता द्वारा स्थापित हनी बी नेटवर्क जमीनी स्तर पर नवाचार और समावेशन के लिए एक शक्तिशाली प्रणाली है। यह जमीनी स्तर पर, विशेष रूप से ग्रामीण और हाशिए के समुदायों में, व्यक्तियों के ज्ञान और रचनात्मकता को पहचानने और उनका उपयोग करने के महत्व पर बल देता है। समावेशी समाज के निर्माण के लिए नवाचार की अनिवार्यता के बारे में हनी बी नेटवर्क से हम कुछ महत्वपूर्ण सबक सीख सकते हैं :

हनी बी नेटवर्क स्थानीय समुदायों से उत्पन्न होने वाले नवीन समाधानों को पहचानने और उनका मूल्यांकन करने पर विशेष जोर देता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि नवाचार केवल शहरी केन्द्रों या औपचारिक अनुसंधान संस्थानों तक ही सीमित नहीं है।

यह समझा जाता है कि नवाचार एक ऐसी अवधारणा नहीं है जो सभी पर लागू हो। विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों की अपनी अनूठी ज्ञान प्रणालियाँ होती हैं, जिनका उपयोग करने पर उत्कृष्ट समाधान प्राप्त हो सकते हैं। इससे सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय ज्ञान के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है।

यह नेटवर्क जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को उनके नवप्रवर्तनों को प्रदर्शित करने के लिए आवश्यक समर्थन, मार्गदर्शन और मंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में काम करता है। इससे उन व्यक्तियों को सशक्तिकरण मिलता है जिनकी औपचारिक शिक्षा या संसाधनों तक पहुंच नहीं हो पाती।

नवाचार के प्रति समावेशी दृष्टिकोण: यह नवाचार के लिए नीचे से ऊपर की ओर दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, जहां विचार और समाधान समुदाय से ही उभरते हैं। यह शीर्ष-से-नीचे के दृष्टिकोण के विपरीत है, जहां समाधान बाहरी स्रोतों से थोपे जाते हैं। यह समावेशिता सुनिश्चित करती है कि समाधान प्रासंगिक हों और वास्तविक जरूरतों को पूरा करें।

पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान को जोड़ना: हनी बी नेटवर्क पारंपरिक, स्वदेशी ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के बीच की खाई को पाटता है। इस संलयन से ऐसे नवीन समाधानों का विकास हो सकता है जो दोनों प्रणालियों की शक्तियों पर आधारित होंगे।

स्थानीय चुनौतियों का समाधान: नेटवर्क स्थानीय समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका अक्सर इन समुदायों के लोगों के दैनिक जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि नवाचार प्रासंगिक हों और उनका प्रभाव सार्थक हो।

आर्थिक अवसर सृजित करना: जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को समर्थन देकर, हनी बी नेटवर्क व्यक्तियों और समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करने में मदद करता है। इससे आर्थिक उन्नति हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

स्थिरता को बढ़ावा देना: हनी बी नेटवर्क से उभरने वाले कई नवाचारों में स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह उन समाधानों के सृजन के विचार के अनुरूप है जो न केवल तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करें बल्कि समुदाय और पर्यावरण के दीर्घकालिक कल्याण में भी योगदान दें।

नवप्रवर्तन की संस्कृति को बढ़ावा देना: यह नेटवर्क रचनात्मकता का उत्सव मनाकर और उसे पुरस्कृत करके नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है। इससे ऐसा वातावरण बनाने में मदद मिलती है जहां व्यक्ति नए विचारों और समाधानों के साथ आने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित महसूस करते हैं।

अंत में, हनी बी नेटवर्क इस बात का उदाहरण है कि समावेशी नवाचार किस प्रकार समुदायों और समाजों में बदलाव ला सकता है। जमीनी स्तर पर व्यक्तियों की रचनात्मकता और ज्ञान को पहचानकर और उसका उपयोग करके, हम चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान कर सकते हैं और सभी के लिए अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

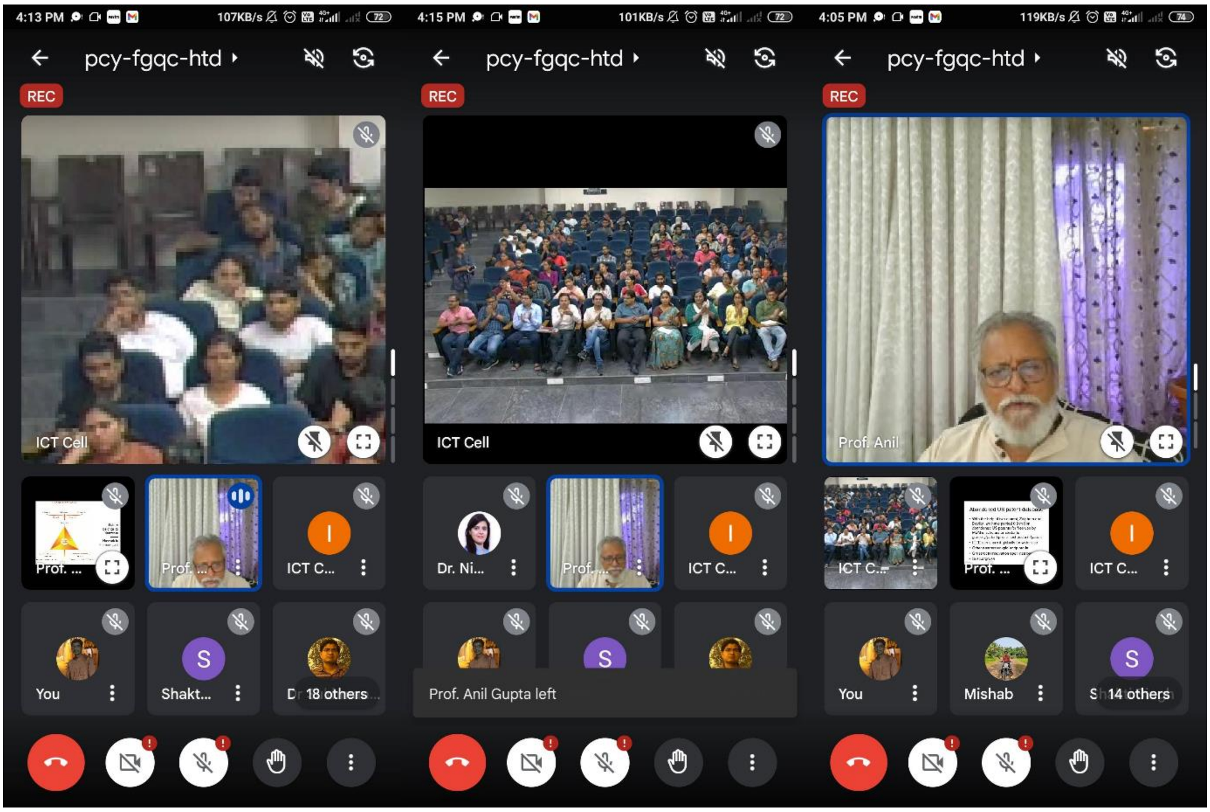

IV. डॉ. एस के दास द्वारा "माइक्रोबियल संसाधन की खोज और ट्रांसलेशनल अनुसंधान" विषय पर वैज्ञानिक वार्ता के लिए आमंत्रण

नवाचार एवं स्टार्टअप प्रकोष्ठ (आईएसआईसी) ने 4 सितंबर 2023 को "माइक्रोबियल संसाधनों की खोज और ट्रांसलेशनल रिसर्च" पर प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित किए। आमंत्रित वक्ता डॉ. एस.के. दास थे। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईएससी-आईआईसी के प्रभारी और संयोजक डॉ. अखिल अग्रवाल ने डॉ. दास का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में आईएससी-आईआईसी के विजन और गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। आईएससी के सदस्य डॉ. शैलेश पाटीदार ने डॉ. दास का परिचय दिया तथा इस क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और व्यापक अनुभव पर प्रकाश डाला।

यह विषय अपने आप में वैज्ञानिक अन्वेषण, उद्यमशीलता की भावना और नवाचार के क्षेत्रों को एकीकृत करता प्रतीत होता है तथा विभिन्न उद्योगों में सूक्ष्मजीव संसाधनों की क्षमता पर बल देता है। डॉ. एस.के.दास ने विशिष्ट वक्ता के रूप में सूक्ष्मजीव संसाधनों और स्थानान्तरणीय अनुसंधान से संबंधित बहुमूल्य अंतर्दृष्टि, शोध निष्कर्ष और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को साझा किया।

सूक्ष्मजीव अन्वेषण के संदर्भ में उद्यमशीलता और नवाचार का एकीकरण, व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग करने की दिशा में एक अग्रगामी दृष्टिकोण का सुझाव देता है। यह एक उत्साहजनक संकेत है कि शैक्षणिक संस्थान या संगठन वैज्ञानिक विषयों में नवाचार और उद्यमशीलता की भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं और उसे उजागर कर रहे हैं। इस व्याख्यान से संभवतः इस बारे में गहन समझ प्राप्त हुई होगी कि नवाचार के लिए सूक्ष्मजीवी संसाधनों

का किस प्रकार लाभ उठाया जा सकता है, अनुवादात्मक अनुसंधान के लिए मार्ग क्या हैं, तथा इस उभरते क्षेत्र में उपलब्ध संभावित कैरियर के अवसर क्या हैं।

डॉ. एस.के. दास की विशेषज्ञता ने निस्संदेह उपस्थित लोगों को मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किया होगा, जिससे भविष्य के वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को विज्ञान और व्यवसाय के इस रोमांचक प्रतिच्छेदन का पता लगाने के लिए प्रेरणा मिली होगी। कुल मिलाकर, ऐसे व्याख्यान अंतःविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने और उभरते वैज्ञानिक क्षेत्रों में नवीन कैरियर की खोज को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। सूक्ष्म जीव विज्ञान में तीन दशकों के शानदार कैरियर के साथ, डॉ. दास इस चर्चा में अनुभव और विशेषज्ञता का खजाना लेकर आते हैं। इस क्षेत्र में उनके योगदान को प्रतिष्ठित प्रकाशनों के संग्रह और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पेटेंटों के पोर्टफोलियो द्वारा रेखांकित किया गया है, जो सूक्ष्मजीव अनुसंधान में उनके अभिनव योगदान को दर्शाता है।

इसके अलावा, वैक्सीन परीक्षणों के लिए प्रतिष्ठित भारतीय कंपनियों के साथ डॉ. दास की भागीदारी, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और वैज्ञानिक खोजों को सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के ठोस समाधान में बदलने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आईएससी सदस्य डॉ. जया कृतिका ओझा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम का संचालन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के शोधार्थी श्री अभिषेक त्यागी ने किया और इस विशिष्ट व्याख्यान में ऑफलाइन और ऑनलाइन कई प्रतिभागियों ने भाग लिया।

V. गतिविधि रिपोर्ट: स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2023 में टीम सजल (SAJAL) की भागीदारी और उपलब्धि

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूआरएजे) की टीम सजल ने शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ और एआईसीटीई द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की नवाचार प्रतियोगिता स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2023 में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह प्रतियोगिता पूरे भारत से छात्रों को स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जल संरक्षण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवीन समाधानों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए आमंत्रित करती है। विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों से आए छात्रों के एक विविध समूह से बनी टीम 'सजल' का गठन जल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लक्ष्य के साथ किया गया था। हैकाथॉन की तैयारी में, टीम ने स्थिरता और व्यावहारिक कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन के लिए व्यवहार्य और रचनात्मक समाधानों की पहचान करने के लिए कई विचार-मंथन सत्रों में भाग लिया। टीम ने सक्रिय रूप से कठोर शोध में भाग लिया, डोमेन विशेषज्ञों के साथ सहयोग किया, तथा अपनी परियोजना को बेहतर बनाया। उनके अभिनव समाधान का उद्देश्य कुशल जल उपयोग, अपशिष्ट जल प्रबंधन और सामुदायिक जागरूकता से संबंधित चुनौतियों से निपटना था। इस परियोजना को उपयोगकर्ता अनुकूल, मापनीय तथा जल की कमी से जूझ रहे विभिन्न क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बनाया गया है।

हैकथॉन के दौरान, टीम ने प्रोटोटाइप विकसित करने, जूरी के समक्ष अपना समाधान प्रस्तुत करने तथा इसकी व्यवहार्यता और संभावित प्रभाव का बचाव करने के लिए 36 घंटे से अधिक समय तक अथक परिश्रम किया। उनकी लगन और नवाचार का फल तब मिला जब टीम सजल को SIG 2023 का विजेता घोषित किया गया। जल संरक्षण पर केंद्रित उनकी परियोजना अपनी तकनीकी सरलता, बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की क्षमता और सामाजिक प्रासंगिकता के कारण उल्लेखनीय थी।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में टीम सजल की सफलता ने न केवल टीम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय की बढ़ती प्रतिष्ठा में भी योगदान दिया है। टीम को निर्णायक मंडल से काफी प्रशंसा मिली तथा उनके अभिनव समाधान की चुनौती में शामिल नोडल मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा भी सराहना की गई। इसके अतिरिक्त, टीम की उपलब्धि ने उन्हें युक्ति नवाचार चैलेंज से वित्तीय सहायता प्रदान की, जिससे वे अपने समाधान को व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग में विकसित करने में सक्षम हो गए।

इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिताओं में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों की भविष्य की भागीदारी के लिए एक मानक स्थापित किया है।

यूजीसी – मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमएमसी-सीयूआरएजे)

शिक्षक, प्रशिक्षण एवं विकास समिति, वार्षिक रिपोर्ट (2023-2024)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की शिक्षक, प्रशिक्षण और विकास समिति (टीडीसी) की स्थापना बेहतर शिक्षण, अध्ययन, अनुसंधान और अकादमिक नेतृत्व के लिए शिक्षकों और छात्रों की क्षमताओं का निर्माण करने हेतु उन्हें भारतीय मूल्यों के साथ जोड़कर और समाज तथा एनईपी 2020 की जरूरतों के अनुसार उनके ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए की गई थी ।

इस संबंध में, टीडीसी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), प्रतिस्पर्धा मानसिकता संस्थान (सीएमआई) और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल सहित महत्वपूर्ण संस्थानों के सहयोग से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है । इसी कड़ी में विश्वविद्यालय में पहला कार्यक्रम "फ्लाई (फाइंडिंग द लीडर इन यू)" का आयोजन 12/02/2024 से 15/02/2024 के मध्य 4ए6 बिल्डिंग के सेमिनार हॉल में किया गया । यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता संस्थान (सीएमआई), यूएसए (भारत अध्याय) के सहयोग से आयोजित किया गया था । इसका मूल उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व कौशल लाने हेतु उन्हें प्रशिक्षित करना था । इसका मुख्य ध्यान छात्रों में शीर्ष पांच गैर-संज्ञानात्मक कौशल अर्थात् पहल करने की क्षमता, दृढ़ता, नवीनता, चेतना और समस्या समाधान को विकसित करने पर था। प्रशिक्षण सत्र विभिन्न विशेषज्ञों जैसे सुश्री उमा ओझा (निदेशक गुणवत्ता), सुश्री उषा शाल्वी, श्री सौरव और सीएमआई से डॉ. रश्मि इत्यादि द्वारा लिया गया जिनके पास विविध ज्ञान और अनुभव था । प्रत्येक विभाग से दो छात्रों को विषय पर प्रशिक्षित किया गया । ये सत्र गतिविधि-आधारित शिक्षण, प्रदर्शन, पीपीटी प्रस्तुति और व्याख्यान पद्धति पर आधारित थे । कार्यक्रम में कुल 58 विद्यार्थियों ने भाग लिया । छात्रों ने कार्यक्रम को उत्कृष्ट पाया, जिससे उन्हें गैर-संज्ञानात्मक कौशल सीखने का अवसर मिला, जो उनके भावी जीवन में सहायक सिद्ध हुआ । यह कार्यशाला प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान से युक्त करने तथा प्रेरक नेताओं से सहायक समाज के निर्माण हेतु प्रभावी रहा । टीडीसी ने अगले शैक्षणिक वर्ष में संकाय सदस्यों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) और अन्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के तहत विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई है ।

कार्यक्रम की झलकियां

वास्तुकला स्कूल

अधिष्ठाता: वास्तुकार रितु बी राय

विभाग
वास्तुकला विभाग

वास्तुकला स्कूल सतत विकास से संबंधित सभी मामलों पर उत्कृष्टता का केंद्र और ज्ञान विनिमय का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की कल्पना करता है। स्कूल पुनर्योजी वास्तुकला के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य गर्म और शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में समुदाय के ऐतिहासिक और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण करने वाले ज्ञान का भंडार विकसित करना है। टिकाऊ वास्तुकला के माध्यम से अपशिष्ट, जल, ऊर्जा और मानव उत्पादकता स्कूल के केंद्रित क्षेत्र है। यह स्कूल शिक्षकों और पेशेवरों की निरंतर शिक्षा के लिए अद्वितीय क्षमता-निर्माण कार्यक्रम विकसित करने की कल्पना करता है। विशेष क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किये गये है।

वास्तुकला विभाग

विभागाध्यक्ष: वास्तुकार रितु बी राय

वास्तुकला विभाग वर्तमान में वास्तुकला (सतत वास्तुकला) में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। स्कूल के कार्यक्रम प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, पारिस्थितिकी, प्रबंधन और कानूनी ढांचे को एकीकृत करने वाले बहु-विषयक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते है एवं उनका पालन करते हैं। ये कार्यक्रम एक मॉड्यूलर दृष्टिकोण का पालन करता है, जो शिक्षार्थियों को उनके करियर रुचियों के अनुसार पाठ्यक्रमों के समूह से चुनने के लिए पर्याप्त लचीलापन प्रदान करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- वास्तुकला में स्नातकोत्तर (संधारणीय वास्तुकला)
- वास्तुकला में पीएच.डी.

- **एम. आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)**

वास्तुकला में (संधारणीय वास्तुकला) स्नात्कोत्तर कार्यक्रम वास्तुकला क्षेत्र में स्थिरता के विभिन्न पहलुओं पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन, ऐतिहासिक और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य, संधारणीय आपसी योजना, जल सम्भर प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, भवन की बनावट, ध्वनिकी, ताप तथा आंतरिक, वास्तुकला, शहरी डिजाइन और शहरी नियोजन के क्षेत्र में समकालीन चुनौतियों पर केंद्रित है।

- **पीएच.डी.**

यह विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करता है और वर्तमान में एक शोधार्थी नामांकित है, जो समावेशी योजना दृष्टिकोण, पारंपरिक बस्तियों और जल-संवेदनशील योजना पर ध्यान केंद्रित करता है।

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	आर्किटेक्चर, टाउन प्लानिंग, इंटीरियर डिज़ाइन
वास्तुकार रितु भार्गव राय	सह आचार्य	आर्किटेक्चर अर्बन डिज़ाइन, इंटीरियर डिज़ाइन, सस्टेनेबल नेबरहुड
वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	सहायक आचार्य	आर्किटेक्चर एनवायरनमेंटल प्लानिंग, वॉटर मैनेजमेंट
वास्तुकार सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	आर्किटेक्चर सिटी प्लानिंग
वास्तुकार महेश कुमार	सहायक आचार्य	सस्टेनेबल आर्किटेक्चर, सोलर पैसिव आर्किटेक्चर

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. राजीव श्रींगी, आचार्य, एमएनआईटी, जयपुर	ईएसई अगस्त के लिए 2024बाहरी विशेषज्ञ आमंत्रित	04.09.2023 से 05.09.2023
प्रो. कल्पना पंडित, आचार्य, एमएनआईटी, जयपुर	ईएसई सितम्बर के लिए बाहरी विशेषज्ञ आमंत्रित 2024	05.10.2023
आर्किटेक्ट हेमांग दवे भूतपूर्व छात्र	डिज़ाइन स्टूडियो पर एक सेमिनार का आयोजन	20.11.2023
श्री सुनील शर्मा, वाटिका ग्रुप	डिज़ाइन स्टूडियो के लिए अतिथि व्याख्यान	22.11.2023
प्रो. राजीव श्रींगी, आचार्य, एमएनआईटी, जयपुर	ईएसई जनवरी के लिए बाहरी विशेषज्ञ आमंत्रित 2024	16.01.2024
क्षितिज कक्कर, पीएमआरएफ रिसर्च फेलो	पर "प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड फ्यूचर रिसर्च"कार्यशाला का आयोजन	27.10.2023 से 29.10.2024
प्रो. कल्पना पंडित, प्रो. एमएनआईटी, जयपुर	ईएसई मई के लिए बाहरी विशेषज्ञ आमंत्रित 2024	31.05.2024
डॉ. तारसु चंद्रा, प्रो. एमएनआईटी, जयपुर	ईएसई मई के लिए बाहरी विशेषज्ञ आमंत्रित 2024	31.05.2024
प्रो. टी. आई. खान, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	सेमिनार "लैंडस्केप एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी"	11.03.2024
वास्तुकार हिमांशु तनेजा, लैंडस्केप आर्किटेक्ट	सेमिनार "लैंडस्केप एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी"	11.03.2024
वास्तुकार अपर्णा भार्गव, लैंडस्केप आर्किटेक्ट	सेमिनार "लैंडस्केप एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी"	11.03.2024

सम्मेलन/ कार्यशाला/ सेमिनार/ संगोष्ठी का आयोजन

- **डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. निधि गुप्ता, प्रो. राजीव संगल और डॉ. रुचि गुप्ता,** ह्युमन राइट्स एंड ह्युमन वैल्यूज पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 अक्टूबर 2023 को एनएचआरसी के सहयोग से

- ***क्षितिज कक्कड़*** *(पीएमआरएफ रिसर्च फेलो)* 27.10.2023 *से* 29.10.2023 *तक "प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और फ्यूचर रिसर्च" पर* 3 *दिवसीय कार्यशाला आयोजित।*

- **20** नवंबर **2023** को डिज़ाइन स्टूडियो पर **हेमंग दवे** द्वारा एक दिवसीय सेमिनार।

- 22 नवंबर 2023 को वाटिका ग्रुप के **श्री सुनील शर्मा** द्वारा डिजाइन स्टूडियो में अतिथि व्याख्यान।

- **11** मार्च **2024** को **प्रो. टी. आई. खान, एआर. हिमांशु तनेजा और एआर. अपर्णा भार्गव** द्वारा "लैंडस्केप एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी" पर एक दिवसीय सेमिनार।

बाह्य समीक्षा:

- **प्रो. राजीव श्रृंगी** (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 04 से 05 सितंबर 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 606 और एआरसी 705) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **प्रो. कल्पना पंडित** (सह आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 05 अक्टूबर 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **प्रो. राजीव श्रृंगी** (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 16 जनवरी 2024 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609 और एआरसी 703) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **प्रो. कल्पना पंडित** (सह आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 31 मई 2024 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- **डॉ. तरुण चंद्रा** (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 31 मई 2024 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 703) की समीक्षा और फीडबैक के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. राजीव श्रृंगी (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 04 से 05 सितंबर 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 606 और एआरसी 705) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. कल्पना पंडित (सह आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 05 अक्टूबर 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. राजीव श्रृंगी (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 16 जनवरी 2024 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609 और एआरसी 703) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. तरुण चंद्रा एवं प्रो. कल्पना पंडित (सह आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) को 31 मई 2024 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 609 एवं एआरसी 703)) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- वास्तुकला स्कूल ने 12.12.2023 को विकसित भारत @ 2047 कार्यक्रम के तहत सतत विकास के लिए निर्मित पर्यावरण में हरित स्थानों की भूमिका को समझने के लिए एम. आर्क. (सस्टेनेबल आर्किटेक्चर) के लिए छात्रों के लिए एक साइट विजिट का आयोजन किया।
- वास्तुकला स्कूल ने विकसित भारत-2047 के तहत 13-12-2023 को 'रोल ऑफ ग्रीन बिल्डिंग्स इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया और सतत विकास में हरित बुनियादी

ढांचे की भूमिका को समझा। छात्रों ने 13.12.2023 को ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर आयोजित कार्यशाला में डिजिटल पोस्टर तैयार किए।

- डॉ. सुनील शर्मा ने 14.12.2023 को रोल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी फॉर विकसित भारत @ 2047 पर सत्र का संचालन किया। यह एक व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र था। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।
- वास्तुकला स्कूल ने विकसित भारत@2047 कार्यक्रम के अंतर्गत "इंटीग्रेटेड वाटर मैनेजमेंट एट द कैंपस लेवल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" को समझने के लिए एम. आर्क. (सतत वास्तुकला) के छात्रों के लिए 15.12.2023 को एक व्याख्यान सह साइट विजिट का आयोजन किया।
- वास्तुकला स्कूल ने विकसित भारत @ 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत "प्लानिंग फॉर सस्टेनेबल ह्यूमन सेटेलमेंट्स" पर 18.12.2023 को एम. आर्क. (सतत वास्तुकला) के छात्रों के लिए एक सत्र का आयोजन किया।
- डॉ. सुनील शर्मा ने विकसित भारत @ 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत एनर्जी एफिशियंट आर्किटेक्चर पर 19.12.2023 को सत्र का संचालन किया। यह एक व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र था। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।
- वास्तुकला स्कूल ने विकसित भारत @ 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत एम. आर्क. (सतत वास्तुकला) के छात्रों के लिए एक सत्र का आयोजन किया। "एनर्जी एफिशियंट आर्किटेक्चर" यह एक व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र था। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। डॉ. सुनील शर्मा ने 19.12.2023 को सत्र का संचालन किया।

उपलब्धियाँ

चितकारा यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल डॉक्टरल कंसोर्टियम (CUDC-23) में प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, एआर. हेमांग दवे और एआर. विवेकानंद तिवारी को मिला।

एआर. हेमांग दवे (वास्तुकार विवेकानंद तिवारी की देखरेख में) को सतत विकास लक्ष्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन (आईडब्ल्यूसीएसडीजी-2024) में प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला।

शैक्षिक भ्रमण

- एम.आर्क. बैच 2023-25 के छात्रों ने 22 सितंबर 2023 को सैटलमेंट अध्ययन के लिए "भैराना गांव" का दौरा किया।
- एम.आर्क. बैच 2023-25 के छात्रों ने 2 नवंबर 2023 को राजस्थान के संदर्भ में वैकल्पिक निर्माण सामग्री को समझने के लिए "माधव गोशाला बांदरसिंदरी" का दौरा किया।
- एम.आर्क. बैच 2023-25 के छात्रों ने 14 से 16 दिसंबर 2023 तक शहर स्तर पर जल प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए "उदयपुर" का दौरा किया।
- एम.आर्क. बैच 2023-25 के छात्रों ने 17 दिसंबर 2023 को राजस्थान के किलों में जलवायु प्रतिक्रियाशीलता का अध्ययन करने के लिए "चित्तौड़" का दौरा किया।
- एम.आर्क. बैच 2023-25 के छात्रों ने 2 फरवरी 2024 को पत्थर को एक निर्माण सामग्री के रूप में समझने के लिए “स्टोन मार्ट”, जयपुर का दौरा किया।

अन्य

- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के बी.आर्क. अंतिम वर्ष के छात्रों ने कैंपस प्लानिंग को समझने के लिए सीयूराज परिसर का दौरा किया और 27 अक्टूबर 2023 को वास्तुकार विवेकानंद तिवारी द्वारा एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

- डॉ. सुनील शर्मा ने 14.12.2023 को रोल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी फॉर विकसित भारत @ 2047 पर पर सत्र का संचालन किया। यह एक व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र था। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

- डॉ. सुनील शर्मा ने 19.12.2023 को विकसित भारत @ 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत एनर्जी एफिशियंट आर्किटेक्चर पर सत्र का संचालन किया। यह एक व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र था। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, और इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

रसायन विज्ञान और फार्मेसी स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

विभाग

- **रसायन विज्ञान विभाग**
- **फार्मेसी विभाग**

रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल में दो विभाग रसायन विज्ञान विभाग और फार्मेसी विभाग हैं, जहां दोनों विभागों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना की उन्नति हेतु (डीएसटी-एफआईएसटी) निधि के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है। स्कूल का उद्देश्य दोनों विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करना और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को क्रियान्वित करना है। यह स्कूल सभी हितधारकों के लाभ के लिए एक विशुद्ध विज्ञान को दूसरे अनुप्रयुक्त विज्ञान के साथ जोड़ता है, अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देता है तथा उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता की पूर्ति करता है।

रसायन विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

रसायन विज्ञान विभाग 2010 में अपनी शुरुआत से अनुसंधान और शिक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग ने 2010 में दो वर्षीय कार्यक्रम विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) प्रारम्भ किया और 2012 में पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम, 2013 में पाँच वर्षीय कार्यक्रम इंटीग्रटेड एम.एससी. (रसायन विज्ञान), और 2015 में तीन वर्षीय एम.एससी. बी. एड. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया। रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मौलिक और अत्याधुनिक शोध हेतु प्रशिक्षित करना है। हमने पिछले 13 वर्षों में वैज्ञानिक विषयों की सीधी सीमा रेखा को पार कर लिया है और ड्रग डिजाइनिंग, ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री, बायो-ऑर्गेनिक एंड बायो-इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मैटीरियल केमिस्ट्री, थ्योरेटिकल केमिस्ट्री, असममित संश्लेषण की दिशा में और अधिक क्षमता प्राप्त करने हेतु एसिमेट्रिक सिन्थेसिस, हेटेरोसाइक्लिक/मैक्रोसाइक्लिक केमिस्ट्री, नैनोकैटलिस्ट्स एंड आर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी पर कार्य किया है। यह विभाग डीएसटी-फिस्ट (DST-FIST) द्वारा वित्त पोषित है और इसके संकाय विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों जैसे सीएसआईआर, डीएसटी, यूजीसी इत्यादि से शोध अनुदान प्राप्त करते हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- रसायन विज्ञान में एम.एससी. (2-वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. (5-वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. बी.एड. (3-वर्षीय)
- रसायन विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र

डॉ. ईश्वर एस.	सह आचार्य	सिंथेटिक आर्गेनिक केमिस्ट्री; मेथडोलॉजीज़ का विकास, एसिमेट्रिक सिंथेसिस और ऑर्गनोकैटालिसिस
डॉ. अनुज के. शर्मा	सह आचार्य	बायो-इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, इनॉर्गेनिक मेडिसिन, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री
डॉ. एम. भानुचंद्र	सहायक आचार्य	ट्रांजिशन-मेटल कैटलाइज्ड आर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन एंड सिंथेसिस ऑफ़ आर्गेनिक मैटेरियल्स
डॉ. थिरुमूर्ति आर.	सहायक आचार्य	मेन ग्रुप रीएजेंट्स इन आर्गेनिक सिंथेसिस एंड ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री
डॉ. पार्था रॉय	सहायक आचार्य	नैनोमैटेरियल्स: सिंथेसिस, चैरेक्टराइजेशन एंड एप्लिकेशन्स
डॉ. रीतेश सिंह	सहायक आचार्य	सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन, आराइन केमिस्ट्री, केमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस, केमिकल बायोलॉजी
डॉ. हेमन्त जोशी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक इनॉर्गेनिक एंड आर्गेनिक केमिस्ट्री, मॉलेक्युलर रोटर्स एंड मॉलेक्युलर मशीन्स, कैटलिसिस
डॉ. राजगोपाला रेड्डी	सहायक आचार्य	थियोरेटिकल केमिस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर थियोरी
डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, कैटलिसिस एंड फोटोल्यूमिनेसेंस
डॉ. चंद्रकांत दास	सहायक आचार्य	ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री एंड होमोजेनस कैटलिसिस
डॉ. पंकज गुप्ता	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रोएनालिटिकल केमिस्ट्री, बायोइलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, न्यूरोइलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, ऑर्गेनिक इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. अयन दत्ता	आईएसीएस कोलकाता, इंडिया टनलिंग एंड ओरिएंटेड एक्सटर्नल इलेक्ट्रिक फील्ड - हार्नेसिंग देम फॉर कैटालिसिस	16 अक्टूबर, 2023 (ऑफलाइन)
प्रो. सुशांता महापात्रा	यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, स्कूल ऑफ केमिस्ट्री वाइब्रोनिक कपलिंग: द जान-टेलर इफेक्ट एंड बियॉन्ड	19 अक्टूबर, 2023 (ऑफलाइन)
डॉ. एस. राजशेखर रेड्डी, प्रोफेसर	वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), वेल्लोर, इंडिया सस्टेनेबल स्ट्रेटेजीज फॉर द सिंथेसिस ऑफ ड्रग-लाइक मॉलिक्यूल	8 दिसंबर, 2023 (ऑफलाइन)

	वाया रीजियो सिलेक्टिव कैस्केड मेथड्स	
प्रो. सौरव चटर्जी	एनआईटी राउरकेला, इंडिया स्ट्रैटेजिक फंक्शनलाइजेशन ऑफ फेरोसिनाइल स्कैफोल्ड यूजिंग सॉल्वेंट फ्री सॉलिड-स्टेट सिंथेसिस टू डिजाइन नॉवेल फेरोसिनोफेन्स एंड रिलेटेड स्टडीज	15 फरवरी, 2024 (ऑफलाइन)
प्रो. सांतनु मुखर्जी	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर ब्रेकिंग सिमेट्री: डेवलपमेंट एंड एप्लीकेशन टू कॉम्प्लेक्स टारगेट्स	15 मार्च, 2024 (ऑनलाइन)
प्रो. प्रबल बनर्जी	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रोपड़ एक्सपैंडिंग रिएक्टिविटी ऑफ डोनर-एक्सेप्टर साइक्लोप्रोपेन मोनोकार्बोनाइल्स टुवर्ड्स फंक्शनलाइज्ड हेटरोसाइक्ल्स	18 मार्च, 2024 (ऑफलाइन)
प्रो. अमरेंद्र के. सिंह	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर प्रोटिक-एनएचसी कॉम्प्लेक्सेस फॉर स्मॉल मॉलिक्यूल एक्टिवेशन्स एंड कैटालिसिस टुवर्ड्स सर्कुलर हाइड्रोजन इकोनॉमी	22 मार्च, 2024 (ऑफलाइन)

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

- विभाग द्वारा 4-5 जनवरी 2024 को “फ्रंटियर इन कैटेलिसिस (एफआईसी-24)” विषय पर दो दिवसीय “अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में, **प्रो. लिविउ मिरिका**, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, अर्बाना-शैंपेन, यूएसए द्वारा **5वां डॉ. सुनील जी. नाइक मेमोरियल व्याख्यान** दिया गया। विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा कई अन्य आमंत्रित व्याख्यान भी दिए गए। विभाग और विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के कई छात्रों ने मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों में भी भाग लिया।

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी आदि से 116 लाख रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

गैस क्रोमैटोग्राफी (थर्मो फिशर साइंटिफिक)	एलिमेंट एनालाइज़र (थर्मो फिशर साइंटिफिक)
जीसी(थर्मो फिशर साइंटिफिक) एमएस-	फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
एचपीएलसी (शिमाड्ज़ू)	इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (मेट्रोहम)
यूवी कैरी - एजिलेंट) विज़-100)	ग्लव बॉक्स (लैबकोंको कॉर्पोरेशन)
एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किनएल्मर)	पोलारिमीटर
ओशन ऑप्टिक्स यूवीस्पेक्ट्रोफोटोमीटर विज़-	कंप्यूटर लैब

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

सुश्री अनीता सैनी	गेट अर्हता प्राप्त
सुश्री आस्था शर्मा	गेट अर्हता प्राप्त
श्री हृदय रंजन महांता	नेट-जेआरएफ (यूजीसी) और गेट अर्हता प्राप्त
श्री कृष्ण कुमार खंडेलवाल	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) अर्हता प्राप्त
श्री रविंद्र कुमावत	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) और गेट अर्हता प्राप्त
सुश्री रूपिका जैन	नेट-जेआरएफ (यूजीसी) और गेट अर्हता प्राप्त
श्री नीरज कुमार	नेट-जेआरएफ (यूजीसी) अर्हता प्राप्त
सुश्री प्रतिभा चौधरी	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) अर्हता प्राप्त
सुश्री आरती मेहरा	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) और गेट अर्हता प्राप्त
श्री विकास स्वामी	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) अर्हता प्राप्त
सुश्री प्रगति मीणा	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) और गेट अर्हता प्राप्त
श्री पीजुस मोंडल	गेट अर्हता प्राप्त
सुश्री सिया मीणा	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) अर्हता प्राप्त
श्री बिमलेन्दु बेहेरा	नेट-जेआरएफ (सीएसआईआर) अर्हता प्राप्त
सुश्री नेहा माथुर	एफआईसी-24 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भारत
श्री सचिन शर्मा	आठवें जे-एनओएसटी राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र, भारत (10-12 अक्टूबर 2023)

International Conference FIC-24 organized by the Department of Chemistry, CuRaj (4th -5th Jan., 2024)

Prof. Liviu Mirica delivering 5th Dr. Sunil G. Naik Memorial Lecture

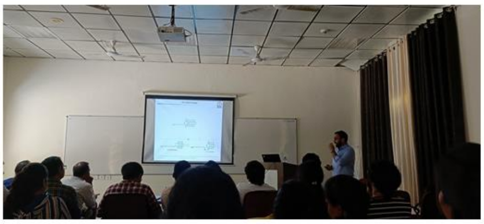

Prof. Santanu Mukherjee delivering Research Talk

Prof. Prabal Banerjee delivering Research Talk

फार्मेसी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. विपिन कुमार

फार्मेसी विभाग की स्थापना 2012 में फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में एम.फार्मा और पीएचडी कार्यक्रमों के साथ संबंधित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने विद्यार्थियों को पेशेवर रूप से प्रशिक्षित करने हेतु की गई थी। इसी तरह, वर्ष 2017 में फार्मास्यूटिक्स में मास्टर ऑफ फार्मेसी की भी शुरुआत की गई। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को विधिवत मंजूरी दी। विभाग फार्मास्यूटिकल शोध और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु प्रयासरत है। विभाग डीएसटी फिस्ट और डीएसटी सर्ब, आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीबीटी, डीएसटी-नैनोमिशन, यूजीसी आदि जैसी कई एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित है। स्कूल/विभाग एनएमआर, एचपीएलसी, लायोफिलाइजर, माइक्रोप्लेट रीडर, फ्लैश क्रोमैटोग्राफी सिस्टम, जीसी-एमएस, हेमेटोएनालाइजर, बायोकेमिकल एनालाइजर, टिशू ऑर्गन बाथ और उच्च प्रदर्शन कार्य स्टेशन आदि जैसे परिष्कृत उपकरणों के साथ-साथ सिलिको और सेल कल्चर प्रयोगशाला से सुसज्जित है। पाठ्यक्रम पूरा होने के तुरंत बाद ही उत्तीर्ण विद्यार्थी विभिन्न सरकारी संगठनों और औद्योगिक क्षेत्र में सफलतापूर्वक नियुक्त हुए हैं। विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में फार्माकोलॉजी में मास्टर ऑफ फार्मेसी भी शुरू किया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में फार्मेसी विभाग को 29वां स्थान मिला।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. एम. फार्म. (फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री – 2 वर्ष)
2. एम. फार्म. (फार्मास्युटिक्स – 2 वर्ष)
3. एम.फार्मा. (फार्माकोलॉजी-2 वर्ष)
4. फार्मेसी में पीएच-डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. विपिन कुमार	आचार्य	क्यूएसएआर, फार्माकोफोरे मैपिंग, डॉकिंग एंड सिमुलेशन, प्लांट एक्सट्रैक्ट्स एंड थेयर आइसोलेट्स फॉर बायोलॉजिकल एक्टिविटी, सिंथेटिक हेटेरोसाइक्लिक मेडिसिनल केमिस्ट्री
प्रो. अमित के गोयल	आचार्य	नॉन-इनवेसिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, डोसेज फॉर्म डिज़ाइन फॉर बायोफॉर्मासुटिकल्स, हर्बल इन्ग्रेडिएन्ट्स एंड न्यू केमिकल एन्टीटीस
डॉ. डी. माधुरी	सह आचार्य	लिपिड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, नावेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, सोलुबिलिटी एनहांसमेंट टेक्निक्स
डॉ. उमेश गुप्ता	सह आचार्य	फार्मास्युटिक्स, मैक्रोमोलेक्युलर ड्रग डिलीवरी एंड टार्गेटिंग, सोल्यूबिलाइजेशन, नैनोटेक्नोलाजी इन ड्रग/जीन डिलीवरी
डॉ. देवेश एम सावंत	सह आचार्य	सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, आरएनए फोल्डिंग, डिज़ाइन ऑफ रेडियोन्यूक्लिड लिगैंड्स
डॉ. रुचि मलिक	सहायक आचार्य	मेडिसिनल केमिस्ट्री, केमिकल बायोलॉजी ड्रग डिज़ाइन, न्यूरोडिजनरेशन, कैंसर

डॉ. कैसर रजा	सहायक आचार्य	ड्रग डिलीवरी, क्वालिटी-बाय-डिज़ाइन, फार्माकोकिनेटिक्स, फार्मास्युटिकल नैनोटेक्नोलॉजी,, हर्बल फार्मास्युटिकल्स
डॉ. स्मिता जैन	सहायक आचार्य (अनुबंधित)	न्यूरोफार्माकोलॉजी, कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन, माइटोकॉन्ड्रिया ट्रांसप्लांटेशन
श्री हिमांशु कुमार	सहायक आचार्य (अनुबंधित)	फार्माकोलॉजी
श्री दीपक जोशी	सहायक आचार्य (अनुबंधित)	फार्माकोलॉजी

प्राप्त बाह्य वित्त पोषण

विभाग के पास भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, एनआरडीसी, आईसीएमआर और डीबीटी से 100 लाख रुपये से अधिक की विभिन्न बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

आयोजित सम्मेलन

योजना का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	द्वारा आयोजित
डीएसटी-स्तुति	"दवा वितरण में निर्माण और लक्षण वर्णन तकनीक" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	31 जुलाई से 6 अगस्त 2023 तक	डॉ. उमेश गुप्ता

खरीदे गए उपकरण/सुविधा

1. हेमेटोलॉजी एनालाइजर (हेमैक्स 330)

2. सेमि-आटोमेटिक बायो-केमिस्ट्री एनालाइजर (एरबा)

3. टिश्यू ऑर्गन बाथ (बाबा गुरुदित्ता कारपोरेशन)

4. वर्क्स स्टेशन (फ्यूज़नस्टोर)

पुरस्कार/उपलब्धियां

राकेश कुमार साहू	इलिनोइस विश्वविद्यालय, यूएसए में पोस्ट-डॉक्टरल फ़ेलोशिप (2024)
भंवर सिंह चौधरी	केप टाउन दक्षिण अफ्रीका विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (2024)
शुभम श्रीवास्तव	यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंसेज सेंटर में पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (2024)
चारु मिश्रा	यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रैडफोर्ड यूके में कॉमन वेल्थ स्प्लिट साइट स्कॉलरशिप (2023)
निष्ठा चौरावल	ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके में कॉमन वेल्थ स्प्लिट साइट छात्रवृत्ति (2024)

विद्यार्थियों की मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ

1. सुश्री निष्ठा चौरावाल (2020PHDPHARM005) को ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय में पीएचडी शोध के लिए कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

2. श्री सुरेन्द्र कुमार गौतम (2020PHDPHARM009) ने रसायन विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब द्वारा आयोजित एवं सर्ब प्रायोजित स्पेक्ट्रोस्कोपिक टेक्निक्स यूसिंग सोफिस्टिकेटेड इंस्ट्रूमेंट्स-2 कार्यशाला में भाग लिया (03-09 अक्टूबर 2023)।

3. सुश्री आयुषी भटनागर (2021PHDPHARM002) ने ई-ओरिएंटेशन प्रतियोगिता में भाग लिया और एपीपी 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "आधुनिक दवा खोज में विश्वव्यापी परिदृश्य और भविष्य की चुनौतियां" के दौरान "स्तन कैंसर के खिलाफ पीएआरपी-1 अवरोधकों की कम्प्यूटेशनल पहचान: अमलगमेटेड संरचना आधारित दृष्टिकोण" विषय पर प्रस्तुति दी। यह सम्मेलन एपीपी केरल राज्य शाखा और एपीपी ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय शाखा द्वारा एपीपी मोल फार्म डिवीजन के सहयोग से 15-16 दिसंबर, 2023 को विजय दिवस 2023 के उपलक्ष्य में, आर्य कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया था।

4. सुश्री आयुषी भटनागर (2021PHDPHARM002) ने 27 मार्च 2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज एंड फार्मेसी द्वारा आयोजित एसईआरबी एसएसआर गतिविधि में कार्बनिक रसायन विज्ञान में सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक उपकरणों पर एक दिवसीय अनुसंधान सुविधा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

5. सुश्री आयुषी भटनागर (2021PHDPHARM002) ने 9 फरवरी 2024 को विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में एपीपी सामुदायिक और क्लिनिकल फार्मेसी डिवीजन के सहयोग से एपीपी मध्य प्रदेश राज्य शाखा और एपीपी ब्राजील राज्य शाखा द्वारा स्कूल ऑफ फार्मेसी, एसएएम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश में आयोजित एपीपी इंडो-ब्राजील अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2024 में भाग लिया।

6. सुश्री आयुषी भटनागर (2021PHDPHARM002) ने जनवरी, 2024 में ड्रग केमिस्ट्री रिसर्च सेंटर द्वारा आयोजित "मशीन लर्निंग आधारित ड्रग डिस्कवरी" पर एक महीने के प्रशिक्षण सह कार्यशाला में भाग लिया।

7. सुश्री आयुषी भटनागर (2021PHDPHARM002) ने 31 जुलाई से 6 अगस्त 2023 तक ड्रग डिलीवरी में फॉर्मूलेशन और कैरेक्टराइजेशन तकनीकों पर डीएसटी-एसटीयूटीआई प्रायोजित हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे फार्मेसी विभाग, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज एंड फार्मेसी, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा डीएसटी-एसटीयूटीआई पीएमयू, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था।

8. सुश्री प्रिया बगराना (2022MPPC0011) ने कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इंस्टीट्यूट, यूएसए द्वारा फाइंडिंग द लीडर इन यू-स्कॉलर (एफएलवाई-श्प्लार प्रोग्राम) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

9. सुश्री प्रिया बगराना (2022MPPC0011) ने एएनआरएफ, डीएसटी-एसईआरबी, भारत सरकार की त्वरित विज्ञान योजना के तहत उन्नत विश्लेषणात्मक/चरित्र चित्रण उपकरण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण पर 19-25 अप्रैल, 2024 तक आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

10. सुश्री प्रिया बगराना (2022MPPC0011) ने 29 फरवरी, 2024 को आईसीएमआर-एनआईआरटीएच, जबलपुर द्वारा आयोजित दुर्लभ आनुवंशिक विकारों पर वेबिनार में भाग लिया।

11. श्री अज़ीज़ अबीब अदेकुनले (सीवी रमन डॉक्टरेट फेलो) ने 27 मार्च 2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग, रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल द्वारा आयोजित एसईआरबी एसएसआर गतिविधि में कार्बनिक रसायन विज्ञान में सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक उपकरणों पर एक दिवसीय अनुसंधान सुविधा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

12. श्री अज़ीज़ अबीब अदेकुनले (सीवी रमन डॉक्टरेट फेलो), ने 28 फरवरी - 1 मार्च, 2024 तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 पर आयोजित पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग एंड एंटी-कैंसर स्टडी ऑफ़ इथेलेसिटेट एक्सट्रैक्ट्स ऑफ़ टू अफ्रीकन तपींथस स्पीशीस में भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुत किया।

13. श्री त्रम्बक बसाक (2020PHDPHARM010) ने भारत सरकार के साथ आईआईटी-बॉम्बे द्वारा आयोजित बायोफार्मास्युटिकल विकास और लक्षण वर्णन पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

14. श्री पांडे अजय संजय (2022MPP011) ने डीएसटी-एसईआरबी एक्सेलेरेट विज्ञान कार्यशाला द्वारा आयोजित उन्नत/विश्लेषणात्मक उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

15. श्री मनीष रामचंदानी (2020PHDPHARM008) ने 9-13 मार्च 2023 तक आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी, यूपी में "ड्रग डिस्कवरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग" पर व्यावहारिक कार्यशाला में भाग लिया।

16. श्री मनीष रामचंदानी (2020PHDPHARM008) ने बुधवार, 25 अक्टूबर को 15:30-18:30 यूटीसी पर एमडी विश्लेषण ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

17. श्री मनीष रामचंदानी (2020PHDPHARM008) ने 05-11 दिसंबर 2023 तक पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतिरक्षात्मक उपकरण और जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का पता लगाने की तकनीक पर डीएसटी प्रायोजित कार्यशाला में भाग लिया।

18. श्री मनीष रामचंदानी (2020 PHDPHARM008) ने बिट्स पिलानी, पिलानी परिसर में ड्रग डिस्कवरी में केमिनफॉरमैटिक्स और मशीन लर्निंग पर कार्यशाला (18-19 मार्च 2024) में भाग लिया।

19. श्री मनीष रामचंदानी (2020 PHDPHARM008) ने 9-11 अक्टूबर, 2023 को फार्मास्युटिकल रिसर्च और ज्ञान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह कार्यशाला में एन्हान्सिंग एफ्फिके एंड मिनिमाइज़िंग हेपटोटोक्सीसिटी ऑफ़ मिथोट्रेक्सेट एनालॉग्स थ्रू ड्यूल टार्गेटिंग: ए नोवेल स्ट्रक्चर-बेस्ड ड्रग डिज़ाइन एंड फ्रेगमेंट-बेस्ड स्ट्रेटेजी पर पोस्टर प्रस्तुत किया। फार्माकोइंफॉर्मेटिक्स विभाग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सेक्टर 67, एस.ए.एस. नगर – 160062, पंजाब (भारत)

20. श्री मनीष रामचंदानी (2020 PHDPHARM008) को फाइल संख्या ITS/2023/005645 के लिए एसईआरबी द्वारा यात्रा अनुदान स्वीकृत किया गया, जिसे 17 मार्च, 2024 से 21 मार्च, 2024 तक एसीएस स्प्रिंग 2024, यूएसए के रूप में आयोजित किया गया जिसमें अनवेलिंग मैकेनिस्टिक इनसाइट्स इन सिलेक्टिव इन्हिबीशन ऑफ़ जएके3 जेएच2 डोमेन यूसिंग होमोलॉजी मॉडलिंग एंड मॉलिक्यूलर डायनामिक सिमूलशंस पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. प्रवीण साहू

विभाग
• वाणिज्य विभाग
• प्रबंधन विभाग

एक दशक से भी कम पुराने वाणिज्य और प्रबंधन स्कूल में विविधता, समावेशनीयता, पारस्परिक सम्मान, सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्य अंतर्निहित हैं। यह स्कूल नवोन्मेषी शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों एवं छात्र केन्द्रित दृष्टिकोणों के साथ शिक्षण एवं अधिगम को प्रोत्साहित करता है। समर्थ शैक्षणिक पृष्ठभूमि, तीव्र शोध उन्मुखीकरण एवं पूरक कौशल समुच्चयों से युक्त व्यक्तियों का स्कूल के संकाय सदस्यों के रूप में चयन किया गया है। विकास की उच्च संभावना के साथ यह स्कूल भविष्य में स्वयं को वाणिज्य एवं प्रबंधन शिक्षा एवं शोध के विषय में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. प्रवीण साहू

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा लचीले, नवीन शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रम और समर्थन संरचनाएं प्रदान करने के लिए 2012 में वाणिज्य विभाग की स्थापना की गयी, जो शिक्षार्थियों और क्षेत्रीय आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी हैं। यह विश्व विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और उद्योग में बदलाव के साथ एक उच्च तकनीक क्रांति देख रही है। यह विश्व अब मानता है कि ज्ञान ही सब कुछ है। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण प्रक्रियाओं के माध्यम से विश्व अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ, सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है। वित्तीय सेवाओं, परामर्श आदि जैसे कई नए उभरते क्षेत्रों के आने से पूरी अर्थव्यवस्था जबरदस्त बदलाव के दौर से गुजर रही है। सेवा क्षेत्र विकास के मामले में विनिर्माण क्षेत्र से आगे निकल रहा है। इन क्षेत्रों में करियर में चुनौतीपूर्ण कार्य, उच्च विकास के अवसर, आकर्षक वेतन पैकेट और पेशेवर रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य परिवेश शामिल है। नौकरी का बाजार कायापलट के दौर से गुजर रहा है। इससे वाणिज्य और व्यवसाय में करियर की भारी मांग पैदा हो रही है। इससे हमारे व्यावसायिक अध्ययन के पाठ्यक्रम को पढ़ाने और इसे प्रस्तुत करने के तरीके में भारी परिवर्तन आया है। कॉर्पोरेट जगत गतिशील है और परिवर्तन इतने गंभीर हैं कि नई अवधारणाओं और तकनीकों की एक श्रृंखला तेजी से अस्तित्व में आ रही है और पुरानी और पारंपरिक तकनीकें अप्रचलित होती जा रही हैं। इस स्थिति ने सभी स्तरों पर वाणिज्य शिक्षा के पाठ्यक्रम के पुनर्गठन की आवश्यकता को जन्म दिया है ताकि इसे बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के साथ सार्थक और संगत बनाया जा सके और वाणिज्य शिक्षकों के बीच उनके योगदान को आगे बढ़ाने और सुव्यवस्थित करने के लिए अवधारणाओं और तकनीकों को पेश किया जा सके। हमें अधिक से अधिक पेशेवर कौशल को शामिल करते हुए विश्व में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले स्नातक और शोधकर्ता तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. वाणिज्य में स्नातकोत्तर (एम.कॉम.)
2. वाणिज्य में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार, सामान्य प्रबंधन
डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	लेखांकन और कराधान, पर्यावरण लेखांकन, रिपोर्टिंग और कराधान , प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
डॉ. प्रियंका भास्कर	सहायक आचार्य	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र बैंकिंग और वित्त, सामान्य प्रबंधन
डॉ. पुष्पेन्दर	सहायक आचार्य	डेटा एनालिटिक्स, रिसर्च मेथड, एसएपीएम
श्री शुभम पांडे	सहायक आचार्य	अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, आंत्रप्रेन्योरशिप

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. रितु सप्रा	*विशेषज्ञ वार्ता*	जुलाई 5, 2023
प्रो. उमेश होलानी	*विशेषज्ञ वार्ता*	अक्टूबर 27, 2023
प्रो. मोहिंदर सिंह	*विशेषज्ञ वार्ता*	नवम्बर 20, 2023
प्रो. एच.के. सिंह	*विशेषज्ञ वार्ता*	दिसम्बर 18, 2023

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. बिजनेस क्विज का आयोजन, 4 अक्टूबर, 2023
2. डायनेमिक पीपीटी पर व्यावहारिक अभ्यास, 18 अक्टूबर, 2023
3. शोध लेखों के लिए विभिन्न डेटाबेस की खोज, 18 अक्टूबर, 2023
4. शोध पत्र कैसे पढ़ें, 11 अक्टूबर, 2023
5. प्रभावी सी.वी. कैसे बनाएँ, 11 अक्टूबर, 2023.

6. शोध के विषय के व्यापक क्षेत्र का चयन कैसे करें, 1 नवंबर, 2023.
7. जीएसटी रिटर्न कैसे भरें: एक व्यावहारिक अनुभव, 22 नवंबर, 2023
8. समूह चर्चा, 22 नवंबर, 2023

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

यूजीसी नेट/गेट उत्तीर्ण छात्र

क्र.सं.	नाम	नामांकन संख्या	विभाग	नेट/ जेआरएफ	बैच
1	दीपांशी जैन	2022MCOM006	वाणिज्य	नेट	2022-24
2	नभान टी. पी.	2021MCOM011	वाणिज्य	नेट	2021-23

सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार: राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. पुष्पेंद्र, डॉ. प्रियंका भास्कर और डॉ. संजय कुमार पटेल को "एन्हांसिंग कॉम्पेटिटिवनेस थ्रू इंटेलेक्चुअल कैपिटलमेडिएटिंग रोल ऑफ इनोवेशन एंड ऑर्गेनाइजेशनल एम्बिडेक्सटेरिटी :" शीर्षक पर पेपर के लिए, वाणिज्य विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, 26-27 जून 2024।

विकासशील भारत @2047 के तहत इंटरेक्शन @ कॉमर्स

एम.कॉम. 2024 के अंतर्गत कॉमर्स में प्रोजेक्ट-वायवा

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. 24 डेस्कटॉप कंप्यूटर सहित 1 कंप्यूटर लैब
2. 2 कक्षाएँ

3. 2 प्रोजेक्टर
4. 1 ट्यूटोरियल कक्ष
5. 1 शोधार्थी कक्ष

प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संजय कुमार गर्ग

2010 में स्थापित, प्रबंधन विभाग तीन क्षेत्रों वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन में विशेषज्ञता के साथ एम.बी.ए पाठ्यक्रम प्रदान करता है। प्रत्येक वर्ष 30 छात्र इस कार्यक्रम में शामिल होते हैं, जो विभिन्न पृष्ठभूमियों, राज्यों, संस्कृतियों और भाषाओं से आते हैं। विभाग के संकाय सदस्य कठोर शैक्षणिक शिक्षा, नियमित प्रबंधन गतिविधियों और राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली प्रबंधन शिक्षा प्रदान करते हैं। विभाग एक उत्कृष्ट शोध वातावरण के साथ व्यापक बुनियादी ढांचा एवं सुविधाएं प्रदान करता है। प्रबंधन विभाग विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में गहन अनुसंधान कार्य में संलग्न है। संकाय के मजबूत शोध उन्मुखीकरण को प्रायोजित शोध परियोजनाओं और नियमित पीएचडी कार्यक्रम के माध्यम से डॉक्टोरल शोध में प्रदर्शित किया जाता है। विभाग के पास एक मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क है, और यहां के छात्र प्रतिष्ठित संगठनों में अच्छी तरह से स्थापित हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए)
2. प्रबंधन में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. उमा शंकर मिश्रा	आचार्य और अधिष्ठाता	विपणन अनुसंधान, उपभोक्ता व्यवहार, मात्रात्मक तकनीक, अनुसंधान पद्धति
डॉ. संजय कुमार गर्ग	सहायक आचार्य	स्टॉक और डेरिवेटिव मार्केट, वित्तीय प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, प्रबंधन लेखा, संचालन अनुसंधान
डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	संगठनात्मक व्यवहार, व्यावसायिक नैतिकता और स्थिरता, सार्वजनिक नीति प्रबंधन सार्वजनिक स्वास्थ्य , स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तिकरण
डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन और विकास, प्रशिक्षण और विकास, संगठनात्मक व्यवहार, नेतृत्व, एचआर एनालिटिक्स, सायकैप

डॉ. रामुलु भुक्या	सहायक आचार्य	उपभोक्ता व्यवहार, ग्राहक सहभागिता, उद्यमशीलता, खुदरा प्रौद्योगिकियां, ईडब्ल्यूओएम-

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. 18/01/2023 को राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (NISM) के सहयोग से प्रतिभूति बाजार पर कार्यशाला।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 8 सितंबर 2022 को आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता सत्र, विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 2022 के उपलक्ष्य में और रक्तदान शिविर, एस.एम.एस. ब्लड बैंक, जयपुर के सहयोग से, सत्या फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया।

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता : प्रो. राजेश कुमार

पृथ्वी विज्ञान स्कूल पर्यावरण विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र तथा सामाजिक विकास के साथ उनके संबंध में अंतर्विषयक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल का मुख्य लक्ष्य स्थानीय और वैश्विक समुदायों की सेवा के लिए पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी कौशल के साथ जनशक्ति को प्रशिक्षित करना है। यह स्कूल पृथ्वी, इसके संसाधनों और इसमें आने वाले परिवर्तन की प्रक्रियाओं के संबंध में मौलिक ज्ञान का सृजन करने एवं प्रभावी ढंग से प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने दृष्टिकोण और मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मौजूदा विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से अनुसंधान, शिक्षा, और आउटरीच कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

विभाग

- **वायुमंडलीय विज्ञान विभाग**
- **पर्यावरण विज्ञान विभाग**

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. देवेश शर्मा

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में पृथ्वी विज्ञान स्कूल के तहत की गई। यह विभाग एम.एससी. और पीएच.डी. दोनों कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसमें वायुमंडल और महासागर, जलवायु मॉडलिंग, मानसून, और इसके भौतिक और सामाजिक परिणामों को समझने के लिए गंभीर मौसम पूर्वानुमान, रेगिस्तान मौसम विज्ञान की समझ, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु गुणवत्ता, रिमोट सेंसिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के संख्यात्मक मॉडलिंग शामिल है। यह विभाग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग विकसित कर रहा है। विभाग को अनुसंधान सुविधाएं विकसित करने के लिए डीएसटी-एफआईएसटी अनुदान प्राप्त हुआ।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. वायुमंडलीय विज्ञान में एम.एससी.
2. वायुमंडलीय विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	क्लाइमेट चेंज एंड वॉटर रिसोर्सेस, हाइड्रोलॉजिकल मॉडेलिंग
डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	रीजनल क्लाइमेट चेंज मॉडेलिंग, इंडियन मॉनसून स्टडीज, लाइटनिंग एंड

		थंडरस्टॉर्म मॉडेलिंग
डॉ. चिन्मय मल्लिक	सहायक आचार्य	एटमॉस्फेरिक केमिस्ट्री, एटमॉस्फेरिक ऑक्सीडेशन एंड सेल्फ-क्लींसिंग मैकेनिज़्म्स, एयर क्वॉलिटी एंड एयर पॉल्यूशन, एटमॉस्फेरिक ट्रेस गैसेस एंड एरोसोल्स, स्पेस वेदर स्टडीज
डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज, एयर-सी इंटरएक्शन, इंडियन मॉनसून, ट्रॉपिकल साइक्लोजेनेसिस, क्लाउड-एरोसोल इंटरएक्शन
डॉ. जय प्रकाश	सहायक आचार्य	एटमॉस्फेरिक एरोसॉल एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्लाइमेट; सोर्सेज एण्ड एटमॉस्फेरिक प्रोसेस ऑफ एयरोसोल्स; सोर्स एंड रिसेप्टर-ओरिएंटेड मॉडेलिंग

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
डॉ. हार्टविग हार्डर, ग्रुप लीडर और सीनियर साइंटिस्ट, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर कैमिस्ट्री, माईंस	वायुमंडलीय विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला, 2024	10 मई 2024
डॉ. बिजोन के. मित्रा, आईजीईएस, जापान	"एग्रीवोल्टिक्स-बेस्ड सर्कुलेटिंग एंड इकोलॉजिकल स्फेयर (सीईएस) एप्रोच फॉर इंटीग्रेटेड रूरल लाइवलीहुड एन्हांसमेंट एंड नेट-जीरो सिटी-रीजनस" पर कार्यशाला	24 जून 2024
डॉ. विभास सुखवानी, आईजीईएस, जापान	"एग्रीवोल्टिक्स-बेस्ड सर्कुलेटिंग एंड इकोलॉजिकल स्फेयर (सीईएस) एप्रोच फॉर इंटीग्रेटेड रूरल लाइवलीहुड एन्हांसमेंट एंड नेट-जीरो सिटी-रीजन्स" पर कार्यशाला	24 जून 2024
श्री हरिओम गुप्ता, प्रोजेक्ट मैनेजर आरआरईसीएल, जयपुर	"एग्रीवोल्टिक्स-बेस्ड सर्कुलेटिंग एंड इकोलॉजिकल स्फेयर (सीईएस) एप्रोच फॉर इंटीग्रेटेड रूरल लाइवलीहुड एन्हांसमेंट एंड नेट-जीरो सिटी-रीजनस" पर कार्यशाला	24 जून 2024
डॉ. सुनीता शास्त्री, हेड, बिज़नेस डेवलपमेंट ग्रुप, सीएसआईआर-एनईईआरआई	सीएसआईआर-नीरी और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)	25 अप्रैल 2024
इंजीनियर सत्येश दवे, बीडीजी,	सीएसआईआर-नीरी और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के	25 अप्रैल 2024

सीएसआईआर-एनईईआरआई	बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)	
डॉ. अनिर्बन मिड्डे, केजेडसी, सीएसआईआर-एनईईआरआई	सीएसआईआर-नीरी और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता (एमओयू)	25 अप्रैल 2024

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

1. 24 जून 2024 को "एग्रीवोल्टिक्स-बेस्ड सर्कुलेटिंग एंड इकोलॉजिकल स्फेयर (सीईएस) एप्रोच फॉर इंटीग्रेटेड रूरल लाइवलीहुड एन्हांसमेंट एंड नेट-जीरो सिटी-रीजन्स" पर एक दिवसीय कार्यशाला

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 23 मार्च 2024 को डब्ल्यूएमओ दिवस के अवसर पर NO-y एनालाइज़र पर डेमोंस्ट्रेशन कम ट्रेनिंग सेशन

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, यूजीसी, एमओडब्ल्यूआर, एमओईएस, इसरो, आईजीईएस, एपीएन, आदि द्वारा स्वीकृत **रुपये 278 लाख** की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. यूजीसी-बीएसआर स्टार्टअप अनुदान के तहत पीएम सैम्पलर क्रय किया गया

यूजीसी-बीएसआर स्टार्टअप अनुदान के तहत पीएम सैम्पलर स्थापित किया गया

“एग्रीवोल्टिक्स-बेस्ड सर्कुलेटिंग एंड इकोलॉजिकल स्फेयर (सीईएस) एप्रोच फॉर इंटीग्रेटेड रूरल लाइवलीहुड एन्हांसमेंट एंड नेट-जीरो सिटी-रीजन्स” पर कार्यशाला (24 जून 2024)

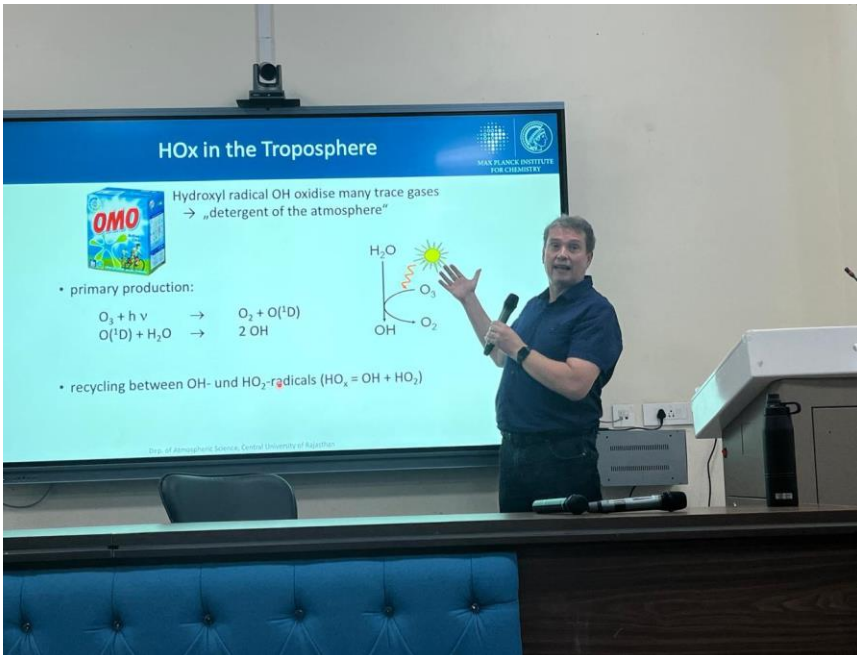

डॉ. हार्टविग, इंपेक्ट ऑफ कन्वेक्शन ऑन सेल्फ-क्लीनिंग कैपेसिटी इन द अपर ट्रोपोस्फीयर पर व्याख्यान देते हुए (10 मई 2024)

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत अपने अवसंरचनात्मक विकास के चरम पर है और इसे प्रदूषण की निगरानी और विकासात्मक परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों तथा प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, विभाग की स्थापना का उद्देश्य है-

- क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं का ज्ञान प्रदान करना।
- छात्रों को कुशल पर्यावरणीय निर्णय और प्रबंधन हेतु पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित करना।
- पर्यावरण अनुसंधान के लिए अंत:विषय सहयोग के लिए शिक्षाविदों और संगठनों के बीच अंतराफलक के रूप में कार्य करना।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. पर्यावरण विज्ञान में पीएच.डी
2. पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. (02 वर्षीय)
3. पर्यावरण विज्ञान में बी.एससी. (04वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	ग्लेसियोलॉजी, ग्लेशियर जिओमॉर्फोलॉजी, क्लाइमेट साइंस, एण्ड एयर पॉल्यूशन
प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा	आचार्य	एनवायरनमेंटल रिमोट सेंसिंग, इकोलॉजिकल और एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट
डॉ. प्रमोद एन कांबले	सह आचार्य	सॉइल माइक्रोबियल एकोलॉजी, बायोरिमीडिएशन, और मेडिसिनल प्लांट्स स्टडी
डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल बायोडेग्रेडेशन ऑफ पी.ओ.पी. (पेस्टिसाइड्स, फार्मास्युटिकल्स एंड एंटीबायोटिक्स)
डॉ. रितु सिंह	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल टॉक्सिकोलॉजी, एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन, एंड मैनेजमेंट, नैनोरिमीडिएशन
डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी (एल्गल बायोफ्यूएल, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, बायोरिमीडिएशन), एल्गे-बैक्टीरिया इंटरैक्शन्स, इकोफिजियोलॉजी ऑफ कॉन्टैमिनेटेड एनवायरनमेंट
डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	एयर पॉल्यूशन एंड क्लाइमेट चेंज- मॉनिटरिंग एंड इफेक्ट्स ऑन प्लांट्स
डॉ. डी. भगवान	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन रीमीडिएशन एंड वेस्ट रिफाइनिंग फॉर वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	गतिविधि	दिनांक
डॉ. सुकल्याण चक्रवर्ती सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग, बीआईटी मेसरा	माइक्रोप्लास्टिक: अ बूमिंग केमिकल कनटामिनंट ऑफइमर्जिंग कंसर्न	8 फरवरी 2024
डॉ. मनोज प्रसाद एफएनएएससी., एफएनएएएस, एफएनए, स्टाफ साइंटिस्ट VII और जेसी बोस नेशनल फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली, और एडजंक्ट प्रोफेसर, प्लांट साइंसेज विभाग, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय	ऑब्जरवेशन ऑफ थे इंटरनेशनल इयर ऑफ मिल्लेट्स, 2023	24 नवम्बर 2023
अध्ययन यात्रा	सांभर नमक झील- रामसर स्थल	19 अक्टूबर 2023
प्रो. श्याम लाल FNA, FASc, FNASc INSA वरिष्ठ वैज्ञानिक और मानद वैज्ञानिक PRL भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL) अहमदाबाद	वायुमंडलीय प्रक्रियाओं और पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के लिए ओजोन और ट्रेस गैसें	19 सितंबर 2023
प्रो. राजीव सिन्हा, पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआईटी-कानपुर	उत्तर-पश्चिम भारत में जलोढ़ जलभृतों में भूजल गतिशीलता के नियंत्रण को समझना: पैलियोजियोमॉर्फोलॉजी और स्ट्रेटीग्राफी की भूमिका	14 अगस्त 2023

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

31 अक्टूबर 2023 को नया गांव, किशनगढ़, अजमेर में सतही जल निकायों के उपचार के लिए फ्लोटिंग ट्रीटमेंट वेटलैंड सिस्टम (एफटीडब्ल्यूएस) पर सामुदायिक जागरूकता कार्यशाला, ग्लोबल चेंज रिसर्च, जापान के लिए एशिया पैसिफिक नेटवर्क (एपीएन) द्वारा प्रायोजित।

31 जनवरी 2024 को राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतही जल निकायों के उपचार के लिए फ्लोटिंग ट्रीटमेंट वेटलैंड सिस्टम (एफटीडब्ल्यूएस), ग्लोबल चेंज रिसर्च, जापान के लिए एशिया पैसिफिक नेटवर्क (एपीएन) द्वारा प्रायोजित।

22-23 फरवरी 2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में फ्लोटिंग ट्रीटमेंट वेटलैंड सिस्टम (एफटीडब्ल्यूएस) पर बहु-देशीय सहयोगी अनुसंधान की अंतिम साझा कार्यशाला, ग्लोबल चेंज रिसर्च, जापान के लिए एशिया पैसिफिक नेटवर्क (एपीएन) द्वारा प्रायोजित।

17 मई 2024 को अजयमेरु प्रेस क्लब, अजमेर, राजस्थान, भारत में "झील जल गुणवत्ता बढ़ाने के लिए फ्लोटिंग ट्रीटमेंट वेटलैंड सिस्टम (एफटीडब्ल्यूएस)" पर सामुदायिक जागरूकता कार्यशाला, ग्लोबल चेंज रिसर्च, जापान के लिए एशिया पैसिफिक नेटवर्क (एपीएन) द्वारा प्रायोजित।

13 और 14 मार्च, 2024 को आयोजित 'सतत क्षितिज: ठोस और प्लास्टिक प्रबंधन को शून्य अपशिष्ट परिसर की ओर ले जाना' विषय पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

औषधीय पौधों के अनुसंधान में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन, अश्वगंधा की खेती और प्रसंस्करण पर विशेष जोर, 28-29 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का आयोजन
- 22 अप्रैल, 2024 को पृथ्वी दिवस-2024 का आयोजन
- 2 फरवरी, 2024 को पर्यावरण विज्ञानं विभाग एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर कस सहयोग से विश्व आद्रता दिवस 2024 का आयोजन।
- 21-12-2023 को विकसित भारत @ 2047 के लिए जैव ईंधन का आयोजन किया गया।
- 20-12-2023 को विकसित भारत @ 2047 के लिए पर्यावरण कायाकल्प पर विचार प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- 13-12-2023 को विकसित भारत@2047 के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने में युवाओं की भूमिका पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।
- 24 नवंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष, 2023 मनाया गया। 30 अक्टूबर 2023 को विश्वविद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद का आयोजन किया गया।
- 19 सितंबर 2023 को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया।

प्राप्त बाह्य निधि:

विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-एसईआरबी, डीएसटी, डीबीटी और आयुष मंत्रालय आदि द्वारा स्वीकृत 200 लाख रुपये से अधिक की विभिन्न बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

खरीदे गए उपकरण/ सुविधा

- माइक्रो प्लेट रीडर

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

- श्री शुभम कुमार को सोसाइटी ऑफ वेटलैंड सोसायटी से अनुसंधान पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।
- सुश्री अंजना माधव को प्रतिष्ठित थिंक स्विस रिसर्च स्कॉलरशिप 2024 के लिए चुना गया।
- श्री शुभम कुमार को इस साल ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित एसआईएल कांग्रेस में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ लिम्नोलॉजी (एसआईएल) से प्रतिष्ठित एसआईएल वेटजेल ट्रैवल अवार्ड 2024 मिला।
- सुश्री सना परवीन को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार मिला।
- सुश्री सिमरन मराठा को भारत के कर्नाटक के कारवार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार मिला
- श्री मनीष कुमार (2017PHDES01) को “साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट” पत्रिका में प्रकाशित शोध लेख के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस द्वारा “शोध प्रकाशन पुरस्कार” मिला
- सुश्री प्रीति (प्रिटी एस. पिप्पल) (2020PHDEVS004) को जर्मनी के वुपर्टल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम संयुक्त ICOBTE-ICHMET 2023 सम्मेलन में “2000 पाउंड का युवा वैज्ञानिक सम्मेलन पुरस्कार” मिला (6-11 सितंबर 2023)
- सुश्री प्रीति (प्रिटी एस. पिप्पल) (**2020PHDEVS004**) को जर्मनी के वुपर्टल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम संयुक्त **ICOBTE-ICHMET 2023** सम्मेलन में “**2320** अमेरिकी डॉलर का छात्र यात्रा अनुदान” मिला पासाडेना, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए (**16-21** जुलाई **2023)**
- सुश्री प्रीति (प्रिटी एस. पिप्पल) (**2020PHDEVS004**) को केमिकल इंजीनियरिंग कॉलेज, मुन्नार भारत में **CACS, IIT** मद्रास द्वारा

मुन्नार कार्यशाला **2023** में भाग लेने और पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए पूर्ण "छात्र यात्रा सहायता' प्राप्त हुई (**26-28** जुलाई **2023**)

- सुश्री पायल (**2021**पीएचडीईवीएस**003**) को एशिया ओशिनिया जियोसाइंसेज सोसाइटी (एओजीएस) **2024** की **21**वीं वार्षिक बैठक, गैंगवोन-डो, दक्षिण कोरिया (**23-28** जून **2024**) में भाग लेने के लिए डीएसटी एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- सुश्री तनुजा (**2022**पीएचडीईएनवी**006**) ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल द्वारा आयोजित विंटर स्कूल **2023** में भाग लिया, जिसमें बर्फ और ग्लेशियर अध्ययन के लिए फील्ड स्नो और रिमोट सेंसिंग तकनीकों के अनुप्रयोग (**16** नवंबर-**20** दिसंबर **2023**) पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय, आईआरडी फ्रांस और अन्य भागीदारों द्वारा वित्त पोषित किया गया।
- सुश्री तनुजा (**2022**पीएचडीईएनवी**006**) ने नेपाल विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा वित्त पोषित, काठमांडू में **5-8** फरवरी **2024** तक जलवायु जोखिम आकलन (सीआरए) पर क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री राजीव रंजन यादव (**2023PHDEVS008**) ने दिवेचा सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर, भारत द्वारा पूर्ण रूप से वित्त पोषित "ग्लेशियर स्टडीज एंड रिमोट सेंसिंग" पर प्रशिक्षण में भाग लिया (**18-28** जून **2024**)।
- सुश्री निशा को फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित "ई-एमआरएस **2024** स्प्रिंग मीटिंग" में भाग लेने के लिए एसईआरबी यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ (**27** मई, **2024** से **31** मई, **2024** तक).

यूजीसी नेट/गेट उत्तीर्ण छात्र

- अविमानु श्रमा, तीसरे राष्ट्रमंडल रसायन विज्ञान पोस्टर में पोस्टर पुरस्कार
- नाजिया तरन्नुम, वायु भुवनेश्वर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति
- मनुराज पी, एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट
- नेहा भारती, एमएससी ने यूजीसी-नेट उत्तीर्ण किया
- आस्था मूलचंदानी, एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट-जेआरएफ
- बसंत बिजारनिया, इंटीग्रेटेड. एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट
- भव्या स्वामी इंटीग्रेटेड. एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट
- हेमा कुमारी, एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट
- रितिक जैन, एम.एससी, उत्तीर्ण यूजीसी-नेट-जेआरएफ
- जागृति डढवाल, पीएचडी विद्वान यूजीसी-नेट उत्तीर्ण
- प्रकृति, अन्तर्राष्ट्रीय ऑल इंडिया रैंक 110 के साथ एमएससी गेट क्वालिफाइड
- हेमंत कुमार, इंटीग्रेटेड. एम.एससी योग्यता प्राप्त गेट

सांभर साल्ट लेक-रामसर साइट का भ्रमण

सस्टेनेबल होरिज़ोंस पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम: शून्य अपशिष्ट की दिशा में ठोस और प्लास्टिक प्रबंधन का मार्गदर्शन

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. प्रकाश चौधरी

विभाग

- **कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग**
- **इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग**
- **बायो-मेडिकल अभियांत्रिकी विभाग**

सतत विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना की गई थी। यह स्कूल अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी में स्नातक (बी.टेक), स्नातकोत्तर (एम.टेक) और शोध कार्यक्रम (पीएचडी) पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विज़न यानी सतत विकास के लिए शिक्षा प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। स्कूल का उद्देश्य छात्रों/शोधार्थियों को उन्नत तकनीकों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि उच्च क्षमता और नैतिक मूल्यों वाले इंजीनियरिंग स्नातक तैयार किए जा सकें। स्कूल का लक्ष्य अभियांत्रिकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी बनना है।

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. प्रकाश चौधरी

सतत विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना की गई। अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना की गई। वर्तमान में, यह विभाग सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ सीएसई मे 2 वर्षीय एम.टेक पाठ्यक्रम, एक डॉक्टरेट कार्यक्रम, और कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में 4 वर्षीय बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग सूचना के इस युग में देश की सुरक्षित प्रगति में योगदान देने के लिए पेशेवरों को तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभाग साइबर-भौतिक प्रणाली, सूचना परीक्षण, सुरक्षा लेखा परीक्षा, डिजिटल फोरेंसिक आदि जैसे नए उभरते क्षेत्रों का अन्वेषण भी कर रहा है। विभाग विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देता रहा है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बी.टेक सीएसई
2. एम. टेक. सीएसई
3. सीएसई में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र

डॉ. प्रकाश चौधरी	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	इन्फॉर्मेशन रिट्रीवल इमेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग एंड पैटर्न रेकग्निशन, मल्टीलिंग्वल टेक्स्ट रेकग्निशन, फेडरेटेड लर्निंग
डॉ. बसंत अग्रवाल	सह आचार्य	मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम्स, कंप्यूटर नेटवर्क्स, एड हॉक नेटवर्क्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, एल्गोरिदम्स, नंबर थ्योरी, इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी
डॉ. मुजम्मिल हुसैन	सहायक आचार्य	नेटवर्क सिक्योरिटी, वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, कंप्यूटर नेटवर्क्स
डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, डीप लर्निंग एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. "विक्टिम सेपरेशन टू मिनिमाइज डीडीओएस अटैक इफेक्ट्स इन क्लाउड कंप्यूटिंग एनवायरनमेंट्स" पर डीएसटी एसईआरबी मुख्य अनुसंधान अनुदान परियोजना (पीआई: डॉ. गौरव सोमानी) में एक दिवसीय अनुसंधान सुविधा प्रशिक्षण कार्यशाला, 21 नवंबर, 2023।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. एचपी जी400 वर्कस्टेशन
2. नेटवर्क स्विच (डीजीएस-3130)
3. डेल आर 540 और आर550 हाई एंड सर्वर
4. डब्ल्यूडी-सर्वर रैक (42यू)
5. केवीएम स्विच

प्राप्त बाह्य अनुदान

विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी और डीएसटी एसईआरबी आदि द्वारा स्वीकृत **85 लाख रुपये** से अधिक की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

डॉ. गौरव सोमानी ने आईईईई एक्सेस जर्नल (आईएफ = 4.098) (2018-2022) के एसोसिएट एडिटर के रूप में अपना तीन साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया।

1. डॉ. गौरव सोमानी को 2023-2026 के लिए एसीएम डिजिटल थ्रेट्स: रिसर्च एंड प्रैक्टिस (डीटीआरएपी) जर्नल का एसोसिएट एडिटर नियुक्त किया गया।
2. डॉ. गौरव सोमानी को अक्टूबर 2023 में एसीएम के वरिष्ठ सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया।
3. डॉ. गौरव सोमानी को अक्टूबर 2023 में आईईईई एथिक्स चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संयोग रावत

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (ईसीई) विभाग 2019 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम को शुरू करने का प्राथमिक लक्ष्य अत्यधिक कुशल युवा अभियंता तैयार करना है ताकि वे विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक नौकरियों में योगदान प्रदान कर सकें। इसके पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि छात्रों को ईसीई के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से एक मजबूत आधार मिल सके। वर्तमान में, यह विभाग 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (ईसीई में बी.टेक) और एक पी-एच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभाग आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है। विभाग के पास समर्पित संकाय सदस्य हैं जो छात्रों के ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बी.टेक (ईसीई)
2. पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संयोग रावत	सह आचार्य	रीकॉन्फिगरेबल आरएफ प्रिंटेड सर्किट्स, माइक्रोवेव एंड मिलीमीटर वेव टेक्नोलॉजी
डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, नैनो-बायो सेंसर्स, एमईएमएस/एनईएमएस
डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	पाइजोइलेक्ट्रिक/फेरोइलेक्ट्रिक डिवाइसेज़, एनर्जी हार्वेस्टर्स, स्पिनट्रॉनिक डिवाइसेज़
डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	प्रोग्रामेबल मेटासरफेस, कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रोमैग्नेटिज़म
डॉ. सुधीर भास्कर	सहायक आचार्य	माइक्रोवेव अभियांत्रिकी, एंटेनास फॉर आरआईडीएफ एप्लिकेशन्स

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम
2. 15 सितंबर 2022 को अभियंता दिवस समारोह

प्राप्त अनुदान

पुरस्कार का वर्ष	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	पी.आई. का नाम	राशि (लाख में)	फंडिंग एजेंसी का नाम	स्थिति
2023	ऑल सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड MoS2 नैनो-बायो-कॉम्पोज़िट फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक सेंसर फॉर एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग	डॉ. मिलन ससमल	42.365	हेफ़ा	स्वीकृत

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

1. गेट अर्हता प्राप्त छात्र
2. डॉ. कपिल सारस्वत को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर वर्क कैरेक्टरिस्टिक्स मोड एनालिसिस टूल सॉफ्टवेयर के लिए कॉपीराइट प्रदान किया गया।

विद्यार्थियों ने गेट परीक्षा, 2023 में अर्हता प्राप्त की		
क्रसं.	**नामांकन संख्या**	**छात्र का नाम**
1	2020BTECE006	हितेश तंवर
2	2020BTECE015	साहिल कुमार प्रजापति
3	2020BTECE004	दिगेंद्र
4	2020BTECE016	साक्षी गुप्ता

3. डॉ. संयोग रावत ने स्प्रिंगर (एलएनएनएस सीरीज़) द्वारा प्रकाशित पुस्तक में संपादक के रूप में कार्य किया।

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

समन्वयक: डॉ. चंदन कुमार

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (बीएमई) अभियांत्रिकी और प्रोद्योगिकी स्कूल के तहत शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से शुरू हुआ। यह विभाग जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी (बीएमई) में 4 साल का स्नातक कार्यक्रम (बी.टेक.) संचालित करता है। जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी एक आकर्षक बहु-विषयक क्षेत्र है जिसमें जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों और चिकित्सा चिकित्सकों की सहायता के लिए चिकित्सीय और निदान की एक विस्तृत श्रृंखला में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग शामिल है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में बी.टेक. (4 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. चंदन कुमार	सहायक आचार्य	एनेर्जी हार्वेस्टिंग एंड बायोमेडिकल सेंसर्स
डॉ. मानस कुमार नाग	सहायक आचार्य	मेडिकल इमेज एनालिसिस
डॉ. संदीप चौधरी	सहायक आचार्य	बायोसेंसर्स
डॉ. विक्रांत सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	ड्रग डिस्कवरी

प्राप्त बाह्य निधि:

प्रो. संजीब कुमार पांडा को 'फंक्शनल जीनोमिक्स और जीनोम एडिटिंग फॉर आयरन फोर्टिफिकेशन इन पिजन पी' परियोजना के लिए डीएसटी-डीएएडी से 7.13 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है।

व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग

समन्वयक: डॉ. मिलन सासमल

अगस्त, 2023 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के अंतर्गत व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग की शुरुआत हुई। इस विभाग को शुरू करने का प्राथमिक लक्ष्य उद्योगों आदि के लिए अत्यधिक कुशल व्यक्तियों को तैयार करना है। व्यावसायिक और कौशल विकास पाठ्यक्रम बहुत ही अनुभवपूर्ण तरीके से एक विशेष गतिविधि करने में मदद करता है, जिसमें शिक्षार्थियों के पास नौकरी पाने या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की क्षमता हो सकती है। वीएसएसडी विभाग के अंतर्गत प्रमाणन, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा, बी.वोक जैसे विभिन्न व्यावसायिक और कौशल कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बी.वोक (रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन)
2. बी.वोक (इंटीरियर डिजाइन)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य एवं समन्वयक	इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस फैब्रिकेशन, नैनोबायोसेंसर, माइक्रोफ्लुडिक डिवाइस

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. संजय अरोड़ा

विभाग

- अंग्रेजी विभाग
- हिन्दी विभाग
- भाषा विज्ञान विभाग

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अंग्रेजी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. भूमिका शर्मा

प्रस्तावित कार्यक्रम

- अंग्रेजी में पीएच.डी.
- अंग्रेजी में एम.ए.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संजय अरोड़ा	आचार्य	अंग्रेजी भाषा शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, सीएलटी
डॉ. भूमिका शर्मा	सह आचार्य	उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, अफ्रीकी अमेरिकी साहित्य, लिंग अध्ययन
डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	दलित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, हाशिए का साहित्य
डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक आचार्य	उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन, रचनात्मक लेखन
डॉ. वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	विभाजन साहित्य, अफ्रीकी-अमेरिकी साहित्य और कैरिबियन साहित्य
डॉ. सविता अंदेलवार	सहायक आचार्य	अंग्रेजी में भारतीय लेखन, तुलनात्मक साहित्य, फिल्म अध्ययन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

8 फरवरी, 2024 को 'सफलता में ईक्यू, आईक्यू और एसक्यू की भूमिका' पर प्रोफेसर नीरज गुप्ता का व्याख्यान आयोजित किया गया।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

- **न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, सीयूराज द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023)**
- **भारतीय सौंदर्यशास्त्र पर 3 दिवसीय व्याख्यान-सह-कार्यशाला (5-7 मार्च, 2024)**

3. उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

- ### पुरस्कार और उपलब्धियाँ

• कनिका वशिष्ठ, शोध छात्रा, ने 30 जुलाई, 2023 से 19 अगस्त, 2023 के दौरान 'टेक्स्टलैंग' (स्टटगार्ट विश्वविद्यालय) परियोजना के साथ साझेदारी में मार्बेक वीमर वोल्फेनब्यूटेल रिसर्च एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय समर स्कूल में भाग लिया। यात्रा और भागीदारी पूरी तरह से वित्त पोषित थी जिसमें जर्मन लिटरेचर आर्काइव, मार्बेक, जर्मनी के कॉलेजिएन हाउस में निःशुल्क आवास (21 दिन) शामिल था। डिजिटल लिटरेचर आर्काइव, मार्बेक द्वारा प्रदान की गई DAAD यात्रा लागत दरों द्वारा निर्धारित भत्तों के मूल्य पर यात्रा लागत की प्रतिपूर्ति की गई।

• विभागाध्यक्ष डॉ. भूमिका शर्मा को उनके पेपर, "नथिंग पर्सनल ताबिश खैर के 'वीक हार्ट' कथात्मक कोड की पुनर्व्यवस्था" के लिए मौखिक प्रस्तुति श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार अंग्रेजी विभाग, स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज एंड ह्यूमैनिटीज, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा 30-31 जनवरी, 2024 को आयोजित "कथा और कथन : दक्षिण एशियाई साहित्य में नवीनतम रुझानों की मैपिंग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया।

• विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र रांकावत को 2023 में सांस्कृतिक परिषद तमिलनाडु द्वारा "द वर्क्स ऑफ द तमिल पोएट वनविल के रवि" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

• डॉ. वेद प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, को भारतीय राष्ट्रमंडल साहित्य और भाषा अध्ययन संघ की ओर से सर्वश्रेष्ठ विद्वत्तापूर्ण शोधपत्र के लिए मीनाक्षी मुखर्जी मेमोरियल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार जोशील के. अब्राहम और जूडिथ मिसराही-बराक द्वारा द रूटलेज कम्पेनियन टू कास्ट एंड सिनेमा इन इंडिया में प्रकाशित लेख 'जयान के. चेरियन की चुनिंदा फिल्मों के माध्यम से जाति, लिंग और कामुकता के क्षेत्र की जांच' के लिए दिया गया। रूटलेज, लंदन और न्यूयॉर्क, अगस्त, 2022।

• शोधार्थी ऋषव दत्ता को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (शिक्षा मंत्रालय) से आईसीएसएसआर यात्रा अनुदान पुरस्कार (1,41,465/- रुपये) मिला है, ताकि वे 17-19 अप्रैल, 2024 तक स्पेन के सलामांका विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अनुवाद और सांस्कृतिक स्थिरता: चुनौतियां और नए रास्ते पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले सकें और शोध पत्र प्रस्तुत कर सकें। पुरस्कार में हवाई किराया, वीजा शुल्क, बीमा शुल्क, रखरखाव, पंजीकरण शुल्क और हवाई अड्डे के स्थानांतरण को कवर करने वाली पूर्ण वित्तीय सहायता शामिल थी।

हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा

भाषा केवल अभिव्यक्ति एवं संपर्क का माध्यम नहीं है अपितु वह सामाजिक सोच, सामासिक संस्कृति और सामूहिक मानसिकता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत जैसे एक बहुभाषी और सांस्कृतिक देश की राजभाषा एवं संपर्क भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी विविध भाषा-भाषी समाजों और संस्कृतियों के बीच अंत: संवाद का माध्यम भी है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग शैक्षिक एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ उपेक्षित समूहों को केंद्र में लाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा एवं साहित्य की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। हिंदी विभाग निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस विभाग की स्थापना अकादमिक सत्र – 2011 में की गयी जिसमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया। विभाग का पाठ्यक्रम साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषाविज्ञान के एकीकृत अध्ययन पर केंद्रित है जो छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में पूर्णतया सक्षम है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. हिंदी में एम.ए.
2. हिंदी में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य	तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य, मध्यकालीन काव्य, कथा साहित्य
डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा	सह आचार्य	हिंदी आलोचना, मीडिया और फिल्म लेखन, भाषा प्रौद्योगिकी
डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सह आचार्य	कथा साहित्य, लोक साहित्य, आधुनिक काव्य
डॉ. संदीप वी रणभिरकर (लियन पर)	सह आचार्य	भक्ति साहित्य, हिंदी कविता, कथा साहित्य, महिला लेखन
डॉ. ममता खांडल	सहायक आचार्य	तुलनात्मक अध्ययन, अनुवाद, आधुनिक हिंदी साहित्य एवं काव्य
डॉ. अक्षांश भारद्वाज	सहायक आचार्य	भक्ति साहित्य, हिंदी कविता, हिंदी साहित्य का इतिहास

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
गोस्वामी तुलसीदास जयंती	“हमारे साहित्य सर्जक” शृंखला के तहत आयोजित	23/08/2023

निराला जयंती	“हमारे साहित्य सर्जक” शृंखला के तहत आयोजित	14/02/2024
प्रो. अनिल जैन	"राजस्थान का भक्ति काव्य" पर अतिथि व्याख्यान	01/04/2024
राहुल सांकृत्यायन जयंती	“हमारे साहित्य सर्जक” शृंखला के तहत आयोजित	09/04/2024

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. विभाग ने 29 मई से 30 जून 2024 तक स्कूल स्तर पर “अनुवाद कार्यशाला” का आयोजन किया।

भाषा विज्ञान विभाग

समन्वयक: डॉ. धनपति शौग्रक्पम

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के दौरान मानविकी और भाषा स्कूल के तहत स्थापित भाषा विज्ञान विभाग का उद्देश्य अंतःविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भाषा विज्ञान के अन्वेषण को आगे बढ़ाना है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी प्राकृतिक मानव भाषाओं में निहित मौलिक गुणों, मानव वाक्य निर्माण और संवेदन के जटिल और बहुपक्षीय पहलुओं की खोज करना है। इस विभाग का ध्यान विभिन्न आयामों तक फैला हुआ है, जिसमें भाषाओं की संरचनात्मक संरचना को समझना, मस्तिष्क में संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझना, बच्चों और वयस्कों दोनों द्वारा भाषा अधिग्रहण की जांच करना, भाषा विविधताओं और विकासवादी परिवर्तनों का विश्लेषण करना शामिल है। यह इस बात को जांचने पर भी केंद्रित है कि भाषा विविध सांस्कृतिक संदर्भों में कैसे कार्य करती है और व्यक्तियों और समूहों द्वारा संवाद में इसके उपयोग का अध्ययन करती है। यह विभाग सीखने के विविध क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक व्यापक अध्ययन क्षेत्र की पेशकश करके सामाजिक और जैविक विज्ञान दोनों से अंतर्दृष्टि का विलय करता है । इसमें भाषा डेटा के सेट के भीतर अंतर्निहित पैटर्न की जांच करने के लिए गणितीय और संगणक दृष्टिकोण को भी शामिल करने का प्रयास किया जाता है। यह विभाग मानव भाषा और समाज में इसके असंख्य अनुप्रयोगों की गहरी समझ को बढ़ावा देकर मानविकी, शिक्षा, नैदानिक क्षेत्रों और डेटा विश्लेषण में उद्यमिता प्रस्तुत करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. भाषा विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय)
2. भाषा विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. धनपति शौग्रक्पम	सहायक आचार्य	आकृति विज्ञान, शाब्दिक शब्दार्थ, समाजभाषा विज्ञान, कोशलेखन, भाषा टाइपोलॉजी, बहुभाषावाद, क्षेत्र भाषा विज्ञान और भाषा प्रलेखन
डॉ. सरिता शर्मा	सहायक आचार्य	सांकेतिक भाषा विज्ञान, सांकेतिक भाषा व्याख्या, तंत्रिका भाषा विज्ञान, नैदानिक भाषा विज्ञान, भारतीय सांकेतिक भाषा, बधिर अध्ययन, विकलांगता और पुनर्वास अध्ययन
डॉ. महबूब जाहिद	सहायक आचार्य	सामान्य भाषा विज्ञान सिद्धांत, आकृति विज्ञान और रूप-वाक्य विन्यास, क्षेत्र भाषा विज्ञान, भाषा दस्तावेज़ीकरण
डॉ. धनंजय कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	सामान्य भाषाविज्ञान, कानून की भाषा, फोरेंसिक भाषा विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, भाषा शिक्षण, अनुवाद अध्ययन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/ अतिथि व्याख्यान/ संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. गौतम कुमार बोरा	*"भाषा एवं भाषा विज्ञान" विषय पर अतिथि व्याख्यान*	1 फ़रवरी 2023

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

प्रो. प्रियंकु सरमाह, आईआईटी गुवाहाटी, "भाषण का ध्वनिक विश्लेषण और PRAAT का परिचय'' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 24-25 अप्रैल 2023

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

कंप्यूटर लैब

जीवन विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. चंडी चरण मंडल

जीवन विज्ञान स्कूल की स्थापना वर्ष 2012 में अंतर्विषयक शिक्षण एवं आधुनिक जीव विज्ञान में अनुसंधान पर जोर देने के उद्देश्य से की गयी। इस स्कूल में वर्तमान में चौबीस शिक्षक एवं पांच सहायक कर्मचारी हैं । इसके अतिरिक्त, इस विभाग में अनेक पोस्टडॉक्टोरल अध्येता कार्यरत हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में जीवन विज्ञान स्कूल प्रत्येक संकाय हेतु अत्याधुनिक प्रोयागशाला और प्रत्येक विभाग में केंद्रीय यंत्रविन्यास की सुविधा के साथ अपने स्थायी भवन में स्थानांतरित हो गया है । इस नये भवन में जीवन विज्ञान स्कूल में आधुनिक सेमिनार कक्ष, सभागार एवं स्मार्ट कक्षा भी हैं ।

विभाग
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
जैव रसायन विभाग
सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

जैव रसायन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. चंडी सी. मंडल

जैव रसायन विभाग की स्थापना जुलाई 2012 में की गई थी । विभाग का उद्देश्य अनुप्रयोग आधारित शिक्षण के माध्यम से जैव रसायनिक अभिक्रियाओं की दुनिया को समझने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमियों से युवाओं को प्रोत्साहित करना है। यह शिक्षा उनकी तर्कशक्ति में वृद्धि करेगी तथा उन्हें भविष्य में अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी आजीविका के साथ ही सीएसआईआर-यूजीसी नेट, आईसीएमआर तथा गेट जैसी उच्च प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने के लिए प्रशिक्षित करेंगी। यहाँ रटने की अपेक्षा विषय को समझने पर अधिक जोर दिया जाता है तथा साथ ही छात्रों को अन्य विभागों द्वारा संचालित अतिरिक्त पाठ्यक्रम का चयन कर अपनी क्षमता का विकास करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- जैव रसायन में पीएच.डी.
- जैव रसायन में एम.एससी.
- जैव रसायन में एकीकृत एम.एससी.

संकाय

नाम	पद	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. संजीब के. पांडा	आचार्य	प्लांट फंक्शनल जीनोमिक्स, जीनोम एडिटिंग एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री
प्रो. चंडी सी. मंडल	आचार्य	सेल्युलर सिग्नलिंग एसोसिएटेड विद कैंसर एंड बोन बायोलॉजी
डॉ. हेमंत दायमा	सह आचार्य	नैनोटेक्नोलॉजी, नैनोबायोटेक्नोलॉजी, नैनोमेडिसिन एंड नैनोटॉक्सिकोलॉजी

डॉ. विश्वनाथ तिवारी	सहायक आचार्य	बैक्टीरियल रेजिस्टेंस, होस्ट-पैथोजन इंटरैक्शन, ड्रग डिस्कवरी एंड वैक्सीन डिजाइन, नैनोमेडिसिन
डॉ. किरण के. तेजावत	सहायक आचार्य	नैनोमेडिसिन एंड ड्रग डिलीवरी अगेंस्ट वैरियस कैंसर सेल्स
डॉ. विजय के. प्रजापति	सहायक आचार्य	इन्फेक्शियस बायोलॉजी एंड ड्रग डिस्कवरी
डॉ. शिव स्वरूप	सहायक आचार्य	प्रोटीन इंजीनियरिंग एंड स्टेबिलिटी, वैक्सीन डिजाइन, बायोफिजिक्स, सिंथेटिक बायोलॉजी
डॉ. दीपक गायेन	सहायक आचार्य	जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग ऑफ प्लांट
डॉ. भवाना बिस्सा	सहायक आचार्य	ट्यूमर मेटाबॉलिक हेटेरोजेनिटी एंड रोल ऑफ ऑटोफैगी इन कैंसर मेटाबॉलिज्म, नॉन-सेल ऑटोनॉमस फंक्शन्स ऑफ ऑटोफैगी
डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	मॉलिक्यूलर पैरासिटोलॉजी एंड ड्रग डिस्कवरी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्राप्त बाह्य निधि :

1. आईसीएमआर ने "डिसाइफरिंग द इन्फ्ल्यूएंस ऑफ एडिपोसाइट-लाइक सबपॉपुलेशन ट्रांसडिफरेंशिएटेड फ्रॉम ब्रेस्ट कैंसर सेल्स इन ट्यूमरजेनिक एक्टिविटी एंड इट्स थेरेप्यूटिक पोटेंशियल" विषय पर एक परियोजना के लिए 12 लाख से अधिक की मंजूरी दी। मुख्य सह-अन्वेषक – प्रो. चंडी सी मंडल।
2. "कॉन्जगेटेड एप्रोच फॉर मोर इफेक्टिव सीयू एंड आरयू मेटल बेस्ड मोलेक्युलर एजेंट्स विथ एन्हांस्ड एंटी-कैंसर पोटेंशियल एंड रिड्यूस्ड साइड-इफेक्ट्स" पर एक परियोजना को डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 38 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसके प्रमुख सह-अन्वेषक प्रो. चंडी सी मंडल थे।
3. डॉ. किरण कुमार तेजावथ को डीएसटी-एसईआरबी से रुपये 30 लाख की एक परियोजना प्राप्त हुई, जिसका शीर्षक है "स्टडीज़ ऑन इन्हिबिशन ऑफ़ एसएचपी2/पीटीपीएन11 पैथवे टू ओवरकम चेमो-रेजिस्टेंस इन पीडीएसी यूज़िंग टार्गेटेड कॉम्बिनेशन थेरेपी"।
4. डीएडी ने प्रो. संजीब कुमार पांडा के मार्गदर्शन में "फंक्शनल जेनोमिक्स एंड जेनोम एडिटिंग फॉर आयरन बायोफोर्टिफिकेशन इन पिजन पी" शीर्षक से परियोजना को मंजूरी दी। यह परियोजना रूपये 8.8 लाख की है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. जय कांत यादव

जुलाई 2011 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग अस्तित्व में आया। जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से विभाग के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था। इसके अगले शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में, एक पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया गया और उसके पश्चात् शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में एक एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। विभाग के पास पीएच.डी., एम.एससी. और एकीकृत एम.एससी. विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग में कुल नौ + दो उच्च योग्य और उत्साही संकाय सदस्य पहले से ही

कार्यरत हैं। अपने वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे और विद्वान संकाय के निरंतर विकास और विस्तार के साथ, यह विभाग निकट भविष्य में विश्वविद्यालय और राष्ट्र के चमकदार स्तंभों में से एक बनने का लक्ष्य रखता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. जैव प्रौद्योगिकी में पीएच.डी.
2. जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी. (2 वर्षीय कार्यक्रम)
3. जैव प्रौद्योगिकी में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय कार्यक्रम)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. गजानन बी. ज़ोरे	आचार्य	फंगल बायोलॉजी एंड प्लांट जेनेटिक इंजीनियरिंग
डॉ. पंकज गोयल	सह आचार्य	मॉलेक्युलर मेडिसिन एंड प्रेगनेंसी डिसऑर्डर्स
डॉ. जय कांत यादव	सह आचार्य	प्रोटीन फोल्डिंग एंड एग्रीगेशन
डॉ. जन्मेजय पांडे	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल जेनोमिक्स एंड मेटाजेनोमिक्स
डॉ. तरूण के. भट्ट	सहायक आचार्य	मॉलेक्युलर पैरासिटोलॉजी
डॉ. सुमन तपरयाल	सहायक आचार्य	एंटीबॉडी इंजीनियरिंग एंड वैक्सीन डेवेलपमेंट
डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ल	सहायक आचार्य	इंसेक्ट जेनेटिक्स एंड मॉलेक्युलर बायोलॉजी
डॉ. खेम राज मीना	सहायक आचार्य	लिपोपेप्टाइड्स बायोसर्फैक्टेंट्स एंड देअर एप्लीकेशन्स
डॉ. गजेन्द्र सिंह	सहायक आचार्य	यूबिक्विटिन बायोलॉजी एंड प्रोटीन बायफिजिक्स
डॉ. सुरेंद्र निमेश	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	नैनोटेक्नोलॉजी बेस्ड ड्रग एंड जीन डिलीवरी
डॉ. विवेक वर्मा	रामलिंगास्वामी फेलो	प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्राप्त बाह्य निधि:

1. विभाग को एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के समर्थन के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से कुल रुपये 180 लाख का डीबीटी पीजी शिक्षण अनुदान प्राप्त हुआ।
2. विभाग को लेवल 1 कार्यक्रम में अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से कुल रूपये 200 लाख का डीएसटी एफआईएसटी अनुदान प्राप्त हुआ।

3. विभाग को उन्नत अनुसंधान और शिक्षा के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से रूपये 476 लाख का डीबीटी बिल्डर अनुदान प्राप्त हुआ।

4. भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीएसटी-एसईआरबी आदि द्वारा स्वीकृत रुपये 2242.18 लाख की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

2023-24 के दौरान उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

• ममेलियन ट्रांसफेक्शन सिस्टम	• फर्मेंटर
• बैक्टीरियल ट्रांसफेक्शन सिस्टम	• ऑटोक्लेव
• स्टीरियोज़ूमिक माइक्रोस्कोप	• सेंट्रीफ्यूजेस
• लिक्विड एन2 स्टोरेज कंटेनर	• फ्लो साइटोमीटर
• पीसीआर	• लायोफिलाइज़र
• यूवीविश स्पेक्ट्रोफोटोमीटर-	• एनालिटिकल बैलेंस
• रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूज	• कंप्यूटर वर्कस्टेशन्स
• ग्रीन हाउस	• कूलिंग इन्क्यूबेटर
• शेकिंग वाटरबैथ	• ट्रांस ब्लॉट
• रोटरी एवेपोरेटर	• डीप फ्रीज़र
• इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम	• थर्मो शाकर
• फ्लोरेसेंट माइक्रोस्कोप	• कोल्ड कैबिनेट
• इन्क्यूबेटर शेकर्स	• नैनोड्रॉप
• मल्टीगैस इन्क्यूबेटर	• लैमिनार एयर फ्लो
• सोनिकेटर	• फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
• बायोसैफ्टी कैबिनेट	• जेल डोक सिस्टम

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. इंशाद अली खान

जीव विज्ञान स्कूल के तहत सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग जुलाई 2012 में अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना के बाद से विभाग ने मौलिक और व्यावहारिक सूक्ष्म जीव विज्ञान में शिक्षण के मुख्य उद्देश्य प्राप्त करने एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने तथा शिक्षा जगत / अनुसंधान और उद्योगों के लिए सूक्ष्म जीव वैज्ञानिकों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। विभाग में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय / शोध संगठन के समतुल्य गुणवत्तापूर्ण शोध किया जाता है तथा राजस्थान में संपन्न समुदाय की सूक्ष्म जैव विविधता की भागीदारी विकसित की जाती है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- सूक्ष्म जीव विज्ञान में पीएचडी.
- सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एस.सी.
- सूक्ष्म जीव विज्ञान में एकीकृत एम.एससी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. इंशाद अली खान	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	क्लिनिकल माइक्रोबियालजी फोकसिंग ऑन द आइडेंटिफिकेशन ऑफ न्यू टार्गेट्स/ न्यू कॉपाउंड्स/ न्यू टारगेट बेस्ड एसेसेस अगेन्स्ट माइकोबैकेरियम टबर्क्युलोसिस एंड बॅक्टीरियल एफ्लक्स पंप इन्हिबिशन
डॉ. प्रदीप वर्मा	आचार्य	फरमेंटेशन एंड बॉयोप्रोसेस टेक्नालजी, बायोफ्युल्स
डॉ. पवन कुमार दाधीच	आचार्य	माइक्रोबॉयल डाइवर्सिटी एंड फायलोजेनेटिक्स, मेटाजेनोमिक्स, साइनोबैक्टिरियल बॉयोप्रोस्पेक्टिंग, साइनोटोनिक्स

डॉ. अरविंद प्रताप सिंह*	सहायक आचार्य	एंटीमाइक्रोबायल रेज़िस्टेन्स इन नॉन-क्लिनिकल सेट्टिंग्स, एनीमल माइक्रोबॉयोम
डॉ. अखिल अग्रवाल	सहायक आचार्य	पेट्रोलियम माइक्रोबायोलॉजी, मेटाजीनोमिक्स, साइनोबैक्टीरियल बायोटेक्नोलॉजी
डॉ. निधि पारीक	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल प्रोटेनोमिक्स, मरीन बॉयोप्रोस्पेक्टिंग, बॉयोप्रोसेस डेवेलपमेंट
डॉ. चन्द्रशेखर गहन*	सहायक आचार्य	बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड बायोहाइड्रोमेटेलर्जिकल इंजीनियरिंग-
डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ इन्फेक्शस डिसीसेस ,होस्टपैथोजन - इंटरेक्शन्स
डॉ. सागर एस. बराले#	सहायक आचार्य	इन्फेक्शस डिजीज ,एंटीमाइक्रोबॉयल पेप्टिड्स एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस , एंड स्ट्रक्चरल बायोइन्फरमेटिक्स
डॉ. एल. पैखोम्बा सिंघा ##	सहायक आचार्य	एग्रीकल्चर एंड एनवायर्नमेंटल माइक्रोबायोलॉजी
*25 मई, 2023 को कार्यमुक्त। # 06.04.2023 को सहायक आचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया। #15.05.2023 को सहायक आचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया।		

शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्राप्त बाह्य निधि:

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर 1 श्रेणी) कार्यक्रम के तहत पांच साल (2016-2021) की अवधि के लिए 45 लाख रुपये स्वीकृत किए।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (एसईआरबी) ने प्रो. इंशाद अली खान और डॉ. दीक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में "संक्रामक रोगों, चिकित्सा और निदान के लिए राजस्थान जैव-क्लस्टर के तहत सीयूराज में एबीएसएल-3 सुविधा का निर्माण" नामक परियोजना के लिए 09.60 करोड़ रुपये स्वीकृत किए।
- विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीएसटी-एसईआरबी द्वारा स्वीकृत 74.9 लाख रुपये की विभिन्न बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

उपकरणों का क्रय /सुविधाएं

• कंपाउंड माइक्रोस्कोप	• युवीविज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर-
• थर्मल साइक्लर पीसीआर	• रोटा इवेपोरेटर

• रेफ्रिजरेटेड सेंटिफ्यज	• जैव सरक्षा कैबिनेट
• शेकिंग वॉटर बाथ	• सेंटीफ्यजेस
• इलैक्टोफोरेसिस सिस्टम	• लेमिनार एयर फ्लो
• इनक्यबेटर शेकर	• थर्मो शेकर
• आटोक्लेव	• डीप फ्रीज़र (-80 0 C & -20 0 C)
• एनालाइटिकल बैलेंस	• CO2इनक्यबेटर
• कलिंग इनक्यबेटर	• आरटी-पीसीआर (एलसी-96)
• एफपीएलसी	• डिस्टिलेशन यनिट
• इन्वर्टेड माइक्रोस्कोप	

केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा

1. अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कोल्टर)
2. फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफपीएलसी) सिस्टम (जीई हेल्थकेयर)
3. फोटोऑटोट्रॉफ़िक कल्चर प्रयोगशाला

डीएसटी(सी)2016/676-एलएसआई/एफएसटी/एसआर– अनुदान संख्या) एफआईएसटी प्रायोजित उपकरण सुविधा-

1. जेल डॉक टीएम एक्सआर सिस्टम (बायो-रेड)
2. थर्मो साइक्लर पीसीआर सी1000 (बायो-रेड)
3. डिस्टिलेशन यूनिट (मर्क)
4. यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (शिमादज़ू)
5. हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कोल्टर)
6. इनक्यूबेटर शेकर (लैब टेक)
7. जैव सूचना विज्ञान प्रयोगशाला

आमंत्रित/अतिथि व्याख्यान

1. डॉ. सुमित गांधी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू ने 3 फरवरी 2023 को "अंडरस्टैंडिंग द सेकेंडरी मेटबॉलिज़म इन मेडिसिनल प्लॅट्स " विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. डॉ. धीरज राठौड़, सहायक आचार्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 6 अक्टूबर, 2023 को "पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन और जैव विविधता" विषय पर व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/उपलब्धियां

1. प्रो. प्रदीप वर्मा को क्योटो विश्वविद्यालय, जापान 2024 से "फंगल माइक्रोबायोलॉजी" के क्षेत्र में "जेएसपीएस ब्रिज फेलोशिप" मिली।
2. प्रो. पवन के. दाधीच, आचार्य, को प्लांट रिसर्च सोसायटी, भारत, 2023 से “माइक्रोबॉयल डाइवर्सिटी एंड फाइलोजेनेटिक्स, एक्सट्रीमोफिलिक साइनोबैक्टीरिया, साइनोटॉक्सिन्स साइनोबैक्टिरियल बॉयोप्रोसेसिंग” के क्षेत्र में प्रोफेसर वायएसआरके सरमा मेमोरियल अवार्ड मिला।

3. डॉ. दीक्षा त्रिपाठी, सहायक आचार्य, को एसईआरबी-एसआईआरई-2022 द्वारा सूयीएल, लंदन में छह महीने (27/9/2023 से 7/3/2024 तक का दौरा) की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया।

छात्र पुरस्कार/उपलब्धियां

1. सुश्री सोनल शर्मा (2020IMSMB026) का आईआईएसईआर भोपाल में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में चयन।
2. सुश्री बथुला अहर्निशा (2020IMSMB005) का जैव सूचना विज्ञान केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में जैव सूचना विज्ञान में चयन।
3. श्री क्षितिज मीना (2020IMSMB014) का आईआईटी बॉम्बे में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी में चयन।
4. श्री दुर्गम थारुण (2020IMSMB007) का गोवा विश्वविद्यालय में एम.एससी. समुद्री जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में चयन।
5. श्री सुभा बिस्वास (2018IMSMB015) ने जीव विज्ञान में NET-LS2023 उत्तीर्ण किया।
6. श्री शिव प्रसाद चारण (2018IMSMB026) अजमेर में डाक सहायक के पद पर वेतन पैकेज रु. 27000/- पर चयनित।
7. सुश्री दीक्षा कुमारी (2022PHDMB003) को भारत सरकार और बीसीकेआईसी से बायर-मेधा छात्रवृत्ति-40,000/- के लिए चुना गया।

गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. डी. सी. शर्मा

स्कूल बहु-विषयक और अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हुए, लागू अग्रणी क्षेत्रों में युवा छात्रों को भविष्य के शोधकर्ताओं के रूप में संवेदनशील और प्रशिक्षित करने का प्रयास करता है। स्कूल आईसीटी और संबंधित उद्योगों और अनुसंधान संगठनों के अनुसंधान और विकास के लिए भी छात्रों को प्रशिक्षित करता है। स्कूल का गणित विभाग उच्च और प्लस टू दोनों स्तरों के लिए गणित के शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक कार्यक्रम चला रहा है। स्थानीय और वैश्विक जरूरतों के लिए इस स्कूल के विभागों द्वारा विभिन्न अभिनव कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

विभाग
• **कंप्यूटर विज्ञान विभाग** • **डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग** • **गणित विभाग** • **सांख्यिकी विभाग**

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. पवन सिंह

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधुनिक विज्ञान और अभियांत्रिकी संकायों में अध्ययन का एक आकर्षक क्षेत्र है। इसके दो उद्देश्य हैं: बुद्धिमत्ता को समझने के लिए एक सिद्धांत विकसित करना और मानव-समान व्यवहार प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रमों का निर्माण करना। 1956 में अपनी स्थापना के बाद से, इस क्षेत्र का दुनिया भर में कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी कार्यक्रमों के मुख्य तत्व के रूप में अध्ययन किया गया है। यह कल्पना की गई है कि एआई 21वीं सदी के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बना रहेगा। एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को एआई के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं में छात्रों की भावी पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह स्नातकोत्तर स्तर पर एक कठिन अध्ययन कार्यक्रम होगा जो सभी प्रासंगिक क्षेत्रों की गहराई और चौड़ाई दोनों को कवर करेगा और पर्याप्त अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य ऐसे स्नातक तैयार करना है जो क्षेत्र में अग्रणी होंगे और एआई उद्योग, अनुसंधान और शैक्षणिक संगठनों की जरूरतों को पूरा करेंगे। एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) दो साल की अवधि का एक स्नातकोत्तर चार-सेमेस्टर पाठ्यक्रम है, जो वर्ष 2010-2011 में शुरू हुआ था। इसके बाद, विभाग ने वर्ष 2013-14 में एकीकृत एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान, वर्ष 2017-18 में साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और वर्ष 2012-13 में कंप्यूटर विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. पीएच.डी.
2. एम. टेक. (सीपीएस)
3. एम.एससी. (2 वर्षीय कार्यक्रम)
4. एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय कार्यक्रम)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. ममता रानी	आचार्य	फ्रैक्टल ग्राफिक्स एंड केओस, स्वार्म इंटेलिजेंस, एवोल्यूशनरी एल्गोरिदम्स, केओटिक क्रिप्टोग्राफी, वैदिक साइंसेज़
डॉ. पवन सिंह	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	वेहिकुलर एड-हॉक नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, आईओटी, डीप लर्निंग
डॉ. गौरव मीना	सहायक आचार्य	मशीन लर्निंग, इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी
श्री रविराज चौधरी	सहायक आचार्य	मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, एल्गोरिदम्स
डॉ. कृष्णा के. मोहबे	सहायक आचार्य	डेटा माइनिंग, मोबाइल ई-कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, न्यूरल नेटवर्क्स, डेटा माइनिंग
डॉ. अभय कुमार राय	सहायक आचार्य	एल्गोरिदम डिज़ाइन, कंप्यूटर नेटवर्क्स, ऑपरेटिंग सिस्टम्स, सोशल नेटवर्क एनालिसिस

परियोजना

• डॉ. अभय कुमार राय को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "डेवलपमेंट ऑफ ए कंप्यूटेशनल फ्रेमवर्क टू आइडेंटिफाई द की एक्टर्स इन क्लैंडेस्टाइन नेटवर्क्स" शीर्षक पर अनुसंधान परियोजना आईसीएसएसआर/आरपीडी/एमएन/2023-24/जी/124 प्राप्त हुई।

आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. विद्योत्तमा जैन

आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने और उन्हें उद्यमियों और उत्पाद डेवलपर्स के रूप में विकसित करने के मुख्य उद्देश्य के साथ गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान स्कूल के तहत आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ साझेदारी में 2018 में प्रारम्भ हुआ। यह विभाग एम.एससी. (सीएस) बिग डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस और एनालिटिक्स में एक पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। विद्यार्थियों को व्यापक शिक्षा प्रदान करने और व्यापक प्रभाव वाले अनुसंधान करने के लिए विभाग के पास कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी और गणित में मजबूत पृष्ठभूमि वाले संकाय सदस्यों का एक विविध समूह है। 2018-21 से, 131 से अधिक छात्रों ने स्नातक कार्यक्रम पूर्ण किया, और उनमें से 80% से अधिक को कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार प्राप्त हुआ।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बिग डेटा एनालिटिक्स में एम.एससी. (सीएस) (2 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. विद्योत्तमा जैन	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	स्टोकास्टिक मॉडेलिंग, मशीन लर्निंग, वायरलेस नेटवर्क्स
डॉ. निष्ठा केसवानी	सह आचार्य	इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी), मशीन लर्निंग, वायरलेस नेटवर्क्स
डॉ. प्रीतपाल सिंह	सहायक आचार्य	एम्बिग्यूअस सेट थियरी, क्वांटम ऑप्टिमाइज़ेशन एल्गोरिदम, टाइम-सीरीज़ प्रेडिक्शन
डॉ. भावना सैनी	सहायक आचार्य	डेटा माइनिंग, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, डीप लर्निंग, क्लाउड सिक्योरिटी
डॉ. सुबोध कुमार	सहायक आचार्य	डाटा-हाइडिंग, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, एक्सप्लेनेबल एआई, मेटा-ह्यूरिस्टिक एल्गोरिदम्स, यूज ऑफ एआई इन मेडिकल डोमेन

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन

- 3 मई, 2024 को "वुमेन इन डेटा साइंस" कम्यूनिटी के सहयोग से एक दिवसीय डेटाथॉन-2024 का आयोजन किया गया।

गणित विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. डी.सी. शर्मा

विश्वविद्यालय की स्थापना के पहले वर्ष 2009 में ही गणित विभाग की स्थापना की गई थी। विभाग का उद्देश्य शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित के लिए उच्च गणित शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को तैयार करना तथा उद्योगों एवं अनुसंधान संगठनों से संबंधित अनुसंधान एवं विकास के लिए आवश्यक प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- गणित में पीएच.डी.
- गणित में एम.एससी. (2 वर्षीय)
- गणित में एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अंक (3 वर्षीय)
- गणित में एकीकृत एम.एससी (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र

प्रो. डी.सी. शर्मा	आचार्य	ऑपरेशन्स रिसर्च, मैथमेटिकल प्रोग्रामिंग, एंड मशीनिंग सिस्टम
प्रो. जुगल के. प्रजापत	आचार्य	काम्प्लेक्स एनालिसिस, जियोमेट्रिक फंक्शन थ्योरी, प्लानर हार्मोनिक मैप्पिंग्स, फ्रैक्शनल कैलकुलस
डॉ. आनंद कुमार	सह आचार्य	फ्लूइड डायनामिक्स, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक्स, बाउंड्री लेयर थ्योरी
डॉ. विद्योत्तमा जैन	सहायक आचार्य	फ़ज़ी ऑप्टिमाइज़ेशन, ऑपरेशन्स रिसर्च, परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स
डॉ. राम किशोर	सहायक आचार्य	सेलेस्टियल मैकेनिक्स, डायनमिकल सिस्टम्स, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स एंड चाओस, मिशन डिज़ाइन
डॉ. जे.पी. त्रिपाठी	सहायक आचार्य	मैथमेटिकल इकोलॉजी, एपिडेमियोलॉजी, नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, डायनैमिकल सिस्टम्स
डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	फ़ज़ी सेट थ्योरी, फ़ज़ी टोपोलॉजी, फ़ज़ी ऑटोमेटा थ्योरी, केटेगरी थ्योरी
डॉ. विपुल कक्कड़	सहायक आचार्य	ग्रुप थ्योरी
डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	कम्प्यूटेशनल, मेथड्स फॉर हाइपरबोलिक पार्शियल डिफरेंशियल एक्वेशन्स
डॉ. कमलेश जांगिड़	सहायक आचार्य	फ्रैक्चर मैकेनिक्स, स्मार्ट मटेरियल, पीजो-इलेक्ट्रिक मटेरियल, मैग्नेटी-इलेक्ट्रो-इलास्टिक मटेरियल, स्ट्रेन-ग्रेडिएंट थ्योरी
सुश्री अलका चौधरी	सहायक आचार्य (संकाय अतिथि, 24/11/2022 से 26/05/2023 तक)	ऑपरेशन्स रिसर्च, मैथमेटिकल प्रोग्रामिंग, एंड मशीनिंग सिस्टम

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

06-08 जनवरी, 2023 के दौरान सेलेस्टियल मैकेनिक्स एंड डायनैमिकल एस्ट्रोनॉमी (आईडब्ल्यूसीएमडीए-2023) पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बाह्य वित्त पोषण प्राप्त

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे यूजीसी, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा 2.20 लाख रुपये की विभिन्न बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

पुरस्कार/उपलब्धियां

1. डॉ. राम किशोर अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईयूए), पेरिस, फ्रांस के एक व्यक्तिगत सदस्य हैं।
2. डॉ. राम किशोर, विजिटिंग एसोसिएटशिप प्रोग्राम के तहत 01.08.2022 से 31.07.2025 तक आईयूसीसीए, पुणे (महाराष्ट्र), भारत के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चुने गए।

पाठ्येतर गतिविधियां

5 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस 2021 मनाया गया।

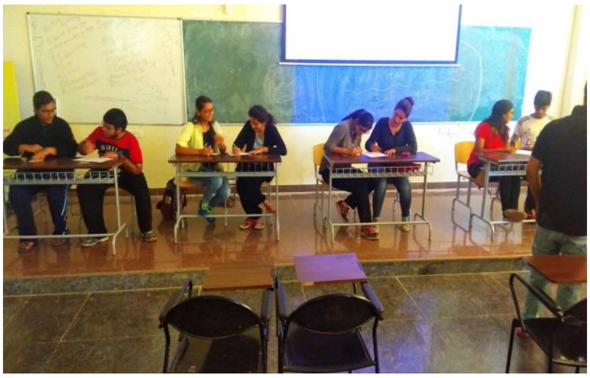

सांख्यिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. दीपेश भाटी

सांख्यिकी विभाग, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के तुरंत बाद गणित विभाग के साथ शुरू किए गए पहले दो विभागों में से एक है। विभाग का प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और सांख्यिकी के क्षेत्र में सैद्धांतिक, कम्प्यूटेशनल और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है। यह छात्रों को शिक्षा जगत, सरकारी क्षेत्रों, निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संगठनों आदि में कैरियर बनाने के लिए सशक्त बनाता है। विभाग सक्रिय रूप से शिक्षण और शोध में सम्मिलित है तथा विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम कर रहा है, जैसे एक्चुरियल साइंस, बयेसियन सांख्यिकी, वितरण सिद्धांत, चरम मूल्य सिद्धांत, अनुमान, नमूनाकरण सिद्धांत, सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण, उत्तरजीविता विश्लेषण, समय श्रृंखला विश्लेषण, बिग डेटा, परिचालन अनुसंधान और गैर-पैरामीट्रिक अनुमान आदि। इसके अलावा, विभाग अपने पूर्व छात्रों के लिए उत्कृष्ट रोजगार का अवसर प्रदान करता है, जिसमें आईएसएस, यूपीएससी, आरबीआई, आरपीएससी, यूपीएसएसएससी जैसे सरकारी संगठनों और स्विस रे, एड्जवाइज टोक्यो, केपीएमजी, श्री राम फाइनेंस, डब्ल्यूएनएस कंसल्टेंसी, द रेन मैन कंसल्टेंसी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, एओएन हेविट एक्चुरियल कंसल्टेंसी, नेल्सन प्राइवेट लिमिटेड आदि जैसे प्रतिष्ठित निजी संगठनों में पद शामिल हैं। संकाय सदस्य यूजीसी, सीएसआईआर और एमओएसपीआई जैसे संगठनों के साथ मिलकर अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- एम.एससी. सांख्यिकी (2 वर्ष)
- एकीकृत एम.एससी. सांख्यिकी (5 वर्ष)
- पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. जितेन्द्र कुमार	आचार्य	टाइम सीरीज, पालिसी प्रोसेस रीइंजीनियरिंग, बिग डाटा
डॉ. अरविंद पांडे	आचार्य	सर्वाइवल एनालिसिस, कम्प्यूटेशनल स्टेटिस्टिक्स, स्टैटिस्टिकल इनफरेंस
डॉ. दीपेश भाटी	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	एक्सट्रीम वैल्यू थ्योरी, एक्चुरियल स्टेटिस्टिक्स, स्टैटिस्टिकल इनफरेंस
डॉ. संजय कुमार	प्रमुख	सैंपलिंग थ्योरी, मल्टीवेरिएट एनालिसिस, स्टेटिस्टिक्स इनफरेंस
डॉ. सतीश कुमार कलापला	सहायक आचार्य	ऑपरेशन रिसर्च एंड स्टोकेस्टिक प्रोसेस
डॉ. महेश बराले	सहायक आचार्य	स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल, नॉन पैरामीट्रिक इनफरेंस, मल्टीवेरिएट एनालिसिस
डॉ. सौरभ कुमार	सहायक आचार्य	टाइम सीरीज एनालिसिस, बैसिअन इनफरेंस

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

- स्वर्गीय प्रो. वी.के. श्रीवास्तव की जयंती पर 12 सितंबर, 2023 को एक दिवसीय एलुमनाई व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

भौतिक विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

विभाग
• भौतिकी विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की स्थापना शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में 2 वर्षीय एम.एससी. भौतिकी कार्यक्रम प्रदान करने के लिए की गई थी। विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण के आदर्श वाक्य के साथ भौतिकी के मूल क्षेत्र में सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं का पालन करता है विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप / परियोजनाओं और दो सेमेस्टर-लंबी शोध लघु और प्रमुख परियोजनाओं के माध्यम से नवीनतम शोध से परिचित कराता है।

भौतिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी। विभाग तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: दो वर्षीय एम.एससी., तीन वर्षीय एकीकृत एम.एससी. बी.एड. और 4 वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स / ऑनर्स विथ रिसर्च) प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2014 से एक पी-एचडी कार्यक्रम भी शुरू किया गया था। विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही प्रकार के विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों विषयों में व्यापक शिक्षा के माध्यम से गहरी अंतर्दृष्टि और रचनात्मकता का अनुभव करने की क्षमता प्राप्त होती है। भौतिक विभाग में सक्षम संकाय सदस्यों की एक उत्कृष्ट टीम है जो अगली पीढ़ी के भौतिकविदों के करियर के विकास हेतु अत्याधुनिक अनुसंधान और शिक्षण में संलग्न हैं। मुख्य अनुसंधान क्षेत्र संघनित पदार्थ भौतिकी, कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी, लेजर और प्रकाशिकी, सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी, अर्धचालक भौतिकी और गैर-रेखीय गतिशीलता है। विभाग ने उत्कृष्ट स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट विद्यार्थियों को तैयार करके बड़ी सफलता हासिल की है, जो BARC, PRL, DRDO, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों जैसे विश्व स्तरीय संस्थानों में कार्यरत हैं और NET-JRF, GATE, IIT-JAM और JEST जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएँ भी उत्तीर्ण की हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. पीएच.डी.
2. एम.एससी. (2 वर्ष)
3. एम.एससी. बी.एड. (एकीकृत) (3 वर्ष)
4. बी.एस.सी. (ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च) (4 वर्ष)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	नॉनलीनियर डायनामिक्स एंड चाओस
प्रो. अजीत कुमार पात्रा	आचार्य	मैग्नेटिस्म एंड स्पिन-डिपेंडेंट ट्रांसपोर्ट इन नैनोस्केल स्ट्रक्चर्स
डॉ. नीरज पंवार	सहायक आचार्य	मल्टीफेरोइक्स एंड लीड-फ्री पेज़ोइलेक्ट्रिक्स, एक्सचेंज-बायस,

		मैग्नेटाइज़ेशन रिवर्सल
डॉ. सुखमंदर सिंह	सहायक आचार्य	प्लाज्मा वेव्स, इनस्टेबिलिटीज़, एंड इलेक्ट्रिक प्रॉप्यूल्शन्स
डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	सुपर-ऑसिलेशन, लेजर बीम शेपिंग, ऑप्टिकल ट्वीजर
डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	कोरिलेटेड क्वांटम मैनी-बॉडी सिस्टम्स, टोपोलॉजिकल फेजेस
डॉ. युगंधर बिटला	सहायक आचार्य	एक्सपेरिमेंटल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स
डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी	सहायक आचार्य	थ्योरेटिकल हाई एनर्जी फिजिक्स, मैथमेटिकल फिजिक्स
डॉ. कुलदीप सुथार	सहायक आचार्य	स्ट्रॉन्ली कोरेलटेड क्वांटम मैनी-बॉडी सिस्टम्स, अल्ट्राकोल्ड एटोम्स
डॉ. राजेंद्र चरनदेओ पवार	सहायक आचार्य	एनर्जी मैटेरियल्स, सेमीकंडक्टर फिजिक्स
डॉ. संदीप कुमार	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	एक्सपेरिमेंटल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स

प्राप्त बाह्य निधि:

- भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-एसईआरबी, यूजीसी, स्पार्क आदि द्वारा स्वीकृत 77.35 लाख रुपये की विभिन्न बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं विभाग में चल रही हैं।

उपकरणों का क्रय/उपलब्ध सुविधाएं :-

विभागीय प्रयोगशाला सुविधाएं

1. **एकीकृत प्रयोगशाला I और II:-** फ्लाईव्हील, बार पेंडुलम, कैटर पेंडुलम, स्प्रिंग कांस्टेंट, प्लैंक कांस्टेंट, स्टोक्स, टॉर्सनल पेंडुलम, वोल्टेज रेग्यूलेटर, वेरिफिकेशन ऑफ ट्रुथ टेबल्स ऑफ़ लॉजिक गेट्स थ्रू आईसी 7400 एंड 7402, हाफ एडर, द वैल्यू ऑफ जी बाय डिजिटल टाइमिंग टैकनीक, मैक्सवेल नीडल, कोइफीशिएंट ऑफ ए फ्रिक्शन-इंक्लिंड प्लेन, ई/एम बाय थॉमसन मैथड, स्टीफन कांस्टेंट, टैन्जेंट गैल्वेनोमीटर, ली डिस्क, पी-एन जंक्शन डायोड, एलसीआर एपेराटस, डी-सौटी ब्रिज, एंडरसन ब्रिज, रेक्टिफायर, फैराडे लॉ एपरेटस, सेक्सटैंट, बीसीडी डिकोडर एंड एनकोडर, चार्जिंग एंड डिस्चार्जिंग ऑफ कैपेसिटर, केरी-फोस्टर ब्रिज, ट्रांजिस्टर इनपुट-आउटपुट कॅरेक्टरिस्टिक्स, प्लैंक कांस्टेंट यूसिंग एलईडी ऑफ 4 डिफरेंट कलर। उच्च प्रतिरोध और निम्न प्रतिरोध का मापन, बल्ब तापीय विश्रांति, थर्मोकपल ऑफ सिलिकॉन, फ्रैंक हर्ट्ज प्रयोग, डाइलेक्टरिक कॉन्स्टेंट ऑफ पॅरलेल केपॅसिटर, पॉइसन रेशियो ऑफ रबर, मेल्ड प्रयोग, प्लैटिनम रेरिस्टेंस थर्मोमीटर, थर्मो इएमएफ, यंग मॉड्यूलस बेंडिंग बीम डबल कॅनटाइलेवर सिस्टम, विसकॉसिटी ऑफ लिक्विड बाइ स्टोक्स मेथड, लिसाजूअस फिगर।
2. **ऑप्टिक्स लैब:** - न्यूटन रिंग, बेबिनेट कम्पेन्सेटर, स्पेक्ट्रोमीटर किट, ऑप्टिकल रोटेशन ऑफ आप्टिकली एक्टिव सबस्टेंस, माइकलसन इंटरफेरोमीटर, लेजर डिफ्रेक्शन, फैराडे रोटेशन आफ लाइट, फ्रेस्नेल बाइ-प्रिज्म, लाइट रनर
3. **इलेक्ट्रॉनिक्स लैब:** - ब्रेडबोर्ड पर फ्लिप-फ्लॉप की विशेषताओं और उत्तेजना तालिका का सत्यापन, माइक्रोकंट्रोलर 8051 एंड माइक्रोप्रोसेसर 8085, एडीसी, डीएसी, एप्लीकेशन्स ऑफ यूनिवर्सल गेट्स, काउंटर एंड रजिस्टर, मल्टीप्लेक्सर एंड डेमल्टीप्लेक्सर ऑन ए ब्रेडबोर्ड, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स आफ यूजेटी, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स एससीआर, टनल डायोड, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स, एफईटी, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स एमओएसएफईटी, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स डीआईएसी, वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स टीआरआईएसी, मल्टी-वाइब्रेटर ऑन ए ब्रेडबोर्ड, आईसी, एप्लीकेशन ऑफ आईसी-741
4. **भौतिकी प्रयोगशाला:** - बीएच कर्व, मिलिकन ऑयल ड्राप, क्यूरी वेइस लॉ, मेसरमेंट आफ द डाइलेक्टरिक कॉन्स्टेंट ऑफ ए

केपॅसिटर, हॉल इफैक्ट, सौलर सेल वी-आई कॅरेक्टरिस्टिक्स, क्विंके ट्यूब, ज़ीमन इफेक्ट, फोर प्रोब एक्सपेरिमेंट, इलेक्ट्रॉन डिफ्रेक्शन, टेबलटॉप एक्सआरडी, स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप।

अनुसंधान और केंद्रीय उपकरण सुविधाएं:

1. **सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला:** स्पिन कोटिंग यूनिट, हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन, सोनिकेटर, पीएच मेसरिंग इंस्ट्रूमेंट, वेहिंग बैलेंस, मैग्नेटिक स्टीरॉएड्स, फ्यूम हुड, वैक्यूम पंप, हाई-स्पीड सेंट्रीफ्यूज मशीन, थिन-फिल्म फिल्टरेशन असेंबली, वॉर्टेक्स, पीक्यूएमएस, टेम्परेचर-कंट्रोल्ड ओवन, टेबुलर फर्नेस, जुपिटर फर्नेस (1450 डिग्री सेल्सियस), कार्बोलाइट फर्नेस (1700 डिग्री सेल्सियस) एंड पैनालिटिकल एक्सआरडी मशीन, वैक्यूम मशीन (थर्मल एवॅपोरेशन एंड ए-बीम वेपोराइज़ेशन)

2. **लेजर, ऑप्टिक्स और प्लाज्मा लैब:** लाज़रस, वेक्टर बीम जनरेटिंग डिवाइस एंड ऑप्टिकल एलिमेंट्स, ऑप्टिकल डिटेक्टर्स, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटिक स्टीरर एंड रेफ्रेक्टोमीटर, गैस सेंसिंग यूनिट, डिप कोटिंग यूनिट। कंप्यूटिंग फैसेलिटीज आर एवेलिबल विथ मैटलैब एंड मैथमेटिका

3. **नॉनलाइनियर डायनेमिक्स एंड कॉम्प्लेक्स सिस्टम लैब:** डेल एंड टाइरोन वर्कस्टेशन, हाइ कंप्यूटिंग कंप्यूटर एल्विस म्यूटिसिम, मेट्रोनोम ए डबल-वेटेड पेंडुलम।

4. **कम्प्यूटेशनल कंडेंस्ड मैटर लैब:** टाइरोन एआई वर्कस्टेशन फार सिम्यूलेशन ऑफ कंडेंस्ड मैटर मॉडल सिस्टम फीचरिंग द फिनॉमिना: सुपरकंडक्टिविटी, फ्रस्ट्रेटेड मैग्नेटिज्म, टोपोलॉजिकल इंसुलेटर।

सम्मेलन/वेबिनार

1. 11 से 12 मार्च 2024 तक सामग्री विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2024 (आईएसएमएस-2024) का आयोजन।

2. 11-22 दिसंबर 2023 के दौरान विकसित भारत@2047 गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

पुरस्कार/उपलब्धियां/नियुक्तियाँ

1. जे.आर.एफ. उत्तीर्ण छात्र: प्रथम दाधीच (2022MSPH021), विकास गंवरिया (2022imsbph028), गौतम बुरदक (2019imsph012)
2. जुबैर मंसूरी (2021MSPH021) NET उत्तीर्ण।
3. गेट उत्तीर्ण छात्र: सुमित यादव (2022IMSBPH023), सुमित कोतवाल (2019IMSPH8), नितीश सोनी (2021IMSBPH013), कृष्ण कुमार गोदारा (2018IMSPH011), नविता (2021IMSBPH012), आशीष गुप्ता (2022MSPH003), आकांक्षा सिंघल (2021MSPH004), जुबैर मंसूरी (2021MSPH021), राहुल गर्ग (2019IMSPH024), अदिति अग्रवाल (2021IMSBPH001)
4. आईआईटी जैम उत्तीर्ण छात्र: सुमित कुमार (2021IMSPH021)
5. जे.ई.एस.टी उत्तीर्ण छात्र: प्रताप सिंह पुरोहित (2020आईएमएसपीएच022), शौर्य श्रीवास्तव (2021IMSPH017), गौरव सिंह चौहान (2018IMSPH007), सुमित कुमार (2021IMSPH021)
6. आई.आई.टी में एम.एस.सी कार्यक्रम में शामिल हुए छात्र: सुमित कुमार (2021IMSPH021)
7. आर.पी.एस.सी स्कूल व्याख्याता के रूप में शामिल हुए छात्र: पंकज चौधरी (2018IMSBPH016) हर्षवर्द्धन सिंह (2018IMSBPH002) अविरल खंडेलवाल (2018IMSBPH003)
8. ई.एम.आर.एस. पी.जी.टी के रूप में शामिल हुए छात्र: शिवम गर्ग (2020IMSBPH023)

सामाजिक विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. जगदीश जाधव

विभाग
• संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग • अर्थशास्त्र विभाग • लोक नीति, विधि और शासन विभाग • सामाजिक कार्य विभाग • सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग

सामाजिक विज्ञान स्कूल में पांच मुख्य नवीन शैक्षणिक विभाग हैं: लोक नीति, विधि और शासन विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक कार्य विभाग, मीडिया और संस्कृति अध्ययन विभाग और सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग। सभी विभागों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम को विषयों के नवीनतम शैक्षणिक रुझानों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और बेहतर बनाया गया है। देश के स्थापित विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्कूल के संकायों ने महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्य किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), डीएसटी, यूजीसी-एमआरपी और आईसीएसएसआर जैसी विभिन्न बाहरी एजेंसियों से स्कूल के बहुत प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों द्वारा 50 लाख से अधिक की परियोजना अनुदान प्राप्त किया गया है। शैक्षणिक वर्ष (2017-18) में दो नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे डिजिटल सोसाइटी पर दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम और स्कूल के अंतर्गत सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा। यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान और डिजिटल प्रौद्योगिकी, दोनों शैक्षणिक रुझानों को जोड़ने वाले विशेष अंतर-विषयक पाठ्यक्रम हैं।

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग ने जुलाई 2011 में समाजिक विज्ञान स्कूल के अंतर्गत अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की। इसकी स्थापना शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करके भारत में अंतर्विषयक मीडिया, सांस्कृतिक और संचार अध्ययन में खोज के नए क्षेत्रों का पता लगाने हेतु किया गया। छात्रों को मीडिया और संस्कृति के बीच अंतर-संबंध को समझने में सक्षम बनाने के लिए पाठ्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है जो व्यक्तियों और समुदायों को आकार देता है बदले में उनके द्वारा इसे आकार दिया जाता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न मीडिया प्रौद्योगिकियों, प्रथाओं और कथनों के परिचय के माध्यम से एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य और विश्लेषणात्मक दिमाग के साथ मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन की दुनिया में प्रवेश करने के लिए तैयार करना है। विभाग छात्रों को मीडिया प्रौद्योगिकियों को संभालने और पत्रकारिता कौशल और मूल्यों को विकसित करने के लिए तैयार करता है। एक अंतर्विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से, विभाग छात्रों के लिए अत्याधुनिक वृत्तचित्रों, फिल्मों, वीडियो, तस्वीरों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों का निर्माण हेतु नींव बनाता है। प्रमुख अतिथि शिक्षकों और पेशेवरों द्वारा इंटर्नशिप, औद्योगिक यात्राओं, सम्मेलनों, कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को मीडिया उद्योगों और संगठनों से परिचित कराया जाता है। वे मीडिया उपकरण और तकनीकों को संभालने में सक्षम हैं जो उन्हें मीडिया उद्योग, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों में एक स्थान सुरक्षित करने में मदद करेंगे। विभाग का लक्ष्य "एक सार्थक समाज के लिए संचार" है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. संस्कृति और मीडिया अध्ययन में पीएच.डी.
2. संस्कृति और मीडिया अध्ययन में एम.ए.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव	आचार्य	स्क्रिप्ट राइटिंग, जर्नलिज़्म, फिल्म स्टडीज़, डेवलपमेंट जर्नलिज़्म
डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	मीडिया स्टडीज़, कल्चरल स्टडीज़, जेंडर एंड सेक्शुएलिटीज
डॉ. निकोलस लाकड़ा	सहायक आचार्य	इंटरकल्चरल कम्युनिकेशन, जर्नलिज़्म, कंटेंट एनालिसिस, इंडिजिनस कल्चर
डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	जर्नलिज़्म, प्रिंट मीडिया, लेआउट एंड डिजाइनिंग, मीडिया स्टडीज़।
डॉ. अनूप कुमार	सहायक आचार्य	डिजिटल जर्नलिज़्म, सोशल मीडिया, मीडिया एंड इंफॉर्मेशन लिटरेसी, मिसडिसइंफॉर्मेशन स्टडीज़/, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, फोटोग्राफी, वीडियो प्रोडक्शन, क्वालिटेटिव रिसर्च।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रोफेसर मृणाल चटर्जी, आईआईएमसी, धेनकनाल, ओडिशा	एन इंटरएक्टिव सेशन ऑन डेवलपमेंट कम्युनिकेशंस एंड जर्नलिज़्म विद द स्टूडेंट्स ऑफ एमएएमसीएस।	23-01-2024 (11am-01pm)
प्रोफेसर मृणाल चटर्जी, आईआईएमसी, धेनकनाल, ओडिशा	एन इंटरएक्टिव सेशन ऑन 'रिसर्च मेथडोलॉजी' विद द पीएचडी स्कॉलर्स ऑफ द डिपार्टमेंट।	23-01-2024 (3-5pm)

सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी का आयोजन:

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- 16-17 अक्टूबर, 2023 को संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से मीडिया अध्ययन केंद्र (सीएमएस), नई दिल्ली द्वारा मीडिया छात्रों के लिए *लो कार्बन सस्टेनेबल डेवलपमेंट* पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। इसे ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग द्वारा समर्थित किया गया।
- विभाग द्वारा सामाजिक विज्ञान स्कूल के छात्रों के लिए 'विकसित भारत' विषय पर एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रस्तुत सभी तस्वीरों को 20 दिसंबर, 2023 को सीएमएस मीडिया लैब में डिजिटल रूप से प्रदर्शित और आंका गया।
- एमएसीएमएस (बैच 2022) के छात्रों द्वारा विज्ञान और स्वास्थ्य संचार (सीएमएस534) परियोजना के तहत केवी स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में बच्चों को पोस्टर और वीडियो दिखाकर स्वास्थ्य और स्वच्छता पर स्वास्थ्य संचार अभियान।

अर्थशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. हेमलता मंगलानी

अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2011 में की गई थी। विभाग अपने पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और मात्रात्मक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करता है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इसके अनुप्रयोग के प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांतों और उपकरणों से लैस करना और पर्यावरण अर्थशास्त्र के उभरते क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को सिद्धांतों और अनुप्रयोगों को समझने और जटिल पर्यावरणीय और आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए सक्षम बनाना है। विभाग यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि विद्यार्थी अर्थशास्त्र के सिद्धांतों, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और सिद्धांतों की गहरी समझ हासिल करें, जिससे आर्थिक घटनाओं का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और व्याख्या करने की उनकी क्षमता को बढ़ावा मिले। प्राथमिक शोध क्षेत्रों में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, सतत विकास लक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विकास और विकास अध्ययन, माइक्रोफाइनेंस, लिंग अध्ययन , उद्योग और वित्त शामिल हैं। इन फोकस क्षेत्रों का उद्देश्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और माइक्रोफाइनेंस गतिशीलता, लिंग मुद्दों और औद्योगिक और वित्तीय प्रणालियों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। विभाग के पास सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसने असाधारण स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट छात्रों को तैयार किया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पद हासिल किए हैं। हमारे पूर्व विद्यार्थी भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में, राजस्थान में सहायक सांख्यिकी अधिकारी, शैक्षणिक संस्थानों में सहायक प्रोफेसर, प्रमुख शोध संस्थानों में रिसर्च एसोसिएट और कॉर्पोरेट में सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, हमारे कई छात्रों ने NET-JRF GATE, JEST और CTET जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उतीर्ण किया है, जो उन्हें प्राप्त हो रही शिक्षा और प्रशिक्षण की उच्च क्षमता को दर्शाता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- अर्थशास्त्र में पीएच.डी.
- अर्थशास्त्र में एम.ए.
- अर्थशास्त्र में एकीकृत एम.एससी.
- एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) अर्थशास्त्र

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. हेमलता मंगलानी	सह आचार्य	सूक्ष्म अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विकास
डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	पर्यावरण अर्थशास्त्र, विकास अध्ययन
डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा	सहायक आचार्य	माइक्रो अर्थशास्त्र और वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र
डॉ. सुरेश कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	समष्टि अर्थशास्त्र, वित्त और अर्थमिति
डॉ. बबलू जाखड़	सहायक आचार्य (संविदा पर)	श्रम अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र और अर्थमिति
डॉ. शकुंतला यादव	सहायक आचार्य (संविदा पर)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सूक्ष्म अर्थशास्त्र

सुश्री अर्पिता मीना	सहायक आचार्य (संविदा पर)	वित्त, पर्यावरण अर्थशास्त्र

शैक्षणिक गतिविधियाँ

14 दिसंबर 2023 को वॉयस ऑफ यूथ @ विकसित भारत पर पैनल चर्चा

अर्थशास्त्र विभाग ने 14 दिसंबर, 2023 को "विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज़" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। यह कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे प्रारम्भ हुआ और शाम 7:15 बजे तक जारी रहा। पीएचडी शोधार्थी, स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम (सेमेस्टर IX, सेमेस्टर I, सेमेस्टर III और सेमेस्टर V) के 12 विद्यार्थी पैनलिस्टों के एक विविध समूह ने पैनल चर्चा में योगदान दिया। डॉ. हेमलता मंगलानी, डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोगा, डॉ. बबलू जाखड़ और डॉ. अर्पिता मीना सहित संकाय सदस्य भी पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए, जिससे बातचीत में गहनता आई। सेमेस्टर IX के विद्यार्थी श्री अभिनव भारद्वाज ने सत्र का संचालन किया।

पैनल में पर्यावरण स्थिरता और हरित विकास के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि और विकास से संबंधित प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। पैनल चर्चा के विषयो में विनिर्माण वृद्धि, कार्यबल भागीदारी, नवाचार, अनुसंधान और विकास, स्टार्ट-अप, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, बहुआयामी निर्धनता, आय असमानता और खुशी सूचकांक शामिल थे। तुलनात्मक चर्चा मुख्यतया भारत की आर्थिक स्थिति के बारे में जापान, जर्मनी, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों के सापेक्ष की गई, जिसमें 2047 तक भारत के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

2015 के बाद से भारत की प्रभावशाली प्रगति, विशेष रूप से वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII और कारोबार करने में आसानी) में, भविष्य की वृद्धि के लिए एक मजबूत आधार के रूप में उजागर की गई। पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि भारत की सबसे बड़े उपभोग केंद्र के रूप में स्थिति निवेशकों के लिए अपार अवसर प्रस्तुत करती है। बढ़ता हुआ उपभोग आर्थिक वृद्धि को प्रेरित करेगा, लेकिन यह आय स्तरों में वृद्धि पर निर्भर करता है। समष्टि आर्थिक असमानता को दूर करना निवेश, नवाचार, विनिर्माण वृद्धि और कुशल प्रतिभा को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण बताया गया, जो अंततः भारतीय रुपये को मजबूत करेगा और वैश्विक पूंजी प्रवाह को आकर्षित करेगा।

"आत्मनिर्भरता: आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए एक नया प्रतिमान" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता।

अर्थशास्त्र विभाग ने 22 सितंबर, 2023 को आर्थिक सोसायटी के स्थापना दिवस समारोह के रूप में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में अर्थशास्त्र विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के विभिन्न कार्यक्रमों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 15 छात्रों ने अपने विश्लेषणात्मक कौशल और वाद-विवाद कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिस्पर्धा की। उनमें से तीन छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

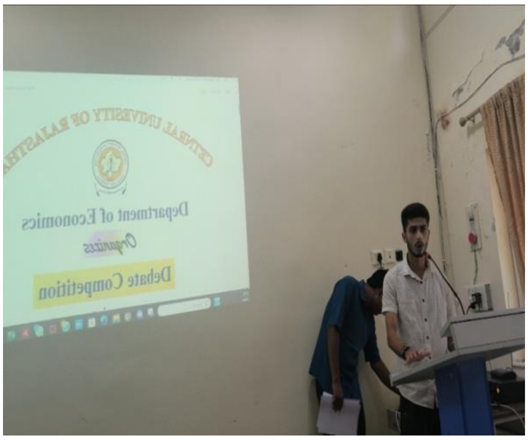

आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर चट्टोपाध्याय और आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मुरली प्रसाद के साथ संवाद

7 दिसंबर, 2023 को आईआईएम इंदौर के प्रो. चट्टोपाध्याय और आईआईटी कानपुर के प्रो. मुरली प्रसाद के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सामाजिक विज्ञान विभाग स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. जगदीश जाधव और

प्रो. एस.एन. अंबेडकर के साथ-साथ अन्य सम्मानित संकाय सदस्यों की उपस्थिति ने गौरवान्वित किया। कुल 50 छात्रों ने भाग लिया, प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ बातचीत की और चर्चा के माध्यम से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

27 अक्टूबर 2023 को सामुदायिक संपर्क गतिविधि

अर्थशास्त्र विभाग ने 27 अक्टूबर, 2023 को "स्वच्छता ही सेवा" मिशन के तहत सामुदायिक सेवा गतिविधि आयोजित की। इस कार्यक्रम में कुल 50 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 2019, 2020 और 2022 के अर्थशास्त्र बैच के विद्यार्थी सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। विभाग के पीएचडी शोधार्थी ने प्रत्येक समूह का समन्वय किया और स्वच्छता प्रयासों का पर्यवेक्षण किया।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

निम्नलिखित विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट/ जेआरएफ उत्तीर्ण किया:

नाम	नामांकन संख्या	कार्यक्रम	सेमेस्टर	रोल नंबर	यूजीसी नेट/जेआरएफ
श्री मनोबल कुमार	2021IMSBEC015	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	RJ11004881	नेट
सुश्री यशी शर्मा	2022IMSBEC020	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	IV	RJ06023450	नेट
श्री क्षितिज मीणा	2019IMSEC010	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	X	RJ01004109	नेट
श्री रविंद्र दान	2019IMSEC019	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	X	RJ01004211	नेट
श्री रामस्वरूप	2021IMSBEC002	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	XH24S33021109	गेट AIR190
श्री हर्ष पारीक	2020IMSBEC020	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	VIII	XH24S33028094	गेट AIR333
श्री रविंद्र दान	2019IMSEC019	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	X	XH24S33001119	गेट AIR295
श्री शरद कुमार	2020IMSBEC025	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	VIII	XH24S33001079	गेट AIR475
श्री अंसार हुसैन	2021IMSBEC004	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	XH24S33001139	गेट AIR1176

नाम	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	संगठन	संगठन और पदनाम
श्री मनोबल कुमार	2021IMSBEC015	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	पीएचडी स्कॉलर, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पिलानी
श्री रामस्वरूप	2021IMSBEC002	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	सहायक प्रोफेसर, राजकीय बालिका महाविद्यालय, सरदार शहर
श्री भागेश्वर भारती	2021IMSBEC008	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	पीजीटी, जवाहर नवोदय विद्यालय, लखनऊ
श्री खुशाल सिंह	2021IMSBEC012	एम.एससी. बी.एड. (इनोवेटिव) इकोनॉमिक्स	VI	सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF) परीक्षा उत्तीर्ण, ऑल इंडिया मेरिट-119

खेल जीव विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. प्रदीप वर्मा

विभाग

- **खेल जीव विज्ञान विभाग**
- **खेल जैव यांत्रिकी विभाग**
- **खेल मनोविज्ञान विभाग**

खेल विज्ञान स्कूल MYAS-CURAJ की स्थापना मई 2018 में युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS), भारत सरकार के सहयोग से की गई। खेल विज्ञान स्कूल ने वर्ष 2018 में तीन स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ शुरुआत की। खेल विज्ञान स्कूल में तीन अलग-अलग स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम हैं। सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रम विश्वविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की श्रेणी में हैं। स्कूल का उद्देश्य खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय शिक्षण और अनुसंधान करना है। स्कूल के स्नातकोत्तर कार्यक्रम छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं पर जोर देंगे जो छात्रों को इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीकों और सॉफ्टवेयर-आधारित सिमुलेशन दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तेज करने में मदद करेंगे।

खेल जैव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. निधि पारीक

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (MYAS) द्वारा समर्थित खेल विज्ञान स्कूल MYAS-CURAJ के अंतर्गत खेल जैव विज्ञान विभाग की शुरुआत की है। विभाग में तीन एम.एससी. कार्यक्रम है: एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, एम.एससी. खेल जैव रसायन तथा एम.एससी. खेल पोषण और खेल जैव विज्ञान विभाग के अंतर्गत पीएचडी कार्यक्रम। ये पाठ्यक्रम खेल जैव विज्ञान में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित जैविक वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं और सबसे विशेष रूप से जैव रासायनिक और पोषण विश्लेषण के साथ-साथ कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन पर जोर देते हैं। कार्यक्रम छात्रों को खेलों और खेलों के दौरान एथलीटों/खिलाड़ियों के साथ मैदान पर बातचीत करने और अपने व्यावहारिक परीक्षण करने की भी सुविधा प्रदान करेगा। यह छात्रों को खेल गतिविधियों और खेलों के सुधार की अंतर्निहित जटिलताओं को समझने के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीकों और सॉफ्टवेयर दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तीव्र करने में सहायक होगा। खेल जीव विज्ञान, शारीरिक गतिविधि और मानव जीव विज्ञान में रुचि रखने वालों को आकर्षित करते हुए, ये पाठ्यक्रम सिखाएंगे कि व्यक्तिगत स्तर पर सफलता सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों की क्षमता में सुधार लाने के लिए खेल प्रदर्शन को कैसे सुधारा जा सकता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- एम.एससी. खेल जैव रसायन
- एम. एससी. खेल पोषण
- एम. एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी
- पीएच.डी. खेल जीव विज्ञान

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. निधि पारीक	सह – आचार्य	एप्लाइड बॉयोकैटलाइसिस, बॉयोप्रोसेस इंजीनियरिंग, प्रोटिओमिक्स
डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	डेवलपमेंट ऑफ़ प्रेडिक्शन मॉडल्स फॉर कार्डियोवस्कुलर इवेंट्स, स्पोर्ट्स बायोकेमिस्ट्री, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, मॉडिफाइड एमआरएनए टेक्नोलॉजी, बॉयोमेडिकल साइंसेज, मेडिसिनल प्लांट्स एंड देयर ऍप्लिकेशन्स इन स्पोर्ट्स इंज्युरीज
डॉ. हेमंत नाइक बानावथ	सहायक आचार्य	कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ इंटर-ओर्गानेल कम्युनिकेशन, बायोइनरजेटिक्स इन एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, माइक्रो आरएनएस इन कैल्शियम होमियोस्टेसिस, मेटाबोलिज्म एंड कार्डियोवैस्कुलर पैथोलॉजी, इन-सिलिको ड्रग डिस्कवरी एंड कैरेक्टराइजेशन (इन-विट्रो) प्रोटिओमिक्स
डॉ. सुनील जी पुरोहित	सहायक आचार्य	बायोकैमिकल मॉनिटरिंग ऑफ़ स्पोर्ट्स ट्रेनिंग एंड रिकवरी स्टेटस ऑफ़ द एथेलेट्स. फिजिकल फिटनेस एंड स्पोर्ट्स ट्रेनिंग.
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	मेटाबोलिक सिंड्रोम: हाई ब्लड प्रेशर एंड एब्नार्मल कोलेस्ट्रॉल लेवल्स; डायबिटीज एंड इन्सुलिन रेजिस्टेंस; कार्डियोवैस्कुलर डिसीसेस; किडनी डैमेज एंड फाइब्रोसिस; नैनो-मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

उपकरण की खरीद उपलब्ध /सुविधा

प्रमुख उपकरण/यंत्र

- सेमि-आटोमेटिक बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर
- पोर्टेबल स्पिरोमेटर
- हॉट प्लेट विथ मैग्नेटिक स्टीररेर
- बेंच टॉप पीएच मीटर
- डीप फ्रीज़र - 40° सी
- लैब बेस्ड कंप्लीट न्यूरो इलैक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन
- डीप फ्रीज़र - 40° सी
- 6 पार्ट ऑटोमॅटिक हेमेटॉलाजी एनालाइज़र
- हॉरिज़ॉटल जैल एलेक्ट्रोफोरीसिस यूनिट विथ पावर पैक
- टेबल टॉप स्माल वॉल्यूम रेफ्रिजरेटर सेंट्रिफ्यूज
- एसडीएस-पीएजीई एपारट्स एंड वेस्टर्न ब्लॉट ट्रान्स्फर सिस्टम
- चेमी-डॉक सिस्टम
- डाइट कॅल (न्यूट्रीशन असेसमेंट सॉफ्टवेर)
- पीसीआर मशीन
- हॅंड हेल्ड होमोगेनीज़ेर
- कंप्लीट पोर्टबल लॅक्टेट एनलाइज़र कीट
- टेबल टॉप लार्ज वॉल्यूम रेफ्रिजरेटेड सेंट्रिफ्यूज
- 2डी रॉकर
- मिरर ड्रॉयिंग आपरेटस
- स्पोर्ट लोकस ऑफ कंट्रोल (आइई) स्केल
- स्पोर्ट प्रेशर चेकलिस्ट
- स्पोर्ट्स इमोशनल इंटेलिजेन्स टेस्ट
- स्पोर्ट्स कॉम्पिटेशन एंजाइटी टेस्ट
- स्पोर्ट सेल्फ़-कंट्रोल शेड्यूल
- एएमएसएसई (अचीव्मेंट मोटिवेशन्स स्केल फॉर स्पोर्टिंग

• क्यूआरटी पीसीआर मशीन • सीओ2 इंक्यूबेटर • नैनो ड्रॉप यूवी -विज़िबल स्पेक्ट्रॉफोटोमीटर	एन्वायरन्मेंट्स) • स्पोर्ट एग्रेशन इन्वेंटरी • अप्पर बॉडी एर्गोमेटर • कज़ेलडल बेस्ड डाइजेशन यूनिट • नियो सॉफ्टवेर सिस्टम (ईओ पी-आर™ एंड नियो-एफएफआई™ मॉड्यूल्स)

लघु उपकरण/यंत्र

• एंथ्रोपोमेट्रिक मेजरिंग सेट • स्फायगैमोमैनॉमीटर • कार्डीओ चेक हेल्थ स्क्रीन कीट • डिजिटल मेटरॉनम • डिजिटल ग्लूकोमीटर • फिंगर पल्स ओक्सीमीटर • स्टेथोस्कोप • स्टैडिओमीटर पोर्टेबल • स्टाडिओमेटेर डिजिटल फॉर लैब • स्किन फोल्ड केलाइपर डिजिटल	• स्किन फोल्ड कैलिपर • सिट एंड रीच बॉक्स • सेरोलॉजिकल वॉटर बाथ • हॉट एयर ओवन • पोर्टबल डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक बॉडी वेट स्केल • टेबल टॉप वोर्टेक्स मिक्सर • वेयिंग बॅलेन्स • रेफ्रिजरेटर्स (2) • ड्राइ ब्लॉक हीटर • पोर्टबल हैंड ग्रिप डायनामोमीटर

मानव मॉडल और अन्य वस्तुएं

• टॉर्सो विथ हेड एंड इंटरचेंजबल मेल एंड फीमेल जेनिटालिया सेपरेटेड इन 20 पार्ट्स • ह्यूमन ब्रायन • ह्यूमन आइ • इयर विथ पिन्ना • हार्ट • स्टमक ऑन स्टॅंड • किड्नी ऑन स्टॅंड • लिवर शोइंग गॉल ब्लॅडर • फंक्शनल शोल्डर जॉइंट • फंक्शनल हिप जॉइंट • फंक्शनल एल्बो जॉइंट • फंक्शनल रिस्ट जॉइंट • फंक्शनल एंकल जॉइंट • इंपोर्टेड फंक्शनल नी जॉइंट (आरटी)	• इंपोर्टेड ह्यूमन स्केलिटन कंप्लीट • फुल ह्यूमन स्केलेटन लूस बोन्स • स्टील मेसरिंग टेप • स्टॉप वॉच डिजिटल • मेसरिंग टेप • कोन्स • लैडर्स फॉर स्पीड एंड एजिलिटी ड्रिल • थेरा-बैंड्स • सिट-अप्स मैट्स • रेज़िस्टेन्स ट्रेनिंग लूप/बंद • जिम बॉल्स • मेडिसिन बॉल्स • स्किपिंग रोप्स • एब्डॉमिनल वील रोलर • चीन-अप बार

• इंपोर्टेड वर्टेब्रल कॉलम विथ स्टैंड	• पुश-अप बार

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. रजनीश चौबीसा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने खेल जैव यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत खेल विज्ञान स्कूल सीयूराज-एम.वाई.ए.एस. शुरु किया जो युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS) द्वारा वित्तपोषित है। यह विभाग उन विद्यार्थियों के लिए खेल जैव यांत्रिकी में एम.एससी. कार्यक्रम संचालित कर रहा है जो खेल जैव अभियांत्रिकी और खिलाड़ी/एथलीट, शारीरिक गतिविधि और मानव जीव विज्ञान के यांत्रिक पहलुओं में अपना कैरियर बनाने के लिए उत्साही और इच्छुक हैं। यह पाठ्यक्रम अध्ययन के उस क्षेत्र को कवर करता है जहां यांत्रिकी के ज्ञान और विधियों को मानव शरीर की संरचना और कार्य पर लागू किया जाता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- खेल जैव यांत्रिकी में एम.एससी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	पॉजिटिव साइकोलॉजी (एप्लाइड), ह्यूमन रिसोर्सेज/पर्सनेल साइकोलॉजी, आई/ओ साइकोलॉजी (सोशलाइजेशन, मोटिवेशन, लीडरशिप ईटीसी.), इंटरवेंशंस रिसर्च (पपीस, वैलनेस एन्हान्सिंग इंटरनेट इंटरवेंशंस), ओर्गनइजेशनल डेवलपमेंट (इम्प्लीमेंटेशन थ्योरी एप्रोच), हेल्थ एंड एम हेल्थ (डिज़ाइन एंड कन्सेप्शन), हेल्थ साइकोलॉजी एंड वैलनेस प्रमोशन (मेंटल हेल्थ), डिजिटल हेल्थ/वेल-बीइंग
डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	साइकोलॉजिकल स्किल्स ट्रेनिंग/ मेन्टल ट्रेनिंग, ओर्गनाइजेशनल बेहेवियर इन स्पोर्ट्स, साइकोलॉजी ऑफ स्पोर्ट्स एक्सेलेंस, हेल्थ एंड वेल्बीइंग, एक्सरसाइज साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स एंड मेंटल फिटनेस, साइकोलॉजी एंड स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन, साइकोलॉजी ऑफ कोचिंग, सोशल साइकोलॉजी इन स्पोर्ट्स

खेल मनोविज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. रजनीश चौबीसा

खेल विज्ञान विद्यालय के अंतर्गत खेल मनोविज्ञान विभाग ने 2020 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू किया। विभाग को भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS) द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। खेल मनोविज्ञान विभाग रचनात्मक प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करता है जो खेल क्षेत्र में, युवाओं के स्वास्थ्य और उनके विकास के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, छात्रों को मनोवैज्ञानिक ज्ञान और कौशल का उपयोग करके एथलीटों के इष्टतम प्रदर्शन और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुये प्रशिक्षित किया जाता है जिससे वे खेल संगठनों से जुड़े प्रणालीगत मुद्दों से निपटना सीखते हैं। विभाग सकारात्मकता के सार, चुनौतियों पर विजय पाने की

भावना को बढ़ावा देने तथा समग्र कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिससे छात्र सकारात्मक मनोविज्ञान के अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों में सक्षम हो सकें और यह सुनिश्चित हो कि उनके लिए खेल क्षेत्र से लेकर प्रदर्शन कला, स्वास्थ्य और फिटनेस, परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त विविध कैरियर के दरवाजे खुले हैं। विभाग का कार्य चार क्षेत्रों में है। पहला क्षेत्र शिक्षण है जिसका उद्देश्य उत्साही, कुशल खेल मनोवैज्ञानिक तैयार करना है। दूसरे क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला और क्षेत्र-आधारित व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सिद्धांत और व्यवहार का एकीकरण सम्मिलित है। तीसरा क्षेत्र अनुसंधान है जिसमें खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनुभवजन्य कार्य और साक्ष्य पर आधारित छात्रों के शोध प्रबंध शामिल हैं। चौथे क्षेत्र में वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से क्रियात्मक अनुसंधान करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. खेल मनोविज्ञान में एम.ए./एम.एससी.
2. खेल मनोविज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	पॉजिटिव साइकोलॉजी (एप्लाइड), ह्यूमन रिसोर्सेज/पर्सनेल साइकोलॉजी, आई/ओ साइकोलॉजी (सोशलाइजेशन, मोटिवेशन, लीडरशिप इत्यादि), इंटरवेंशंस रिसर्च (पपीस, वैलनेस एन्हान्सिंग इंटरनेट इंटरवेंशंस), ओर्गनइजेशनल डेवलपमेंट (इम्प्लीमेंटेशन थ्योरी एप्रोच), हेल्थ एंड एमहेल्थ (डिज़ाइन एंड कन्सेप्शन), हेल्थ साइकोलॉजी एंड वैलनेस प्रमोशन (मेंटल हेल्थ), डिजिटल हेल्थ/वेल-बीइंग
डॉ. नीथू पी एस	सहायक आचार्य	एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, मेंटल हेल्थ
डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, परफॉरमेंस साइकोलॉजी, हेल्थ साइकोलॉजी, ओर्गनाइजेशनल बिहेवियर

योग विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. राघवेंद्र भट्ट

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग की स्थापना 2017 में हुई जिसका उद्देश्य अकादमिक प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से योग के चिकित्सीय लाभों का पता लगाना और उनका प्रचार करना है। विभाग योग चिकित्सा में मास्टर डिग्री और योग विज्ञान में पीएचडी प्रदान करता है, जो समग्र शिक्षा के लिए NEP 2020 के अनुरूप है। विभाग में अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं, जिनमें एक योग हॉल, कंप्यूटर लैब और अनुसंधान प्रयोगशालाएँ शामिल हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक तंदुरुस्ती में योग की प्रभावकारिता पर विभिन्न शोध परियोजनाओं का समर्थन करती हैं। संकाय सदस्य दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियों के लिए योग की चिकित्सीय क्षमता पर अनुसंधान में सम्मिलित हैं। विभाग में चार संकाय सदस्य, बारह पीएचडी शोधार्थी, चालीस स्नातकोत्तर और तिरासी पूर्व छात्र हैं, जिनमें से कई योग चिकित्सक और योग शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। सर्वोत्तम प्रथाओं में प्रात: प्रार्थना, पारंपरिक कक्षा व्यवस्था और साप्ताहिक भक्ति सत्र सम्मिलित हैं। विभाग आस-पास के गाँवों और स्कूलों में योग कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- एमएससी योग थेरेपी
- योग विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. संजीब के. पात्रा	आचार्य	स्लीप मेडिसिन साइकोफिजियोलॉजी मैडिटेशन एंड योग थेरेपी
प्रो. राघवेंद्र भट्ट	आचार्य	योग एंड साइकोफिजियोलॉजी मैडिटेशन एंड ऑटोनोमिक फंक्शन्स
डॉ. काशीनाथ जी. मैत्री	सहायक आचार्य	योग एंड मेंटल हेल्थ, योग एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर्स कार्डियोवेस्कुलर मेडिसिन, योग थेरेपी, आयुर्वेदा एंड रिहैबिलिटेशन
डॉ. महेंद्र शर्मा	सहायक आचार्य	योग फिलॉसोफी योग थेरेपी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यान/सेमिनार/यात्रा

योग विभाग द्वारा 9 मई 2024 को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के वास्तुकला विभाग के प्रोफेसर नीरज गुप्ता ने "प्रिपेयरिंग फॉर प्लेसमेंट: आइडेंटिफाई योर एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स" विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस सत्र में लगभग 40 प्रतिभागी ने भाग लिया जिसमें पीएचडी स्कॉलर्स और स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल थे। व्याख्यान बहुत जानकारीपूर्ण था और उपस्थित लोगों द्वारा इसकी सराहना की गई।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

योग विभाग द्वारा 21 जून, 2024 को 'महिला स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए योग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. ओम लता भगत, प्रोफेसर, फिजियोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर और प्रो. दुर्गावती देवी, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, स्वस्थ वृत्त और योग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ने आमंत्रित व्याख्यान दिए।

विस्तार गतिविधियाँ

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग ने 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बांदरसिंदरी गांव के पंचायत कार्यालय में सुबह 7 से 8 बजे के बीच बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा 20 जून, 2024 को प्रातः 7 से 8 बजे के मध्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांव मुण्डोती में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

योग विभाग ने 6 मई से 10 मई, 2024 के बीच राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय अतिथि गृह, निरामया ध्यान कक्ष में 'महिला स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की।

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्वसंध्या पर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए गुरुवार, 2 मई, 2024 को प्रातः 6:30 बजे से 7:30 बजे तक सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग विभाग ने अंतर-विश्वविद्यालय योग विज्ञान केंद्र (आईयूसीवाईएस) के सहयोग से 21 जून, 2024 को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

संकाय: शैक्षणिक प्रयास

आमंत्रित व्याख्यान/मुख्य भाषण/सत्र अध्यक्षता

वास्तुकला विभाग

प्रो नीरज गुप्ता

- “पेशेवरों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए परिणाम आधारित शिक्षा”; (ऑनलाइन) विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य श्री श्री विश्वविद्यालय 22.07.2023 आमंत्रित व्याख्यान.
- "सीखने के लिए शिक्षा"; (ऑनलाइन) संकाय सदस्य अखिल भारतीय यूजीसी-एमएमटीटीसी राजस्थान विश्वविद्यालय - गुरु-दक्षता: संकाय प्रेरण कार्यक्रम 04.12.2023, सुबह 09.30 बजे - 11.00 बजे; आमंत्रित व्याख्यान।
- "कहानी सुनाना: पारंपरिक भारतीय शिक्षण पद्धति"; (ऑनलाइन ज़ूम) संकाय सदस्य अखिल भारतीय एमएमटीटीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एफडीपी शीर्षक "समग्र और बहुविषयक शिक्षा" 16.12.2023 1:30 अपराह्न- 3:00 अपराह्न आमंत्रित व्याख्यान।
- “शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन” (ऑनलाइन) संकाय सदस्य पैन इंडिया एमएमटीटीसी, आईआईएसईआर भोपाल एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (एफडीपी) 27.12.2023 1545 -1715 आमंत्रित व्याख्यान।
- "शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन" (ऑनलाइन - 2 सत्र) संकाय सदस्य पैन इंडिया एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (एफडीपी) एमएमटीटीसी, आईआईएसईआर भोपाल द्वारा आयोजित (23.01.2024 को 1430 -1715 बजे) आमंत्रित व्याख्यान।
- “संधारणीय वास्तुकला और शहरी नियोजन: स्वदेशी ज्ञान से अभ्यास” (ऑफ़लाइन) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के छात्र और संकाय (08.02.2024 को 1430-1600 बजे) आमंत्रित व्याख्यान.
- “सफलता में IQ, EQ और SQ की भूमिका” (ऑफ़लाइन) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के छात्र और संकाय (08.02.2024 1130-1300 बजे), आमंत्रित व्याख्यान.
- “प्लेसमेंट के लिए तैयारी: अपने रोजगार कौशल की पहचान करना”; (ऑफ़लाइन) विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के छात्र , सीएसई विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (09.02.2024 को 1130-1300 बजे) आमंत्रित व्याख्यान
- “रिज्यूम और कवर लेटर लिखना” (ऑफ़लाइन) विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के छात्र, सीएसई विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (16.02.2024) आमंत्रित व्याख्यान।
- “शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन” (ऑनलाइन – 2 सत्र) एमएमटीटीसी एनईएचयू द्वारा आयोजित एनईपी पर संकाय सदस्यों का अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम (21.02.2024) आमंत्रित व्याख्यान।
- “मल्टीपल एंट्री एक्ज़िट व्यावसायिक शैक्षिक कार्यक्रमों का डिज़ाइन तैयार करना”; (ऑनलाइन – 1 सत्र) पूरे भारत के संकाय सदस्य; राष्ट्रीय ऋण ढांचे पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार एमएमटीटीसी एनईएचयू (01.03.2024), आमंत्रित व्याख्यान.
- “प्लेसमेंट के लिए तैयारी: अपने रोजगार कौशल की पहचान करना”; (ऑफ़लाइन) विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के छात्र, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (05.04.2024 को 11.30-12.30), आमंत्रित व्याख्यान।
- “शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन” (ऑनलाइन) एमएमटीटीसी एनईएचयू द्वारा एनईपी पर संकाय सदस्यों का अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित (23.04.2024 को 2.00 - 03.30 अपराह्न); आमंत्रित

व्याख्यान।

- “एनईपी 2020: उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध की संस्कृति को विकसित करना ” (ऑनलाइन) देश के विभिन्न हिस्सों से संकायों द्वारा एनईपी पर अभिविन्यास कार्यक्रम एमएमटीटीसी एनईएचयू द्वारा 24.04.2024 को आयोजित; आमंत्रित व्याख्यान।
- “प्लेसमेंट के लिए तैयारी: अपने रोजगार कौशल की पहचान करना” (ऑफ़लाइन) विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के छात्र, खेल विज्ञान स्कूल (25.04.2024 को 12.15-13.30) आमंत्रित व्याख्यान .
- “उच्च शिक्षा और समाज: एनईपी की आकांक्षाओं, कार्रवाई और उच्च शिक्षा संस्थानों और संकाय सदस्यों की भूमिका का अवलोकन”; एमएमटीटीसी एनईएचयू द्वारा एनईपी पर आयोजित अखिल भारतीय संकाय सदस्य अभिविन्यास कार्यक्रम (20.05.2024 को) आमंत्रित व्याख्यान।
- “भारतीय ज्ञान प्रणाली: पारंपरिक शिक्षण पद्धति के रूप में कहानी सुनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पूर्वावलोकन” पूरे भारत के संकाय सदस्य; एमएमटीटीसी मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 8वां एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (31.05.2024), आमंत्रित व्याख्यान।
- “भारतीय ज्ञान प्रणाली: पारंपरिक शिक्षण पद्धति के रूप में कहानी सुनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पूर्वावलोकन”; अखिल भारतीय संकाय सदस्य; एमएमटीटीसी मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 8वां एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम (05.06.2024); आमंत्रित व्याख्यान।
- शैक्षणिक कार्यक्रम का लर्निंग आउटकम आधारित डिजाइन ” ; पूरे भारत के संकाय सदस्य ; 03 जून से 04 जुलाई, 2024 तक एक महीने का अनिवार्य संकाय प्रेरण कार्यक्रम; श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (06.06.2024); आमंत्रित व्याख्यान।
- “ब्लूम्स टैक्सोनॉमी पर आधारित लर्निंग परिणामों का लेखन”; देश के विभिन्न भागों से प्राध्यापकगण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के लिए 03 जून से 04 जुलाई, 2024 तक एक माह का अनिवार्य प्राध्यापक प्रेरण कार्यक्रम। 06.06.2024; आमंत्रित व्याख्यान।
- “शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन ”, (ऑनलाइन – 2 सत्र) अखिल भारतीय संकाय सदस्य; श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एनईपी पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम । 19.06.2024 आमंत्रित व्याख्यान।
- “भारतीय ज्ञान प्रणाली: पारंपरिक शिक्षण पद्धति के रूप में कहानी सुनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पूर्वावलोकन”; पूरे भारत के संकाय सदस्य; एमएमटीटीसी मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 9वां एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम; 21.06.2024 आमंत्रित व्याख्यान।

वास्तुकार रितु बी. राय

- 05.04.2024 को एकीकृत विभागों के छात्रों के लिए सीयूराज के स्पर्श सेल द्वारा कार्यस्थल पर “यौन उत्पीड़न का निषेध, रोकथाम और निवारण ” कार्यक्रम का आयोजन।
- दिनांक 10.05.204 को विश्वविद्यालय छात्रावासों में कार्यरत सुरक्षा गार्डों और कर्मचारियों के लिए लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अभिविन्यास / संवेदीकरण कार्यक्रम।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

डॉ. देवेश शर्मा

- “जल उपलब्धता और आपूर्ति-मांग अंतर का आकलन: नागपुर और गाजीपुर क्षेत्र का मामला” “क्षेत्रीय स्तर पर खाद्य, ऊर्जा और जल (FEW) सुरक्षा पर जलवायु प्रेरित जल उपलब्धता प्रभावों को कम करने के लिए शहरी-ग्रामीण भागीदारी ढांचे का विकास” विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, केयो विश्वविद्यालय, जापान। (19 -21 दिसंबर ' 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- “जल सुरक्षा मूल्यांकन उपकरण (WATSAT) का उपयोग करके शहरी जल सुरक्षा को कैसे मापें?”” “नदी स्वास्थ्य: मूल्यांकन से बहाली तक (RHAR 2023)” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी, भारत। (12 -14 अक्टूबर ' 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- "जल संसाधन मूल्यांकन में जलवायु मॉडल और हाइड्रोलॉजिकल मॉडल का अनुप्रयोग - केस स्टडीज़ और अवलोकन" " पैन किंघाई तिब्बती में बदलते पर्यावरण के तहत सतत विकास के लिए जल संसाधन जोखिम और प्रतिवाद" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, फुकेत, थाईलैंड। (30 जनवरी - 05 फरवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- “भारत में माही नदी बेसिन पर अत्यधिक वर्षा की घटनाओं और धारा प्रवाह के अनुकरण के लिए हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल दृष्टिकोण का अनुप्रयोग” जलवायु परिवर्तन के तहत मेगा-भू-खतरों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन), त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल। (14 मार्च -15 मार्च, 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- "जल उपलब्धता और आपूर्ति-मांग अंतर का आकलन: नागपुर और गाजीपुर क्षेत्र का मामला" क्षेत्रीय स्तर पर खाद्य, ऊर्जा और जल (FEW) सुरक्षा पर जलवायु-प्रेरित जल उपलब्धता प्रभावों को कम करने के लिए शहरी-ग्रामीण भागीदारी ढांचे के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, वीएनआईटी, नागपुर। (22 मार्च 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- "बदलती जलवायु के तहत मेगा-भू-खतरे" विषय पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में बदलती जलवायु के तहत मेगा-भू-खतरों पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) (14 मार्च -15 मार्च, 2024)। सत्र की अध्यक्षता

डॉ. सुब्रत कुमार पांडा

- त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत मेगा-भू-खतरों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) में "भारत में चरम बिजली की घटनाओं के लिए बिजली संभावित सूचकांक और वज्रपात सूचकांक की इष्टतम सीमा का संख्यात्मक मॉडलिंग" (14 मार्च -15 मार्च, 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- “संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान मॉडलिंग और प्रक्रियाएँ” शुष्क क्षेत्र में परिवर्तन और भारतीय उपमहाद्वीप पर मौसम और जलवायु पर प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: (TROPMET 2023), बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर। (24 नवंबर 2023)। सत्र की अध्यक्षता की।

जैव रसायन विभाग

प्रो. चंडी सी. मंडल

- फरवरी 2024 में एम्स, जोधपुर, भारत में "पर्यावरण तापमान, कोलेस्ट्रॉल और कैंसर के बीच दिलचस्प संबंध" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया जाएगा।

- फरवरी 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, भारत में "डिसरेगुलेटेड सेलुलर कोलेस्ट्रॉल के स्तर के साथ स्तन ट्यूमरजनन के लिए ऑन्कोजीन ZNF726 और DNMT1 के बीच परस्पर क्रिया" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

प्रो. संजीब कुमार पांडा

- "फसल पौधों में अजैविक तनाव लचीलेपन के कार्यात्मक जीनोमिक्स" पर एनसीपीपी सम्मेलन नई दिल्ली, 10 दिसंबर, 2023 में मुख्य वक्ता।
- 13 मार्च, 2024 को प्रबंधन स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर में एफडीपी कार्यक्रम में अनुसंधान पद्धति पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. हेमंत दायमा

- 9 अप्रैल, 2024 को बायोसाइंसेज विभाग, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट एंड साइंसेज, मोदी विश्वविद्यालय, लक्ष्मणगढ़ , राजस्थान, भारत में “बायोटेक्नोलॉजी में कैरियर के अवसर” पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- 08-09 फरवरी 2024 को कर्पगम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कोयंबटूर, भारत में बायोटेक्नोलॉजी और नैनो-बायोटेक्नोलॉजी (IABNB24) में इनोवेट एडवांसमेंट पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए "इंजीनियर्ड नेनोमैटेरियल्स विथ स्मार्ट फंक्शनलिटीज़ ”साइंसेज मेडिकल-ट्रेंड्स इन बायो :" पर एक मुख्य भाषण दिया।

डॉ. विश्वनाथ तिवारी

- प्लांट सेकेंडरी मेटाबोली“टस ऐज थेराप्यूटिक्स अगेंस्ट मल्टी ड्रग-रेसिस्टेंट असिनेटबेक्टर बाउमनी ” मेडिकल “ ”एक्सप्लोरिंग न्यू फ्रंटियर्स इन एन्विरोंमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड हेल्थकेयर इनोवेशन्स :प्लांट्स" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, 14-15 मार्च, 2024, वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, आमंत्रित व्याख्यान।
- एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर द्वारा 11-17 मार्च 2024 को आयोजित “रीकॉम्बिनेंट प्रोटीन उत्पादन, संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन पर उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला)” में “एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध में शामिल रीकॉम्बिनेंट प्रोटीन के शुद्धिकरण और संरचनात्मक लक्षण वर्णन” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 28 फरवरी, 2024 को सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “बायोफिजिका-2024: बायोफिजिक्स और स्ट्रक्चरल बायोलॉजी में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन” में “ एसिनेटोबैक्टर बाउमनी के आरएनडी इफ्लक्स पंप सिस्टम के एडीईबी प्रोटीन को लक्षित करने वाले नारिंगिन डाइहाइड्रोचाल्कोन की संरचना-आधारित स्क्रीनिंग और प्रयोगात्मक सत्यापन” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- बायोकेमिस्ट्री विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 22-24 फरवरी 2024 को आयोजित न्यूट्रास्युटिकल्स और क्रॉनिक डिजीज पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "न्यूट्रास्युटिक्स : बेसिक टू क्लिनिकल एप्लीकेशन" में " एडीएबीसी इफ्लक्स प्रोटीन को लक्षित करके प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलाइट नारिंगिन डेरिवेटिव का उपयोग करके कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी का मुकाबला करना" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- "कार्बापेनम-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमनी के विरुद्ध एक शक्तिशाली जीवाणुरोधी अणु के रूप में विभेदक रूप से कैप्ड (एनडीसी और जी-पीवीपी) सिल्वर नैनोकणों" पर आयोजित"नैनो बायो इंटरफेस-2024" राष्ट्रीय सम्मेलन

आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "उत्तर क्षेत्र एसीबीआई सम्मेलन 2024" में "एसिनेटोबैक्टर बाउमनी में कार्बापेनम प्रतिरोध का आकलन करने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण और मेजबान सेल मॉडल के साथ इसकी अंत:क्रिया" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ के जीवन विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित "सतत जैव-अर्थव्यवस्था के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी (आईसी-एमटीएसबी-2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के एडीई एबीसी उत्प्रवाह पंप को लक्षित करना" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

- आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा क्वांग्वून विश्वविद्यालय (दक्षिण कोरिया), नॉर्थ -वेस्ट विश्वविद्यालय (दक्षिण अफ्रीका) के सहयोग से आयोजित "रासायनिक और जैविक विज्ञान (ICCBS-2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बहुऔषधि प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के एडीईबीसी इफ्लक्स पंप को लक्षित करके नरिंगिन डाइहाइड्रोचाल्कोन द्वारा कार्बापेनम की गतिविधि को सशक्त बनाना" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित "जीवन विज्ञान में पुनश्चर्या कार्यक्रम " में "एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के खिलाफ़ उपचारात्मक उपाय खोजने के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोध और होस्ट इंटरैक्शन में शामिल प्रोटीन की जांच" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया , 5-18 दिसंबर, 2023 को आयोजित "बायोटेक्नोलॉजी में नए क्षितिज (एनएचबीटी-2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एडीएबीसी इफ्लक्स पंप प्रोटीन को लक्षित करके बहुऔषधि प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमनी का मुकाबला करना" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

डॉ. भावना बिरसा

- क्षेत्रीय युवा अन्वेषक बैठक 18-20 जनवरी 2024, बिट्स पिलानी में " ग्लियोब्लास्टोमा में GABARAP जीन की आइसोफॉर्म-विशिष्ट विभेदक अभिव्यक्ति", पर आमंत्रित व्याख्यान,

- 09-10-23 से 01-11-23 तक हेनरिक हेन विश्वविद्यालय, डसेलडोर्फ, जर्मनी में विजिटिंग फैकल्टी (मर्केटर फेलो) के रूप में आमंत्रित किया गया और "ऑटोफैगोसोम्स और एक्सोसोम्स: सेलुलर होमियोस्टेसिस के यिन और यांग" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. मानस कुमार नाग

- "बायोमेडिकल हेल्थकेयर अनुप्रयोगों में उभरते प्रतिमान" में 'मेडिकल इमेज विश्लेषण में गहन शिक्षा' 18 दिसंबर 2023 को सत्यभामा विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।

- 29 फरवरी 2024 को 'MATLAB का उपयोग करके छवि प्रसंस्करण', राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "MATLAB का उपयोग करके वैज्ञानिक प्रोग्रामिंग में हाल के रुझान" में, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा आयोजित किया गया।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

डॉ. नीलकंठ कांत यादव

- 1-3 फरवरी 2024 के दौरान जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र एसीबीआई सम्मेलन 2024 में "क्रमबद्ध प्रोटीन एकत्रीकरण: पोषण, स्वास्थ्य और चिकित्सा में उभरते दृष्टिकोण" पर अपने व्याख्यान के लिए आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम

- " बिस(एरिलमेथिल) टिन डाइक्लोराइड्स का थर्मोलिसिस: C–C और C–N बॉन्ड बनाने वाली प्रतिक्रियाओं के लिए एक कुशल अभिकर्मक" "20 वीं सदी में अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमटीआईसी-XX)" , आईआईएससी बैंगलोर, भारत । (14-17 वीं) दिसम्बर 202 3). आमंत्रित व्याख्यान.

डॉ. हेमंत जोशी

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत के सात दिवसीय DST-STUTI कार्यक्रम में FTIR इंस्ट्रूमेंट पर बुनियादी बातें और व्यावहारिक प्रशिक्षण (31 जुलाई - 06 अगस्त 2023)। विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान।
- स्टेरिकली बल्की लिगैंड्स नियंत्रित पैलेडियम-उत्प्रेरित रीजियोसेलेक्टिव ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन, तीन दिवसीय संगोष्ठी में, 28वां आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-24), मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, भारत (08-10 जनवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी

- इमिनोफ़ॉस्फ़ोनैमाइड धातु परिसरों और उनके फ़ोटोल्यूमिनेसेंस का संश्लेषण, तीन दिवसीय संगोष्ठी, 28वां ISCB अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ISCBC-24), मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, भारत (08-10 जनवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. अनुज कुमार शर्मा

- जैव उत्प्रेरक और चिकित्सा में धातु आधारित प्रणालियों की भूमिका : चयनित उदाहरण, रसायन विज्ञान और संबद्ध विज्ञान में दो सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम [एफडीपीसीएएस-2023] में रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (26 अक्टूबर से 8 नवंबर 2023 तक)। विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

डॉ. चंद्रकांत दाश

- ऑर्गेनोमेटेलिक यौगिक: खोज से लेकर अनुप्रयोग तक, रसायन विज्ञान और संबद्ध विज्ञान में दो सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम [एफडीपीसीएएस-2023] में रसायन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (26 अक्टूबर से 8 नवंबर 2023 तक)। विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

- जैविक रूप से प्रासंगिक हेट्रोसाइकिल के संश्लेषण के लिए पैलेडियम-एन-हेट्रोसाइक्लिक कार्बीन उत्प्रेरित डोमिनो अभिक्रियाएँ, रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में "सतत विकास के लिए रासायनिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में प्रगति (एसीएएसएसडी-2024)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (29-30 मार्च 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. ईश्वर एस.

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत के सात दिवसीय DST-STUTI कार्यक्रम में NMR स्पेक्ट्रोस्कोपी पर परिचय और समस्या समाधान (31 जुलाई - 06 अगस्त 2023)। *विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान।*

- रसायन विज्ञान और संबद्ध विज्ञान में दो सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम [FDPCAS-2023], 26 अक्टूबर से 8 नवंबर 2023 तक, सीयू जम्मू (ऑनलाइन)। *विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित व्याख्यान* ।

- "डायमाइन के साथ बेलिस-हिलमैन कीटोन्स की दिलचस्प प्रतिक्रियाशीलता", 07-09 मार्च 2024 तक आईआईटी खड़गपुर में "उत्प्रेरण और संश्लेषण में उभरते रुझान (ईटीसीएस-2024) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आमंत्रित व्याख्यान

- एमबीएच कीटोन्स में डायमाइन मध्यस्थता प्रतिक्रिया पैटर्न, हैदराबाद विश्वविद्यालय में 15-17 जनवरी 2024 तक "सामाजिक लाभ के लिए उत्प्रेरक को बढ़ावा देना (एफसीएसबी-2024)" पर भारत-फ्रांसीसी सम्मेलन। *आमंत्रित व्याख्यान*

- मोरीटा-बेलीस हिलमैन कीटोन्स में प्रतिक्रियाशीलता पैटर्न: विविधता और साज़िश, ऑर्गेनोमेटेलिक्स और कैटेलिसिस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICOC-2023), गोवा 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2023 तक। *आमंत्रित फ़्लैश टॉक*

वाणिज्य विभाग

डॉ. संजय कुमार पटेल

- वाणिज्य संकाय, बीएचयू द्वारा आयोजित एसपी श्रीवास्तव स्मारक व्याख्यान में "समग्र उद्यमिता के लिए आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य" (2024, 14 फरवरी): आमंत्रित व्याख्यान।
- वाणिज्य विभाग द्वारा "21वीं सदी में वाणिज्य एवं प्रौद्योगिकी: सतत व्यवसायों का पोषण" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला , जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) । (2024, 26-27 जून): सत्र अध्यक्ष
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त और लेखा सम्मेलन, आईआईएम जम्मू में "कृषि क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रभाव: स्कोपस डेटाबेस की एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा" (08-09 सितंबर, 2023)।
- "एफआईआई के बीच एक अनुभवजन्य विश्लेषण: आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ना", प्रबंधन अध्ययन विभाग, जीजीयू, बिलासपुर । (दिसंबर 05, 2023)।
- "आधुनिक एएए के मॉडरेशन प्रभाव का अनुभवजन्य विश्लेषण : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अकाउंटेंट छात्र"45वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन, वाणिज्य विभाग, केरल विश्वविद्यालय, केरल में (दिसंबर 09-10, 2023)।

- “वसुधैव कुटुम्बकम की प्रासंगिकता आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, वाणिज्य विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में “भारत में सतत व्यावसायिक प्रथाओं में कुटुम्बकम और धर्म” पर चर्चा की गई। (15-16 फरवरी, 2024)।
- 21वीं सदी में वाणिज्य और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बौद्धिक पूंजी के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना : नवाचार और संगठनात्मक उभयनिष्ठता की मध्यस्थ भूमिका": स्थायी व्यवसायों का पोषण, वाणिज्य विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय। (26-27 जून, 2024)।

डॉ. प्रियंका भास्कर

- वाणिज्य विभाग द्वारा “21वीं सदी में वाणिज्य एवं प्रौद्योगिकी: सतत व्यवसायों का पोषण” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला , जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)। (2024, 26-27 जून): सत्र अध्यक्ष
- भगत सिंह शासकीय पीजी कॉलेज, जावरा द्वारा आयोजित शिक्षा प्रणाली में तकनीकी उन्नति-डिजिटल शिक्षा और नए प्रावधान पर राष्ट्रीय वेबिनार में “डिजिटल शिक्षा/प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा” जिला, रतलाम, उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा प्रायोजित। (2024, 30 मई): आमंत्रित व्याख्यान।
- मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, भारत में “विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सतत विकास के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (2024, 28-29 मार्च): सत्र अध्यक्ष
- वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित "21वीं सदी में वाणिज्य एवं प्रौद्योगिकी: सतत व्यवसायों का पोषण" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्धिक पूंजी के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना: नवाचार और संगठनात्मक उभयनिष्ठता की भूमिका" विषय पर चर्चा की गई। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला , जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)। (2024, 26-27 जून) : पेपर प्रस्तुति
- "राजस्थान में रोजगार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने में पर्यटन क्षेत्र की भूमिका की जांच करना" मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, भारत में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सतत विकास के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण" पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (2024, 28-29 मार्च): पेपर प्रस्तुति।
- "राजस्थान में रोजगार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने में पर्यटन क्षेत्र की भूमिका की जांच करना"मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, भारत में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सतत विकास के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण" पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (2024, 28-29 मार्च): पेपर प्रस्तुति।
- "वाणिज्य और प्रबंधन में भारतीय ज्ञान प्रणाली" पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएच) द्वारा आयोजित भारतीय व्यापारी और उनके व्यापार मार्ग: प्राचीन और आधुनिक व्यापार मार्गों का तुलनात्मक अध्ययन। आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। (2024 , 15-16 फरवरी)। पेपर प्रस्तुति

डॉ. पुष्पेंद्र

- वाणिज्य विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला , जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आयोजित "21वीं सदी में वाणिज्य एवं प्रौद्योगिकी: सतत व्यवसायों का पोषण" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्धिक पूंजी के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना: नवाचार और संगठनात्मक उभयनिष्ठता की मध्यस्थ भूमिका" (2024, 26-27 जून): पेपर प्रस्तुति

- भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), जम्मू द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं लेखा सम्मेलन (आईएफएसी-2023) में "प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए योग्यता के रूप में बौद्धिक पूंजी: भारतीय कंपनियों से साक्ष्य" (2023, 08-09 सितंबर): पेपर प्रस्तुति

श्री शुभम पांडे

- हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा UGC- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से आयोजित "28 दिवसीय संकाय प्रेरण कार्यक्रम " (18 जून - 15 जुलाई, 2024)। प्रतिभागिता ।
- डिजिस्किल्स द्वारा आयोजित "AMOS :SEM पर 10 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला " - उत्कृष्टता और कौशल निर्माण का एक तरीका (09-19 अप्रैल, 2024)। प्रतिभागिता ।
- "भारत में उद्यमशीलता अभ्यास और रोजगार विकास: कोविड –पश्चात प्रभाव का एक अनुभवजन्य वास्तुकला (कोविड-19 के बाद व्यापार और अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्लेषण" (16-17 दिसंबर, 2023)। पेपर प्रस्तुति
- "भारत में उद्यमशीलता की प्रथाएँ और रोजगार विकास: कोविड के बाद के प्रभाव का एक अनुभवजन्य विश्लेषण" मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित बिजनेस, आईटी और एंटरप्राइज आर्किटेक्चर (कोविड-19 के बाद बिजनेस और अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (16-17 दिसंबर, 2023)। पेपर प्रस्तुति
- ग्रामीण राजस्थान में स्वदेशी और लघु-स्तरीय औद्योगिक विकास का अनावरण: कोविड-पूर्व युग का अनुभवजन्य विश्लेषण" पर्यावरण, व्यवसाय और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: उभरते प्रतिमान, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बेनेट यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित (15-16 सितंबर, 2023)। पेपर प्रस्तुति
- खालसा कॉलेज फॉर विमेन, लुधियाना द्वारा आयोजित गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा विश्लेषण पर 1 सप्ताह का राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (1-7 जुलाई, 2023)।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

ममता रानी

- श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गैर-रेखीय विश्लेषण और अनुप्रयोग सम्मेलन (ICNAA-2024) में "प्रोफेसर एसएल सिंह के शोध कार्य और प्राचीन गुणन विधि का विश्लेषण" विषय पर व्याख्यान।

कृष्ण कुमार मोहबे

- फ़ंक्शन और मॉड्यूल, रेगुलर एक्सप्रेशन, पायथन स्ट्रिंग्स, 28 सितंबर, 2023 को ए के दासगुप्ता योजना और विकास केंद्र, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "पायथन को समझना और अनुसंधान और विकास में इसके अनुप्रयोग" पर 4 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- बिग डेटा एनालिटिक्स और इसके अनुप्रयोग, 11 से 15 सितंबर 2023 तक वीआईटी चेन्नई में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित एफडीपी "रीफोकस" में विशेषज्ञ।

- 09-11 मई 2024 के दौरान मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स (आईसीएमएलबीडीए) 2024 पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष।

गौरव मीना

- आमंत्रित व्याख्यान 09-11 मई 2024 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, भारत द्वारा आयोजित मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स (ICMLBDA) 2024 पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स ICMLBDA- 2024 पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

- 07-09 दिसंबर 2023 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, भारत द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स सम्मेलन (ICDLAIR-2024) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स ICDLAIR-2023 पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. प्रकाश चौधरी

- 21 से 25 अगस्त 2023 तक एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद में E&ICT आईआईटी रुड़की द्वारा प्रायोजित "पाइथन/आर प्रोग्रामिंग का उपयोग करके व्यावहारिक डेटा विज्ञान और डेटा एनालिटिक्स" पर विकास कार्यक्रम। (आमंत्रित व्याख्यान)

- 11 से 15 सितंबर , 2023 तक एनआईटी राउरकेला, ओडिशा के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में “स्मार्ट शहरों के लिए डीप लर्निंग एप्लीकेशन” पर पांच दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम। (आमंत्रित व्याख्यान)

- एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा प्रायोजित "पाइथन और आर भाषा का उपयोग करके स्वास्थ्य सेवा डेटा विश्लेषण" पर संकाय विकास कार्यक्रम 09 अक्टूबर से 13 अक्टूबर, 2023 तक एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद में आयोजित। (आमंत्रित व्याख्यान)

डॉ. गौरव सोमानी

- वर्चुअलाइजेशन और क्लाउड कंप्यूटिंग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, व्याख्यान श्रृंखला, अगस्त-सितंबर 2023 (आमंत्रित व्याख्यान)।

डॉ. मुज़म्मिल हुसैन

- सूचना प्रणाली और सुरक्षा पर विशेषज्ञ वार्ता , मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, अप्रैल 2024।

डॉ. तरुण कुमार

- अगस्त, 2023 में सोसायटी टेक्नोलॉजी इंटरफेस विभाग में क्लाउड कंप्यूटिंग पर विशेषज्ञ व्याख्यान

- अगस्त, 2023 में सोसायटी टेक्नोलॉजी इंटरफेस विभाग में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ व्याख्यान

- अप्रैल, 2024 में सोसायटी टेक्नोलॉजी इंटरफेस विभाग में ब्लॉकचेन के कार्यान्वयन परिप्रेक्ष्य पर विशेषज्ञ व्याख्यान

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

- एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल के पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय में "डॉक्यूमेंट्री निर्माण की कला" विषय पर (9 दिसंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के फिल्म अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में "बायोपिक सिनेमा के लिए पटकथा लेखन" पर चर्चा। चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (7 दिसंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा आयोजित कार्यशाला में "स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले लिखने की कला" (12 फरवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक

- कम्युनिकेशन टुडे और बीवीआईसीएएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शताब्दी श्रद्धांजलि गुरु दत्त: क्लासिक बॉलीवुड के उस्ताद विषय पर वेबिनार में "गुरु दत्त के सिनेमा में सौंदर्यशास्त्र, आत्मकेंद्रितता और सामाजिक आलोचना" (21 जुलाई , 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित पारिस्थितिकी सुरक्षा की नींव के लिए कॉमन्स (एफईएस) वरिष्ठ पेशेवरों पर लेखन कार्यशाला में 'साहित्य की समीक्षा और उद्देश्यों की रूपरेखा' ([3] जून, 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

डेटा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

डॉ. विद्योत्तमा जैन

- "क्यूइंग मॉडल और इन्वेंट्री मॉडल" ऑप्टिमाइज़ेशन तकनीकों पर वेबिनार श्रृंखला, डेटा विज्ञान - अनुप्रयुक्त गणित और कम्प्यूटेशनल विज्ञान विभाग, त्यागराज कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, मदुरै, 22-28 मार्च, 2024। आमंत्रित व्याख्यान
- "सभी के लिए लेटेक्स: आपकी लेखन प्रक्रिया को सशक्त बनाना", एआई संचालित उपकरणों के माध्यम से कम्प्यूटेशन और विज़ुअलाइज़ेशन को बढ़ाने पर संकाय विकास कार्यक्रम, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, 6 फरवरी, 2024। आमंत्रित व्याख्यान
- "उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफ़ॉर्म के विश्वसनीयता विश्लेषण के लिए एक सेमी-मार्कोव दृष्टिकोण", डिस्ट्रीब्यूटेड कंप्यूटर और संचार नेटवर्क : नियंत्रण, संगणना, संचार (DCCN 2023) पर 26वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी ऑफ़ रशिया (RUDN यूनिवर्सिटी), मॉस्को, रूस, 26 सितंबर, 2023। आमंत्रित व्याख्यान
- "5G नेटवर्क में बिजली दक्षता के लिए सेमी-मार्कोवियन विश्लेषण", कम्प्यूटेशनल एप्लाइड साइंसेज और इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICASSA 2023), इंजीनियरिंग और प्रबंधन विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत, 13-14 जुलाई, 2023। आमंत्रित व्याख्यान
- "5G नेटवर्क में NB-IoT उपकरणों की पावर दक्षता का विश्लेषण: एक सेमी-मार्कोव दृष्टिकोण", ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया का 56वां वार्षिक सम्मेलन (2023-ORSI) और बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2023-ICBAI), IISc बैंगलोर, भारत, 18-20 दिसंबर, 2023। सहयोगात्मक वार्ता

- “भारत में बेरोज़गारी की अवधि पर सहपरिवर्तियों का प्रभाव”, ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का 56वाँ वार्षिक सम्मेलन (2023-ORSI) और बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस पर 10वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2023-ICBAI), IISc बैंगलोर, भारत, 18-20 दिसंबर, 2023। सहयोगात्मक वार्ता

डॉ. निष्ठा केसवानी

- 28 फरवरी, 2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में उद्यमिता और स्टार्ट-अप पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम में "उद्यमियों के लिए आईटी उपकरण और प्रौद्योगिकियां" पर आमंत्रित वार्ता।
- 16 फरवरी, 2024 को जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर में कम्प्यूटेशनल अनुसंधान में अनुसंधान प्रवृत्तियों पर कार्यशाला में "साइबर सुरक्षा और नेटवर्किंग में अनुसंधान प्रवृत्तियों" पर आमंत्रित वार्ता।
- एस.एस.जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय, जयपुर में 23 फरवरी 2024 को अनुसंधान और नवाचार में उभरते रुझान और दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कंप्यूटर विज्ञान में रुझान और नवाचार" पर आमंत्रित व्याख्यान।

समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

डॉ. कुमार संभव पारीक

- राजनीति विज्ञान विभाग, एसपीसी राजकीय महाविद्यालय अजमेर द्वारा आयोजित "भारतीय राजनीति के उभरते रुझान: चुनौतियां एवं संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र (20 जनवरी 2024)। अध्यक्षता

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "देखभाल और सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देना" शीर्षक से दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में "बुजुर्गों के उत्थान में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की भूमिका" (21 मार्च 2024)। पैनल चर्चा

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. हेमलता मंगलानी

- इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर , रेवाड़ी , हरियाणा के अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से सोसाइटी फॉर पाथवेज टू सस्टेनेबिलिटी (पाथ्स) द्वारा आयोजित "सतत विकास लक्ष्य: नीतियां, कार्य और एजेंडा को नया रूप देना" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।
- 24 मार्च, 2024 को राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित "देखभाल एवं सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देना" विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में वृद्धावस्था में वित्तीय स्थिरता की तैयारी पर कार्यशाला में विशेषज्ञ।
- 'चारागाह संरक्षण के लिए दिशानिर्देश और नीतियां: अवसर और अंतराल', जयपुर के विकास अध्ययन संस्थान में फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी द्वारा 18 दिसंबर, 2023 को आयोजित 'राजस्थान का चरागाह पारिस्थितिकी तंत्र: खतरा, चुनौतियां, अवसर और संरक्षण पहल - कार्यशाला' में सत्र मॉडरेटर और विशेषज्ञ
- 18 और 19 जनवरी, 2024 को फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफईएस) भीलवाड़ा में आयोजित पर्यावरण, सामान्य संपत्ति संसाधन, जल और चरागाह को कवर करने वाली विकास कहानियों पर कहानी लेखन पर कार्यशाला में विशेषज्ञ।

- 20 और 21 अप्रैल, 2024 को फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफईएस) भीलवाड़ा में आयोजित पर्यावरण, सार्वजनिक संपत्ति संसाधन, जल और चरागाह को कवर करने वाली विकास कहानियों पर कहानी लेखन पर कार्यशाला में विशेषज्ञ।
- 3 और 4 जून, 2024 के दौरान राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के वरिष्ठ पेशेवरों के लिए कॉमन्स पर लेखन कार्यशाला में विशेषज्ञ।

डॉ. प्रगति जैन

- 29.2.2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमएसएमई प्रायोजित "उद्यमिता और स्टार्ट-अप पर एक सप्ताह का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)" में उद्यमिता के अवसरों का लाभ उठाने पर आमंत्रित वार्ता।

डॉ. सुरेश कुमार पात्रा

- 30 जुलाई 2023 को "सतत विकास लक्ष्य और भारतीय रणनीति: आगे का रास्ता" विषय पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
- जुलाई 2024 को अर्थशास्त्र, प्रबंधन और सामाजिक विकास में नीति अनुसंधान संस्थान (IPREMS), बरहामपुर , ओडिशा द्वारा आयोजित "लिंग विकास सूचकांक और लिंग असमानता सूचकांक को मापना" विषय पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

- सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए शोध पद्धति पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर (11 जून 2024) में "कथा और प्रवचन विश्लेषण" पर व्याख्यान।
- "एनईपी 2020 का विजन: शिक्षक शिक्षा का एक आशाजनक भविष्य" राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सेंट स्टीफन कॉलेज मदनगंज , किशनगढ़ , अजमेर (4 मई 2024)। मुख्य संबोधन।
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में "लिंग संवेदनशीलता: अपने अधिकारों और कर्तव्यों को जानें" (9 अगस्त 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

नरेन्द्र कुमार

- "भारत में शिक्षक शिक्षा का पुनर्गठन" डॉ. शादीलाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मेरठ (16 नवंबर, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- "स्कूल इंटर्नशिप: आवश्यकता और महत्व", केवलानंद बी.एड. कॉलेज, बिजनौर में "प्री-इंटर्नशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम" में (8 दिसंबर, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- "स्कूल इंटर्नशिप में सर्वोत्तम अभ्यास", केवलानंद बी.एड. कॉलेज, बिजनौर में "प्री-इंटर्नशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम" में (9 दिसंबर, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

गोबिंद सिंह

- “उत्कृष्टता का पोषण: शिक्षक की आवश्यक भूमिका और जिम्मेदारियों का अनावरण”, दिनांक 8 दिसंबर 2023, एक विशेषज्ञ के रूप में गुरुदक्षता - यूजीसी-एचआरडीसी, केयूके द्वारा शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र , भारत के सहयोग से आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम। आमंत्रित व्याख्यान
- “शिक्षक प्रभावशीलता: उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना”, दिनांक 14 दिसंबर 2023, संसाधन व्यक्ति के रूप में गुरुदक्षता - यूजीसी-एचआरडीसी, कुरुक्षेत्र द्वारा शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, भारत के सहयोग से आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम। आमंत्रित व्याख्यान

रीना गोदारा

- नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली , उदयपुर में टीजीटी अंग्रेजी शिक्षकों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम में "एनईपी 2020 और ड्राफ्ट एनसीएफ 2023" , (18/07/2023)। आमंत्रित व्याख्यान।
- नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली , उदयपुर में टीजीटी अंग्रेजी शिक्षकों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम में "21 वीं सदी के कौशल और शिक्षण पद्धति" (18/07/2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- “वैज्ञानिक कदाचार: मिथ्याकरण, निर्माण और साहित्यिक चोरी (FFP)”, भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर , गुजरात में पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य के लिए (9 दिसंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- “मार्गदर्शन एवं परामर्श”, शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स, एचआरडीसी- गुजरात विश्वविद्यालय (26 दिसंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- "एनईपी 2020", नवनियुक्त संगीत शिक्षकों के लिए नवोदय नेतृत्व प्रशिक्षण प्रेरण कार्यक्रम में मावली, उदयपुर, (08/01/2024)। आमंत्रित व्याख्यान।
- "21 वीं सदी के कौशल का एकीकरण", नवनियुक्त संगीत शिक्षकों के लिए नवोदय नेतृत्व प्रशिक्षण प्रेरण कार्यक्रम में मावली , उदयपुर, (08/01/2024)। आमंत्रित व्याख्यान।

टी.संगीता

- अविनाशलिंगम गृह विज्ञान एवं उच्च महिला शिक्षा संस्थान के शिक्षा विभाग में "जनरेशन जेड शिक्षकों के लिए उपकरण एवं तकनीक की खोज" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (04.जनवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी द्वारा “शैक्षणिक सफलता पर भावनात्मक स्वास्थ्य और कल्याण” शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। (10 जनवरी 2024) को “विशेष शिक्षा से संबंधित भावनात्मक स्वास्थ्य और कल्याण” विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया गया। आमंत्रित व्याख्यान
- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, दयानंद कॉलेज, अजमेर द्वारा तमिल सांस्कृतिक अनुसंधान केंद्र, पलकड़, केरल के सहयोग से श्री वनविल के. रवि की रचनाओं में राष्ट्र, प्रकृति और नारीशक्ति शीर्षक से एक दिवसीय द्विभाषी राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई और वनविल के. रवि की कविताओं में चित्रित समानता, महिला सशक्तिकरण विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। दिनांक (06.अप्रैल 2024) आमंत्रित वार्ता

सीमा गोपीनाथ

- एक्सटेंशन सर्विस क्लब, पीट मेमोरियल ट्रेनिंग कॉलेज, मावेलिक्कारा , केरल द्वारा आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में “शिक्षण में अनुसंधान को एकीकृत करना - क्रिया अनुसंधान” (14 मार्च 2024)।
- केरल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, कुन्नम , मवेलिक्कारा , केरल द्वारा आयोजित प्रोजेक्ट रिपोर्टिंग पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में “शोध नैतिकता” (19 मार्च 2024)।

कनक शर्मा

- नोएडा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा “एनईपी 2020 के आलोक में भारतीय शिक्षा प्रणाली में हालिया रुझान और रणनीतियां” विषय पर अगस्त 2023 में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज, गाजियाबाद द्वारा आयोजित संदर्भ प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यशाला में "अपने संदर्भों का प्रबंधन: संदर्भ शैलियाँ" (25 सितंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- सीओई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में " परामर्श तकनीक" (06 अक्टूबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- ‘21वीं सदी में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के भारतीयकरण की आवश्यकताएँ, संभावनाएँ और चुनौतियां' विषय पर मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, सीकर, राजस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (8 अक्टूबर 2023)। विशिष्ट अतिथि वक्ता
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित 'विश्व भर में खुशी और स्थिरता: सतत विकास लक्ष्यों के लिए निहितार्थ' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन (11 अक्टूबर, 2023)। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- सेंट्रल एकेडमी टेकहर्स ट्रेनिंग कॉलेज, अजमेर द्वारा आयोजित समावेशी शिक्षा पर भारत का फोकस: लैंगिक मुद्दों और चिंताओं के माध्यम से मार्ग' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (17 अक्टूबर 2023)। अतिथि वक्ता
- 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका' पर आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (24-25 नवंबर 2023)। संसाधन व्यक्ति
- "जनसंख्या एवं नमूनाकरण", उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज, गाजियाबाद द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन 14 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में (27 नवंबर 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- 'शिक्षक शिक्षा में मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण' पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के शिक्षा विभाग द्वारा कॉन्स्टेटिन द फिलॉसफर यूनिवर्सिटी नित्रा, स्लोवाकिया के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (01 दिसंबर 2023)। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की
- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसईआईई 2024) का आयोजन अजमेर(10 जनवरी 2024).मुख्य भाषण तकनीकी सत्र IX के लिए वक्ता, जिसका विषय था 'समानता और गुणवत्ता: पाठ्यचर्या संबंधी मुद्दे, चुनौतियां और अभ्यास'।

- "जनसंख्या एवं नमूनाकरण" उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज, गाजियाबाद द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन 07 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में (28 अप्रैल 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावी शोध रिपोर्ट लेखन" भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) और इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ (IU) के शैक्षणिक और प्रशासनिक विकास केंद्र (AIU-IU-AADC) द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र के तत्वावधान में आयोजित शिक्षण और शोध पत्र लेखन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर संकाय विकास कार्यक्रम में (30 जून 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

नित्याप्रेम एस. आर

- शिक्षा विभाग, कनिमोझी पनीरसेल्वम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नागपट्टिनम द्वारा आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (20 दिसंबर 2023) में आयोजित "बहुविषयक दृष्टिकोण में STEM शिक्षाशास्त्र"। आमंत्रित व्याख्यान
- "शिक्षण के सैद्धांतिक आधार और शैक्षणिक विश्लेषण" शिक्षा विभाग, कनिमोझी पनीरसेल्वम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नागपट्टिनम द्वारा आयोजित (4 जून 2024)। आमंत्रित वार्ता
- "शैक्षणिक अनुसंधान में अंतःविषय दृष्टिकोण" शिक्षा विभाग, कनिमोझी पनीरसेल्वम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, नागपट्टिनम द्वारा आयोजित (3 जून 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग

डॉ. संयोग रावत

- आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर में "इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नवीन विकास" (ICRDET-2024) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (16 जनवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर में "इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नवीन विकास" (ICRDET-2024) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17 जनवरी 2024)। सत्र अध्यक्ष
- केशवानंद प्रौद्योगिकी, प्रबंधन एवं ग्रामोत्थान संस्थान (एसकेआईटी) में "नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकियों में प्रगति" (ICANCT-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (17 फरवरी 2024) । मुख्य वक्ता
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सतत विकास के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (MASDST-2024), मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर में (28 मार्च 2024)। सत्र अध्यक्ष
- मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर में स्मार्ट ऊर्जा प्रणालियों के लिए इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग तकनीकों पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICTSES-2023) (15 दिसंबर 2023)। सत्र अध्यक्ष
- आईपी मंथन, भारत सरकार के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा आयोजित (11 अगस्त 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

अंग्रेजी विभाग

संजय अरोड़ा

- एससीईआरटी उदयपुर, राजस्थान में "जर्नल, *द प्राइमरी टीचर* का प्रकाशन" परियोजना में विशेषज्ञ । (22-24 अगस्त, 2023)

- उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित "वैश्विक नागरिकता के लिए अंग्रेजी: विविध शिक्षण कार्य और सीखने के अनुभव" पर ELTAI का 17 वां अंतर्राष्ट्रीय और 53 वां वार्षिक सम्मेलन। (11-14 अक्टूबर, 2023): सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए निर्णायक।
- उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित "वैश्विक नागरिकता के लिए अंग्रेजी: विविध शिक्षण कार्य और सीखने के अनुभव" पर ELT@I का 17 वां अंतर्राष्ट्रीय और 53 वां वार्षिक सम्मेलन। (12 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।
- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।
- एमिटी विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित "साहित्य में इतिहास, जातीयता और मिथक का पुनरीक्षण" (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "साहित्य समाज का प्रतिबिंब" विषय पर व्याख्यान के लिए विशेषज्ञ (21 नवंबर, 2023): आमंत्रित व्याख्यान।
- सोफिया गर्ल्स कॉलेज (स्वायत्त), अजमेर द्वारा आयोजित "साहित्य, भाषा, संस्कृति और इंटरनेट की खोज" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (30-31 जनवरी, 2024): मुख्य वक्ता।
- पूर्णिमा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय और विज्ञान एवं मानविकी संकाय द्वारा ELT@I जयपुर चैप्टर के सहयोग से आयोजित "भाषा, साहित्य और संचार में विधियाँ, सौंदर्यशास्त्र, शैलियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय अनुशासन सम्मेलन (2-3, फरवरी, 2024): मुख्य वक्ता।
- यूईएम जयपुर के अंग्रेजी विभाग द्वारा "मानविकी में पेटेंट के लिए आवेदन कैसे करें" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (20 मार्च, 2024):

भूमिका शर्मा

- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।
- राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, साहित्य, फिल्म और मीडिया में मार्वेलस: माइथोपोइया, मल्टीवर्स और फैंटेसी का मानचित्रण। (19-21 दिसंबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।
- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित शोध पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला में "सैद्धांतिक अनुप्रयोग: 'स्त्रीत्व' के विखंडन का एक केस स्टडी"। (11 जुलाई, 2024): आमंत्रित व्याख्यान।
- क्रिसलिस IV.1: "तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्यिक परंपरा का मानचित्रण: प्रेमचंद और थकाज़ी" पर एक स्मारक व्याख्यान श्रृंखला वार्ता, अंग्रेजी अनुसंधान केंद्र, सेंट एलॉयसियस कॉलेज, त्रिशूर, केरल द्वारा आयोजित। (13 जून, 2024): सत्र समापन।
- यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजी नगर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित "ऑनलाइन प्री-पीएचडी कोर्सवर्क" में 02 विशेषज्ञ व्याख्यान । (6 मई, 2024): आमंत्रित वार्ता।
- मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा के स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज एंड ह्यूमैनिटीज के अंग्रेजी विभाग द्वारा "कथा और कथन: दक्षिण एशियाई साहित्य में नवीनतम रुझानों का मानचित्रण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। (30-31 जनवरी, 2024)): सत्र की अध्यक्षता की

नेहा अरोड़ा

- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।

- एनआईटी मेघालय द्वारा आयोजित "विकलांगता अध्ययन: सिद्धांत और व्यवहार" पर राष्ट्रीय सम्मेलन। (18 नवंबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता की।
- राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित अनुवाद एवं रचनात्मक लेखन विषय पर कार्यशाला में 'अनुवाद की राजनीति' (29 मई-6 जून, 2024): आमंत्रित व्याख्यान।
- मानभूम महाविद्यालय, रघुनाथपुर कॉलेज और संतालडीह कॉलेज द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में "चिनुआ अचेबे की थिंग्स फॉल अपार्ट का उत्तर-औपनिवेशिक वाचन" (8 मई, 2024): आमंत्रित व्याख्यान।

देवेन्द्र रांकावत

- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "स्वदेशी साहित्य के माध्यम से भू-केन्द्रवाद, प्रकृतिवाद और सामूहिकता" पर RASE का XX वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (26-28 दिसंबर, 2023) : सत्र की अध्यक्षता।
- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता की गई ।

वेद प्रकाश

- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता ।
- "संगीत और कथाओं को समझना" विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में। (1 जुलाई, 2024) व्याख्यान दिया।
- "हिप हॉप और ब्लैक आइडेंटिटी की कथानक" विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में। (2 जुलाई, 2024) व्याख्यान दिया।
- "रेगे और आशा की कथाएँ विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में " "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में। (3 जुलाई, 2024) व्याख्यान दिया।
- "संगीत के माध्यम से ग्रह की कथाएँ" विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में। (4 जुलाई, 2024) व्याख्यान दिया।
- "संगीत, संस्कृति और समाज" विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में (5 जुलाई, 2024)। व्याख्यान दिया।
- अंग्रेजी विभाग, मानभूम महाविद्यालय, रघुनाथपुर कॉलेज और संतालडीह कॉलेज, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला में "युद्ध, हिंसा और साहस: माँ साहस और उसके बच्चों का एक अध्ययन " (9 मई, 2024)। व्याख्यान दिया।
- माँ मणिकेश्वरी विश्वविद्यालय, कालाहांडी, ओडिशा के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'मानविकी आज' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पर्यावरण मानविकी" (16 मार्च, 2023)। मुख्य भाषण।
- गोवा विश्वविद्यालय के शेनोई गोएम्बैब स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर में अंग्रेजी विषय में "अस्तित्व के संकटों की जांच" (14 दिसंबर, 2023)। व्याख्यान दिया।
- गोवा विश्वविद्यालय के शेनोई गोएम्बैब स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर में अंग्रेजी विषय में "पोस्टह्यूमनिज्म का

सिद्धांत" (13 दिसंबर, 2023)। व्याख्यान दिया।

- "संगीत और कथाएँ" विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में। (28 जुलाई, 2023) व्याख्यान दिया।
- विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में "जीवन कथाओं का सिद्धांतीकरण" (27 जुलाई, 2023)। व्याख्यान दिया।
- विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में "कला और साहित्य के माध्यम से विरोध की कथाएँ" (26 जुलाई, 2023)। व्याख्यान दिया।
- विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में "प्रतिरोध और ग्राफिक कथाएँ" (25 जुलाई, 2023)। व्याख्यान दिया।
- विज्ञान और उदार कला, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद में "कथाओं का परिचय" पर शिक्षण मॉड्यूल के एक भाग के रूप में "कथाओं को समझना" (24 जुलाई, 2023)। व्याख्यान दिया।

सविता अंदेलवार

- न्यू लिटरेरिया और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट की खोज" पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (19-20 अक्टूबर, 2023): सत्र की अध्यक्षता।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

प्रो. राजेश कुमार

- संगम विश्वविद्यालय , भीलवाड़ा, राजस्थान, भारत द्वारा आयोजित "पर्यावरण के सतत विकास के लिए अनुप्रयुक्त विज्ञान में हाल के रुझान और नवाचार (आरटीआईएस-24") पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बदलती जलवायु और सतत पर्यावरण की आवश्यकता: हिमालय से एक केस स्टडी" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता।
- 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 तक एमिटी स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित "विज्ञान, समाज और संस्कृति" विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में 01 मार्च 2024 को "जलवायु परिवर्तन का समाज पर प्रभाव" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता।
- "ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव-भारतीय हिमालय से एक केस स्टडी" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता और 14-15 मार्च 2024 के दौरान त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल और कागावा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा होटल अकामा, काठमांडू, नेपाल में आयोजित "बदलती जलवायु के तहत मेगा-भू-आपदाओं के प्रक्षेपण और शमन" पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र अध्यक्षता।

प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

- "पर्यावरण अध्ययन पर्यावरण विज्ञान में कैरियर के अवसर" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान, जिसे 13 अप्रैल, 2024 को MODY विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था।

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में "समाज और पर्यावरण के बीच संतुलन: प्राचीन भारतीय प्रथाएं" विषय पर फरवरी, 2024 में आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 23 जनवरी, 2023 को आयोजित भारत भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के सभी विषयों के सहायक प्रोफेसरों के लिए "पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान" में यूजीसी - मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के हिस्से के रूप में "पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन में आरएस और जीआईएस की क्षमता" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।।

- दिसंबर, 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विकासशील भारत पहल में पृथ्वी विज्ञान स्कूल द्वारा आयोजित "रोजगार के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" शीर्षक पर मुख्य भाषण।

- एफईएस (पारिस्थितिक सुरक्षा फाउंडेशन) द्वारा 18 दिसंबर से 19 दिसंबर, 2023 तक जयपुर, राजस्थान के आईडीएस में 'राजस्थान का चरागाह पारिस्थितिकी तंत्र: खतरा, चुनौतियां, अवसर और संरक्षण पहल' पर आयोजित कार्यशाला में "राजस्थान का चरागाह पारिस्थितिकी तंत्र: खतरा, चुनौतियां, अवसर और संरक्षण पहल: एक भू-स्थानिक संभावना" विषय पर आमंत्रित वार्ता।

- “पर्यावरण अध्ययन और सार्वजनिक स्वास्थ्य में प्रगति” विषय पर सितंबर, 2023 में कनोरिया कॉलेज, जेएलएन मार्ग, जयपुर में विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आमंत्रित व्याख्यान।

- 22-23 सितम्बर, 2023 के दौरान राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) गतिविधियों के एक भाग के रूप में कोर रिसर्च ग्रांट (सीआरजी) योजना के अंतर्गत "शोध जागरूकता एवं कौशल विकास" पर दो दिवसीय कार्यशाला में "शोध नैतिकता" विषय पर आमंत्रित वार्ता।

- 12 जुलाई, 2023 को राज ऋषि राजकीय स्वायत्त महाविद्यालय, अलवर-301001, राजस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत विकास लक्ष्यों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " अरावली : भारत की प्राकृतिक हरित दीवार" शीर्षक पर मुख्य भाषण।

डॉ. प्रमोद एन कांबले

- एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला: बहुविषयक शिक्षा - नई शिक्षा नीति और एसडीजी पर आमंत्रित वार्ता - 16 से 17 फरवरी, 2023। एएससी कॉलेज, कोल्हार, अहमदनगर द्वारा आयोजित, एमएस-“आमंत्रित व्याख्यान।

- “पारिस्थितिक क्षरण और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान” शीर्षक से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 9 से 10 फरवरी, 2023 तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में आयोजित। सत्र अध्यक्ष।

- अनिश्चित काल में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11 और 12 अप्रैल 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित। सत्र अध्यक्ष।

- “औषधीय पौधे: पर्यावरणीय स्थिरता और स्वास्थ्य देखभाल नवाचारों में नई सीमाओं की खोज (एनसीएमपी-2024)” राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) 2.0 के तत्वावधान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया d;k, जो 14 से 15 मार्च, 2024 के दौरान जयपुर शहर भारत में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित किया गया। आमंत्रित व्याख्यान पर्यावरण दिवस 2024 के उपलक्ष्य में, 25 जून 2024 को दोपहर 02:30 बजे ज़ूम के माध्यम से एक विशेष पर्यावरण जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यह

कार्यक्रम जागरूकता बढ़ाने और हमारे ग्रह की रक्षा के लिए संधारणीय प्रथाओं को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस वर्ष का विश्व पर्यावरण दिवस अभियान "हमारी भूमि, हमारा भविष्य" नारे के तहत "भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और निपटने" पर केंद्रित है। कमिंस लिमिटेड पुणे द्वारा आयोजित - आमंत्रित वार्ता।

डॉ. गरिमा कौशिक

- " पृथ्वी दिवस समारोह थीम पर एक गुणवत्तापूर्ण पहल: ग्रह बनाम प्लास्टिक"। आमंत्रित व्याख्यान
- रसायन विज्ञान और सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एसकेआईटी, जयपुर द्वारा सतत विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला में "बायोरीमेडिएशन: एक हरित समाधान" (8 फरवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान
- "बिस्फेनॉल ए: संबंधित जोखिम, विषाक्तता और बायोरेमेडिएशन दृष्टिकोण" सेंटर फॉर कन्वर्जिंग टेक्नोलॉजीज और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर लाइफ साइंसेज द्वारा आयोजित (22 दिसंबर 2023) आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. रितु सिंह

- पटौदा, झज्जर, हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित मैटेरियल्स साइंस एंड डिवाइसेस 2023 (ICTMRD 2023) में "संशोधित मैग्नेटाइट नैनोकणों का उपयोग करके जलीय वातावरण से सिंथेटिक रंगों को हटाने का मूल्यांकन" (23 जुलाई 2023)। आमंत्रित व्याख्यान
- जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान में एकीकृत अंतःविषयी मार्ग: सतत विकास के दृष्टिकोण (ICIIABASPSD-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण के अनुकूल उर्वरक के रूप में चिटोसिन-लेपित नैनोयूरिया का संश्लेषण और मूल्यांकन: सतत कृषि के लिए निहितार्थ" (28 अप्रैल 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।

भाषाविज्ञान विभाग

डॉ. धनपति शौग्राकपम

- "एएलएस स्वदेशी भाषाएँ ", 10 वीं वाइब्रेंट एशिया संगोष्ठी, भाषा, सांस्कृतिक विरासत और पहचान का प्रतिनिधित्व - मारवाड़ी, राजस्थान, भारत। (18 अगस्त , 2022)। आमंत्रित व्याख्यान।
- भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में "मेरी भाषा मेरा हस्ताक्षर" विषय पर विशेष व्याख्यान (ईबीएसबी) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश द्वारा (11 दिसंबर, 2022)
- "इनक्वायरींग एबलिज्म: डिसेबिलिटी इन डिस्कोर्स", "डिसेबिलिटी एंड द एवरीडे: इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स" विषय पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (8 से 10 फरवरी , 2023)। सत्र की अध्यक्षता
- अनुवाद पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में " अनुवाद में संस्कृति-विशिष्ट शब्दों एवं वाक्यांशों का प्रयोग " पर विशेष व्याख्यान। (25 - 29 मई 2023)।

डॉ. सरिता शर्मा

- नसीराबाद के सेवारत शिक्षकों/प्रधानाचार्यों के लिए एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारतीय सांकेतिक भाषा" पर जागरूकता व्याख्यान (26 जून 2023)।

- यूजीसी एचआरडीसी, जयपुर द्वारा 'भाषाई विविधता की ओर' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स में "भाषा और मस्तिष्क: न्यूरोलिंग्विस्टिक्स में मुद्दे"। (27 जुलाई 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. महबूब जाहिद

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय दृष्टिकोण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकलांगता: रोजमर्रा के अनुभवों पर पुनर्विचार" (8 - 10 फरवरी , 2023)। सत्र की अध्यक्षता
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के आधुनिक भारतीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित "मूल्य, सामाजिक चेतना और संत साहित्य की प्रासंगिकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन" (20 - 21 मार्च , 2023)। संसाधन व्यक्ति
- "राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी एवं भाषा संकाय में अनुवाद पर पांच दिवसीय कार्यशाला में अनुवाद के विभिन्न सिद्धांत। (25 - 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान

श्री धनंजय कुमार तिवारी

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी एवं भाषा संकाय में अनुवाद पर पांच दिवसीय कार्यशाला में "विधि अनुवाद: मुद्दे, चुनौतियां एवं तंत्र" (25 से 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी एवं भाषा संकाय में अनुवाद पर पांच दिवसीय कार्यशाला में "अनुवाद के विभिन्न प्रकार " पर विशेष व्याख्यान। (25 - 29 मई 2023)

गणित विभाग

डॉ. राम किशोर

- 21-23 जुलाई, 2023 के दौरान अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग, शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित 29वें CONIAPS में "डिस्क के साथ सामान्यीकृत फोटो-गुरुत्वाकर्षण आरटीबीपी पर " आमंत्रित व्याख्यान
- "लैग्रेंज बिंदु-एल1 के अस्तित्व विश्लेषण, स्थिरता विश्लेषण और विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों में संभावित अनुप्रयोग" पर आदित्य-एल 1 मिशन पर केन्द्रित सौर खगोल विज्ञान पर मेघनाद साहा स्मारक कार्यशाला, 4-6 दिसंबर, 2023 के दौरान भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई। विशेषज्ञ
- अजमेर के गणित विभाग में आयोजित राष्ट्रीय गणित दिवस संगोष्ठी में "सबसे चर्चित अनसुलझी समस्या पर" कार्यक्रम समन्वयक
- अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गुरुवार, 14 मार्च, 2024 को बिहार के भोजपुर स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के गणित विभाग में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 'गणित विज्ञान में नवीन प्रगति' में "आकाशीय यांत्रिकी की एक उत्सवपूर्ण समस्या" विषय पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ
- महादेवानंद में फजी और आंशिक वातावरण के साथ जैविक और गतिशील प्रणालियों पर गणितीय विज्ञान के नवीन विकास पर 10 दिनों की ऑनलाइन कार्यशाला में "सामान्यीकृत फोटो-गुरुत्वाकर्षण आरटीबीपी में डिस्क/बेल्ट का प्रभाव" महाविद्यालय बैरकपुर , कोलकाता. विशेषज्ञ

डॉ. विपुल कक्कड़

- प्रयागराज में 21-22 दिसंबर, 2023 के दौरान दैनिक जीवन में गणित पर कार्यशाला में क्रिप्टोग्राफी के क्षेत्रों के अनुप्रयोग।

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

डॉ. निधि पारीक

- काइटिन युक्त अवशिष्ट संसाधनों को ऑर्गेनोनाइट्रोजन और बायोएक्टिव में परिवर्तित करने में फंगल उत्प्रेरकों की मध्यस्थता। मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर (MUJ), भारत के जैव प्रौद्योगिकी और रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से विज्ञान संकाय में 4-6 अप्रैल, 2024 को आयोजित "मैटेरियल्स साइंस और कम्प्यूटेशनल तकनीकों पर नवीन प्रगति" पर चौथे वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान।
- माइको-काइटीनेज़ की मध्यस्थता से तटीय अवशिष्ट संसाधनों को बायोएक्टिव में परिवर्तन, **31** जनवरी से **1** फरवरी, **2019** को राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, भारत में आयोजित **"**स्थायी जैव**-**अर्थव्यवस्था के लिए माइक्रोबियल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**"** में आमंत्रित व्याख्यान**।**
- पर्यावरण की सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पोषक तत्वों के तर्कसंगत पुनर्चक्रण : सूक्ष्म शैवाल का उपयोग करके संयोजन प्रक्रिया विकास। 22-24 दिसंबर, 2023 को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर, भारत में आयोजित "पर्यावरण और सतत विकास में नवीन रुझान RTESD-2023", नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान।
- चिटिनोलिटिक एंजाइम और चिटो-बायोएक्टिव का उपयोग करके फाइटोपैथोजेन्स का मुकाबला करना : एक पर्यावरण-सक्षम टिकाऊ समाधान। "स्थायी जैव संसाधनों और जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन " (AI-BSBB2023) 22-25 नवंबर, 2023 को AKS विश्वविद्यालय, सतना, मध्य प्रदेश, भारत में आयोजित।
- सतत ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियां पर आठवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (VIIIएसईईसी)" का आयोजन, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, भारत ; 4-6 दिसंबर, 2023.
- बायोटेक्नोलॉजी में नए क्षितिज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएचबीटी-2023) में बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया से " मालवीय यंग फैकल्टी अवार्ड" 26-29 *नवंबर*, 2023; *त्रिवेंद्रम*, *केरल*, *भारत*
- जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एआई-बीएसबीबी 2023) में सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज से "जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार"।

फार्मेसी विभाग

डॉ. उमेश गुप्ता

- 25 और 26 मार्च 2024 को सोसाइटी फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री (एसएनसीआई), दिल्ली लोकल चैप्टर के सहयोग से जामिया हमदर्द द्वारा आयोजित "न्यूरोसाइंस और न्यूरोकेमिस्ट्री में नवीन प्रगति" पर दो दिवसीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ।

- 07 अक्टूबर 2023 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "फाइटोमेडिसिनल उत्पादों के विकास में रुझान और प्रौद्योगिकियां" पर अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ। (फाइटोफार्मास्युटिकल अनुसंधान में सेल कल्चर तकनीक)

- 31 जुलाई से 6 अगस्त 2023 के दौरान राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित "ड्रग डिलीवरी में फॉर्मूलेशन और कैरेक्टराइजेशन तकनीक" पर डीएसटी-एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान।
- 31 जुलाई से 6 अगस्त 2023 तक "ड्रग डिलीवरी में फॉर्मूलेशन और कैरेक्टराइजेशन तकनीक" पर डीएसटी-एसटीयूटीआई हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- 25 और 26 मार्च 2024 को सोसाइटी फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री (एसएनसीआई), दिल्ली लोकल चैप्टर के सहयोग से जामिया हमदर्द द्वारा आयोजित "न्यूरोसाइंस और न्यूरोकेमिस्ट्री में नवीन प्रगति" पर दो दिवसीय संगोष्ठी में विशेषज्ञ।
- 07 अक्टूबर 2023 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "फाइटोमेडिसिनल उत्पादों के विकास में रुझान और प्रौद्योगिकियां" पर अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ। (फाइटोफार्मास्युटिकल अनुसंधान में सेल कल्चर तकनीक)
- 31 जुलाई से 6 अगस्त 2023 के दौरान राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित "ड्रग डिलीवरी में फॉर्मूलेशन और कैरेक्टराइजेशन तकनीक" पर डीएसटी-एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. रुचि मलिक

- यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा 06 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विषय पर मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) एनईपी - 2020 अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 28 मई, 2024 को "एंटी-वायरल ड्रग डिस्कवरी में स्वचालित कोर फाइंडिंग का उपयोग करके फ्री विल्सन मॉडल के लगातार पुनर्निर्माण द्वारा लीड ऑप्टिमाइज़ेशन में तेजी लाने" विषय पर तीसरा ईएफएमसी² टैंडम टॉक्स।

डॉ. कैसर रजा

- डर्मोकिनेटिक्स: ट्रॉपिकल रूट्स द्वारा दवाओं की जैव उपलब्धता का आकलन करने के लिए एक मूल्यांकन उपकरण, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल साइंटिस्ट्स, यूएसए (ऑनलाइन मोड), 23 फरवरी 2024।
- औषधि वितरण में निर्माण और लक्षण वर्णन तकनीक, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (डीएसटी-एसटीयूटीआई), 06 अगस्त 2023।
- तंत्रिका संबंधी विकारों के लिए डाइमिथाइल फरमारेट के लिपिड आधारित नैनोकण: एक दवा वितरण परिप्रेक्ष्य, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान, 24 जनवरी 2024।

प्रो. (डॉ.) अमित कुमार गोयल

- जामिया हमदर्द द्वारा दिनांक 07-10-2023 को अहमदाबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन “द फ्यूचर ऑफ फार्मास्युटिकल ड्रग डेवलपमेंट ट्रेंड्स, चैलेंजेस एंड ऑपर्च्युनिटीज” में विशेषज्ञ। “प्राकृतिक उत्पादों के जैव प्रसंस्करण पर औषधि विकास” पर व्याख्यान दिया गया।

भौतिकी विभाग

प्रो. मनीष देव श्रीमाली

- “मशीन लर्निंग और डायनेमिकल सिस्टम” यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, बेसिक साइंस में ऑनलाइन 8 वां 2-सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स, 22 अगस्त – 04 सितंबर, 2023।
- “विनियमित बातचीत और शोर के तहत गतिशीलता, ऑनलाइन सेमिनार, कंप्यूटर विज्ञान संकाय, एचएसई विश्वविद्यालय, मॉस्को, रूस, 11 अगस्त, 2023।
- आईआईटी मद्रास में नॉनलीनियर डायनेमिक्स (पीएनएलडी) के परिप्रेक्ष्य में STATPHYS-28 जापान के सैटेलाइट सम्मेलन में "पर्सपेक्टिव इन रिजर्वायर कंप्यूटिंग" पर ब्रेक-आउट-सेशन (1-4 अगस्त, 2023)

प्रो. अजीत कुमार पात्रा

- “Mn आधारित हेस्लर मिश्रधातुओं की फ्रस्टेटेड मैग्नेटिक ग्रांउड स्टेट” रासायनिक और भौतिक विज्ञान में सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसडीसीएमएस), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन और रासायनिक विज्ञान विभाग। (4-5 अप्रैल 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. नीरज पंवार

- "अपशिष्ट जल उपचार के लिए दुर्लभ-पृथ्वी ऑर्थक्रोमाइट-रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोकंपोजिट्स का फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन", नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20-24 नवंबर, 2023, एवेरो विश्वविद्यालय , पुर्तगाल (ऑनलाइन), आमंत्रित व्याख्यान
- नैनोफ्लुइड्स ", "बायोमैटेरियल्स", " नैनोकंपोजिट्स ", "सिरेमिक" और "नई ऊर्जा सामग्री" नैनो प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-24 नवंबर, 2023, एवेरो विश्वविद्यालय , पुर्तगाल; सत्र की अध्यक्षता।

डॉ. बृजेश कुमार सिंह

- रुड़की में ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की XLV संगोष्ठी, ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स और क्वांटम ऑप्टिक्स पर सम्मेलन (COPaQ-2022)। (10-13 नवंबर 2023)। सत्र की अध्यक्षता
- “बेलनाकार वेक्टर बीम का मोड रूपांतरण” ऑप्टिक्स फोटोनिक्स पर कार्यशाला: सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल तकनीक और सेंसर और नैनोफोटोनिक्स पर कार्यशाला (OPTCT और SeNcity 2024) भौतिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) रुड़की में। (23-25 फरवरी 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. युगांधर बिटला

- “भविष्य के लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सामग्री ", भौतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा

आयोजित सामग्री विज्ञान ISMS 2024 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी , (11-12 मार्च 2024)। आमंत्रित व्याख्यान

- मैंगनाइट्स में चुंबकीय क्रम", 23 दिसंबर 2023 को भौतिकी विभाग, विज्ञान और मानविकी स्कूल, एसआर विश्वविद्यालय, वारंगल द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला। (ऑनलाइन) आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. राजेंद्र पवार

- फोटोथर्मल उत्प्रेरक का उपयोग करके शुष्क सुधार मार्ग के माध्यम से ग्रीन सिनगैस (CO/H 2) का उत्पादन ; उन्नत सामग्री संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग 2023 (AMSCA 2023), भौतिकी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (एसपीपीयू), पुणे, 21-24 नवंबर, 2023। आमंत्रित व्याख्यान
- विशिष्ट फोटोकैटेलिस्ट ; समाज पर उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव पर संकाय विकास कार्यक्रम, महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर, 11-15 दिसंबर, 2023. आमंत्रित व्याख्यान

सार्वजनिक नीति, विधि और शासन विभाग

सी. जीवन कुमार

- "मनरेगा और सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करना"। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने के लिए गवर्नेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: नीतिगत नवाचार और इसके कार्यान्वयन में चुनौतियाँ, वॉक्सेन विश्वविद्यालय, हैदराबाद। (10-11 अक्टूबर, 2023)। विशेषज्ञ।
- "सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) नीतियों को क्रियान्वित करना"। 'स्वतंत्र भारत का पुनर्गठन, पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण: कृषि, प्रशासनिक, आर्थिक और उद्यमशीलता क्षेत्रों में सुधार' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गुजरात। (16-17 अगस्त, 2023)। विशेषज्ञ।
- "भारत में गवर्नेंस", राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और यूजीसी-एचआरडीसी, (9 दिसंबर, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान।

ज्ञान रंजन पांडा

- 10-12 फरवरी 2024 को राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन विभाग, वनस्थली द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति" पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान "अनुसंधान विधियों (गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों) के संयोजन" पर आमंत्रित व्याख्यान और एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। विद्यापीठ, राजस्थान (11-12 फरवरी , 2024)। विशेषज्ञ
- सार्वजनिक नीति, विधि एवं शासन विभाग द्वारा बजट एवं शासन जवाबदेही केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-अभिविन्यास कार्यक्रम में "सार्वजनिक व्यय में बिग डेटा की भूमिका" पर व्याख्यान दिया। (11 अगस्त, 2023)। विशेषज्ञ।

एस. कंदसामी

- सार्वजनिक नीति, विधि एवं शासन विभाग द्वारा बजट एवं शासन जवाबदेही केंद्र के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-अभिविन्यास कार्यक्रम के एक सत्र की अध्यक्षता की। (11 अगस्त, 2023)। एक सत्र की अध्यक्षता की।

सामाजिक कार्य विभाग

प्रो. जगदीश जाधव

- 05-06 सितंबर, 2023 को सीपीआरएचई, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा एचआरडीसी निदेशकों के साथ आयोजित परामर्श बैठक में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश पर सत्र के लिए एक वक्ता के रूप में भाग लिया।
- 28 फरवरी, 2024 को एचडीआरसी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम) में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश पर सत्र के लिए एक वक्ता के रूप में भाग लिया।
- 30 अप्रैल, 2024 को तिलक महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: सामाजिक कार्य शिक्षा के लिए मार्ग निर्माण विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाषण दिया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उत्तरी मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से सामाजिक अंकेक्षण: सामाजिक परिवर्तन के लिए एक उपकरण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 04 अप्रैल, 2024 को दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में समापन भाषण दिया।

डॉ. डण्डुब पलज़ोर

- 21.03.2024 और 22.03.2024 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), नई दिल्ली के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "देखभाल और सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देना" विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. राजीव एम.एम.

- 18 जून 2024 को चेंग्दू, चीन में सिचुआन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (एसएएसएस) द्वारा भारत में चुनाव के बाद आर्थिक स्थिति, नीति दृष्टिकोण और चीन-भारत संबंध पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रभावी आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन के लिए भारत-चीन साझेदारी' पर आमंत्रित व्याख्यान (अंतर्राष्ट्रीय)।
- कृषममल कॉलेज फॉर विमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु में 'भारत में सामाजिक कार्य पेशा: समकालीन अभ्यास और संभावनाएं' पर आमंत्रित व्याख्यान।
- 15 मार्च 2024 को सेवा भारती, कन्नूर, केरल द्वारा आयोजित 'आपदा प्रबंधन में परामर्श' पर आमंत्रित व्याख्यान।

शैज़ी अहमद

- अगस्त, 2023 को NAPSWI के सहयोग से मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कक्षाओं में सामाजिक कार्य व्यवसायों की तैयारी: कौशल और दक्षताओं पर चिंतन" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 3-5 नवंबर, 2023 को NAPSWI और UNFPA, भारत के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'किसी को न छोड़ें: भारत में सामाजिक कार्य के शिक्षण और अभ्यास पर पुनर्विचार' विषय पर ग्यारहवीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस 2023 में "सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम: शिक्षणशास्त्र और शैक्षणिक चुनौतियां" पर सत्र की अध्यक्षता की गई।

- 30 अगस्त, 2024 को स्पर्श प्रकोष्ठ, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल के सभी विद्यार्थियों के लिए "लिंग संवेदीकरण और POSH अधिनियम, 2013" पर व्याख्यान दिया।
- 19 अगस्त, 2024 को चंडीगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सहयोग से पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सामाजिक कार्य केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह व्याख्यान श्रृंखला के दौरान "समकालीन सामाजिक कार्य" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से 21 से 22 मार्च, 2024 के बीच आयोजित "देखभाल और सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय उम्र बढ़ने को बढ़ावा देना" शीर्षक से दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में " सक्रिय वृद्धावस्था हेतु योजना बनाने को प्रोत्साहन देना" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 21 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित "देखभाल और सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय आयुवृद्धि को बढ़ावा देना" विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

खेल जैव विज्ञान विभाग

डॉ. सुनील जी. पुरोहित

- 2 और 3 जनवरी, 2024 को एसबीवी राउज़ एवेन्यू, नई दिल्ली में इनसेट प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुये।
- जुलाई 2023 में वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एसकेआईएससी, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, भारत में आयोजित राष्ट्रीय वुशु शिविर के दौरान 'मैदान पर मूल्यांकन और वैज्ञानिक सहायता' विषय पर व्याख्यान।

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

- 7वें राष्ट्रीय खेल विज्ञान सम्मेलन PEFI, नई दिल्ली के तीसरे तकनीकी सत्र में सह-अध्यक्ष। 14 से 15 दिसंबर 2023 तक प्रतिष्ठित प्रगति मैदान, नई दिल्ली, भारत में। मुख्य विषय "खेल विज्ञान: एथलीट के प्रदर्शन में तेजी लाने के लिए एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण"
- 1 मार्च 2024 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) 2024 के अवसर पर "विज्ञान में नवीनतम शोध और दैनिक जीवन पर इसके प्रभाव" विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

डॉ. नेहा सिंह

- 14 से 15 दिसंबर 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली, भारत में आयोजित 7वें राष्ट्रीय खेल विज्ञान सम्मेलन PEFI में पैनलिस्ट। मुख्य विषय "खेल विज्ञान: एथलीट के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण", युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में भारतीय शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन द्वारा आयोजित।
- 28-29 अप्रैल 2024 को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित उत्तराखंड खेल प्रशिक्षक सम्मेलन में विशिष्ट वक्ता। खेल विभाग, उत्तराखंड सरकार और भारतीय शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन (पेफी)।

खेल मनोविज्ञान विभाग

डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर

- "किशोरों की व्यवहारिक समस्याओं का प्रबंधन और स्कूली बच्चों का खेल मनोविज्ञान" मावली, उदयपुर द्वारा आयोजित नवनियुक्त टी.जी.टी. शारीरिक शिक्षा (महिला) के लिए प्रेरण कार्यक्रम में (27 जून, 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली के लिए "खेल विज्ञान के उपकरण निर्माण एवं विकास" पर आमंत्रित विशेषज्ञ।
- AADI करियर मार्गदर्शन और परामर्श केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में "परामर्श सेवाओं में उत्कृष्टता का अनुप्रयोग" विषय पर व्याख्यान आमंत्रित (1 -2 अप्रैल , 2024)।
- 27-28 मार्च , 2024 को बेबे नानकी यूनिवर्सिटी कॉलेज मिथरा (कपूरथला), पंजाब द्वारा आयोजित 'समाज में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभाव' विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी । सत्र की अध्यक्षता की।
- 21 मार्च, 2024 को सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 'देखभाल और सशक्तिकरण के माध्यम से सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देना' शीर्षक से दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में "वृद्धावस्था की मनोवैज्ञानिक चुनौतियाँ और देखभाल" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान ।
- 8-10 फरवरी, 2024 को CURAJ के अंग्रेजी विभाग द्वारा इंडियन डिसेबिलिटी सोसाइटी कलेक्टिव (IDSC), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय दृष्टिकोण" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता ।
- "शारीरिक गतिविधि और स्कूल जाने वाले बच्चे" आईटीसी, बाउंस ऑफ जॉय और राजस्थान शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित पीई शिक्षक प्रशिक्षण में (5 फरवरी, 2024)। आमंत्रित व्याख्यान।
- 15-16 दिसंबर, 2023 को सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग STAIRS द्वारा आयोजित "जमीनी स्तर को ऊपर उठाना: भारत में स्वास्थ्य, फिटनेस और ओलंपिक उत्कृष्टता का मार्ग" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भावनात्मक क्षमता" पर आमंत्रित व्याख्यान।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "खेल विज्ञान पर 7वां राष्ट्रीय सम्मेलन", 14-15 दिसंबर, 2023 सत्र की अध्यक्षता
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार और नीति आयोग के सहयोग से ऊर्जा एवं पर्यावरण फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्व हाइड्रोजन ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में "नेट जीरो पथ पर संक्रमण का मानवीय आयाम: खेलों में स्वास्थ्य का समर्थन" (17 अक्टूबर, 2023)। अंतर्राष्ट्रीय मुख्य भाषण।
- 'खेलों में उत्कृष्टता: मनोवैज्ञानिक तैयारी को फिर से परिभाषित करना' मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (MHBM2023) मलेशिया (21-22 सितंबर, 2023)। अंतर्राष्ट्रीय मुख्य भाषण-ऑनलाइन।

सांख्यिकी विभाग

प्रो. जितेंद्र कुमार

- 29 जून, 2024 को सांख्यिकी दिवस समारोह 2024 के अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित "सांख्यिकीय ज्ञान के साथ शासन को सशक्त बनाना: इतिहास, सिद्धांत और विजन 2047" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

- 18-28 मार्च, 2024 को (21 मार्च, 2024 को 10:20 से 1:30 बजे के दौरान) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) द्वारा प्रायोजित, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान पर दस दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला में "समय श्रृंखला विश्लेषण का परिचय" शीर्षक से एक विशेषज्ञ वार्ता दी।
- 5 दिसंबर, 2023 को वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा 324021 द्वारा आयोजित दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम "सामाजिक और व्यवहार विज्ञान में गुणात्मक अनुसंधान में हाल के रुझान" में "सांख्यिकी: सांख्यिकी में डेटा विश्लेषण के आधार पर डेटा की आवाज़" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। (11:30 - 13:00)
- 6 दिसंबर, 2023 को वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा 324021 द्वारा आयोजित दो-सप्ताहीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम "सामाजिक और व्यवहार विज्ञान में गुणात्मक अनुसंधान में हाल के रुझान" शीर्षक से "समय श्रृंखला विश्लेषण" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। (10:00-11:30)6
- दिसंबर 06-12, 2023 के दौरान सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा NAHEP-IDP SKUAST-जम्मू के सहयोग से आयोजित "डिजिटल उपकरणों और संसाधनों के साथ कृषि छात्रों को सशक्त बनाना" पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "समय श्रृंखला मॉडल और कृषि पर इसके अनुप्रयोग" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

प्रो. अरविंद पांडे

- सांख्यिकी में सी.आर. राव के योगदान के सम्मान में सांख्यिकी सिद्धांत और अनुप्रयोगों में नवीन प्रगति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि 24 सितंबर, 2023, सांख्यिकी विभाग, बनस्थली विद्यापीठ।
- सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आईएसपीएस सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। फरवरी 2024।
- सांख्यिकी विभाग विवेकानंद कॉलेज कोल्हापुर, महाराष्ट्र द्वारा 21 अप्रैल 2024 से 25 अप्रैल 2024 तक आयोजित अपने अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से "फ्रलिटी मॉडल इन सर्वाइवल एनालिसिस"। व्याख्यान श्रृंखला।

डॉ. दीपेश भाटी

- 24-25 मई, 2024 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित डेटा एनालिटिक्स और कार्यालयी सांख्यिकी में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 12-13 जनवरी, 2024 को कवयित्री बहिनाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव, भारत के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित "डेटा विज्ञान और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 18 और 19 मार्च, 2024 को यशवंतराव चौहान विज्ञान संस्थान, सतारा (स्वायत्त) के सांख्यिकी और गणित विभाग द्वारा आयोजित "गणित विज्ञान में नवीन रुझान" (एनसीआरटीएमएस-2024) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. के. सतीश कुमार

- 1 मार्च 2024 को आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित "गणित, सांख्यिकी और डेटा विश्लेषण का उपयोग करके "आर" पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "आर-प्रोग्रामिंग का उपयोग करके संचालन अनुसंधान मॉडल" पर एक आमंत्रित वार्ता (ऑनलाइन) प्रस्तुत की।

- 29 जून 2024 को सिद्धार्थ महिला कॉलेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित "आधुनिक दुनिया में सांख्यिकी और इसके महत्व" पर एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. महेश बराले

- 7 सितंबर 2023 को राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापुर में "रीसैंपलिंग विधियों के अनुप्रयोग" विषय पर अतिथि संकाय के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. सौरभ कुमार

- 18 अक्टूबर 2023 को सीबीएचआई इन-सर्विस ओरिएंटेशन ट्रेनिंग कोर्स "एचआईएम फॉर ऑफिसर्स", सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस, जयपुर, राजस्थान में "राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल के विशेष संदर्भ में सांख्यिकीय डेटा का विश्लेषण" विषय पर अतिथि संकाय के रूप में व्याख्यान दिया।
- 18 अक्टूबर 2023 को सीबीएचआई इन-सर्विस ओरिएंटेशन ट्रेनिंग कोर्स "एचआईएम फॉर ऑफिसर्स", सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस, जयपुर, राजस्थान में "स्वास्थ्य सूचना से संबंधित भारत की जनसंख्या विशेष सर्वेक्षण का अवलोकन" विषय पर अतिथि संकाय के रूप में व्याख्यान दिया।
- 18 अक्टूबर 2023 को सीबीएचआई इन-सर्विस ओरिएंटेशन ट्रेनिंग कोर्स "एचआईएम फॉर ऑफिसर्स", केंद्रीय स्वास्थ्य खुफिया ब्यूरो, जयपुर, राजस्थान में "महत्वपूर्ण आंकड़े और उनके स्रोत, परिभाषा, और प्रजनन और मृत्यु दर के माप" विषय पर अतिथि संकाय के रूप में व्याख्यान दिया।

योग विभाग

डॉ. संजीब के. पात्रा

- 08 जनवरी, 2024 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में योग के माध्यम से मन-शरीर हस्तक्षेप के लिए सीसीआरवाईएन सहयोगी केंद्र द्वारा आयोजित मन-शरीर हस्तक्षेप: उभरती स्थिति पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'नींद और चेतना के न्यूरोबायोलॉजी' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. काशीनाथ जी मेत्री

- 08 जनवरी, 2024 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में योग के माध्यम से मन-शरीर हस्तक्षेप के लिए सीसीआरवाईएन सहयोगी केंद्र द्वारा आयोजित 'मन-शरीर हस्तक्षेप: उभरती स्थिति' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'हृदय स्वायत्त कार्य को बढ़ाने में योग की भूमिका' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- हृदय रोग में योग की भूमिका, योग विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा 15/06/2024 को आयोजित

संकाय सदस्यों के प्रकाशन

वास्तुकला विभाग

प्रो. नीरज गुप्ता

- वास्तुकला प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र, भोपाल के सहयोग से "नगरीय क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के क्षेत्रीय सामाजिक-पारिस्थितिक प्रभाव और ज्ञान श्रृंखला में समावेशी, लचीले और संधारणीय मानव समाधान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान।

वास्तु. विवेकानंद तिवारी

- तिवारी, ए. वी. (2024) “भौतिक नियोजन प्रक्रिया के लिए भूजल पुनर्भरण क्षमता वाले क्षेत्रों का स्थानिक-समय मानचित्रण - अजमेर शहर, भारत का एक मामला,” इकोहाइड्रोलॉजी और हाइड्रोबायोलॉजी doi: 10.1016/j.ecohyd.2024.02.006.
- तिवारी, ए. वी. (2024) “शहरी क्षेत्र में जीआईएस और एएचपी-आधारित भूजल पुनर्भरण क्षमता वाले क्षेत्र : अजमेर शहर, राजस्थान, भारत का एक अध्ययन,” शहरी जलवायु। doi: 10.1016/j.uclim.2024.101840.

डॉ. सुनील शर्मा

- गुप्ता, एस., शर्मा, एस. और गुप्ता, पी. (2023) डिजिटल वातावरण में सार्वजनिक पुस्तकालय सेवाएँ : राजस्थान में सार्वजनिक पुस्तकालयों के विशेष संदर्भ में नवाचार गतिविधियों पर एक अध्ययन। लाइब्रेरी प्रोग्रेस (इंटरनेशनल), [ऑनलाइन] 43(2), पृष्ठ.208–217. doi:https://doi.org/10.48165/bpas.2023.43.2.8.
- शर्मा, एस. और गुप्ता, एस. (2023) भारत के गर्म और शुष्क जलवायु में पुस्तकालय भवनों में डेलाइट इंटीग्रेशन कोड और सिस्टम इन : लाइब्रेरी टेक्नोलॉजी रिलेशनशिप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।, क्यूटी: जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज, अजमेर (राजस्थान), नवंबर 2023
- गुप्ता, एस. और शर्मा, एस. (2024)। ओपन एक्सेस पब्लिशिंग और अकादमिक लाइब्रेरी : राजस्थान में वर्तमान परिदृश्य का अवलोकन। जनवरी 2024 में हनुमानगढ़ में बहुविषयक अनुसंधान प्रवृत्तियों और दृष्टिकोण पर 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

डॉ. देवेश शर्मा

- मंडल, यू., कुमार, ए., पांडा, एस.के., **शर्मा, डी.**, दास, एस. (2024) "मॉनसून सीजन के दौरान भारत में गड़गड़ाहट वाले तूफानों के लिए अनुकूल थ्रेशोल्ड्स के व्यापक अध्ययन के लिए WRF–ARW मॉडल और ERA5 का उपयोग । भौगोलिक पर्यावरणीय आपदाएँ 11, 13। doi: https://doi.org/10.1186/s40677-023-00262-5
- **देवेश शर्मा**, आदित्य शर्मा, एस.के. पांडा, मुकुंद एस. बबेल, मनीष कुमार (2024) "राजस्थान, भारत के अर्ध-शुष्क नदी बेसिन में वर्षा के वेवलेट विश्लेषण और जल विज्ञान मॉडल का अनुप्रयोग । स्वच्छ - मृदा, वायु, जल । doi: https://doi.org/10.1002/clen.202300223

- शर्मा, ए., **शर्मा, डी.**, पांडा, एस.के., कुमार, ए. (2024) "माही नदी बेसिन, भारत में भारी वर्षा की घटनाओं का अनुकरण करने के लिए वेदर रिसर्च एंड फोरकास्टिंग (WRF) मॉडल की विभिन्न पैरामीटराइजेशन योजनाओं का संवेदनशीलता विश्लेषण। कृषि और वानिकी मौसम विज्ञान doi: 10.1016/j.agrformet.2023.109885
- तृष्णमयी मल्लिक, दीपक पांडिडुरई, **देवेश शर्मा**, आदित्य शर्मा, एस.के. पांडा (2024) "राजस्थान (शुष्क) और तमिलनाडु (आर्द्र), भारत के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में मौसम संबंधी सूखे की विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन। प्राकृतिक आपदाएँ doi: 10.1007/s11069-023-06376-1
- मुंडेतिया, एन., **शर्मा, डी.**, एवं शर्मा, ए. (2024). "जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत भूजल स्थिरता का मूल्यांकन, एक एकीकृत मॉडलिंग दृष्टिकोण और बहु-मानदंड निर्णय पद्धति का उपयोग करते हुए। सार्विक मॉडलिंग, 487, 110544। doi: https://doi.org/10.1016/j.ecolmodel.2023.110544
- मंडल, यू., पांडा, एस.के., बनर्जी, बी.के., कुमार, ए., एवं **शर्मा, डी.** (2023). "राजस्थान और पश्चिम बंगाल, भारत में WRF सूक्ष्मभौतिकीय मापदंडों का उपयोग करते हुए बिजली की संभावनाओं के सूचकांक और फ्लैश काउंट का प्रदर्शन मूल्यांकन । वायुमंडल और महासागरों की गतिशीलता, 104, 101404। doi: https://doi.org/10.1016/j.dynatmoce.2023.101404
- मंडल, यू., श्रीलेक्ष्मी, एस., पांडा, एस.के., कुमार, ए., दास, एस., एवं शर्मा, डी. (2023). "भारत और तीन बिजली हॉटस्पॉट्स में बिजली की दैनिक उतार-चढ़ाव: एक जलवायु अध्ययन। वायुमंडलीय और सौर-स्थलीय भौतिकी पत्रिका। 252, 106149। doi: https://doi.org/10.1016/j.jastp.2023.106149
- दुबे, एस.के., किम, जे., हेर, वाई., शर्मा, डी., एवं जियोंग, एच. (2023). "भारत में SWAT मॉडल का उपयोग कर हाइड्रोक्लाइमेटिक प्रभाव मूल्यांकन—अवस्थापना की समीक्षा । सततता । 15(22), 15779 । doi: https://doi.org/10.3390/su152215779
- गुणावत, ए., शर्मा, डी., शर्मा, ए., और दुबे, एस.के. (2023). "अर्ध-शुष्क पर्यावरण में सिंचाई और नाइट्रोजन उर्वरक का प्रबंधन करके गेहूँ (Triticum aestivum L.) फसल के प्रदर्शन का मूल्यांकन। AQUA-जल अवसंरचना, पारिस्थितिकी तंत्र और समाज। doi: https://doi.org/10.2166/aqua.2023.032

डॉ. सुब्रत कुमार पांडा

- मंडल, यू., श्रीलेक्ष्मी, एस., **पांडा, एस.के.,** कुमार, ए., दास, एस., एवं शर्मा, डी. (2023). भारत और तीन बिजली हॉटस्पॉट्स में बिजली की दैनिक उतार-चढ़ाव: एक जलवायु अध्ययन। वायुमंडलीय और सौर-स्थलीय भौतिकी पत्रिका। 252, 106149। doi: https://doi.org/10.1016/j.jastp.2023.106149
- मंडल, यू., कुमार, ए., **पांडा, एस.के.,** शर्मा, डी., दास, एस. (2024) मॉनसून सीजन के दौरान भारत में गड़गड़ाहट वाले तूफानों के लिए अनुकूल थ्रेशोल्ड्स के व्यापक अध्ययन के लिए WRF–ARW मॉडल और ERA5 का उपयोग। भौगोलिक पर्यावरणीय आपदाएँ 11, 13। doi: https://doi.org/10.1186/s40677-023-00262-5
- मंडल, यू., **पांडा, एस.के.,** बनर्जी, बी.के., कुमार, ए., एवं शर्मा, डी. (2023). राजस्थान और पश्चिम बंगाल, भारत में WRF सूक्ष्मभौतिकीय मापदंडों का उपयोग करते हुए बिजली की संभावनाओं के सूचकांक और फ्लैश काउंट का प्रदर्शन मूल्यांकन । वायुमंडल और महासागरों की गतिशीलता, 104, 101404। doi: https://doi.org/10.1016/j.dynatmoce.2023.101404
- कुमार, ए., **पांडा, एस.के.,** मंडल, यू., शर्मा, डी., एवं दास, एस. (2023). बिहार और राजस्थान, भारत में बिजली के अनुकरण के लिए WRF मॉडल के समय स्टेप और डोमेन रिजॉल्यूशन का मूल्यांकन। पृथ्वी प्रणालियाँ और पर्यावरण का मॉडलिंग, 9(4), 3959-3984। https://doi.org/10.1007/s40808-023-01724-3
- देवान, एच., **पांडा, एस.के.,** एवं मंडल, यू. (2024). सूक्ष्मभौतिकी और क्यूमूलस पैरामीटराइजेशन योजनाओं का संवेदनशीलता विश्लेषण: WRF मॉडलिंग प्रणाली का उपयोग करके उत्तराखंड में बादल फटने का संख्यात्मक

अनुकरण । सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 155(3), 1583-1603। https://doi.org/10.1007/s00704-023-04708-6

- कुमार, ए., मंडल, यू., **पांडा, एस.के.,** एवं कादर, एस.एस. (2024). " वेदर रिसर्च फॉरकास्टिंग मोडेल के उपयोग से बांगलादेश में तूफानों के अनुकरण पर क्षैतिज ग्रिड रिज़ॉल्यूशन की संवेदनशीलता, ।" अरब भूविज्ञान पत्रिका, 17(1), 27। https://doi.org/10.1007/s12517-023-11820-4
- वास्सन, जी., एवं **पांडा, एस.के.** (2024). "WRF-ELEC मॉडल का उपयोग करते हुए बिजली और तूफान के अनुकरण में PBL पैरामीटराइजेशन योजनाओं की संवेदनशीलता।" जलवायु गतिकी, 1-23। https://doi.org/10.1007/s00382-023-07099-6
- शर्मा, ए., शर्मा, डी., **पांडा, एस.के.,** एवं कुमार, ए. (2024) "माही नदी बेसिन, भारत में भारी वर्षा की घटनाओं का अनुकरण करने के लिए वेदर रिसर्च एंड फोरकास्टिंग (WRF) मॉडल की विभिन्न पैरामीटराइजेशन योजनाओं का संवेदनशीलता विश्लेषण। कृषि और वानिकी मौसम विज्ञान doi: 10.1016/j.agrformet.2023.109885
- शर्मा, डी., शर्मा, ए., **पांडा, एस.के.** बबेल, एम.एस. एवं कुमार, एम. (2024) "राजस्थान, भारत के अर्ध-शुष्क नदी बेसिन में वर्षा के वेवलेट विश्लेषण और जल विज्ञान मॉडल का अनुप्रयोग। स्वच्छ - मृदा, वायु, जल। doi: https://doi.org/10.1002/clen.202300223
- मलिक, टी., पांडीदुराई, डी., शर्मा, डी., शर्मा, ए., एवं **पांडा, एस.के.** (2024) "राजस्थान (शुष्क) और तमिलनाडु (आर्द्र), भारत के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में मौसम संबंधी सूखे की विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन। प्राकृतिक आपदाएँ doi: 10.1007/s11069-023-06376-1

डॉ. चिन्मय मलिक

- ए. पटेल, सी. मलिक, एन. चंद्र, पी.के. पात्रा, एम. स्टीनबाचर (2023) दशकीय कार्बन मोनोऑक्साइड परिवर्तनशीलता में क्षेत्रीय और मौसमी परिवर्तनों की पुनः समीक्षा: विकास दर के वैश्विक उलटफेर। साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट 909 (168476) https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2023.168476
- एम. मिश्रा, आर. बूपथी, टी. दास, सी. मलिक (2023)। दीवाली महोत्सव: आतिशबाजी के उत्सर्जन का संक्षिप्तकालिक उच्च प्रभाव और उनकी संबंधित अनुभवजन्य स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन, भुवनेश्वर शहर में। पर्यावरण रासायनिकी और स्वास्थ्य 46(21)। https://doi.org/10.1007/s10653-023-01810-6

डॉ. जय प्रकाश

- मल्यान, वी., कुमार, वी., साहू, एम., प्रकाश, जे., चौधरी, एस., रालिया, आर., चड्ढा, टी. एस., फांग, जियाक्सी., & बिस्वास, पी. (2023)। MERRA-2 द्वारा पुनर्निर्मित PM2.5 मास कंसंट्रेशन को एक प्रॉक्सी के रूप में उपयोग करके लो-कोस्ट सेंसरों को कैलिब्रेट करना। एटमॉस्फेरिक पोल्लूशन रिसर्च 15, 102027। https://doi.org/10.1016/j.apr.2023.102027

जैव रसायन विभाग

चंडी सी. मंडल

- यादव पी., बंद्योपाध्याय एस., सोनी एस., सैनी एस., शर्मा एल.के., श्रीवास्तव एस.के. और मंडल सी.सी. (2023)। सिम्वास्टैटिन स्तन कैंसर कोशिकाओं में ऑन्कोजेनिक डीएनएमटी1 अभिव्यक्ति को दबाकर बीएमपी-2 संचालित कोशिका प्रवासन और आक्रमण को रोकता है, जीन, 147636, doi: 10.1016/j.gene.2023.147636, IF: 3.913।

- यादव पी., मकवाना एस., बंसल एस., सोनी एस., महापात्रा एम.के., बंद्योपाध्याय एस., टेलर आर., श्रीवास्तव एस.के., शर्मा एल.के. और मंडल सी.सी. (2023)। मेटफॉर्मिन फेफड़ों के कैंसर ए549 कोशिकाओं में ऑस्टियोब्लास्ट जैसी क्षमता और कैल्सीफिकेशन को रोकता है, जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी, e23454, doi: 10.1002/jbt.23454, IF :3.568

संजीव के. पांडा

- साहू एस., कुसुनोकी के., गोस्वामी के., कोयामा एच., सनन-मिश्रा एन. और पांडा एस.के., (2023)। उत्तर पूर्व भारत से विपरीत इंडिका चावल के तुलनात्मक आरएनए-सीक विश्लेषण द्वारा सूखे तनाव के विभेदक ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन ज्ञात करना । जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 42(9), 5780-5795, doi:10.1007/s00344-023-10964-7, IF- 3.9।
- थौनाओजम, टी. सी., मीतेई, टी. टी., देवी, वाई. बी., तांती, बी., पांडा, एस. के., और उपाध्याय, एच. (2024)। भारत के पूर्वोत्तर के संवेदनशील और सहनशील चावल में आर्सेनिक तनाव प्रतिक्रियाएँ। अनाज अनुसंधान संचार, 1-15, doi: 10.1007/s42976-023-00488-x, IF: 1.6।
- रेगन, पी., साहा, बी., ज्योति, एस. वाई., गुप्ता, डी., कुंडू, बी., तांती, बी., और पांडा, एस. के. (2024)। ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क ने सुगंधित केटेकी जोहा चावल में सूखा शमन को विनियमित करने वाले देर से भ्रूणजनन में प्रचुर जीन का खुलासा किया। फिजियोलोजिया प्लांटारम, 176(3), ई14348, डीओआई: 10.1111/पीपीएल.14348, आईएफ: 6.4.

हेमंत दायमा

- एम ताज, एसआर मनोहर, बी सिडलिंगेश्वर, एचके दायमा, ए शर्मा, वीएस भट, एसएस सामल, जी हेगड़े, पीके जैन। कार्यात्मक कार्बन नैनोकणों से संशोधित पॉली (3,4-एथिलीनडाइऑक्सीथियोफीन) नैनोकंपोजिट्स को बढ़ाया गया है जिसमें डाइइलेक्ट्रिक और जीवाणुरोधी गुण हैं, हाइब्रिड एडवांस, 2024। प्रकाशक: एल्सेवियर, DOI: https://doi.org/10.1016/ j.hybadv.2024.100204, ISSN: 2773-207X।
- आर सिंह, पी चौधरी, एस कुमार, एचके दायमा*। नैनोमटेरियल और पौधों के बीच क्रॉसटॉक के लिए यंत्रवत दृष्टिकोण: प्लांट इम्यूनोमॉड्यूलेशन, रक्षा, तनाव लचीलापन, विषाक्तता और दृष्टिकोण, पर्यावरण विज्ञान: नैनो, 2024. प्रकाशक: आरएससी, डीओआई: https://doi.org/10.1039/D4EN00053F, वेब संस्करण आईएसएसएन 2051-8161, आईएफ: 7.3।
- आर सिंह, एम कुमावत, एच गोगोई, एचके मध्यस्थ, ई लिक्टफाउस, एचके दायमा*। इम्यूनोमॉड्यूलेशन के लिए इंजीनियर नैनोमटेरियल: एक समीक्षा, एसीएस एप्लाइड बायो मटेरियल, 7 (2), 2024, पीपी. 727-751। प्रकाशक: एसीएस, डीओआई: https://doi.org/10.1021/acsabm.3c00940, वेब संस्करण आईएसएसएन: 2576-6422 (फ्रंट कवर), आईएफ: 4.6।
- आर सिंह, एसपी श्रीनिवास, एम कुमावत, एचके दायमा*। नैनोमटेरियल की लिगैंड-आधारित सतह इंजीनियरिंग: रुझान, चुनौतियाँ और बायोमेडिकल दृष्टिकोण, ओपन नैनो, 15, 2023, पीपी. 1-27। प्रकाशक: एल्सेवियर, DOI: https://doi.org/10.1016/j.onano.2023.100194, ऑनलाइन ISSN: 2352-9520.

विश्वनाथ तिवारी

- सरकार एस., कुमारी ए., तिवारी एम., और तिवारी वी (2024)। इंटरेक्शन और सिमुलेशन अध्ययन एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में आंतरिक रूप से अव्यवस्थित एमिलॉयडोजेनिक एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स के संभावित आणविक लक्ष्य का सुझाव देते हैं, जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42(6):2747-2764 doi: 10.1080/07391102.2023.2208219, IF: 4.4
- कुलश्रेष्ठ एम., तिवारी एम., और तिवारी वी (2024)। ESKAPE जीवाणु रोगजनकों के खिलाफ बैक्टीरियोफेज थेरेपी: वर्तमान स्थिति, रणनीति, चुनौतियां और भविष्य की गुंजाइश। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 186:106467 doi: 10.1016/ j.micpath.2023.106467 IF 3.85

.

भावना बिस्सा

- कौर बी, शर्मा पीके, चटर्जी बी, बिस्सा बी, नटरायण वी, रामासामी एस, भट ए, लाल एम, समद्दर एस, बनर्जी एस, रॉय एसएस. (2023) हाइपरहोमोसिस्टीनीमिया में दोषपूर्ण गुणवत्ता नियंत्रण ऑटोफैगी ईआर तनाव और परिणामस्वरूप प्रोटियोटॉक्सिसिटी के माध्यम से न्यूरोनल एपोप्टोसिस को बढ़ावा देता है। सेल कम्युन सिग्नल। 25 सितंबर;21(1):258. doi: 10.1186/s12964-023-01288-w.
- सोनी एन, नंदी जी, चौधरी एम, बिस्सा बी (2023)। कैंसर की प्रगति के दौरान ऑटोफैगी और एक्सोसोम मार्गों के सह-विनियमन में एनसीआरएनए की भूमिका। बायोचिम बायोफिज़ एक्टा मोल सेल रेस। 2023 अक्टूबर 1;1870(7):119523। डीओआई: 10.1016/जे.बीबीएएमसीआर.2023.119523।

धनेश्वर प्रुस्ती

- नाइक, बी., और प्रुस्टी, डी. (2024)। आणविक डॉकिंग, एमडी सिमुलेशन, और एमएमजीबीएसए-बाइंडिंग फ्री एनर्जी एस्टीमेशन अध्ययन प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम एपिकोप्लास्ट के हाउसकीपिंग प्रोटीन को लक्षित करने वाले संभावित एंटीमलेरियल के रूप में एंटीबायोटिक एनालॉग की पहचान करता है। आणविक सिमुलेशन, 1–25. https://doi.org/ 10.1080/08927022.2024.2380031 IF: 1.9
- डारा ए., गोदारा पी., प्रुस्टी डी., बशीर एम., (2024) प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम टोपोइज़ोमेरेज़: मलेरिया-रोधी चिकित्सा के लिए उभरते लक्ष्य। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ मेडिसिनल केमिस्ट्री, वॉल्यूम:265 https://doi.org/10.1016/j.ejmech.2023.116056. IF: 6.1
- श्रीवास्तव वी., गोदारा पी., जेना एस.पी., नाइक बी., सिंह एस., प्रजापति वी.के. और प्रुस्टी डी. डेंगू वायरस के गैर-संरचनात्मक प्रोटीन 1 को लक्षित तरीके से हटाने के लिए पेप्टाइड-लिगैंड संयुग्म आधारित प्रतिरक्षा चिकित्सा पद्धति: हल्के और गंभीर डेंगू संक्रमण के लिए एक नया चिकित्सीय समाधान IJBM(2024).https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.129562 IF:7.7
- गोदारा, पी., रेड्डी, के.एस., साहू, डब्ल्यू. एट अल. कई प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम किनेसेस के खिलाफ संरचना-आधारित आभासी जांच से मलेरिया-रोधी यौगिकों का पता चलता है। मोल डाइवर्स (2023)। https://doi.org/10.1007/s11030-023-10770-z IF: 3.5
- नाइक, बी., गुप्ता, एन., गोदारा, पी., श्रीवास्तव, वी., कुमार, पी., गिरी, आर., ... प्रुस्टी, डी. (2023)। संरचना-आधारित आभासी स्क्रीनिंग दृष्टिकोण दवा प्रतिरोध से निपटने के लिए मलेरिया-रोधी दवाओं के विकास के लिए

प्राकृतिक बहु-लक्ष्य यौगिकों का पता लगाता है। जर्नल ऑफ बायोमॉलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42(14), 7384–7408। https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2240415 IF: 3.2

- सिंह एस, श्रीवास्तव वी, गोदारा पी, बनवथ एचएन, टाक एच, नायक, प्रुस्टी डी. (2023) इन-सिलिको-आधारित अध्ययन ने पेप्टाइड अवरोधक की पहचान की जो p37 प्रोटीन लक्ष्य को बाधित करके मंकीपॉक्स वायरस के उत्सर्जन को रोक सकता है। पेप्ट साइंस 115(5):e24325। https://doi.org/10.1002/pep2.2432547. आईएफ: 1.8

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. संदीप चौधरी

- व्यास, टी., मेहता, ए., चौधरी, एस., गोगोई, एम. और जोशी, ए., 2024. जल संसाधनों में भारी धातुओं का पता लगाने के लिए फाइबर-ऑप्टिक इंस्ट्रूमेंटेशन का उपयोग करके फथैलिक एसिड ट्राई-एथिलीन डायमाइन (TED) और फोलिक एसिड-आधारित कार्बन क्वांटम डॉट्स का मूल्यांकन। पर्यावरण प्रौद्योगिकी, 45(18), पृष्ठ.3533-3543. https://doi.org/10.1080/ 09593330.2023.2220089
- व्यास, टी., जायसवाल, एस., चौधरी, एस., कोडगिरे, पी. और जोशी, ए., 2024. जल संसाधनों में एथिल पैराऑक्सन और मिथाइल पैराथियान का विशिष्ट पता लगाने के लिए रिकॉम्बिनेंट ऑर्गनोफॉस्फोरस एसिड एनहाइड्रॉलेज़ (OPAA) एंजाइम-कार्बन क्वांटम डॉट (CQDs)-इम्मोबिलाइज़्ड थिन फिल्म बायोसेंसर। पर्यावरण अनुसंधान, 243,
- पृ.117855. https://doi.org/10.1016/j.envres.2023.117855
- व्यास, टी., चौधरी, एस., शरण रत्नम, एस. और जोशी, ए., 2023. एंजाइम-कार्बन क्वांटम डॉट (सीक्यूडी)-आधारित पतली-फिल्म बायोसेंसर का उपयोग करके वास्तविक पानी के नमूनों में एल्यूमीनियम और तांबे का फाइबर-ऑप्टिक पता लगाना। एसीएस ईएसएंडटी इंजीनियरिंग, 4(3), पृ.694-705. https://doi.org/10.1021/acsestengg.3c00453

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

गजानन बी. ज़ोरे

- माजेन अब्दुलघनी और अन्य, कैंडिडा एल्बिकेन्स ATCC 10231 के अपारदर्शी कोशिका विशिष्ट प्रोटिओम, मेडिकल माइकोलॉजी, 2023;, myad062, https://doi.org/10.1093/mmy/myad062 IF 3.3
- गजानन ज़ोरे 1, माजेन अब्दुलघनी 1,*, रुबीना काज़ी 2, अमृता शेलार3 और राजेंद्र पाटिल। 2023. कैंडिडा एल्बिकेन्स (ATCC 10231) बायोफिल्म का प्रोटिओमिक डेटासेट। BMC रिसर्च नोट्स। स्वीकृत IF 4
- ज़ोरे एट अल। 2022. मेन्थॉल एपोप्टोसिस के बाद ऑक्सीडेटिव तनाव को प्रेरित करके कैंडिडा एल्बिकेन्स के विकास को रोकता है। eCAM। https://doi.org/10.1155/2022/1297888। अगर। 2.06
- माज़ेन अब्दुलघानी, आर. इरम, पी. चिद्रावर, के. भोसले, आर. काज़ी, आर. पाटिल, के खरात, गजानन ज़ोरे। 2022. कैंडिडा एल्बिकैंस बायोफिल्म का प्रोटीन विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ प्रोटिओमिक्स, 265, 104661 आईएफ 3.885।

पंकज गोयल

- वर्मा एन, श्रीवास्तव एस, मलिक आर, गोयल पी, और पांडे जे. (2022) ईसीएम जे. बायोमोल. स्ट्रक्चर. डायन 10.1080/07391102.2022.2033135 के प्रमुख प्रोटीन घटक टैसए (28-261) को लक्षित करने के लिए वर्चुअल स्क्रीनिंग के माध्यम से पहचाने गए छोटे अणु अवरोधकों के साथ बैसिलस सबटिलिस बायोफिल्म का अवरोध और विघटन।

जय कांत यादव

- क्लेमेंस, आर., राव, पी. जी., एलौफी, आई., ओनियांगो, आर., चंद्रशेखर, ए., प्रेसमैन, पी., और यादव, जे. के. कृषि-अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण और सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ाने के लिए बाजरा पर एक टिप्पणी। जर्नल ऑफ फूड बायोएक्टिव्स, 2023, वॉल्यूम 22. https://doi.org/10.31665/JFB.2023.18342
- पिप्पल बी, चौधरी पी, रानी के, यादव जे.के., जैन एन (2023), α-क्रिस्टलीन द्वारा α-सिन्यूक्लिन एमिलॉयड असेंबली के मॉड्यूलेशन को समझना। एसीएस केमिकल न्यूरोसाइंस 14(9) 1659–1671। प्रभाव कारक: 5.78
- मलिक एस और यादव जे. के. (2023), खाद्य प्रणाली में एमिलॉयड और एमिलॉयड जैसे प्रोटीन समुच्चय: चुनौतियाँ और नए दृष्टिकोण। वर्तमान प्रोटीन और पेप्टाइड विज्ञान। प्रभाव कारक: 3.272
- जांगिड़ एन., बंगरावा एस., यादव टी., मलिक एस., आलमरी एस. ए., गलानाकिस सी. एम., सिंह एम., यादव जे. के. (2022), सोयाबीन से एमिलॉयड जैसे प्रोटीन समुच्चय का पृथक्करण और लक्षण वर्णन तथा उनकी स्थिरता पर कम पीएच और ताप-उपचार का प्रभाव। जर्नल ऑफ फूड बायोकैमिस्ट्री। 46(10) 14369. प्रभाव कारक: 2.72
- मलिक एस., डी.आई., सिंह एम., गैलानकिस सी.एम., अलमरी ए.एस., यादव जे.के. (2022), कॉटेज पनीर से दूध से प्राप्त एमिलॉयड-जैसे प्रोटीन समुच्चय (एमएपीए) का अलगाव और लक्षण वर्णन। खाद्य रसायन। 373: 131486. प्रभाव कारक: 7.27.

जनमेजय पांडे

- मीना डी., पांडे जे., वसीता आर, और स्वरूप एस. 2022. राजस्थान, भारत में एक क्षारीय-खारा झील से पृथक किए गए सालिपालुडीबैसिलस एसपी. स्ट्रेन CUR1 का जीनोम अनुक्रम। माइक्रोबायोलॉजी संसाधन घोषणाएँ जुलाई 2022. 11(7). e01092-21.
- कांतीवाल यू. और पांडे जे.. 2023. मास्टर रेगुलेटर प्रोटीन के प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन के हस्तक्षेप के माध्यम से बैक्टीरियल बायोफिल्म का कुशल अवरोधन: बैसिलस सबटिलिस के सिनआर-सिनआई कॉम्प्लेक्स के साथ अवधारणा अध्ययन का प्रमाण। एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी। मार्च 2023. (195): 1947- 1967।

जयेंद्र नाथ शुक्ला

- बरार जीएस, सिंह एस, शुक्ला जेएन, कुमार वी, एमिर डेविस टीजी, कौर जी, पंधेर एस, कौर आर (2023), डबलसेक्स होमोलॉग सेक्स-विशिष्ट रूप से विभाजित है और व्हाइटफ्लाई बेमिसिया टैबासी एशिया II-1 वॉल्यूम 850, 20 जनवरी 2023, 146929 में यौन भेदभाव प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।

सुरेन्द्र निमेष

- शर्मा डी, पारीक ए, आर्य एच, सोनी आर, राय पी, अग्रवाल ए, निमेष एस, कुमार डी, यारागोरला एस, भट्ट टी.के (2022) संभावित एंटीमलेरियल यौगिकों के रूप में बेंजोडायजेपाइन की खोज की दिशा में संश्लेषण और अवरोध अध्ययन। प्रायोगिक परजीवी विज्ञान 243, 108411, आईएफ-2.1

तरुण के भट्ट

- त्रिपाठी एच, भालेराव पी, सिंह एस, आर्य एच, अलोतैबी बीएस, राशिद एस, हसन एमआर और भट्ट टीके (2023), मलेरिया चिकित्सा: क्या हम काफी करीब हैं?, पैरासाइट्स एंड वेक्टर्स। 16, 130, 2023, आईएफ- 4.05
- शर्मा डी, पारीक ए, आर्य एच, सोनी आर, राय पी, अग्रवाल ए, निमेश एस, कुमार डी, यारागोरला एस, भट्ट टी.के (2022) संभावित मलेरिया रोधी यौगिकों के रूप में बेंजोडायजेपाइन की खोज की दिशा में संश्लेषण और अवरोध अध्ययन। प्रायोगिक परजीवी विज्ञान 243, 108411, आईएफ-2.1

खेम राज मीना

- रहमान वी, मीना के आर, अल-अनी एलकेटी, सिंह ए, कुमार ए (2023)। मक्का में दक्षिणी मकई पत्ती ब्लाइट रोग का कारण बनने वाले हेल्मिन्थोस्पोरियम मेयडिस को नियंत्रित करने के लिए बैसिलस वेलेज़ेंसिस स्ट्रेन में सुधार। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ प्लांट पैथोलॉजी। https://doi.org/10.1007/s10658-023-02708-w
- मीना के आर, सत्यम, सिंह ए (2022), "पौधे के रोगजनकों के खिलाफ उनके बायोसर्फैक्टेंट्स एंटीफंगल क्रिया के लिए विभिन्न सूक्ष्मजीवों की बेंचमार्किंग। इंडियन जर्नल ऑफ़ एक्सपेरीमेंटल बायोलॉजी 60:931-938।

गजेंद्र सिंह

- घोष यू., कुमार वी., सिंह जी., और चक्रवर्ती टी.के. *. थ्रोम्बिन अवरोधकों के रूप में βγ फ्यूज्ड टर्न के साथ साइक्लिक टेट्रापेप्टाइड्स के सिलिको अध्ययन पर आधारित संरचना। 8,11,2023. केमिस्ट्री सेलेक्ट doi: doi.org/10.1002/slct.202204761 I.F 2.3.
- सिंह जी., कुमार एस., और दास आर.*. मिश्रित और शाखित हेटरोटाइपिक यूबिक्विटिन चेन की असेंबली को डिकोड करना ACS एनालिटिकल केमिस्ट्री 2023, 95, 26, 10061–10067. doi: doi.org/10.1021/acs.analchem.3c01425 I.F 8.1

रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम

- सैनी, ए., धनवंत, के., वर्मा, एम., मीना, एस.एस., बिटला, वाई., थिरुमूर्ति, आर. (2024), थर्मली विघटित नैनोक्रिस्टलाइन $Sn_{0.5}Fe_{0.5}O_{2-\delta}$ में क्लस्टर स्पिन ग्लास व्यवहार का अवलोकन, मैटेरियल्स एडवांस, खंड 5, पृष्ठ 5543-5553।
- सैनी, ए., भेदी, डी., धनवंत, के., थिरुमूर्ति, आर. (2024), कठोर साइक्लोट्रिफॉस्फाज़ीन कोर पर बहु-एज़ोबेंजीन मोइटीज: संश्लेषण, संरचनात्मक लक्षण वर्णन, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, और फोटोआइसोमेराइजेशन अध्ययन, जर्नल ऑफ़ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, खंड 452, पृष्ठ 115603।

डॉ. रितेश सिंह

- दीक्षा, बिट्टू, सिंह, आर. (2023), C3-फ्लोरीनेटेड ऑक्सिंडोल्स के निर्माण के लिए सिंथेटिक रणनीतियाँ। ऑर्गेनिक और बायोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री।, खंड 21, पृष्ठा। 6456 - 6467।
- दीक्षा, सिंह, आर. (2024), α-ब्रोमोडाइफ्लोरोहाइड्रॉक्सामेट्स के साथ आर्यन्स का हेटेरोएनुलेशन: 2,2-डिफ्लोरो इंडोक्सिल्स तक पहुँचने के लिए एक कुशल और सामान्य दृष्टिकोण, ऑर्गेनिक लेटर्स, खंड 26, पृष्ठा। 5682-5688।

डॉ. हेमंत जोशी

- स्वामी, पी. एन., मीना, एन., जोशी, एच., रंगन, के., कुमार, ए. (2023), सीएनएचसीएनएन पिंसर-टाइप एन-हेटेरोसाइक्लिक कार्बेन लिगैंड के पैलेडियम (II) कॉम्प्लेक्स का डिजाइन और संश्लेषण: 2-एमिनोपाइरीडीन के साथ एल्डिहाइड के ऑक्सीडेटिव एमिडेशन की दिशा में अनुप्रयोग। ऑर्गेनोमेटेलिक्स, खंड 42, पृष्ठा। 2359 - 2368।

- सिंह, एस., शिंदे, वी. एन., कुमार, एस., मीना, एन., भुवनेश, एन., रंगन, के., कुमार, ए., जोशी, एच. (2023), (हेटेरो) एरेन्स के डीकार्बोक्सिलेटिव डायरेक्ट सी-एच हेटेरोएरिलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में एनएनएसई लिगैंड के मोनो और डायन्यूक्लियर पैलेडियम पिंसर कॉम्प्लेक्स। एशियन जे., खंड 18, पृष्ठ. e202300628.
- कुमार, एस., शर्मा, ए., महला, एस., गट्टा, के., एस. राजगोपाल रेड्डी, रोम, टी., पॉल, ए., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), मैक्रोसाइक्लिक सल्फर लिगैंड स्टेबलाइज्ड ट्रांस-पैलेडियम डाइक्लोराइड कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, संरचना, क्लोरीन रोटेशन, और प्राथमिक अल्कोहल द्वारा नाइट्राइल के α-ओलेफ़िनेशन में अनुप्रयोग। केम. एशियन जे., खंड 19, पृष्ठ। e202300935।
- सिंह, एस., महला, एस., भुवनेश, एन., जोशी, एच. (2024), पैलेडियम (II) एनसीएस-पिंसर कॉम्प्लेक्स मध्यस्थता वाले रीजियोसेलेक्टिव क्रॉस डीहाइड्रोजेनेटिव एल्केनेशन ऑफ 2-एरिलथियोफीन। केमकैटकेम, खंड 16, पृष्ठ। e202400187।
- माथुर, एन., महला, एस., खोरवाल, ए. के., बिटला, वाई., गोस्वामी, बी., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), अल्कोहल के साथ अमीनों के एन-एल्किलीकरण के लिए एक पुनर्प्राप्त करने योग्य उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल पर समर्थित चुंबकीय निकल नैनोकण। एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल, खंड 7, पृष्ठ। 11159–11169।
- महला, एस., गुप्ता, एन., सिंह, एस., शर्मा, ए. के., भुवनेश, एन., जोशी, एच. (2024), एमिनो अल्कोहल और अल्कोहल से 2-एरिल-3-फॉर्माइल इंडोल्स के केमोसेलेक्टिव संश्लेषण के लिए कोबाल्ट (II) कॉम्प्लेक्स डिजाइन। केम. यूरोप. जे., पृष्ठ. e202401698.

डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी

- माथुर, एन., महला, एस., खोरवाल, ए. के., बिटला, वाई., गोस्वामी, बी., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), अल्कोहल के साथ अमीनों के एन-एल्काइलेशन के लिए एक पुनर्प्राप्त करने योग्य उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल पर समर्थित चुंबकीय निकल नैनोकण। एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल, खंड 7, पृष्ठ 11159-11169।

डॉ. पार्थ रॉय

- कुमार, एस., शर्मा, ए., महला, एस., गट्टा, के., रेड्डी, एस. आर., रोम, टी., पॉल, ए., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), मैक्रोसाइक्लिक सल्फर लिगैंड स्थिर ट्रांस-पैलेडियम डाइक्लोराइड कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, संरचना, क्लोरीन रोटेशन, और प्राथमिक अल्कोहल द्वारा नाइट्राइल्स के α-ओलेफिनेशन में अनुप्रयोग। केम. एशियन जे., खंड 19, पृष्ठ. e202300935.
- माथुर, एन., महला, एस., खोरवाल, ए. के., बिटला, वाई., गोस्वामी, बी., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), अल्कोहल के साथ अमीनों के एन-एल्काइलेशन के लिए एक पुनर्प्राप्त करने योग्य उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल पर समर्थित चुंबकीय निकल नैनोकण। नैनो मैटेरियल, खंड 7, पृष्ठ 11159–11169.

डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम

- कुमारी के., भाटी एम., मधुकर आर.एस., खान ए.जी.एच., जंजानी पी., राजगोपाल रेड्डी एस., ईश्वर एस. (2023), प्रोलाइन-मध्यस्थ प्रत्यक्ष असममित एल्डोल योग में सल्फोनामाइड की सहकारी सहायता, न्यू जे. केम., खंड 47, पृष्ठ 17042-17050.
- कुमार, एस., शर्मा, ए., महला, एस., गट्टा, के., राजगोपाल रेड्डी एस., रोम, टी., पॉल, ए., रॉय, पी., जोशी, एच. (2024), मैक्रोसाइक्लिक सल्फर लिगैंड स्थिर ट्रांस-पैलेडियम डाइक्लोराइड कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, संरचना, क्लोरीन रोटेशन, और प्राथमिक अल्कोहल द्वारा नाइट्राइल्स के α-ओलेफिनेशन में अनुप्रयोग। केम. एशियन जे., खंड 19, पृष्ठ. e202300935.

- राजगोपाल रेड्डी एस., पेड्रो बी. सी., थॉस एम (2024)। इंट्रामोलिक्युलर सिंगलट विखंडन: लेजर क्षेत्र के प्रभाव सहित क्वांटम गतिशील सिमुलेशन, जे. केम. फिज. वॉल्यूम 160, पृष्ठ 194306।
- सलीम एच., रुचि एस., स्वाति जे., नवीन एस., हेमांग बी., जितेंद्र एस., राजगोपाल रेड्डी एस., रामू यादव एम (2024)। स्पाइरोसाइक्लोप्रोपाइल ऑक्सिंडोल्स के लिए पीडी-उत्प्रेरित कैस्केड हेक/सी(एसपी3)–एच सक्रियण, ऑर्ग. लेट., वॉल्यूम 26, पृष्ठ 5069–5073।

डॉ. अनुज कुमार शर्मा

- खान, टी. ए., भर, के., भट्ट, एस., कुमार, वी., कुमारी आर.; शर्मा, ए. के. (2024), बिस-क्विनोलिन रूथेनियम (II) एरेन कॉम्प्लेक्स, कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं में सबमाइक्रोमोलर साइटोटॉक्सिसिटी के साथ। केम. कम्यून., खंड 60. पृष्ठ 1579-1582।
- सुंडा, ए., शर्मा, ए. के. (2024) "एमाइलॉयड β-पेप्टाइड (1-42) के लिए Cu/Zn धातु प्रतिक्रिया की आणविक अंतर्दृष्टि" एसीएस फिजिकल केमिस्ट्री एयू, खंड 4(1), पृष्ठ 57-66।
- कुमार, वी., राणा, एम., शर्मा, ए. के., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन, गुप्ता उमेश, (2023) एमिलॉयड एकत्रीकरण के प्रभावी अवरोधन और इन विवो फार्माकोकाइनेटिक्स में सुधार के लिए विटामिन-सी से सजाए गए पीईजीलेटेड पैमम डेंड्रिमर्स। जर्नल ऑफ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, खंड 89, पृष्ठ 105058।

डॉ. एम. भानुचंद्र

- जाट, आर. एस., सिंह, जी., भानुचंद्र, एम. (2024), केएचएमडीएस मध्यस्थता रिंग-ओपनिंग/एरीलैसेटोनाइट्राइल्स के साथ एंथ्रानिल्स का पुनर्निर्माण: मल्टीसब्सिट्यूटेड 2-एमिनोक्विनोलिन एन-ऑक्साइड का संश्लेषण, न्यू जे. केम., वॉल्यूम 48, पृष्ठ 8574-8577.
- जाट, आर. एस., कोथापल्ली, आर., भानुचंद्र, एम. (2024), K2CO3-मध्यस्थ इंट्रामोल्युलर ऑक्सा-माइकल साइक्लाइज़ेशन ऑफ़ α,β-असंतृप्त केटॉक्सिम्स: क्वाटरनेरी सेंटर वाले घने एरेन-प्रतिस्थापित 2-आइसोक्साज़ोलिन का संश्लेषण, संश्लेषण, वॉल्यूम 56, पृष्ठ 1593-1600.
- जाट, आर.एस., भानुचंद्र, एम. (2023), SOCl2-उत्प्रेरित मेयर-शूस्टर 3°-प्रोपार्जिलिक अल्कोहल की पुनर्व्यवस्था: α,β-असंतृप्त कार्बोनिल यौगिकों और एरिलहाइड्राजिनों से चतुर्थक केंद्रों वाले घने एरीन-प्रतिस्थापित पाइराज़ोलिन का संश्लेषण, जे. ऑर्ग. केम., खंड 88, पृष्ठ 13184-13190.

डॉ. चंद्रकांत दाश

- साहिल, डी., थिरुमूर्ति, आर., दाश, सी. (2023), कॉपर (I) कॉम्प्लेक्स द्वारा उत्प्रेरित मल्टीकंपोनेंट क्लिक रिएक्शन जिसमें बिस (इमिनो) पाइरीडीन-फॉस्फीन कॉम्प्लेक्स होता है, इनॉर्ग. केम. कम्यून., वॉल्यूम 157, पेज 111323.
- लक्षकार, आर. आर., यादव, एस., थिरुमूर्ति, आर., रे, एस., दाश, सी. (2024), बेंज़िलिक सी(एसपी3)-एच बॉन्ड के अंतर-आणविक एमिडेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में जिंक-बिस(इमिनो)पाइरीडीन कॉम्प्लेक्स, केमिस्ट्रीसेलेक्ट, खंड 9, पृष्ठ 202302804।
- डे, जे., साहिल, डी., लक्षकार, आर. आर., जोशी, ओ. पी., यादव, एस., सिंह, ए., रे, एस., दाश, सी. (2024), बेंज़िलिक सीएच-एच बॉन्ड के ऑक्सीकरण के लिए सुपरिभाषित बिस(इमिनो)पाइरीडीन-मैंगनीज कॉम्प्लेक्स। जेड. एनोर्ग. ऑलग. केम., खंड 650, पृष्ठ e202300201।

- यादव, एस. पी.; साहिल, डी.; चौहान, आर.एस., बुचर, आर.जे., त्यागी, ए., कर्माकर, जी., दाश, सी. (2024), एन-हेटेरोसाइक्लिक थिओल्स आधारित कॉपर कॉम्प्लेक्स: एज़ाइड-एल्केन साइक्लोडिशन प्रतिक्रिया के लिए संश्लेषण, संरचना और उत्प्रेरक अध्ययन, केमिस्ट्रीसेलेक्ट, वॉल्यूम 9, पृष्ठ 202303058।
- यादव, एस.पी., साहिल, डी., दाश, सी., चौधरी, एस., चौधरी, ए.आर., चौहान, आर.एस. (2024), 1,1'-बिस (डाइफेनिलफॉस्फ़िनो) फेरोसिन और उनके व्युत्पन्न से प्राप्त कॉपर (I) कॉम्प्लेक्स: बेंज़ोफ्यूरान के एक-पॉट संश्लेषण के लिए संश्लेषण, संरचना और उत्प्रेरक अध्ययन, कैटल। लेट।, वॉल्यूम 154, पृष्ठ 2080-2089।

डॉ. एस. ईश्वर

- शर्मा, एस., झा, ए. के., ईश्वर, एस. (2024), मोरीटा-बेलीस-हिलमैन कीटोन्स का संतृप्त इमिडाज़ो [1,2-ए] पाइरिडीन में रेट्रो-मैनिच मध्यस्थता परिवर्तन, ऑर्ग. केम. फ्रंट. वॉल्यूम 11, पृष्ठ 3137-3150.
- कुमारी, आर., झा, ए. के., खान, ए. जी. एच., ईश्वर, एस. (2024), मोरीटा-बेलीस-हिलमैन कीटोन्स की 2-अमीनोथियोफेनॉल के साथ बातचीत पर यांत्रिक जांच, जे. ऑर्ग. केम., वॉल्यूम 89, पृष्ठ 7263-7269.
- कुमारी के., भाटी एम., मधुकर आर.एस., खान ए.जी.एच., जंजानी पी., राजगोपाल रेड्डी एस., ईश्वर एस. (2023), प्रोलाइन-मध्यस्थ प्रत्यक्ष असममित एल्डोल योग में सल्फोनामाइड की सहकारी सहायता, न्यू जे. केम., खंड 47, पृष्ठ 17042-17050।

वाणिज्य विभाग

प्रो. प्रवीण साहू

- साहू, एम., मोहंती, एस. पी., और साहू, पी. (2024) । भारत में विनिर्माण उद्योग के उपयोग-आधारित वर्गीकरण पर मौद्रिक नीति संचरण का प्रभाव: एक अनुभवजन्य साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम. अहेड-ऑफ प्रिंट नंबर अहेड-ऑफ प्रिंट https://doi.org/10.1108/IJLMA-11-2023-0260 (स्कोपस Q1)
- साहू, एम., साहू, पी., और निकिता (2024) । भारत के विनिर्माण उद्योग और आर्थिक विकास पर कोविड-19 का प्रभाव: आत्मनिर्भर भारत पैकेज का एक अध्ययन, शिक्षा और समाज, वॉल्यूम. 48, नंबर 2, पीपी 161-175। (यूजीसी केयर)
- तंवर, एस. और साहू, पी. (2024) । सहबद्ध विपणन पर दो दशकों का शोध: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, (XXXI/1), 211-230। (यूजीसी केयर)
- साहू, पी., और पांडे, एस. (2023) । भारत में उद्यमशीलता अभ्यास और रोजगार विकास: कोविड के बाद का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। SEDME (लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार जर्नल), 50(3), 280-291। https://doi.org/10.1177/ 09708464231195710. (यूजीसी केयर)
- साहू, एम., राव, एम.जे., और साहू, पी. (2023)। चीन और भारत में व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और आर्थिक विकास का तुलनात्मक विश्लेषण। रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, खंड XVII, पृष्ठ 152-171। (यूजीसी केयर)
- साहू, एम., और साहू, पी. (2023)। कोविड-19 के दौरान भारत के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करना: आत्मनिर्भर भारत पैकेज और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर एक अध्ययन, महामारी का अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, नई दिल्ली प्रकाशक, वी, 1-16, आईएसबीएन: 978-93-56401-27-3।

डॉ. संजय कुमार पटेल

- पटेल, एस. के., और जोशी, डी. (2023) । ब्रिक्स देशों की कृषि उत्पादकता पर एफडीआई और ऊर्जा खपत का प्रभाव । सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, XXX 3(636), 315-322, https://store.ectap.ro/articole/1693.pdf. आईएसएसएन: 1844-0029. (यूजीसी केयर)।
- पटेल, एस. के., और कुमारी, पी. (2024) । उभरते बाजार में कार्बन प्रकटीकरण प्रथाओं और रणनीतियों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। कॉर्पोरेट और व्यापार रणनीति समीक्षा, 5(3), 159–167. https://doi.org/10.22495/cbsrv5i3art15. आईएसएसएन: 2708-4965. (स्कोपस)।
- पटेल, एस.के., और जोशी, डी. (मार्च 2024)। बैंकिंग क्षेत्र में फिनटेक को अपनाना: अवसर और चुनौतियाँ। महामारी का अर्थशास्त्र (भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना), नई दिल्ली प्रकाशक, 33-46, आईएसबीएन: 978-93-56401-27-3।

डॉ. प्रियंका भास्कर

- जैन, के., सेठ, एन. और भास्कर, पी. (2024)। विविधीकरण के अवसर: क्या स्थिरता सूचकांक एक नया विकल्प है। पैसिफिक बिजनेस रिव्यू (इंटरनेशनल)। http://www.pbr.co.in/2024/March.aspx वेब ऑफ साइंसेज (WOS)
- भास्कर, पी., और सेठ, एन. (2024)। ओपन एआई: चैटजीपीटी के व्यवसाय विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का एक पेस्टल विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस फोरकास्टिंग एंड मार्केटिंग इंटेलिजेंस (इंडरसाइंस): प्रकाशन अनुसूची में प्रवेश।
- भास्कर, पी., और सेठ, एन. (2024)। पर्यावरण और स्थिरता विकास: एक चैटजीपीटी परिप्रेक्ष्य। सीआरसी प्रेस ई-बुक्स में (पृष्ठ 54-62)। ई-बुक आईएसबीएन: 9781003471059। https://doi.org/10.1201/9781003471059-8 स्कोपस

डॉ. पुष्पेंद्र

- सोरिया, एस. और कादियान, पी. (2024)। बौद्धिक पूंजी और प्रतिस्पर्धी लाभ: एक संरचित साहित्य समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लर्निंग एंड इंटेलेक्चुअल कैपिटल, 21(1), 78-110 । आईएसएसएन: 1479-4853 । https://doi.org/10.1504/ IJLIC.2024.136389, स्कोपस
- पटेल, एस. के., कुमारी, पी., मंगलानी, ए., चौधरी, ए. के., कादियान, पी. (2024)। उभरते बाजार में कार्बन प्रकटीकरण प्रथाओं और रणनीतियों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। कॉर्पोरेट और व्यवसाय अध्ययन, 5(3), 159-167। आईएसएसएन: 2708-4965। https://doi.org/10.22495/cbsrv5i3art15, स्कोपस

श्री शुभम पांडे

- साहू, पी., और पांडे, एस. (2023)। भारत में उद्यमशीलता अभ्यास और रोजगार विकास: कोविड के बाद का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। SEDME (लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार जर्नल), 50(3), 280-291। https://doi.org/10.1177/ 09708464231195710

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

ममता रानी

- आर आर चौधरी, एम. रानी, आर कौर, और एम. भादू, मल्टीस्टेज वर्गीकरण डेनोइजिंग मॉडल का उपयोग करके हृदय संकेत विश्लेषण, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, 2024(1), 2024, DOI:10.1155/2024/1502285

- रवि राज चौधरी, ममता रानी सिंह और पुनीत कुमार जैन, CNN और GRU डीप लर्निंग मॉडल के हाइब्रिड का उपयोग करके हृदय ध्वनि वर्गीकरण, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 235, 2024, 3085-3093

पवन सिंह

- पारुल गुप्ता, नितिन औलक, सचिन कुमार गुप्ता, पवन सिंह, फंक्शनल एन्क्रिप्शन फ्रेमवर्क के माध्यम से यूएवी-हेटनेट सुरक्षा को बढ़ाना, समवर्ती और संगणना: अभ्यास और अनुभव, विले (एससीआई प्रभाव कारक: 2) 2024; 36(20):e8206. doi: 10.1002/cpe.8206
- पवन सिंह, दीपेंद्र शुक्ला, अभिषेक बंसल, ब्लाइंड फोर्जरी डिटेक्शन पर आधारित डिजिटल इमेज फोरेंसिक विधियों पर एक सर्वेक्षण, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन स्प्रिंगर (एससीआई प्रभाव कारक: 3.6), प्रकाशित: 29 जनवरी 2024, खंड 83, पृष्ठ 67871–67902, (2024) DOI: https://doi.org/10.1007/s11042-023-18090-y

कृष्ण कुमार मोहबे

- अरविंद पांडे, बोरगे, अक्षय शिवाजी, मलिका आचार्य, और कृष्ण कुमार मोहबे। "मशीन लर्निंग के साथ हृदय रोग का पता लगाने में वर्ग असंतुलन को कम करना।" मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन (2024): 1-26।
- गौरव मीना, अजय इंडियन, कृष्ण कुमार मोहबे, और कुणाल जांगिड़। "सेंटीमेंट एनालिसिस का उपयोग करके पॉइंट ऑफ़ इंटरेस्ट रिकमेंडेशन सिस्टम।" जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन साइंस थ्योरी एंड प्रैक्टिस 12, नंबर 2 (2024): 64-78।
- मलिका आचार्य और कृष्ण कुमार मोहबे। "स्थान-आधारित सामाजिक नेटवर्क में POI अनुशंसा के लिए हाल-चाल आधारित स्थानिक-अस्थायी समानता अन्वेषण।" फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल सिटीज़ 6 (2024): 1331642।
- मलिका आचार्य और कृष्ण कुमार मोहबे। "स्थान-आधारित सामाजिक नेटवर्क में POI अनुशंसा के लिए न्यूरल ग्राफ़ सहयोगी फ़िल्टरिंग पर उच्च-क्रम स्थानिक कनेक्टिविटी खनन।" इवॉल्विंग सिस्टम्स (2024):15, 1459–1474।
- गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे और सुनील कुमार। "डीप ट्रांसफर लर्निंग-आधारित न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके विज़ुअल से मंकीपॉक्स की पहचान और भविष्यवाणी।" मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन (2024): 83, 71695–71719।
- मलिका आचार्य, कृष्ण कुमार मोहबे और धर्मेंद्र सिंह राजपूत। "पॉइंट-ऑफ-इंटरेस्ट अनुशंसा के लिए टेम्पोरल और स्थानिक संलयन के साथ दीर्घकालिक वरीयता खनन।" IEEE एक्सेस (2024): 12,. 11584-11596
- बृजेश बकारिया, कृष्ण कुमार मोहबे, अर्शदीप सिंह, हरमनप्रीत सिंह, पंकज राजू और रोहित राजपूत.. "संगीत की सिफारिश के साथ चेहरे के भावों की पहचान के लिए एक कुशल मॉडल"। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स (2024), 47(3), 267-270।
- कृष्ण कुमार मोहबे, गौरव मीना, सुनील कुमार और के. लोकेश "मंकीपॉक्स ट्वीट्स पर भावना विश्लेषण के लिए एक सीएनएन-एलएसटीएम-आधारित हाइब्रिड डीप लर्निंग दृष्टिकोण।" न्यू जनरेशन कंप्यूटिंग 42.1 (2024): 89-107।
- मलिका आचार्य और कृष्ण कुमार मोहबे। "स्थान-आधारित सामाजिक नेटवर्क में अगले POI अनुशंसा के लिए ट्रस्ट-अवेयर स्थानिक-अस्थायी सुविधा अनुमान।" सोशल नेटवर्क विश्लेषण और खनन 13.1 (2023): 102.
- गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे, अजय इंडियन, मोहम्मद ज़ुबैर खान और सुनील कुमार। "डीप कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके चेहरे के भावों से भावनाओं की पहचान करना।" मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन 83.6 (2024): 15711-15732।

गौरव मीणा

- गौरव मीना, अजय इंडियन, कृष्ण कुमार मोहबे, और कुणाल जांगिड़। "सेंटीमेंट एनालिसिस का उपयोग करके पॉइंट ऑफ़ इंटरेस्ट रिकमेंडेशन सिस्टम।" जर्नल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन साइंस थ्योरी एंड प्रैक्टिस 12, नंबर 2 (2024): 64-78।
- गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे और सुनील कुमार। "डीप ट्रांसफर लर्निंग-आधारित न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके विज़ुअल से मंकीपॉक्स की पहचान और भविष्यवाणी।" मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन (2024): 83, 71695–71719।
- गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे, अजय इंडियन, मोहम्मद ज़ुबैर खान और सुनील कुमार। "डीप कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके चेहरे के भावों से भावनाओं की पहचान करना।" मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लीकेशन 83.6 (2024): 15711-15732।
- चौधरी, आर.आर., पालीवाल, एस., और मीना, जी. (2024)। VGG16 UNET मॉडल का उपयोग करके इमेज फोर्जरी डिटेक्शन सिस्टम। प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 235, 735-744।
- यादव, बी., इंडियन, ए., और मीना, जी. (2024)। संशोधित लेनेट-5 डीप न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके ऑफ-लाइन देवनागरी हस्तलिखित अक्षरों को पहचानना। प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 235, 799-809।

रवि राज चौधरी

- आर आर चौधरी, एम. रानी, आर कौर, और एम. भादू, मल्टीस्टेज वर्गीकरण डेनोइजिंग मॉडल का उपयोग करके हृदय संकेत विश्लेषण, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, 2024(1), 2024. DOI:10.1155/2024/1502285
- रवि राज चौधरी, ममता रानी सिंह और पुनीत कुमार जैन, CNN और GRU डीप लर्निंग मॉडल के हाइब्रिड का उपयोग करके हृदय ध्वनि वर्गीकरण, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 235, 2024, 3085-3093

अभय कुमार राय

- अभय कुमार राय, शशि प्रकाश त्रिपाठी, और राहुल कुमार यादव। "लिंक भविष्यवाणी के लिए एक उपन्यास समानता-आधारित पैरामीटरयुक्त विधि।" कैओस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स 175 (2023): 114046।
- अपूर्व शर्मा, अजय कुमार यादव, और अभय कुमार राय। "विविध नेटवर्क में समानता-आधारित लिंक भविष्यवाणी के लिए एक नोवल और सटीक दृष्टिकोण।" सोशल नेटवर्क एनालिसिस एंड माइनिंग 14, नंबर 1 (2023): 11।
- अपूर्व शर्मा, और अभय कुमार राय। "एनसेंबल तकनीकों के माध्यम से लिंक भविष्यवाणी।" प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस 235 (2024): 897-906।

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. प्रकाश चौधरी

- तरुण अग्रवाल और प्रकाश चौधरी, रीसे-नेट: एनहैन्स्ड यूनेट आर्किटेक्चर फॉर लंग सेग्मन्टैशन इन चेस्ट रेडियोग्राफी इमेज। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस। 2023. (एससीआईई, इम्पैक्ट फैक्टर 2.14)
- तरुण अग्रवाल और प्रकाश चौधरी, कोविड-सेगनेट: छाती के एक्स-रे में कोविड-19 घाव विभाजन के लिए एनकोडर-डिकोडर-आधारित आर्किटेक्चर। मल्टीमीडिया सिस्टम। 2023. (SCIE, इम्पैक्ट फैक्टर 3.9)

- तरुण अग्रवाल, प्रकाश चौधरी, अच्युत शंकर, प्रभिषेक सिंह, मनोज दिवाकर। मल्टीफेनेट: एमआरआई छवियों में ब्रेन ट्यूमर वर्गीकरण के लिए डीप न्यूरल नेटवर्क में मल्टी-स्केल फीचर स्केलिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमेजिंग सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी। 2023. (SCIE, इम्पैक्ट फैक्टर 2.3)
- प्रकाश चौधरी और सुमित चौहान । आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क और ध्यान तंत्र के साथ दीर्घकालिक अल्पकालिक स्मृति का उपयोग करके एक बुद्धिमान चैटबॉट डिजाइन और कार्यान्वयन मॉडल। निर्णय विश्लेषण जर्नल। एल्सेवियर। 2023 (स्कोपस)
- सौरव मंडल, प्रकाश चौधरी और प्रियंका राठी। जटिल वेवलेट सब-बैंड विशेषताओं का उपयोग करके 12-लीड ईसीजी से हृदय संबंधी असामान्यताओं का पता लगाना। बायोमेडिकल फिजिक्स एंड इंजीनियरिंग एक्सप्रेस। आईओपी पब्लिशिंग। 2024 (स्कोपस)
- एम शीतल सिंह, प्रकाश चौधरी, खेलचंद्र थोंगम, पी के भगत। कंजेस्टिव हार्ट फेलियर की भविष्यवाणी के लिए एक एकीकृत मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। डायग्नोस्टिक्स जर्नल के तहत "मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग और रोग निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर विशेष अंक। 2024. (SCIE, इम्पैक्ट फैक्टर 3.7)
- तरुण अग्रवाल, प्रकाश चौधरी और विजय कुमार। डीप न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके असंतुलित डेटासेट पर ब्रेन ट्यूमर वर्गीकरण का तुलनात्मक अध्ययन। बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और नियंत्रण। एल्सेवियर। 2024. (SCIE, इम्पैक्ट फैक्टर 5.1)

डॉ. गौरव सोमानी

- अनमोल कुमार, गौरव सोमानी, और मयंक अग्रवाल, DDoS हमलों के दौरान HAProxy शेड्यूलिंग एल्गोरिदम की तुलना करना", IEEE नेटवर्किंग लेटर्स, वॉल्यूम: 6 अंक: 2, 2024।
- हवा सिंह गुर्जर और गौरव सोमानी, विक्टिम सेपरेशन का उपयोग करके प्रवर्धन/प्रतिबिंब अटैक को रोकना, IEEE नेटवर्किंग लेटर्स, 5 (2), 140-143, 2023।
- अनमोल कुमार, गौरव सोमानी, DDoS एक नज़र में: हमले की शुरूआत से लेकर समाधान तक", IEEE IT प्रोफेशनल मैगज़ीन, 25 (3), 36-42, 2023 (इम्पैक्ट फैक्टर 2.59)।
- अनमोल कुमार, गौरव सोमानी, क्लाउड लक्ष्यों में सेवा पृथक्करण सहायता प्राप्त DDoS हमले का शमन, एल्सेवियर जर्नल ऑफ़ इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन, वॉल्यूम 73, पृष्ठ 103435, 2023. (इम्पैक्ट फैक्टर 4.96)।

रवि सहारन

- सहारन, आर., और केसवानी, एन., (2024): घनी और विरल भीड़ के परिदृश्य के लिए व्यक्तियों की संख्या का तुलनात्मक विश्लेषण, एक्टा साइंटिया (स्कोपस), 25(4)। doi: https://doi.org/10.57030/asci.25.4.as03.
- सहारन, आर., केसवानी, एन. और अग्रवाल, बी., (2024): भीड़ के आकार और भीड़ की गिनती का अनुमान लगाने की एक विधि, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज (स्कोपस), 45(4)। doi: https://doi.org/10.47974/JIOS-1695.

डॉ. मुज़म्मिल हुसैन

- विकाश कुमार, कुंदन कुमार, मुज़म्मिल हुसैनएस, (2023): इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स नेटवर्क में गोपनीयता संरक्षण के लिए उन्नत जेनेरिक फ्रेमवर्क, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस (स्कोपस), 230. doi: https://doi.org/10.1016/j.procs.2023.12.103 475 - 485.

डॉ. तरुण कुमार

- सचान, आर.के., कुमारी, एस., खंडेलवाल, वी. और कुमार, टी., 2024. पोर्टफोलियो होल्डिंग्स के आधार पर म्यूचुअल फंड के नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग अप्रोच। प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस (स्कोपस), 233, पृष्ठ.154-163।

डॉ. बसंत अग्रवाल

- बसंत अग्रवाल, सोनल जैन, किशन बेलाडिया, यश गुप्ता, अविजित सिंह यादव, नीलू ज्योति आहूजा 2024. मशीन लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके डिस्ग्राफिया का प्रारंभिक और स्वचालित निदान। एसएन कंप्यूटर साइंस (स्कोपस), 4(5), पृ.523.

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

अमिताभ श्रीवास्तव

- पांडे, ए.के., श्रीवास्तव, ए., सचान, एम., कुमार, जी. और शर्मा, ए. (2023) 'ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भारतीय ग्रामीण महिलाओं का चित्रण: फिल्म जय भीम का एक महत्वपूर्ण प्रवचन विश्लेषण,' यूरोपीय आर्थिक पत्र, पीपी.288-294, डीओआई: https://doi.org/10.52783/eel.v13i4.699
- स्मिता, शर्मा, ए., श्रीवास्तव, ए. और कुमार, ए. (2024) 'समकालीन भारतीय सिनेमा में बलात्कार और न्याय के प्रति अविश्वास के उत्परिवर्तित चित्रण की खोज,' मीडिया शिक्षा, खंड.20, संख्या 1, पीपी. 151-163. डीओआई: 10.13187/me.2024.1.151
- शर्मा, ए. और श्रीवास्तव, ए. (2024) 'जेंडर इन/इक्वलिटीज एंड इंट्रपिड जर्नलिज्म: फिल्म भक्षक की समीक्षा, 'मीडिया एशिया, डीओआई: 10.1080/01296612.2024.2352941
- माथुर, एस. और श्रीवास्तव, ए. (2024) 'एक बाजीगर पत्रकार जो खेल के साथ "खेलता" है: फिल्म मैदान की समीक्षा', मीडिया एशिया, डीओआई: 10.1080/01296612.2024.2368954
- माथुर, एस., श्रीवास्तव, ए. और रघुवंशी, पी.पी. (2024) 'मीडिया बनाम सैन्य शक्ति: फिल्म सैम बहादुर का विश्लेषण' कम्युनिकेशन टुडे, वॉल्यूम.28, नंबर.3, पीपी. 63-69. (ISSN: 0975-217X)

नीरू प्रसाद

- प्रसाद, एन. (2024) 'ऑनलाइन पत्रकारिता के कई पहलू', शोध समागम, अप्रैल-जून 2024, आईएसएसएन: 2582-1792(पी)

निकोलस लाकड़ा

- खान आर, लाकड़ा एन., (2023) 'डिजिटल पत्रकारिता का उदय: नए रुझान और चुनौतियाँ'। जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, खंड 72, अंक 01, संख्या 1, पृष्ठ 65-72 (ISSN संख्या 0030-5324)

प्रांता प्रतीक पटनायक

- पटनायक, पी.पी. (2023) 'स्त्री शरीर को बनाए रखना: स्वास्थ्य पत्रिकाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व'। महिलाओं का लिंक, खंड 30, संख्या 2, पृष्ठ 51-58। (ISSN संख्या 2229-6409)
- पटनायक, पी.पी., अग्रवाल, एम. (2023) 'भारतीय टेलीविजन सोप ओपेरा में (पुनः) पुरुषत्व का दौर'। फिल्म और वीडियो की त्रैमासिक समीक्षा, doi:10.1080/10509208.2023.2259264
- पटनायक, पी.पी., अग्रवाल, एम. (2023) 'परिवर्तन की कल्पना: नई बॉलीवुड कथाओं में पूर्वोत्तर पहचान का पुनरुद्धार'। प्रज्ञान, जर्नल ऑफ मास कम्युनिकेशन, खंड 21, संख्या 1, पृष्ठ 9-16। (आईएसएसएन नं.0974-5521)

डेटा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

डॉ. विद्योत्तमा जैन

- राज आर. और जैन वी. (2023), रिसोर्स आप्टमज़ेशन फॉर MMAP[c]/PH[c]/S कैटस्ट्राफिक क्यूइंग मोडेल विद पीएच रिट्रियल टाइम्स, इन प्रेस, OPSEARCH. (प्रभाव कारक: 1.4) (https://doi.org/10.1007/s12597-023-00731-3)
- राज आर. और जैन वी. (2023), रिसोर्स आप्टमजैशन इन MMAP[2]/PH[2]/S प्राइऑरटी क्यूइंग मॉडल विद पीएच रिट्रियल टाइम्स एण्ड दी प्रीमपटिवे रेज़मै पॉलिसी, एनाल्स ऑफ़ ऑपरेशंस रिसर्च, 331, 1119-1148, 2023. (प्रभाव कारक: 4.4) (https://doi.org/10.1007/s10479-023-05588-9)
- राज आर. और जैन वी. (2023), रिसोर्स एण्ड ट्राफिक कंट्रोल आप्टमजैशन इन MMAP[c]/PH[c]/S क्यूइंग सिस्टम विद पीएच रिट्रियल टाइम्स एण्ड कटैस्ट्रफी फिनामनान, टेलकम्यूनिकेशन सिस्टम, 84, 341-362, 2023. (प्रभाव कारक: 1.7) (https://doi.org/10.1007/s11235-023-01053-x)

निष्ठा केसवानी

- सहारन, रवि, केसवानी, निष्ठा और अग्रवाल, बसंत (2024), भीड़ के आकार और भीड़ की गिनती का अनुमान लगाने की एक विधि, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, टेलर एंड फ्रांसिस, 45:4, 1105–1115, DOI: 10.47974/JIOS-1695, SCOPUS। 8 जून 2024 को ऑनलाइन उपलब्ध।
- नेहरा, पी., और केसवानी, एन. (2024), अ वर्क्लोड प्रीडिक्शन मोडेल फॉर रीडूसइंग सर्विस लेवल अग्रीमन्ट वाइअलैशनस इन क्लाउड डेटा सेंटर । डिसीजन एनालिटिक्स जर्नल, एल्सेवियर, 100463. https://doi.org/10.1016/ j.dajour.2024.100463, SCOPUS. अवैलबल अनलाइन ऑन 15 अप्रैल 2024.
- पवन सिंह, निष्ठा केसवानी (2024)। भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन और समझ। विज्ञान, संचार और प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 4, अंक 2. आईएसएसएन 2581-9429।
- सरन, एन., और केसवानी, एन. (2023)। अ कम्पैरटिव स्टडी ऑफ सूपर्वाइज़ मशीन लर्निंग क्लाससिफ़ीरस फॉर इन्ट्रूशन डिटेक्शन इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस (एल्सेवियर), 218, 2022, 2049-2057।
- विश्वकर्मा, एम., और निष्ठा केसवानी(2023)। अ न्यू टू फेज इन्ट्रूशन डिटेक्शन सिस्टम विद नैवे बेयस मशीन लर्निंग फॉर डट क्लैसफकैशन एण्ड एलिप्टिक एन्वेलप मेथड फॉर अनामली डिटेक्शन, डिसीजन एनालिटिक्स जर्नल (एल्सेवियर), 7, 2023, 100233।

डॉ. प्रीतपाल सिंह

- **सिंह, पी.,** अस्पष्ट सेटों की जांच और आंशिक क्रम से लेकर जाली अस्पष्ट सेटों तक निर्णय लेने में उनका अनुप्रयोग। निर्णय विश्लेषण जर्नल (एल्सेवियर), 08, 100286, 2023. (सितंबर 2023)
- **सिंह, पी.** और हुआंग, वाई.-पी., अ फोर-वैल्यूद ऐम्बिग्यूअस लॉजिक: नियंत्रण प्रणालियों के लिए अस्पष्ट अनुमान प्रणाली डिजाइन करने में अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ज़ी सिस्टम्स (स्प्रिंगर), 25 (8), 2921–2938, 2023. [IF = 4.085 (2021)] (सितंबर 2023)
- **सिंह, पी.,** अस्पष्ट सेटों से लेकर एकल-मूल्यवान अस्पष्ट जटिल संख्याओं तक: मैंडेलब्रॉट सेट जनरेशन और वेक्टर दिशाओं में अनुप्रयोग। मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स बी, 2450509, DOI: 10.1142/S0217984924505092, 2024. [IF = 1.9 (2022)](जून 2024)

- निहलानी, आर.; चौहान, एस.एस.; मित्तल, डी.; वडुला, जे.; ठाकुर, एस.; चक्रवर्ती, एस.; पटेल, आर.के.; सिंह, यू.पी.; घोष, आर. और **सिंह, पी.,** ए. सक्सेना, भारतीय सांकेतिक भाषा पहचान के लिए लॉन्ग शॉर्ट-टर्म मेमोरी (LSTM) मॉडल। जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 46 (4), 11185-11203, 2024. [आईएफ = 2 (2023)](अप्रैल 2024)
- **सिंह, पी.** और हुआंग, वाई.-पी., कोरोनावायरस रोग 2019 मामलों के कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन के लिए एक अस्पष्ट एज डिटेक्शन विधि। IEEE ट्रांजेक्शन ऑन सिस्टम्स, मैन एंड साइबरनेटिक्स: सिस्टम्स, 54 (1), 352-364, 2024. [आईएफ = 8.7 (2022)] (जनवरी 2024)

डॉ. भावना सैनी

- वर्मा, वी. के., सैनी, बी., जैन, टी., और दाधीच, पी. (2024) क्वांटम-स्टेट क्रिप्टोग्राफी में एंट्रोपिक अनिश्चितता: क्वांटम-रेसिलिएंट एन्क्रिप्शन के लिए एक गणितीय ढांचा। जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी। स्कोपस (doi.org/10.47974/JDMSC-1907)
- वर्मा, वी. के., सैनी, बी., जैन, टी., और दाधीच, पी. (2024) संज्ञानात्मक संतुलन और अस्थिरता: मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान में ल्यापुनोव स्थिरता विश्लेषण। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिक्स। स्कोपस (doi.org/10.47974/JIM-1821)
- वर्मा, वी. के., सैनी, बी., यादव, ए. (2024) तंत्रिका नेटवर्क में अण्डाकार ज्यामिति की खोज: अण्डाकार तंत्रिका नेटवर्क (ईएनएन) की अवधारणा। जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी। स्कोपस (doi.org/10.47974/JDMSC-1906)
- सैनी, बी., जैन, टी., और दाधीच, पी. (2024) सुरक्षित क्वांटम संचार नेटवर्क में क्वांटम ग्राफ सैद्धांतिक एन्क्रिप्शन और गतिशील कुंजी विकास। जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी। स्कोपस (doi.org/10.47974/JDMSC-1908)

अर्थशास्त्र विभाग

हेमलता मंगलानी

- कुमार एम और मंगलानी एच. (2023) l क्या विवैश्वीकरण कुल कारक उत्पादकता वृद्धि को बढ़ावा देता है? भारत के लिए आर्थिक विकास के भविष्य के नीतिगत परिप्रेक्ष्य की जांच करना। इंडियन जर्नल ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस 4(1)
- मुदगल बी. और मंगलानी एच. (2023)। ब्रिक्स देशों के लिए संशोधित मानव विकास सूचकांक का प्रस्ताव। सतत मानव विकास के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण, सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र, खंड संख्या 03/2023 (636), शरद ऋतु
- कुमार एम., मंगलानी एच. (2024). सतत विकास लक्ष्यों पर शोध प्रवृत्तियों का अनावरण: एक व्यवस्थित ग्रंथसूची समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड प्लानिंग, खंड 19, संख्या 5, मई, 2024, पृष्ठ 1723-1733,
- https://doi.org/10.18280/ijsdp.190510
- वर्मा, ए., मंगलानी, एच. (2024)। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत का व्यापारिक निर्यात: तुलनात्मक विश्लेषण का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ साउथ एशियन एक्सचेंज.1 https://saexchanges.com/v1n1/v1n110.pdf

प्रगति जैन

- रेधु, एस., जैन, पी. (2024) एक प्यासी वास्तविकता: जल की कमी की गहराई और इसके सामाजिक आर्थिक प्रभावों का अन्वेषण। बहुविषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 10.36948/ijfmr.2024.v06i03.23964।
- जैन, पी., कौशिकआर., जैन, पी., (2023) कृषि-आधारित आजीविका और खनन: तालमेल या संघर्ष? भारत में ग्रामीण राजस्थान से विश्लेषण, कृषि अर्थशास्त्र समीक्षा। आईएसएसएन 1109-2580।

सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा

- हाजिर ए.एम.डोग्गा, एस.एम., दिनेश, एस.ए., और कुमार, एम.बी. (2024) ई-कॉमर्स पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव: भारत से प्राथमिक साक्ष्यएमआईबी जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मैनेजमेंट 1–18. DOI:10.1177/ijim.241241252
- जयश्री, डोग्गा, एस.एम. और तेजवानी, एस.. (2024) क्या उच्च संस्थागत गुणवत्ता पर्यावरणीय स्थिरता में परिणाम देती है? भारत और चीन का एक तुलनात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, ई-ISSN: 2582-2160. DOI:10.36948/ijfmr.2024.v06i02.14430

सुरेश कुमार पात्रा

- पटनायक, एस.एस., चड्ढा, ए., और पात्रा, एस.के. (2023)। लॉकडाउन और महिला श्रमबल भागीदारी: भारत का अजीब मामला। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, रूटलेज, 1-15.DOI: 10.1080/00036846.2023.2275224।
- उत्सव और पात्रा, एस.के. (2024)। भारत में सरकारी प्रतिभूतियों के रुझानों और पैटर्न पर एक नज़र। आईओएसआर जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस (आईओएसआर-जेफ)। ई-आईएसएसएन: 2321-5933, पी-आईएसएसएन: 2321-5925। खंड 15, अंक 3 सेर.2 (मई - जून 2024), पृष्ठ 14-20। डीओआई: 10.9790/5933-1503021420.

डॉ. बबलू जाखड़

- शर्मा, एस., कुमार, वी., जाखड़, बी. (2024)। इतिहास का अंत? तकनीकी विलक्षणता पर अर्थव्यवस्था की कल्पना करना। गोस्पोदरका नारोडोवा। पोलिश जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, 318(2), 53-63। https://doi.org/10.33119/GN/184316
- लाल, सी., जाखड़, बी., कैत, आर., प्रूथी, एस., कुमार, वी. (2024)। चयनित मसालों और पारंपरिक फसलों का अर्थशास्त्र और विपणन: हरियाणा, भारत के किसानों की अंतर्दृष्टि। कृषि अर्थशास्त्र की समस्याएँ, 379(2), 73-100। https://doi.org/10.30858/zer/187581
- बिश्नोई, एन. के., जाखड़, बी., सिंघल, बी., शर्मा, एस. (2024)। हरियाणा का श्रम परिदृश्य: आवधिक सर्वेक्षणों के माध्यम से रोजगार चुनौतियों को समझना। सामाजिक शोध प्रबंध, 18(1), 208-225। https://doi.org/10.29316/rs/186246
- जाखड़, बी., कैत, आर., और लाल, सी. (2023)। कृषि संकट: हरियाणा राज्य में किसानों के बीच ऋणग्रस्तता का एक केस स्टडी। कृषि का अर्थशास्त्र, 70(4), 1141–1156। https://doi.org/10.59267/ekoPolj23041141J
- जाखड़, बी., कुमार, वी., शर्मा, एस., सुनीला। (2023)। सनातन अर्थशास्त्र: एक शाश्वत आर्थिक व्यवस्था। आर्थिक और क्षेत्रीय अध्ययन, 16(4), 708-714। https://doi.org/10.2478/ers-2023-0043
- भारत, कुमार, वी., शर्मा, एस., सहगल, एस. और जाखड़, बी. (2023)। आधुनिक विश्व व्यापार के पीछे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नीतियों के सिद्धांतों पर साहित्य समीक्षा। जर्नल ऑफ इंडोनेशियाई एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 11(2), 75-83। http://doi.org/10.21776/ub.jiae.2023.011.02.6

- कुमार, वी., सिंघल, बी., शर्मा, एस., जाखड़, बी. (2023)। जम्मू और कश्मीर के रोजगार परिदृश्य में हालिया रुझान: आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों पर आधारित विश्लेषण। सामाजिक शोध प्रबंध, 17(1), 121-128। https://doi.org/10.29316/rs/168632
- जाखड़, बी., कैत, आर., कुमार, वी. (2023)। ऋण उपयोग और पुनर्भुगतान व्यवहार: हरियाणा के किसानों से साक्ष्य। आर्थिक और क्षेत्रीय अध्ययन, 16(2), 286-316. https://doi.org/10.2478/ers-2023-0019

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

- रावत, एन., शर्मा, ए., सिंह, एस. (2023)। इफेक्ट ऑफ सेल्फ डिवेलप्ट ई कंटेन्ट मॉडुलेस इन बाइआलजी टू एन्हैन्स लर्निंग अजिलिटी : अन एक्सपेरिमेंटल अनैलिसिस, इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज (आईजेओएनएस), खंड 14, अंक 79/अगस्त 22023। आईएसएसएन: 0976-0997.आईएसआई प्रभाव कारक: 2.452-2022-23।
- शर्मा, ए., सिंह, एस. और कुमार, वी. (2024)। वारली में ज्यामिति: लोक कला को गणित शिक्षण के साथ मिलाना। शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स।V5(5)।

नरेंद्र कुमार

- कुमार, आर., अत्रेय वी., और कुमार, एन. (2023)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में लिंग और बोर्ड के प्रकार के संबंध में इंटरनेट की लत, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी, वॉल्यूम 4(2), 43-47।
- कुमार, एन. और अग्रवाल, एन. (2023)। स्नातक छात्रों में लिंग, संस्थान के प्रकार और अध्ययन की धारा के संबंध में शैक्षणिक तनाव, INSPA जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड स्कूल साइकोलॉजी, वॉल्यूम- 5 (1), 140-145।
- तमिशा और कुमार, एन. (2023)। आत्म-तोड़फोड़ व्यवहार का प्रभाव: छात्रों के बीच आत्म-तोड़फोड़ की प्रकृति और कारण को समझना, थर्ड कॉन्सेप्ट, खंड 37(442), 49-52।
- कुमार, एन. और वार्ष्णेय वाई. (2023)। सूचना प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक उपयोग के प्रति रसायन विज्ञान के शिक्षकों का दृष्टिकोण, जुनीखैत, खंड- 13(1), 345-354।
- तमिशा और कुमार, एन. (2024)। शैक्षणिक उछाल और शैक्षणिक तनाव: संतुलन को समझना, अनुसंधान प्रवचन, खंड 14(1), 72-74।
- कुमार, एन. और साहू पी.एन. (2024)। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ खुशी और उसका संबंध, एमआईईआर जर्नल ऑफ एजुकेशनल ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेस, वॉल्यूम- 14(1), 82-95।
- कुमार, एन. और कुदेई ए. (2024)। सरकारी और निजी शिक्षक शिक्षा संस्थानों के छात्र-शिक्षकों के बीच साइबर अपराध जागरूकता, अम्नायिकी, वॉल्यूम- 25, 132-137।

गोबिंद सिंह गुरे

- गुरे, जी.एस. (2024)। भारत के युवाओं के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल इनहेरिटेंस एंड सोशल साइंसेज (आईजेसीआईएसएस) खंड 6, अंक 11, मार्च 2024, आईएसएसएन: 2632-7597, 128-144।

संगीता यदुवंशी

- यदुवंशी, एस. और यादव, एम. (2024) भारतीय समाज में STEM शिक्षा में लैंगिक अंतर का विश्लेषण और इसके कारण। रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईएसएसएन:0975-802X.वॉल्यूम-XVIII।

रीना गोदारा

- गोदारा आर, और राठौर I, (2023) स्कूल में समावेशी अभ्यास: एक केस स्टडी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के शोध जर्नल, आईएसएसएन नंबर 09756795, खंड 14 अंक 03 जुलाई-सितंबर 2023.117-123,
- कुमार, एस और गोदारा आर., (2024) पीडब्ल्यूडी और पीडब्ल्यूआईडीडी की यौन समस्याओं और प्रजनन स्थिति से संबंधित जमीनी हकीकत, आश्वस्त, आईएसएसएन नंबर 2456-8859, जून 2024 (यूजीसी केयर लिस्ट)। https://aashwastujjain.com/ june-2024/, 6-9.

टी. संगीता

- संगीता टी., (2024) अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर वाले बच्चों की कार्यशील स्मृति में कार्यकारी कार्यों को बाहरी बनाना, वॉल्यूम 6(1) ई-आईएसएसएन: 2581-8910, त्यागराज कॉलेज ऑफ प्रिसेप्टर्स एडु स्पेक्ट्रा 67 डीओआई: https://doi.org/10.34293/eduspectra.v6i1.09,67-76.

सीमा गोपीनाथ

- गोपीनाथ, एस. (2024). उच्च शिक्षा में सतत विकास रणनीतियाँ और अभ्यास, द इन्वेस्टिगेटर, आईएसएसएन:2454-3314, वॉल्यूम 10, अंक 2, जून 2024

नित्या प्रेम एसआर

- नित्या प्रेम एस आर (2023) गुरुकुल आर्यनगरसंस्कृतविद्या पीठ परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षा का समन्वय: एक केस अध्ययन, जर्नल ऑफ फाउंडेशनल रिसर्च, दर्शनशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (यूजीसी-केयर इंडेक्स्ड).93-100।
- नित्या प्रेम एस आर (2024) माध्यमिक स्तर पर अंतःविषय दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए भौतिकी में एसटीईएम शिक्षाशास्त्र-आधारित शिक्षण गतिविधियाँ, अफ्रीकी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 4340-4347

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग

डॉ. संयोग रावत

- रावल, पी., और रावत, एस. के बैंड अनुप्रयोगों के लिए पैटर्न विविधता के साथ कॉम्पैक्ट रीकॉन्फ़िगरेबल एंटीना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 1-10(2024)। doi: https://doi.org/10.1002/dac.5813

डॉ. कपिल सारस्वत

- अग्रवाल, एम., कुमार, टी. और सारस्वत, के. एक कॉम्पैक्ट हाफ-मोड सब्सट्रेट इंटीग्रेटेड वेवगाइड आधारित डुअल-वाइडबैंड एंटीना। वायरलेस पर्स कम्युनिकेशन 136, 1283–1296 (2024)। https://doi.org/10.1007/s11277-024-11345-3

अंग्रेजी विभाग

संजय अरोड़ा

- अरोड़ा, संजय और नीतिज्ञ माथुर। “अंग्रेजी में चुनिंदा भारतीय लेखन में एक उपकरण के रूप में शब्दावली नवाचारों की खोज।“ जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग, खंड 66, संख्या 3, मई-जून 2024, पृष्ठ 36-40। (यूजीसी केयर)

- नाग, देबयान और संजय अरोड़ा। "सीमा पर सख्ती और अपनेपन का संकट: मंटो के 'टोबा टेक सिंह' में राष्ट्रवाद की राजनीति का (विघटन) करना।" लिटरेरी वॉयस, खंड 1, अंक 22, मार्च 2024, पृष्ठ 110-115। आईएसएसएन: 2277-4521। (वेब ऑफ साइंस, यूजीसी केयर)
- पधान, वेंकटेश्वर और संजय अरोड़ा। "नकारात्मकता और संरक्षण का द्वंद्वात्मक संघर्ष: अरविंद अडिगा की द व्हाइट टाइगर से बलराम हलवाई का एक उप-प्रजाति के रूप में विश्लेषण" लिटरेरी वॉयस, खंड 1, अंक 21, सितंबर 2023, पृ. 235-240. आईएसएसएन: 2277-4521. (वेब ऑफ साइंस, यूजीसी केयर)
- अरोड़ा संजय, और रुचि कौशिक "अंग्रेजी कक्षा में विज्ञापनों का उपयोग: एक खोजपूर्ण अध्ययन" जर्नल ऑफ आर्ट्स खंड 11 अंक 3 जनवरी 2023 पृ. 219-2023, पृ. 209-233 (यूजीसी केयर)
- वर्मा, ए. और संजय अरोड़ा। "द डिमिनिशिंग डॉन: एआई प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा का छात्रों की रचनात्मकता पर प्रभाव"। संजय अरोड़ा, देवेंद्र रांकावत और वेद प्रकाश (संपादक) इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन, यिंग बुक्स, 2024, पृष्ठ 25-35।
- वशिष्ठ, के. और संजय अरोड़ा। "भारतीय प्रिंट विज्ञापनों में महिलाओं के प्रतीकात्मक विनाश की जांच करना'। संजय अरोड़ा, देवेंद्र रांकावत और वेद प्रकाश (संपादक) इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन। यिंग बुक्स, 2024, पृष्ठ 63-78।
- देबयान, एन. और संजय अरोड़ा। "डिफ़ेंस के तहत गरिमा: बाबूराव बागुल की चुनिंदा लघु कहानियों में जाति का पता लगाना और उससे पूछताछ करना।" भूमिका शर्मा, नेहा अरोड़ा और सविता एंडलवार (संपादक) संकट में मानविकी: साहित्यिक विचार-विमर्श। यिंग बुक्स, 2024, पृष्ठ 103-118।
- सह-संपादित (डॉ. देवेंद्र रांकावत और डॉ. वेद प्रकाश के साथ) पुस्तक इंटरसेक्शन: लिटरेचर एंड अदर डोमेन। यिंग बुक्स, मई 2024।

भूमिका शर्मा

- पुनीता और भूमिका शर्मा। "जकड़ी: एक आधिपत्यपूर्ण पारिवारिक संस्था में व्यवस्थित अधीनता के साथ हरियाणवी महिलाओं की बातचीत"। आईआईएस जर्नल ऑफ आर्ट्स, खंड 12, अंक 1 और 2. जुलाई-अगस्त 2023। आईएसएसएन 2319-5339 (पी)। पृष्ठ 179-196। (यूजीसी केयर)
- सरवता, एल. और भूमिका शर्मा। "इफ़र द बोनलेस को फिर से तैयार करना: टेली-सीरीज़ वाइकिंग्स में 'अक्षमता/क्षमता का प्रतिनिधित्व"। सुखाड़िया यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इंग्लिश लिटरेरी स्टडीज़, खंड II, सं. 1. 2023-24। आईएसएसएन 2320-3056। पृष्ठ 56-66। (सहकर्मी समीक्षित)
- शर्मा, बी. "विपक्ष का सौंदर्यशास्त्र: मीराबाई के काव्य प्रतिरोध का एक अध्ययन" LXVIII, सं. 4, सं. 342: जुलाई-अगस्त, 2024, पृ. 173-184.
- शर्मा, बी. "महिलाएं और मानवाधिकार: कानूनी ढांचे के सामाजिक-सांस्कृतिक आयामों को संबोधित करना" संशोधनक, विशेष अंक 1, मार्च 2024, पृ. 130-136.
- नंदी, एस. और भूमिका शर्मा. "पोस्टह्यूमनिज्म और फ्यूचर सोसाइटी: मारिसा मेयर के सिंडर में प्रेम और घृणा की द्वंद्वात्मकता" जर्नल ऑफ राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश, खंड 19, दिसंबर 2023, पृ. 101-112.
- शर्मा, बी. और शिबासंभू नंदी. "साइंस फिक्शन में संघर्षपूर्ण क्षेत्र: डैनियल एच. विल्सन के रोबोपोकैलिप्स में मानव-मशीन द्वंद्व की जांच 1, अंक 1, जून 2023, पृ. 70-83.

- शर्मा, बी. "बियॉन्ड द मार्जिन्स: नेविगेटिंग द ड्रिफ्टिंग एजेज़ ऑफ़ मॉडर्न शॉर्ट फिक्शन थ्रू आभा दावेसर की द गुड किंग" इन ट्रैवर्सिंग द बाउंड्रीज़: क्रिटिकल एसेज़ ऑन मॉडर्न शॉर्ट फिक्शन, एड. डॉ. प्रीति भट्ट और डॉ. निधि शर्मा, अमेज़न किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित, अगस्त 2023, पृ. 8-14. आईएसबीएन: 9798392750160.
- नंदी, एस. और भूमिका शर्मा. "आइडेंटिटी पॉलिटिक्स" इन इंडिया एंड द वर्ल्ड, एड. डॉ. अमित कुमार मंडल, नसरीन जबीन, दीपांजना हलदर मजूमदार, फरहीन अख्तर भुइयां, डॉ. नजमुल हुसैन लस्कर, ऑथर्स प्रेस द्वारा प्रकाशित, 2023, पृ. 950-957. आईएसबीएन: 978-93-5529-653-5.
- नंदी, एस. और भूमिका शर्मा। "भारतीय सिनेमा में विकलांगता: चुनिंदा फिल्मों के माध्यम से बदलते परिप्रेक्ष्य को समझना" भारत में विकलांगता: एक सामाजिक-सांस्कृतिक अन्वेषण, एड. रेखा कुमारी, लेखक प्रेस द्वारा प्रकाशित, दिसंबर 2023, पृष्ठ 170-186। आईएसबीएन: 978-93-5529-862-1।
- शर्मा, बी. लेखक/लेखकों का उल्लेख नहीं किया गया है। "बीइंग वॉच्ड-ओवर: हैमलेट इन द कैमरा आई" लिटफ्लिक्स में: लिटरेचर अडेप्टेड इनटू फ्लिक्स, एड. डॉ. प्रगति सोबती, क्लेवर फॉक्स पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित, बैंगलोर, फरवरी 2024, पृष्ठ 1-21। आईएसबीएन: 978-93-5648-905-9।
- नायर, के, और भूमिका शर्मा। "नेविगेटिंग क्राइसिस: ट्रेसिंग द फ्यूचर लैंडस्केप ऑफ क्वीर स्टडीज" इन इंटरसेक्शन: लिटरेचर एंड अदर डोमेन, एड। डॉ. संजय अरोड़ा, डॉ. देवेंद्र रंकावत और डॉ. वेद प्रकाश, यिंग बुक्स द्वारा प्रकाशित, जयपुर, मई 2024, पीपी. 298-316। आईएसबीएन: 978-81-969243-2-4।
- शर्मा, बी। लेखक/लेखकों का उल्लेख नहीं है। "न्यू इंटरसेक्शनल प्रिज्म: जेंडर, रिलिजन एंड सेल्फ एस्टीम इन थ्रीटी उमरीगर ऑनर" इन कंटेम्परारी इंडियन राइटिंग्स: इमर्जिंग थीम्स एंड वॉयस, एड। डॉ. श्रुति रावल और डॉ. शीहान खान, ऑथर्सप्रेस द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, जून 2024, पीपी.
- सह-संपादक (डॉ. नेहा अरोड़ा डॉ. सविता अंदेलेवार के साथ) पुस्तक संकट में मानविकी: साहित्यिक विचार-विमर्श, यिंग बुक्स, जयपुर, मई 2024 (आईएसबीएन: 978-81-969243-6-2)
- अतिथि संपादक के रूप में सह-संपादित (डॉ. नेहा अरोड़ा के साथ) विशेष अंक- साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट (न्यू लिटरेरिया: मानविकी में अंतःविषय अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (खंड 5, अंक 1), एक ओपन एक्सेस ऑनलाइन जर्नल: https://newliteraria.com/) (ISSN: 2582-7375)

नेहा अरोड़ा

- अरोड़ा, एन. "वेश्याओं से योद्धा बनी महिलाओं की आवाज़ों के ज़रिए राष्ट्रवादी विमर्श की रूपरेखा को फिर से बनाना"। जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल विमेंस स्टडीज़, खंड 25, अंक 5. आईएसएसएन 15398706, प्रभाव स्कोर 0.48, एच-इंडेक्स 26. (SCOPUS)
- चौधरी, एस. और नेहा अरोड़ा। "सुमित्रा मेहरौल की किताब टूटे पंखों से परवाज़ तक में कई सीमांतताओं का मानचित्रण"। दृष्टि: द साइट, खंड XIII, अंक I., (मई - अक्टूबर 2024), जून 2024, पृष्ठ 99-103। आईएसएसएन 2319-8281। (यूजीसी केयर)
- अरोड़ा, एन. (2023) भारतीय प्रवासियों के सीमा-पार चिंतन में घर और स्मृति: एक काव्य सर्वेक्षण। (संपादक) पिनाकी रॉय। पश्चिम में भारत से शब्द: प्रवासी भारतीय साहित्य द्वारा चयनित लेखन के लिए एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण। इबिडेम-वेरलाग, स्टटगार्ट, पृ. 161-180। आईएसबीएन 978-3-8382-1718-5।
- अरोड़ा, एन. और रश्मि अत्री (2023) दलित महिला पहचान को फिर से परिभाषित करना: दलित नारीवादी आंदोलन और दलित महिलाओं के लेखन का एक अध्ययन। (संपादक) मसूद अशरफ राजा और निक टी सी लू।

साहित्य और सामाजिक न्याय के लिए रूटलेज साथी। रूटलेज, पृ. 339-354। आईएसबीएन 978-1-032-15942-3।

- अरोड़ा, एन. और निष्ठा महावर (2024) भारतीय यौनकर्मियों के 'अधिकारों' को लिखना: अधीनस्थों की आवाज़। (संपादक) पूजा जोशी और अदिति कालरा। लिंग, समाज और अल्पसंख्यक: नए दृष्टिकोण। एम्पायरल पब्लिशिंग हाउस, पृ. 121-135। आईएसबीएन 978-81-970603-2-8।
- दत्ता, आर. और नेहा अरोड़ा। "स्वदेशी लेखन और ट्रांसलोकैलिटी: एक नए जुड़ाव की ओर।" (संपादक) संजय अरोड़ा, देवेंद्र रांकावत और वेद प्रकाश। इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन। यिंग बुक्स। मई 2024, पृ. 264-282। आईएसबीएन 978-81-969243-2-4।
- सह-संपादक (डॉ. भूमिका शर्मा और डॉ. सविता अंदेलेवार के साथ) पुस्तक संकट में मानविकी: साहित्यिक विमर्श, यिंग बुक्स, जयपुर, मई 2024 (आईएसबीएन: 978-81-969243-6-2)
- अतिथि संपादक के रूप में सह-संपादित (डॉ. भूमिका शर्मा के साथ), विशेष अंक- साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन में संकट (न्यू लिटरेरिया: मानविकी में अंतःविषय अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (खंड 5, अंक 1), एक ओपन एक्सेस ऑनलाइन जर्नल: https://newliteraria.com/) (ISSN: 2582-7375)

देवेंद्र रांकावत

- थिनलेस, पी. और देवेंद्र रंकावत। "अंग्रेजी भाषा शिक्षण के माध्यम से प्राथमिक छात्रों में राष्ट्रीय चेतना का निर्माण।" प्राइमरी टीचर, खंड XLIV, संख्या 1, जनवरी 2019, पृष्ठ 41-47। [ISSN: 0970-9282]
- राजू, आर. और देवेंद्र रंकावत। "प्राथमिक स्तर पर प्रवासी छात्रों पर कथाओं का प्रभाव।" प्राइमरी टीचर, खंड XLIV, संख्या 2 और 3, अप्रैल-जुलाई 2019, पृष्ठ 21-28। [ISSN: 0970-9282]
- राजू, आर. और देवेंद्र रंकावत। "मलयाली प्रवासियों और उनके पीछे छूट गए लोगों का मनोवैज्ञानिक-यौन स्वास्थ्य: बेन्यामिन के बकरी दिवस और एम. मुकुंदन के प्रवासम पर एक नोट।" लिटरेरी वॉयस, खंड 1, सं 22, मार्च 2024, पृ. 145-151. [ISSN: 2277-4521]
- रंकावत, डी. "पोस्ट-सौसुरियन साहित्यिक सिद्धांत में भाषा और अनिश्चितता: एक जांच।" जोधपुर स्टडीज इन इंग्लिश, खंड XXII, 2024, पृ. 66-71. [ISSN: 0970-843X]
- रांकावत, डी. "बीइंग ह्यूमन: ए क्वेस्ट फॉर द मेटाफिजिक्स ऑफ पीस एंड जॉय" इन इंटरसेक्शन्स: लिटरेचर एंड अदर डोमेन्स बाय डॉ. संजय अरोड़ा, डॉ. देवेंद्र रांकावत, डॉ. वेद प्रकाश। यिंग, जयपुर। मई, 2024। आईएसबीएन: 978-81-969243-2-4
- सह-संपादित (डॉ. संजय अरोड़ा और डॉ. वेद प्रकाश के साथ) पुस्तक इंटरसेक्शन्स: लिटरेचर एंड अदर डोमेन्स। यिंग बुक्स, मई 2024।

वेद प्रकाश

- प्रकाश, वी. "जाति हिंसा और मूंछों की राजनीति: चरण सिंह पथिक की मूंछों का एक अध्ययन।" जर्नल ऑफ आर्ट्स, खंड 12, अंक 3 और 4, अक्टूबर - नवंबर 2023, पृष्ठ 280-291। [ISSN: 2319-5339] (UGC CARE-सूचीबद्ध [समूह-I])
- प्रकाश, वी. और प्रखर श्रीवास्तव। "डिस्टोपिया और अस्तित्व की खोज: महामारी के बाद के समाज में मंच को पढ़ना।" लिटरेरी वॉयस, खंड 1, संख्या 21, सितंबर 2023। ISSN 2277-4521। पृष्ठ 364-370। (UGC CARE-सूचीबद्ध)
- प्रकाश, वी. "वर्चुअल से रियल: हैशटैग (#) संस्कृति से सार्वजनिक क्षेत्र की राजनीति को समझना"। दृष्टि: द साइट, एक रेफरीड पीयर-रिव्यूड द्वि-वार्षिक जर्नल, खंड XII, अंक I, मई 2023-अक्टूबर 2023, पृष्ठ 256-260. [ISSN: 2319-8281] (UGC-केयर सूचीबद्ध)

- प्रकाश, वी. "संगीत, कला और प्रतिरोध: संकट में मानविकी में "अजीब फल" के माध्यम से लिंचिंग की संस्कृति का विश्लेषण डॉ. भूमिका शर्मा, डॉ. नेहा अरोड़ा, डॉ. सविता अंडेलवार द्वारा। यिंग, जयपुर। मई, 2024। आईएसबीएन: 978-81-969243-6-2
- प्रकाश, वी. "विधवापन, महिला शरीर और नुगरी के माध्यम से टकटकी को पुनर्स्थापित करना: एक जीवनी संबंधी विवरण" डॉ. संजय अरोड़ा, डॉ. देवेंद्र रांकावत, डॉ. वेद प्रकाश द्वारा इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन। यिंग, जयपुर। मई, 2024। आईएसबीएन: 978-81-969243-2-4
- प्रकाश, वी. "साउंड ऑफ़ रेजिस्टेंस: रैप म्यूज़िक के ज़रिए जलवायु और संस्कृति का अध्ययन" अफ़ेक्टिव वर्ल्ड-मेकिंग में: रूटिंग प्लैनेटरी थॉट बाय सिमी मल्होत्रा, साक्षी डोगरा, जुबी सी जॉन। रूटलेज, न्यूयॉर्क और लंदन, दिसंबर, 2023। आईएसबीएन: 1032611030।
- प्रकाश, वी. "प्रतिनिधित्व, विनियोग और लोकप्रिय संस्कृति: रोमन पोलांस्की के द पियानोवादक में भोजन और प्रलय।" (संपादक) महितोष मंडल और प्रियंका दास। प्रलय बनाम लोकप्रिय संस्कृति: असंगति और सार्वभौमिकरण की पूछताछ। लंदन और न्यूयॉर्क, पीपी. 60-68, 2023। आईएसबीएन 9781032-16973-6।
- सह-संपादित (डॉ. संजय अरोड़ा और डॉ. देवेंद्र रंकावत के साथ) पुस्तक इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन। यिंग बुक्स, मई 2024।

सविता अंदेलवार

- अंदेलवार, एस. "सामाजिक न्याय के लिए ज्योतिराव फुले के संघर्ष को आकार देने में धर्म और संस्कृति की भूमिका" डॉ. संजय अरोड़ा, डॉ. देवेन्द्र रांकावत, डॉ. वेद प्रकाश द्वारा इंटरसेक्शन: साहित्य और अन्य डोमेन में। यिंग, जयपुर। मई, 2024। आईएसबीएन: 978-81-969243-2-4
- सह-संपादित (डॉ. भूमिका शर्मा और डॉ. नेहा अरोड़ा के साथ) पुस्तक ह्यूमैनिटीज इन क्राइसिस: लिटरेरी डेलिबेरेशन, यिंग बुक्स, जयपुर, मई 2024 (आईएसबीएन: 978-81-969243-6-2)

पर्यावरण विज्ञान विभाग

प्रो. राजेश कुमार

- कुमार, एम., कुमार, आर., सिंह, सी. के., और कुमार, ए. (2024)। ग्रेट इंडियन थार रेगिस्तान में जियोकेमिकल मॉडल का उपयोग करके प्लेया झीलों की पहचान और उनके विकास पथों पर नज़र रखना। साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 912, 169250. https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2023.169250
- कुमार, एम., गर्ग, वी., कुमार, आर., और कुमार, आर. (2024)। भारत के राजस्थान के किशनगढ़ शहर में केमोमेट्रिक दृष्टिकोण और भूजल प्रदूषण सूचकांक (जीपीआई) का उपयोग करके भूजल रसायन विज्ञान को नियंत्रित करने वाला भू-रासायनिक मूल्यांकन और तंत्र। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 1-16। https://doi.org/10.1007/s11356-024-33669-0
- पिप्पल, पी. एस., कुमार*, आर., कुमार, आर., और सिंह, ए. (2024)। उत्तर-पश्चिम भारत में एरोसोल ऑप्टिकल गुणों और उनके मौसम संबंधी संबंधों में स्थानिक-लौकिक परिवर्तनों का पता लगाने के लिए उपग्रह और मॉडल डेटा को एकीकृत करना। संपूर्ण पर्यावरण का विज्ञान, 922, 170835। https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2024.170835
- पिप्पल, पी.एस., कुमार, आर., चौहान, ए., सिंह, एन., और सिंह, आर.पी. (2023, जुलाई)। राजस्थान में वायु गुणवत्ता पर मानसून के बाद फसल अवशेष जलाने के प्रभाव को समझना। IGARSS 2023-2023 IEEE अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी में (पीपी. 3921-3924)। IEEE. https://doi.org/10.1109/IGARSS52108.2023.10281843

- कुमार, आर., पिप्पल, पी.एस., चौहान, ए., सिंह, आर.पी., कुमार, आर., सिंह, ए., और सिंह, जे. (2024)। तौकते चक्रवात से जुड़े भूमि, महासागर और वायुमंडलीय मापदंडों की गतिशीलता। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 31(8), 12561-12576। https://doi.org/10.1007/s11356-023-31659-2
- सिंह, ए., कुमार*, आर., कुमार, आर., पिप्पल, पी.एस., शर्मा, पी., और शर्मा, ए. (2024)। भारत के उत्तराखंड राज्य में भू-स्थानिक उपकरणों और विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया (एएचपी) का उपयोग करके भूजल संभावित क्षेत्र का चित्रण। अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रगति, 73(6), 2939-2954। https://doi.org/10.1016/j.asr.2023.12.041

प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

- शर्मा, एल. के., और राज, ए. (2024)। क्षेत्रीय जलवायु संबंधी अनिश्चितताओं के तहत सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान (भारत) के पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन के लिए स्थानिक-समय वन स्वास्थ्य आकलन। पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 1-24।
- भावेशकुमार, के. आई., शर्मा, एल. के., और वर्मा, आर. के. (2024)। ऐप्लकबिलटी ऑफ फेनोलॉजिकल इंडेक्स फॉर मैपिंग ऑफ अंडरस्टोरी इन्वैसिव स्पीशीज़ युसिंग मशीन लर्निंग एल्गोरिदम। जैविक आक्रमण, 1-21।
- वर्मा, आर. के., शर्मा, एल. के., भावेशकुमार, के. आई., और राठौर, एम. के. (2024)। PRISMA डेटा का उपयोग करके उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन में उपरी भूमि बायोमास का आकलन। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, 1-10।
- वर्मा, आर. के., शर्मा, एल. के., और लेले, एन. (2024)। एफिकैसी ऑफ AVIRIS-NG डेटा फॉर स्पीशीज़ –स्पिसिफिक रेकॉगनिटीऑन टूवर्ड्स ए कम्पैरटिव अनैलिसिस बाइ हाइपरस्पेक्ट्रल क्लासिफायर। एडवांस इन स्पेस रिसर्च, 73(2), 1449-1458।
- राज, ए., शर्मा, एल. के., वर्मा, आर., नाइक, आर., नाथावत, एम. एस., और फ्रैंकविग्लिया, आर. (2023)। राजस्थान, पश्चिमी भारत में भूमि क्षरण तटस्थता (एलडीएन): दबाव-स्थिति-प्रतिक्रिया मॉडल और मोडिस डेटा उत्पादों का एक संयुक्त दृष्टिकोण। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 195(12), 1468।
- शर्मा, एल. के., आरव, पी., शर्मा, एस., और राज, ए. (2023)। भारत के सतत विकास लक्ष्य 2030 का पता लगाने के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोण का उपयोग करके पर्यावरणीय पदचिह्न का मूल्यांकन। इन नेचुरल रिसोर्सेज फ़ोरम (वॉल्यूम 47, नंबर 3, पृष्ठ 525-552)। ऑक्सफ़ोर्ड, यूके: ब्लैकवेल पब्लिशिंग लिमिटेड।
- राठौर, एम. के., और शर्मा, एल. के. (2023)। जैविक संरक्षण और प्रथाओं का पता लगाने के लिए पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए प्रजाति वितरण मॉडल (एसडीएमस्) की प्रभावकारिता। जैव विविधता और संरक्षण, 32(10), 3053-3087।

डॉ. प्रमोद एन कांबले

- श्रृंगारे, एस.एन., कदम, के.आर., पंधारे, जी.आर. कांबले पी.एन. एट अल. (2024), सजातीय उत्प्रेरक का विषमीकरण: जलीय आधारित मीडिया में अत्यधिक प्रतिस्थापित 4एच-पाइरन स्कैफोल्ड्स के कुशल संश्लेषण के लिए एक बेहतर रणनीति। कैटल लेट 154, 1993-2007।
- मोहम्मद तुफैल और प्रमोद एन. कांबले और जैक्सन खुमुकचम और कृष्ण कुमार और अरविंद कुमार और दिलीप सिंह कछवाया और फ्रांसिस संगमा और अनुप्रीत सिंह तिवाना, (2024), क्लाइमिट वेरीअबिलिटी एण्ड ट्रांसह्यूमेंट ऐडप्टैशन अमंग गुज्जर एण्ड बकरवाल कम्यूनिटीइएस, इंडिया, इको. एनव. और कं. 30 (1)। 222-231।
- आशीष विलास माने, मनेश मारुति धमाले, प्रमोद एन. कांबले, गिरीश राजाराम पठाडे और कार्तिक कैलासकुमार अडके (2024) पुणे के फर्ग्यूसन और जंगली महाराज रोड पर उगने वाली चुनिंदा पौधों की प्रजातियों में वायु प्रदूषण से प्रेरित जैव रासायनिक परिवर्तन IJEP 44(2): 112-119.

- लकवथु, रेड्डी, वी.के., सिंह, एन. कांबले पी.एन. एट अल. (2023) जियोट्यूब और जूट ट्यूब-आधारित प्रौद्योगिकियों द्वारा मल कीचड़ उपचार की व्यवहार्यता अध्ययन। एनवायरन साइंस पोल्यूट रिसर्च 30, 124382–124400 (2023)। https://doi.org/10.1007/s11356-023-30746-8.
- माहिरे, एस., तिवाना, ए.एस., खान, ए. कांबले पी. एट अल. (2024) अक्यूम्यलैशन एण्ड इफेक्टस ऑफ पर्सिस्टन्ट ऑर्गैनिक पोलुटनट्स एण्ड बाइओजीअग्रैफिकल सोल्युशंस: वैश्विक पर्यावरण का मूल्यांकन। अरब जे जियोसी 16, 570। https://doi.org/10.1007/s12517-023-11675-9

डॉ. गरिमा कौशिक

- पलसानिया पी., सिंघल के., डार, एम.ए. और कौशिक, जी. (2024) खाद्य ग्रेड प्लास्टिक और बिस्फेनॉल ए: संबंधित जोखिम, विषाक्तता और बायोरेमेडिएशन दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ हैज़र्डस मटीरियल्स 15:466:133474. doi: 10.1016/j.jhazmat.2024.133474.
- डार, एम.ए. और कौशिक, जी., (2023) बायोडिग्रेडेशन ऑफ मैलाथियान इन अमेनडेड सॉइल बाइ इन्डिजनस नोवेल बैक्टीरियल कंसोर्टिया एण्ड अनैलिसिस ऑफ डिग्रेडेशन पाथवे। सॉइल सिस्टम, 7(4), पी.81.
- मारिया सी.ए.टी., सिलिगार्डी, सी., कैरियन-लोपेज़, एच.ए., वाल्डेज़-सेर्दा, जे.ई., पॉज़ी, पी., कौशिक, जी., विलारियल-चिउ, जे.एफ., सेडिलो-गोंजालेज, ई.आई. (2023) माइक्रोप्लास्टिक्स का कम पर्यावरणीय प्रभाव उपचार: जैव-प्रेरित सी, एन-टीआईओ2/एसआईओ2 फोटोकैटेलिस्ट्स का उपयोग करके पीईटी माइक्रोप्लास्टिक्स का दृश्य-प्रकाश फोटोकैटेलिटिक क्षरण, समुद्री प्रदूषण बुलेटिन, खंड 193, 115206।

डॉ. रितु सिंह

- कुमारी एन., आर्य एस, बेहरा एम, सेठ सीएस, सिंह आर* (2024)। चिटोसन ऐंगकरएड एनजेडवीआई बायोनैनोकंपोजिट फॉर ट्रीट्मन्ट ऑफ टेक्स्टिल वैस्ट वाटर: अनुकूलन, तंत्र और फाइटोटॉक्सिक असेस्मन्ट। पर्यावरण अनुसंधान। 245, 118041
- कुमार डी, सिंह आर, उपाध्याय एसके, वर्मा केके, त्रिपाठी आरएम, लियू एच, धनखेर ओएम, त्रिपाठी आरडी, साही एसवी, सेठ सीएस (2023)। रिव्यू ऑन इन्टरएक्शनस बीट्वीन नैनोमटेरियल एण्ड फाइटोहोर्मोन : पर्यावरणीय चुनौतियों को कम करने के लिए नए दृष्टिकोण और अवसर। प्लांट साइंस। 340, 111964।
- शर्मा ए, कुमा एस, सिंह आर* (2023)। स्पिनेशिया ओलेरेशिया एल के जिंक अवशोषण और वृद्धि प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक नवीन धीमी गति से निकलने वाले उर्वरक के रूप में जिंक ऑक्साइड/गम अकेशिया नैनोकंपोजिट का निर्माण। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 201, 107884।

डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार

- परवीन, एस., और पाटीदार, एस.के.* (2023)। बैक्टीरियल कोरम सेंसिंग प्रीकर्सर एन-(3-ऑक्सोडोडेकेनॉयल)-एलहोमोसेरिन लैक्टोन और एन-(3-हाइड्रोक्सीऑक्टेनॉयल)-डीएल-होमोसेरिन लैक्टोन शैवाल बायोमास, लिपिड और फैटी एसिड को बेहतर बनाते हैं। केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल। 471, 144757. (आई.एफ: 15.1)

डॉ. निवेदिता चौधरी

- तरन्नुम, एन., राठौर, एन., नटवाडिया, ए., कुमार, एस., और चौधरी, एन., (2024)। राजस्थान, भारत में संगमरमर खनन स्थल के पास और आसपास विशिष्ट पौधों की प्रजातियों पर धूल प्रदूषण के प्रभावों का मूल्यांकन। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 1-15। doi: https://doi.org/10.1007/s11356-024-33449-w

डॉ. डी. भगवान

- श्रीनिवास जे, सैदा एल, भगवान डी, (2023)। जैविक प्री हाइड्रोलिसिस का उपयोग करके मार्केट यार्ड सब्जी अपशिष्ट से बायोगैस उत्पादन में वृद्धि - एक पायलट स्केल, बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, (स्प्रिंगर नेचर), 11, https://doi.org/10.1007/s13399-023-05086-9

हिन्दी विभाग

शीतल प्रसाद महेंद्रा

- महेन्द्रा.एस.पी., (अक्टूबर, 2023), मानसिक स्वास्थ्य, खेल, योग और राष्ट्रीय शिक्षा, शैक्षिक मंथन (द्विभाषिक मासिक)

ममता खांडल

- खांडल, ममता., (2023), 'गीतांजलि का जीवन दर्शन', सम्मेलन पत्रिका, 108, (4), 60-68, 2278-1773.

सुरेश सिंह राठौड़

- राठौड़, एस.एस. (2024), "स्त्री के विद्रोह का स्वर और मीरा उपन्यास", आयन, 12, ISSN 412-419, 2347-4491
- राठौड़, एस.एस. (2024), "ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और मेवाड़ का भीष्म पितामह", मानविकी, XVI (1), 126-132, 0975-7880

भाषा विज्ञान विभाग

धनंजय कुमार तिवारी

- धनंजय कुमार तिवारी (2022). न्यायपालिका पुरुष सरल/सदा भाषा आंदोलन: एक परिचयात्मक भाषाविज्ञान (अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषाशिक्षण तथा साहित्य चिंतन की पत्रिका, ISSN: 0435-1460, , अंक 129, यूजीसी केयर)
- धनंजय कुमार तिवारी (2023)। कानूनी अंग्रेजी की भाषाई विशेषताएँ : एक मूल्यांकन (जर्नल ऑफ कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, एन इंटरनेशनल बाइलिंगुअल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, यूजीसी केयर) आई. एस. एस. एन. 2454-5694

गणित विभाग

डी. सी. शर्मा

- महाला एन., चौधरी ए., शर्मा डी.सी., कोस्ट ऑप्टिमाइजेशन ऑफ द क्वीइंग सिस्टम विथ डीग्रेडिंग सर्विस रेट, बरनौली वैकेशन एंड ए रेगुलर वैकेशन आफ्टर फिक्स्ड सर्विसेज, , इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड कंप्यूटेशनल मैथेमेटिक्स, 8, 124, https://doi.org/10.1007/s40819-022-01319-z
- महाला एन., चौधरी ए., शर्मा डी.सी., स्टडी ऑफ टू हेटेरोजेस सरवर्स विथ सर्विस इंटरप्शन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स इन ऑपरेशनल रिसर्च, 26 (2), 231-249

आनंद कुमार

- जाखर, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, वी.के. (2023)। सांद्रता संशोधन के तहत कमजोर अरेखीय द्विगुण-डिफ्यूज़िव मैग्नेटो-कोन्वेक्शन का अध्ययन। हीट ट्रांसफर। doi: https://doi.org/10.1002/htj.22939
- जाखर, ए., और कुमार, ए. (2023)। आंतरिक ताप जनरेटर की उपस्थिति में समय-निर्भर सॉल्यूट सीमा शर्तों के तहत द्विगुण-डिफ्यूज़िव कोन्वेक्शन का अस्थिरता विश्लेषण। फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, 35, 77101। doi: https://doi.org/10.1063/5.0155264
- जाखर, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, वी.के. (2023)। आंतरिक ताप जनरेटर और संशोधित सीमाओं के तहत तृतीयक-डिफ्यूज़िव कोन्वेक्शन का कमजोर गैर-रेखीय अस्थिरता विश्लेषण। फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, 35, 104105। doi: https://doi.org/10.1063/5.0169618
- जाखर, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, वी.के. (2023)। सांद्रता संशोधन के तहत कमजोर अरेखीय द्विगुण-डिफ्यूज़िव मैग्नेटो-कोन्वेक्शन का अध्ययन। हीट ट्रांसफर। doi: https://doi.org/10.1002/htj.22939
- जाखर, ए., और कुमार, ए. (2023)। आंतरिक ताप जनरेटर की उपस्थिति में समय-निर्भर सॉल्यूट सीमा शर्तों के तहत द्विगुण-डिफ्यूज़िव कोन्वेक्शन का अस्थिरता विश्लेषण। फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, 35, 77101। doi: https://doi.org/10.1063/5.0155264
- जाखर, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, वी.के. (2023)। आंतरिक ताप जनरेटर और संशोधित सीमाओं के तहत तृतीयक-डिफ्यूज़िव कोन्वेक्शन का कमजोर गैर-रेखीय अस्थिरता विश्लेषण। फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स, 35, 104105। doi: https://doi.org/10.1063/5.0169618

राम किशोर

- यूसुफ, एस., किशोर, आर. (2023), विक्षोभों के साथ अविसंलयन मामले में त्रिकोणीय संतुलन बिंदुओं की गैर-रेखीय स्थिरता, नॉनलिनियर डायनैमिक्स, 112, 1843–1859। doi: https://doi.org/10.1007/s11071-023-09142-x, इम्पैक्ट फैक्टर = 5.2
- मीना, पी., किशोर, आर. (2024), फोटो-गुरुत्वाकर्षणीय समतल अण्डाकार प्रतिबंधित चार शरीर समस्या में आवर्ती गति पर, कैओस, सोलिटन्स एंड फ्रैक्टल्स, 180, 114525। doi: https://doi.org/10.1016/j.chaos.2024.114525, इम्पैक्ट फैक्टर = 5.3
- गहलोत, पी., किशोर, आर. (2024), स्टोक्स ड्रैग प्रभाव के साथ सामान्यीकृत सौर पाल समस्या में कक्षीय विश्लेषण, इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स। doi: https://doi.org/10.1007/s12648-024-03192-6, इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6
- गहलोत, पी., किशोर, आर. (2024), डिपोल द्वितीयक के साथ आरसीडी सौर पाल समस्या में लाइपुनोव आवधिक कक्षाओं के अपरिवर्तनीय मैनिफोल्ड्स, नॉनलिनियर डायनैमिक्स, https://doi.org/10.1007/s11071-024-09806-2, इम्पैक्ट फैक्टर = 5.2

जय प्रकाश त्रिपाठी

- गोयल, एस., भाटिया, एस.के., त्रिपाठी, जे.पी., बुगालिया, एस., राणा, एम. और बजीया, वी.पी., क्रॉस-प्रतिरक्षा और कई समय विलंबों के साथ SIRC महामारी मॉडल, जर्नल ऑफ मैथमैटिकल बायोलॉजी, 87, 3, 42, DOI: https://doi.org/10.1007/s00285-023-01974-w, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2
- बाली, य., बजीया, वी.पी., त्रिपाठी, जे.पी. और मुबाई, ए., मानव गतिशीलता दरों का अनुमान लगाने के लिए डेटा स्रोतों और गणितीय दृष्टिकोणों का अन्वेषण और COVID-19 गतिशीलता को समझने के लिए इसके निहितार्थ: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, 86, 6, 1-39, DOI: https://doi.org/10.1007/s00285-024-02082-z, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2

- बुगालिया, एस., त्रिपाठी, जे.पी. और वांग, एच., उत्परिवर्तन महामारियों को बेहतर या बदतर बनाते हैं: SARS-CoV-2 वेरिएंट्स और अपूर्ण टीकाकरण का मॉडलिंग, जर्नल ऑफ मैथमैटिकल बायोलॉजी, 88, 4, 45, DOI: https://doi.org/10.1142/S0218339023500468, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2
- बुगालिया, एस., त्रिपाठी, जे.पी. और वांग, एच., "कैनिबलिस्टिक शत्रु-पैस्ट मॉडल" अतिरिक्त भोजन और कटाई का प्रभाव, जर्नल ऑफ मैथमैटिकल बायोलॉजी, 88, 4, 45, DOI: https://doi.org/10.1007/s00285-024-02068-x, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2
- बजीया, वी.पी., त्रिपाठी, जे.पी. और उपाध्याय, आर.के., भारत में COVID-19 प्रकोप की गतिशीलता को समझना: एक आयु-संरचित मॉडल, जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, 31, 4, 1371-1406, DOI: https://doi.org/10.1142/S0218339023500468, इम्पैक्ट फैक्टर = 1.3
- कुमावत, एन., राशिद, एम., श्रीवास्तव, ए., त्रिपाठी, जे.पी., हिस्टेरेसिस और होप्फ़ बाईफरकेशन: SARS-CoV-2 के इन-होस्ट मॉडल की गतिशीलता को समझना, जिसमें लॉजिस्टिक टारगेट सेल वृद्धि और सिग्मोइडल इम्यून प्रतिक्रिया है, कैओस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स, 176, 114151, DOI: https://doi.org/10.1016/j.chaos.2023.114151, इम्पैक्ट फैक्टर = 5.3

विजय कुमार यादव

- सनी वर्मा, मौसम कुमारी, शैन्की रूहेला, विजय कुमार यादव, वेटेड हेसीटेंट फजी फाइनाइट रफ ऑटोमेटा: प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण के लिए एक गणना मॉडल, न्यू मैथमैटिक्स एंड नेचुरल कंप्यूटेशन, https://doi.org/10.1142/S1793005725500528 (2024)।
- शैन्की रूहेला, सनी वर्मा, विजय कुमार यादव, और एस. पी. तिवारी, ILF-ऑटोमेटा के रैखिक और टॉपोलॉजिकल पहलुओं पर, न्यू मैथमैटिक्स एंड नेचुरल कंप्यूटेशन, https://doi.org/10.1142/S1793005726500043 (2024)।

कमलेश जांगिड़

- संजय भट्टर, कमलेश जांगिड (2024), श्यामसुंदर, सुनील दत्त पुरोहित, अधूरा I-फंक्शन का उपयोग करके रक्त में ग्लूकोज आपूर्ति का निर्धारण, पार्शियल डिफरेंशियल समीकरणों में अनुप्रयुक्त गणित, खंड 10, 100729। https://doi.org/10.1016/j.padiff.2024.100729
- आर.के. शर्मा, वाई. यूजीन पाक, कमलेश जांगिड* (2024), एक कार्यात्मक रूप से ग्रेडेड सामग्री में दो समांतर दरारों का मोड-III फ्रैक्चर विश्लेषण, ऐक्टा मैकेनिका, खंड 235(6), 3783-3797। https://link.springer.com/article/10.1007/s00707-024-039203
- निशांत, संजय भट्टर, सपना मीना, कमलेश जांगिड, एस.डी. पुरोहित (2024), अधूरा फॉक्स-राइट फंक्शंस से संबंधित कुछ समाकलन, जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन्स, खंड 33(1), 109-123। http://www.eudoxuspress.com/244/JOCAAA-2024-VOL-33.pdf
- संजय भट्टर, कमलेश जांगिड, श्यामसुंदर कुमावत, डुमित्रु बालेअनु, सुनील दत्त पुरोहित और दया लाल सुथार (2024), मानव जिगर के अंशांकित मॉडलिंग पर एक नया अध्ययन, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 14, 1636। https://doi.org/10.1038/s41598-024-51430-y

विपुल कक्कड़

- लाल, रतन; कक्कड़, विपुल (2023) दो चक्रीय समूहों के ज़प्पा-शेप उत्पादों के केंद्रीय ऑटोमॉर्फिज़्म, पब्लिकेशंस डी ल'इंस्टिट्यूट मैथमैटिक, नोवेल सीरी, खंड 114 (128) (2023), 39–50
- कक्कड़, विपुल; लाल, रतन (2023) उपसमूह को बनाए रखने वाले ज़प्पा-शेप उत्पादों के ऑटोमॉर्फिज़्म, ऐक्टा यूनिव. सैपियेंटियाए, मैथमैटिका, 15, 2 (2023) 288–303
- लाल, रामजी; कक्कड़, विपुल (2024) गाइरो-समूह, गाइरो-स्प्लिटिंग्स और को-हॉमोलॉजी, https://doi.org/10.1142/S0219498824501378

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रदीप वर्मा

- अग्रवाल, के., रुहिल, टी., गुप्ता, वी.के. और वर्मा, पी. (2023)। हेवी-मेटल उपचार की माइक्रोबियल सहायता वाली बहुआयामी सुधार प्रक्रियाएं : टिकाऊ और हरित भविष्य की ओर एक स्वच्छ परिप्रेक्ष्य। जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण समीक्षाएँ, पीपी.1-19। (आई एफ: 9.0)।https://doi.org/10.1080/07388551.2023.2170862
- गोस्वामी, आर.के., अग्रवाल, के., मेहरिया, एस., राजगोपाल, आर., कार्तिकेयन, ओ.पी. और वर्मा, पी. (2023)। टेट्रासेल्मिस इंडिका BDUG001 का उपयोग करके बायोमास उत्पादन और नगरपालिका अपशिष्ट जल के एक साथ उपचार के लिए किफायती और टिकाऊ खेती प्रणाली का विकास। पर्यावरण प्रौद्योगिकी, पीपी.1-45. (आईएफ: 3.47)।https://doi.org/10.1080/09593330.2023.2166429
- गोस्वामी, आर.के., अग्रवाल, के., उपाध्याय, एच.एम., गुप्ता, वी.के. और वर्मा, पी*., 2022। वैकल्पिक ऊर्जा में सूक्ष्म शैवाल रूपांतरण, परिचालन वातावरण और आर्थिक पदचिह्न: ऊर्जा रूपांतरण और प्रबंधन के लिए एक प्रभावशाली दृष्टिकोण। ऊर्जा रूपांतरण और प्रबंधन, 269, पृष्ठ 116118। (आई एफ: 10.4)।https://doi.org/10.1016/j.enconman.2022.116118

इंशाद अली खान

- साधना शर्मा, सुशील चौधरी, सुखलीन कौर, एम वेंकट रेड्डी, निरंजन थोटा, अमरिंदर सिंह, सुरिंदर कौल, इंशाद अली खान, ज़बीर अहमद, अजय कुमार, (2023)। पाइपरिन एनालॉग पीजीपी-41 उपचार एमडीआर1 के निषेध द्वारा एनसीआई/एडीआर-आरईएस डिम्बग्रंथि कोशिकाओं में पैक्लिटैक्सेल प्रतिरोध पर काबू पाता है। केमिको-बायोलॉजिकल इंटरैक्शन 381: आलेख संख्या 110569 (डीओआई:10.1016/जे.सीबीआई.2023.110569) (आई एफ-5.19)
- विक्रांत सिंह राजपूत*, आशीष रुंथला और इंशाद अली खान* (2023) शिकमते काइनेज अवरोधक: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ प्रोजिंग रणनीति पर एक अद्यतन। 24: 368-405 (https://doi.org/10.2174/1389450124666230208102645) (प्रभाव कारक = 3.2)

अखिल अग्रवाल

- एस रेलेगडला, एस जैन, जी प्रजापत, अखिल अग्रवाल (2023) माइक्रोबियल कम्युनिटीज सक्सेशन पोस्ट टू पॉलिमर फ्लड उन्नत तेल रिकवरी, एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी में उनकी भूमिका प्रदर्शित करता है, एएमएबी-डी-22-02050
- डी कुमारी, जी प्रजापत, एस गोयल, ए अग्रवाल (2023) कृषि क्षमता के लिए पॉलिमर का उपयोग करके रेगिस्तान की रेत को मिट्टी में संशोधित करना। शुष्क वातावरण जर्नल 209, 104899
- जी प्रजापत, एस जैन, बी लाल, एम लवानिया, ए अग्रवाल (2023) भारतीय तेल क्षेत्रों में अपूर्ण नाइट्रेट कटौती से जलाशय में खटास का नियंत्रण। जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी रिपोर्ट, 21, 101302

- डी शर्मा, ए पारीक, एच आर्य, आर सोनी, पी राय, ए अग्रवाल, एस निमेश, टी भट्ट (2023) संभावित मलेरिया-रोधी यौगिकों के रूप में बेंजोडायजेपाइन की खोज की दिशा में संश्लेषण और निषेध अध्ययन। प्रायोगिक परजीवी विज्ञान 243, 108411

दीक्षा त्रिपाठी

- खावरी एम, रक्षित आर, बहल ए, जुनेजा पी, कांत एस, पांडे एस, त्रिपाठी डी, (2023) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का एम.टीबी-आरवी2462सी चैपरोन जैसी गतिविधि दिखाता है और तनाव अनुकूलन और इम्यूनोमॉड्यूलेशन, जीव विज्ञान में भूमिका निभाता है; 12: 69. डीओआई:10.3390/ जीवविज्ञान12010069, आईएफ=5.168; (आई एस एस एन: 2079-7737)
- खवारी एम, पांडे एस, शर्मा ओ, रौनक, शर्मा एम, मलिक आर, त्रिपाठी डी (2023), एम. टीबी के ट्रिगर फैक्टर (टीएफ) के लिए नए अवरोधकों की पहचान: सिलिको जांच में एक, जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स डीओआई: 10.1080/07391102.2023.2218937; यदि = 5.235; (आई एस एस एन: 1538-0254)
- भारद्वाज पी, रानी एम, त्रिपाठी डी, बनर्जी ए, सेनगुप्ता एस, पांडे एस, कुमार ए, (2023) एस्केप पैथोजेन्स: रोगाणुरोधी प्रतिरोध का खतरा और इसका शमन, जैव प्रौद्योगिकी और जेनेटिक इंजीनियरिंग समीक्षा।
- पांडे एस, कांत एस, खवारी एम, त्रिपाठी डी (2022); माइक्रोबियल रोगजनन में मैक्रोफेज: रक्षा चोरी तंत्र, संक्रमण और प्रतिरक्षा की समानताएं, डीओआई:10.1128/IAI.00291-21 (आई एस एस एन 0019-9567)

फार्मेसी विभाग

डॉ कैसर राजा

- पॉल, आर.के., और राजा, के (2024)। प्राकृतिक हाइपोग्लाइकेमिक बायोएक्टिव: नए रास्ते और नई संभावनाएं। फाइटोथेरेपी रिसर्च, डीओआई: 1. पॉल, आर.के., और रज़ा, के (2024)। प्राकृतिक हाइपोग्लाइकेमिक बायोएक्टिव: नए रास्ते और नई संभावनाएं। फाइटोथेरेपी रिसर्च, डीओआई: https://doi.org/10.1002/ptr.8281.
- मिश्रा, एम., बरकत, एम. ए., मिश्रा, सी., अलानेज़ी, ए. ए., अली, ए., चौरावल, एन., अली, ए., प्रीत, एस., बरकत, एच. और रज़ा, के. (2024). मेथोट्रेक्सेट की सामयिक डिलीवरी के लिए लिपिड-आधारित माइक्रोइमल्शन जेल: अनुकूल डर्माटोकाइनेटिक्स के साथ एक अनुकूलित, रियोलॉजिकल रूप से स्वीकार्य फॉर्मूलेशन। त्वचाविज्ञान अनुसंधान के अभिलेखागार, 316(6), 316. डीओआई: https://doi.org/10.1007/s00403-024-03140-8
- गौतम, एस.के., पॉल, आर.के., सावंत, डी.एम., सरवाल, ए., और रज़ा, के. (2023)। बालानाइट्स एजिपियाका डेलिले पर आलोचनात्मक समीक्षा: फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट्स, फार्माकोलॉजिकल गुण और नैनोइंटरवेंशन। चाइनीज़ जर्नल ऑफ़ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 1-11, डीओआई: https://doi.org/10.1007/s11655-023-3563-x

डॉ देवेश एम सावंत

- देवेश एम सावंत, गौरव जोशी, अरशद जे अंसारी नाइट्रीन-एज़ाइड्स से आइसोसायनाइड्स में स्थानांतरण: बायोएक्टिव हेटरोसायकल के संश्लेषण के लिए एक आशाजनक बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में इसकी बहुमुखी प्रतिभा का अनावरण वॉल्यूम 27, अंक 4, 109311, 19 अप्रैल, 2024, डीओआई:https://doi.org/10.1016/j.isci.2024.109311

डॉ उमेश गुप्ता

- कुमार, वी., गुप्ता, यू. (2023) मस्तिष्क लक्ष्यीकरण के लिए आशाजनक उपकरण के रूप में दर्जी नैनोकार्गो: बेहतर चिकित्सीय परिणामों के साथ संशोधित दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलिवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी. 104466: 01-29. https://doi.org/10.1016/j.jddst.2023.104466.
- झा, एस., प्रभाकरन, ए., साहू, आर.के., बथेजा, एस., गुप्ता, यू., अलेक्जेंडर, ए. (2024) एमसीएफ-7 ह्यूमन ब्रेस्ट कार्सिनोमा के खिलाफ सिरिंजिक एसिड-लोडेड नैनोस्ट्रक्चर्ड लिपिड कैरियर्स की एंटीप्रोलिफेरेटिव गतिविधि कोशिकाएँ। जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलिवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 98(105902): 01-11. https://doi.org/10.1016/j.jddst.2024.105902.
- गुप्ता, टी., साहू, आर.के., यादव, ए.के., गुप्ता, यू. (2024) ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रभावी प्रबंधन के लिए टेमोज़ोलोमाइड-पीएएमएएम-एसआईआरएनए डेंड्रिप्लेक्स का विकास और लक्षण वर्णन। जर्नल ऑफ़ नैनोपार्टिकल रिसर्च, 26(131): 01-17. https://doi.org/10.1007/s11051-024-06037-9.
- बथेजा, एस., गुप्ता, एस., तेजवथ, के.के., गुप्ता, यू. (2024) टीपीपी-आधारित संयुग्म: संभावित लक्ष्यीकरण लिगेंड। ड्रग डिस्कवरी टुडे, 103983. https://doi.org/10.1016/j.drudis.2024.103983.
- फुलमोगरे, जी., रानी, एस., लोधी, एस., पाटिल, यू.के., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन., गुप्ता, यू. (2023) प्रभावी घाव भरने के लिए फूकोइडन लोडेड पीवीए/डेक्सट्रान ब्लेंड इलेक्ट्रोस्पून नैनोफाइबर। फार्मास्यूटिक्स के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 123722: 01-1. https://doi.org/10.1016/j.ijpharm.2023.123722.
- कुमार, वी., राणा, एम., शर्मा, ए.के., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन., गुप्ता, यू. (2023) अमाइलॉइड एग्रीगेशन के प्रभावी निषेध और विवो फार्माकोकाइनेटिक्स जर्नल में सुधार के लिए विटामिन-सी से सजाए गए पेगीलेटेड पीएएमएएम डेंड्रिमर्स औषधि वितरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी का, 89(105058): 01-17. https://doi.org/10.1016/j.jddst.2023.105058.
- बथेजा, एस., साहू, आर.के., तरन्नुम, एस., वैफेई, के.के., झा, एस., अलेक्जेंडर, ए., गुप्ता, यू. (2023) हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा: संभावित भूमिका के साथ नैनोटेक्नोलॉजी के प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल अनुप्रयोग कार्बोहाइड्रेट रिसेप्टर्स की. बायोचिमिका एट बायोफिजिका एक्टा (बीबीए) - सामान्य विषय, 1867(10): 30443(01-17). https://doi.org/10.1016/j.bbagen.2023.130443.
- रानी, एस., साहू, आर.के., महाले, ए., पांचाल, के., चौरसिया, ए., कुलकर्णी, ओ., कुचे, के., जैन, एस., नखाटे, के.टी., अजाजुद्दीन, गुप्ता, यू. (2023) ट्यूमर वाले चूहों में बोर्टेज़ोमिब और सेलेनियम की सह-डिलीवरी के लिए सियालिक एसिड इंजीनियर्ड प्रोड्रग नैनोकण। बायोकंजुगेट रसायन विज्ञान, 34(9): 1528–1552. https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acs.bioconjchem.3c00210.
- साहू, आर.के., कुमार, एच., जैन, वी., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन., गुप्ता, यू. (2023) टेमोज़ोलोमाइड की लक्षित डिलीवरी के लिए एंजियोपेप-2 ग्राफ्टेड PAMAM डेंड्रिमर्स: इन-विट्रो और इन- ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रबंधन में पेगीलेशन के विवो प्रभाव। एसीएस बायोमटेरियल्स विज्ञान एवं amp; इंजीनियरिंग, 9(7): 4288–4301. https://pubs.acs.org/doi/10.1021/acsbiomaterials.3c00263.

डॉ रुचि मलिक

- शर्मा, ओ., श्रीवास्तव, ए.के., शर्मा, एम., मलिक, आर., (2024) 1,3,5-ट्राईज़ीन डेरिवेटिव फेफड़ों और स्तन कैंसर सेल लाइनों के खिलाफ संभावित कैंसर विरोधी एजेंटों के रूप में: संश्लेषण, जैविक मूल्यांकन, और संरचना-आधारित दवा डिजाइन अध्ययन, जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1308, 138078.
- शर्मा, ओ., श्रीवास्तव, ए.के., शर्मा, एम., मलिक, आर., (2024) संरचना आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग, जैव रासायनिक मूल्यांकन और साइटोटोक्सिसिटी अध्ययन, रसायन विज्ञान चयन के माध्यम से पीआईएम1 किनेज़ अवरोधकों की एक नई कक्षा के रूप में बेंज़ोक्साज़ेपिन्स की खोज, 9(12).

- खवारी, एम., पांडे, एस., शर्मा, ओ., रौनक, आर., शर्मा, एम., मलिक, आर., और त्रिपाठी, डी. (2023)। एम. टीबी के ट्रिगर फैक्टर (टीएफ) के लिए नए अवरोधकों की पहचान: सिलिको जांच में। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42(8), 4064–4071.
- श्रीवास्तव, ए.के., श्रीवास्तव, एस., कुमार, वी., घोष, एस., यादव, एस., मलिक, आर., ... प्रसाद, आर. (2023)। एनएफ-केबी अवरोधकों की संरचनात्मक और गठनात्मक गतिशीलता की पहचान और यंत्रवत अन्वेषण: सिलिको और इन विट्रो अध्ययनों से तर्कसंगत अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42(3), 1485–1505.
- शर्मा, ओ., श्रीवास्तव, ए.के., शर्मा, एम., मलिक, आर., (2023) एक संभावित हस्पिन किनेसे अवरोधक के रूप में एक नए डायहाइड्रोपाइरीमिडिनोन व्युत्पन्न की खोज: संरचना-निर्देशित अंतर्दृष्टि, इन-विट्रो और आणविक गतिशीलता-आधारित सत्यापन, रसायन विज्ञान का चयन करें, 8, e202301233
- वर्मा, एन., श्रीवास्तव, एस., मलिक, आर., गोयल, पी., पांडे, जे. (2023) टासा (28-) को लक्षित करने के लिए वर्चुअल स्क्रीनिंग के माध्यम से पहचाने गए छोटे अणु अवरोधकों के साथ बैसिलस सबटिलिस बायोफिल्म का निषेध और विघटन 261), ईसीएम का प्रमुख प्रोटीन घटक। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 41(6), पीपी.2431-2447. डीओआई:10.1080/07391102.2022.2033135

प्रो. विपिन कुमार

- रामचंदानी, एम., पॉल, आर.के., नाथ, वी., और कुमार, वी. (2024)। मधुमेह प्रबंधन में कैसिया सियामिया की भूमिका: α-ग्लूकोसिडेज़ और α-एमाइलेज़ निषेध पर इन विट्रो और इन सिलिको जांच से अंतर्दृष्टि। रसायन शास्त्र अफ़्रीका, 1-14.
- नाथ, वी., भटनागर, ए., कुमार, एच., चंद्रवंशी, ए.के., शर्मा, ए., मंडल, सी.सी., और कुमार, वी. (2024)। एम्बरबोआ रामोसा की फाइटोकेमिकल पहचान और मूल्यांकन, माइक्रोट्यूब्यूल और ईजीएफआर से जुड़े मध्यस्थता अवरोध और स्तन कैंसर कोशिकाओं के विकास और मेटास्टेसिस: इन विट्रो और सिलिको परिप्रेक्ष्य में। कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स और रसायन विज्ञान जर्नल।
- कंबोज, पी., अंजलि, इम्तियाज, के., रिज़वी, एम. ए., नाथ, वी., कुमार, वी., ... और आमिर, एम (2024)। संभावित एंटीकैंसर और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंटों के रूप में नए इमिडाज़ोथियाज़ोल-थियाज़ोलिडिनोन संकर के डिजाइन, संश्लेषण, जैविक मूल्यांकन और आणविक मॉडलिंग अध्ययन। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 14(1), 8457.

प्रो. अमित के. गोयल

- कुमारी, पी., गोयल, ए.के. (2024)। निचले मूत्र रोगों के उपचार के लिए इंट्रावेसिकल ड्रग डिलीवरी दृष्टिकोण में चुनौतियाँ और अवसर। जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलीवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 106110. https://doi.org/10.1016/j.jddst.2024.106110
- पांडे, ए., गोयल, ए.के. (2024)। लिराग्लूटाइड नवाचार: पेटेंट की एक व्यापक समीक्षा (2014-2024)। फार्मास्युटिकल पेटेंट विश्लेषक, 1-17. https://doi.org/10.1080/20468954.2024.2366693
- प्रधान, डी., बिस्वासरॉय, पी., रामचंदानी, एम., प्रधान, डी.के., भोला, आर.के., गोयल, ए., ... और रथ, जी. (2024)। मलेरिया के प्रबंधन के लिए विथेफेरिन-ए और आर्टेसुनेट-लोडेड पीएच-उत्तरदायी एसिटल-डेक्सट्रान पॉलिमरिक नैनोकणों का विकास, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 273, 133220. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.133220
- खैरनार, ए., गोयल, ए.के. (2024)। आयरन हार्वेस्टर्स: बायोमेडिसिन में माइक्रोबियल साइडरोफोर्स और उनके विविध अनुप्रयोगों की खोज। बायोमेडिकल सामग्री और उपकरण, 1-11. https://doi.org/10.1007/s44174-024-00189-x

- मिश्रा, ए., मैती, डी., प्रधान, डी., हलदर, जे., रजवार, टी.के., राय, वी.के., ... और रथ, जी. (2024)। हेलिकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण के प्रबंधन के लिए नवीन एमोक्सिसिलिन और फाइटिक एसिड-लोडेड गैस्ट्रो-रेटेंटिव म्यूकोएडेसिव पेक्टिन माइक्रोपार्टिकल्स का विकास और मूल्यांकन। फार्मास्युटिकल इनोवेशन जर्नल, *19*(2), 6. https://doi.org/10.1007/s12247-024-09820-2
- रामचंदानी, एम., गोयल, ए.के. (2023)। सोरायसिस के प्रबंधन के लिए दोहरे अवरोधक के रूप में संभावित मेथोट्रेक्सेट एनालॉग्स की पहचान करने के लिए संरचना आधारित दवा डिजाइन और टुकड़ा आधारित दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, *41*(24), 15421-15434. https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2214823
- गोदारा, पी., रेड्डी, के.एस., साहू, डब्ल्यू., नाइक, बी., श्रीवास्तव, वी., दास, आर., ... और प्रस्टी, डी. (2023)। एकाधिक प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम किनेसेस के खिलाफ संरचना-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग से मलेरिया-रोधी यौगिकों का पता चलता है। आणविक विविधता, 1-21. https://doi.org/10.1007/s11030-023-10770-z
- बसाक, टी., और गोयल, ए.के. (2023)। फंगल संक्रमण के प्रभावी उपचार के लिए वर्तमान अग्रणी और विपणन सूत्रीकरण। संक्रामक विकार-नशीले पदार्थ के लक्ष्य (पूर्व में वर्तमान दवा के लक्ष्य-संक्रामक विकार) , *23*(8), 43-56. https://doi.org/10.2174/1871526523666230726114855
- माहोर, ए., सावंत, डी.एम., और गोयल, ए.के. (2023)। एम्फोटेरिसिन बी पर निर्दिष्ट साइटों पर विभिन्न आर समूह पुस्तकालयों के साथ कस्टम आर समूह गणना। वर्तमान कंप्यूटर-एडेड ड्रग डिजाइन,19(5),382,390. https://doi.org/10.2174/1573409919666230123144712
- रामचंदानी, एम., कुमारी, पी., और गोयल, ए.के. (2023)। हृदय रोगों में थेरानोस्टिक्स के रूप में एप्टामर्स। जर्नल ऑफ़ नैनोथेरानोस्टिक्स, *4*(3), 408-428. https://doi.org/10.3390/jnt4030018
- गोयल, ए.के., रामचंदानी, एम., और बसाक, टी. (2023)। सूजन संबंधी बीमारियों में थेरानोस्टिक्स के रूप में नैनो फॉर्मूलेशन के उपयोग में हाल की प्रगति, चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं। जर्नल ऑफ़ नैनोथेरानोस्टिक्स, *4*(1), 106-126. https://doi.org/10.3390/jnt4010006
- कॉन्कू, आर., गोयल, ए.के., और गुप्ता, यू. (2023)। कंप्यूटर एडेड ड्रग डिज़ाइन में हालिया प्रगति। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, *23*(1), 30-30. https://doi.org/10.2174/1568026623012301131606555
- मा, जे., मा, सी., हुआंग, एक्स., डी अरुजो, पी.एच.एच., गोयल, ए.के., लू, जी., और फेंग, सी. (2023)। जलीय मीडिया में लंबाई नियंत्रणीयता और उच्च कोलाइडल स्थिरता के साथ एकसमान फाइबर जैसे मिसेल की तैयारी और सेलुलर ग्रहण व्यवहार। मौलिक अनुसंधान, *3*(1), 93-101. https://doi.org/10.1016/j.fmre.2022.01.020

डॉ स्मिता जैन

- जयसवाल, एस., किशोर, डी., भारद्वाज, ए., भारद्वाज, के., ऋचा, एस., जैन, एस., द्विवेदी, जे., शर्मा, एस. (2024) वाटर-असिस्टेड कैस्केड संश्लेषण ट्राइफ्लोरोमेथिलेटेड डिपाइरिडोडायजेपिनोन एनालॉग्स: इन विट्रो और सिलिको जीवाणुरोधी अध्ययन, कार्बनिक और बायोमोलेक्यूलर रसायन विज्ञान।
- जैन, एस., मुर्मू, ए., पटेल, एस. (2024) नेटवर्क फार्माकोलॉजी और जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण, मेटाबोलिक ब्रेन डिजीज के माध्यम से अल्जाइमर रोग के उपचार में बीटानिन के चिकित्सीय तंत्र को स्पष्ट करना।
- जैन, एस., लभाडे, एस., भोले, आर. (2024) अल्जाइमर के लिए CyPD निषेध: एशियाई औषधीय पौधों से फाइटोकेमिकल्स की सिलिको स्क्रीनिंग में, इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 63, 473-484.

भौतिकी विभाग

मनीष देव श्रीमाली

- मंडल, एस., और श्रीमाली, एम. डी. (2023)। इको-स्टेट नेटवर्क का उपयोग करके यूनिडायरेक्शनल कपलिंग सीखना। भौतिक. रेव. ई, *107*(6), 064205. https://doi.org/10.1103/PhysRevE.107.064205. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2
- त्रिपाठी, जे.पी., त्रिपाठी, डी., मंडल, एस. और श्रीमाली, एम.डी. (2023)। नरभक्षी शत्रु-कीट मॉडल: अतिरिक्त भोजन और कटाई का प्रभाव। जे. गणित. बायोल. **87**, 58 https://doi.org/10.1007/s00285-023-01991-9. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2
- घोष, आर., वर्मा, यू.के., जालान, एस., और श्रीमाली, एम.डी. (2023)। उच्च-क्रम इंटरैक्शन के साथ युग्मित ऑसिलेटर्स में दोलन मृत्यु के लिए प्रथम-क्रम संक्रमण। भौतिक. रेव. ई, *108*(4), 044207. https://doi.org/10.1103/PhysRevE.108.044207. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.2.
- पुनेथा, एन., खातून, ए.ए., जाफरी, एच.एच., प्रसाद, ए. और श्रीमाली, एम.डी., (2023)। नॉनलाइनियर सिस्टम की संवर्धित गतिशीलता: एक समीक्षा। यूरोफिजिक्स पत्र. https://doi.org/10.1209/0295-5075/ad0bc7. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.8.
- चौहान, एस., दीक्षित, एस., श्रीमाली, एम.डी., सकाई, के., और प्रसाद, ए. (2024)। एक बाग में लगातार उत्पादन: एक अंतःक्रिया-आधारित दृष्टिकोण। अराजकता, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स, *181*, 114639. https://doi.org/10.1016/j.chaos.2024.114639. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.3
- घोष, आर., वर्मा, यू.के., जालान, एस. और श्रीमाली, एम.डी., 2024. काइमेरिक अवस्थाएँ युग्मित शिकार-शिकारी प्रणालियों में उच्च-क्रम की अंतःक्रियाओं से प्रेरित होती हैं। कैओस: नॉनलाइनियर साइंस का एक अंतःविषय जर्नल, *34*(6). इम्पैक्ट फैक्टर = 2.7.
- भिंडवार, एम., वार्ष्णेय, वी., कुमारसामी, एस., श्रीमाली, एम.डी. और प्रसाद, ए., 2024. छिपे हुए आकर्षणों को चित्रित करने में यू पी ओ की भूमिका: स्व-उत्साहित आकर्षित करने वालों के साथ एक तुलना। द्विभाजन और अराजकता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पी.2430016. https://doi.org/10.1142/S0218127424300167. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.9

अजित के. पात्रा

- खोरवाल, ए.के., साहा, एस., ए. वी. लुकोयानोव, ए.वी., पात्रा, ए.के., (2024) अत्यधिक कुंठित β- एम.एन. प्रकार Mn50Fe25+xAl25-x हेस्लर मिश्र धातुओं में लगभग क्षतिपूर्ति चुंबकत्व और स्पिन ग्लास व्यवहार के हस्ताक्षर। रासायनिक भौतिकी जर्नल 160, 114705. https://doi.org/10.1063/5.0202812. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.4
- डैश, एस., वसुंधरा, एम., पात्रा, ए.के., (2024) एंटीफेरोमैग्नेटिक होस्ट में कमजोर फेरोमैग्नेटिज्म का अवलोकन और ß-एमएन-प्रकार संरचित एम.एन.ए.एल मिश्र धातु में बड़ी इलेक्ट्रॉनिक ताप क्षमता। चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री जर्नल. https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2023.171474. 589, 171474. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.097
- साहा, एस., विश्वकर्मा, एस., खोरवाल, ए.के., बिटला, वाई., पात्रा, ए.के., (2024) Mn50Fe25Al5Si20 मिश्र धातु के संरचनात्मक और चुंबकीय गुण। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2995, 20176. https://doi.org/10.1063/5.0178027. इम्पैक्ट फैक्टर
- खोरवाल, ए.के., सोनू विश्वकर्मा, एस., शुभ्रा दाश, एस., बिटला, वाई.,वसुंधरा, एम., पात्रा, ए.के., (2024) पॉलीक्रिस्टलाइन Mn1.5Fe1.5Al मिश्र धातु का चुंबकीय विश्राम। ए आई पी सम्मेलन की कार्यवाही 2995, 20173. https://doi.org/10.1063/5.0178029.
- कनीज़ेव, यू.यू., लुकोयानोव, ए., यू. आई. कुज़मिन, यू.आई., डैश, एस., पात्रा, ए.के., वसुन्धरा। एम., (2023) ऊर्जा स्पेक्ट्रम और Mn100 का ऑप्टिकल अवशोषण - XAlX (x = 20, 30) β-Mn संरचना के साथ यौगिक। अकार्बनिक सामग्री 59, 28. डीओआई: 10.1134/S0020168523010090. इम्पैक्ट फैक्टर = 0.907

- श्रेडर, ई.आई., लुकोयानोव, ए.वी., मुखाचेव, आर.डी., फिलानोविच, ए.एन., डैश, एस., पात्रा, ए.के., वसुन्धरा। एम., (2023) हेस्लर मिश्र धातु की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और ऑप्टिकल गुण एमएन2 - xFe1 + xAl (x = -0.5, 0, 0.5, 1)। धातुओं और धातुविज्ञान का भौतिकी 124, 245. 10.1134/S0031918X2370014X. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.139

नीरज पंवार

- DyCrO3/r-GO और Dy0.5Ho0.5CrO3/r-GO नैनोकम्पोजिट का फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन: एक तुलना: एम. रानी, एम.के. यादव, नीरज पंवार: इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स 98 (2024)2429-2439. https://doi.org/10.1007/s12648-023-03024-z. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6
- एम.एन. संशोधित DyCrO3 नैनोमटेरियल का उपयोग करके अपशिष्ट-जल उपचार के लिए रंगों का सोखना और फोटोकैटलिटिक अध्ययन: एम. रानी, के. सिंह और नीरज पंवार: जर्नल ऑफ सोल-जेल साइंस एंड टेक्नोलॉजी 109 (2024) 483-501. https://doi.org/10.1007/s10971-023-06249-w. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.3
- Ba0.92Ca0.08Zr0.09Ti0.91O3 और Ba0.98Ca0.02Ti0.93Zr0.07O3 सीसा रहित सिरेमिक की संरचनात्मक, माइक्रोस्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल और पीजोकैटलिटिक गतिविधि की व्यापक तुलना: वी. खंडेलवाल, पी. सिरोहा, एस. सतपथी, एस. प्रधान, एस. कुमार, एन. कुमार, जे. गंगवार, रामोवतार, नीरज पंवार: जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स 983 (2024) 173785. https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2024.173785. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.8
- Sn2Mn2O7 पायरोक्लोर के संरचनात्मक, ऑप्टिकल, चुंबकीय और मैग्नेटोकलोरिक गुण: के. सिंह, एम. रानी, वी.के. मलिक और नीरज पंवार: फिजिका स्टेटस सॉलिडी ए 221 (2024) 2300553. https://doi.org/10.1002/pssa.202300553. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.9
- RECr0.85Mn0.15O3 (RE = Ho, Gd और Pr) नैनोकणों पर संरचनात्मक, ऑप्टिकल और ढांकता हुआ जांच: के कंवर, एस.प्रधान, एस. सतपथी, वाई. बिटला, नीरज पंवार: जर्नल ऑफ रेयर अर्थ्स 42 (2024) 399-408. https://doi.org/10.1016/j.jre.2023.02.024. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.2
- कुंठित Al2MnCoO7 पायरोक्लोर यौगिक में ग्रिफ़िथ चरण, स्पिन ग्लास व्यवहार और स्मृति प्रभाव की खोज: के. सिंह, वाई. बिटला और नीरज पनवार: जर्नल ऑफ़ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मैटेरियल्स 591 (2024) 171716. https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2024.171716. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.5
- Yb3+ और Gd3+ के आधे-डोप्ड DyCrO3 नैनोस्ट्रक्चर के ऑप्टिकल, ढांकता हुआ और फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन की तुलना की खोज: मंजीत रानी, राजेंद्र सी. पवार, नीरज पंवार: सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 314 (2024) 128848. https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2023.128848. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.3
- एजी/पीवीए-ग्राफीन ऑक्साइड/एजी डिवाइस का गैर-वाष्पशील प्रतिरोधी स्विचिंग व्यवहार और समय श्रृंखला विश्लेषण: एम.के. यादव, एस.एस. कुंडले, एस.एस. सुतार, टी.डी. डोंगले, पी. कुमार, नीरज पनवार: जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स 134, (2023)105101; डीओआई: 10.1063/5.0159624. https://doi.org/10.1063/5.0159624. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.7
- कुंठित Ga2Mn2-xCrxO7 (x = 0, 0.1, 0.3, 0.5) पायरोक्लोर यौगिकों में ग्रिफ़िथ चरण, स्पिन ग्लास व्यवहार और मैग्नेटोकलोरिक प्रभाव का अवलोकन: कुलदीप सिंह, नीरज पंवार: वर्तमान अनुप्रयुक्त भौतिकी 53 (2023) 86-93. https://doi.org/10.1016/j.cap.2023.06.014. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.4

सुखमंदर सिंह

- कम सघन प्लाज़्मा में मिश्रित प्रोफ़ाइल लेज़रों की पिटाई से टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र का निर्माण: रोहित कुमार, कृष्ण गोपाल, दिव्या सिंह और सुखमंदर सिंह: प्लाज़्मा विज्ञान पर आई.ई.ई.ई लेनदेन 52 (2024) 1053-61,https://doi.org/10.1109/TPS.2024.3365824 . इम्पैक्ट फैक्टर = 1.3

- वार्म कोलिज़नल प्लाज़्मा में अनुनादित रूप से नियंत्रित टेराहर्ट्ज़ फ़ील्ड जनरेशन: दिव्या सिंह, रोहित कुमार, सुखमंदर सिंह, कृष्ण गोपाल: जर्नल ऑफ़ ऑप्टिक्स (2024). https://link.springer.com/article/10.1007/s12596-024-01816-y . इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6
- इनकैप्सुलेटेड प्लाज्मा में कोश-गॉसियन और डार्क हॉलो गाऊसियन लेजर के मिश्रण से सुदूर आईआर क्षेत्र का निर्माण: दिव्या सिंह, कृष्ण गोपाल, रोहित कुमार, सुखमंदर सिंह: फिजिका स्क्रिप्टा 99 (2024) 065609. https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1402-4896/ad48c8/meta . इम्पैक्ट फैक्टर = 2.6
- लेजर प्लाज्मा इंटरैक्शन में ऊर्जा हस्तांतरण के गुंजयमान नियंत्रण का एक संख्यात्मक अध्ययन: दिव्या सिंह, रोहित कुमार, सुखमंदर सिंह, कृष्ण गोपाल, प्लाज्मा विज्ञान पर आईईईई लेनदेन: (2024). https://doi.org/10.1109/TPS.2024.3399811. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.3
- टेराहर्ट्ज़ जेनरेशन: एक ग्रंथ सूची अध्ययन: रोहित कुमार, सिद्धार्थ भारद्वाज, सुखमंदर सिंह: जर्नल ऑफ थियोरेटिकल एंड एप्लाइड फिजिक्स 18 (2024), 1-21. https://dx.doi.org/10.57647/j.jtap.2024.1802.30
- हॉल थ्रस्टर प्लाज्मा में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रतिरोधक अस्थिरता पर चुंबकीय क्षेत्र के अक्षीय और रेडियल घटकों का प्रभाव: सत्य प्रकाश भारती, सुखमंदर सिंह: प्लाज्मा का भौतिकी 31 (2024) 022105. https://doi.org/10.1063/5.0160463. इम्पैक्ट फैक्टर = 2
- चुंबकीय प्लाज्मा के साथ आयाम-संग्राहक लेजर फिलामेंट इंटरैक्शन से टेराहर्ट्ज़ विकिरण पीढ़ी: आशीष, कृष्ण गोपाल, देवकी नंदन गुप्ता, सुखमंदर सिंह, अनुज विजय: आधुनिक भौतिकी पत्र बी 23(2024) 2450192.https://doi.org/10.1142/S0217984924501926 . इम्पैक्ट फैक्टर = 1.8

ब्रिजेश कुमार सिंह

- मीना के.एच., पंत बी., सिंह के.बी. (2024), परेशान उच्च-क्रम इंस-गॉसियन लेजर मोड की नियंत्रित प्रयोगात्मक पीढ़ी। जर्नल ऑफ़ ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका ए (जोसा ए), 41 (3), ए25-ए31. https://doi.org/10.1364/JOSAA.507393 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.104
- मीना के.एच., पंत बी., सिंह के.बी. (2023), उच्च-क्रम लैगुएरे-गौसियन लेजर मोड का नियंत्रणीय प्रयोगात्मक मॉड्यूलेशन। जर्नल ऑफ़ ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका ए (जोसा ए),40 (9), 1770-1778. https://doi.org/10.1364/JOSAA.499212 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.104
- पंत बी., मीना के.एच., सिंह के.बी. (2023), विभिन्न अमानवीय रैखिक ध्रुवीकृत अवस्थाओं के साथ सुपर-ऑसिलेटरी स्पॉट। एप्लाइड ऑप्टिक्स, 62 (36), 9599-9604 https://doi.org/10.1364/AO.504695 इम्पैक्ट फैक्टर = 1.7
- पंत बी., मीना के.एच., सिंह के.बी. (2023), सर्पिल ध्रुवीकृत किरण को एक सुपर-ऑसिलेटरी स्पॉट में केंद्रित करना। इमेजिंग सिस्टम और अनुप्रयोग, ऑप्टिका इमेजिंग कांग्रेस, यूएसए, पेपर IW5E.6, https://doi.org/10.1364/ISA.2023.IW5E.6

युगांधर बिटला

- नेहा माथुर, सुमन महला, अभिनव कुमार खोरवाल, युगांधर बिटला, भूपेन्द्र गोस्वामी, पार्थ रॉय, हेमन्त जोशी, (2024), अल्कोहल के साथ एमाइन के एन-अल्काइलेशन के लिए एक पुनर्प्राप्ति योग्य उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल पर समर्थित चुंबकीय निकल नैनोकण, एसी.एस एप्लाइड नैनोमटेरियल्स 7, 11159. https://pubs.acs.org/doi/abs/10.1021/acsanm.4c00492 इम्पैक्ट फैक्टर =5.3

- आरती सैनी, किस्तूरी धनवंत, मुकेश वर्मा, शेर सिंह मीना, युगांधर बिटला, रामलिंगम थिरुमूर्ति (2024), थर्मली विघटित नैनोक्रिस्टलाइन में क्लस्टर स्पिन ग्लास व्यवहार का अवलोकन Sn 0.5 Fe 0.5 O 2− δ, Mater. Adv. 5, 5543. https://pubs.rsc.org/en/content/articlehtml/2024/ma/d4ma00077c इम्पैक्ट फैक्टर =5.2
- के.कंवर, एस. प्रधान, एस. सतपति, वाई. बिटला, नीरज पनवार (2024) RECr0.85Mn0.15O3 (RE = Ho, Gd और Pr) नैनोकणों पर संरचनात्मक, ऑप्टिकल और ढांकता हुआ जांच, जे. रेयर अर्थ 42, 399-408. https://doi.org/10.1016/j.jre.2023.02.024. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.2
- के. सिंह, वाई. बिटला और नीरज पनवार (2024), एक्सप्लोरेशन ऑफ़ ग्रिफ़िथ्स फेज़, स्पिन ग्लास बिहेवियर एंड मेमोरी इफ़ेक्ट इन ए फ्रस्ट्रेटेड Al2MnCoO7 पायरोक्लोर कंपाउंड: जे. मैग्न। मैग्न. मेटर. 591, 171716. https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2024.171716. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.5
- टेनेटी पुल्लाराव, एस लीलाश्री, जी नागराजू, बी रवि कुमार, एस श्रीनाथ, युगांधर बिटला, पित्तला सुरेश (2024) BiFeO3, जे इलेक्ट्रॉन के उन्नत चुंबकीय और ढांकता हुआ प्रतिक्रिया पर (सीनियर, जेडआर) आयन सह-डोपिंग का प्रभाव। मेटर. **53**, 786–800, https://doi.org/10.1007/s11664-023-10867-z इम्पैक्ट फैक्टर = 2.1
- ललिता, प्रदीप, युगांधर बिटला, अभिनव कुमार खोरवाल, जी.ए. बैशीद (2023) अनिसोट्रॉपी प्रेरित स्पिन-आयामी क्रॉसओवर, जे मैग्न के साथ पिघल-स्पून Mn5-xFexGe3 (x = 0 और 1) रिबन में बढ़ाया मैग्नेटोकैलोरिक प्रभाव। मैग्न. मेटर. **587,** 171309, https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2023.171309, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.5
- पी. वी. जितिन, युगांधर बिटला, मंजू मिश्रा पाटीदार, वी. गणेशन, के.जे. शंकरन, जोजी कुरियन (2023), उन्नत मैग्नेटोरेसिस्टेंस और La1−xCaxMnO3 (x = 0.4, 0.5) नैनोकणों में ग्रिफ़िथ-जैसे चरण का विकास, जे नैनोपार्ट रेस **25**, 207, https://doi.org/10.1007/s11051-023-05847-7, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.5

कुलदीप सुथर

- कौर पी., सुथर के., अंगोम डी., और गौतम एस., (2024), ऑप्टिकल लैटिस में बोस-बोस मिश्रण की आउट-ऑफ-संतुलन गतिशीलता, फिजिकल रिव्यू ए 109, 1, 013308। doi:10.1103/ PhysRevA.109.013308, इम्पैक्ट फैक्टर =2.6

राजेंद्र पवार

- राजेंद्र सी. पवार, हरिथम खान, हाजिना चार्ल्स, कैरोलिन एस. ली (2023), यूवी-दृश्य प्रकाश का उपयोग करके प्रभावी CO2 कटौती के लिए प्रतिक्रिया दर को नियंत्रित करके FeVO4 की 3डी नैनोवॉल जैसी संरचनाओं का विकास, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग 11, 110236. https://doi.org/10.1016/j.jece.2023.110236, इम्पैक्ट फैक्टर = 7.4
- राजेंद्र सी. पवार, प्लासिडियस जे. चेंगुला, हरितम खान, हाजिना चार्ल्स और कैरोलिन एस. ली (2023), दृढ़ता से बंधे Cu/कम Nb2O5 नैनोशीट्स का उपयोग करके फोटोकैटलिटिक CO2 रूपांतरण को बढ़ावा देना, डाल्टन लेनदेन 11, 110236. https://doi.org/10.1039/D3DT02082G, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.5
- हाजिना चार्ल्स, प्लासिडियस जे. चेंगुला राजेंद्र सी. पवार, हरिथम खान, कैरोलिन एस. ली (2023) सीओ2 फोटोरिडक्शन गतिविधि को बढ़ाने के लिए फेसेटेड जी-सी3एन4/जेडएनएसई हेटेरोजंक्शन पर सतह संशोधन और प्रभावी इंटरफेशियल चार्ज ट्रांसफर का सहक्रियात्मक प्रभाव, जर्नल ऑफ वॉटर प्रक्रिया अभियंता 56, 104307. https://doi.org/10.1016/j.jwpe.2023.104307, इम्पैक्ट फैक्टर: 6.3
- हरितम खान, राजेंद्र सी. पवार, हाजिना चार्ल्स, कैरोलिन एस. ली (2023), 1टी एमओएसई2 नैनोशीट्स के साथ लेपित Cu-डोप्ड TiO2 नैनोफाइबर, CO2 फोटोरिडक्शन में इलेक्ट्रॉन पृथक्करण के लिए एक प्रवाहकीय मार्ग

प्रदान करते हैं, एप्लाइड सरफेस साइंस 636, 157832. https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2023.157832, इम्पैक्ट फैक्टर: 6.3

- मंजीत रानी, राजेंद्र सी पवार, नीरज पंवार (2024), Yb3+ और Gd3+ के आधे-डोप्ड DyCrO3 नैनोस्ट्रक्चर, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी के ऑप्टिकल, ढांकता हुआ और फोटोकैटलिटिक प्रदर्शन की तुलना की खोज 314, 128848. https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2023.128848, इम्पैक्ट फैक्टर: 4.3
- प्लासिडियस जोआचिम चांगुला, हाजिना चार्ल्स, राजेंद्र सी. पवार, कैरोलीन एस. ली (2024), बीटीएक्स हटाने के लिए शुष्क फोटोकैटलिटिक ऑक्सीकरण तकनीक पर वर्तमान रुझान: व्यवहार्य प्रकाश स्रोत और अत्यधिक कुशल फोटोकैटलिस्ट, केमोस्फीयर 351, 141197. https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2024.141197, इम्पैक्ट फैक्टर: 8.1

सिद्धार्थ द्विवेदी

- वी.के. सिंह, एस. चौहान, ए. द्विवेदी, पी. रमादेवी, बी.पी. मंडल, सिद्धार्थ द्विवेदी. " डबल ट्विस्ट नॉट्स के लिए नॉट-क्विवर कोरेस्पोडेंस" फिजिकल रिव्यू डी, 108(11), 106023. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.6

सार्वजनिक नीति, विधि और शासन विभाग

चेरुकु जीवन कुमार

- केतकर, वी., कुमार, सी.जे. और राजीव, एम.एम. (2023). महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से कृषि में क्रांति। इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस (IJPIR), वॉल्यूम 16, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2023, ISSN 0973-5011
- केतकर, वी. और कुमार, सी.जे. (2023). कोविड-19 प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के अनुप्रयोग के माध्यम से सार्वजनिक मूल्य निर्माण: भारत से नीति संबंधित पाठ। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम 63, नंबर 4, जुलाई-सितंबर 2023, पृष्ठ 1-20, ISSN 0019-5561
- एस.एन. मूर्ति, डोग्गा टाक, प्रिंसी और कुमार, सी.जे. भारत में वित्तीय अनुशासन और इसके आर्थिक विकास के साथ संबंध: साक्ष्य-आधारित नीति विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, वॉल्यूम 69, नंबर 4, अक्टूबर-दिसंबर 2023, ISSN 0019-5561, पृष्ठ 753-765

नगेन्द्र अम्बेडकर सोल

- ओजस्वी कटारिया और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, ग्रामीण भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ICT का योगदान, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज, वॉल्यूम 13, इश्यू 1, नंबर 21, जनवरी-जून, 2024। ISSN: 2319-829X
- दिलसा एल्ज जोजन और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के तहत राज्यपाल के कार्यालय की पुनरावलोकन: दुविधाएँ और आयाम, साउथ एशियन जर्नल ऑफ सोसियो-पॉलिटिकल स्टडीज, वॉल्यूम XXIV, नंबर 02, जनवरी-जून 2024, पृष्ठ 54-60।
- मेघा गोयल और एस.एन. अंबेडकर, लिंग मुख्यधारा और अंतरवर्ती असमानताएँ: राजस्थान के टोंक नगर निगम का अध्ययन, पीपल्स हिस्ट्री एंड कल्चर जर्नल, वॉल्यूम 10, नंबर 01, जून 2024। ISSN: 2395-7379
- दिलसा एल्ज जोजन और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, शासन को पुनः सक्रिय करना: भारत के राज्यपालों के सुधार के लिए मामला, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, वॉल्यूम 10, नंबर 01, जून 2024
- आर्य सी.एस. और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, संदर्भ आधारित अच्छे शासन का दृष्टिकोण: जल संकट के लिए एक स्थायी समाधान, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मई 2024

- आर्य, सी.एस. और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, भारत में भूजल संसाधनों का परिचलन: समस्याओं और संभावनाओं का अध्ययन, जर्नल ऑफ इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन, वॉल्यूम LV, नंबर 1, जनवरी – मार्च 2023
- विकाश डूडी और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, समावेशी उच्च शिक्षा के लिए सकारात्मक कार्यवाही नीतियाँ: नई शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषण, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज, वॉल्यूम 12, इश्यू 2, नंबर 26, जुलाई - दिसंबर 2023
- सचिदानंद प्रसाद और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, झारखंड में जनजातीय स्वशासन: पठलगड़ी प्रथाओं के माध्यम से स्वशासन के कार्यान्वयन पर दृष्टिकोण, कंटेम्परेरी वॉयस ऑफ दलित, 2023
- हेमंत पूनिया और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, ग्रामीण विकास: सैद्धांतिक ढांचा और आगे का रास्ता, मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 28, नंबर 01, जून 2023
- पुरू शर्मा और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, स्मार्ट सिटी पैरेडाइम: संभावनाएँ और चुनौतियाँ, मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 28, नंबर 01, जून 2023
- अंजन कुमार साहू और एस.एन. अंबेडकर, जलवायु परिवर्तन का बहु-क्षेत्रीय स्वभाव: पाकिस्तान का विश्लेषण, जर्नल ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल स्टडीज, वॉल्यूम VIII, नंबर 01, दिसंबर 2023 (ISSN-2229-3647), पृष्ठ 28-38
- नेहल कक्कड़ोड़ा और नगेन्द्र अंबेडकर सोले, नारीवाद के दृष्टिकोण से: अवधारणा, उत्पत्ति और चार लहरें, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, वॉल्यूम 09, नंबर 02, जुलाई-दिसंबर 2023

एस कंदसामी

- चंदेल, नरेंद्र कुमार और एस. कंदसामी (2023), फैमिली और एडॉप्शन लॉ जर्नल, वॉल्यूम 6, नंबर 2, DOI (जर्नल): 10.37591/JFALI
- झलानी, एन. और एस. कंदसामी (2022) - ई-कोर्ट्स - निचली अदालतों में न्यायिक दबाव की कमी - बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 171-178, वॉल्यूम XIX, नंबर 2S, जुलाई-दिसंबर 2022।
- नरेंद्र कुमार चंदेल, एस. कंदसामी (2020) - बच्चों के खिलाफ यौन अपराध और POCSO अधिनियम का भारत में प्रभाव, न्यूरोक्वांटोलॉजी, 10301-10310, doi:10.48047/n.q2022.20.8NQ221051 (Scopus)।
- अमित पटेल, एस. कंदसामी (2022) - क्षमता निर्माण: मिशन कर्मयोगी का मूल्यांकन - न्यूरोक्वांटोलॉजी, 10293-10301, doi:10.48047/n.q2022.20.8NQ221050 (Scopus)।

ज्ञानरंजन पांडा

- फिलिप, पी. जे., और पांडा, जी. आर. (2024). शहरी केरल, भारत में अस्पताल में भर्ती के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य खर्च में असमानताएँ: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75वें दौर से साक्ष्य। वर्ल्ड मेडिकल एंड हेल्थ पॉलिसी, 1–14। https://doi.org/10.1002/wmh3.597 (स्कोपस इंडेक्स्ड; Q1 जर्नल, इम्पैक्ट फैक्टर 4.1)
- प्रियंक गोस्वामी और ज्ञान रंजन पांडा (2024). शहरीकृत उप-हिमालयी क्षेत्र में जल सुरक्षा सूचकांक का विकास: जम्मू शहर का अध्ययन। अर्बन वॉटर जर्नल, DOI: 10.1080/1573062X.2023.2285429। (स्कोपस इंडेक्स्ड; Q1 जर्नल, इम्पैक्ट फैक्टर 2.7)
- गोस्वामी, पी., और जी. आर. पांडा (2023). "शासन नेटवर्क और सामाजिक बुनियादी ढांचा जम्मू और कश्मीर में: दो राजधानी शहरों में शहरी पेयजल सेवाओं का अध्ययन।" जर्नल ऑफ पोलिटी एंड सोसाइटी। (https://journalspoliticalscience.com/index.php/i/article/view/234,14(2). (UGC-Care))
- बाला मधु, दिव्या शर्मा और ज्ञान रंजन पांडा (2023). घरेलू हिंसा में लिंग पूर्वाग्रह: उत्तर प्रदेश में महिला पंचायत कार्यकर्ताओं का एक गुणात्मक अध्ययन। मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 28, नंबर 1, पृष्ठ 117-132। ISSN: 0973-855X

सामाजिक कार्य विभाग

जगदीश जाधव

- ट्विंकल और जगदीश जाधव **(**2024**)** बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों की देखभाल करने वाले बोझ को मापने के लिए एक नया उपकरण**,** मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक कार्य।
- भील**,** एफ**.**एल**.,** और जगदीश जाधव **(**2024**)**। चारागाह शासन क्षरण और आजीविका भेद्यता की परस्पर क्रिया की खोज**:** दक्षिणी राजस्थान**,** भारत में एक अध्ययन। ग्रामीण विकास जर्नल**,** 42(4), 288-301

डंडुब पलज़ोर

- डंडुब पालज़ोर नेगी, ईपी अब्दुल अज़ीज़, आशा रानी (2024)। "द ब्लेक इस गोइंग": युवा ग्रामीण महिलाओं के रंगवाद के अनुभव पर एक घटनाक्रम अध्ययन। समाजशास्त्र और सामाजिक नीति के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. वॉल्यूम. 44, अंक5/6 पृष्ठ 487-498।

राजीव एम.एम.

- राजीव एम.एम., डीएन दाश, निकिता (2024) : भारतीय ग्रामीण जीवन पर स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव : खुले में शौच को खत्म करना और स्वच्छता को बढ़ावा देना : ग्रामीण राजस्थान : अंतर्दृष्टि। शिक्षा और समाज, आईएसएसएन: 2278-6864, (यूजीसी केयर जर्नल) खंड-48, अंक-02, संख्या-01, अप्रैल-जून: 2024। 4

अतीक अहमद

- अहमद, एस., और अहमद, ए. (2023)। किशोरों में शराब की अपेक्षाओं और दीक्षा को प्रभावित करने वाले कारक : एक गुणात्मक अध्ययन। शराबबंदी उपचार त्रैमासिक, 41(4), 456-461। डीओआई: 10.1080/07347324.2023.2244895 आईएसएसएन: 0734-7324।
- वानी, एच.आर., और अहमद, ए., (2023)। युवाओं के बीच समस्याग्रस्त सोशल मीडिया अनुभव। समदर्शी, 16(4) पीपी: 1533-1538 (सितंबर 2023) आईएसएसएन: 2581-3986।
- गौतम, ए., भद्रा, एस., और अहमद, ए. (2023)। कूड़ा बीनने में लगे परिवारों के बीच कलंक : कलंक मूल्यांकन अनुसूची का विकास और सत्यापन। बहिष्करण अध्ययन जर्नल. 13(2), 89-103 डीओआई: 10.5958/2231-4555.2023.00007.4 प्रिंट आईएसएसएन: 2231-4547 / ऑनलाइन आईएसएसएन: 2231-4555।
- वानी, एच. आर., और अहमद, ए. (2024)। युवाओं के मनोवैज्ञानिक कल्याण पर बेरोजगारी के प्रभाव की खोज करने वाला एक अध्ययन। एशियाई सामाजिक कार्य और नीति समीक्षा, 00, ई12316। https://doi.org/10.1111/aswp.12316।
- वानी, एच. आर., और अहमद, ए. (2024)। नशीली दवाओं की लत की शुरुआत, कारण और परिणाम का गुणात्मक अध्ययन। मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार जर्नल. 29(1).पीपी-10-15. आईएसएसएन: डीओआई: 10.4103/जेएमएचएचबी.जेएमएचएचबी_249_23।

शैज़ी अहमद

- अहमद. एस एंड.; सिंह. पी (2023)। भारतीय लोकतंत्र के स्तंभों को मजबूत करना: आगे बढ़ने का रास्ता। अतिशय कलित. आईएसएसएन 2277-419एक्स, लोटस (जुलाई-दिसंबर) वॉल्यूम। 10(18) पृ.525-530. , (यूजीसी केयर)
- अहमद. एस एंड. एम्. ; सिंह. पी (2024).एनईपी 2020 और बहुभाषावाद: एक आलोचनात्मक मूल्यांकन। जूनीख्यात, आईएसएसएन 2278-4632, जनवरी-जून, खंड(4) (यूजीसी केयर)

सोसायटी प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

कुमार संभव पारीक

- पारीक, के.एस. और गढ़वाल, एस.के., भारतीय राजनीति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: चुनौतियां और अवसर, शोधशौर्यम, खंड 7, अंक 3, मई-जून 2024, आईएसएसएन संख्या 2581-6306, पृष्ठ 108-116

जया कृतिका ओझा

- ओझा, एस. और ओझा, जे.के. (2024), मौन से भाषण तक: "द लाफ ऑफ द मेडुसा" में महिलाओं की सांस लेने की जगह। RUDN जर्नल ऑफ स्टडीज इन लिटरेचर एंड जर्नलिज्म। खंड 29 (1), पृष्ठ 82-88। DOI: 10.22363/2312-9220-2024-29-1-82-88 (स्कोपस)
- सुभाष, एस.पी. और ओझा, जे.के. (2023), नंबर गेम से परे: भारत में किसान उत्पादक कंपनियों को समझना और आगे का रास्ता। जर्नल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज। https://doi.org/10.1177/00219096231192332 (स्कोपस)

जुगल किशोर

- किशोर, जे. (2024), "डिजिटल कंटेंट मार्केटिंग की वैचारिक समीक्षा और प्रैक्टिशनर्स के लिए सिफारिशें: सोशल मीडिया दृष्टिकोण से एक परीक्षण" रिसर्च रीइंफोर्समेंट, वॉल्यूम.11, अंक: 02, पृष्ठ 88-94, आईएसएसएन: 2348:3857

खेल मनोविज्ञान विभाग

गुनीत इंदरजीत कौर

- कौर, जी.आई.जे. (2023)। युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच धैर्य और लचीलेपन का मनोवैज्ञानिक कल्याण के साथ संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पेडागॉजी एंड टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन एंड मूवमेंट साइंसेज, 12(2), 242-250। [ई-आई एस एस एन: 2319-3050]
- मोहन, जे. और कौर, जी.आई.जे. (2023)। खेलों में लैंगिक उत्पीड़न: क्या कांच की छत खेल उत्कृष्टता को बाधित कर रही है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 201-205। [आई एस एस एन:0019-5553]
- गौतम, ए., भद्रा, एस. और कौर, जी.आई.जे. (2022)। चित्र कार्डों का उपयोग करके कचरा बीनने वाले बच्चों के प्रारंभिक बचपन में विकास की खोज। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 112-117. [आई एस एस एन:0019-5553]

खेल जीव विज्ञान विभाग

डॉ. नेहा सिंह

- सिंह, एन., समर्थ, आर. एम., वैशिष्ट, ए., और पारिक, ए. (2024). अमरंथस को खेल पोषण में संभावित आहार सप्लीमेंट के रूप में देखना। साइटा-जर्नल ऑफ फूड, 22(1), 2375253।
- वैशिष्ट, ए., शर्मा, एस., पुरोहित, एस. जी., सिंह, एन. (2024). पैरालिंपिक तैराक और ऐस्टैक्सैंथिन: रक्तविज्ञान और जैव रासायनिक मापदंडों के साथ-साथ फेफड़े की क्षमता पर प्रभाव का अनावरण। ईसी ऑर्थोपेडिक्स, 15.3 (2024): 01-07।

- वैशिष्ट, ए., नारायणन, ए., पारिक, ए., सिंह, एन. (2023). पैरालिंमपिक तैराकों के लिए हेमाटोकोकस प्लुवियालिस पिगमेंट को सप्लीमेंट के रूप में उपयोग करना: पोषण प्रोफाइल पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन। जे. फाइटोल. रिस., 36. 2: 69-79।
- वैशिष्ट, ए., और सिंह, एन. (2023). स्वस्थ व्यक्तियों में शारीरिक गतिविधि का प्रभाव विभिन्न लिपिड्स, अमीनो एसिड्स और पेप्टाइड-व्युत्पन्न हार्मोन पर। यूरोपीय जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, 10(3)।
- वैशिष्ट, ए., शाहल, एम., पारिक, ए., और सिंह, एन. (2023). युद्धकला खिलाड़ियों में हर्बल सप्लीमेंटेशन का प्रभाव। जर्नल ऑफ फाइटोलॉजिकल रिसर्च, 36. 1: 17-26।
- सिंह, एन. और पारिक, ए. (2023). प्रोसोपिस सिनेरेरिया: खेल प्रदर्शन को सुधारने के लिए एक संभावित कार्यात्मक खाद्य। वेजिटोस। (DOI: 10.1007/s42535-022-00556-3)
- पारिक, ए., कसवान, बी. आर. और सिंह, एन. (2023). क्रिकेट खिलाड़ियों में लिपिड प्रोफाइल पर खेजरी और स्पिरुलिना सप्लीमेंटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन। फ्रंट. स्पोर्ट्स एक्ट. लिविंग, 4:1075388 (DOI: https://doi.org/10.3389/fspor.2022.1075388)

हेमंथ नाइक बनावथ

- टाक, एच., चट्टोपाध्याय, ए. और बनावथ, एच.एन. क्रोनिक ट्रॉमैटिक एन्सेफैलोपैथी और अन्य टाओपैथियों में विभेदित रूप से व्यक्त परिसंचरण माइक्रो-आरएनए का एक मेटा-विश्लेषण: miR-181c-5p की एक महत्वपूर्ण भूमिका। इर जे मेड साइंस (2023)। https://doi.org/10.1007/s11845-023-03469-5
- सिंह, एस., श्रीवास्तव, वी., गोदारा, पी., बनावथ, एच.एन., टाक, एच., नायक, ए., कुमारी, डी., नाइक, बी., प्रस्टी, डी., एन इन-सिलिको- आधारित अध्ययन ने पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान की जो पी37 प्रोटीन लक्ष्य को रोककर मंकीपॉक्स वायरस के उत्सर्जन को रोक सकते हैं। पेप्ट. विज्ञान. 2023, 115(5), ई24325। https://doi.org/10.1002/pep2.24325
- श्रुति गुप्ता, हर्षिता टाक, खुशहाल राठौड़ और अन्य। कैफिक एसिड, एक आहार पॉलीफेनोल पीडीएसी को कीमोथेराप्यूटिक दवा के प्रति पूर्व-संवेदित करता है, 18 मई 2023, प्रीप्रिंट (संस्करण 1) रिसर्च स्क्वायर पर उपलब्ध है [https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-2926296/v1] (प्रीप्रिंट)
- चट्टोपाध्याय, ए. टाक, एच., और बनावथ, एच.एन. तनाव से संबंधित स्थितियों के लिए एक उपन्यास बायोमार्कर के रूप में सेल-मुक्त माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए - मेटा-विश्लेषण। मानव जीन. https://doi.org/10.1016/j.humgen.2023.201198
- गुप्ता, एस., एच.एन. बनावथ और के.के. तेजवथ (2022)। "इन विट्रो अध्ययनों का उपयोग करके फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट की फार्माकॉइनफॉर्मेटिक स्क्रीनिंग और इसके एंटी-पीडीएसी प्रभाव का मूल्यांकन।" जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन: 1-15।
- सिंह, एस., बनावथ, एच.एन., गोदारा, पी. एट अल। SARS-CoV-2 ओमीक्रॉन और इसके उप-वेरिएंट के रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन के लिए एंटीवायरल पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान: एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। 3 बायोटेक 12, 198 (2022)। https://doi.org/10.1007/s13205-022-03258-4

सुनील जी पुरोहित

- मोहर चट्टोपाध्याय, सुनील जी. पुरोहित, विवेक समानिया (2023) विशिष्ट तैयारी और पूर्व-प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण अवधि के दौरान विशिष्ट भारतीय वुशु खिलाड़ियों के शारीरिक प्रदर्शन स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन। आई जेई एम एस। 12(02):146-151.

- चट्टोपाध्याय एम और सुनील जी पुरोहित (2022) "एक आसान और कम खर्चीले तरीके से प्रदर्शन अनुकूलन में विभिन्न रनिंग संबंधित आंदोलनों में फुट स्ट्राइक का विश्लेषण"। ईसी आर्थोपेडिक्स 13(4): 26-32.

शैलेन्द्र प्रताप सिंह

- शेन, सिंह एट अल (2022), एंटीऑक्सिडेंट्स, 11, 1147। पीजीसी1α की एडिपोसाइट-विशिष्ट अभिव्यक्ति एडिपोसाइट ब्राउनिंग को बढ़ावा देती है और एचओ-1-निर्भर फैशन में मोटापा-प्रेरित मेटाबोलिक डिसफंक्शन को कम करती है। IF=7.648
- वाल्डमैन, सिंह एट अल (2022), सेल्स, 2022, 11(19), 3060। एडिपोसाइटोकिन को शांत करना NOV: ऑक्सीडेटिव तनाव-प्रेरित कार्डियोमेटाबोलिक डिसफंक्शन को उलटने के लिए एक नया दृष्टिकोण। IF =7.66
- श्वेता चौहान, संजीब पात्रा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जीतेन्द्र डी लखानी। सरल वैरिकाज़ नस रोग में योग और प्राकृतिक चिकित्सा का संयुक्त प्रभाव - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे आयुर्वेद इंटीग्र मेड. 2023 मई-जून;14(3):100718.

सांख्यिकी विभाग

डॉ. जीतेन्द्र कुमार

- कुमार, जे., जिलोवा, ए.के., और देवकर, एम. (2024)। क्रिप्टोकरेंसी की अस्थिरता मॉडलिंग और सामान्य जी ए आर सी एच मॉडल की पहचान करना। सांख्यिकी में संचार: केस अध्ययन, डेटा विश्लेषण और अनुप्रयोग, 1-18।
- कुमार, जे., मुदस्सिर, एम., और अगिवाल, वी. (2024)। बायेसियन फ्रेमवर्क के तहत एआर टाइम सीरीज मॉडल में स्प्लाइन फ़ंक्शन के साथ विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) का अध्ययन। थाईलैंड सांख्यिकीविद्, 22(2), 491-508।
- नैन अनुज, कुमार जे. (2023) गॉसियन इनोवेशन के परिमित मिश्रण के साथ एआर(1) मॉडल में अनुरक्षित खोज, सांख्यिकी और विश्वसनीयता इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(3)।

डॉ. अरविन्द पांडे

- साहा, एम., पारीक, पी., माहेश्वरी, एस., और पांडे, ए. (2024)। लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल प्रोसेस डिस्ट्रीब्यूशन के लिए टाइम ट्रंकेटेड एट्रीब्यूट मीडियन कंट्रोल चार्ट। स्टोकेस्टिक्स और गुणवत्ता नियंत्रण, (0)।
- पांडे, ए., शिवाजी, बी.ए., आचार्य, एम., और मोहबे, के.के. (2024)। मशीन लर्निंग के साथ हृदय रोग का पता लगाने में वर्ग असंतुलन को कम करना। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 1-26।
- प्रताप सिंह, आर., पांडे, ए., त्यागी, ए., और चेसन्यू, सी. (2024)। गिनती डेटा के विश्लेषण के लिए एक नया घातांकित असतत लिंडले वितरण। इन्वेस्टिगेशियोन ऑपरेशियनल, 44(2)।
- पाठक, ए.के., अरशद, एम., जे. अज़हद, क्यू., खेतान, एम., और पांडे, ए. (2023)। गुणों और अनुप्रयोगों के साथ एक नवीन द्विचर सामान्यीकृत वेइबुल वितरण। अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमैटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 42(4), 279-306।

डॉ. दीपेश भाटी

- अराध्ये, जी., भाटी, डी., और त्ज़ौगास, जी. (2024)। हेवी-टेल्ड क्लेम गंभीरता डेटा के मॉडलिंग के लिए अलग-अलग सीमा वाला एक नया एम-लॉगनॉर्मल-बूर रिग्रेशन मॉडल। एप्लाइड सांख्यिकी जर्नल, 1-19.

- अराध्ये, जी., त्ज़ौगास, जी., और भाटी, डी. (2024)। दावा लागत मॉडलिंग के लिए एक कोपुला-आधारित बिवेरिएट समग्र मॉडल। गणित, 12(2), 350.
- भाटी, डी., पवन, बी., और अराध्ये, जी. (2023)। एक नए मिश्रित पेरेटो-वेइबुल वितरण पर: बीमा अनुप्रयोगों के साथ इसका पैरामीट्रिक रिग्रेशन मॉडल। एनल्स ऑफ़ डेटा साइंस, 1-31.

डॉ. संजय कुमार

- कुमार, एस., छापरवाल, पी., कुमार, के., और कुमार, पी. (2024)। समय-आधारित सर्वेक्षणों के लिए सामान्यीकृत स्मृति-प्रकार के अनुमानक: जन्म के समय वजन डेटासेट के साथ सिमुलेशन अनुभव और अनुभवजन्य परिणाम। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 13(1), 15-23।
- जाखड़, ए., और कुमार, एस. (2024)। जनसंख्या के लिए मजबूत HEWMA-प्रकार के अनुमानक गैर-सामान्यता के अंतर्गत हैं। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, 13(1), 33-49।
- कुमार, एस., और ओरल, ई. (2023)। प्रमुख घटकों के विश्लेषण के आधार पर पदानुक्रमित क्लस्टरिंग का उपयोग करके यूरोप में पहले चरण की COVID-19 महामारी का आकलन। जर्नल ऑफ़ ऑटोनॉमस इंटेलिजेंस, 7(1)।
- छापरवाल, पी., और कुमार. एस. (2023)। संशोधित अधिकतम संभावना के माध्यम से ज्ञात सहायक जानकारी का उपयोग करते हुए मजबूत अनुपात और उत्पाद आधारित अनुमानक। अफ्रीका माटेमेटिका, 34(4), 83.

डॉ. सतीश कुमार कालापाला

- जॉन बेनहुर. के, गोपीनाथ. डी, सतीश कुमार. के, और चिंतादा जी.एस. (2024)। सर्वर स्टार्टअप, ब्रेकडाउन और टाइमआउट के साथ थोक आगमन कतार प्रणाली का इष्टतम विश्लेषण। शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 30(5), 12401–12407. https://doi.org/10.53555/kuey.v30i5.5145

योग विभाग

संजीब के पात्रा

- दास, एम., थाजुद्दीन, एन., पात्रा, एस., & पुंडीर, एम. (2023)। मानसिक-शारीरिक तकनीकों का अस्थमा रोगियों में तनाव-प्रेरित आंत माइक्रोबायोटा के विकृति पर प्रभाव: - एक नैरेटिव समीक्षा। ब्रेन बिहेवियर एंड इम्युनिटी इंटीग्रेटिव, 100040
- दास, एम., पुंडीर, एम., & पात्रा, एस. (2023)। वैरिकोज़ वेन जटिलताओं पर CAM (पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा) की प्रभावशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंडोवेस्कुलर ट्रीटमेंट एंड इनोवेटिव टेक्नीक्स, 4(1), 11-18
- दास, एम., पुंडीर, एम., नायक, पी., पात्रा, एस., & थाजुद्दीन, एन. (2023)। अस्थमा में आंत माइक्रोबियल विविधता पर योगिक आहार का प्रभाव। योग मिमांसा, 55(1), 58-66
- दास, एम., थाजुद्दीन, एन., पात्रा, एस., & पुंडीर, एम. (2024)। प्राचीन भारतीय आहार – आंत माइक्रोबायोटा की स्वस्थ विविधता के लिए एक संतुलित आहार और अस्थमा प्रबंधन। करंट रिसर्च इन न्यूट्रिशन एंड फूड साइंस जर्नल, 12(1), 349-373
- दास, एम., थाजुद्दीन, एन., पुंडीर, एम., & पात्रा, एस. (2023)। भारत का पारंपरिक किण्वित भोजन: - प्रोबायोटिक बैक्टीरिया के स्रोत आंत माइक्रोबायोटा की विविधता बनाए रख सकते हैं और अस्थमा के लक्षणों का प्रबंधन कर सकते हैं। नेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, 14(11), 774-780
- मैती, के., लाल, पी., ज्योत, एस., बाली, पी., ठाकुर, यू. के., सिंह, जी., मजूमदार, वी., पात्रा, एस., आर्य, जे & आनंद, ए. (2024)। वृद्धों में पोस्ट-कोविड युग के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के परिणामों से निपटने के लिए मानवतावादी और समग्र रणनीतियाँ। ऐनल्स ऑफ न्यूरोसाइंस, 1-8, DOI: 10.1177/09727531231208292

- महराणा, एस., नगरथना, आर., पात्रा, एस., वेंकटाराम, पी., नागेंद्र, एच. आर. & मैती, के. (2024)। गर्भवती माताओं में एकीकृत योग का ध्यान, मोटर और मानसिक कार्यों पर प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। योग मिमांसा, 56:33-40

राघवेंद्र भट्ट

- शिवराम, ए.सी., इलावरासु, जे., भट, आर. (2024)। ध्वनि, स्पर्श, रूप, स्वाद और गंध को ध्यान के मार्ग के रूप में उपयोग करना – शास्त्रीय और तंत्रिका विज्ञान ग्रंथों की समीक्षा। जर्नल ऑफ एप्लाइड कांशियसनेस स्टडीज, 12(2): 97-108.
- अय्यर, एस., भार्गव, एच., भट, आर. (2024)। योग अभ्यास का आदर्श समय: पारंपरिक योग ग्रंथों से प्राप्त अंतर्दृष्टियाँ और वैज्ञानिक अध्ययनों से अवलोकन: एक नैरेटिव समीक्षा। जर्नल ऑफ एप्लाइड कांशियसनेस स्टडीज, 12(2): 82-90.
- अय्यर, एस., भार्गव, एच., और भट, आर. (2024)। पोस्ट-ग्रेजुएट विश्वविद्यालय छात्रों में तनाव प्रबंधन के लिए टेली-योग हस्तक्षेप को लागू करने में बाधाओं को समझना: एक गुणात्मक अध्ययन। एडवांसेस इन माइंड-बॉडी मेडिसिन, 28(1), 9-14.

काशीनाथ जी मेत्री

- बैश्य, ए., & मेत्री, के. (2024)। हाइपोथाइरॉइडिज़्म पर योग के प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 15(2), 100891 https://doi.org/10.1016/j.jaim.2024.100891
- श्रीमल, पी. जे., महराणा, एस., Dave, ए., मेत्री, के. जी., रघुराम, एन., & श्रीमल, एस. (2024)। सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के दौरान स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में चिंता, तनाव और नींद की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव। वर्क, (प्रिंट), 1-10
- पूजारी, एस., धीमान, डी., घई, बी., माथुर, डी., मेत्री, के., कटारिया, क., & आनंद, ए. (2024)। पुरानी पीठ दर्द रोगियों के प्रबंधन में योग चिकित्सा के संयुक्त दृष्टिकोण बनाम सामान्य देखभाल की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। पेन प्रैक्टिस, 24(2), 248-260
- निलकंठम, एस., सिंह, ए., मेत्री, के. जी., & नगरथना, आर. (2024)। हाइपोथाइरॉइडिज़्म और मोटापे से पीड़ित महिलाओं में रक्तचाप और शारीरिक मास इंडेक्स पर आवासीय योग चिकित्सा के प्रभाव: एक पश्चात अध्ययन। आयु (आंतरराष्ट्रीय तिमाही आयुर्वेद अनुसंधान पत्रिका), 45(1), 12-16
- वेन, एक्स., साओजी, ए. ए., मेत्री, के., मोहंती, एस., & विजयकुमार, वी. (2023)। टाइप 2 मधुमेह रोगियों में रक्त शर्करा, मानसिक चिंता और विश्राम पर ध्यान तकनीक का तत्काल प्रभाव: एक पायलट यादृच्छिक क्रॉसओवर अध्ययन। जर्नल ऑफ कॉम्प्लीमेंट्री एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, 20(3), 650-655
- सिंह, जे., मेत्री, के.., टेकुर, पी., मोहंती, एस., सिंह, ए., & रघुराम, एन. (2023)। COVID महामारी के बीच एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस के प्रबंधन में टेली-योग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। क्लीनिकल प्रैक्टिस में सहायक उपचार, 50, 101672
- मेत्री, के. जी., रघुराम, एन., नारायण, एम., श्रीवण, के., सेकट, एस., भार्गव, एच., ... & रेवंकर, आर. (2023)। महिला शिक्षिकाओं में पुरानी मस्कुलोस्केलेटल दर्द के साथ कार्यस्थल योग के प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। वर्क, 76(2), 521-531

बाह्य वित्त पोषित परियोजनायें

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के दौरान अपने विभिन्न विभागों में 81 शोध परियोजनाओं का संचालन कर रहा है, जिनकी कुल लागत ₹ 44,48,73,007/- है। इन बाह्य परियोजनाओं को भारत तथा विदेशों की विभिन्न फंडिंग एजेंसियों जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, एशिया-पैसिफिक नेटवर्क फॉर ग्लोबल चेंज रिसर्च (जापान) इत्यादि द्वारा वित्त पोषित किया गया है। 2023-24 के दौरान स्वीकृत 35 शोध परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. जयंती पाल			
उत्तर हिंद महासागर पर उष्णकटिबंधीय चक्रवात की तीव्रता (पीएआरआई) के लिए पूर्वानुमान एल्गोरिदम का विकास। **एसपीजी/2022/001291**	13.31 लाख	29.08.2023 से 28.08.2026 तक	एसईआरबी
डीएसटी-एफआईएसटी - वायुमंडलीय विज्ञान			
"डीएसटी-एफआईएसटी - वायुमंडलीय विज्ञान। **एसआर/एफएसटी/ईएस-I/2023/117"**	105.00 लाख	2023-2028 (5 वर्ष)	डीएसटी
डॉ. देवेश शर्मा			
अजमेर, राजस्थान में कार्बन-तटस्थ शहर-क्षेत्रों और ग्रामीण पुनरोद्धार के लिए परिसंचारी और पारिस्थितिक क्षेत्र (सीईएस) दृष्टिकोण।	3.84 लाख	12.02.2024 से 30.06.2024 तक	आईजीईएस-जापान

पर्यावरण विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. गरिमा कौशिक (पीआई) और डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार (सीओ-पीआई)			
हाइड्रोकार्बोनोक्लास्टिक माइक्रोबियल कंसोर्टिया का उपयोग करके माइक्रोप्लास्टिक्स के विघटन के लिए एकीकृत उपचार प्रौद्योगिकी का विकास। ***बीटी/पीआर45985/बीसीई/8/1777/2023"***	*37.79 लाख*	*15.01.2024 से 14.01.2026 तक*	*डीबीटी*
डॉ. रितु सिंह			
"राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्र में थैलेट एस्टर का जोखिम मूल्यांकन और पर्यावरण अनुकूल नैनोमटेरियल का उपयोग करके मृदा परिशोधन के लिए ईईएस दृष्टिकोण का विकास।" ***25 WS(006)/2023-24/EMR-II/ASPIRE"***	*10.50 लाख*	*16.04.2024 से 15.04.2027 तक*	*सीएसआईआर*

जीवन विज्ञान स्कूल

जैव रसायन विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डीएसटी-एफआईएसटी जैव रसायन			
"FIST जीवन विज्ञान स्तर बीसी या डी - परियोजना. **एसआर/एफएसटी/एलएस-I/2023/1153"**	118.00 लाख	2024-2029 (5 वर्ष)	डीएसटी
डीएसटी-एफआईएसटी जैव रसायन विज्ञान			
"प्रतिरक्षा-रोधी मलेरिया-रोधी दवा विकसित करने के लिए एक नवीन बहु-लक्ष्यीकरण दृष्टिकोण।" **ईएमडीआर/आईजी/10-2023-0000879"**	123.65 लाख	14.02.2024 से 13.02.2028 तक	आईसीएमआर
डॉ. धनेश्वर प्रुस्ती			

"तनाव-प्रतिरोधी चिकपीया (सिसर एरियेटिनम एल.) के विकास के लिए सूखे से प्रेरित अनफोल्डेड प्रोटीन प्रतिक्रिया में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम झिल्ली प्रोटीन की भूमिका का पता लगाना।" सीआरजी/2023/003167"	48.04 लाख	14.03.2024 से 13.03.2027 तक	एसईआरबी
प्रो. संजीब कुमार पांडा			
"तनाव-प्रतिरोधी चिकपीया (सिसर एरियेटिनम एल.) के विकास के लिए सूखे से प्रेरित अनफोल्डेड प्रोटीन प्रतिक्रिया में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम झिल्ली प्रोटीन की भूमिका का पता लगाना।" सीआरजी/2023/003167"	85.44 लाख	01.04.2024 से 31.03.2026 तक	स्पार्क

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. खेम राज मीना			
मक्का में पौधों को बढ़ाने और रोग दमन के लिए बिहार के दियारा भूमि/ ढाब क्षेत्र से माइक्रोगियल विविधता की खोज करना। ईईक्यू/2021/000838	25.83 लाख	07.08.2023 से 23.03.2025 तक	एसईआरबी
डॉ. पंकज गोयल			
ऊर्जा अवरोध और ऑक्सीडेटिव तनाव सहित रोगात्मक स्थितियों के तहत मस्तिष्क में एमिलॉयडोजेनिक कोफिलिन की भूमिका को समझना: अल्जाइमर रोग के लिए प्रासंगिकता। सीआरजी/2022/007356	34.76 लाख	31.08.2023 से 30.08.2026 तक	एसईआरबी
डॉ. तरुण कुमार भट्ट			

संभावित लीशमैनियासिस उपचार के रूप में ग्लाइकोसोमल झिल्ली जैवजनन को रोकना। ईएम/डेव/आईजी/18/1623/2023	60.60 लाख	15.03.2024 से 14.03.2028 तक	आईसीएम आर
डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला			
स्पोडोप्टेरा फ्रूजीपरडा प्रभावक प्रोटीन और पौधों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को दबाने में उनकी क्रियाविधि का पता लगाना। सीआरजी/2023/006907	29.09 लाख	19.03.2024 से 18.03.2027 तक	एसईआरबी
डॉ. जय कांत यादव			
जन्मजात मोतियाबिंद की शुरुआत में आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारकों की भूमिका। स्पार्क/2024-2025/एचसीएआरई/पी3871	71.16 लाख	01.04.2024 से 31.03.2026 तक	स्पार्क

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. निधि पारीक			
एनेंशियोसेलेक्टिव मैनिच और माइकल एडिशन प्रतिक्रियाओं के लिए सहकारी सहायता प्राप्त और समान रूप से सीमित द्विकार्यात्मक ऑर्गेनोकैटेलिस्ट्स की खोज। एमओई -स्टार्स/स्टार्स-2/2023/1017	*44.01 लाख*	21.12.2023 से 20.12.2026 तक	डीएसटी
डॉ. अखिल अग्रवाल			
अल्जाइमर रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए नॉन-इनवेसिव फोर्स्टर रेजोनेंस एनर्जी ट्रांसफर (FRET) ऑपरेटिंग नियर-इन्फ्रारेड बेंज़ोथियाज़ोल-(Aza) बोरोंडिपाइरोमेथीन आधारित फ्लोरोसेंट जांच। एमओई -STARS/STARS-2/2023-0529	*30.23 लाख*	22.03.2024 से 21.03.2026 तक	एसईआरबी

रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल

रसायन विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन			
एनेंशियोसेलेक्टिव मैनिच और माइकल एडिशन प्रतिक्रियाओं के लिए सहकारी सहायता प्राप्त और अनुरूप रूप से विवश द्विकार्यात्मक ऑर्गेनोकैटेलिस्ट्स की खोज। एमओई -स्टार्स/स्टार्स-2/2023/1017	*20.00 लाख*	07.12.2023 से 06.12.2026 तक	स्टार्स
डॉ. अनुज कुमार शर्मा (सह-पीआई) और डॉ. रघु चित्ता, एनआईटी वारंगल (पीआई)			
अल्जाइमर रोग का शीघ्र पता लगाने के लिए नॉन-इनवेसिव फोर्स्टर रेजोनेंस एनर्जी ट्रांसफर (FRET) ऑपरेटिंग नियर-इन्फ्रारेड बेंज़ोथियाज़ोल-(Aza) बोरोंडिपाइरोमेथीन आधारित फ्लोरोसेंट जांच। एमओई -STARS/STARS-2/2023-0529	*1.00 लाख*	26.09.2023 से 25.09.2026 तक	स्टार्स
डॉ. पंकज गुप्ता			
पीने के पानी में भारी धातु आयनों और PFAS का मौके पर ही पता लगाना । DST/INSPIRE/04/2022/001046	*35.00 लाख*	01.08.2023 से 31.07.2028 तक	डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी अनुदान
डीएसटी-एफआईएसटी – रसायन विज्ञान			
डीएसटी-एफआईएसटी - रसायन विज्ञान. एसआर/एफएसटी/सीएस-II/2023/282	*243.00 लाख*	2023-2028 (5 वर्ष)	डीएसटी
डॉ. पंकज गुप्ता			
ग्लूकोज़ के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर। F&A/23-24/Sales/P-0094	*13.06 लाख*	01.01.2024 से 30.04.2025 तक	कैनाटू

डॉ. थिरुमूर्ति.आर .			
कार्बनिक यौगिकों के संश्लेषण के लिए ऑर्गेनोटिन व्युत्पन्नों या अकार्बनिक टिन हैलाइडों का उपयोग। **CRG/2023/003075**	*28.69 लाख*	23.01.2024 से 22.01.2027 तक	एसईआरबी
डॉ. चंद्रकांत दाश			
सीएच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन के माध्यम से बायोएक्टिव हेट्रोसाइकल्स के संश्लेषण के लिए उच्च वैलेंस कोबाल्ट उत्प्रेरक का विकास। **CRG/2023/003598**	*44.35 लाख*	14.02.2024 से 13.02.2027 तक	एसईआरबी

फार्मेसी विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. उमेश गुप्ता			
एंटीकैंसर दवा टेमोज़ोलोमाइड के मस्तिष्क वितरण के लिए एप्टामर Gint4.T **4. टी आधारित डेंड्रीमेरिक वाहक की खोज।"** **डीएसटी/आईएनटी/बीएलआर/पी-33/2023 (जी)"**	*8.18 लाख*	30.07.2023 से 29.07.2025 तक	डीएसटी
डॉ. देवेश एम सावंत			
ड्यूएल-लूसिफ़ेरेज़ रिपोर्टर परख का उपयोग करके केंद्रित आरएनए लाइब्रेरी के साथ **SARS-CoV2** के फ्रेम शिफ्ट साइट को लक्षित करना **सीआरजी/2022/001303"**	*23.54 लाख*	07.09.2023 से 06.09.2026 तक	एसईआरबी
डॉ. देवेश एम सावंत			

थेरानोस्टिक लक्ष्यीकरण फाइब्रोब्लास्ट सक्रियण प्रोटीन के लिए हाइड्रोफोबिक लिंकर टेथर्ड मेटल चेलेटर्स का उपयोग करके अगली पीढ़ी के पीईटी रेडियोट्रेसर का डिजाइन संश्लेषण और प्रीक्लिनिकल मूल्यांकन। ईएम/देव/एसजी/62/3497/2023"	*63.98 लाख*	01.03.2024 से 28.02.2027 तक	आईसीएमआर

गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. अभय कुमार राय			
गुप्त नेटवर्क में प्रमुख अभिनेताओं की पहचान करने के लिए एक कम्प्यूटेशनल फ्रेमवर्क का विकास। आईसीएसएसआर/आरपीडी/एमएन/2023-24/जी/124	*8.00 लाख*	01.02.2024 से 31.01.2025 तक	आईसीएसएसआर
डॉ. बसंत अग्रवाल			
वेब की निगरानी और बौद्धिक विश्लेषण के लिए प्रणाली "सुरक्षित वेब स्पेस"। डीएसटी/आईएनटी/बीएलआर/पी-38/2023 (जी)	*13.12 लाख*	03.07.2023 से 31.03.2025 तक	डीएसटी
डॉ. बसंत अग्रवाल			
गहरे तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके डिस्ग्राफिया का शीघ्र और स्वचालित निदान। सीड/टाइड/2019/705 (जी)	*18.01 लाख*	17.08.2023 से 16.08.2024 तक	डीएसटी

गणित विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. आशा कुमार मीना			
दो-द्रव प्लाज्मा समीकरणों के लिए उच्च-क्रम संख्यात्मक योजनाएँ। ईईक्यू/2023/000453	*22.93 लाख*	17.02.2024 से 16.02.2027 तक	एसईआरबी

भौतिकीय विज्ञान स्कूल

भौतिकी विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी			
"मल्टी-बाउंड्री इंटैंगलमेंट इन चर्न-सीमन्स थ्योरी। एसआरजी/2023/001023"	17.75 लाख	22.12.2023 से 21.12.2025 तक	एसईआरबी
डॉ. कुलदीप सुथर			
"इमरजेंट कलेक्टिव फेनोमेना इन क्वांटम मेनी-बॉडी फिजिक्स" एसआरजी/2023/001569"	28.21 लाख	01.04.2024 से 31.03.2026 तक	एसईआरबी
डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार			
निम्न तापमान पर सौर शुष्क सुधार प्रतिक्रिया के माध्यम से ग्रीन सिंथेटिक गैस (CO/H2) प्रौद्योगिकी का विकास। स्पार्क/2024-2025/ENSU/P3732	48.72 लाख	07.02.2024 से 06.02.2026 तक	स्पार्क

खेल विज्ञान स्कूल

खेल जैव रसायन विभाग

संकाय का नाम	स्वीकृत राशि	अवधि	प्रायोजक एजेंसी
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह			
हृदयवाहिनी रोगों के रोगजनन में एंडोथेलियल अवरोध की पारगम्यता पर विभिन्न कारकों का प्रभाव : सुधारात्मक उपचारों का विकास। " एसआरजी/2023/000160"	32.31 लाख	27.12.2023 से 26.12.2025 तक	एसईआरबी
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह			
"चयापचय संबंधी विकारों से प्रेरित पैथोफिजियोलॉजी और चिकित्सा विज्ञान में पीजीसी-1 अल्फा प्रेरण का नैदानिक अनुप्रयोग।" के-15015/22/2023- एसपी.वी (30695)"	49.81 लाख	"2023-2027 (4 वर्ष)"	एचआरडीएस

शोध प्रबंध और शोध निबंध

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र अपने स्नातकोत्तर/पीएच.डी. उपाधि की प्राप्ति के लिए शोध प्रबंध/शोध निबंध प्रस्तुत करते हैं। इस अध्याय में पीएच.डी., एम.ए., एम.आर्क., एमबीए, एम.कॉम., एम.एससी., और एम.टेक. के शोध प्रबंध और शोध निबंध का विवरण दिया गया है, जो छात्रों ने अपने-अपने मार्गदर्शकों के निर्देशन में पूरा किया है। निम्नलिखित सूची में छात्रों के और शोध निबंध का विवरण दिया गया है।

पीएच.डी. शोध प्रबंध

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	अनुसंधान पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
श्री मोहम्मद अबुलेबदा (2018PHDSTA002)	सांख्यिकी	डॉ. अरविंद पांडे	द्विचर वितरण: कोपुला, गुणधर्म और आकलन	03.07.2023
श्री शुभम श्रीवास्तव (2014PHDPHARM07)	फार्मेसी	डॉ. रुचि मलिक	नवीन काइनेज अवरोधकों का लक्षित डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन	03.07.2023
सुश्री पूजा यादव (2017PHDCOM02)	वाणिज्य	प्रो. प्रवीण साहू	भारत में चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं का मूल्यांकन: जोखिम-रिटर्न और प्रदर्शन का अनुभवजन्य विश्लेषण	05.07.2023
श्री ज्योतिर्मय डे (2015PHDCH03)	रसायन विज्ञान	डॉ. चंद्रकांता दाश	परमाणु/समूह स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं और एजाइड-एल्काइन साइक्लोएडिशन के लिए ट्रांजिशन मेटल आधारित उत्प्रेरकों का विकास	20.07.2023
श्री वीरेंद्र सिंह बारेठ (2014PHDHINDI07)	हिंदी	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	विजयदान देथा के कथा साहित्य में लोकजीवन: मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन	31.07.2023
सुश्री मसूमा खवारी (2019PHDMB05)	सूक्ष्मजीव विज्ञान	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के Rv2462 की कार्यात्मक विशेषताओं का विश्लेषण और तनाव प्रतिक्रिया तथा इम्यूनोमॉड्यूलेशन में भूमिका	07.08.2023
श्री महेश कुमार यादव (2018PHDPH002)	भौतिकी	डॉ. नीरज पंवार	विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन ऑक्साइड आधारित सामग्रियों का संश्लेषण और विशेषता निर्धारण	07.08.2023
सुश्री एमिल्डा सहाजन (2019PHDPH002)	भौतिकी	प्रो. एम.डी. श्रीमाली	गतिशील प्रणालियों में शोर प्रेरित घटनाएं	08.08.2023
श्री स्वर्णेदु मंडल (2019PHDPH011)	भौतिकी	प्रो. एम.डी. श्रीमाली	गतिशील प्रणालियों की पारस्परिकता और रिजर्वायर कम्प्यूटिंग	14.08.2023
श्री राहुल कुमार (2017PHDEN01)	अंग्रेजी	डॉ. भूमिका शर्मा	'लोकप्रिय' की प्राक्सिस: कबीर और बुल्ले शाह की कविताओं में प्रतिरोध और पुनर्रचनाएं	25.08.2023
सुश्री सुकन्या सिंह	शिक्षा	डॉ. अंजलि शर्मा	मध्य-स्तरीय स्कूल छात्रों में विज्ञान की शैक्षणिक उपलब्धि, मानसिक लचीलापन और	08.09.2023

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	अनुसंधान पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
(2018PHDEDU002)			बुद्धिमत्ता के अंतर्निहित सिद्धांत पर ग्रोथ माइंडसेट हस्तक्षेप की प्रभावशीलता	
सुश्री स्वाति माज़टा (2015PHDEN05)	अंग्रेजी	स्व. प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	शिमला और अजमेर के संदर्भ में तृतीयक स्तर पर अंग्रेजी की शिक्षण-प्रक्रिया को बढ़ाने में गैर-मौखिक संचार की भूमिका	12.09.2023
सुश्री रवीना कौसर (2018PHDSW001)	सामाजिक कार्य	डॉ. सुभासिस भद्रा	जम्मू क्षेत्र की सीमावर्ती क्षेत्रों में बच्चों के विकास पर सीमा संघर्ष का प्रभाव	12.09.2023
सुश्री ज्योति जोशी (2018PHDEDU001)	शिक्षा	डॉ. नरेंद्र कुमार	अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता, सांस्कृतिक समायोजन, और सांस्कृतिक तनाव के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन	13.09.2023
श्री सरिता बुगालिया (2018PHDMT005)	गणित	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी	विलंबित और गैर-विलंबित महामारी मॉडल्स का विभिन्न हस्तक्षेप रणनीतियों के साथ विश्लेषण	25.09.2023
श्री हिमांशु कुमार बैरवा (2017PHDMB01)	BIVARIATE DISTRIBUTION	डॉ. अखिल अग्रवाल	जस्थान के जलवायु क्षेत्रों में माइकोस्पोरिन जैसे अमीनो एसिड उत्पादक सायनोबैक्टीरिया का वितरण	06.10.2023
सुश्री ज्योति पाली (2016PHDSW03)	सामाजिक कार्य	डॉ. अतीक अहमद	किशोर लड़कियों में मासिक धर्म समायोजन, प्रबंधन और स्वास्थ्य के लिए मनो-सामाजिक हस्तक्षेप	10.10.2023
सुश्री प्रियंका (2019PHDMB09)	सूक्ष्म जीवविज्ञान	डॉ. अरविंद प्रताप सिंह	खाद्य पौधों से उत्पन्न ई. कोलाई में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध और उनके मूत्र मार्ग और अन्य बाह्य आंतों के संक्रमण के कारण	20.10.2023
श्री सुनील कुमार चोपड़ा (2016PHDPPLG02)	सार्वजनिक नीति, विधि एवं शासन विभाग	डॉ. एस. कंदासामी	ग्रामीण राजस्थान में मुख्यमंत्री मुफ्त दवा योजना के कार्यान्वयन पर अध्ययन	11.10.2023
सुश्री गरिमा जियानचंदानी (2015PHDEN02)	अंग्रेज़ी	डॉ. संजय अरोड़ा	राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में व्याकरणीय योग्यता के परीक्षण की प्रासंगिकता	20.10.2023
सुश्री गरिमा खंगारोट (2018PHDCOM001)	वाणिज्य	प्रो. प्रवीण साहू	राजस्थान में स्थायी पर्यटन के लिए प्रचार रणनीतियों और नीतियों का अध्ययन: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	27.10.2023
श्री रतनलाल (2018PHDMT001)	गणित	डॉ. राम किशोर	समूहों के सिद्धांत और उनके ट्रांसवर्सल्स से संबंधित कुछ समस्याएँ	10.11.2023
श्री अविमनु शर्मा (2018PHDEVS002)	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. ऋतु सिंह	फाइटोन्यूट्रिएंट लोडेड नैनो ज़ियोलाइट आधारित उर्वरकों का संश्लेषण और मूल्यांकन	16.11.2023
सुश्री मनु प्रिया (2015PHDSW02)	सामाजिक कार्य	डॉ. शैज़ी अहमद	बारां जिले की साहरिया जनजाति के बच्चों में पोषण संबंधी आवश्यकताएँ और देखभाल पद्धति : मूल्यांकन और हस्तक्षेप	16.11.2023
श्री मोहम्मद आमिर	सामाजिक कार्य	डॉ. राजीव एम.एम.	राजस्थान में सिलिकोसिस रोगियों के जीवन गुणवत्ता और सामाजिक समर्थन प्रणाली पर	17.11.2023

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	अनुसंधान पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
(2015PHDSW03)			अध्ययन	
श्री किशोर मेहरा (2018PHDEC001)	अर्थशास्त्र	डॉ. एस. मूर्ती	भारत में मानव पूंजी, नवाचार और कुल फैक्टर उत्पादकता वृद्धि	17.11.2023
श्री पुष्पेंद्र (2018PHDCOM004)	वाणिज्य	डॉ. सुशिला कुमारी सोरिया	बौद्धिक पूंजी के मूल्यांकन और रिपोर्टिंग तथा इसके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ से संबंध का अध्ययन	20.11.2023
सुश्री पूनम मीना (2018PHDMT003)	गणित	डॉ. राम किशोर	फोटो-गुरुत्वाकर्षणीय अलेप्टिक रेस्ट्रिक्टेड फोर बॉडी प्रोबलम में स्थिर गति का अध्ययन	20.11.2023
सुश्री उषा कांटिवाल (2016PHDBT02)	जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. जनमेजय पांडे	बायोफिल्म गठन को अवरुद्ध करने के लिए Bacillus subtilis पर लक्षित परीक्षण प्रोटीन के छोटे अणु अवरोधकों का स्क्रीनिंग और विश्लेषण	20.11.2023
श्री राजेंद्र प्रसाद (2014PHDEN08)	अंग्रेज़ी	डॉ. संजय अरोड़ा	सोशल मीडिया का भाषा प्रयोग पर प्रभाव: अजमेर जिले के युवाओं का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन	28.11.2023
सुश्री प्रियंका मीना (2018PHDCOM002)	वाणिज्य	प्रो. प्रवीण साहू	ग्राहक संबंध प्रबंधन: सार्वजनिक और निजी बीमा कंपनियों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण	07.12.2023
श्री हरि राम (2016PHDSW03)	सामाजिक कार्य	प्रो. जगदीश जाधव	विशेष रूप से संवेदनशील आदिवासी समूह में आजीविका प्रथाओं में बदलाव और सामाजिक बहिष्कार: छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के एक मामले का अध्ययन	15.12.2023
सुश्री ज्योति (2019PHDPH004)	भौतिकी	डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	फाइबर ऑप्टिक सेंसर की बायो-सेंसिंग एप्लिकेशन विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए	18.12.2023
सुश्री पार्थवी रस्तोगी (2019PHDCOM002)	वाणिज्य	डॉ. सुशिला कुमारी सोरिया	एकीकृत रिपोर्टिंग पर निर्धारक और दृष्टिकोण: भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों से अंतर्दृष्टि	18.12.2023
सुश्री पूनम कुमारी (2018PHDCOM002)	वाणिज्य	डॉ. संजय कुमार पटेल	कार्बन फुटप्रिंट्स का माप और रिपोर्टिंग: पर्यावरणीय लागत का वित्तीय प्रदर्शन पर प्रभाव का अनुभवजन्य अध्ययन	26.12.2023
श्री सत्यबान साहू (2019PHDMBA07)	प्रबंधन	डॉ. संजय कुमार	उभरते और विकसित पूंजी बाजारों के बीच क्षेत्रीय सूचकांकों के बीच दीर्घकालिक संबंध और प्रसार	27.12.2023
सुश्री कविता (2019PHDPH005)	भौतिकी	डॉ. राजनीश कुमार वर्मा	नैनोसंरचित कोटेड ऑप्टिकल फाइबर सेंसरों का क्लिनिकल एप्लिकेशन	05.01.2024
श्री पवन कुमार सिंह (2019PHDSTA008)	सांख्यिकी	प्रो. अरविंद पांडे	कुछ नए संभाव्यता विभाजन: सांख्यिकीय अनुमान और अनुप्रयोग	10.01.2024
श्री ओमप्रकाश सुंडा (2018PHDHINDI02)	हिंदी	डॉ. संदीप रणभिरकर	हिंदी कविता में अभिव्यक्त किसान चेतना: 1990 से 2020 तक के विशेष संदर्भ में	19.01.2024

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	अनुसंधान पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
			अनुशीलन	
सुश्री अंजू देवी (2019PHDSTA003)	सांख्यिकी	डॉ. महेंद्र साहा	सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण की कुछ समस्याएँ	24.01.2024
सुश्री अनुष्का श्रीवास्तव (2019PHDCMS001)	CMS	डॉ. नीरू प्रसाद	भारत में मीडिया की प्रभावकारिता और स्वास्थ्य जागरूकता: उत्तर प्रदेश के लखनऊ में महिलाओं का अध्ययन	25.01.2024
सुश्री मोनालिशा बेहेरा (2016PHDES02)	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. ऋतु सिंह	जल से एंडोक्राइन डिसरप्टिंग रसायनों का हटाना: धातु नैनो कणों का उपयोग	25.01.2024
श्री सत्य प्रकाश भारती (2018PHDPH006)	भौतिकी	डॉ. सुखमंदर सिंह	हॉल थ्रस्टर में इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रतिरोधक अस्थिरताओं की जांच: इलेक्ट्रॉन बीम घनत्व और ध्रुवीय-आधारिक चुंबकीय क्षेत्र घटकों का प्रभाव	19.02.2024
सुश्री ममता यादव (2018PHDHINDI01)	हिंदी	डॉ. सुरेश सिंह राठौर	इक्कीसवीं सदी में राजस्थान का हिंदी कहानी लेखन: महिला और पुरुष लेखन दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन (2001 से 2020 तक)	23.02.2024
सुश्री किरण कुमारी (2017PHDCH03)	रसायन विज्ञान	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन	रासायनिक-कार्बनिक प्रतिक्रियाओं के लिए द्विप्रकार्यात्मक ऑर्गेनोकैटेलिस्ट्स का विवेचन	15.03.2024
सुश्री राजकिरण कुमारी (2017PHDCH06)	रसायन विज्ञान	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन	मोरिता-बेयलिस-हिलमैन प्रतिक्रिया द्वारा C-C और C-हेटरोएटम बॉन्ड बनाने में सक्रिय ओलेफिनिक प्रणालियों का उपयोग	18.03.2024
सुश्री ऋतु राज लक्षकार (2017PHDCH07)	रसायन विज्ञान	डॉ. चंद्रकांत दाश	कार्बन-नाइट्रोजन बॉन्ड बनाने वाली प्रतिक्रियाओं और अज़ोलों के एरिलेशन के लिए नई श्रेणी के जिंक, सोने और पैलडियम आधारित उत्प्रेरकों का डिजाइन	22.03.2024
सुश्री सुकन्या (2015PHDPHARM06)	फार्मेसी	डॉ. रूचि मलिक	ग्लाइकोजन सिंथेस किनेज़-3β अवरोधक का डिज़ाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन: एंटी-एल्जाइमर एजेंट के रूप में	22.03.2024
श्री मोहम्मद मुदस्सिर (2019PHDSTA007)	सांख्यिकी	प्रो. जितेंद्र कुमार	टाइम सीरीज रूपरेखा में मर्जर और अधिग्रहण (M&As) के सांख्यिकीय मॉडलिंग का अध्ययन	01.04.2024
सुश्री दीपिका साहिल (2017PHDCH01)	रसायन विज्ञान	डॉ. चंद्रकांत दाश	नई निकेल, रूथेनियम और कॉपर उत्प्रेरकों का विकास: C-H बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन और 1,3-डिपोलर सायक्लोएडिशन प्रतिक्रियाओं के लिए	01.04.2024
श्री पद्मा थिनलेस (2018PHDEN002)	अंग्रेज़ी	डॉ. देवेंद्र रांकावत	अंग्रेज़ी साहित्य में राष्ट्र का विचार: स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता बाद के उपन्यासों का अध्ययन	04.04.2024

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	अनुसंधान पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
सुश्री कस्तुरी धनवंत (2017PHDCH04)	रसायन विज्ञान	डॉ. तिरुमूर्ति	नाफथाइल प्रतिस्थापित ऑर्गेनोटिन/ऑर्गेनोसिलिकॉन डेरिवेटिव्स पर प्रयोगात्मक अध्ययन	19.04.2024
श्री अतुल जाखर (2019PHDMT002)	गणित	डॉ. आनंद कुमार	न्यूटोनियन द्रव में अस्थिरता का अध्ययन	17.05.2024
श्री रिन्स राजू (2018PHDEN005)	अंग्रेज़ी	डॉ. देवेंद्र रांकावत	समकालीन मलयाली प्रवासी समुदायों में समायोजन रणनीतियाँ: बेनयामिन और एम. मुकुंदन की चयनित कथा का अध्ययन	20.05.2024
श्री अजय महोर (2019PHDPHARM005)	फार्मेसी	प्रो. अमित कुमार गोयल	इन-सिलिको दृष्टिकोणों के माध्यम से एम्फोटेरिसिन बी की मौखिक जैव उपलब्धता में सुधार	25.04.2024
श्री कुलदीप सिंह (2019PHDPH006)	भौतिकी	डॉ. नीरज पँवार	कुछ दुर्लभ-पृथ्वी मुक्त पाइरोक्लोर्स के भौतिक गुणों का अध्ययन	03.06.2024
श्री गौरव मीना (2020PHDCS001)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	सेंटिमेंट विश्लेषण के लिए गहन शिक्षा आधारित दृष्टिकोण	03.06.2024
सुश्री मौसम कुमारी (2018PHDMT007)	गणित	डॉ. विजय कुमार यादव	फुजी और रफ स्वचालन के गणितीय और श्रेणीबद्ध अध्ययन	03.06.2024

आर.एस. – शोध पर्यवेक्षक, जे.एस. – संयुक्त शोध पर्यवेक्षक

वास्तुकला विभाग – स्नातकोत्तर शोध पत्र

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	शोध पर्यवेक्षक का नाम	शोध प्रबंध डिज़ाइन	पर्यवेक्षक का नाम
आद्रिका मुहुरी	वृद्ध लोगों के सहयोगी समुदाय: जयपुर के आवासीय क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों की धारणा का अन्वेषण	प्रो. नीरज गुप्ता	कोलकाता में सस्टेनेबल रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स	प्रो. नीरज गुप्ता और वास्तुकार बिबेकानंद मंडल (बाहरी मार्गदर्शक)
आर्यन गुप्ता	कानपुर के पड़ोसी स्कूल में छात्रों के लिए गतिशीलता का विश्लेषण	डॉ. स्वागतिका मिश्रा	कानपुर में बोर्डिंग स्कूल	वास्तुकार रितु बी. राय
चार्वी नवीन पटेल	जयपुर शहर के हाई-राइज विकास में किशोरों के बीच सामाजिक संवाद बढ़ाने के लिए मनोरंजनात्मक स्थानों का मूल्यांकन	डॉ. स्वागतिका मिश्रा	IIIT वडोदरा परिसर	प्रो. नीरज गुप्ता
दामिनी सलुजा	भारत के मंदिर नगरों में तीर्थ यात्रा और इसके सतत पुनरुद्धार की योजना	वास्तुकार रितु बी. राय	राय, मथुरा-वृंदावन में धार्मिक गांव और सांस्कृतिक क्षेत्र	वास्तुकार रितु बी. राय
धारवथ जैचरण	गर्म और आर्द्र जलवायु के स्कूल भवनों में थर्मल कम्फर्ट और ऊर्जा बचत बढ़ाने के लिए थर्मल मास की संभावनाओं का अध्ययन	डॉ. सुनील शर्मा	सस्टेनेबल इंटरनेशनल स्कूल डिज़ाइन	वास्तुकार रितु बी. राय
खुशबू	विभिन्न स्तरों पर ब्लू ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर की समझ	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	IIT दिल्ली एक्सटेंशन कैंपस, सोनीपत	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी
एम. प्रदीप कुमार	बाढ़ प्रतिरोधी शहरी पड़ोस की दिशा में: प्रभावी रणनीतियों के लिए संभावित संकेतकों की पहचान	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	नए रायपुर में विधायी परिसर	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी
मंसी अशोक परवाल	विदर्भ क्षेत्र, महाराष्ट्र के अनदेखे जल खजाने (पानी के कुएं): तीन कुओं के मामले का अध्ययन	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	'विवान' - इको हाउसिंग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	शोध पर्यवेक्षक का नाम	शोध प्रबंध डिज़ाइन	पर्यवेक्षक का नाम
प्रतिभा वर्मा	राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य में पारंपरिक निर्माण प्रथाओं का संभावित उपयोग: चकरनगर, इटावा, उत्तर प्रदेश का केस अध्ययन	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी	गाँव रिसॉर्ट, इटावा	वास्तुकार विवेकानंद तिवारी
राहुल टाक	ढूंढर क्षेत्र के किलों में दिन की रोशनी का भूमिका - जयपुर के किलों (अंबर और नाहरगढ़ किलों के मामले) का विश्लेषणात्मक अध्ययन	वास्तुकार महेश कुमार	हाइब्रिड विकास हैदराबाद	वास्तुकार रितु बी. राय
समता डोडिया	भारत में उच्च शैक्षिक संस्थानों के महिला छात्रावास में उपयोगकर्ता संतुष्टि का विश्लेषण	वास्तुकार रितु बी. राय	समूह आवास, यवतमाल	वास्तुकार रितु बी. राय
शिवम कुमार	ग्रामीण बस्तियों के विश्लेषण के लिए पैटर्न भाषा का उपयोग: क्रिस्टोफर अलेक्जेंडर की 'ए पैटर्न लैंग्वेज' का अध्ययन	वास्तुकार रितु बी. राय	बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय, वैशाली	वास्तुकार रितु बी. राय
सम्बुल शमीम	जयपुर शहर के पड़ोस के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में आस-पास के क्षेत्रों में टहलने की क्षमता के प्रति महिलाओं की धारणा का विश्लेषण	डॉ. स्वागतिका मिश्रा	औद्योगिक टाउनशिप, चेन्नई	प्रो. नीरज गुप्ता
तमन्ना शर्मा	परिवर्तन निर्माण: सतत उच्च शिक्षा संस्थान प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी की शक्ति	वास्तुकार रितु बी. राय	तकनीकी विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा	वास्तुकार रितु बी. राय

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग - शोध पत्र

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
फिरनास शम्सु पी. पी.	HEC-HMS और बायस करेक्टेड CMIP6 GCMs का उपयोग करते हुए ऊपरी गोदावरी नदी बेसिन, भारत में हाइड्रोलॉजिकल क्षेत्र पर	डॉ. देवेश शर्मा

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	
माधुरी वैष्णव	अजमेर, भारत में सांख्यिकीय डाउनस्केलिंग मॉडल और CMIP5 GCMs का उपयोग करके सूखा प्रक्षिप्ति	डॉ. देवेश शर्मा
मुकेश	GIS और विश्लेषणात्मक श्रेणी प्रक्रिया (AHP) विधि का उपयोग करते हुए दामोदर नदी बेसिन में बाढ़ खतरों का मानचित्रण	डॉ. देवेश शर्मा
नटराजन एन	SWAT मॉडल का उपयोग करते हुए ऊपरी कावेरी नदी बेसिन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का मॉडलिंग	डॉ. देवेश शर्मा
प्रदीप	माही नदी बेसिन, भारत में मरुस्थलीकरण सूचकांक का उपयोग करके मरुस्थल संवेदनशीलता का मूल्यांकन	डॉ. देवेश शर्मा
साक्षी सिंह	गंगोत्री ग्लेशियर की सीमांकन और संचित क्षेत्र अनुपात का उपयोग करके द्रव्यमान संतुलन का अनुमान	डॉ. देवेश शर्मा
एल्फ्रेड थॉमस जोस	पश्चिमी विक्षोभों के साथ वायुमंडलीय नदियों के संघटन का अध्ययन: WRF-ARW का उपयोग करके अवलोकन और मॉडलिंग दृष्टिकोण	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा
फातिमा नीमा केके	WRF मॉडलिंग प्रणाली का उपयोग करके आंधी-तूफान सिमुलेशन में प्रारंभिक और सीमा शर्तों का प्रभाव	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा
पौशाली देब	3DVAR मौसमीय डेटा असिमिलेशन और WRF-CHEM का उपयोग करके हरियाणा, भारत में हीट वेव 2022 के सिमुलेशन पर एरोसोल का प्रभाव	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा
स्वाति वी एस	आंधी-तूफान के गतिशीलता पर आकाशीय बिजली का प्रभाव: एक मॉडलिंग दृष्टिकोण	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा
देबानंदन महापात्रा	किशनगढ़ के औद्योगिक प्रदूषण का कुल कण भार पर योगदान का मूल्यांकन	डॉ. चिन्मय मलिक
कृष्णेंदु एस	भारत में एरोसोल-बादल इंटरैक्शन का वर्षा पैटर्न पर प्रभाव का अध्ययन	डॉ. चिन्मय मलिक
संदीप नंदी	भारत में आकाशीय बिजली हॉटस्पॉट्स पर NOx निर्माण पर आकाशीय बिजली के प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. चिन्मय मलिक
सोनू यादव	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ में मौसमी पैटर्न के अनुसार कण पदार्थ का मूल्यांकन	डॉ. चिन्मय मलिक
वसना माधुरी साई	ब्राउन ओशन प्रभाव के तंत्र का विश्लेषण	डॉ. जयंती पाल

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
लता		
निरंजन कृष्णा	राजस्थान और आंध्र प्रदेश के बीच हीट वेव का विश्लेषण और इसके हीट स्ट्रेस पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन,	डॉ. जयंती पाल
अनस्वरा एस आर	स्क्वाल लाइन सिमुलेशन पर बादल सूक्ष्मविज्ञान पर संवेदनशीलता अध्ययन	डॉ. जयंती पाल
अंकित वी ए	डॉपलर वेदर रडार से Z-R संबंध का उपयोग करते हुए मात्रात्मक वर्षा अनुमान	डॉ. जयंती पाल
रिस्ना उस्मान ए	उत्तरी भारतीय महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात की त्वरित तीव्रता	डॉ. जयंती पाल
आयुष कुमार सिन्हा	दिल्ली में कार्बनिक एरोसोल का मूल्यांकन MERRA-2 और जमीनी आधारित डेटा का विश्लेषण	डॉ. जय प्रकाश
दिलना आनंद एम	MERRA-2 उत्पादों और भू-आधारित मापनों का उपयोग करते हुए भारत के दो भिन्न जलवायु क्षेत्रों में PM2.5 की दैनिक और मौसमी भिन्नताएँ	डॉ. जय प्रकाश
सार्गप्रिया एम वी	राजस्थान के नॉन-अटेनमेंट शहरों में वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन और उनकी मौसमी भिन्नताएँ	डॉ. जय प्रकाश
तुफैल अहमद	दिल्ली के शहरी स्थल में PM2.5 की रासायनिक विशेषताएँ, उनके स्रोत और स्वास्थ्य जोखिम	डॉ. जय प्रकाश

जैव रसायन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
एम.एससी. शोध निबंध (2023-24 बैच)		
रिंकू यादव	विभिन्न एबीओटिक तनाव स्थितियों में कैल्शियम परिवहन ATPase4 जीन का जीनोम-व्यापी और अभिव्यक्ति विश्लेषण	डॉ. दीपक गायन
आयुषी शर्मा	माइक्रोबायोम मेटाबोलाइट्स का मेज़बान प्रतिरक्षा पर प्रभाव और Acinetobacter Baumannii पर उनका प्रभाव	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
अरुणिमा जयसवाल	स्तन ट्यूमरिजेनेसिस में DANCR के भूमिका का उद्घाटन	डॉ. भावना बिस्सा

जया कुमारी	लक्षित एंटीमलेरिया दवाओं की डिलीवरी के लिए एप्टामर का डिज़ाइन	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
हर्षिता भट्ट	पृथक किए गए मृदा बैक्टीरिया और उसके मेटाबोलाइट्स की Acinetobacter Baumannii पर एंटिमाइक्रोबियल गतिविधि का मूल्यांकन	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
दुर्गावती कोमरे	स्तन ट्यूमरिजेनेसिस में रूटीन के एंटी-कैंसर प्रभाव की समझ	डॉ. भावना बिस्सा
मोनिका	ऑस्टियोक्लास्टिक गतिविधि के लिए जिम्मेदार CSF-1 को लक्षित करने के लिए miR200c, NFATC1 को नियंत्रित करता है	प्रो. चंडी सी. मंडल
कंचन	प्रोबायोटिक्स द्वारा स्रावित बाह्य मेटाबोलाइट्स का Acinetobacter Baumannii पर बायोफिल्म और पर्सिस्टेयर कोशिकाओं पर प्रभाव का अध्ययन	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
प्रशंसा गोयल	BRCA कोशिकाओं में अनपेक्षित ZSWIM3 अभिव्यक्ति का नियमन और इसके दवाओं की पहचान	प्रो. चंडी सी. मंडल
अमन कुमार	चावल जर्म प्लाज्म में विटामिन C बायोसिंथेसिस का प्राकृतिक आनुवंशिक भिन्नता	प्रो. संजीब के. पांडा
अश्वर्या गोस्वामी	प्लंबागिन प्रकार्यात्मक सिल्वर नैनोपार्टिकल्स का विकास; एंटीऑक्सीडेंट और एंटीडायबिटिक गतिविधि के लिए प्रभाव	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
प्रणय बुंदेल	सिल्वर नैनोपार्टिकल्स की सरल सिंथेसिस और कार्यात्मक सतहों के साथ; एंटीबैक्टीरियल, फ्री रैडिकल स्केवेंजिंग और भारी धातु अवशोषण गुणों की जांच	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
दीक्षा संदीप राउत	प्लंबागिन-संशोधित गोल्ड नैनोपार्टिकल्स की एंटीऑक्सीडेंट और एंटीडायबिटिक गतिविधियाँ	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
ऋतिक गर्ग	स्तन कैंसर में विभिन्न जिंक फिंगर प्रोटीन की अभिव्यक्ति के बीच संबंध की खोज	प्रो. चंडी सी. मंडल
रोपल सैनी	सिंथेटिक और सूक्ष्म जीवाणु बायोएक्टिव यौगिकों की एंटिमाइक्रोबियल क्षमता का मूल्यांकन	डॉ. शिव स्वरूप
शाश्वती प्रज्ञा	हेमोकंपैटिबिलिटी और एंटीबैक्टीरियल अनुप्रयोगों के लिए आयोनाइज्ड-	डॉ. हेमंत कुमार

	रिड्यूस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स की सतह संशोधन;	दायमा
शुभी बिंदल	बुनियादी एमीनो एसिड्स द्वारा कार्यात्मक गोल्ड नैनोपार्टिकल्स; जीनोम इंटरैक्शन और बायोसेंसिंग क्षमता का मूल्यांकन	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
विजया	राजस्थान के शुष्क क्षेत्रीय कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की मृदा से माइक्रोबायोम का चरित्र निर्धारण	प्रो. संजीब के. पांडा
राजत कुमार	प्लाज्मोडियम फाल्सीफेरम के कैल्शियम निर्भर प्रोटीन किनेज (CDPK) के विरुद्ध हिट यौगिकों की पहचान और PFCDPK1 का प्रोटीन शुद्धिकरण	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
अंजलि सिंह	मृदा सूक्ष्मजीव समुदाय की एंटिमाइक्रोबियल क्षमता का अन्वेषण; द्वितीयक मेटाबोलाइट्स की जैव सक्रियता मूल्यांकन	डॉ. शिव स्वरूप
नंदिनी अग्रवाल	विभिन्न एबीओटिक तनावों के तहत Cicer Arietinum में E3 यूबिक्विटिन लिगेज की इन-सिलिको पहचान और अभिव्यक्ति विश्लेषण	डॉ. दीपक गायन
अपर्णा रामकृष्णन पी. एन.	CaFBN6 जीन का क्लोनिंग और ट्रांसफॉर्मेशन; एक आणविक दृष्टिकोण	डॉ. दीपक गायन
लीसा रानी बिसोया	बीकानेर क्षेत्र के PGPR में ACC डेमीनेज़ गतिविधि की जैव रासायनिक और आनुवंशिक स्क्रीनिंग	डॉ. शिव स्वरूप
गौरव मिश्रा	Euphorbia Neriifolia लैटेक्स की एंटिमाइक्रोबियल गतिविधियों की जांच	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
रिया पारीक	HEK293 T कोशिकाओं पर कैल्शियम ऑक्सलेट के प्रभाव का अध्ययन	प्रो. चंडी सी. मंडल
साक्षी मेहता	कैंसर कोशिका रूपरेखा पर विभिन्न ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स के अधिक अभिव्यक्ति का प्रभाव	प्रो. चंडी सी. मंडल
सुमन	जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स की संश्लेषण; एक सतत दृष्टिकोण	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
लविना तंवर	Withania Somnifera का उपयोग करके गोल्ड और सिल्वर नैनोपार्टिकल्स की हरित सिंथेसिस	डॉ. हेमंत कुमार दायमा

मोनालिसा देवांगन	मृदा नमूनों से एंटीमाइक्रोबियल उत्पादक बैक्टीरिया का पृथक्करण और विश्लेषण	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
वरिया	Arabidopsis Thaliana में रूपांतरण के लिए वृद्धि चरण-आधारित भेदी गुणसूत्र विश्लेषण का अनुकूलन	प्रो. संजीब के. पांडा
श्रिया घांघस	मृदा बैक्टीरियल माइक्रोबायोम का चरित्र निर्धारण; एक प्रारंभिक अध्ययन	प्रो. संजीब के. पांडा
पंकज सेन	Heliotropium Steudneri पौधे के पत्तों के अर्क की एंटी माइक्रोबियल गुणों का मूल्यांकन	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
पल्क चौधरी	हाइपोक्सिया और ऑटोफैगी के बीच संबंध	डॉ. भावना बिस्सा
मीता गुप्ता	Acinetobacter Baumannii के CYSW प्रोटीन और होस्ट MBD6 प्रोटीन के बीच इन-सिलिको इंटरैक्शन का अध्ययन	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
इंटीग्रेटेड एम.एससी. शोध पत्र (2023-24 बैच)		
अनन्या ठाकुर	पिज़न मटर में आयरन तनाव की जैविक और आणविक समझ	प्रो. संजीब के. पांडा
अर्पिता सैनी	हेलिकोबैक्टर पायलोरी के CagA प्रोटीन के आणविक तंत्र पर इन-सिलिको अन्वेषण	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
आयरा नायक	CRISPR/Cas9 तकनीक से Os VTC2 जीन का जीन संपादन कैसट डिज़ाइन	प्रो. संजीब के. पांडा
आर्यन चौधरी	एसीनोबैक्टर बाउमन्नी के द्विक्रियात्मक प्रोटीन Glmu के इनहिबिटर की इन-सिलिको पहचान और इसका प्रयोगात्मक सत्यापन	डॉ. विश्वनाथ तिवारी
आयुषी कौल	कांचनार और अश्वगंधा की आयुर्वेदिक फार्मुलेशन्स से गोल्ड नैनोपार्टिकल्स की सिंथेसिस; पेरोक्सीडेज-मिमिकिंग और एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि का मूल्यांकन	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
दीपिका कुमारी	लक्षित मार्करों की पहचान के लिए सिलिकोसिस और फेफड़ों के कैंसर के बीच संबंध स्थापित करना	प्रो. चंडी सी. मंडल
दीव्या मुदगल	पत्थर निर्माण से जुड़े किडनी कोशिकाओं में कैल्शियम संचय के लिए	प्रो. चंडी सी. मंडल

	जैविक प्रक्रियाओं का संवर्धन	
गुर्जोत सिंह	चिकपिया (Cicer Arietinum) में सूखा-प्रतिक्रियाशील एस्पार्टाइल प्रोटीज जीन की इन-सिलिको पहचान और क्लोनिंग	डॉ. दीपक गायन
किरण चौधरी	खारे जल झीलों से हैलोअल्कलीफाइल बैक्टीरिया से द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का निष्कर्षण और मूल्यांकन	डॉ. शिव स्वरूप
लोचन मीना	L- Asparginase एंजाइम का अधिक अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण और इसके काइनेटिक पैरामीटरों का विश्लेषण	डॉ. शिव स्वरूप
मेंका प्रभाकर	NADPH निर्भर एल्डिहाइड रिडक्टेज जीन का जीनोम-व्यापी विश्लेषण और Cicer Arietinum में बीज जीवन शक्ति पर इसका प्रभाव	डॉ. दीपक गायन
नकुल बेनिवाल	Tinospora Cordifolia से प्राप्त Exosomes की एंटी-कैंसर प्रभावशीलता का मूल्यांकन	डॉ. भावना बिस्सा
रिया सेन	जैविक प्रदूषकों के विघटन के लिए डिज़ाइन की गई धातु ऑक्साइड नैनोकॉम्पोजिट्स	डॉ. हेमंत कुमार दायमा
संदीप नागराज	Leishmania Donovani के कई किनेस के खिलाफ हिट यौगिकों की पहचान	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी
तमन्ना	Pyrrole यौगिकों की PI3K/AKT/MDM2 पथ में भूमिका की खोज, PDAC में	डॉ. दीपक गायन
विश्रु प्रिया	Ocimum Tenuiflorum पत्तियों से प्राप्त Exosomes की एंटी-कैंसर प्रभावशीलता का मूल्यांकन	डॉ. भावना बिस्सा
दीपक बोराना	न्यापा वायरस के लिए जन्मजात प्रतिरक्षा आधारित उन्मूलन के लिए पेप्टाइड लिगेंड कॉम्प्लेक्स डिजाइन करना	डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी

इंटीग्रेटेड एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अमन शर्मा	मूंगफली के बीज, किण्वित मूंगफली और अंकुरित मूंगफली में अमायलॉइड सामग्री का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. जय कान्त यादव

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अमृता कुमारी	सिल्वर और कॉपर ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स का तुलनात्मक एंटीबैक्टीरियल, एंटीबायोफिल्म और साइटोटॉक्सिसिटी पोटेंशियल	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
अनुराधा महतो	मक्का की पत्तियों के सड़न रोग के कारण होने वाले फफूंद के स्ट्रेनों से निपटने के लिए बैक्टीरिया आइसोलेट्स का मूल्यांकन	डॉ. खेम राज मीना
आज़ाद जोर्वाल	एंसीस्ट्रोक्लाडिनियम के क्रिया तंत्र की इन-सिलिको व्याख्या	प्रो. पंकज गोयल
धर्म कपूर	फ्लुकोनाजोल-प्रतिरोधी स्ट्रेन के खिलाफ कैण्डिडा एल्बिकन्स (ATCC 10231) पर नए पाइरीमिडाइन डेरिवेटिव्स की एंटी-बायोफिल्म क्षमता का मूल्यांकन	प्रो. गजानन बी. जोरे
फेरोज अहमद	सलमोनेला एंटेरिका के फ्रक्टोज़ एसपरागिन उपयोग मार्ग के FraB डिग्लाईकेज जीन की क्लोनिंग और इसका एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध प्रोफाइलिंग	डॉ. खेम राज मीना
हर्षदीप	इन-सिलिको STK35L1 की संरचनात्मक विशेषताओं का विश्लेषण जो NEDD4L के साथ इंटरैक्शन के लिए आवश्यक हैं	प्रो. पंकज गोयल
हिमेश कुमार देव	डेंगू के लिए एक नए एपिटोप की पहचान के लिए इन-सिलिको डाइग्नोस्टिक मार्कर	डॉ. तरुण कुमार भट्ट
नेहा चौधरी	पॉलीविनाइल क्लोराइड माइक्रोप्लास्टिक पर खाद्य सेवन से स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपेरडा (फॉल आर्मीवॉर्म) के गुणसूत्र और प्रजनन पैरामीटर में बदलाव	डॉ. जयेंद्र नाथ शुक्ला
रुत्वी जैन	रिफाम्पिसिन और सिप्रोफ्लोक्सासिन एंटीबायोटिक्स से लोडेड चिटोसन नैनोपार्टिकल्स का संश्लेषण और गुणसूत्र परीक्षण	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
साबिर कुमार साहू	किचन एराइटिनम (चिकपी) में वृद्धि संवर्धन और एबियोटिक तनाव न्यूनीकरण के लिए रीकॉम्बिनेंट बैसिलस सबटिलिस बायोफिल्म मैट्रिक्स प्रोटीन TasA (28-261) और TapA (33-253) की जांच	डॉ. जनमेजय पांडे
सोहेल तनवीर	डेंगू संक्रमण की सटीक निदान के लिए प्रोटीन मार्कर की पहचान	डॉ. तरुण कुमार भट्ट
उदित बघेल	कैण्डिडा एल्बिकन्स के मोर्फोजेनेसिस और प्लांक्टोनिक वृद्धि पर पाइरीमिडाइन डेरिवेटिव्स का प्रभाव	प्रो. गजानन बी. जोरे
अतुल सूर्य	पॉलीविनाइल क्लोराइड पूरक आहार पर पलायन वाले स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपेरडा लार्वा के जीवन चक्र पर एंटीबायोटिक्स के प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. जयेंद्र नाथ शुक्ला
दीपाली बामनिया	मानव PDIK1L के एक नए किनेज जीन की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति	प्रो. पंकज गोयल

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
लक्की शर्मा	असीशा निलोतिका की छाल के अर्क का उपयोग करके कॉपर ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स का हरे रंग में संश्लेषण और उनके फोटोकैटलिटिक अपघटन क्षमता का मूल्यांकन	डॉ. सुरेन्द्र निमेश
मित्ता बिंदुसरी	सरसों के बीज के केक से अमायलॉइड जैसे प्रोटीन एग्रीगेट्स का पृथक्करण और लक्षण वर्णन	डॉ. जय कान्त यादव
पूनम	युबिक्विटिन एंजाइम्स E1, E2 (E2-25K) की अभिव्यक्ति, शुद्धिकरण और E2-25K को लक्षित करने वाले अवरोधकों का इन-सिलिको डिज़ाइन: एक संभावित चिकित्सीय रणनीति	डॉ. गजेंद्र सिंह
स्नेहा सोनी	सालिपालुडिबैक्टीरियस स्ट्रेन CUR1 का कंप्यूटेशनल विश्लेषण और इसकी एंडोस्पोर गठन क्षमता की जांच	डॉ. जनमेजय पांडे
स्रीजीता सिन्हा	कैण्डिडा एल्बिकन्स के निम्न हाइड्रोस्टैटिक दबाव के प्रति उत्तरदायी ट्रांसक्रिप्ट्स की पहचान	प्रो. गजानन बी. जोरे
करण सिंह चौहान	mRNA संशोधनों में सुमोलेशन की संभावित भूमिका का अन्वेषण	डॉ. जय कान्त यादव
किशन कुमार	चिकपी (Cicer arietinum) में बोट्राइटिस सिनेरिया के संक्रमण में प्रभावी बोट्राइटिस सिनेरिया प्रभावक प्रोटीन की भूमिका का मूल्यांकन	डॉ. जय कान्त यादव
प्रकाश कुमार मौर्य	NAC1 जीन संपादन के लिए CRISPR निर्माणों का डिज़ाइन और मूल्यांकन, जिससे वायरस-प्रतिरोधी टमाटर (Solanum lycopersicum) किस्मों का विकास	प्रो. गजानन बी. जोरे
प्रिय कंवर	साइमोप्सिस ट्रैगोनोलोबा की राइजोमास्फीयर से पृथक PGPBs का बायोफिल्म निर्माण और उनके सिमुलेटेड एबियोटिक तनाव न्यूनीकरण पर प्रभाव का मूल्यांकन	डॉ. जनमेजय पांडे
रीचा कुमारी	प्रायन प्रोटीन के फोल्डिंग में संरक्षित एरोमेटिक अमीनो एसिड की भूमिका	डॉ. गजेंद्र सिंह
शुभम आनंद	विभिन्न पैथोफिजियोलॉजिकल स्थितियों के तहत माइटोकॉन्ड्रिया में प्रोटीन ट्रैफिकिंग का अध्ययन करने के लिए एक बायोसेंसर का विकास	प्रो. पंकज गोयल
कृती सिंगल	प्लास्मोडियम फाल्सीफेरम के प्रारंभिक ट्रांसक्राइब्ड मेम्ब्रेन प्रोटीन 10.3 का उपयोग करते हुए मलेरिया के निदान के लिए एपटासेंसर का इन-सिलिको डिज़ाइन	डॉ. तरुण कुमार भट्ट
आयुषी जैन	आना सागर झील के पानी की बैक्टीरियल विविधता और उनके एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की निगरानी	डॉ. खेम राज मीना

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
फैज़ा अब्दाली	परासिटोफोरस वैक्यूलर मेम्ब्रेन प्रोटीन का उपयोग करते हुए निदान के लिए एपटामर का इन-सिलिको पहचान और विकास	डॉ. तरुण कुमार भट्ट
ईशा पंवार	विभिन्न आदेशों से कीटों के TSSK लक्ष्यों के होमोलॉग्स की खोज और उनका इन-सिलिको विश्लेषण, संरक्षित मोटिफ़ के लिए	डॉ. जयेंद्र नाथ शुक्ला
चेतना सोनी	पुष्कर झील की माइक्रोफ्लोरा का अन्वेषण और उनके एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की निगरानी	डॉ. खेम राज मीना
दीपिका शर्मा	जैविक और रासायनिक विधियों का उपयोग करके सिल्वर नैनोपार्टिकल्स का संश्लेषण और उनके एंटीबैक्टीरियल पोटेंशियल का मूल्यांकन	डॉ. सुरेन्द्र निमेश

रसायन विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
धर्मपाल चौधरी	क्रोमोन-आधारित डेरिवेटिव का डिज़ाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
जितेंद्र कुमार	नए क्रोमोन-आधारित डेरिवेटिव का संश्लेषण	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
मनीष कुमार	नए शिफ बेस यौगिक का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरण	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
सुकेश कुमार पटेल	रिड्यूस्ड पिंसर लिगैंड पर आधारित कॉपर (II) काम्प्लेक्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
सोनी कुमारी	8-अमिनोक्विनोलिन और 3-फॉर्मिल-6-मिथाइल क्रोमोन द्वारा संयोजन प्राप्त शिफ बेस लिगैंड पर आधारित धातु काम्प्लेक्स का संश्लेषण	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
पराक्रम प्रताप सिंह शेखावत	3-फॉर्मिल क्रोमोन और 8-अमिनोक्विनोलिन द्वारा संयोजन से प्राप्त क्रोमोफोर लिगैंड के साथ कोबाल्ट-मेटल काम्प्लेक्स का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उत्प्रेरक अनुसंधान	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
पवन कुमार	क्रोमोन लिगैंड-आधारित पैलाडियम काम्प्लेक्सेशन का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेंद्र गोस्वामी
अनिता सैनी	अल्जाइमर रोग के संदर्भ में विभिन्न मल्टीफंक्शनल मॉलिक्यूल्स के ऑक्टानोल-वॉटर पार्टीशन गुणांक (Log P) का निर्धारण	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
नेहा राजना	बायोटिन-चीलेशन के साथ रुथेनियम मेटल काम्प्लेक्स का डिज़ाइन,	डॉ. अनुज कुमार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	संश्लेषण और लक्षण वर्णन	शर्मा
सलोनी कुमारी	अल्जाइमर के कॉलिनर्जिक परिकल्पना के संदर्भ में कुछ प्राकृतिक यौगिकों की संभावनाओं का अनुसंधान	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
अनार्घा टी.	स्टिल्बेने डेरिवेटिव्स के अवशोषण और उत्सर्जन अध्ययन	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
अभिषेक मीना	Aza-oxyallyl कैटियन को मुख्य मध्यवर्ती के रूप में उपयोग करते हुए डायहाइड्रो-पाइरिडोइंडोल और उनके समकक्षों का निर्माण	डॉ. रितेश सिंह
मानस्वी शर्मा	Aza-oxyallyl कैटियन को मुख्य मध्यवर्ती के रूप में उपयोग करते हुए 4,1-बेंजोक्साज़ेपीन स्कैफोल्ड और एनालॉग्स का कुशल निर्माण	डॉ. रितेश सिंह
विमल यादव	Aza-oxyallyl कैटियन के साथ डाइसल्फाइड्स और डाइसीलीनाइड्स के क्रॉस इलेक्ट्रोफाइल कपलिंग के माध्यम से C-S और C-Se बंधों का निर्माण	डॉ. रितेश सिंह
नेहा सिंह	इंडोल्स का रूम टेम्परेचर पर कॉपर उत्प्रेरित रेजियो-सेलेक्टिव फ्लुओरॉलकोहलेशन	डॉ. रितेश सिंह
पिजुस मंडल	डाइअरील सल्फोक्सीमिन्स का मेटल फ्री N-एरीलेशन, डाइअरील आयोडोनियम लवणों का उपयोग करते हुए रूम टेम्परेचर पर	डॉ. रितेश सिंह
विकास स्वामी	मोरिता-बायलिस-हिलमैन कीटोन्स से उत्पन्न सैचुरेटेड इमिडाज़ोपाइरीडाइन की ड्यूटरेशन	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
सुनीधी ओझा	मोरिता-बायलिस-हिलमैन कीटोन्स से उत्पन्न डिएनामाइन का γ-फंक्शनलाइजेशन	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
रुपिका जैन	टेट्राहाइड्रोक्सांथेनोन से नवीन हाइड्राज़ोन का संश्लेषण	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
अपूर्वा सक्सेना	टेट्राहाइड्रोक्सांथेनोन से Borsche-Drechsel साइकलाइजेशन रिएक्शन के माध्यम से नवीन चिरल टेट्राहाइड्रोक्रोमेनो कार्बाज़ोल्स का संश्लेषण	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
श्रीनिवास खटुआ	स्क्वारामाइड-टैग्ड प्रोलीन मिथाइल एस्टर उत्प्रेरित मेलाइमाइड्स का डेसिम्मेट्रिज़ेशन	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
रनु जयसवाल	डिएनामाइन का मेलाइमाइड से रिएक्शन: बेंजोदायज़ेपीन का एक्सेस	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
प्रेरणा प्रिय	मोरिता-बायलिस-हिलमैन (MBH) कीटोन्स से डिएनामाइन के माध्यम से	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	एक्रिडिन्स का संश्लेषण	
सिया मीना	मोरिता-बायलिस-हिलमैन कीटोन्स के अनुप्रयोगों की अन्वेषण करना, स्पिरोऑक्सिंडोल्स और प्रतिस्थापित नाफ्थोक्विनोनस की पहुँच	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन
हिमानी शर्मा	कोबाल्ट काम्प्लेक्स उत्प्रेरित 3,3'-(फेनिलमिथाइलेन)बिस(1H-इंडोल) का संश्लेषण	डॉ. हेमंत जोशी
नीरज कुमार	2-अमिनोएसीटोपेफ्थोनों और बेंजिल अल्कोहल से 4-क्विनोलोन का संश्लेषण, मैंगनीज NNSe पिंसर काम्प्लेक्स के माध्यम से	डॉ. हेमंत जोशी
गुंजन सोनी	NNS-मैंगनीज पिंसर काम्प्लेक्सेस का डिज़ाइन, संश्लेषण और 2-फेनिलक्विनाज़ोलिन-4(3H)-वन के संश्लेषण में उनका अनुप्रयोग	डॉ. हेमंत जोशी
प्रियंका सचान	मेटल, सॉल्वेंट और एडिटिव फ्री सिंगल-पॉट संश्लेषण, फ्लूओरो-प्रतिस्थापित डाइअरीलमेथेन डेरिवेटिव्स	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
तेजस्वी	प्रमोटर और एडिटिव फ्री विधि से क्लोरो-प्रतिस्थापित डाइअरीलमेथेन डेरिवेटिव्स का वन-पॉट संश्लेषण	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
चंदन दास	फेरोसीन मेथानॉल का संश्लेषण और फेरोसीन मेथानॉल और हेटेरोसायक्लिक यौगिकों के साथ C-C क्रॉस कपलिंग, लेविस एसीड द्वारा संचालित	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
प्रगति मीना	उत्प्रेरक और मध्यस्थ मुक्त एक-पॉट C-C क्रॉस कपलिंग प्रतिक्रिया	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
प्रतिभा चौधरी	मेसिटीलीन के साथ उपयुक्त बेंजाइल हैलाइड्स का C-C क्रॉस कपलिंग प्रतिक्रिया	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
पवन शर्मा	फ्लुओरेसेंट अध्ययन के लिए काउमारिन युक्त ऑर्गैनोटिन यौगिक	डॉ. थिरूमूर्ति रामलिंगम
आर्टी यादव	NixSey नैनोपार्टिकल्स का संश्लेषण विधि और रणनीति: विभिन्न जैविक प्रतिक्रियाओं में उत्प्रेरक अनुप्रयोग	डॉ. पार्थ राय
खेमराज रंउला	निकेल टेल्यूराइड नैनोपार्टिकल्स का डिज़ाइन और संश्लेषण	डॉ. पार्थ राय
संतोष कुमार	कोबाल्ट(0) नैनोपार्टिकल्स का संश्लेषण और उनका अनुप्रयोग	डॉ. पार्थ राय
तानु पंवार	TiO2 सतह पर हाइड्रॉक्सिल समूहों का संवर्धन: तंत्र, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग	डॉ. पार्थ राय

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
त्रिलोक चंद मीना	निकेल टेल्यूराइड नैनोपार्टिकल्स के उत्प्रेरक अनुप्रयोग	डॉ. पार्थ राय
आर्टी मेहरा	एरिलएसीटोनिट्राइल्स पर बेंजाइलिक स्थिति में ड्यूटरेशन: पद्धति और विश्लेषण	डॉ. एम. भानुचंद्रा
पालक राकेश	प्रोपार्जिलिक अल्कोहल्स से इंडेनों का ट्रांजीशन-मेटल-फ्री संश्लेषण	डॉ. एम. भानुचंद्रा
कानिगिरी वानी विश्वनाथ	हेटेरोआरेन्स का रेजियोकंट्रोल्ड C4-एराइलशन, सल्फोक्साइड समूहों द्वारा निर्देशित	डॉ. एम. भानुचंद्रा
अनुकोल सक्सेना	आणविक चुंबकत्व	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
नितिन कुमार	फ्लोरेन्थीन-आधारित क्रोमोफोर्स का संधान जो सिंगलेट फिशन के लिए उपयुक्त हो	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
दीपांशी अग्रवाल	जैविक रेडिकल्स में चुंबकत्व और क्वबिट्स के निर्माण पर अनुसंधान	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
आस्था शर्मा	एसिनैपथलिनीन-आधारित क्रोमोफोर्स का संधान जो सिंगलेट फिशन के लिए उपयुक्त हो	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
साक्षी अरोरा	अज़ाबोडीपीवाई-1-3-डायमर के सिंगलेट फिशन डायनामिक्स पर अनुसंधान	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
शिखा सिंह	H-बॉन्डेड अज़ो-सीएनफेनोल डाइमर्स में उत्तेजक विभाजन का कंपन उत्सर्जन	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
आनंद कुमार मिश्रा	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षा उपकरण के रूप में कंप्यूटेशनल रसायनविज्ञान का उपयोग	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम
आर्यन	N-हेटेरोसायक्लिक कार्बीन-पलाडियम(II) उत्प्रेरित आइसोइंडोल डेरिवेटिव्स का संश्लेषण	डॉ. चंद्रकांता दास
शिशुपाल साल्वी	बुल्की बिस-(इमिनो) पाइरीडाइन लिगैंड-कोबाल्ट(II) काम्प्लेक्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. चंद्रकांता दास
हृदय रंजन महंता	कार्बनिक अज़ाइड्स को नाइट्रोजन स्रोत के रूप में उपयोग करते हुए ज़िंक उत्प्रेरित C-N बंध निर्माण प्रतिक्रियाएँ	डॉ. चंद्रकांता दास
रक्षा साहू	N-हेटेरोसायक्लिक कार्बीन-आधारित CNC पिंसर लिगैंड के कॉपर काम्प्लेक्सेस	डॉ. चंद्रकांता दास

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
माया मिश्रा	बिस (इमिनो) pyridine-कोबाल्ट(II) काम्प्लेक्सेस का संश्लेषण और C-H बंध आमिनेशन प्रतिक्रिया में उनका अनुप्रयोग	डॉ. चंद्रकांता दास
अमित यादव	CNT फाइबर आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर का निर्माण और पीने के पानी में भारी धातुओं का पता लगाने के लिए उनका उपयोग	डॉ. पंकज गुप्ता
अंकिता	सामग्री की इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री और जैविक रूप से महत्वपूर्ण अणुओं की इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन में उनका अनुप्रयोग	डॉ. पंकज गुप्ता
समाप्ति मंडल	CNT फिल्म/प्लैटिनम-नैनोस्फीयर आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर का निर्माण और हाइड्रोजन पेरोक्साइड का संवेदनशील डिटेक्शन	डॉ. पंकज गुप्ता
बिमलेंदु बेहरा	CNT फाइबर आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर का निर्माण और पीने के पानी में भारी धातुओं का पता लगाने के लिए उनका उपयोग	डॉ. पंकज गुप्ता
दिव्या गुर्नानी	CNT फाइबर/ऑन-नैनोपार्टिकल्स आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर का निर्माण और हाइड्रोजन पेरोक्साइड का संवेदनशील डिटेक्शन	डॉ. पंकज गुप्ता
राघवेंद्र पनवार	डिस्पोजेबल ग्रेफाइटिक कार्बन नाइट्राइड कोटेड स्क्रीन प्रिंटेड कार्बन इलेक्ट्रोड के माध्यम से पैरासिटामोल का इलेक्ट्रोकेमिकल निर्धारण	डॉ. पंकज गुप्ता
कल्पना यादव	निकेल नैनोपार्टिकल्स आधारित गैर-एंजाइमेटिक इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर द्वारा ग्लूकोज़ का संवेदनशील डिटेक्शन	डॉ. पंकज गुप्ता

वाणिज्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अब्दुल वहीद एम	आयकर के प्रभाव और वित्तीय साक्षरता एवं नागरिक प्रबंधन के संदर्भ में शैक्षिक समुदाय के बीच जागरूकता और समझ का मूल्यांकन	डॉ. संजय कुमार पटेल
ऐंसी आई	बैंकिंग क्षेत्र में विलय और अधिग्रहण: मूल्य सृजन और जोखिम प्रबंधन पर एक विश्लेषण	डॉ. प्रियंका भास्कर
अनुश्का शर्मा	फिनटेक अपनाने पर ग्राहक और आर्थिक धारणाओं का विश्लेषण	डॉ. पुष्पेंद्र
भारती	पीयर-टू-पीयर (P2P) लेंडिंग प्लेटफार्मों के बारे में उपभोक्ता जागरूकता और जोखिम विश्लेषण	डॉ. प्रियंका भास्कर
दीपांशी जैन	राजस्थान के अजमेर जिले में महिलाओं के उद्यमिता प्रदर्शन पर उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का प्रभाव	श्री शुभम पांडे
मनोज	केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के छात्रों के बीच यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) प्रणाली की गोद लेने और प्रभाव पर अध्ययन	डॉ. प्रियंका भास्कर

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
मुहम्मद सीनान ए	अजमेर जिले में ग्रामीण परिवारों की वित्तीय साक्षरता पर एक अध्ययन	डॉ. पुष्पेंद्र
मुहम्मद अब्दुल रहमान	युवा उपयोगकर्ताओं के बीच डिजिटल भुगतान: एक परिप्रेक्ष्य विश्लेषण	डॉ. पुष्पेंद्र
मुहम्मद अभिलाश टी. एम. सी.	यूट्यूब बिक्री प्रचार का उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार पर प्रभाव	प्रो. प्रवीन साहू
मुहम्मद फैयस ए	उद्यमिता ड्राइवर्स का प्रभाव: भारत और यूएई के बीच तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. प्रवीन साहू
नासिफ नोआह रौफ	केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के छात्रों के बीच सोशल मीडिया मार्केटिंग का खरीद व्यवहार पर प्रभाव	डॉ. पुष्पेंद्र
नसीम एन	स्टार्टअप संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट मानव संसाधन प्रबंधन (HRM) चुनौतियों का परीक्षण और HR रणनीतियों का प्रस्ताव	प्रो. प्रवीन साहू
निकिता	नवीकरणीय ऊर्जा का पर्यावरणीय स्थिरता पर प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. पुष्पेंद्र
नूपुर त्रिपाठी	लेखा और लेखा परीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ. पुष्पेंद्र
प्रज्ञा तिवारी	भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका का विश्लेषण: पूर्व और पश्चात	डॉ. प्रियंका भास्कर
रथिन राज ए	छात्रों के बीच GST के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार पटेल
सिद्धार्थ ठाकुर	भू-राजनीतिक संघर्षों का प्रभाव: रूस-यूक्रेन युद्ध कैसे भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है	प्रो. प्रवीन साहू
सोनल झा	भारतीय संगठनों में हरित विपणन प्रथाएँ: उद्योग का अध्ययन	डॉ. संजय कुमार पटेल
श्रध्दा के सुरेश	प्रशिक्षण और समीक्षा रणनीति का संगठनात्मक उत्पादकता पर प्रभाव: उरलंगल श्रमिक सहकारी समाज (ULCCS) पर एक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार पटेल
किरण मेघवाल	उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण पर डिजिटल विपणन का प्रभाव: केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के छात्रों का अध्ययन	श्री शुभम पांडे
प्रियंशी गुप्ता	हरित खरीद व्यवहार: स्थायी उत्पादों के प्रति उपभोक्ता के दृष्टिकोण का विश्लेषण	प्रो. प्रवीन साहू
रौशन कुमार	WoS डेटाबेस (2018-2024) पर सामाजिक उद्यमिता का बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार पटेल
निशांत कुमार	भारत में कॉर्पोरेट धोखाधड़ी को रोकने में जांच एजेंसियों और सरकार की	डॉ. संजय कुमार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	भूमिका का विश्लेषण: सत्याम पर एक केस अध्ययन	पटेल
चिंगाखम रॉबिन्सन	सेनापति जिले, मणिपुर के प्रवासी श्रमिकों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर अध्ययन	डॉ. प्रियंका भास्कर

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आदेश नाथ योगी	अराजकता-आधारित क्रिप्टोग्राफी: चित्र एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम का उपयोग करके टेक्स्ट एन्क्रिप्शन	डॉ. ममता रानी
अभय कुमार	मल्टीमोडल सेंटिमेंट एनालिसिस	डॉ. अभय कुमार राय
अगिल चार्ली .एम	डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके वेबसाइटों का विश्लेषण	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
अंकुर विश्वकर्मा	औद्योगिक आईओटी में घुसपैठ का पता लगाना	डॉ. निष्ठा केशवानी
आशीष कुमार	इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली	डॉ. अजय इंडियन
चारुल मर्तिया	गुप्त नेटवर्कों में प्रमुख कर्ताओं का पता लगाना	डॉ. अभय कुमार राय
दक्षेश व्यास	डिफरेंशियल प्राइवेसी का उपयोग करते हुए एक पीओआई अनुशंसा प्रणाली	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
दक्षांत शर्मा	उन्नत सीएनएन मॉडल के माध्यम से ब्रेन ट्यूमर का प्रारंभिक पता लगाना	डॉ. अजय इंडियन
हेमंत बोहरा	PHP और MySQL का उपयोग करके स्कूल प्रबंधन प्रणाली	डॉ. पवन सिंह
किशन कुमार यादव	इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम आधारित मानव भावना पहचान	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
मनीष कुमार मिश्रा	सारांशात्मक टेक्स्ट संक्षेपण	श्री. रवि राज चौधरी
मुकुल	एक बहु-वर्गीय ऑनलाइन मार्केटप्लेस के लिए डेटा-पाइपलाइन और अनुशंसा प्रणाली का निर्माण	श्री. रवि राज चौधरी
पालक यादव	भर्ती और चयन प्रक्रिया	श्री. सनी पटवा
प्रशांत सिंह	ग्राफिकल पासवर्ड प्रमाणीकरण	डॉ. अजय इंडियन
संतोष कुमार सुतर	Railofy 3.0 के लिए डिज़ाइन प्रणाली का निर्माण	डॉ. पवन सिंह
विनिता कुमारी	न्यूरोइमेजेस पर गहन अध्ययन का उपयोग करके ब्रेन स्ट्रोक का पता लगाना	श्री. रवि राज चौधरी
यश गुप्ता	पौधों की बीमारी का पता लगाना	श्रीमती. निष्ठा केशवानी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
साक्षी खिचर	गहन अध्ययन दृष्टिकोणों का उपयोग करके भाषण भावना की पहचान	डॉ. गौरव मीणा
नकुल चहल	स्वचालित पौधों की बीमारी वर्गीकरण के लिए गहन अध्ययन आधारित दृष्टिकोण	श्री. रवि राज चौधरी
ऋतिबसु	सीएनएन-आधारित स्वायत्त नेविगेशन प्रणाली ड्रोन के लिए इनडोर कॉरिडोर वातावरण में	डॉ. ममता रानी
सुधीर बैरवा	आईओटी आधारित उद्योग सुरक्षा चेतावनी प्रणाली	डॉ. निष्ठा केशवानी
अच्युत नंदन	गहन अध्ययन का उपयोग करके टिप्पणियों की विषाक्तता के स्तर को मापना	प्रो. ममता रानी
आर्यन गजरावत	समाचार लेखों का सेंटिमेंट एनालिसिस	डॉ. अभय कुमार राय श्री. धीरज गौड़
चंद्र प्रकाश गुप्ता	संशोधित कैप्सनेट का उपयोग करके ऑफलाइन हस्तलिखित हिंदी अक्षर पहचान	डॉ. अजय इंडियन
हर्ष शर्मा	यात्रा विक्रेता समस्या में वैकल्पिक सुपरियर अराजक एंट कॉलोनी अनुकूलन	प्रो. ममता रानी
जॉयजित मंडल	एक्सप्लेनेबल गहन अध्ययन विधि का उपयोग करके बंगाल की खाड़ी में मेसोस्केल महासागरीय एडी का पता लगाना	प्रो. ममता रानी
के. लोकेश	विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करके भावनाओं की पहचान करना	डॉ. के.के. मोहबे, डॉ. सौरभ राठौर, डॉ. रामकृष्णभाई पटेल
केशव शर्मा	हाइब्रिड मूवी अनुशंसा प्रणाली	डॉ. गौरव मीणा
लक्षy चौधरी	स्तन कैंसर स्क्रीनिंग वर्गीकरण सटीकता के लिए छवि फ़ाइल प्रारूप के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण: YOLOv8 का उपयोग	डॉ. पवन सिंह
प्रियंशु नवाल	भारतीय सड़कों पर स्वायत्त वाहनों के लिए मजबूत वस्तु पहचान प्रणाली: चुनौतीपूर्ण वातावरण में प्रदर्शन का मूल्यांकन	डॉ. अभय कुमार राय
राहुल पांडे	फुल स्टैक डेवलपमेंट (MERN)	डॉ. अभय कुमार राय, डॉ. अमित अग्रवाल
रंजीत कुमार सैनी	ऑफलाइन हस्तलिखित हिंदी शब्द पहचान के लिए शब्द विभाजन एल्गोरिदम	डॉ. पवन सिंह
रौनक राज	फ्रेटबॉक्स: हॉस्टल प्रबंधन के लिए एक एप्लिकेशन	श्री. रवि राज चौधरी श्री. सत्यम यादव

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
संदीप कुमार	कृषि वायवीय छवियों को डीहैजिंग तकनीकों के माध्यम से बढ़ाना	डॉ. अजय इंडियन

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
चंदन धीमान	DDoS अटैक की उपस्थिति में बजट-प्रेरित वृद्धिशील और त्वरित कंटेनर ऑटो-स्केलिंग	डॉ. गौरव सोमानी
ऋषभ	सोशल मीडिया पर घृणित भाषण का पता लगाना : ट्रांसफॉर्मर-आधारित भाषा मॉडलों और एन्सेम्बल तकनीकों का उपयोग	डॉ. बसंत अग्रवाल
मोहम्मद बिलाल खान	अप्रीओरी एल्गोरिदम और संघटन नियमों के माध्यम से बाजार बास्केट पैटर्न का विश्लेषण	डॉ. बसंत अग्रवाल
हर्षल शर्मा	हैंडराइटिंग इमेज विश्लेषण के माध्यम से डिस्ग्राफिया का पता लगाना: एन्सेम्बल लर्निंग का उपयोग	डॉ. बसंत अग्रवाल
मानवीका	फ़िशिंग ईमेल डिटेक्शन में फ़ेडरेटेड लर्निंग का मूल्यांकन	डॉ. प्रकाश चौधरी
नरेंद्र सिंह	घने और विरल छवियों के लिए व्यक्ति की संख्या का तुलनात्मक विश्लेषण	रवि सहारण
यश चौहान	छवियों में भीड़ की घनता का अनुमान	रवि सहारण
अनुराधा गुप्ता	स्मार्ट वातावरण में उपकरणों के लिए इंटरक्लस्टर की कुंजी समझौता योजना	डॉ. मुज़म्मिल हुसैन
सुमन सोनी	वायरलेस सेंसर नेटवर्क में नोड्स के पारस्परिक प्रमाणीकरण के लिए सामान्य और सरल तंत्र	डॉ. मुज़म्मिल हुसैन
यश चौहान	वायरलेस सेंसर नेटवर्क में प्रमाणीकरण के लिए सूक्ष्म योजना	डॉ. मुज़म्मिल हुसैन

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अग्रिमा जदोन	स्मार्टफोन से युवा में तकनीकी तनाव: विश्वविद्यालय छात्रों पर एक केस अध्ययन	डॉ. अनूप कुमार
अमन हरसाणा	विकसित भारत @2047 का अध्ययन: यह भारत के युवाओं और प्रगति को कैसे प्रभावित करेगा	प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
दीक्षा अजमेरा	इंस्टाग्राम रील्स की उपभोग पैटर्न ग्रामीण जनसंख्या और विश्वविद्यालय छात्रों में: एक तुलनात्मक विश्लेषण	प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव
हरिकृष्ण जाखड़	मीडिया में ट्रांसजेंडर प्रतिनिधित्व और नशीली दवाओं की तस्करी: नेटफ्लिक्स सीरीज़ "शी" का सामग्री विश्लेषण	डॉ. निकोलस लाकड़ा
नजद	वेब सीरीज़ की लत और इसके युवा पर मानसिक प्रभाव का अध्ययन	डॉ. नीरू प्रसाद
पुनिता गर्ग	मध्य प्रदेश के चयनित जिलों में जनजातियों के विकास पर मीडिया कवरेज का अध्ययन	डॉ. निकोलस लाकड़ा
रितिका चौधरी	एक मजबूत महिला? "एलिमेंटल" और "टैंगल्ड" में महिला नायक का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक
सार्थक सिंगहा	ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर मुख्यधारा भारतीय मीडिया का चित्रण: "स्कूप" और "द ब्रोकन न्यूज़" का विश्लेषण	प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव
श्रवण कुमार	राजस्थान में मीडिया पहुँच और दलित सशक्तिकरण का अध्ययन	डॉ. अनूप कुमार
यशस्विनी कौशल	डव द्वारा 'स्टॉप द ब्यूटी' अभियान के बारे में उपभोक्ता धारणा और ब्रांड छवि का अध्ययन	डॉ. निकोलस लाकड़ा
हिबा परवीन के बी	कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया का प्रपंच और फेक न्यूज़	डॉ. नीरू प्रसाद
रोहित सिंह	आधुनिक दुनिया में लोक मीडिया की भूमिका	प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव
साहद शाहीर पी पी	कोविड-19 महामारी के दौरान ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म का मलयालम उद्योग पर प्रभाव	डॉ. नीरू प्रसाद

डेटा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिलाष वी पी	भारत में फसल उत्पादन विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. सुबोध कुमार
आकांक्षा मित्रा	ऑफलाइन लेखक पहचान और सत्यापन	डॉ. मो. अजीज और डॉ. निष्ठा केस्वानी
अम्बा मिश्रा	अमेज़न बिक्री डेटा का विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. प्रीतपाल सिंह
अर्ज़ा के एस	एलएलएम आधारित डेटाबेस इंटरफेस	श्री आहस एच दास और डॉ. प्रीतपाल सिंह
भानु प्रताप	क्रेडिट कार्ड दोष का पता लगाना	डॉ. आलोक यादव और डॉ. निष्ठा

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
		केस्वानी
बिधि कटारुका	मजबूत मैलवेयर वर्गीकरण	डॉ. स्मिता नवल और डॉ. निष्ठा केस्वानी
देबोलिन भौवाल	सॉफ़्टवेयर विकास	श्री बिस्वजीत नंदी और डॉ. प्रीतपाल सिंह
कीर्ति	निम्न संसाधन भाषा का मशीन अनुवाद	डॉ. राजेश कुमार मुण्डोतिया और डॉ. निष्ठा केस्वानी
किशन पारसोजा	एसोसिएट नोडोक्टो इंटर्न	डॉ. फनी भूषण सन्नेरप्पा और डॉ. प्रीतपाल सिंह
मंडिरा बनर्जी	ऐस्टेरिस्क और Lua का उपयोग करके वॉयस बॉट का स्वचालन	श्री अभिषेक घोष और डॉ. प्रीतपाल सिंह
मोहम्मद अदनान के पी	अस्पताल प्रबंधन	श्री रामशाद पी और डॉ. सुबोध कुमार
मोहम्मद सलाल केके	पावर BI इंटर्न	श्री रियास मुहम्मद चीरंगन और डॉ. सुबोध कुमार
मृदुल सरमा	जनसांख्यिकीय और पोल डेटा का संग्रहण और विश्लेषण	श्री अभिजीत कुमार कलीता और डॉ. प्रीतपाल सिंह
मुकेश कुमार	भावना पहचान	श्री चैत जैन और डॉ. प्रीतपाल सिंह
मुलकला शिव रामकृष्णा	धोखाधड़ी/स्पैम पहचान प्रणाली	डॉ. आलोक यादव और डॉ. निष्ठा केस्वानी
निधि कुमारी	सॉफ़्टवेयर विकास	श्री जंसा सिदा शैख और डॉ. विद्योत्तमा जैन
निधि प्रकाश	नफ़रत भाषण पहचान	डॉ. राजेश कुमार मुण्डोटिया और डॉ. निष्ठा केस्वानी
निखिल सिकरवार	शोध विश्लेषक इंटर्न	डॉ. अंकिता कपूरवान और डॉ. विद्योत्तमा जैन
नितिन चरण सिंह	नेटवर्क घुसपैठ पहचान प्रणाली	डॉ. आलोक यादव और डॉ. निष्ठा केस्वानी
पिंटू शाक्य	उत्पाद अनुशंसा प्रणाली	श्री स्मित लखानी और डॉ. प्रीतपाल सिंह
रोहित	सॉफ़्टवेयर विकास	श्री जंसा सिदा शैख और डॉ. विद्योत्तमा जैन
प्रगति सचान	डेटा गवर्नेंस उपकरण	श्री घनश्याम सजनकिला और डॉ.

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
		विद्योत्तमा जैन
प्रतीक सैनी	स्वचालित अल्ट्रासाउंड छवि विश्लेषण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	डॉ. अनुप कुमार तिवारी और डॉ. निष्ठा केस्वानी
राहुल कुमार उपाध्याय	DeepRMSA और PPO	डॉ. बिप्लव चंद चटर्जी और डॉ. निष्ठा केस्वानी
रिदम	वस्तु पहचान, चेहरा पहचान	श्री योगेंद्र सिंह और डॉ. विद्योत्तमा जैन
रितेश कुमार यादव	एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग	श्री विनय शुक्ला और डॉ. सुबोध कुमार
रुद्रनारायण बारल	स्वचालित अल्ट्रासाउंड छवि विश्लेषण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	डॉ. अनुप कुमार तिवारी और डॉ. सुबोध कुमार
सहना के	अस्पताल प्रबंधन	श्री रामशाद पी और डॉ. सुबोध कुमार
सायानी नंदी	ऑफलाइन लेखक पहचान और सत्यापन	डॉ. मो. अजीज और डॉ. निष्ठा केस्वानी
शम्भू कुमार	सॉफ़्टवेयर विकास	श्री मनोज सिंह बिस्ट और डॉ. सुबोध कुमार
शिखा सिंह कुशवाहा	Zoho Analytics इंटीग्रेशन	श्री अल्विन जे. क्रिस्टिन और डॉ. सुबोध कुमार
श्वेता यादव	टेक्स्ट टू स्पीच अनुवाद	श्री हर्षित सैनी और डॉ. सुबोध कुमार
तंद्रा सरकार	ऑफलाइन लेखक पहचान और सत्यापन	डॉ. मो. अजीज और डॉ. भावना सैनी
तूबा फिरदौस	भावना कारण विश्लेषण	डॉ. राजेश कुमार मुण्डोटिया और डॉ. भावना सैनी
सूरज कुमार	सूची प्रबंधन	डॉ. आलोक यादव और डॉ. भावना सैनी
विमल पी	ग्लोबल सुरक्षा सुधारात्मक क्रिया डैशबोर्ड	श्री राजकांत राजू और डॉ. प्रीतपाल सिंह
कनिष्क सिंह	खरीदारी भविष्यवाणी और माइक्रोन्यूमेरोसिटी	डॉ. आलोक यादव और डॉ. प्रीतपाल सिंह
अरनब दाश	प्रभावी फ़िशिंग वेबसाइट पहचान मॉडल आधारित	डॉ. आलोक यादव और डॉ. भावना सैनी
मोहम्मद रिषद के. पी	वित्तीय विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. प्रीतपाल सिंह
अब्दुल हादी एम एस	मधुमेह भविष्यवाणी और विश्लेषण	डॉ. भावना सैनी और डॉ. भावना सैनी
शिबलुल हक टी	हृदय रोग निदान विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. भावना सैनी
नजीबु हरिस टी एच	फीफा विश्व कप विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. भावना सैनी
रितुराज पांडे	पुनः प्राप्ति-आधारित चैटबॉट	डॉ. आलोक यादव और डॉ. भावना सैनी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
रिषव कुमार	सेंसर दोष पहचान	डॉ. आलोक यादव और डॉ. भावना सैनी
मुहम्मद दानिश	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश विश्लेषण	श्री संकेत पाटिल और डॉ. सुबोध कुमार
प्रवीण कुमार	अनुशंसा प्रणाली	डॉ. आलोक यादव और डॉ. भावना सैनी
अक्षय कुमार	ड्राइविंग व्यवहार और ड्राइवर की नींद से संबंधित पहचान	डॉ. कपिल गुप्ता और डॉ. भावना सैनी
मौसम आश	एनेस्थीसिया की गहराई का मूल्यांकन	श्री शर्मा और डॉ. सुबोध कुमार

अर्थशास्त्र विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
ऋचा कुमारी	सतत आर्थिक विकास की ओर: वैश्विक और स्थानीय जलवायु क्रियाओं की एक अनुभवात्मक जांच और समीक्षा	डॉ. हेमलता मंगलानी
जोहान रॉय पॉल	आर्थिक विकास पर द्विपक्षीय व्यापार शर्तों का कुल प्रभाव	डॉ. हेमलता मंगलानी
सागर मिश्रा	कृषि और जलवायु परिवर्तन पर एक बिब्लियोमेट्रिक समीक्षा	डॉ. हेमलता मंगलानी
निलेश श्रीवास्तव	साऊथ एशियन देशों में व्यापार और जलवायु परिवर्तन के बीच अनुभवात्मक संबंध	डॉ. हेमलता मंगलानी
आदित्य राज	तेल की कीमत, सोने की कीमत, विनिमय दर और स्टॉक कीमतों के बीच संयोजन का निरीक्षण: वैक्टर एरर करेक्शन मॉडल के माध्यम से	डॉ. हेमलता मंगलानी
रवि रंजन	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संरक्षणवाद: एक बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण	डॉ. हेमलता मंगलानी
यशविनी यादव	वैश्वीकरण और जलवायु परिवर्तन के बीच परस्पर क्रिया: G20 देशों का विश्लेषण	डॉ. हेमलता मंगलानी
मनोबल कुमार	डिग्लोबलाइजेशन का कुल कारक उत्पादकता पर प्रभाव: भारतीय और वैश्विक दृष्टिकोण से एक अनुभवात्मक अध्ययन	डॉ. हेमलता मंगलानी
अनभव शर्मा	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और स्थिरता के बीच संबंध: एक क्रॉस कंट्री विश्लेषण	डॉ. हेमलता मंगलानी
आनीश कुमार	कृषि पर आधारित शोध प्रवृत्तियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर एक व्यवस्थित बिब्लियोमेट्रिक समीक्षा	डॉ. हेमलता मंगलानी
पुष्पहास प्रजागर	भारत के NDA और UPA सरकारों के तहत आर्थिक प्रदर्शन का बहुआयामी विश्लेषण	डॉ. हेमलता मंगलानी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
बजरंग जाखर	राजस्थान में सुधारों के पूर्व और बाद में कृषि प्रदर्शन का एक सांख्यिकीय अध्ययन	डॉ. हेमलता मंगलानी
हिमांशी पाल	भारत और G20 देशों के बीच द्विपक्षीय कृषि व्यापार का अनुभवात्मक विश्लेषण: गुरुत्वाकर्षण मॉडल और पैनल डेटा का प्रयोग	डॉ. हेमलता मंगलानी
प्रियंका	भारत के विभिन्न राज्यों में लिंग असमानता सूचकांक	डॉ. हेमलता मंगलानी
शिन्तो सोलोमन	भारतीय अर्थव्यवस्था पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव	डॉ. हेमलता मंगलानी
प्राची	सार्वजनिक संस्थानों में नौकरी संतुष्टि स्तर को प्रभावित करने वाले कारक: राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा पर एक अध्ययन	डॉ. हेमलता मंगलानी
हितेन्द्र	सतत विकास लक्ष्य 9 की ओर: एक क्रॉस कंट्री विश्लेषण	डॉ. हेमलता मंगलानी
सुषमा राजपुत	आर्थिक विकास गतिकी: भौतिक अवसंरचना, सामाजिक विकास और वित्तीय विकास का योगदान	डॉ. प्रगति जैन
कविता	तकनीकी नवाचार और पर्यावरणीय ह्रास के बीच संबंध: भारत से प्रमाण	डॉ. प्रगति जैन
सुक्का पावनी	कृषि में डिजिटलीकरण के प्रभाव की समीक्षा	डॉ. प्रगति जैन
अमन यादव	कृषि और आर्थिक विकास के बीच संबंध: चयनित देशों का अध्ययन	डॉ. प्रगति जैन
प्लाक्षा भारद्वाज	जलवायु परिवर्तन और इसके एशियाई देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव	डॉ. प्रगति जैन
आदित्य कुमार	भारत में महिलाओं के डिजिटल वित्तीय समावेशन पर प्रभाव: मुख्य बाधाओं का अध्ययन	डॉ. प्रगति जैन
हर्ष पारीक	SAARC देशों में पर्यटन, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय गुणवत्ता के बीच संबंध: एक अनुभवात्मक विश्लेषण	डॉ. प्रगति जैन
अजीत कुमार	भारत में कार्बन न्यूट्रलिटी प्राप्त करने का मार्ग: एक अनुभवात्मक विश्लेषण	डॉ. प्रगति जैन
भागेश्वर भारती	नेपाल में औद्योगिकीकरण के पर्यावरणीय प्रभाव की जांच के लिए काया पहचान की जांच	डॉ. प्रगति जैन
फबिन	जनरेशन Z में खरीद व्यवहार पर नज टैक्टिक्स का प्रभाव: विश्वविद्यालय छात्रों के बीच एक अध्ययन	डॉ. प्रगति जैन
रामस्वरूप स्वामी	भारत में शिक्षा और स्थिर जीवनशैली के बीच संबंध का उद्घाटन:	डॉ. प्रगति जैन

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	एक अनुभवात्मक जांच	
ध्रुवी सोनी	ICT का महिलाओं द्वारा संचालित व्यवसायों पर प्रभाव: शहरी जयपुर, राजस्थान का अध्ययन	डॉ. प्रगति जैन
क्षितिज मीना	भारत में जनसांख्यिकी लाभांश, डिजिटल नवाचार और आर्थिक विकास के बीच संबंध	डॉ. प्रगति जैन
विक्रम प्रियदर्शी	शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण और आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव	डॉ. प्रगति जैन
अभिनव भारद्वाज	आय असमानता और आर्थिक विकास के बीच संबंध: उपभोग चैनल के माध्यम से एक अनुभवात्मक अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
जैकब साम एम	डिजिटलाइजेशन का ब्याज दर, निवेश और धन की मांग पर प्रभाव: एक आर्थिक विश्लेषण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
कश्मीरा पी एस	फिनटेक और अन्य मैक्रोइकॉनॉमिक चर के बीच संबंध पर एक आर्थिक विश्लेषण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
प्रांजल पारिख	पूर्ण मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और भारत की तत्परता	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
रविंद्र दान	डिजिटल वित्तीय समावेशन की स्थिति और निर्धारण तत्व: राजस्थान के एक गाँव पर आधारित अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
सलोनी साहा	एक आर्थिक विश्लेषण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
इनाक्षी गोयल	भारत में डिजिटल वित्तीय समावेशन और डिजिटल वित्तीय साक्षरता का आर्थिक विश्लेषण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
काव्या सिगा	ग्रामीण राजस्थान में बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर लिंग आधारित अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
निकिता नकुरा	विश्वविद्यालय की स्नातक महिलाएं और HPV टीकाकरण के प्रति उनके दृष्टिकोण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
मेघा सिंघल	जन्म दर की जटिल वेब: बेरोजगारी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, शिक्षा और पारिवारिक निर्णय	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
आँचल शर्मा	भारत में शिक्षा अवसंरचना और आर्थिक विकास पर प्रभाव: एक अनुभवात्मक अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
कृष्णांज	ट्रैवलर संतुष्टि और सौर शक्ति के उपयोग पर एक अनुभवात्मक विश्लेषण: कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (CIAL) का एक केस अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
रिया रश्मि	धन प्रवाह और आर्थिक विकास: भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रेषण के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
येडु कृष्णन	विश्वविद्यालय स्थापना और आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव: ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा
श्री मोहसिन	BRICS देशों में ऊर्जा उपभोग पर आर्थिक तत्वों का प्रभाव: एक अनुभवात्मक विश्लेषण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री सोरव सुमन खमरी	उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आय विषमताओं पर प्रभाव डालने वाले तत्व: एक पैनल GMM दृष्टिकोण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री विजय जांगिर	भारत में विनिमय दर पारितोषिक गतिशीलताओं का विश्लेषण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री अंसार हुसैन	उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास के बीच असंरेखता: एक थ्रेशोल्ड रिग्रेशन दृष्टिकोण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री समीरा कांडी	उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को प्रभावित करने वाले तत्व: संस्थागत, राजनीतिक और आर्थिक चर का विश्लेषण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री चांदनी सोनी	भारत में बचत, निवेश और आर्थिक विकास के बीच संबंध	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री राजश्री जाखर	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और मैक्रोइकॉनॉमिक चर के बीच संबंध: एक VECM दृष्टिकोण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री शुभश्री सेठी	एशिया प्रशांत देशों में कार्बन उत्सर्जन को प्रभावित करने वाले तत्वों का विश्लेषण: DOLS और FMOLS दृष्टिकोण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री अरुप कुमार पात्रा	BRICS देशों के लिए निर्यात-प्रेरित वृद्धि पर परिकल्पना का परीक्षण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री मुस्कान जयसवाल	आर्थिक विकास का स्वास्थ्य व्यय पर प्रभाव: भारतीय राज्यों से प्रमाण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्रीमती स्वाती कुमारी	उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपराध दर और आर्थिक विकास के बीच संबंध का आकलन	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री फतिमथ शुहदा एम के	वृद्ध वयस्कों में जेब खर्च: केरल और राजस्थान से प्रमाण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
सुश्री दीपाली गुर्जर	भारतीय राज्यों से सरकारी खर्च और आर्थिक विकास के बीच संबंध	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री अमित मनोहर शर्मा	भारतीय उप-राष्ट्रीय सरकारों में शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च और आर्थिक विकास: एक पैनल GMM दृष्टिकोण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
श्री खेमा राम	भारतीय उप-राष्ट्रीय सरकारों में बेरोजगारी और आर्थिक विकास: FMOLS और DOLS दृष्टिकोण से प्रमाण	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा
श्री मिथुन कुमार	भारत में सार्वजनिक ऋण, आर्थिक विकास और मौद्रिक नीति के बीच संबंध: एक संरचनात्मक वीएआर मॉडल	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा

शिक्षा विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
स्मृतिलिपि नायक	अंगुल जिले, ओडिशा के स्लम क्षेत्र में रहने वाले बच्चों की स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक सुविधाएँ	डॉ. अंजली शर्मा
रंजन दन्साना	बी.एड. छात्रों में पर्यावरणीय नैतिकता और पर्यावरण के प्रति व्यवहार	डॉ. सीमा गोपीनाथ
शालिनी बाई	एनईपी-2020 के प्रति संभावित शिक्षकों की जागरूकता और राय	डॉ. संगीता यदुवंशी

अंग्रेजी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अजाद	भारतीय संस्कृति और विज्ञान कथा का प्रतिच्छेदन: *चुने हुए आत्मा* (Chosen Spirits) का आलोचनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय अरोड़ा
अकिहितो चकमा	चटगांव हिल ट्रैक्ट्स में चकमा समुदाय पर विभाजन का प्रभाव: “द पार्टिशन एंड द चकमा” के संदर्भ में अध्ययन	डॉ. संजय अरोड़ा
अनघा कोणी पोरीयन	आत्म-सम्मान और सामाजिक उन्नयन को बढ़ाने में अंग्रेजी की भूमिका: उत्तरी केरल के चुनिंदा पीजी छात्रों का समाज-भाषावैज्ञानिक अध्ययन	डॉ. संजय अरोड़ा
अंकित कुशवाहा	साहित्य शिक्षण को डिजिटल मानविकी युग में पुनर्परिभाषित करना	डॉ. संजय अरोड़ा
अर्चिषा सिंह	जाति, सिनेमा और चेतना: दलित यथार्थ को नीरज घायवान के चित्रण के माध्यम से समझना	डॉ. वेद प्रकाश
स्नेहा राठौर	चयनित क्वीर ग्राफिक फिक्शन के माध्यम से शहरी परिवेश में/और यौनिकता का अध्ययन	डॉ. वेद प्रकाश
श्रीश शर्मा	व्यक्तिगत और सामूहिक चेतना में आशा की अवधारणा: *माउस* और *अ बैग ऑफ मार्बल्स* का अध्ययन	डॉ. वेद प्रकाश
शीला खातून	बंगाल में युवा विधवापन: जाति, लिंग और शिक्षा का *चोकर बाली* और *द पॉइजन ट्री: ए टेल ऑफ हिन्दू लाइफ इन बंगाल* के माध्यम से	डॉ. वेद प्रकाश

	अन्वेषण	
कोंडामल्ला श्रीजा	तेलंगाना में जाति और लिंग का प्रतिच्छेदन: गोगु श्यामला की लघु कथाओं का अध्ययन	डॉ. नेहा अरोड़ा
मुस्कान सिंह	दिव्यांगता विमर्श में 'स्व' की पुनःप्राप्ति: शाहीन भट्ट के संस्मरण *आई हैव नेवर बीन (अन)हैप्पीयर* का आलोचनात्मक अध्ययन	डॉ. नेहा अरोड़ा
मेधा निगम	ग्रामीण भारत में मासिक धर्म संकट को कलंक-मुक्त करना: *पैड मैन* में मासिक धर्म स्वच्छता का विश्लेषण	डॉ. नेहा अरोड़ा
मीना चौधरी	*कमिंग आउट ऐज दलित: ए मेमॉयर* में शहरी दलितों की नई आवाजों का अध्ययन	डॉ. नेहा अरोड़ा
डिंपल वर्मा	भोपाल गैस त्रासदी का खुलासा: मौखिक और लिखित कथाओं के माध्यम से अन्वेषण	डॉ. भूमिका शर्मा
अतुल आनंद	एक विचारधारा का निर्माण: शशि थरूर के चुनिंदा कार्यों में राजनीतिक विचारों की अभिव्यक्ति	डॉ. भूमिका शर्मा
भगचंद साहू	जाति, रंग और शारीरिक छवि: चयनित साहित्यिक और मीडिया पाठों के माध्यम से अध्ययन	डॉ. भूमिका शर्मा
अंकिता कुमारी	सलमान रुश्दी के हालिया फिक्शन में संकरता और सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान की बातचीत	डॉ. भूमिका शर्मा
गरिमा सिंह	पागलपन का सांस्कृतिक और लिंग आधारित परावर्तन: द *नोज़* (र्युनोसुक अकुतगावा), द *टेल-टेल हार्ट* (एडगर एलेन पो) और द *येलो वॉलपेपर* (शार्लेट पर्किन्स गिलमैन) का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. सविता अंडेलवार
निकीता खांगरोत	रस सिद्धांत का गिरीश कर्नाड के *नागमंडल* और टॉम स्टॉपर्ड के *फिफ्टीन मिनट हेमलेट* पर अनुप्रयोग	डॉ. सविता अंडेलवार
पूजा कमालिया	शरण कुमार लिम्बाले के *अक्करमाशी* को सामाजिक असमानता के संदर्भ में संदर्भित करना	डॉ. सविता अंडेलवार
सेबा जॉय	भारतीय अंग्रेजी उपन्यास में रुश्दी के बाद का कथात्मक नवाचार: चयनित उपन्यासों का अध्ययन	डॉ. देवेंद्र रांकावत
पूनम परमार	मर्दानगी के विमर्श में पुरुषों को पीड़ित के रूप में प्रस्तुत करना: चयनित उपन्यासों का अध्ययन	डॉ. देवेंद्र रांकावत
पद्मासिनी नायक	भरत के *नाट्यशास्त्र* और अरस्तू के *काव्यशास्त्र* का तुलनात्मक सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन	डॉ. देवेंद्र रांकावत

पर्यावरण विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अंजलि शर्मा	राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र के आसपास तांबे से प्रदूषित जल का पर्यावरणीय आकलन और लैंथनाइड का *क्लोरेला* प्रजातियों की वृद्धि और प्रकाश संश्लेषण पर प्रभाव	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार
आस्था मूलचंदानी	राजस्थान में भूमि उपयोग पैटर्न परिवर्तन (2005-2022) के तहत मानव प्राथमिक उत्पादकता का आकलन	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा
दीक्षा पटेल	चना (*सिसर एरिएटिनम एल.*) की विभिन्न प्रजातियों की सूखे के तनाव के प्रति प्रतिक्रियाएं	डॉ. निवेदिता चौधरी
गुम्मल्ला श्रावणी	बांदरसिंदरी के भूजल से कठोरता को बाजरे के भूसे का उपयोग करके निकालना	डॉ. डी. भगवान
मनुराज के.एम.	किशनगढ़ के सड़क किनारे चयनित पौधों की वायु प्रदूषण सहनशीलता सूचकांक का मूल्यांकन	डॉ. प्रमोद एन. कांबले
मनुराज पी.	पालतू माइक्रोप्लास्टिक्स के *सिसर एरिएटिनम (चना)* पर शारीरिक और वृद्धि प्रभाव और *माइक्रोकोकस यूनानेनसिस* और *ब्रेवीबैसिलस पराब्रेवीस* की जैवअपघटन क्षमता	डॉ. गरिमा कौशिक
नेहा भारती	एडिटिव रसायन बीपीए के अपघटन के लिए जैव-प्रक्रिया अनुकूलन: *ब्रेवीबैसिलस पराब्रेवीस* का उपयोग कर प्रयोगात्मक डिज़ाइन	डॉ. गरिमा कौशिक
निर्मल एन.जी.	खाद्य कचरे के एनरोबिक पाचन से बायोगैस की पुनर्प्राप्ति: एक सतत रणनीति	डॉ. डी. भगवान
सशंका बघेल	बांदरसिंदरी से किशनगढ़ तक के मार्ग पर वाहन उत्सर्जन का मृदा गुणवत्ता पर प्रभाव	डॉ. प्रमोद एन. कांबले
शालिनी	भारत के काबिनी नदी बेसिन में बदलते जलवायु परिस्थितियों के तहत मौसमी जल उपज का मूल्यांकन (इन वेस्ट मॉडल का उपयोग करते हुए)	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा
शिवानी यादव	चना (*सिसर एरिएटिनम एल.*) की चयनित किस्मों पर परिवेशीय और ऊंचे ओजोन स्तरों के प्रभावों का आकलन	डॉ. निवेदिता चौधरी
सोनल शर्मा	बदलते जलवायु और पर्यावरणीय तनावों के तहत मैंग्रोव की फेनोलॉजी प्रतिक्रिया का विश्लेषण (*सेंटिनल-1 और 2* इमेजरी का उपयोग करते हुए)	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

स्वेतांक कुमार	उत्तर-पश्चिम भारत में उपग्रह और जमीनी डेटा के माध्यम से एरोसोल का आकलन और मौसम विज्ञान के साथ उनका संबंध	प्रो. राजेश कुमार
अक्षय बी. थॉमस	भूजल से फ्लोराइड हटाने के लिए बाजरे के भूसे का एक शोषक के रूप में परीक्षण	डॉ. डी. भगवान
भाव्या स्वामी	खेतड़ी तांबा खदान क्षेत्र के भूजल के भारी धातु और भौतिक-रासायनिक मानकों का मूल्यांकन और इसके संबंधित स्वास्थ्य जोखिम	प्रो. राजेश कुमार
शब्बाज अंसारी	प्रदूषित स्थल (औद्योगिक क्षेत्र) की मृदा भौतिक-रासायनिक विशेषताओं और सूक्ष्मजीव विविधता का विश्लेषण	डॉ. प्रमोद एन. कांबले
मनीष कुमार	खेतड़ी खनन क्षेत्र की मिट्टी और पौधों में भौतिक-रासायनिक मापदंडों और भारी धातुओं का आकलन और उनके स्वास्थ्य जोखिम	प्रो. राजेश कुमार
जया गोयल	राजस्थान के शुष्क क्षेत्र में घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता का आकलन	डॉ. निवेदिता चौधरी
गीता अंजलि धुर्वे	राजस्थान में पीएम 2.5 और पीएम 10 की सांद्रता, ट्रेस तत्वों, जल में घुलनशील आयनिक प्रजातियों और स्रोत विभाजन का मूल्यांकन	प्रो. राजेश कुमार
देवव्रतन जी. नायर	संगमरमर के कचरे, फ्लाई ऐश और कपड़ा पुनर्चक्रण के संयोजन से स्थायी वास्तुकला के लिए हरे ईंटों का अनावरण	डॉ. डी. भगवान
बिनय कुमार महतो	राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पौधों-मिट्टी की बातचीत: घास-लेग्यूम आकलन पर अंतर्दृष्टि	डॉ. निवेदिता चौधरी
गरिमा चौधरी	*बिसफेनोल-ए* के चने (*सिसर एरिएटिनम*) की वृद्धि और विकास पर जैव रासायनिक प्रभाव	डॉ. गरिमा कौशिक
प्रकृति गोस्वामी	माइक्रोगल *क्लोरेला स्पीशीज* की जैवसंवेदी प्रतिक्रिया, बायोमास और लिपिड उत्पादकता का आयरन की विभिन्न सांद्रताओं के तहत अध्ययन	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार
प्रीति राज	पोषक तत्व घुलनशीलता (एन, पी, के, जेडएन) और कीटनाशक अपघटन के लिए प्रभावी बैक्टीरियल आइसोलेटर्स का विकास	डॉ. गरिमा कौशिक
सुमन सुप्रिया साहू	केंद्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अपशिष्ट जल प्रभाव की दक्षता का आकलन: एक केस अध्ययन	डॉ. प्रमोद एन. कांबले
बसंत बिजरनिया	किशनगढ़, राजस्थान के संगमरमर उद्योगों के पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रभावों का व्यापक अध्ययन: फुटप्रिंट के दृष्टिकोण में	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

अहमद सईद ई.पी.	केंद्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय और उसके आसपास के जलीय आवासों में पानी की गुणवत्ता का संकेतक के रूप में ड्रैगनफ्लाई विविधता का अध्ययन	डॉ. रितु सिंह

हिंदी विभाग

विधार्थी का नाम	प्रोजेक्ट का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अजय कुमार	उदारीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा में माफियाकरण	डॉ. ममता खांडल
गीता कुमारी	अगम बहै दरियाव : किसान जीवन की महागाथा	डॉ. स्वाति चौधरी
हेमंत पुरोहित	कृष्णा सोबती के दिलो दानिश में नारी सशक्तिकरण की अभिव्यक्ति	डॉ. ममता खांडल
जसराज शर्मा	अमरकांत कृत ग्राम सेविका उपन्यास में चित्रित ग्रामीण समस्याएँ	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्र
करणी सिंह कविया	उषा प्रियंवदा के अर्कदीप्त उपन्यास में आधुनिकता बोध	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्र
मनीषा	रत्नकुमार सांभरिया कृत 'सांप' उपन्यास में सामाजिक सरोकारों का अध्ययन	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्र
मोती राम	मारवाड़ प्रदेश के वैवाहिक गीत (सीठणों के विशेष संदर्भ में)	डॉ. सुरेश सिंह राठौड
नवरंग सिंह कविया	मृदुला गर्ग कृत उसके हिस्से कि धूप उपन्यास में स्त्री सम्बन्ध	डॉ. ममता खांडल
पवन कुमार यादव	पंकज सुबीर कृत 'हमेशा देर कर देता हूं मैं' कहानी संग्रह में सामाजिक यथार्थ	डॉ. सुरेश सिंह राठौड
राहुल सिंह	कुसुम खेमानी कृत लालबत्ती की अमृत कन्याएं उपन्यास का सामान्य परिचय	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर
राकेश गुर्जर	सौंदर्य की नदी नर्मदा: विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. स्वाति चौधरी
सहजल चौधरी	सुषमा बेदी कृत लौटना उपन्यास में "प्रवासी स्त्री का अंतर्द्वंद्व"	डॉ. ममता खांडल
सत्यवाणी रिणवा	संजीव कृत मुझे पहचानो उपन्यास की चित्रित समस्याएँ	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर
सीमा	वीरेन्द्र जैन कृत डूब उपन्यास में विवेचनात्मक अध्ययन	डॉ. ममता खांडल

शिव प्रसाद नेहरा	उर्मिला शिरीष के कहानी संग्रह वे कौन थे में नारी मानसिकता	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्र
शिवानी भाकर	दर्दपुर उपन्यास में विस्थापन की समस्या	डॉ. ममता खांडल
योगेश कुमार बैरवा	गीता श्री कृत "अम्बपाली" उपन्यास में सामाजिक सरोकार	डॉ. सुरेश सिंह राठौड
आदिति सिंह	भिखारी ठाकुर के नाटकों में सामाजिक चेतना और नारी सशक्तिकरण	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्रा
अमित	विषय: रामधारी सिंह दिवाकर कृत अंतिम अध्याय उपन्यास में अभिव्यक्त वृद्ध विमर्श	डॉ. सुरेश सिंह राठौड
गुड्डी देवी धोबी	जैनेन्द्रकुमार के उपन्यास त्यागपत्र का तात्विक विश्लेषण	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर
मेनका बाई जाट	भगवानदास मोरवाल कृत शकुन्तिका उपन्यास का सामान्य अध्ययन	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर
नेहा कगोट	'कृष्णा सोबती के गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिंदुस्तान उपन्यास में विभाजन की त्रासदी'	डॉ. ममता खांडल
राहुल ठाकुर	पागलखाना उपन्यास में चित्रित बाज़ारवाद	डॉ. स्वाति चौधरी
सपना शर्मा	उषा किरण खान कृत भांमती उपन्यास में स्त्री संवेदना	डॉ. ममता खांडल
सीता देवी धोबी	भगवानदास मोरवाल कृत वंचना उपन्यास का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ. स्वाति चौधरी
सुमन मीणा	बादलों में बारूद: समाजिक, सांस्कृतिक यथार्थ का विवचनात्मक अध्ययन	डॉ. शीतल प्रसाद महेन्द्रा

प्रबंधन विभाग (एम.बी.ए)

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
जनत गुल बराकज़ई	अडानी ग्रुप का प्रदर्शन: हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट विवाद से पहले और बाद का विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार
आस्था जैन	भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस और इसके फर्म प्रदर्शन पर प्रभाव का व्यापक विश्लेषण: एक बहु-क्षेत्रीय अध्ययन	डॉ. संजय कुमार
अमन दीप	ऑनलाइन भुगतान को सरल बनाना: भारत में भुगतान गेटवे की समझ	डॉ. संजय कुमार
अमर राज	बैंक और एनबीएफसी कंपनियों के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक की विनियामक कार्रवाइयों का प्रभाव	डॉ. संजय कुमार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनामिका गेमेटी	सतत नेतृत्व: नेट जीरो और उससे आगे के लिए एप्पल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के साथ मार्ग निर्धारण	डॉ. अवंतिका सिंह
चेना राम	भारत में निजी जीवन बीमा कंपनियों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार
दिव्या	वित्तीय डेरिवेटिव्स और उनके बाजार अस्थिरता पर प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार
जमपरंगी रुद्रेश्वर	मानव संसाधन प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अध्ययन	डॉ. अवंतिका सिंह
जितेंद्र कुमार	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) की कंपनियों की विपणन रणनीतियों का विश्लेषण	डॉ. रामुलु भूक्या
खुशहाल चंद खींची	शीर्ष भारतीय निजी बैंकों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. संजय कुमार
कृष्निका यादव	भारत में ई-वॉलेट अपनाने और मोबाइल भुगतान उपयोग में उभरते रुझान	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
महेंद्र कुरी	मुद्रास्फीति का बैंकों की लाभप्रदता पर प्रभाव: कुछ बैंकों की लाभप्रदता का विश्लेषण	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
निखिल	म्यूचुअल फंड्स के प्रति निवेशकों की धारणा	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
पारुल जांगिड़	बैंकों की होम लोन योजनाओं के प्रति उपभोक्ता जागरूकता	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
प्रिंस यादव	म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो प्रबंधन	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
पुनीत कुमार यादव	खाद्य वितरण ऐप्स पर ग्राहक संतोष	डॉ. रामुलु भूक्या
राम पुरोहित	भारतीय शेयर बाजार पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रभाव	प्रो. उमाशंकर मिश्रा
रिम्मी	भारत में नेतृत्व पदों पर लिंग का प्रभाव	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
रिया भट्ट	एडीओ मॉडल का उपयोग करके कार्य-जीवन संतुलन पर व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और व्यावहारिक अध्ययन	डॉ. अवंतिका सिंह
रोहित	बैंकिंग क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन	डॉ. अवंतिका सिंह
शक्ति सिंह राठौर	भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा	डॉ. अवंतिका सिंह
शोभा भारती	प्रबंधन में एआई अनुप्रयोगों का भविष्य	डॉ. अवंतिका सिंह

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
शुभम गर्ग	व्यवहारिक वित्त और निवेश निर्णय लेना	डॉ. रामुलु भूक्या
शुभम कुमार	म्यूचुअल फंड्स में ग्राहक निवेश पसंद को समझना	डॉ. रामुलु भूक्या
स्वीटी	स्वास्थ्य-केंद्रित नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
वेंकटेश कुमार कौशिक	सामाजिक उद्यमों में विपणन रणनीतियां	डॉ. अवंतिका सिंह
विशाल कुमार गुप्ता	भारत में वित्तीय सेवाएं: परिदृश्य, चुनौतियां और भविष्य की संभावनाओं का व्यापक विश्लेषण	डॉ. रामुलु भूक्या
रजनीश द्विवेदी	रियल एस्टेट निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन के बीच संबंधों का विश्लेषण	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
साक्षी रानी	न्यूरोलिडरशिप का दैनिक जीवन पर प्रभाव	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
रितेश कुमार	वित्तीय निर्णय लेने पर व्यवहारिक वित्त और व्यक्तिगत वित्त का प्रभाव	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
महेश कुमार	स्वास्थ्य-केंद्रित नेतृत्व और कर्मचारियों के कार्य व्यवहार	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी
इब्रार उल हक	युवा उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार पर सोशल मीडिया विपणन का प्रभाव	डॉ. रामुलु भूक्या
शुभम शुक्ला	गिग अर्थव्यवस्था में डिजिटल विपणन	डॉ. रामुलु भूक्या
अविनाश सिंह	एप्पल, नाइकी और ज़ोमैटो की डिजिटल विपणन रणनीतियां	डॉ. रामुलु भूक्या

गणित विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
शशिकांत अग्रवाल	फजी सेट्स के विभिन्न प्रकार: एक समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव
मुकेश कुमावत	मल्टीडायमेंशनल फजी सेट्स: एक समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव
देवी लाल सुथार	L-फजी रिलेशन्स, सामान्य ऑपरेटर, L-फजी अनुमानित स्थान और फजी ट्रांसफॉर्मेशन सिस्टम्स के बीच संबंध की समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
रत्नेश सिंह	ILF-प्रत्यायोजन ऑपरेटर और ILF-रिलेशन्स पर रिसीडुएटेड लैटीस पर	डॉ. विजय कुमार यादव
मनीष कुमार सिंगारिया	टाइपिकल हेजिटेंट फजी रफ सेट्स: एक समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव
मुकेश सैनी	ज्यामिति और टोपोलॉजी के बीच संबंध	डॉ. विजय कुमार यादव
दीपक मीणा	रफ सेट और इसके अनुप्रयोग	डॉ. विजय कुमार यादव
अंकित कुमार	फजी मीट्रिक स्पेसेस	डॉ. विजय कुमार यादव
अंकित कुमार	फजी समूह सिद्धांत: एक समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव
नरेंद्र रंथाकला	फजी सेट सिद्धांत पर	डॉ. विजय कुमार यादव
सुमित निरवान	अनिश्चितता से निपटने के उपकरण	डॉ. विजय कुमार यादव
गौरव जांगिड	हेजिटेंट फजी टोपोलॉजिकल स्पेसेस पर	डॉ. विजय कुमार यादव
मुकेश राजक	फजी-प्रेरित संयोजन ऑपरेटर और इसके अनुप्रयोग: एक समीक्षा	डॉ. विजय कुमार यादव
निलेश कुमार	यूलर समीकरणों पर स्केल-इन्वेरियंट मल्टी-रेजोल्यूशन वैकल्पिक WENO योजना	डॉ. आशा कुमारी मीणा
अभिषेक गोदारा	सांद्रता के उतार-चढ़ाव के तहत कमजोर गैर-रैखिक बायोकन्वेक्शन का अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
अम्बिका कुरी	गुरुत्वाकर्षण उतार-चढ़ाव के तहत कमजोर गैर-रैखिक थर्मल बायोकन्वेक्शन का अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
अमिता	अपक्षिप्त प्रभाव के तहत कमजोर गैर-रैखिक बायोकन्वेक्शन का अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
तुषार राठौड़	Hall वर्तमान और चिपचिपे विसरण के प्रभाव से MHD सीमा पर स्ट्रेचिंग सिलेंडर के ऊपर प्रवाह पर अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
ज्योत्सना लता	Hall वर्तमान और मिश्रित संचलन के प्रभाव से थर्मली स्तरीकृत MOS2 – SIO2/H2O हाइब्रिड नैनोफ्लूइड पर अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
पूनम शर्मा	गर्मी के स्रोत/सिंक और मिश्रित संचलन के प्रभाव से थर्मली स्तरीकृत Cu – Al2O3/H2O हाइब्रिड नैनोफ्लूइड पर अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
सुरेश कुमार	रासायनिक प्रतिक्रिया, Hall वर्तमान और थर्मल विकिरण का	डॉ. आनंद कुमार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	प्रभाव से MHD विलियमसन नैनोफ्लूइड प्रवाह पर अध्ययन	
सौरभ पालडिया	स्टीफन ब्लोइंग और Hall प्रभाव के प्रभाव से Maxwell नैनोफ्लूइड पर अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
शिवप्रकाश प्रजापत	MHD नैनोफ्लूइड होरिजेंटल सुई पर अध्ययन	डॉ. आनंद कुमार
अनुज शर्मा	समीकरणों के प्रणाली के लिए संख्यात्मक विधियाँ	डॉ. आशा कुमारी मीणा
मयंक खिडिया	आरंभिक मान समस्या के लिए संख्यात्मक विधियाँ	डॉ. आशा कुमारी मीणा
बुद्धप्रिया कसोटिया	चैनलों में पानी प्रवाह के लिए एक अच्छा-संतुलित पथ-संरक्षण केंद्रीय-उपवाय स्कीम	डॉ. आशा कुमारी मीणा
प्रियंका	विशेष सापेक्षतावादी हाइड्रोडायनामिक्स के लिए उच्च आदेश सटीक शारीरिक-प्रतिबंध-रखने वाली फिनाइट डिफरेंस WENO स्कीम	डॉ. आशा कुमारी मीणा
सनत कुमार	हाइपरबोलिक प्रणालियों के लिए थर्मोडायनामिक रूप से संगत संख्यात्मक योजनाएँ	डॉ. आशा कुमारी मीणा
निलेश कुमार	यूलर समीकरणों के लिए स्केल-इन्वेरियंट मल्टी-रेजोल्यूशन वैकल्पिक WENO स्कीम	डॉ. आशा कुमारी मीणा
सोनम कुमारी मीणा	दस क्षण समीकरणों के लिए दूसरे आदेश का अपरिवर्तनीय डोमेन बचाने वाली योजना	डॉ. आशा कुमारी मीणा
विकाश कुमार बुरदाक	प्राइमिटिव चर के पुनः प्राप्त करने के लिए सिद्ध सिद्धांत न्यूटन-रैफसन विधियाँ	डॉ. आशा कुमारी मीणा
हरिप्रिया बिस्वनाथ	कैल्कुलस पर एक सर्वेक्षण	डॉ. राम किशोर
लीला आंचारा	रैखिक प्रोग्रामिंग पर	डॉ. राम किशोर
नंदिनी	समूह सिद्धांत पर एक सर्वेक्षण	डॉ. राम किशोर
निकिता	अवकल समीकरणों का एक सिंहावलोकन	डॉ. राम किशोर
तेजस्विता	जटिल विश्लेषण में विश्लेषणात्मक कार्यों पर	डॉ. राम किशोर
सुरेंद्र मंड	दो विषम समस्या: परिवर्तनात्मक अंतःक्रिया विश्लेषण	डॉ. राम किशोर
आर्यन एम. खान	ER3BP में चमकदार प्राथमिक और ओब्लेट द्वितीयक के साथ	डॉ. राम किशोर

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	गति	
अभिषेक चौधरी	प्रतिबंधित तीन-शरीरी समस्या पर ओब्लेटनेस, विकिरण और अंधेरे पदार्थ के साथ प्रभाव	डॉ. राम किशोर
अनिल गोठवाल	रोब्स समस्या में विकिरण के प्रभाव से स्थिरता विश्लेषण	डॉ. राम किशोर
खिनवराज मुंडेल	ओब्लेटनेस और विकिरण बल उत्तेजना के प्रभाव से वृताकार RFBP में सूक्ष्म द्रव्यमान की गतिशीलता पर अध्ययन	डॉ. राम किशोर
प्रियांशु कुमार मीणा	रोब्स समस्या में ओब्लेटनेस के प्रभाव से स्थिरता विश्लेषण	डॉ. राम किशोर
ज्ञानेश्वर महंता	फ्लेक्सोइलेक्ट्रिक सामग्री में दोष	डॉ. कमलेश जांगिड
मनीषा पाल	मैग्नेटो-इलेक्ट्रो-एलास्टिक और आर्थोट्रॉपिक आधे स्थानों के बीच इंटरफेस क्रैक पर इन-प्लेन लोडिंग के तहत अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
मयावती	मैग्नेटो-इलेक्ट्रो-एलास्टिक सामग्री के दो स्तरों के बीच सीमित पारगम्य क्रैक के लिए पूर्व-फ्रैक्चर जोन मॉडलिंग पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
प्रीति यादव	एक मैग्नेटो-इलेक्ट्रो-एलास्टिक वर्ग प्लेट में केंद्रीय क्रैक पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
हर्ष कत्यार	एंटी-प्लेन क्रैक सामग्री पर तनाव ग्रेडियेंट फ्रैक्चर का अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
साहिल वर्मा	FGMs में मोड-III फ्रैक्चर पर लंबवत सामग्री ग्रेडिएशन के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
मनोज	दो असमान कोलिनियर इंटरफेस क्रैक के विश्लेषणात्मक फ्रैक्चर पैरामीटर पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
निर्मा धाकर	FGMs में मोड-III पर समानांतर सामग्री ग्रेडिएशन के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
मोनिका चौधरी	FGMs में Yoffe-प्रकार के गतिमान क्रैक पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
गोविंद पटेल	एक आर्थोट्रॉपिक पट्टी में सेमी-इनफिनिट गतिमान क्रैक पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
अभिषेक पुंडीर	रैखिक प्रोग्रामिंग का परिचय	डॉ. कमलेश जांगिड
आर्यन मन्दा	संख्यात्मक विधियाँ: उत्पत्ति, इतिहास और विकास साथ ही अनुप्रयोग	डॉ. कमलेश जांगिड

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
मोहित सोनी	अवकल कलन और इसके अनुप्रयोग - टेलर सीरीज	डॉ. कमलेश जांगिड
तुषार डैलिया	सामान्य अवकल समीकरणों पर अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड
विनीत मौर्य	रैखिक बीजगणित और इसके अनुप्रयोग - हिल सिफर	डॉ. कमलेश जांगिड
प्रिया तंवर	गॉसियन और संकुचन हाइपरज्यामेट्रिक फंक्शन्स की अविकृति	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
दीपक बंसल	अवकलनीय कार्यों का उपपरिवार पर अध्ययन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
पुर्वी गर्ग	राईमैन परिकल्पना पर अध्ययन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
अनुराधा मंडल	मलेरिया संचरण मॉडल में संतृप्त इन्फेक्शन फंक्शन के साथ: एक ऑप्टिमल नियंत्रण विश्लेषण	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
दीक्षिता जैन	मलेरिया संचरण मॉडल में संतृप्त इन्फेक्शन फंक्शन के साथ: एक ऑप्टिमल नियंत्रण विश्लेषण	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
रौशन कुमार	बेसेल क्लिफर्ड फंक्शन के कुछ ज्यामितीय गुणों का अध्ययन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
नंदिनी अग्रवाल	स्टोकास्टिक प्रक्रिया का अध्ययन, स्टोकास्टिक प्रक्रिया के प्रकार, मार्कोव प्रक्रिया, मार्कोव प्रक्रिया के प्रकार और कतार प्रणाली	डॉ. विद्योतमा जैन
भूपेंद्र मीना	विश्लेषणात्मक कार्यों के वैक्यूम गुणांक का सन्निकटन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
मोनी जयसवाल	एक शिकारी - शिकार प्रणाली की स्थिरता और bifurcation पर अध्ययन	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
राजेंद्र कुमार	विश्लेषणात्मक कार्यों की स्टारलाइक अनुमिति पर अध्ययन	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत
दीपक दास	मलेरिया वेक्टर प्रबंधन के लिए ऑप्टिमल नियंत्रण रणनीतियाँ: रासायनिक छिड़काव में समय विलंब का प्रभाव	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
राहुल कुमार	मलेरिया वेक्टर प्रबंधन के लिए ऑप्टिमल नियंत्रण रणनीतियाँ: रासायनिक छिड़काव में समय विलंब का प्रभाव	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
प्रिय तंवर	p^3 के आदेश वाले कुछ नॉन-अबेलियन समूह के शक्ति ग्राफ़ पर	डॉ. विपुल कक्कड़

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	अध्ययन	
हर्ष कुमार	p^4 के आदेश वाले कुछ नॉन-अबेलियन समूहों के शक्ति ग्राफ़ पर अध्ययन	डॉ. विपुल कक्कड़
मुस्कान	समूहों की तीन विशेष श्रेणियों पर उपलब्धि और टालने के खेल	डॉ. विपुल कक्कड़
कमलेश	p^4 के आदेश वाले नॉन-अबेलियन समूह का शक्ति ग्राफ़, जो Zp^2 ⋊ Zp के समान है	डॉ. विपुल कक्कड़
संदीप गिरी	p^4 के आदेश वाले नॉन-अबेलियन समूहों का शक्ति ग्राफ़, जो G1 = ((Zp × Zp) ⋊ Zp) × Zp और G2 = (Zp × Zp × Zp) ⋊ Zp के समान है	डॉ. विपुल कक्कड़
रिया साहू	p^3 के आदेश वाले नॉन-अबेलियन समूह का शक्ति ग्राफ़, आदेश p के साथ	डॉ. विपुल कक्कड़
साक्षी मलिका	p^4 के आदेश वाले कुछ नॉन-अबेलियन समूहों का शक्ति ग्राफ़ पर अध्ययन	डॉ. विपुल कक्कड़
सरस्वती कुमारी	p^4 के आदेश वाले नॉन-अबेलियन समूह का शक्ति ग्राफ़, जो समूह G = (Zp^2 ⋊ Zp) ⋊ψ2 Zp के समान है	डॉ. विपुल कक्कड़
संजीत कुमार जयसवाल	M/M/1 कतार मॉडल का उपयोग करते हुए संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में ऊर्जा बचत, जिसमें गैर-पूर्व प्राथमिकता नीति और कई नींद मोड हैं	प्रो. डी. सी. शर्मा
विकास साहू	संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में ऊर्जा बचत नीति के साथ N-नीति और कई नींद मोड, M/M/1 कतार मॉडल का उपयोग करते हुए	प्रो. डी. सी. शर्मा

सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग (इंटीग्रेटेड एम.एससी. और एम.एससी. सूक्ष्मजीवविज्ञान

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
शिवम कुमार	कागज मिल और एनेरोबिक डाइजेस्टर से उत्सर्जन का उपयोग करके माइक्रोएल्गी द्वारा जुड़ी हुई पुनःमदत और जैवमास उत्पादन	डॉ. निधि पारीक
संध्या सैनी	थर्मोमाइसेस लानुजिनोसोस की चिटिनोलिटिक प्रणाली के जैवकैटालिटिक दृष्टिकोण	डॉ. निधि पारीक
सौरव कुमार	सतत नैनोरेमेडिएशन और एंटीबैक्टीरियल क्षमता: चिटिन नैनोपार्टिकल, मेटल नैनोपार्टिकल और उनके नैनोकॉम्पोजिट का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. निधि पारीक

सोनिया	झींगा के खोल से चिटिन का जैव-निकासी: दो-चरणीय सूक्ष्मजीव संश्लेषण द्वारा	डॉ. निधि पारीक
प्राची शुक्ला	त्रिचोडर्मा हार्ज़ियानम से चिटिनेस का उत्पादन और गुणसूत्र विश्लेषण	डॉ. निधि पारीक
मुम्ने तामुक	सिसर एरियेटिनम चिटिनेस का इन सिलिको पूर्वानुमान और गुणसूत्र विश्लेषण: एल्लोसामिडिन और आर्गिफिन का उपयोग करके एंटीफंगल क्षमता को उजागर करना	डॉ. निधि पारीक
अंकित कुमार पासवान	सायनोबैक्टीरिया के फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट पर अध्ययन	प्रो. पवन के. दाधीच
जया	सिल्वर-अम्पिसिलिन नैनोकॉम्पोजिट्स का संश्लेषण और एंटीबैक्टीरियल गतिविधि का मूल्यांकन	प्रो. पवन के. दाधीच
पट्नाना दिव्या	सायनोबैक्टीरियल पॉलीफेनोल्स सामग्री पर लवण तनाव का प्रभाव	प्रो. पवन के. दाधीच
रूपांjali कुमारी	सायनोबैक्टीरियल आइसोलेट्स से जैव-संश्लेषित माइक्रो-पार्टिकल्स की एंटीबायोफिल्म गुण और एंटीबैक्टीरियल गतिविधि	प्रो. पवन के. दाधीच
अशोक कुमार कुमारवत	पेर्गुलारिया डेमिया से पृथक प्रेस्टिया मेगाटेरियम से एंटीबायोटिक यौगिक का निष्कर्षण	प्रो. पवन के. दाधीच
अरुणिमा	मायकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी से MIP_03416 का क्लोनिंग और अभिव्यक्ति	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
मनसा आर	मायकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी से Putative Toxin-Antitoxin Module MIP_01507-MIP_01509 का क्लोनिंग	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
खुशबू नेगी	मायकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी और मायकोबैक्टीरियम स्मेगमैटिस की जीवित रहने की क्षमता का अध्ययन तनाव परिस्थितियों के तहत	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
शर्वण चौधरी	मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस H37Rv के एंटीटॉक्सिन के खिलाफ छोटे अणु अवरोधक का संरचना आधारित विश्लेषण	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
नंद संतोश	मायकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी से प्रोटीन टायरोसिन फास्फेटेस B का क्लोनिंग और अभिव्यक्ति	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
गर्गी गौतम	बैसिलस एंथ्रासिस के पेप्टिडाइल प्रोलिल सिस ट्रांस आइसोमरेज़ B और BAS4370 के छोटे अणु अवरोधकों की संरचना आधारित पहचान	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
अर्पिता खंडेलवाल	मौलिक मौलिक पौधों की ओरल केयर रोगाणु के खिलाफ एंटीबैक्टीरियल गतिविधि के लिए मूल्यांकन	प्रो. इन्शाद अली खान

प्रियंका चौधरी	SARS-CoV-2 के RNA pseudoknot संरचना को लक्षित करने वाले एंटी-फ्रेमशिफ्टिंग एजेंट्स की मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स सिमुलेशन, वैधता और वर्चुअल स्क्रीनिंग	प्रो. इन्शाद अली खान
आकाश जेना	SARS CoV-2 RBD को लक्षित करना: दवा स्क्रीनिंग और मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स को जोड़ते हुए एक इन-सिलिको दृष्टिकोण	प्रो. इन्शाद अली खान
शितल कुमारी	मृदा से पृथक एश्चेरिचिया कोलाई में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध	प्रो. इन्शाद अली खान
विशाल विनोद	स्टैफिलोकोकस एपिडर्मिडिस के खिलाफ एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि के लिए म्यूपिरोसिन लोडेड माइक्रोएमल्स	प्रो. इन्शाद अली खान
निकिता चौधरी	एथनोमेडिसिनल पौधे Balanites aegyptiaca के पत्तियों का मूल्यांकन: एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी गतिविधि के लिए	प्रो. इन्शाद अली खान
आकाश जांगिड	स्टैफिलोकोकस एपिडर्मिडिस के खिलाफ एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि को बढ़ाने के लिए सिप्रोफ्लोक्सासिन लोडेड मिक्स्ड माइसिल्स	प्रो. इन्शाद अली खान
जाह्नवी हसीजा	बायोपॉलीमर सिलिका नैनोकॉम्पोजिट्स की Enhanced Oil Recovery क्षमता का मूल्यांकन	डॉ. अखिल अग्रवाल
भावना सैनी	फसल इनोकुलेंट फार्मूलेशन के लिए राइजोस्फेरिक बैक्टीरिया का बायोकैमिकल गुणसूत्र विश्लेषण	डॉ. अखिल अग्रवाल
अक्षिता जैन	बायोपॉलीमर संशोधित रेगिस्तान रेत में उगाई गई फसलों के राइजोस्फेरिक सूक्ष्मजीव समुदाय की पहचान	डॉ. अखिल अग्रवाल
शेरोन सनी	सायनोबैक्टीरियल फैटी एसिड पुनः प्राप्ति के लिए निष्कर्षण तकनीकों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. अखिल अग्रवाल
विशाल साहू	Enhanced Oil Recovery के लिए बायोपॉलीमर मिश्रणों का स्क्रीनिंग	डॉ. अखिल अग्रवाल
रूपेंद्र मेहला	एम्प्लिकॉन मेटाजेनोमिक्स का उपयोग करते हुए तेल क्षेत्र बायोरिएक्शन में सूक्ष्मजीव समुदाय डायनेमिक्स का मूल्यांकन	डॉ. अखिल अग्रवाल
पारुल व्यास	तेल क्षेत्र माइक्रोबियल कंसोर्टियम द्वारा LDPE बायोडिग्रेडेशन का मूल्यांकन, मल्टी-विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए	डॉ. अखिल अग्रवाल
दीपक कुमार कौशल	विभिन्न सूक्ष्मजीव समूहों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक्स का बायोडिग्रेडेशन	प्रो. प्रदीप वर्मा
रचना यादव	सूक्ष्मजीवों का उपयोग करते हुए सीवेज वेस्टवाटर के डिटॉक्सिफिकेशन के लिए होरिजेंटल सब-सर्फेस फ्लो कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड	प्रो. प्रदीप वर्मा

अश्विनी जैन	बायोचार का उपयोग करते हुए मीथाइल ऑरेंज का जल समाधान से अवशोषण	प्रो. प्रदीप वर्मा
प्रत्युष कुमार पाणिग्रही	चने (Cicer arietinum L) के पौधों के विकास को बढ़ावा देने के लिए बायोचार और राइजोबैक्टीरिया का संयुक्त मूल्यांकन	प्रो. प्रदीप वर्मा
शुभम कुमार	जैवचार और कम्पोस्ट संशोधित मृदा का एस्पैरेगस बीन (Vigna unguiculata spp. sesquipedialis) के पौधों के विकास पर प्रभाव	डॉ. सागर एस. बराले
रामचरण मीना	सांभर झील से अल्कलाइन प्रोटीज उत्पन्न करने वाले बैसिलस प्रजातियों का पृथक्करण और गुणसूत्र विश्लेषण	डॉ. सागर एस. बराले
शीटल पात्रिक	मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के होमोसरीन एसीटाइल ट्रांसफरेस को लक्षित करने वाले छोटे अणु की इन-सिलिको पहचान	डॉ. सागर एस. बराले
अंकित	HDAC3 को लक्षित करने वाले छोटे अणुओं के लिए लिगैंड आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग	डॉ. सागर एस. बराले
कोमल वर्मा	M. ट्यूबरकुलोसिस SecA2 की ATPase गतिविधि पर यांत्रिक अध्ययन और इसके अवरोधकों के लिए वर्चुअल स्क्रीनिंग	डॉ. सागर एस. बराले
किरण मनोज	Acinetobacter oleivorans DR1 की बायोफिल्म गठन और भारी धातु प्रतिरोध	डॉ. एल. पैखोम्बा सिंगा
पियूष गुर्जर	Di-(2-ethylhexyl) phthalate (DEHP) के बैक्टीरियल अपघटन और इसके कार्बोक्साइलेस्टेरेज Est2 के साथ इंटरैक्शन का इनसिलिको विश्लेषण	डॉ. एल. पैखोम्बा सिंगा

फार्मेसी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
रुतिक ए. हुरुलकर	टॉपिकल अनुप्रयोगों के लिए एबेरकोनाजोल नैनोस्पेंशन आधारित कार्बोपोल जेल का निर्माण	डॉ. कैसर रज़ा
नेहा गुप्ता	व्रण उपचार के लिए सिरिंजिक एसिड-आधारित नैनोएमुलजेल का निर्माण, गुणसूत्र और मूल्यांकन	डॉ. कैसर रज़ा
सुबील शाह	डॉसेटैक्सल और सिरिंजिक एसिड के को-डिलीवरी के लिए दूध से उत्पन्न एक्सोसोम्स की वितरण क्षमता पर अध्ययन; नैनो कैरियर्स का उपयोग करके एंटी-कैंसर उपचार के परिणामों की भविष्यवाणी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायक मॉडल का विकास और सत्यापन	डॉ. कैसर रज़ा
मालती ठाकुर	डीपीपीआईवी गतिविधि के लिए स्टैक एन्सेम्बल मॉडल व्यक्तिगत एमएल	डॉ. देवेश एम. सावंत

	क्यूएसएआर मॉडल से बेहतर प्रदर्शन करता है	
गौरी मिश्रा	एमईटी में स्कैटरड एन्सेम्बल लर्निंग का एकीकरण: c-MET इनहिबिटर्स की गतिविधि और विशिष्टता के वर्गीकरण और पूर्वानुमान के लिए एक मॉडल	डॉ. देवेश एम. सावंत
दिबाकर नायक	फाइब्रोब्लास्ट एक्टिवेशन प्रोटीन को लक्षित करने के लिए हाइड्रोफोबिक लिंकर्स से जुड़ी धातु चेलाटर का उपयोग करके अगली पीढ़ी के PET रेडियोट्रैसर्स का डिजाइन और संश्लेषण	डॉ. देवेश एम. सावंत
विजय गावली	टीबी रोग के लिए डीपीआरई1 इनहिबिटर्स का अध्ययन मशीन लर्निंग दृष्टिकोण से	डॉ. देवेश एम. सावंत
अंजलि जैन	बोर्टेजोमिब की प्रभावी डिलीवरी के लिए चिटोसन-ग्रहण-पॉली (ε-कैप्लोलेक्टोन) पॉलिमरसोम्स	डॉ. उमेश गुप्ता
पल्लेम कार्तिकेय लालिता सिद्धार्थ	ग्लायोब्लास्टोमा के प्रभावी उपचार के लिए बायोटिनिलेटेड डेंड्रिमर द्वारा टेमोजोलोमाइड की डिलीवरी	डॉ. उमेश गुप्ता
अनन्या पाल	एडोक्साबान टोसिलेट मोनोहाइड्रेट लोडेड इलेक्ट्रोस्पन नैनोफाइबर पैच का निर्माण और मूल्यांकन	डॉ. माधुरी देसावथू
प्रातिक्षा सिंह	बिलास्टिन के सेल्फ-एमल्सिफाइंग ड्रग डिलीवरी सिस्टम का निर्माण और मूल्यांकन	डॉ. माधुरी देसावथू
निशा जोशी	रैलटेग्राविर पोटैशियम लोडेड नैनोएमुल्सन का निर्माण और मूल्यांकन	डॉ. माधुरी देसावथू
अखिला ए. आर.	नेटवर्क फार्माकोलॉजी और इन सिलिको अध्ययन का उपयोग करते हुए मधुमेह और इसके पोस्ट-कोम्प्लीकेशन्स के खिलाफ प्राकृतिक उत्पादों की फार्माकोलॉजिकल जांच	डॉ. विपिन कुमार
बिरजेश कुमार चौधरी	भारतीय पौधे नायकांथेस एरबोरट्रिस्टिस (पारिजात/हर्षिंगार) के अर्क और नैनोफॉर्मूलेशन का अन्वेषण, जो टाइप-2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए उपयोग किया जाता है	डॉ. विपिन कुमार
सुधांशु जायसवाल	नव निर्मित 1,4-डायहाइड्रोक्विनोक्सालिन-2,3-डायोन डेरिवेटिव्स का संश्लेषण, गुणसूत्र और इन सिलिको अध्ययन: एंथेल्मिंटिक एजेंट्स के रूप में	डॉ. विपिन कुमार
आकाश जैन	ऑक्सीडेटिव तनाव को लक्षित करने वाले क्विनोलिन डेरिवेटिव्स का संश्लेषण, गुणसूत्र और इन सिलिको मूल्यांकन	डॉ. विपिन कुमार
प्रिय बागड़ा	डीनोवो डिज़ाइन और नेटवर्क फार्माकोलॉजी दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए स्तन कैंसर के खिलाफ संभावित एजेंट्स की इन सिलिको	डॉ. विपिन कुमार

	जांच	
अनिकेत दिनकर खैरनार	एंटीमाइक्रोबियल्स की डिलीवरी के लिए ओरोम्यूसोसल नैनोकेरियर्स का विकास	डॉ. अमित के गोयल
धुले गौरव राजराम	मूत्र पथ संक्रमण के उपचार के लिए नए ड्रग डिलीवरी सिस्टम का विकास और मूल्यांकन	डॉ. अमित के गोयल
पांडेय अजय संजय	टाइप-2 मधुमेह मेलिटस के प्रबंधन के लिए लिराग्लुटाइड लोडेड नैनोफाइबर पैच का निर्माण और गुणसूत्र	डॉ. अमित के गोयल

भौतिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अदिति अग्रवाल	बोस-आइनस्टीन कंडेन्सेट्स के मिश्रणों का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. कुलदीप सुथर
अर्जित कुमार गर्ग	तूफानी माध्यमों में लेजर बीम प्रसार की सैद्धांतिक डायनेमिक्स की जांच	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
देबाशीष गिरी	डर-प्रेरित शिकार-शिकारियों के डायनेमिक्स के संख्यात्मक सिमुलेशन: प्री हॉलिंग प्रकार III मॉडल में शिकार का शरण स्थल और कटाई	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
दीपक कुमार	STEM-शिक्षा आधारित पाठ्यक्रम पर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समस्या हल करने के कौशल का विश्लेषण	डॉ. दीपक कुमार
केशव कुमार	ब्लूम की टैक्सोनॉमी पर आधारित माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान कक्षाओं में आलोचनात्मक सोच कौशल का पोषण	डॉ. नित्या प्रेम एस.आर.
मनेंद्र सिंह	टोपोलॉजी से क्वांटम एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
मंजुबाला	पाइरोक्लोर यौगिक Fe2Mn2O7 की फोटोकेटालिटिक गतिविधि	डॉ. नीरज पंवार
नविता	आयनीकरण प्रभाव के तहत एक्सियल चुम्बकीय क्षेत्र पर विचार करते हुए हॉल प्लाज्मा डिस्चार्ज में प्रतिरोधी अस्थिरता	डॉ. सुखमंदर सिंह
नितीश सोनी	Ag/P-Si/Al शॉटकी बैरियर डायोड का गुणसूत्र	डॉ. संदीप कुमार
प्रदीप कुमार जांगीर	N-Gas अर्धचालक पर ओमिक संपर्कों का निर्माण और गुणसूत्र	डॉ. संदीप कुमार
रचना गोस्वामी	सुपर ऑस्सीलेटर स्पॉट फॉर्मूलेशन का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
राहुल कुमार	अमरंथ डाई के प्रभावी फोटोकेटालिटिक विघटन के लिए G-C3N4 नैनोसंरचनाओं की सतह संशोधन	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
ऋषु	मल्टी-बाउंड्री टोपोलॉजिकल एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
सागर	G-C3N4/CeO2 नैनोकॉम्पोजिट्स का उपयोग करके जल प्रदूषक का प्राकृतिक सूर्यप्रकाश द्वारा फोटोकेटालिटिक विघटन	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार
संस्कृति वर्मा	सोल-गेल विधि द्वारा Ga2O3 की पतली परतों का संश्लेषण	डॉ. संदीप कुमार
सास्वती पाल	डर-प्रेरित शिकार-शिकारियों के डायनेमिक्स का गणितीय विश्लेषण: प्री हॉलिंग प्रकार III मॉडल में शिकार का शरण स्थल और कटाई	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
सौरभ कुमार	बोस-आइनस्टीन कंडेन्सेट में लैंडन डंपिंग का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. कुलदीप सुथर
शीतल प्रजापत	न्यूट्रीनो ऑस्सीलेशन्स में एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
शिव कुमार	La0.7Sr0.3MnO3 पतली परतों का संश्लेषण और संरचनात्मक गुणसूत्र	डॉ. युगांधर बिटला
शिवानी अग्रवाल	रैखिक संवर्धन द्वारा विस्फोटक वृद्धि को नियंत्रित करना	प्रो. मनीष देव श्रीमाली
सुब्रत देवनाथ	जुड़ी हुई शिकार-शिकारी प्रणाली में दुर्लभ-प्रेरित टिपिंग	प्रो. मनीष देव श्रीमाली
सुरेंद्र मेहरिया	भौतिक पेंडुलम: तापमान के प्रभाव पर तरल पदार्थ की विस्कोसिटी की जांच करने के लिए एक विधि	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार
विष्णु यादव	प्लाज्मा में एकांत तरंग	डॉ. सुखमंदर सिंह
यश पंत	बोस-आइनस्टीन कंडेन्सेट में सोलिशन डायनेमिक्स	डॉ. कुलदीप सुथर
आशीष गुप्ता	Al के स्पिन-कोटेड लचीले पारदर्शक कंडक्टिंग पतली परतें	डॉ. युगांधर बिटला
भरवी स्नेहिल खत्री	SU(4) समूह के लिए टोरस लिंक में एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
दिलकुश मीना	हॉल थ्रस्टर में झुके हुए इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रतिरोधी अस्थिरता पर धूल के प्रभाव के साथ बहु-आयन विश्लेषण	डॉ. सुखमंदर सिंह
काजल मित्तल	La1.4Sr1.6Mn2O7 नैनोपार्टिकल्स की द्विस्तरीय संश्लेषण और गुणसूत्र	डॉ. युगांधर बिटला
कंचन कुमावत	Z2XY प्रकार के Heusler मिश्रधातु की तैयारी और संरचनात्मक गुणसूत्र	प्रो. अजीत कुमार पात्रा
खुशबू यादव	डिपोलर बोस-आइनस्टीन कंडेन्सेशन	डॉ. कुलदीप सुथर

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
मनुश्री वैष्णव	सिलिकॉन वेफर्स पर ZnO नैनोरोड्स का संश्लेषण	डॉ. संदीप कुमार
मोहम्मद अफताब	उच्च-आदेश इंटरैक्शन के साथ लॉजिस्टिक मानचित्र	प्रो. मनीष देव श्रीमाली
पुरुषोत्तम पुर्विया	ITO उपस्ट्रेट पर ZnO नैनोरोड और ZnO नैनोपार्टिकल्स कोटेड का संश्लेषण और गुणसूत्र	डॉ. संदीप कुमार
रघुनाथ बिशोर	लेजर के साथ प्लाज्मा के बीट वेव इंटरैक्शन से THz रेडिएशन जनरेशन	डॉ. सुखमंदर सिंह
गांधीवलासा नागाप्रथिमा	लेजर अब्लेटिव अंडरवॉटर शॉकवेव्स की शैडोग्राफिक इमेजिंग	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
प्रारथम दाधिच	समूह सिद्धांत और टोपोलॉजिकल एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
अदिति शर्मा	SU(3) समूह के लिए टोरस लिंक एंटैंगलमेंट	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
अमलान मिश्रा	Skyrmion-Hosting Co-Zn-Mn प्रणाली पर एक माइक्रोमैग्नेटिक अध्ययन	प्रो. अजीत कुमार पात्रा
अनुराधा जांगीर	हॉल थ्रस्टर में झुके हुए इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रतिरोधी अस्थिरता पर इलेक्ट्रॉन बीम और बहु-आयन के प्रभाव	डॉ. सुखमंदर सिंह
आर्यन एम खान	ER3BP में गति: प्रकाशमय प्राथमिक और कक्षीय द्वितीयक के साथ	डॉ. राम किशोर
आयुष अग्रवाल	क्वांटम सूचना सिद्धांत में क्वांटम लॉजिक गेट्स	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
धनलक्ष्मी एम	चयनित हाफ-ह्यूसलर मिश्रधातुओं की तैयारी और संरचनात्मक गुणसूत्र	प्रो. अजीत कुमार पात्रा
दिव्यांशी	नैनोमटीरियल्स का संश्लेषण और अनुप्रयोग	डॉ. सुखमंदर सिंह
गौरव दत्त	हॉल थ्रस्टर प्लाज्मा में इलेक्ट्रॉन बीम के प्रभाव से विद्युतचुंबकीय प्रतिरोधी अस्थिरता पर जांच	डॉ. सुखमंदर सिंह
गौतम कुमार बुरड़क	V-पॉइंट ध्रुवीकरण एकता का जनरेशन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
कमलवीर	डायोड-असिस्टेड मैग्नेटो-रेसिस्टिव डिवाइसेज़ में मैग्नेटोरसिस्टेंस का अध्ययन	डॉ. युगांधर बिटला
कुलदीप सेपट	स्थायी MXene (Ti3C2) के फ्लोराइड-मुक्त संश्लेषण विधि और इसका न्यूरोमोर्फिक कंप्यूटिंग क्षेत्र में अनुप्रयोग	डॉ. संदीप कुमार

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
पुर्खराज काकडावा	कंप्यूटर जनित होलोग्राम से अचानक ऑटोफोकसिंग बीम का अध्ययन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
राहुल गर्ग	घूर्णनशील बोस-आइनस्टीन कंडेन्सेट	डॉ. कुलदीप सुथर
रवि नगर	(1+1)-D टोपोलॉजिकल क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत में रेप्लिका ट्रिक	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी
सुमित कोटवाल	उच्च शक्ति लेजर डायोड के लिए कम प्रतिरोध ओमिक संपर्कों का निर्माण	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार
सुरेंद्र मुंद (आर)	दो-शरीर समस्या: वेरिएशनल इंटरैक्शन विश्लेषण	डॉ. राम किशोर

सामाजिक कार्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिषेक कुमार	युवा और मतदान निर्धारण: पहले बार वोट देने वालों के बीच अन्वेषण	डॉ. जगदीश जाधव
अफीफा	केरल में मुस्लिम महिलाओं के कैरियर प्रगति और रोजगार में स्वायत्तता और चुनौतियाँ	डॉ. शैज़ी अहमद
अग्रीमा वर्मा	ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित कारकों का अन्वेषण	डॉ. अतीक अहमद
अखिल नसीम	केरल के युवाओं का दृष्टिकोण: स्कूल पाठ्यक्रम में सेक्स शिक्षा को शामिल करने के बारे में	डॉ. राजीव एमएम
अमल मैथ्यू	मानसिक विकलांगता वाले बच्चों के देखभाल करने वालों के तनाव और मुकाबला रणनीतियों का मूल्यांकन	डॉ. शैज़ी अहमद
अंजना	केरल के कोझीकोड जिले में हरिता कर्म सेना कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियाँ पर अध्ययन	डॉ. जगदीश जाधव
अंकित कुमार	किशनगढ़ ब्लॉक में 1000 दिनों के हस्तक्षेप कार्यक्रम को लागू करने के अनुभव पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का अध्ययन	डॉ. जगदीश जाधव
आर्चना	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के युवा वयस्कों में स्व-चिकित्सा की प्रथा की प्रसार दर	डॉ. राजीव एमएम
आरिफ ज़मान मजूमदार	2022 के बाढ़ आपदा का सिलचर, असम में युवा पर मानसिक-आध्यात्मिक प्रभाव	डॉ. राजीव एमएम
अरुण कुमार टी एस	राजस्थान में चरम मौसम घटनाएँ और खाद्य असुरक्षा	डॉ. जगदीश जाधव
चिरांजीत रॉय	राजस्थान के किशनगढ़ ब्लॉक में अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिकों के	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
	सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों को समझना	
दफिलकमेन लिंगडोह	मेघालय में मातृवंशीय समाज में लिंग भूमिकाओं और सामाजिक गतिशीलता पर मातृवंशीय रिश्तों के प्रभाव का अन्वेषण	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी
हृदय	आवासीय प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग से गुजरने वाले अभ्यर्थियों द्वारा अनुभव किए गए तनाव पर अध्ययन	डॉ. अतीक अहमद
कृष्ण कुमार	किशनगढ़, राजस्थान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) में महिलाओं की भागीदारी और चुनौतियाँ	डॉ. राजीव एमएम
कुलदीप गुर्जर	स्वास्थ्य देखभाल भुगतान: अजमेर जिले में आयुष्मान भारत योजना के प्रभाव का मूल्यांकन	डॉ. जगदीश जाधव
मंजीरी कुचे	निर्माण कार्य में लगी महिलाओं के बीच व्यावसायिक तनाव और कार्य-जीवन संतुलन पर अध्ययन	डॉ. शैज़ी अहमद
मयूघा -पी	छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के स्वास्थ्य संबंधित जीवनशैली और जोखिम व्यवहार पर अध्ययन	डॉ. अतीक अहमद
मुस्कान	"कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अध्ययन और रचनात्मक सोच पर प्रभाव"	डॉ. राजीव एमएम
नीबिर चाकमा	राजस्थान में 'डी-नोटिफाइड' जनजातियों की शैक्षिक चुनौतियाँ	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी
पूजा	अजमेर, राजस्थान में ग्रामीण महिलाओं के बीच उच्च शिक्षा की उपलब्धता, पहुँच और वहनीयता पर अध्ययन	डॉ. शैज़ी अहमद
रिफा	केरल में अविवाहित युवा महिलाओं के बीच विवाह के प्रति दृष्टिकोण	डॉ. अतीक अहमद
रोनक कर्णावत	परंपरा के बीच लचीलापन: रियानबाड़ी ब्लॉक, नागौर (राजस्थान) में 'नाता प्रथा' के बच्चों में चुनौतियाँ और मुकाबला रणनीतियाँ	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी
सागरीगा	"केरल के किशोरों में आत्म-सम्मान, साथी संबंध और निर्भरता पर अध्ययन"	डॉ. अतीक अहमद
शबाना हुसैन	राजस्थान में मदरसा शिक्षा प्रणाली के तहत किशोरी लड़कियों के करियर आकांक्षाएँ और शैक्षिक प्राप्ति	डॉ. शैज़ी अहमद
शर्मिला साहा	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे युवाओं के बीच पुरुषत्व के दृष्टिकोण और प्रथाएँ	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी
शिवांगी जोहरी	राजस्थान में बोर्डिंग स्कूल के माहौल के मानसिक-आध्यात्मिक प्रभाव पर अन्वेषण	डॉ. अतीक अहमद

समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफेस विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिजीत कुमार सिंह	शीर्ष तीन ई-वेस्ट उत्पन्न करने वाले देशों (चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत) में ई-वेस्ट प्रबंधन नीतियों का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. कुमार संभव पारीक
अशिक अली एम वी	किशोरों के सामाजिक कौशल पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अन्वेषण: केरल के मलप्पुरम नगरपालिका का अध्ययन	डॉ. वैरोक्पम प्रेमी देवी
गुलनवाज अहमद	सूक्ष्म उद्यमों में डिजिटल परिवर्तन: बिहार के मिथिला क्षेत्र में मखाना उद्योग का एक केस अध्ययन	डॉ. जया कृतिका ओझा
जॉयदास के	सोशल मीडिया मार्केटिंग के मलयालम फिल्म उद्योग पर प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. जुगल किशोर
खेम राज शर्मा	कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग: पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थल का अध्ययन	डॉ. जया कृतिका ओझा
प्रेरणा दत्ता	डिजिटल भुगतान अपनाने के प्रभाव का अन्वेषण: भारत में दिल्ली हाट में मधुबनी कारीगरों और ग्राहकों का विश्लेषण	डॉ. जया कृतिका ओझा
पृथ्वी राज	डिजिटल इंडिया पहल के विश्वविद्यालय छात्रों पर प्रभाव का अन्वेषण: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का अध्ययन	डॉ. जुगल किशोर
सरथ एमटी	जनरेटिव एआई का अन्वेषण: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (CURAJ) में उपयोग पैटर्न और प्रभावों का अध्ययन	डॉ. कुमार संभव पारीक
विमल पीवी	डिजिटल मीडिया का ग्रामीण विकास पर प्रभाव का अन्वेषण: व्यापार और कृषि उन्नति पर ध्यान केंद्रित	डॉ. वैरोक्पम प्रेमी देवी
यामिनी पराशर	डिजिटल लोकतंत्र: भारत में ऑनलाइन मतदान की संभावनाओं का खुलासा	डॉ. कुमार संभव पारीक
अशुतोष	शिक्षा ऐप्स की भूमिका का विश्लेषण: छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार	डॉ. वैरोक्पम प्रेमी देवी
प्रियंका राजपुरोहित	सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का उपभोक्ता खरीद निर्णयों पर प्रभाव	डॉ. जुगल किशोर

खेल जैव रसायन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
शशांक सी आर	विश्वविद्यालय स्तर के मनोरंजनात्मक एथलीटों और शारीरिक रूप से निष्क्रिय व्यक्तियों पर एरोबिक गतिविधि के माध्यम से दैनिक ऊर्जा व्यय के प्रभाव का HDL-C सांद्रता पर अध्ययन	डॉ. हेमंत नायक बी

खुशी शर्मा	विश्वविद्यालय स्तर के एथलीटों के रक्त सीरम में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर पर उपमैक्सिमल व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. हेमंत नायक बी
शिवानी सिंह	कार्यात्मक पेय पदार्थों की कुल एंटीऑक्सिडेंट क्षमता और इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. हेमंत नायक बी

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अशफाक अहमद पी	मनोरंजनात्मक फुटबॉल खिलाड़ियों में गतिशील संतुलन का मूल्यांकन: संतुलन परीक्षण में प्रमुख और गौण पैर के प्रभाव पर तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. एवीआर कृष्णा राव
ग्रीन चौधरी	स्मार्ट शू प्रौद्योगिकी के साथ gait विश्लेषण में सुधार	डॉ. एवीआर कृष्णा राव
टिम एस बाबू	पुरुष विश्वविद्यालय स्तर के एथलीटों में फुट एंथ्रोपोमेट्री का संबंध काउंटरमूवमेंट जम्प और स्क्वाट जम्प प्रदर्शन के साथ	डॉ. एवीआर कृष्णा राव

खेल पोषण विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अखिल नजीम ए	खेलों में पोषणीय पूरक के रूप में अंडे के छिलके के पानी से संवर्धित पेय	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
अलीना पौली पी एन	कराटे और कलारीपयट्टु खिलाड़ियों का पोषण ज्ञान और दृष्टिकोण स्तर	डॉ. सुनील जी. पुरोहित
अंजलि आर मेनन	शाकाहारी और मांसाहारी फुटबॉल खिलाड़ियों के शारीरिक और जैविक अंतर का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. सुनील जी. पुरोहित
बोडा दामोदर	ऊर्जा-उत्पन्न गेहूं घास लड्डू के विकास और मूल्यांकन	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
फातिमा एस एम	वातावरणीय तापमान के प्रभाव का खिलाड़ियों की पोषण आवश्यकताओं और जलयोजन पर अध्ययन	डॉ. नेहा सिंह
मधु सिन्हा	महिला साइक्लिस्टों में ल्यूटिन और ज़ेक्सैन्थिन पूरक का व्यायाम प्रदर्शन पर प्रभाव	डॉ. हेमंत नायक बी
नवीन साजी	बास्केटबॉल खिलाड़ियों पर जलयोजन स्थिति और द्रव संतुलन के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

नेविन जोजो	पुरुष फुटबॉल खिलाड़ियों में जलयोजन और कौशल विकास पर आइसोटोनिक समाधान का प्रभाव	डॉ. सुनील जी. पुरोहित
पंकज कुमार	विभिन्न प्रकार के रसों में तापमान के प्रभाव से विटामिन सी का विघटन: परीक्षण प्रति नमूना: विटामिन सी, पीएच, अम्लता, TSS का विश्लेषण	डॉ. नेहा सिंह
श्रेया तिवारी	एथलीटों के ज्ञान और स्वास्थ्य में पोषण कार्यक्रम (NEP) की भूमिका	डॉ. नेहा सिंह
विशाल वर्मा	मांसपेशियों के ग्लाइकोजन पुनःसंश्लेषण को अनुकूलित करने के लिए कार्बोहाइड्रेट प्रोटीन खेल जेल का विकास	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
अदीब अहमद केपी	युद्ध क्रीड़ाओं में वजन प्रबंधन के लिए एथलीटों द्वारा अपनाई जाने वाली पोषण रणनीतियाँ और उनके द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ	डॉ. नेहा सिंह
काजल कुमारी	एथलीट प्रदर्शन पर मैक्रोन्यूट्रिएंट समय निर्धारण का प्रभाव	डॉ. नेहा सिंह

खेल शरीरक्रिया विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अजय श्रीनिवास आर	संज्ञानात्मक थकान का एथलीट प्रदर्शन पर प्रभाव - एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. सुनील जी. पुरोहित
दीप्ति राघव	युवा एथलीटों में शारीरिक संरचना और सोमाटोटाइप भिन्नताओं का विस्तृत मूल्यांकन (विभिन्न खेलों में)	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

खेल मनोविज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिषेक सैकिया	हरा परिवहन, कल्याण के लिए सवारी: परिवहन पर पर्यावरणीय पहचान और कल्याण का विश्लेषण	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
अमीना शाहिन	आत्म-सहानुभूति और सामाजिक शारीरिक चिंता: तैराकों और जिमनास्टों के बीच तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
अंसी एस राजू	एथलीट पहचान का प्रभाव: सेवानिवृत्त एथलीटों में हृदय संबंधित चिंता	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
फेबिन वी पी	कराटे खिलाड़ियों में परिपूर्णतावाद और बर्नआउट के बीच संबंध	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर

मलयिका गुप्ता	ट्रैकिंग शांति: खेलों में आईओटी के पीछे का मानसिक विज्ञान: एक स्कोपिंग समीक्षा	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
मिखदाद ओ.	शोर को नकारना: वॉलीबॉल खेल पद पर नर्शिज्म और सहनशीलता	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
नफीह पी के	पिक्सल से प्रगति तक: फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच ई-फुटबॉल से फुटबॉल में संज्ञानात्मक और स्थानिक बुद्धिमत्ता कौशल का स्थानांतरण: एक गुणात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
रामशिदा पीवी	जूडो खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और सामना करने के कौशल पर चित्रण हस्तक्षेप की प्रभावशीलता	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
रीतिका यादव	युवा क्रिकेट खिलाड़ियों में खेल भावनात्मक बुद्धिमत्ता और खेल मानसिक कठोरता	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
रिधिन एन के	मार्शल आर्ट्स में दर्द की धारणा और आत्म-नियंत्रण: कलारीपयट्टू, कराटे और ताइक्वांडो कलाकारों के बीच तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
सफा पीटीपी	मानसिक कठोरता और साहस: पुरुष और महिला मुकाबला एथलीटों के बीच तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
शिलिपी त्रिपाठी	आत्म-सम्मान, सहानुभूति और आशा: एथलीटों और गैर-एथलीटों के बीच तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
स्नेहा पुष्पान पी	जिमनास्टों के बीच शरीर की छवि और आत्म-सम्मान के बीच संबंध	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
सुहाना उम्मु कुलधू ई	बैडमिंटन खिलाड़ियों में माइंडफुलनेस और आत्म-प्रभावशीलता: लिंग और एथलेटिक स्तर के प्रभाव का विश्लेषण	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
थानुषा पी	खेल आत्मविश्वास और खेल चिंता: एथलीटों और पैरा-एथलीटों के बीच तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर
वैदेही गुप्ता	महिला मुकाबला खेल एथलीटों के बीच जुनून, लक्ष्य उन्मुखता और आक्रामकता: मुक्केबाजी और वुशू एथलीटों पर एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर

सांख्यिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
एम.एससी. शोध निबंध		
अदिति चौहान	चुनावी बांड डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण	प्रो. जितेन्द्र कुमार

अमन बशीर शेख	मल्टीवेरिएट डेटा के लिए डेटा डेप्थ का उपयोग करते हुए मिसिंग वैल्यू का इंपुटेशन	डॉ. महेश बराले
गोविंद श्रीनिवास सतकुर	डेप्थ-वेटेड एस्टीमेटर्स के आधार पर रॉबस्ट हॉटेलिंग का T^2 नियंत्रण चार्ट	डॉ. महेश बराले
हरीश कुमार	INAR(1) मॉडल के लिए BAYESIAN तकनीकों का उपयोग करके पैरामीटर एस्टीमेशन: जनरलाइज्ड पॉइसन का मामला	डॉ. सौरभ कुमार
हर्ष महरिया	सॉफ़्टवेयर विश्वसनीयता वृद्धि मॉडल का BAYESIAN एस्टीमेशन	प्रो. अरविंद पांडेय
खुशी लक्ष्मीकांत खड़लोया	फंक्शनल डेटा में लापता मान का इंपुटेशन: फंक्शनल डेप्थ का उपयोग	डॉ. महेश बराले
राहुल	समय आधारित सर्वेक्षण के लिए दो-चरण सैंपलिंग का उपयोग करते हुए जनसंख्या मान का अनुमान लगाने के लिए अनुपात और उत्पाद प्रकार एस्टीमेटर्स में सुधार	डॉ. संजय कुमार
सागी दीक्षिता	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में मल्टी-मोडल परिवहन अनुकूलन: दो-स्तरीय जेनेटिक एल्गोरिदम का उपयोग	डॉ. के. सत्यश्रीकुमार
साइकट पाल	जोए कॉपुला के माध्यम से निर्मित द्विवादी संयोजन मॉडल का उपयोग करते हुए दावा लागतों का मॉडलिंग	डॉ. दीपेश भाटी
सिद्धार्थ गुप्ता	बीमा डेटा का रिग्रेशन मॉडलिंग: संयोजन Weibull-WTP मॉडल का उपयोग	डॉ. दीपेश भाटी
सिताराम चौधरी	एशिया में बीमारी मृत्यु दर का विश्लेषण करने के लिए पैनल डेटा दृष्टिकोण: स्वास्थ्य देखभाल और आर्थिक कारकों का प्रभाव	डॉ. सौरभ कुमार
सुनील	AUXILIARY जानकारी का उपयोग करते हुए समय आधारित सर्वेक्षण के लिए जनसंख्या मान का अनुमान लगाने के लिए चैन अनुपात और उत्पाद प्रकार एस्टीमेटर्स	डॉ. संजय कुमार
विवेक उरांव	भारत में आत्महत्या के साथ जुड़े कारकों का सांख्यिकीय साक्ष्य	डॉ. के. सत्यश्रीकुमार
विवेक शर्मा	विभिन्न नवाचार वितरणों का उपयोग करते हुए क्रिप्टोक्यूरेंसी का GJR-GARCH मॉडलिंग	प्रो. जितेन्द्र कुमार

मुनेश कुमार	Chi-Square सर्विस टाइम का विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन (एकल सर्वर प्रणाली)	डॉ. के. सत्यश्रीकुमार
शुभंकर स्वैन	Weibull-Gamma फ्रैइलिटी वितरण: सांख्यिकीय गुण	प्रो. अरविंद पांडेय
मंजुनाथ भीमाशंकर हेलकर	queuing नेटवर्क मॉडल्स में सेवा सुविधा का अनुकूलन	डॉ. के. सत्यश्रीकुमार
इंटीग्रेटेड एम.एससी. शोध निबंध		
अभिष्ठ जांगिर	जनरलाइज्ड पॉइसन इनवर्स गॉसियन (GPIG) परिवार पर आधारित नवीन निर्भरता सामूहिक मॉडल्स: बीमा में अंतर्दृष्टियाँ और अनुप्रयोग	डॉ. दीपेश भाटी
चक्कुला साई किरण	भारत में डिजिटल भुगतान विधियों का समय श्रृंखला विश्लेषण: स्थिर हरा बैंकिंग	डॉ. सौरभ कुमार
दशरथ प्रजापत	Maxwell वितरण के लिए V-DEWMA नियंत्रण चार्ट: बोरिंग प्रक्रिया पर आवेदन	डॉ. महेश बराले
गोविंद प्रसाद जांगिर	पेटेंट डेटा का मॉडलिंग	प्रो. जितेन्द्र कुमार
किरोनमॉयि वी भरताला	सॉफ़्टवेयर विश्वसनीयता वृद्धि मॉडल्स	प्रो. अरविंद पांडेय
मनीषा चौधरी	Pareto वितरण के लिए एक नया U-Statistics आधारित goodness-of-fit परीक्षण	डॉ. दीपेश भाटी
नवीने कुमार	भारत के सीमा साझा करने वाले देशों के साथ कृषि व्यापार का समय श्रृंखला विश्लेषण	डॉ. सौरभ कुमार
नीलेश कुमार	Rayleigh वितरण के लिए SPRT नियंत्रण चार्ट	डॉ. महेश बराले
राजेश पूनिया	आँखों की गति पैटर्न्स का बाइनरी वर्गीकरण के लिए मशीन लर्निंग मॉडल का मूल्यांकन	प्रो. अरविंद पांडेय
रिद्धि प्रादा	समय आधारित सर्वेक्षण के लिए जनसंख्या मान का अनुमान लगाने के लिए दो-parameter अनुपात-उत्पाद- अनुपात एस्टीमेटर की दक्षताओं में सुधार	डॉ. संजय कुमार
श्वेता यादव	असंतुलित डेटा को संभालना: एक रेडियस आधारित दृष्टिकोण	डॉ. महेश बराले

सुधांशु द्विवेदी	क्रिप्टोकरेंसी का GARCH मॉडलिंग: स्केव्ड नवाचार वितरणों का उपयोग	प्रो. जितेन्द्र कुमार
वीरवेनकट लक्ष्मीकांत स्वराज	प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए तुलनात्मक समय श्रृंखला विश्लेषण: अमेज़न, वॉलमार्ट, शॉपिफाई और रिलायंस	डॉ. सौरभ कुमार

योग विभाग

अभ्यर्थी का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
दीपक कुमार	ग्रामीण स्कूल के बच्चों में चिंता पर योग के प्रभाव की जांच: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
कामाख्या नारायण	ग्रामीण महिलाओं में बायोमास ईंधन के उपयोग के कारण श्वसन लक्षणों और बायोमास एक्सपोजर इंडेक्स का एक क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषण	प्रो. संजीब के. पात्रा
मनीष कुमार बाजिया	अजमेर जिले के ग्रामीण स्कूलों में स्कूल बुलिंग के पीड़ितों में अवसाद पर योग की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
मौमिता मालाश	त्राटक ध्यान: पुरुषों में भावनात्मक नियमन का अनावरण - एक पायलट अध्ययन	प्रो. संजीब के. पात्रा
मृदुल पाठक	विश्वविद्यालय के छात्रों में मनोरंजक एथलीट, योग और गतिहीन व्यक्तियों के बीच संज्ञानात्मक कार्य का तुलना	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
नारवाड़े प्रभावेश पिराजी	स्वेच्छा से नियंत्रित श्वसन तकनीकों का विकास और सत्यापन	प्रो. संजीब के. पात्रा
निकिता	विश्वविद्यालय की छात्रों में प्राथमिक डिसमेनोरिया के साथ मासिक धर्म लक्षणों, डिसमेनोरिया की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर एक मान्यताप्राप्त योग मॉड्यूल की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	प्रो. संजीब के. पात्रा
रजनीश कुमार	स्कूल बुलिंग के पीड़ितों में योग के प्रभाव की जांच: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
ऋषि कुमार	अजमेर जिले के तीन ग्रामीण स्कूलों में बुलिंग की प्रचलन - एक सर्वेक्षण अध्ययन	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
सचिन भारद्वाज	विश्वविद्यालय छात्रों में योगाभ्यासियों, मनोरंजक एथलीटों और गतिहीन व्यक्तियों के बीच शरीर संरचना का तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
शैतान चौधरी	बायोमास धुएं से प्रभावित ग्रामीण महिलाओं में फेफड़ों की आयु का आकलन - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	प्रो. संजीब के. पात्रा

शिवांगी दाधीच	प्राथमिक डिसमेनोरिया में मासिक धर्म लक्षणों, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए योग मॉड्यूल का विकास और सत्यापन	प्रो. संजीव के. पात्रा
शौवनिक साधु खान	बुलिंग के पीड़ित बच्चों में ध्यान और निषेध पर योग के प्रभाव की जांच - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
वरुण पटेल	वमन धौति के जैविक तंत्र की स्थापना	प्रो. संजीव के. पात्रा
अमरेश महतो	विश्वविद्यालय छात्रों में योगाभ्यासियों, मनोरंजक एथलीटों और गतिहीन व्यक्तियों के बीच हृदय गति परिवर्तनशीलता का तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
रागिनी	बायोमास धुएं से प्रभावित ग्रामीण महिलाओं में प्राणायाम का प्रभाव: श्वसन क्रियाओं पर अध्ययन	प्रो. संजीव के. पात्रा
आयुषी आर्य	बायोमास धुएं से प्रभावित महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य पर प्राणायाम के प्रभाव का आकलन	प्रो. संजीव के. पात्रा
अमित सनोडिया	विश्वविद्यालय छात्रों में योगाभ्यासियों, मनोरंजक एथलीटों और गतिहीन व्यक्तियों के बीच नींद और आत्म-सम्मान का तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
भवेश	स्कूल बच्चों में तनाव, मानसिकता और जागरूकता पर ओम सुनने ध्यान के प्रभाव का आकलन	प्रो. संजीव के. पात्रा
योगेंद्र मोरिया	विश्वविद्यालय छात्रों में योग और ओम सुनने के प्रभाव पर तनाव और मानसिकता पर अध्ययन; एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	प्रो. संजीव के. पात्रा
भावना अहिरवार	विश्वविद्यालय छात्रों में योगाभ्यासियों, मनोरंजक एथलीटों और गतिहीन व्यक्तियों के बीच भावनात्मक स्थिति का तुलना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री
निखिल शर्मा	बायोमास धुएं के प्रभाव से ग्रामीण महिलाओं के फेफड़ों की कार्यप्रणाली पर प्रभाव का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	प्रो. संजीव के. पात्रा
पूजा राठौड़	भारत के उत्तरी राज्य में किशोरी लड़कियों में प्राथमिक डिसमेनोरिया की प्रचलन और विभिन्न जीवनशैली प्रथाओं के साथ इसकी संघटन	प्रो. संजीव के. पात्रा

विद्यार्थियों के नियोजन और उपलब्धियाँ

बी.टेक .सीएसई विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
चेतन मीना	ऐप्किनो ए ज़ेबिया कंपनी
ईशान कथपाल	ऐप्किनो ए ज़ेबिया कंपनी
जगदीश पटेल	हिडनश्वैपी
सरदार सैन	सर्जपैड
राहुल पैंडे	विकल्प फाउंडेशन

जैव रासायन विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राज रंजन	GIFTफाउंडेशन
शांतनु गोगोई	हमारी पहचान उपकरण

रसायन विज्ञान विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
विक्रम प्रताप सिंह	विकल्प फाउंडेशन
रजत कुमार	विकल्प फाउंडेशन
प्रवीण	तारे ज़मीन फाउंडेशन
कलामती नागेश	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
महिपाल बिश्नोई	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
अनीषा	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
अनीषा सत्पथी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
तान्या कोरी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

वाणिज्य कर विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कृतार्थ कुमार गुप्ता	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
मिताली सिंह	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
मोहम्मद आसिफ पीसी	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
श्रेया साक्षी	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
आरती पुष्कर	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
वंदना	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
नभन टी.पी.	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
बेलेबोइना वेंगाबाबू	एपिक बिजनेस

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कुणाल जांगिड़	मुस्कुराहट फाउंडेशन
सोनाली पलाई	बी.जेड. सलाहकार
पलक यादव	इनअमिगोस फाउंडेशन

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
धनराज चौधरी	संतोष परगल एंड कंपनी

डीएसटीआई विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कुबेर दास	विकल्प फाउंडेशन
सौरव कुमार	सपोर्ट एंड केयर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन

अर्थशास्त्र विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
यश मीना	पेपरपीडिया
केतकी धोटे	पेपरपीडिया
हिमांशु कौशिक	एपिक बिजनेस
नेहल जैन	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
राहुल कुमार धाकड़	मुस्कुराहट फाउंडेशन

अंग्रेजी विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
रोज़ मैरी शाजी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

पर्यावरण विज्ञान विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
ख्वाजा	विकल्प फाउंडेशन

भाषा विज्ञान विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
निष्ठा शेखर	सरल भारत न्यूज

प्रबंधन विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राधिका यादव	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
राकेश कुमार	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकाश कुमार	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकास धनखड़	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विवेक सिंह रावत	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
संजय कुमार महतो	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
दीपांशु भाटी	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
भानुप्रिया गोयल	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विल्सन देवगम	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
अनामिका कुमारी	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
नितिन यादव	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकास सोनी	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
रजनीश रंजन	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
आदर्श कुमार	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
सुनयना शाक्य	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रकाश कुमार	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रिया महतो	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
शुभम	लीडिंग सोल्यूशन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रकाश कुमार	इंडियामार्ट
दीपांशु भाटी	इंडियामार्ट

गणित विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राजा केशरी	विकल्प फाउंडेशन
निशा कछवा	विकल्प फाउंडेशन
पारीक हितेश मुरारीलाल	विकल्प फाउंडेशन
दिव्यांशी गर्ग	विकल्प फाउंडेशन
आदर्श	विकल्प फाउंडेशन
अभिजीत जोशी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
जागृति मेहरा	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
किशोर कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
मनीष कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
राहुल कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
प्रदीप रानवा	मुस्कुराहट फाउंडेशन
प्रदीप रानवा	ओडिशा विकास प्रबंधन कार्यक्रम (ओडीएमपी)

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि

साहिल यादव	सपोर्ट एंड केयर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन
शुभम सारस्वत	मुस्कुराहट फाउंडेशन

भौतिकी विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
विनय कुमार तिवारी	विकल्प फाउंडेशन
प्रदीप मेहरिया	विकल्प फाउंडेशन
सुरेंद्र मेहरिया	विकल्प फाउंडेशन
राकेश यादव	विकल्प फाउंडेशन
राकेश यादव	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
विनय कुमार तिवारी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
यज्ञ दत्त जांगिड़	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
समीक्षा मेहता	सुविधा फाउंडेशन

फार्मेसी विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कल्पना पंड्या	विकल्प फाउंडेशन

सार्वजनिक नीति, विधि और शासन विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
गोविंद रोशन लिल्हारे	विकल्प फाउंडेशन
पल्लवी देवी	विकल्प फाउंडेशन

सामाजिक कार्य विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
अंकिता भूपरिया	इनअमिगोस फाउंडेशन
अंकिता भूपरिया	मुस्कुराहट फाउंडेशन

सांख्यिकी विभाग

छात्र का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
आशीष रावत	मार्पु फाउंडेशन
डिंपल भारद्वाज	मुस्कुराहट फाउंडेशन

लैंगिक लेखापरीक्षा (2023-24)

वर्ष 2023-24 के लिए आयोजित विश्वविद्यालय के लैंगिक लेखापरीक्षा की एक संक्षिप्त रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत की गई है: इसे कर्मचारियों (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक), छात्रों और बुनियादी सुविधाओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारी रूपरेखा

1. कर्मचारियों का लिंग-वार विवरण

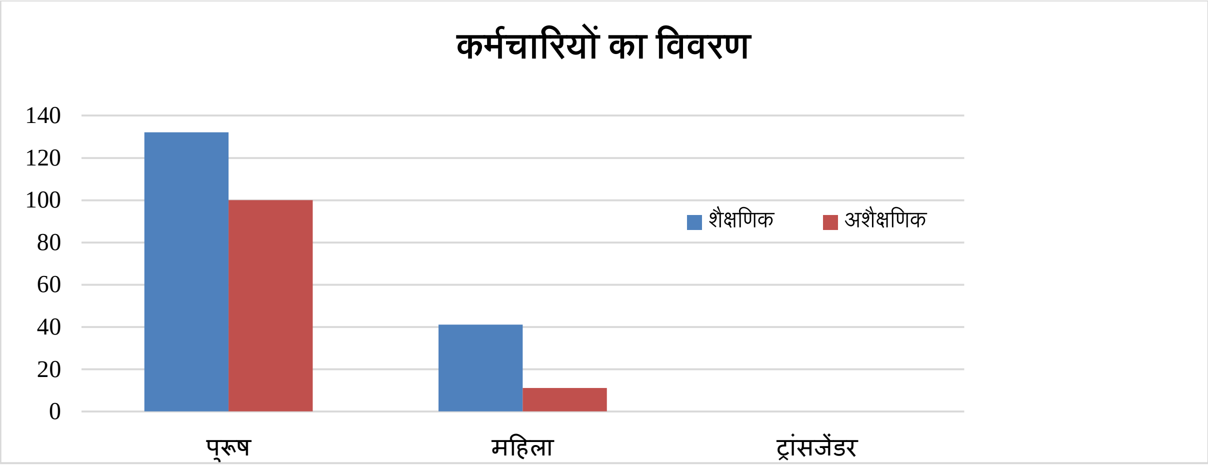

शैक्षणिक कर्मचारियों की तुलना में, प्रशासनिक विभागों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है।

2. शैक्षणिक कर्मचारियों की विभागवार लैंगिक रूपरेखा

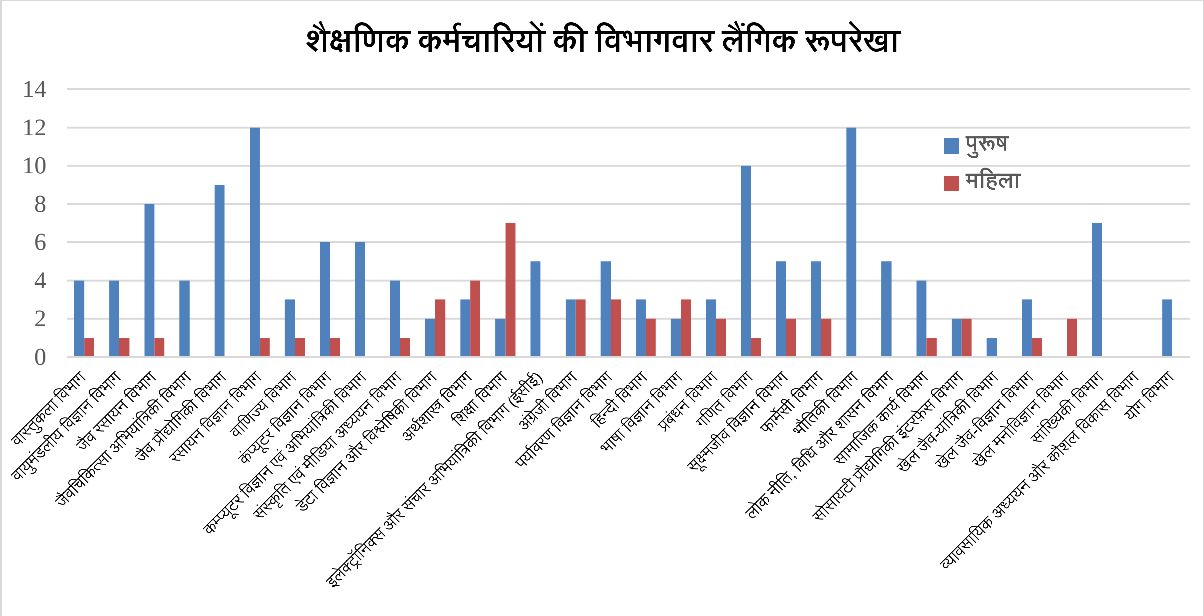

पुरुष संकाय की संख्या कुल प्रतिनिधित्व में महिलाओं से अधिक है। हालाँकि, आठ विभागों में केवल पुरुष संकाय सदस्य हैं और खेल मनोविज्ञान विभाग में केवल महिला प्रतिनिधित्व है।

ए. नव नियुक्त कर्मचारी

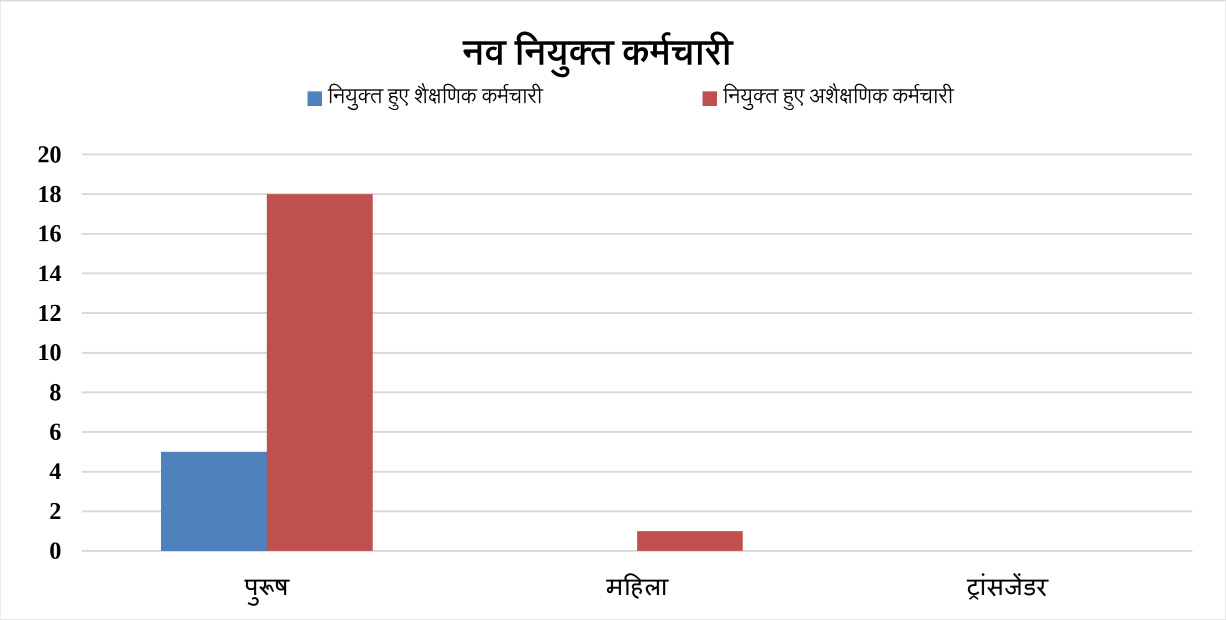

यह ग्राफ 2023-24 के दौरान विश्वविद्यालय में नियमित आधार पर नव नियुक्त शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारियों को दर्शाता है। इस वर्ष अशैक्षणिक पुरुष कर्मचारियों की भर्ती अधिक संख्या में हुई है।

बी. कर्मचारियों की पदोन्नति

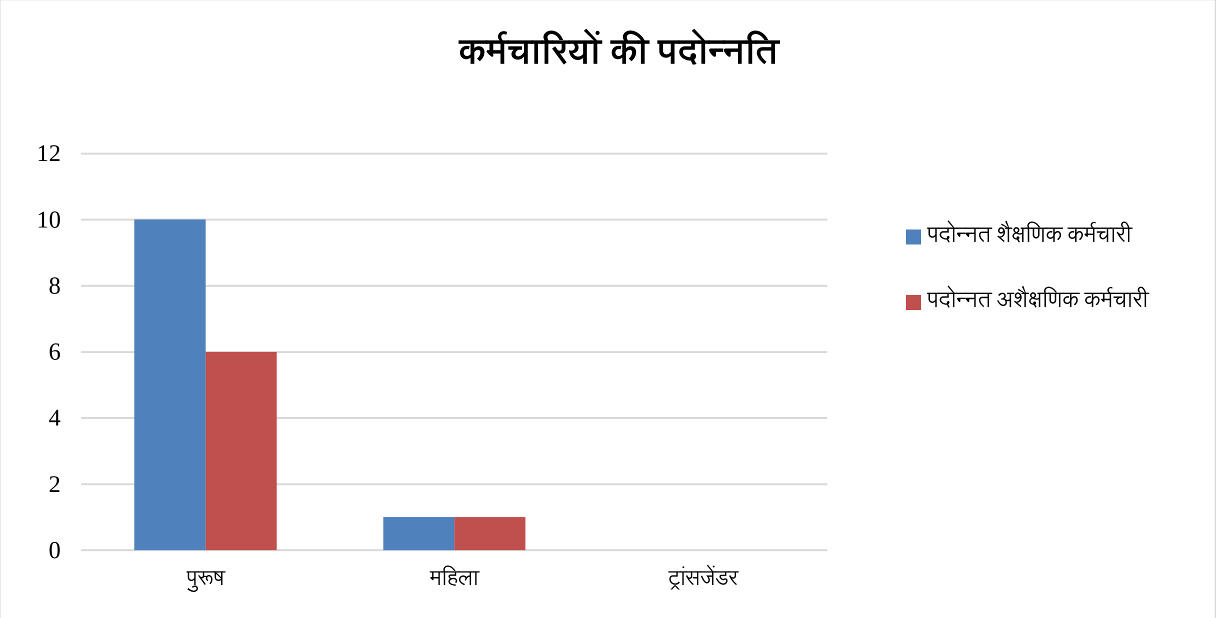

कैरियर उन्नयन योजनाओं के तहत शैक्षणिक और अशैक्षणिक पुरुष कर्मचारी अधिक संख्या में पदोन्नत हुए हैं। शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारियों में समान संख्या में महिलाओं को पदोन्नति मिली है। इसका कारण कुल कर्मचारियों में उनका प्रतिनिधित्व कम होना है।

3. विभाग स्तर पर शैक्षणिक कर्मचारियों का अंतर्राष्ट्रीय निवेश

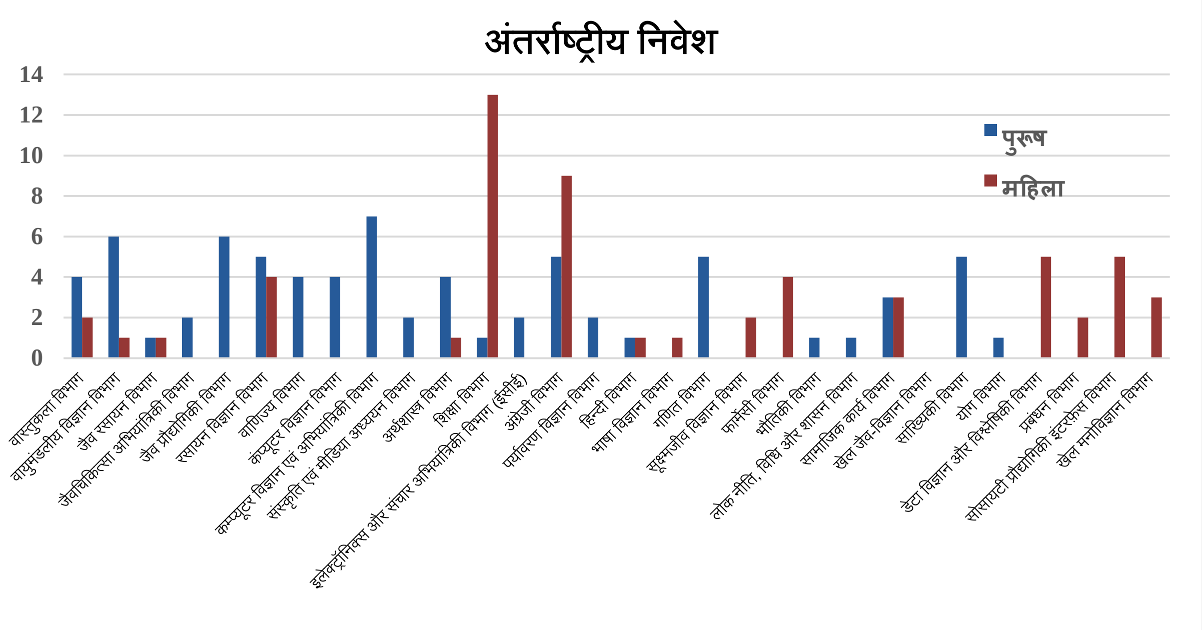

वर्ष 2023-24 में अंतर्राष्ट्रीय निवेश के मामले में आठ विभागों में महिला संकाय की संख्या पुरुष संकाय से अधिक है जबकि ग्यारह विभागों में पुरुष संकाय की संख्या महिला संकाय से अधिक है। शेष विभागों में (जिसमें पुरुष और महिला दोनों संकाय सदस्य हैं) दोनों लिंगों की लगभग समान भागीदारी परिलक्षित होती है।

4. विभाग स्तर पर शैक्षणिक कर्मचारियों का राष्ट्रीय निवेश

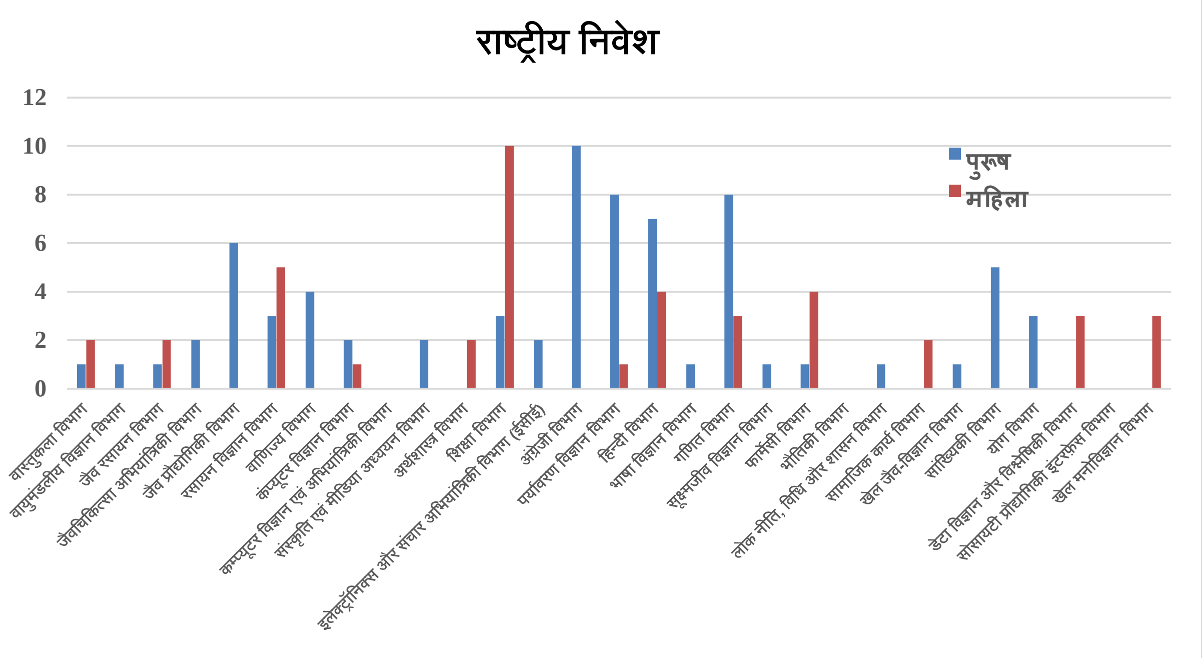

2022-23 में लगभग सभी विभागों में राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में पुरुष और महिला दोनों कर्मचारियों ने अच्छी भागीदारी की। हालाँकि, जिन विभागों का राष्ट्रीय प्रदर्शन में कोई डेटा प्रतिबिंबित नहीं हो रहा है, उन विभागों ने अंतर्राष्ट्रीय और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया है।

5. आमंत्रित वार्ता/यात्रा

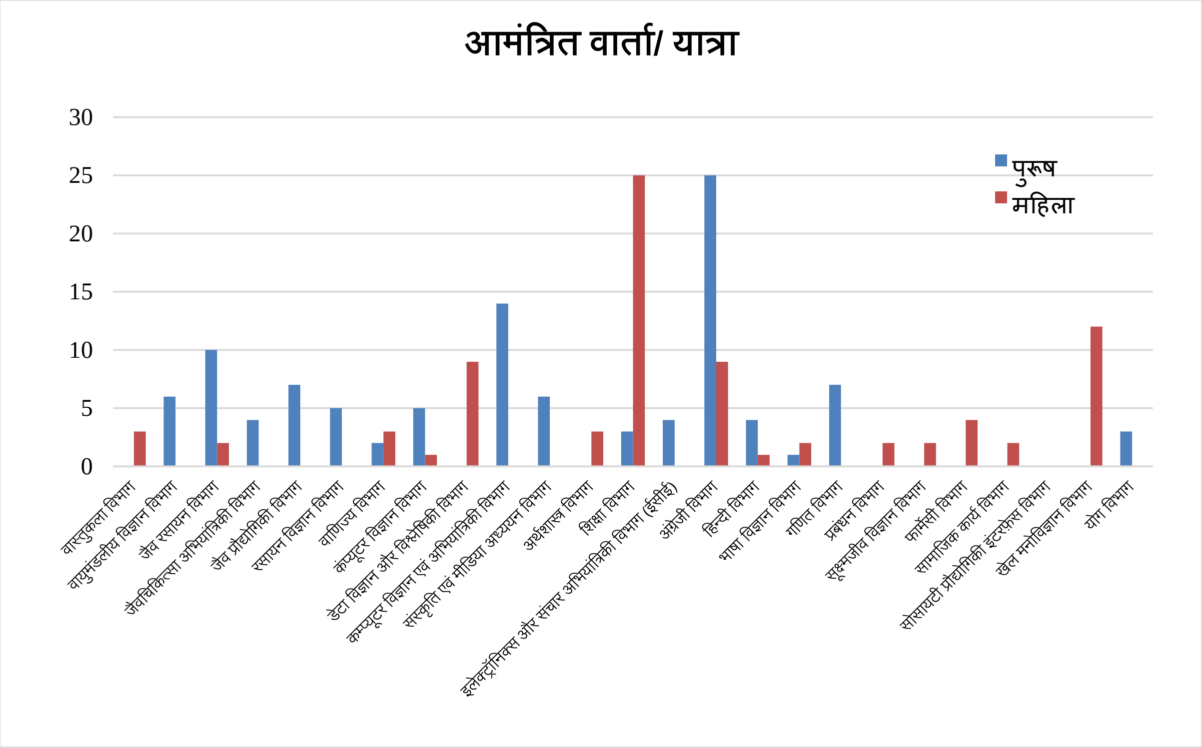

यह ग्राफ विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों में आमंत्रित व्याख्यानों या विशेषज्ञों के रूप में दोनों लिंगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

6. प्राप्त अनुसंधान अनुदान

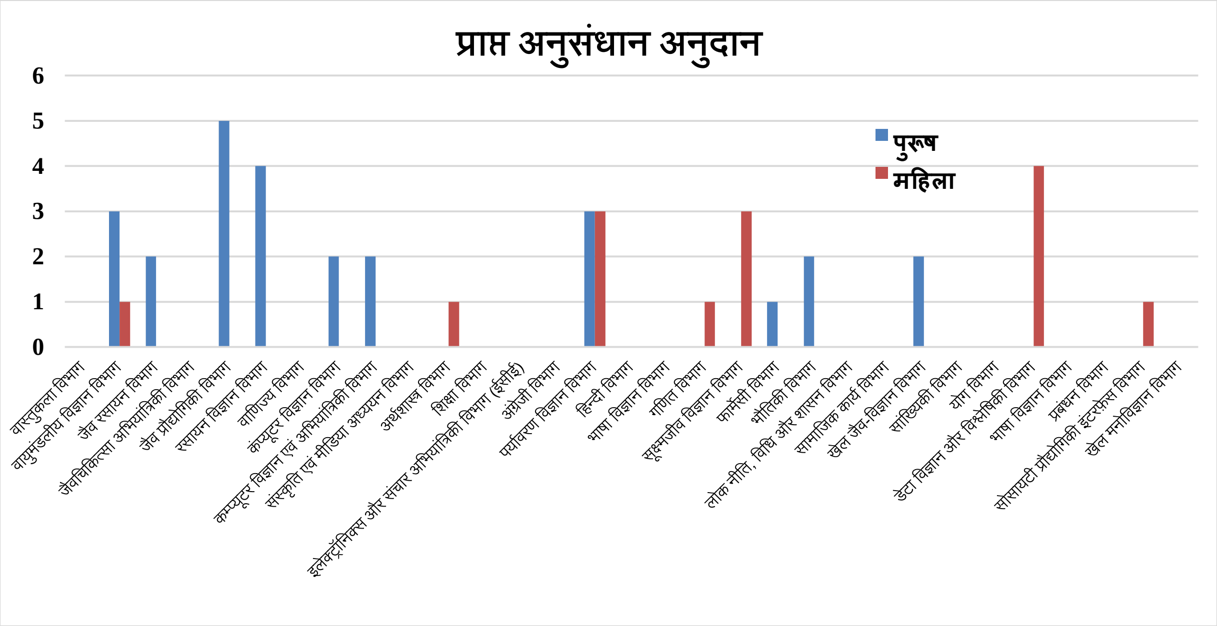

उपरोक्त ग्राफ दर्शाता है कि पर्यावरण विज्ञान विभाग और वास्तुकला विभाग के पुरुष और महिला दोनों संकाय सदस्यों को अनुदान प्राप्त हुआ है। हालाँकि, सात विभागों में केवल महिला संकायों और आठ विभागों में केवल पुरुष संकायों को अनुदान प्राप्त हुआ है। कई विभागों में अभी भी इस दिशा में कार्य करने की बहुत आवश्यकता है।

7. पुरस्कार की प्राप्ति

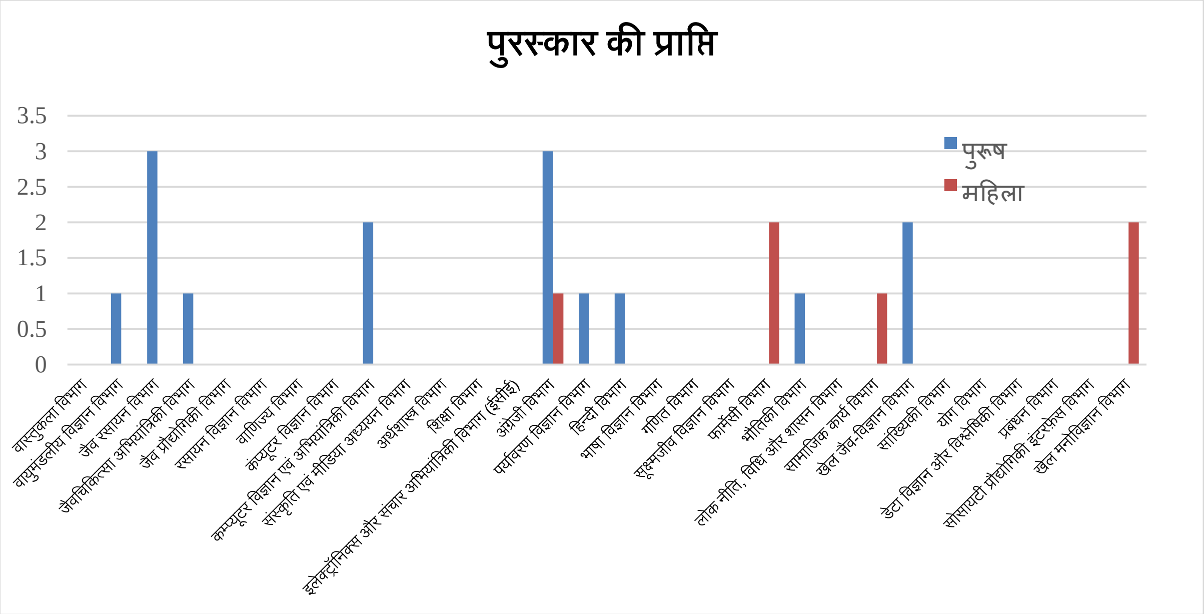

वर्ष 2023-24 में पुरुष संकाय सदस्यों को अधिक संख्या में पुरस्कार प्राप्त हुए। हालांकि, महिला संकाय सदस्य भी विभिन्न शैक्षणिक प्रयासों में पुरस्कार प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रही हैं, जैसा कि ग्राफ में दर्शाया गया है।

8. कार्यालय स्थान की उपलब्धता

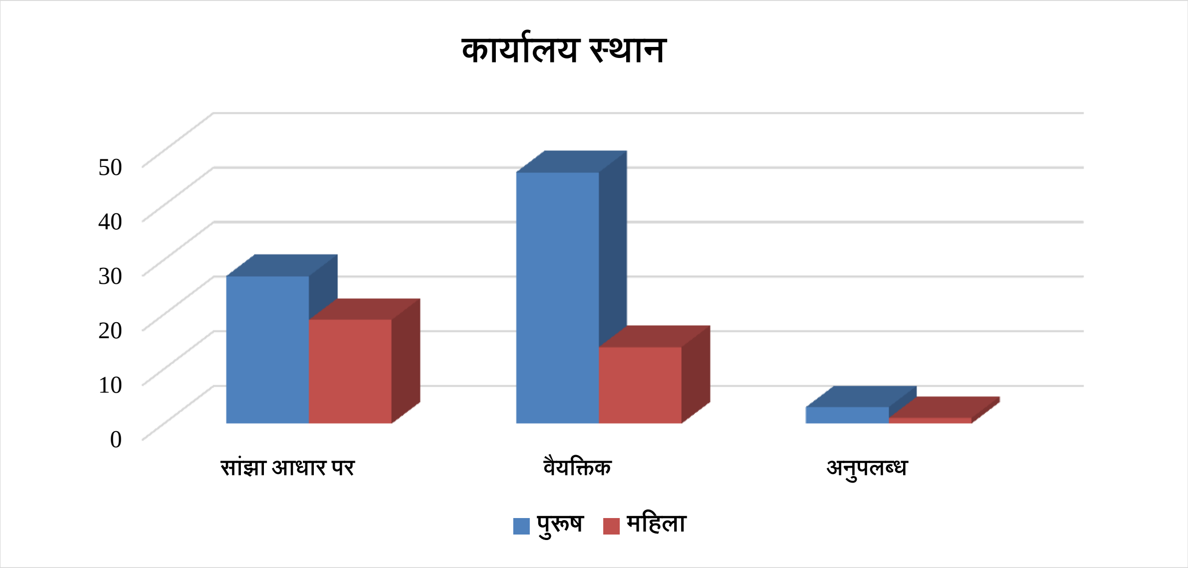

अधिकांशतः कार्यालय स्थान का उपयोग विभिन्न विभागों में संकायों द्वारा व्यक्तिगत आधार पर किया जाता है। हालांकि, कार्यालय स्थान पर साझा रूप में काम करने वाली महिला संकायों की संख्या व्यक्तिगत स्थान वाली महिला संकायों की तुलना में अधिक है।

9. विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठ में लैंगिक प्रतिनिधित्व

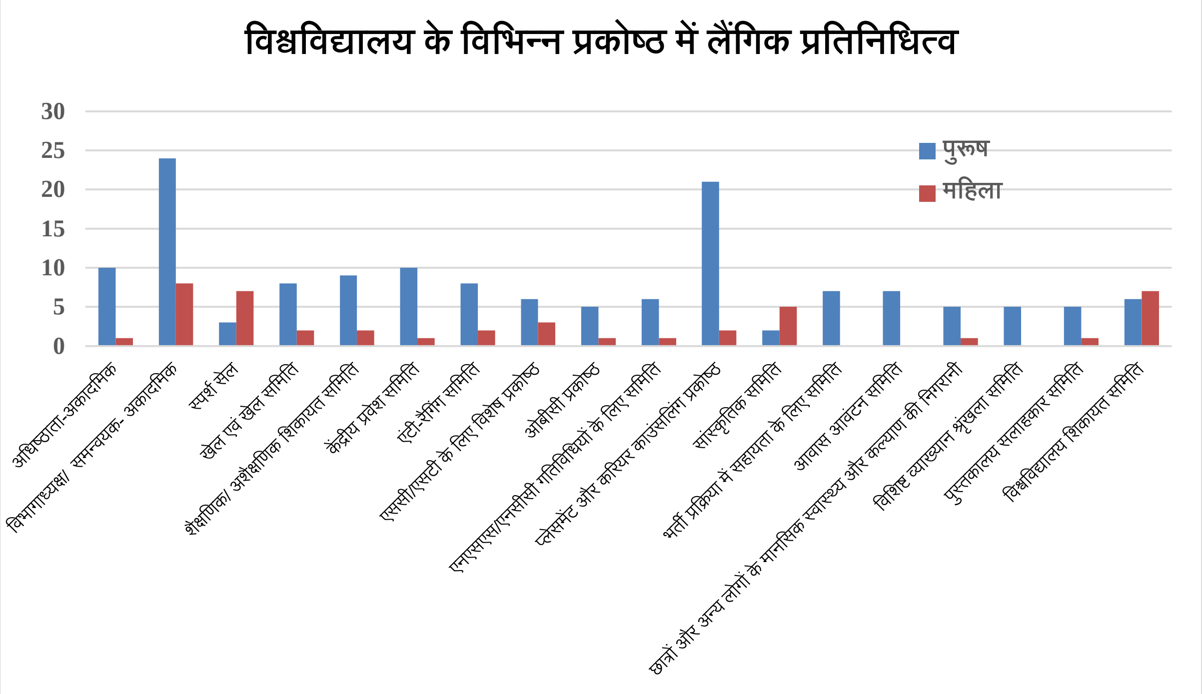

कुछ समितियों और वरिष्ठ प्रशासनिक पदों जैसे अधिष्ठाता और विभागाध्यक्ष आदि को छोड़कर विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों में पुरुष और महिला संकाय सदस्यों का लिंग प्रतिनिधित्व काफी अच्छा है।

विद्यार्थियों की रूपरेखा

1. नामांकित विद्यार्थियों की लैंगिक रूपरेखा

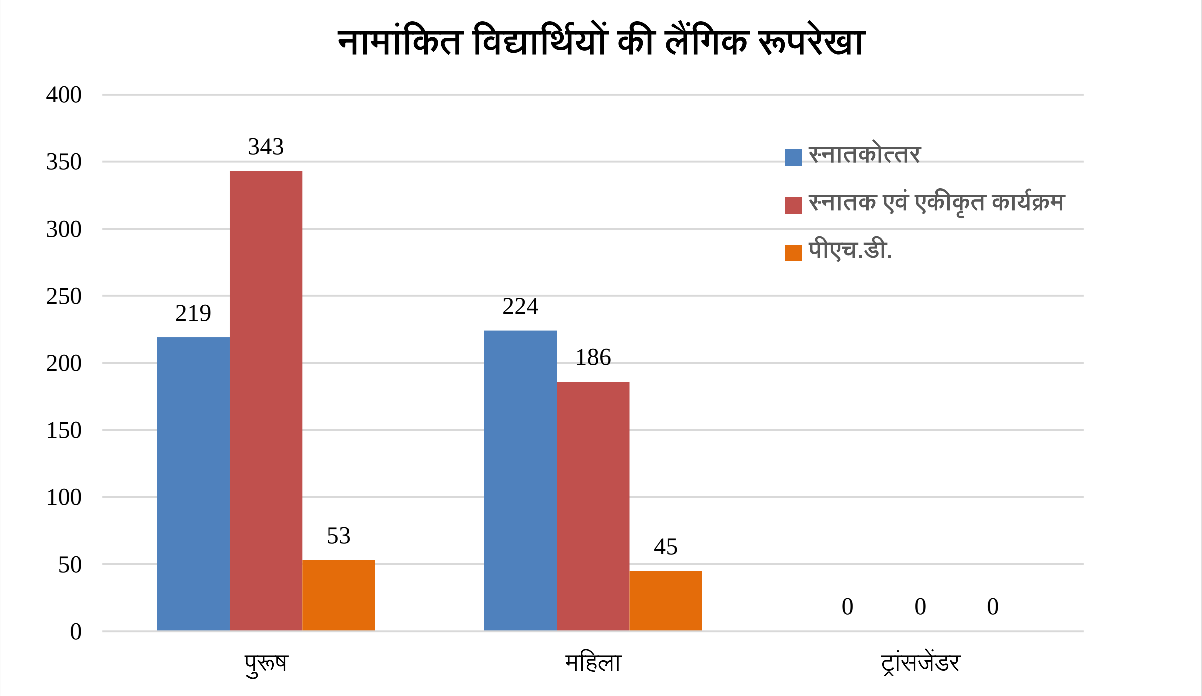

विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों का नामांकन लैंगिक समानता को दर्शाता है।

2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में प्रदर्शन

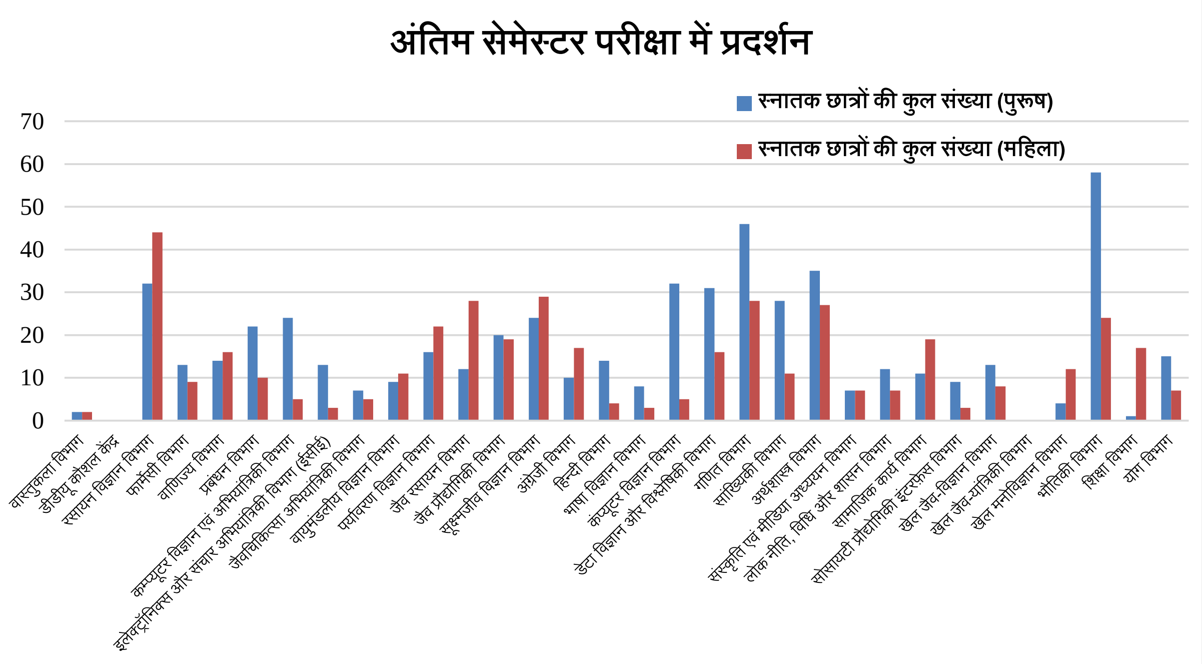

भौतिक विज्ञान, गणित, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभागों में पुरुष स्नातक अधिक संख्या में है। जबकि, 2023-24 में शिक्षा और जैव रसायन विभाग में पुरुषों की तुलना में महिला स्नातकों की संख्या अधिक है। 2023-24 में अन्य विभागों में लगभग बराबर संख्या में पुरुष और महिला छात्र स्नातक हैं।

3. शैक्षणिक उपलब्धियाँ

क. शैक्षणिक उपलब्धियाँ

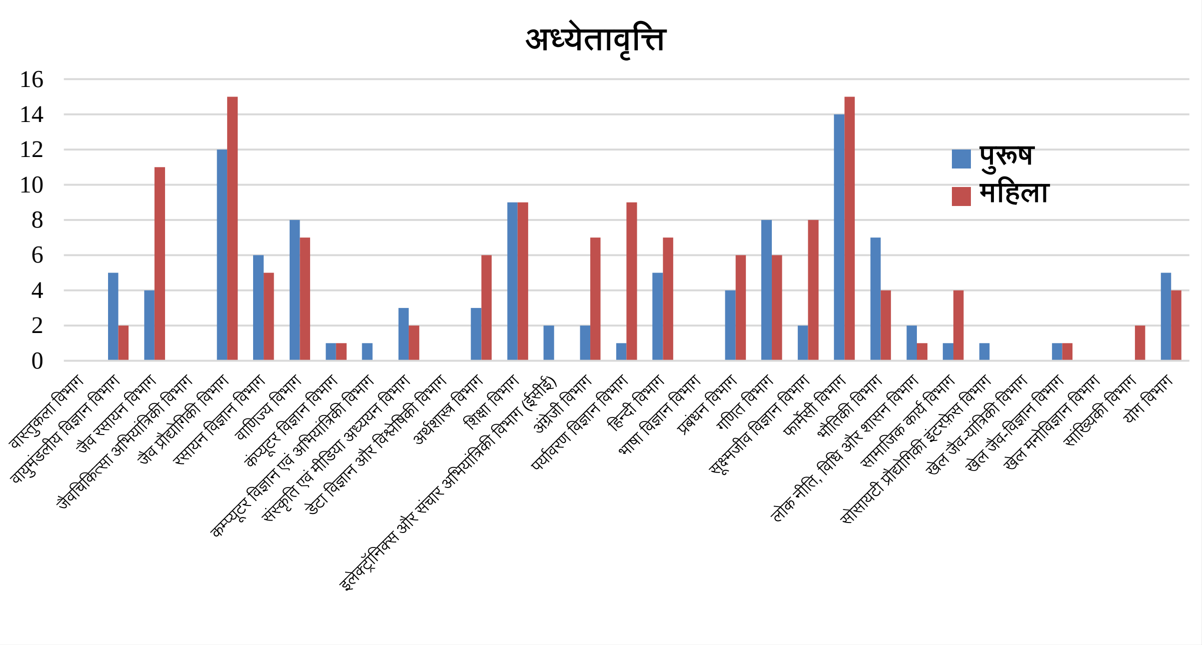

बाहरी एजेंसियों से फेलोशिप प्राप्त करने में छात्रों और छात्राओं दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

4. पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों में उपलब्धि

क. सांस्कृतिक भागीदारी

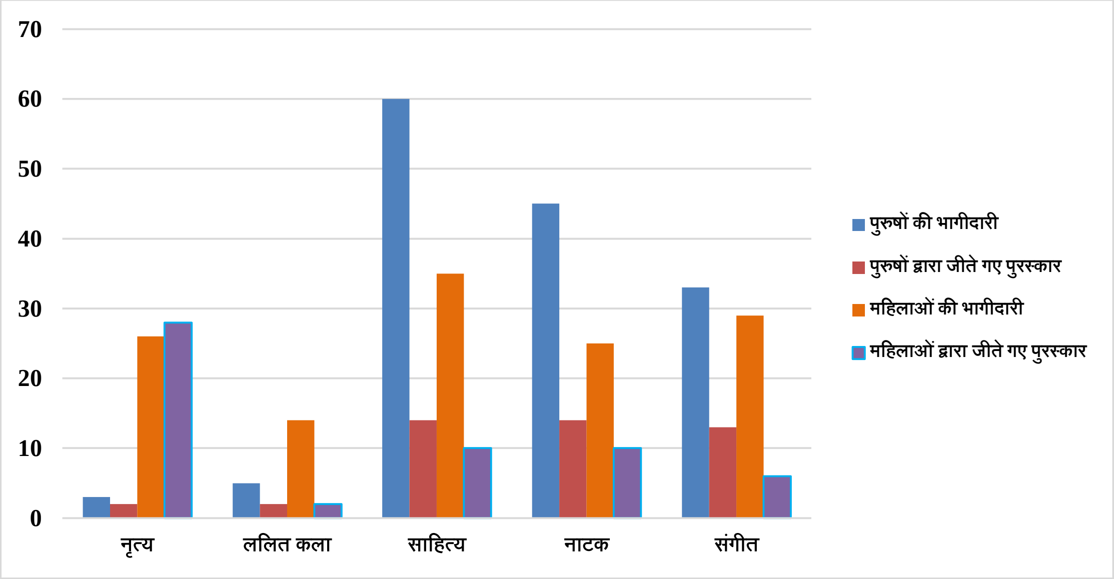

सांस्कृतिक गतिविधियों में छात्रों और छात्राओं दोनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। हालांकि, नृत्य, साहित्य, नाटक और संगीत के क्षेत्र में छात्राओं की भागीदारी और पुरस्कार प्राप्त करने की दर अधिक रही। इसके विपरीत साहित्य, नाटक और संगीत के क्षेत्र में पुरुष छात्रों ने अधिक पुरस्कार प्राप्त किए।

ख. खेलों में भागीदारी

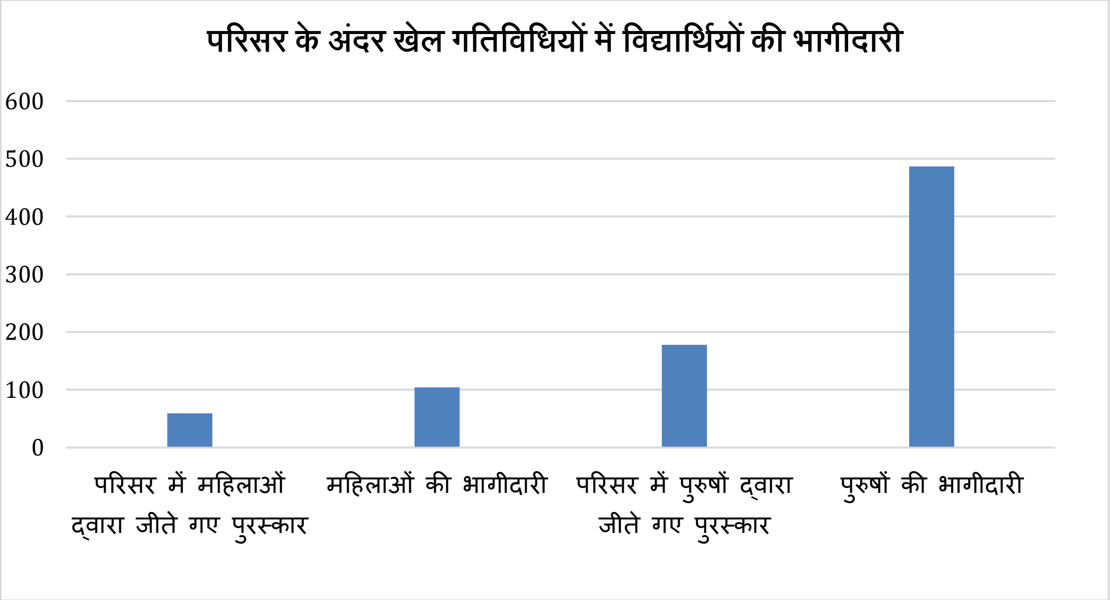

खेल गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी छात्राओं की तुलना में अधिक है। हालांकि, भाग लेने वाले विद्यार्थियोंमें, छात्रों (27 प्रतिशत) की तुलना में छात्राओं (50 प्रतिशत) को अधिक पुरस्कार मिले।

5. विद्यार्थी प्रगति

क. स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का नियोजन

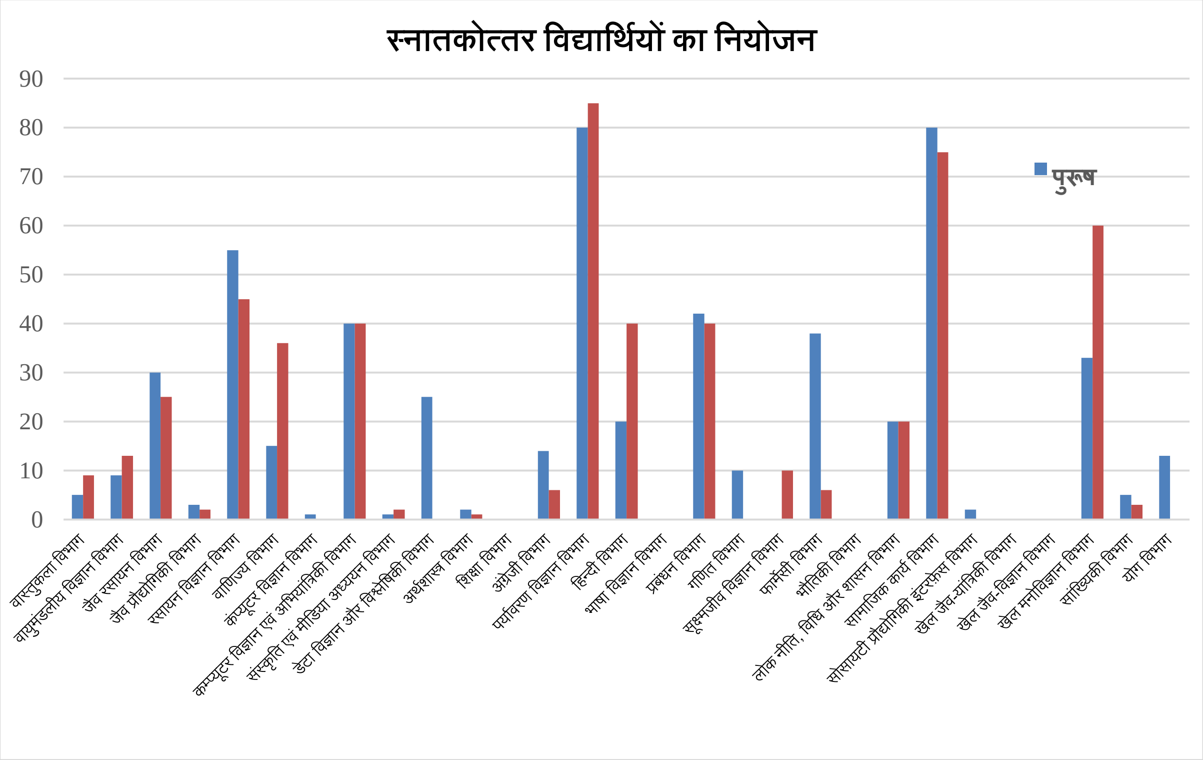

नव स्थापित विभागों जैसे खेल जैवयांत्रिकी, खेल जीव विज्ञान आदि को छोड़कर, सभी विभागों में छात्र और छात्राएं इन-कैंपस प्लेसमेंट और ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

ख. पीएच.डी. शोधार्थियों का नियोजन

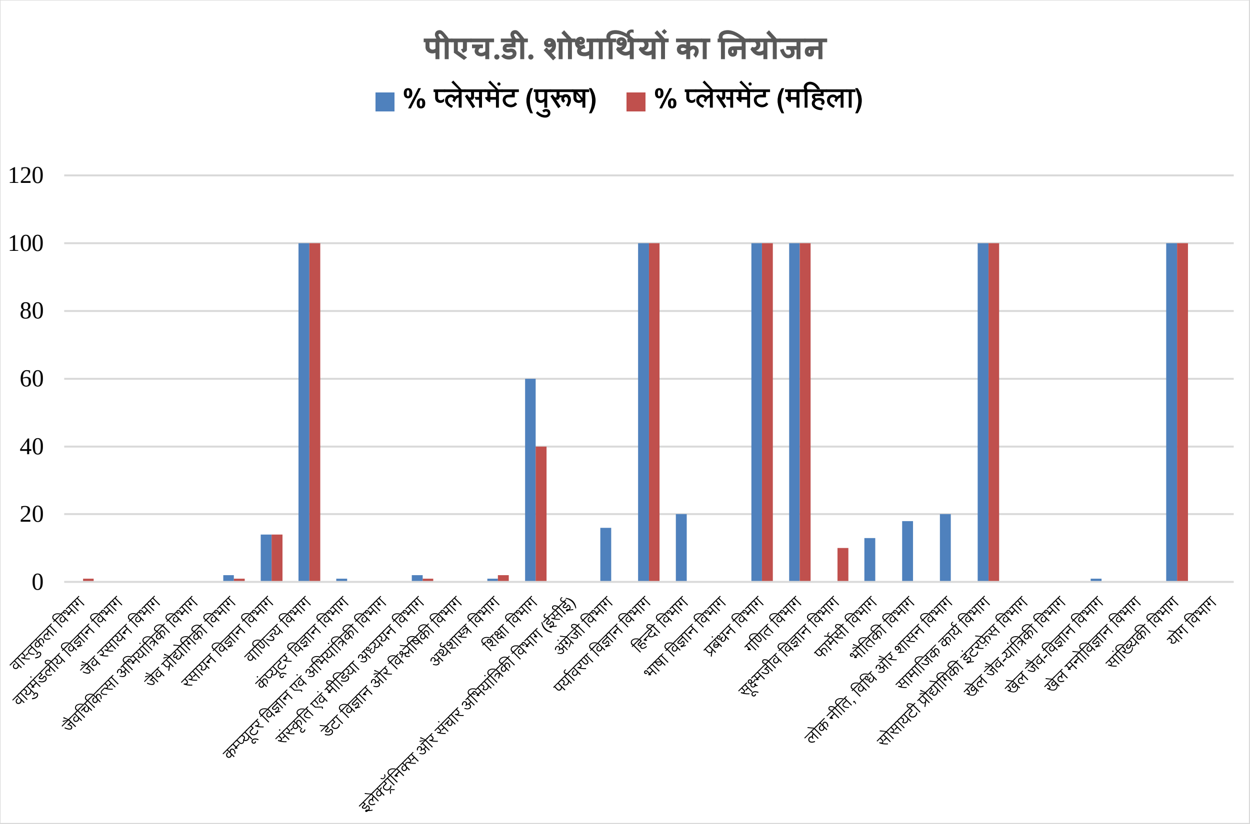

वर्ष 2023-24 में, पीएच.डी. पूर्ण करने के बाद काफी अच्छी संख्या में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। सात विभागों में पुरुष और महिला विद्यार्थियों के बीच प्लेसमेंट की संख्या समान है। जिन विभागों में विद्यार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं, उनमें कोई प्लेसमेंट नहीं हुआ है।

अन्य सुविधाएं

1. स्वास्थ्य केंद्र सुविधाएँ

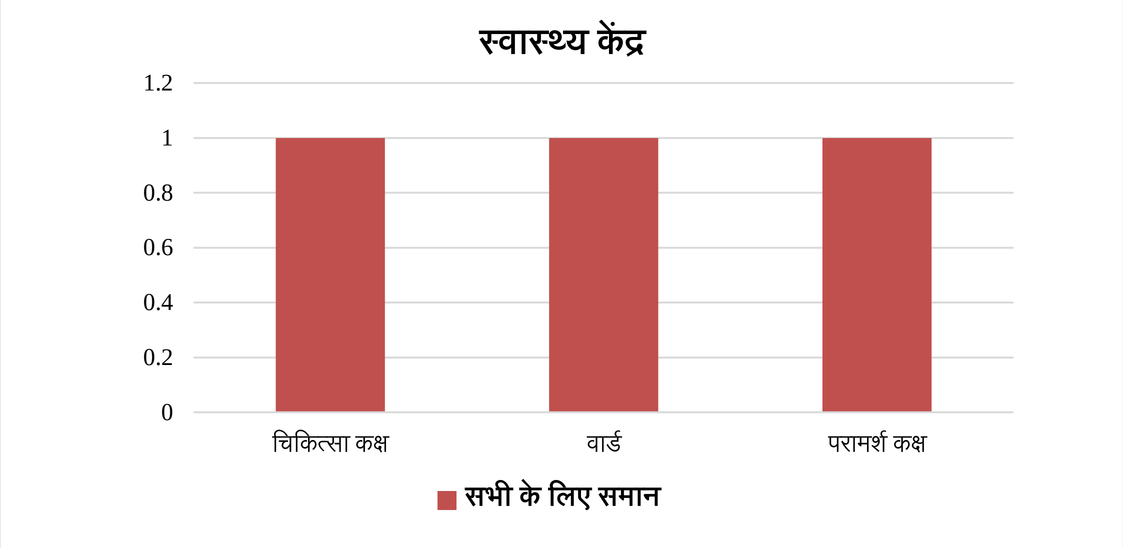

यह ग्राफ विश्वविद्यालय में साझा आधार पर चिकित्सा कक्ष, वार्ड और परामर्श कक्ष की पर्याप्त व्यवस्था पर प्रकाश डालता है।

10.कर्मचारी आवास

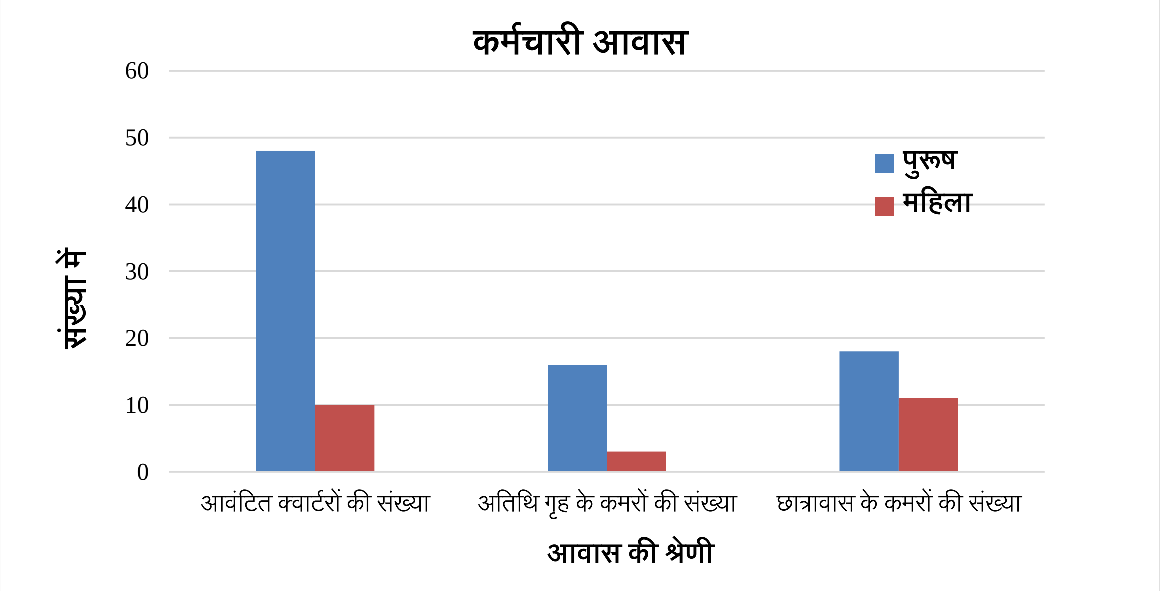

अधिकतम संख्या में पुरुष शैक्षणिक कर्मचारी और अशैक्षणिक कर्मचारी विश्वविद्यालय आवास में रहते हैं, उसके बाद अतिथि गृह और विश्वविद्यालय छात्रावासों का स्थान आता है, जबकि विश्वविद्यालय आवासों और छात्रावासों में महिला शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारी समान संख्या में रहते हैं।

11.विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा

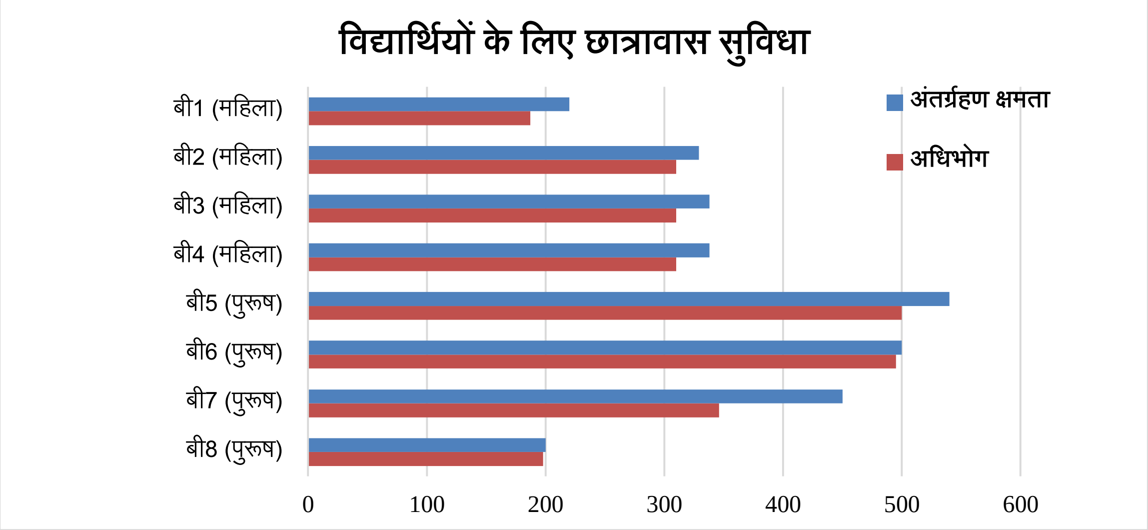

पुरूष और महिला दोनों छात्रावासों में विद्यार्थियों के रहने के लिए पर्याप्त जगह है तथा इनमें अच्छी तरह से सुसज्जित व्यवस्था है। छात्रों और छात्राओं दोनों के आवास हेतु 9 प्रतिशत स्थान छोड़ा गया है।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

सदस्य: कार्यकारी परिषद

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 11

(दिनांक 01.07.2023 से 30.06.2024 की अवधि में)

संविधि	सदस्यों के नाम
संविधि 11(1)(i): कुलपति **(पदेन अध्यक्ष)**	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति, और अध्यक्ष कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि 11(1)(ii): सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	सचिव , उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन , नई दिल्ली-110001.
संविधि 11(1)(iii) : अध्यक्ष, यूजीसी या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	प्रो. रबी नारायण कर , प्राचार्य, श्याम लाल कॉलेज, जीटी रोड, शाहदरा दिल्ली (10.06.2022 से)
संविधि 11(1)(iv): राज्य सरकार के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा या उनके नामित व्यक्ति जो सचिव के पद से नीचे पदक्रम के न हों, विशेषत: उच्च शिक्षा के मामलों से संबंधित हो	प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग ,राजस्थान सरकार, मुख्य भवन ,सचिवालय , जयपुर-302 005, राजस्थान
संविधि 11(1)(v): सम कुलपति; यदि कोई	(रिक्त)
संविधि 11(1)(vi): अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाताओं में से वरिष्ठता के अनुसार क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त चार सदस्य	1. प्रो. उमा शंकर मिश्र अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन (04.11.2022 से) 2. प्रो. संजीब कुमार पात्रा अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल (28.02.2023 से) 3. प्रो. चंडी चरण मंडल अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान स्कूल (27.10.2023 से)

संविधि	सदस्यों के नाम
	4. डॉ. देवेश शर्मा अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल (27.10.2023 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** 1. प्रो. राजेश कुमार अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल (04.11.2022 से 30.08.2023 तक) 2. प्रो.जगदीश उल्हास जाधव अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल (31.05.2021 से 30.05.2024 तक)
संविधि 11(1)(vii): एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं हो, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार, कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	प्रो. इंसाद अली खान सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग (07.11.2023 से)
संविधि 11(1)(viii): एक सह आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	रिक्त **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** 1. डॉ. संजय अरोड़ा, आचार्य, अंग्रेजी विभाग (12.09.2023 से 12.03.2024 तक) 2. डॉ. ममता रानी, सह आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान विभाग (08.10.2021 से 11.09.2023 तक)
संविधि 11(1)(ix): एक सहायक आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा	डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी सहायक आचार्य, प्रबंधन विभाग,

संविधि	सदस्यों के नाम
नियुक्त किया जाएगा	राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (03.07.2024 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य, प्रबंधन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (14.06.2021 से 13.06.2024 तक)
संविधि 11(1)(x): कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो, जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का या विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध संस्थान का कर्मचारी या छात्र नहीं हो और, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	(रिक्त-02) दूसरे कोर्ट के लिए कुलाध्यक्ष के 02 नामांकित व्यक्तियों का प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय को भेजा गया है।
संविधि 11(1)(xi): शैक्षणिक और सार्वजनिक जीवन में विशिष्ट चार व्यक्ति, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	1. प्रो. मंजू बाघमार , व्यावसायिक व्यवस्थापन विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ,उदयपुर ,राजस्थान 2. डॉ. पायल मागो, प्राचार्य, 3. शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय 4. प्रो .शंभू नाथ सिंह, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली। 5. प्रो राजीव कुमार सक्सेना , आर्थिक प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन विभाग ,राजस्थान विश्वविद्यालय ,जयपुर। (09.03.2022 से)
संविधि 6(6): कुलसचिव कार्यकारी परिषद और अकादमिक परिषद का पदेन सचिव होगा, लेकिन इन प्राधिकरणों में से किसी एक का सदस्य नहीं माना जाएगा (पदेन सचिव)	प्रो. विपिन कुमार कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (31.10.2023 से)

संविधि	सदस्यों के नाम
	पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान): श्री प्रदीप अग्रवाल कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (01.06.2023 से 30.10.2023 तक)

समिति की गणपूर्ति: संविधि 11(3) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित कार्यकारी परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या कार्यकारी परिषद की बैठक की गणपूर्ति होगी।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 11(2) के प्रावधानों के अनुसार, कुलपति, उप-कुलपति व कुलसचिव को छोड़कर कार्यकारी परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: अकादमिक परिषद

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 13

(दिनांक 01.07.2023 से 30.06.2024 की अवधि में)

संविधि	सदस्यों के नाम
संविधि 11(1)(i): कुलपति (पदेन अध्यक्ष)	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति, एवं अध्यक्ष, अकादमिक परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि 13(1)(ii): सम-कुलपति, यदि कोई हो	(रिक्त)
संविधि 13(1)(iii): अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाता	1. अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान एवं फार्मेसी स्कूल 2. अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल 3. अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल 4. अधिष्ठाता, भौतिकीय विज्ञान स्कूल 5. अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल (24.04.2024 से खेल विज्ञान स्कूल में समाहित) 6. अधिष्ठाता, गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल 7. अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल 8. अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा स्कूल 9. अधिष्ठाता, वास्तुकला स्कूल 10. अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान स्कूल 11. अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल 12. अधिष्ठाता, खेल विज्ञान, योग एवं शिक्षा स्कूल (24.04.2024 से) 13. अधिष्ठाता,अंतरविषयक स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल 14. अधिष्ठाता, प्रदर्शन कला स्कूल
संविधि 13(1)(iv): अकादमिक विभागों/केंद्रों के विभागाध्यक्ष	1. विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग 2. विभागाध्यक्ष, वायुमंडलीय विज्ञान विभाग 3. विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग 4. विभागाध्यक्ष, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग 5. विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 6. विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग 7. विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग 8. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग 9. विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी स्कूल 10. विभागाध्यक्ष, संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग 11. विभागाध्यक्ष, आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग

	12. विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग 13. विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग 14. विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग 15. विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग 16. विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग 17. विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग 18. विभागाध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग 19. विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग 20. अध्यक्ष, गणित विभाग 21. विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग 22. विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग 23. विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग 24. विभागाध्यक्ष, लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग 25. विभागाध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग 26. विभागाध्यक्ष, समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग 27. विभागाध्यक्ष, खेल जैवयांत्रिकी विभाग 28. विभागाध्यक्ष, खेल जीव विज्ञान विभाग 29. विभागाध्यक्ष, खेल मनोविज्ञान विभाग 30. विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग 31. विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग 32. विभागाध्यक्ष, योग विभाग 33. विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्य विज्ञान विभाग 34. विभागाध्यक्ष, होटल एवं पर्यटन प्रबंधन 35. विभागाध्यक्ष, रंगमंच एवं प्रदर्शन कला विभाग
संविधि 13(1)(v): दस आचार्य, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर (अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाता और विभागों / केंद्रों के अध्यक्ष को छोड़कर) को कुलपति द्वारा अलग-अलग स्कूलों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए नामित	1. प्रो. नीरज गुप्ता वास्तुकला विभाग 2. प्रो. जे.के. प्रजापत गणित विभाग 3. प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर हिंदी विभाग 4. प्रो. पवन कुमार दाधीच सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग 5. प्रो. अमित कुमार गोयल फार्मेसी विभाग 6. प्रो. संजीब कुमार पांडा जैव रसायन विभाग 7. प्रो. राजेश कुमार पर्यावरण विज्ञान विभाग 8. प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा पर्यावरण विज्ञान विभाग 9. प्रो. अरविंद पांडे सांख्यिकी विभाग

	(03.11.2023 से) 10. प्रो. एस.एन. अंबेडकर सार्वजनिक नीति, विधि और शासन विभाग (04.12.2023 से)
संविधि 13(1)(vi): पाँच सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हों, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर कुलपति द्वारा नामित	1. डॉ. अंजलि शर्मा शिक्षा विभाग 2. डॉ. सुरेश सिंह राठौड़ हिंदी विभाग 3. डॉ. दीपेश भाटी सांख्यिकी विभाग 4. डॉ. अनुज कुमार शर्मा रसायन विज्ञान विभाग (03.11.2023 से)
संविधि 13(1)(vii): तीन सहायक आचार्य, वरिष्ठता और क्रमानुसार, कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे	1. डॉ. नेहा अरोड़ा, अंग्रेजी विभाग (17.12.2021 से) 2. डॉ. देवेंद्र रांकावत अंग्रेजी विभाग (04.12.2023 से) 3. डॉ. गौरव सोमानी कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग (04.12.2023 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** 4. डॉ. जन्मेजय पांडे बायोटेक्नोलॉजी विभाग (03.11.2023 से 03.12.2023 तक) 5. डॉ. दीक्षा त्रिपाठी सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग (03.11.2023 से 03.12.2023 तक)
संविधि 13(1)(viii): छह व्यक्ति जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, उन्हें शिक्षा की प्रगति और विकास में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित किया गया है।	1. प्रो. एन.पी. पांडे निदेशक, एम.एन.आई.टी., जयपुर 2. प्रो. सुरेश जोशी पूर्व निदेशक और प्रोफेसर एस.बी.एम.ई. ड्रेक्सल यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया यू.एस.ए. (03.11.2023 से) 3. प्रो. ई. सुरेश कुमार कुलपति, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद (06.11.2023 से)

संविधि 13(1)(ix): कुलाध्यक्ष द्वारा मनोनीत कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो सदस्य	(रिक्त-02) दूसरे कोर्ट के लिए कुलाध्यक्ष के 02 नामांकित व्यक्तियों का प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय को भेजा गया है।
संविधि 13(2): अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (पदेन सदस्य)	कुलपति (15.02.2024 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** प्रो. जे. के. प्रजापत (11.10.2021 से)
संविधि 13(2): कुलानुशासक (पदेन सदस्य)	डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा (प्रभावी 29.07.2022)
संविधि 13(2): परीक्षा नियंत्रक	परीक्षा नियंत्रक डॉ. चंद्रकांता दास (प्रभारी) (16.04.2024 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (प्रभारी) (16.07.2021 से 12.07.2023 तक) डॉ. मनीष डिडवानिया (13.07.2023 से 05.04.2024 तक)
संविधि 13(2): पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालयाध्यक्ष - वर्तमान में प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (प्रभारी)
संविधि 6(6): कुलसचिव, (पदेन सचिव)	प्रो. विपिन कुमार कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (31.10.2023 से) **पूर्व सदस्य (01.07.2023 से 30.06.2024 के दौरान):** श्री प्रदीप अग्रवाल कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

	(01.06.2023 से 30.10.2023 तक)

समिति की गणपूर्ति: संविधि 13(4) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या अकादमिक परिषद की बैठक की गणपूर्ति करेंगी।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 13(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर अकादमिक परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: वित्त समिति

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 13

(दिनांक 01.07.2023 से 30.06.2023 की अवधि में)

संविधि	सदस्य(सदस्यों) का नाम
संविधि 17(1)(i): कुलपति	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति और पदेन अध्यक्ष राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि 17(1)(ii): सम-कुलपति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iii): न्यायालय द्वारा नामित एक व्यक्ति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iv): कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा	1. श्री बी. एस. पाटिल, पूर्व वित्त अधिकारी शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र (20.05.2022 से) 2. प्रो. राजीव कुमार सक्सेना आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन विभाग ,राजस्थान विश्वविद्यालय (29.08.2022 से एक कार्यकाल के लिए और जब तक वह कार्यकारी परिषद का सदस्य बने रहेगे)
संविधि 17(1)(v): कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन व्यक्ति	1. संयुक्त सचिव (सीयू एंड एल), शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली 2. संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी, नई दिल्ली
संविधि 7(5) वित्त अधिकारी, पदेन सचिव	पदेन सचिव

समिति की गणपूर्ति: संविधि 17(2) के प्रावधानों के अनुसार, वित्त समिति के पाँच सदस्य वित्त समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति करेंगे।

सदस्यों का कार्यकाल: संविधि 17(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

संकाय सदस्यों /प्रशासनिक अधिकारियों/ शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की सूची

क. नियमित शैक्षणिक कर्मचारी

क.1 अकादमिक वर्ष 2023-24 के दौरान नियुक्त नियमित शैक्षणिक कमर्चारियों की सूची :

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यमुक्ति की तिथि
1.	प्रोफेसर राघवेंद्र भट्ट	आचार्य	योग	29.01.2024	
2.	प्रो. वी. श्रीधरन	आचार्य	रसायन विज्ञान	01.08.2023	31.08.2023
3.	डॉ अक्षांश भारद्वाज	सहायक आचार्य	हिंदी	22.01.2024	
4.	डॉ.सुबोध कुमार	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान और विश्लेषण	25.01.2024	
5.	श्री शुभम् पांडे	सहायक आचार्य	वाणिज्य	13.03.2024	

क.2 अकादमिक वर्ष 2023-24 की अवधि में कार्यरत नियमित शैक्षणिक कमर्चारी :

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
1.	प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला	-
2.	श्रीमती ऋतु भार्गव राय	सह आचार्य	वास्तुकला	-
3.	श्री विवेकानन्द तिवारी	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
4.	डॉ. सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
5.	श्री महेश कुमार	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
6.	डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
7.	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
8.	डॉ. चिन्मय मलिक	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
9.	डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
10.	डॉ. जय प्रकाश	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
11.	प्रो. चंडी चरण मंडल	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	जैव रसायन	-
12.	प्रो. संजीब कुमार पांडा	आचार्य	जैव रसायन	-
13.	डॉ. हेमन्त कुमार दायमा	सह आचार्य	जैव रसायन	-
14.	डॉ. विश्वनाथ तिवारी	सहायक आचार्य	जैव रसायन	-
15.	डॉ. शिव स्वरूप	सहायक आचार्य	जैव रसायन	-
16.	डॉ. दीपक गायेन	सहायक आचार्य	जैव रसायन	-
17.	डॉ. भावना बिस्सा	सहायक आचार्य	जैव रसायन	-
18.	प्रो. गजानन बाला साहेब ज़ोरे	आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
19.	डॉ. पंकज गोयल	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	जैव प्रौद्योगिकी	-
20.	डॉ. जय कांत यादव	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
21.	डॉ. जन्मेजय पांडे	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
22.	डॉ. तरूण कुमार भट्ट	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
23.	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ल	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
24.	डॉ. खेम राज मीना	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
25.	डॉ. गजेंद्र सिंह	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
26.	डॉ. संदीप चौधरी	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
27.	डॉ. चंदन कुमार	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
28.	डॉ. विक्रांत सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
29.	डॉ. मानस कुमार नाग	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
30.	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन	सह आचार्य	रसायन विज्ञान	-
31.	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	सह आचार्य	रसायन विज्ञान	-
32.	डॉ. एम. भानुचंद्र	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
33.	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
34.	डॉ. पार्थ रॉय	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
35.	डॉ. रीतेश सिंह	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
36.	डॉ. हेमंत जोशी	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
37.	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
38.	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
39.	डॉ. चंद्रकांता दाश	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
40.	प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	वाणिज्य	-
41.	डॉ. प्रियंका भास्कर	सहायक आचार्य	वाणिज्य	-
42.	श्री शुभम् पांडे	सहायक आचार्य	वाणिज्य	
43.	प्रो. ममता रानी	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	संगणक विज्ञान	-
44.	डॉ. पवन सिंह	सह आचार्य	संगणक विज्ञान	-
45.	गौरव मीना	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
46.	श्री रवि राज चौधरी	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
47.	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
48.	डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
49.	डॉ. अभय कुमार राय	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
50.	डॉ. प्रकाश चौधरी	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
51.	डॉ. बसंत अग्रवाल	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
52.	डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
53.	श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
			अभियांत्रिकी	
54.	डॉ. मुजम्मिल हुसैन मोहम्मद	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
55.	डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
56.	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव	आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
57.	डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
58.	डॉ. निकोलस लाकड़ा	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
59.	डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
60.	डॉ.अनूप कुमार	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
61.	डॉ. विद्योत्तमा जैन	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
62.	डॉ. निष्ठा केसवानी	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
63.	डॉ. प्रीतपाल सिंह	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
64.	डॉ. भावना सैनी	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
65.	डॉ. सुबोध कुमार	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	
66.	डॉ. हेमलता मंगलानी	सह आचार्य	अर्थशास्त्र	-
67.	डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
68.	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
69.	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
70.	डॉ. रीना राम किशोर गोदारा	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
71.	डॉ. टी. संगीता	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
72.	डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
73.	डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
74.	डॉ. अंजलि शर्मा	सह आचार्य	शिक्षा	-
75.	डॉ. गोबिंद सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
76.	डॉ. नरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
77.	डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
78.	डॉ. नित्या प्रेम एसआर	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
79.	डॉ. संयोग रावत	सह आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
80.	डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
81.	डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
82.	डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
83.	डॉ.सुधीर भास्कर	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
84.	डॉ. संजय अरोड़ा	आचार्य	अंग्रेज़ी	-
85.	डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
86.	डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
87.	डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
88.	डॉ वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
89.	डॉ. सविता लक्ष्मणराव अंदेलवार	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
90.	प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
91.	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा	आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
92.	डॉ. प्रमोद निंगप्पा कांबले	सह आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
93.	डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
94.	डॉ. ऋतु सिंह	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
95.	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
96.	डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
97.	डॉ. भगवान डी.	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
98.	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य (सीएएस के माध्यम से	हिंदी	-
99.	डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा	सह आचार्य	हिंदी	-
100.	डॉ. ममता खांडल	सहायक आचार्य	हिंदी	-
101.	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सह आचार्य	हिंदी	-
102.	डॉ. अक्षांश भारद्वाज	सहायक आचार्य	हिंदी	
103.	डॉ. धनपति शौग्रक्पम	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
104.	डॉ. सरिता देवीराम शर्मा	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
105.	श्री धनंजय कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
106.	डॉ.महबूब ज़ाहिद	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
107.	प्रो. उमा शंकर मिश्रा	आचार्य	प्रबंधन	-
108.	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
109.	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
110.	डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
111.	डॉ. रामुलु भुक्या	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
112.	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत	आचार्य (सीएएस के माध्यम से	गणित	-
113.	प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा	आचार्य(सीएएस के माध्यम से	गणित	-
114.	डॉ. आनंद कुमार	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम	गणित	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
		से		
115.	डॉ. रामकिशोर	सहायक आचार्य	गणित	-
116.	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी	सहायक आचार्य	गणित	-
117.	डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	गणित	-
118.	डॉ. विपुल कक्कड़	सहायक आचार्य	गणित	-
119.	डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	गणित	-
120.	डॉ. कमलेश जांगिड़	सहायक आचार्य	गणित	-
121.	प्रो. पवन कुमार दाधीच	आचार्य (सीएएस के माध्यम से	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
122.	प्रो. प्रदीप वर्मा	आचार्य (सीएएस के माध्यम से	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
123.	प्रो. इंशाद अली खान	आचार्य (सीएएस के माध्यम से	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
124.	डॉ. अखिल अग्रवाल	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम से	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
125.	डॉ. निधि पारीक	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	
126.	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
127.	डॉ. सागर शिवाजी बराले	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
128.	प्रो. विपिन कुमार	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	फार्मेसी	-
129.	प्रो. अमित कुमार गोयल	आचार्य	फार्मेसी	-
130.	डॉ. माधुरी देसवथु	सह आचार्य	फार्मेसी	-
131.	डॉ. देवेश मधुकर सावंत	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
132.	डॉ. रुचि मलिक	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
133.	डॉ. कैसर रजा	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
134.	डॉ. उमेश गुप्ता	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	फार्मेसी	-
135.	प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
136.	डॉ. सुखमंदर सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
137.	डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
138.	डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
139.	डॉ. युगान्दर बिटला	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
140.	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
141.	डॉ. कुलदीप सुथर	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
142.	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
143.	प्रो. नागेंद्र अम्बेडकर सोले	आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
144.	डॉ. कंदसामी एस.	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
145.	डॉ. जीवन कुमार चेरुकु	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
146.	डॉ. ज्ञान रंजन पांडा	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
147.	डॉ. सुधीर कुमार गढ़वाल	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
			शासन	
148.	प्रो. जगदीश उल्लास जाधव	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	सामाजिक कार्य	-
149.	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
150.	डॉ. अतीक अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
151.	डॉ. शैजी अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
152.	डॉ. राजीव एम.एम	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
153.	डॉ. कुमार संभव पारीक	सह आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
154.	डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
155.	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
156.	डॉ. जुगल किशोर	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
157.	डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
158.	डॉ. हेमन्त नाइक बनावथ	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
159.	डॉ. सुनील जी. पुरोहित	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
160.	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
161.	डॉ. नीथू पी.एस	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	-
162.	डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	-
163.	प्रो. जितेंद्र कुमार	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	सांख्यिकी	-
164.	प्रो. अरविंद पांडे	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	सांख्यिकी	-
165.	डॉ. दीपेश भाटी	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	सांख्यिकी	-
166.	डॉ. संजय कुमार	सह आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	सांख्यिकी	-
167.	डॉ.सतीश कुमार कालापाला	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
168.	डॉ. महेश शिवाजी बराले	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
169.	डॉ.सौरभ कुमार	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
170.	प्रो. राघवेन्द्र भट्ट	आचार्य		
171.	डॉ. संजीब कुमार पात्रा	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	योग	-
172.	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री	सहायक आचार्य	योग	-
173.	प्रो. अजीत कुमार पात्रा	आचार्य (सीएएस के माध्यम से)	भौतिकी	11.09.2024
174.	प्रो. वी. श्रीधरन	आचार्य	रसायन विज्ञान	31.08.2023
175.	डॉ. सुभासिस भद्र	सह आचार्य	सामाजिक कार्य	27.10.2023
176.	डॉ. निधि पारीक	सह आचार्य	खेल जैव विज्ञान	21.08.2023
177.	डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	खेल मनोविज्ञान	21.07.2023
178.	डॉ किरण कुमार तेजावत	सहायक आचार्य	जैव रसायन विज्ञान	08.03.2024
179.	डॉ. सुमन टपरयाल	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	15.11.2023
180.	डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	वाणिज्य	11.09.2024

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
181.	डॉ. एल. पैखोम्बा सिंघा	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	21.09.2023
182.	डॉ.नीरज पंवार	सहायक आचार्य	भौतिकी	08.10.2024
183.	डॉ. महेंद्र साहा	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	19.09.2023

ख. नियमित शिक्षकेत्तर कर्मचारी

ख.1 अकादमिक वर्ष 2023-24 के दौरान नियुक्त नियमित प्रशासनिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी:

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यग्रहण की तिथि	कार्यमुक्ति की तिथि (यदि कोई हो)
1	डॉ. रवीन्द्रनाथ वोडेयार	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	01.03.2024	-
2	श्री गौरव शर्मा	सहायक कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	09.10.2023	-
3	सुश्री नेहा बजाज	अनुभाग अधिकारी	पदोन्नति	क	14.02.2024	-
4	श्री केदार पहाड़ासिंह	निजी सहायक	सीधी भर्ती	क	19.02.2024	-
5	श्री शिवराज बैरवा जी	सहायक	सीधी भर्ती	ख	25.01.2024	-
6	श्री दिलीप रायचंदानी	सहायक	पदोन्नति	ख	12.06.2024	-
7	श्री सुनील कुमार जांगिड़	वृत्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	25.01.2024	-
8	श्री विवेक व्यास	तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	14.02.2024	-
9	श्री पंकज कुमार टेलर	तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	14.02.2024	-
10	श्री संदीप शर्मा	तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	14.02.2024	-
11	डॉ आरिफ खान	तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	14.02.2024	-
12	श्री राहुल शर्मा	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.03.2024	-
13	श्री विष्णु बंसल	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.03.2024	-
14	श्री पवन कुमार शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	14.02.2024	-
15	श्री नंद राम चौधरी	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	25.01.2024	-
16	श्री केशव कुमार शर्मा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	14.03.2024	-
17	श्री विनोद कुमार	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	15.03.2024	-
18	श्री गणेशी लाल शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	13.03.2024	-
19	सुश्री आशिता लड्ढा	सांख्यिकीय सहायक	सीधी भर्ती	ग	25.01.2024	-
20	श्री हरीश वैष्णव	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	19.03.2024	-
21	श्री पवन कुमार	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	12.02.2024	-
22	श्री बाघ सिंह भाटी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	12.02.2024	-
23	श्री हेमराज कुमावत	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	04.03.2024	-
24	श्री रवि सेन	ड्रेसर	सीधी भर्ती	ग	25.01.2024	-
25	श्री मनीष डीडवानिया	परीक्षा नियंत्रक	सीधी भर्ती	ग	13.07.2023	05.04.2024
26	श्री मनीष सिंह राठौड़	अर्धवृत्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ग	28.03.2024	09.08.2024

बी.2 अकादमिक वर्ष 2023-24 के दौरान नियमित प्रशासनिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी:

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
1.	श्री प्रदीप अग्रवाल	वित्त अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
2.	डॉ. हरि सिंह परिहार	संयुक्त कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	-
3.	श्री सुलतान सिंह	अधिशाषी अभियंता	सीधी भर्ती	क	-
4.	डॉ. रवीन्द्रनाथ वोडेयार	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	-
5.	श्रीमती सोभाग्यवती गुप्ता	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	-
6.	श्री सरोजा कुमार पांडा	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	-
7.	श्रीमती अनुराधा मित्तल	जनसंपर्क अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
8.	डॉ. ओम कुमार कर्ण	हिन्दी अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
9.	डॉ. अंकुर मित्तल	चिकित्सा अधिकारी (पुरुष)	सीधी भर्ती	क	-
10.	श्री श्याम सिंह	सहायक कुलसचिव	पदोन्नति	क	-
11.	श्री आशीष कुमार गुप्ता	सहायक कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	-
12.	श्री मनोज कुमार इंदौरिया	सहायक कुलसचिव	पदोन्नति	क	-
13.	श्री शक्ति सिंह पँवार	सूचना वैज्ञानिक	सीधी भर्ती	क	-
14.	श्री विकास कुमार सिन्हा	प्रणाली विश्लेषक	सीधी भर्ती	क	-
15.	श्री गौरव शर्मा	सहायक कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	
16.	श्री रमेश सिंह सोलंकी	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
17.	श्री प्रदीप कुमार गर्ग	अनुभाग अधिकारी	पदोन्नति	ख	-
18.	श्री लोकेश विजयवर्गीय	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
19.	श्रीमती नेहा बजाज	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
20.	श्री राजपाल सिंह रेवाड	सुरक्षा अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
21.	श्री भारत भूषण गुप्ता	निजी सचिव	पदोन्नति	ख	-
22.	श्री राजेश कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	सीधी भर्ती	ख	-
23.	श्री दर्पण बंसल	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	सीधी भर्ती	ख	-
24.	श्री सेवा राम कुमावत	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
25.	श्री संजय गौड़	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
26.	श्री केदार पहाड़ासिंह	निजी सहायक	सीधी भर्ती	ख	
27.	श्री मोहित जामड़	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
28.	श्री संजय जोशी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
29.	श्री नरेश कुमार मंगल	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
30.	श्री अवधेश विजय	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
31.	श्री गिरधारी लाल वर्मा	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
32.	श्री विनीत प्रकाश बिश्नोई	सहायक	सीधी भर्ती	ख	
33.	सुश्री प्रतिमा चट्टराज	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
34.	श्री पुनीत अग्रवाल	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
35.	श्रीमती हेमा चौधरी	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
36.	श्री जहांगीर कुरैशी	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
37.	श्री शिवराज बैरवा	सहायक	सीधी भर्ती	ख	
38.	श्री दिलीप रायचंदानी	सहायक	पदोन्नति	ख	
39.	श्रीमती दीपिका कुमारी डांगी	नर्सिंग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
40.	श्री सुनील कुमार जांगिड़	वृत्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	
41.	श्री अखिलेश तिवारी	फार्मासिस्ट	सीधी भर्ती	ख	-
42.	श्री जय राम चेजारा	सुरक्षा निरीक्षक	सीधी भर्ती	ख	-
43.	श्री विवेक व्यास	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
44.	श्री पंकज कुमार टेलर	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
45.	श्री संदीप शर्मा	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	
46.	डॉ आरिफ खान	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
47.	श्री राहुल शर्मा	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
48.	श्री मनीष सिंह राठौड़	अर्धवृत्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ग	09.08.2024
49.	श्री सत्यनारायण राव	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	
50.	श्री पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	
51.	श्री गिरिराज शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	
52.	श्री विमल कुमार जैन	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
53.	श्री दशरथ कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
54.	श्री शिवजी राम जाट	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
55.	श्री रेवंत कुमार	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
56.	श्री राजेंद्र कुमार सोनी	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
57.	श्री विष्णु बंसल	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	
58.	श्री सोम्यजीत डे	पुस्तकालय सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
59.	श्री मनोज पारीक	पुस्तकालय सहायक	पदोन्नति	ग	-
60.	श्री संतोष कुमार कुमावत	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
61.	सुश्री लता गुरबक्षानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
62.	श्री पवन कुमार शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	
63.	श्री गिरराज प्रसाद शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी	ग	
64.	श्री मधुर सागर शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
65.	श्री सुरेंद्र सिंह राजावत	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
66.	श्री विनोद चौधरी	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
67.	श्री नवीन चंद सेन	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
68.	श्री गोविंद कुमावत	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
69.	श्री ललित भोपरिया	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
70.	श्री योगेश कुमार मीना	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
71.	श्री गौरव कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
72.	श्री गणपत लाल सोलंकी	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
73.	श्री अंशू शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
74.	श्रीमती शर्मिला औथा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
75.	श्री मंगल चंद धानका	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
76.	श्री विष्णु कुमार गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
77.	श्री रवि प्रकाश बोहरा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
78.	श्री अंकित यादव	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
79.	श्री यशपाल सोलंकी	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
80.	श्री अनिल जांगिड़	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
81.	श्री नवीन कुमार शर्मा	वाहन चालक (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	-
82.	श्री राजवीर सिंह	रसोईया (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	-
83.	श्री गौरव सुखवाल	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
84.	श्री संजय कुमार शर्मा	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
85.	श्री हुकमा राम मेघवाल	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
86.	श्री नंद राम चौधरी	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	
87.	श्री सत्य नारायण सोलंकी	रसोईया	पदोन्नति	ग	-
88.	श्री जय सिंह रावत	छात्रावास परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
89.	श्री नथमल टाक	छात्रावास परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
90.	श्री भागीरथ आशिया	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	
91.	श्री आशीष कुमार शर्मा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
92.	श्री खीमा राम	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
93.	आशुतोष कुमावत	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	
94.	श्री केशव कुमार शर्मा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	
95.	सुश्री प्रिया शर्मा	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
96.	श्री नितेश यादव	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
97.	सुश्री निमिषा गुप्ता	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
98.	श्री विनोद कुमार	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
99.	श्री सागर मल गुजर	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
100.	श्री आशीष कुमार शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
101.	श्री लेखराज	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
102.	श्री नीतेश जैन	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
103.	श्री युवराज सिंह राठौड़	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
104.	श्री दीपक सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
105.	श्री गणेशी लाल शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
106.	सुश्री आशिता लड्ढा	सांख्यिकीय सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
107.	श्री हरीश वैष्णव	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
108.	श्री पवन कुमार	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
109.	श्री बाघ सिंह भाटी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
110.	श्री हेमराज कुमावत	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
111.	श्री रवि सेन	ड्रेसर	सीधी भर्ती	ग	-
112.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	संयुक्त कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	08.08.2023
113.	श्री मनीष डीडवानिया	परीक्षा नियंत्रक	सीधी भर्ती	क	05.04.2024
114.	इंद्रपाल जी	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	03.03.2024
115.	श्री कार्तिक भाटी	सहायक अभियंता (विद्युत)	सीधी भर्ती	ख	21.12.2023

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
116.	सुश्री नेहा बजाज	सहायक	पदोन्नति	ख	14.02.2024
117.	श्री गौरव शर्मा	अनुभाग अधिकारी	पदोन्नति	ख	09.10.2023
118.	श्री शफीक मोहम्मद	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	15.11.2023
119.	श्री होशियार सिंह पालावत	कनिष्ठ अनुवादक	सीधी भर्ती	ख	11.08.2023
120.	श्री धर्मेन्द्र चौधरी	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	24.08.2023
121.	श्री विवेक व्यास	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.02.2024
122.	श्री पंकज कुमार टेलर	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.02.2024
123.	डॉ आरिफ खान	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	14.02.2024
124.	श्री संदीप शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.02.2024
125.	श्री राहुल शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.03.2024
126.	श्री दिलीप रायचंदानी	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	12.06.2024
127.	श्री शिवराज बैरवा जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	25.01.2024
128.	श्री पवन कुमार शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	14.02.2024
129.	श्री विष्णु बंसल	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	14.03.2024
130.	श्री भंवरा राम कस्वां	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	24.05.2024
131.	श्री अर्काप्रावो बेरा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	21.06.2024
132.	श्री सुनील कुमार जांगिड़	प्रयोगशाला परिचर	पदोन्नति	ग	25.01.2024